

المن المح كتب خان الكرمايية الوباللاتو

W. W. نَّ فَيْ فَا لَمُوْرُ الْمُسْفِلُ الْمُورِدِينَ فَيْ الْمُورِدِينَ الْمُورِدِينَ الْمُورِدِينَ الْمُورِدِينَ ا السي المستقدات المستقدات المورودين المرادية المرادية المرادية المرادية المرادية المرادية المرادية المرادية الم 19/15 اشلارى مسائل وخصائل كاخزانه تاليف هنرت شيخ الحديث

علامه عالمصطفي المي محدى مله

المركب ال



| عنني زور | نام كابت: |
|--|---|
| من المصطفع اعظمي منظر المصطفع اعظمي منظر | مصنّف؛: |
| | طايع: |
| إسلامى كتب حانه فيضل الماكيط | ناتشر؛ ــــــــــــــــــــــــــــــــــــ |
| بوك أردو ما زارلا بور | |
| سيبرا حمر كبيلاني | کتابت: |
| روپے | قیمت ا |







صنرت علامه فتي علال الرين فبالمجرئ رطآ



علمة العصرتشخ الحدميث معترت مولانا لحاج عبدالمصطفيص ويعظمي مخددى نبله مرفقه العالى ابنے على جاه و حلال اورفضل وكمال كے اغلبارسے اكابر علماء ا بل سنّت بب ایک خصوصی امنیاز کے ساخد ممنا زبی را ب ایک سلم النیون کام درسان ما ح البیان اورایک حصوصی طرز تحریر کے موجد و کامیاب مصنف، ہونے کی بنابر ملک <mark>وببون کمک پین</mark> جامع الصفات" مشهُوربیں ۔ سِندنعاص اوراسم موضوعا<mark>ت پ</mark>ر اب كى چھوٹى بڑى بندره كذا بي طبع بوكروام و تواص سے تواج تحسين ما صل كريكي يں۔

زرنط كناب جننى زبور " أب فعوا الدام كرعور أول ك يفضيف فرمانی ہے جس کویں بغور بڑھ کراس ننیجہ ریم پنیا ہوں کرصرور بات زمانہ کے لحاظ سے برکنا بہریت ہی اہم، نہا بت ہی اتمول اوربے صدمقیدیم اور جروانعالی يمح ومعنم دمسأتل اوربهنرين أداب ونحصائص محسا غدسا تخدعبرت نعير نصيحنو ا ورزقت أكمبروا فعات كالابواب مجبوعهس

الله تعالى صفرت معتنف فبدركو جزا وخيرعطا فوائد و اوربرا دران المبتنت و توانين مين معتنف كي تونين و المراده انتاعت كي تونين المختف المراكمة بيرست بدا لمرسكين صلوات الله تعالى وسلام عليه وطبهم الجمعين -

جلال الدين احداميري حادم دارالا فنارفين الرسول <mark>براون تتر</mark>لف ضلع لبتی ۲۵رذی القنده س<mark>و ۱۳</mark>ساست



سبب نالیف

مسلان عورتوں کی ازاد خیلی مصطمعا شرہ کی تباہی وبرسالی دیجد کریا رماردل کومننا ا در حبّنا نفاراس يع إبك ترت سع برنويال مفاكر مسلمان عورنون كي اصلاح وفلاح اور اِن کی بدا منتفاد بوں اور بداع ابوں کی اصلاح سے بیے ایک کتاب تکھووں گرافسوس کرکڑ<u>ت کار و ہ</u>جوم افکار کے میدان محتفر میں اس طرف توبتے کی فرصت ہی نہیں کی پہا نك كرسر مفص مر مركولوى عجازت بن صاحب قادرى مالك عجاز مكر لوموره في برى دلسوزى كيساق ميرسين الك خطي تحريك كداكك لي كناب كي وحرص ورب بومسلان عورتوں کی دبنی و دنیا وی صر**ورتوں مے** تعلق صروری علومات کی جامع ہو۔ تاكروة سلان بجيول كي تعليى كورس بي داخل بوسك ا وأسلان المكبول كوجهز یں دی جاسکے۔ اس کے بعدمبری تصانیف کے دوسرے فدر والوں نے جی زبائی ا والمحالية المنون كا البيدا طويا ريا نده وباكريس احباب كراس مطالبه كو تنظرا نداز مذكر سكار حديم وكئي كرسب سيدا نومي ضلع لبتى كيسليط الحاج ملّا جرحنيف مارعلوى بن كالمبلئي كعلم دوست وديندارسليطون من شارسيد وانبرون في الون تعرف مین سرے دوبروبیط کر برستنر برکیر دیا کر آپ نے بمالی او کوں کے باعقوں بی دینے کے لیے نوبہت سی کتابیں مکودی ہیں لیکن ہماری لوکسوں سے ما مغوں میں نینے کے یا اب سے اب مک کھڑھی تہمیں لکھا۔ بیٹن کر چھے بے صدراً ترم وااور مِن نے روم کرلیا کران شاءاد شرفعا کی بہت بعلدایک البی کناب مجھوں گا ہو عورتوں اورمردوں دونوں کی اصلاح کے بلے فدریعر ہوابت اورمجرکنن گار كي يدسامان أخرت بن جلئ ينان خرخدا وندكريم كاب تنارشكريك كروف

بغدماه كي فليل ترسن بتن عمم م مح كلهائي معنا بن كوين حي كرمساً لل وجعماً ل كالمرتح بعور مُلاستن جنی زاور اسے الم سے اطراق کی صدمت بن مذر کرنا ہوں۔ مركناب مندر جرول دس عنوالون كالجوعري ارمعاً المات ٢- اخلاقيات ١٠٠ رسومات ۴- ایمانیات ٥ عبادات ٢ - اسلامیات ١ ندکره صالحا ۸ منتفرق بدا^ت ۹ ـ عمليات <mark>۱۰ مميلادونعت</mark> اور بحد و تعالی سرعنوان کے تحت صروری برایات اوراسلامی مسال و حصالی کا ایک صر تک کافی دیمره بمع کردیا سے راس بلے اظریت سے امید کرنا موں کرمیری كونا ہيموں كى اصلاح فرمائي گے . اوراً تست مسلم كى صلاح و فلاح كے يليے اس کن<mark>اب ک</mark>ی اشاعت بس اپنی طاقت ب*ھر حزور حقت*رلس کے نصاو دکرم میری اس حفیر فلى ندرت دن كوئترت فبولتت يسيسر فراز فوائد . (البن) م خوص مصرت گرا می مولانا الحاج مفتی جلال الدین صاحب فیلم المجدی مدس دارالعلى فيف الرسول برا ون شرلف وعز مزالفذر مولا نا فدرت التدرصا حب رضوي مدر<mark>س والأ</mark>لعليم فبض الرسول برأون حمر نبيت كاشكر گرار ميون كران دونون صاحبا^ن نے كنب كى تفخى من جعتر كى ممرس باركوبلكا اورمرس قلب كومطلت كرويا . نج<mark>زاهما الله تعالى إحسن الجزار وهوجسبي ونعوا لوكيل وصلى لله</mark> تعالى علىخبرخلقه محما واله وصحبه اجمعين

صحبه الجبعيون على على عنه عبر المصطفح الأعظمي على عنه عنه المسطق المستعلق المستعلق





أنتساب



میری المیصالح نمانون کے نام

ہو ۲۳ برس سے نہابت وفاداری کے ساتھ مبری نعدمت کردہی بیں میر سے بچوں کو بالا میرا گھر سنجالا۔ اور جھے علمی ودبنی نعذ ننوں کے لیے خاکی فکروں سے آزاد کر دیا۔ ان کے بلے میری دعاہے کہ سے نم سلامت رہو ہزار برسسس ہریوس کے موں دن پچاس ہزاد

عبدالم<u>صطف</u>ے الاعظمی عفی عنہ درخوال س⁹⁹ ارج



| | فهرست مضامين | | | | |
|-------|---------------------------|-------|--------------------------|--|--|
| اصفحر | عنوات | عىنحر | عنوان | | |
| 40 | يده عرّت ہے۔ ينز نى نهي | 46 | المعاملات | | |
| 40 | کن لوگوں سے بردہ فرض ہے | 11 | عودت كباسه إ | | |
| 44 | بهترین تنویری شان | 10 | عودت اسلام سعريه | | |
| " | بہترین شو ہروہ ہے | 44 | عورت اسلام کے بعد | | |
| 44 | عودت ما ل بننے کے بعد | 19 | عورت کی زندگی کے چاردور | | |
| " | متحول کے حقوق | 11 | عورت کا بجابن | | |
| 4. | ادلاد کی پرورش کا طراقیہ | 41 | عورت جب ما لغ مروحات | | |
| 20 | ال باب كے حقوق | 44 | عورت نشا دی کے بعد | | |
| 44 | رشتر دارد ل كم حفوق | MM | SK. | | |
| 44 | برادسيون كي مقوق | 20 | شوبر کے حقوق ر | | |
| 49 | عام مسلمانوں کے حقوق | 44 | تشوم كيسا فقازندكي سركرا | | |
| ۸۰ | الشانى حقوق | 94 | بهترین بیوی کی پیچان | | |
| A) | جانورو سكه حفوق | " | مہتری مبودہ ہے | | |
| ٨٧ | | PA | ساس بهدكا حكمط ا | | |
| ۸۱ | عقوق اداكروا يامعان كرالو | ۵. | ساس کے فرائفن | | |
| 1 | بداخلاقیات | 01 | بهو کے فرائق | | |
| | , | " | بيت كمفواتف | | |
| " | چند نُری عاد تیں ریس | 04 | میوی کے حقوق | | |
| | عصبر | 47 | مسلان عورتون كايرده | | |

| صفح | عنوان | صفحر | عتوان |
|-------|-------------------------|------|----------------------------|
| \· (* | کایل | ۸4 | عقبركب بُمَرا ، كب الجِيا |
| 1-0 | متد | ۸۸ | غصر کا ملاج |
| " | برگما تی | // | صد |
| 1-4 | کان کاکیاہوتا | 11 | صدكا علاج |
| 1.4 | ریا کاری | 19 | E. |
| " | تغربب لپندی | 9. | يائح كا حلاج |
| 1.0 | ببندانجي ما دتمب | 91 | بخوسى |
| " | de | " | فل كا علاج |
| 1.9 | تواضع وانكساري | 94 | ير - ا |
| 13. | عفود درگزر | 9pm | متركا علائح |
| 111 | مبروشكر | " | ى 📗 📗 |
| 115 | . قناعیت | 90 | بيت |
| 1190 | رخم وشفقت | 94 | یکن لوگوں کی غلبت جائر سے |
| 11 | توش اتعلا في | 96 | بنان 🗸 🎾 |
| 111 | حيار ك الم | 99 | مورط ا |
| 150 | صفائي سخفرا ئي | | ب اودكوتسالجموط جا رُنهي إ |
| // | سادگ | | بببجرئي |
| 110 | منخا ورت | 1-1 | الي كلوي |
| " | شيرس كلامي | " | منول مكواس |
| " | گنام <i>دن کابیا</i> ن | 1.50 | سکری |
| " | كنا وكمسركس كو كينته بس | 1.90 | بكرا كمرار |

| صقر | عتوان | صفح | عنوان |
|-----|------------------------|------|--------------------------|
| 149 | ابيان مجنل | | كناه كبيره كون كون بين إ |
| " | ابيا تمقصل | 114 | گنامور، سے وٹیا وی نقضات |
| 16. | الشرتعالي | IIA | عبادنوں کے دنیاوی فوائد |
| ١٢٢ | نی ورسول صحابی | 114 | |
| 199 | صحابی | 15. | ۳۔ رسومات |
| 10. | قرشتون كابيان | " | مسلانوں کی سموں کا بیان |
| 101 | بن كا بان | 146 | چند نبری رسمیں |
| " | المساقى كمنابين | 145 | جهتر |
| 104 | تقدير كابيان | " | نهروارون کی رسمیں |
| 104 | عالم برزخ | IYA | مهينوں اور دنوں کی نحوست |
| 188 | فيامنت كإبيان | 179 | محرم کی رسمیں |
| 100 | صروری بدایات | 194. | محرم بي كياكرنا چا جيئي |
| 140 | کفرکی بانیں | | شب عانتوره كي نفل تمار |
| 148 | ولا يبت كابيان | " | عاشوره کا روزه |
| 144 | بیری مرمدی | 144 | مچالس محرم |
| | | 197 | فانتحر |
| 144 | ۵ -عبادات | " | الحرم كالمجيرا |
| " | امسأس كى جيندا صطلاحيي | 170 | شب برارت كاحلوه |
| " | <i>قرحق</i> | | |
| " | واجب | 124 | م ایمانیات |
| 144 | سننت مؤكده | 194 | لنجيد كالمات |

١.

ľ

| صفح | عنوان | صفحر | عنوان |
|------------|--|----------------|--|
| اسیے ، ۱۸۳ | ركن چيزون سيفسل فرض مو | 149 | سننت غيرمؤ كده |
| 144 | ليمم كاببان | | مستغب |
| 100 | يتمم كاطريقتر | | ریاح حرام |
| 11. | جم کے قرائص جمم کی سنینی | | مرز ا لمدوده تحریمی |
| 11 | . هم ی مسلبین سنتنجار کابیان | | ر برای سر بی ساد <i>ت</i> |
| 144 | ان کا بیا <i>ن</i> | 1 | روه ننتر بیچی |
| 1/4 | ن كن يا نيون سے دعنو جا كر۔ | • | ىلان <mark> ا</mark> د كي |
| 11 0 | ن کن یا نبو <u>ں سے</u> و خوجاً نرنہ | | -1 -/ |
| 197 6 | ا فوروں کے جھوٹے کا بار | 140 | |
| 195 | نویں کے ساکل | 141 | را تط نماز |
| 190 | باست <mark>ول کا ببا</mark> ن | | ل کےمسائن |
| | ص ونفاس ا <mark>در جنابت کا</mark> برا | | ٹو ک <mark>ا طربیفہ</mark> تو کے قرائف <mark>ن</mark> |
| 4 | ض ونفاس کے احکام | | موتے فرانص نو کی سننس |
| 404 | غاصر کے احکام | | موی مسبق د سکے مستحیات |
| " | ئیں کے اسکام میں میں ان | | وسط حیات کوکے کمرد ہات |
| 7.7 | م <i>ڈور کو بیان</i> زیسے دفنوں کا بیان | 129 12 14 A | رے میرہ ب و نوٹے والی جنریں |
| 4.4 | ر مصدر ون ما بین ن ر کاوقت | | ر کے مسائل ان کے مسائل |
| " | برکا وقت | b 1A1 | ل كا طرلقة |
| " | مگرده مگرده | 6 IAF | ورئ نبيبهر |

| صقح | عنوان | صفحر | عنوان |
|------|--------------------------|------|-----------------------------|
| YYA | جاعت والاست كابيان | 4.4 | عصركاوقت |
| اموم | وتركى عناز | 11 | مغرب كا دفنت |
| 11 | دعا رقنوت | H | عشامكاوقت |
| 474 | معجدة سهوكابان | 11 | نماز ذتر کاوفننه |
| 444 | منازفاسدكرن والىجيزي | 4.6 | مكروه وننزل كابيان |
| 444 | ا نمازے کروہات | 4.4 | ולוטאישוט |
| 484 | مُمَا رُلُورُدي كَ عَرْد | 114 | ا دان کا طرلغتہ |
| 44.5 | بیمار کی نماز کا بیان | 11 | ا ذان کا جواب |
| YYA | مسافر کی نناز کابیان | 414 | صلاة بيرصنا |
| 444 | سجدهٔ ثلا وست کا ببان | " | أفامت |
| 491 | قرارت كابيان | 414 | استغبال فبلركيمساك |
| 444 | مارك إمرزلاوت كابيان | | ركعنون كي نعدا دا ورنتيت |
| YMA | احكام مسجدكا بيان | | نماز يرهضه كاطريقه |
| 1469 | مسنتول اورنفلوك كابرإن | 777 | نماز بس فورتوں کے بیندمسائل |
| 1444 | نماز تنحية الوصور | 477 | ا فعال ممازكي قسميس |
| ! " | مازاشرات | 10 | فرائص مناز |
| • " | نمازجاشت | 444 | نماز کے واجبات |
| " | نمازتهجد | 140 | نماذى ستبتي |
| 14 | معلوة التبييح | 772 | منازك نخبات |
| 10 | نمازها بست | " | ناز کے بعد ذکر و دُعا |
| 44 | ماتصلوة الاسراد | 770 | ايكمسنون فطيفر |

| صف | عثوات | صفح | عتوات |
|--------|-----------------------------------|------------|--|
| PLY Y | شر کا بیان | 5 74- | نباذانتخاده |
| 424 | ة كامال كن كود ما جائي | 5 11 | تراويح كابيات |
| حرم ح | كوزكوة كامال ديبامني | 404 / | منازون كى قصاء |
| 140 | ل توتير تنبيهم | 157 700 | جمعه كابيان |
| 424 | رقه قطر كابيان | | نماز عیدین کا <mark>بیان</mark> |
| 467 Cm | ل كسيملال ب اوركس | | نماز عيدبن كاطريفة |
| YEA | ز فرکرنے کی فصنیلسٹ | 401 | تجيير شرنتي |
| 11 | /= | " | زبانی کابیان |
| 44. | روڙه | 109 | نربانی کا طربیته |
| YAI | ردیکھنے کا بیان | ا ۲۹۰ بيان | عقيقه كابان |
| YAM | رہ تورشنے والی جنری | 144 (16) | لَهِن كَي نماز |
| YAD | نیزو <u>ں سے روزہ نہیں ٹو</u> ٹما | ار برس | يبت مينعلقات |
| PAY | رہ کے کروبات | ۲۲۲ روز | تب <u>ت كے نهلانے كا طراف</u> ة |
| 11 | وتورو الفكاكفاره | ۲۲۲ روز | لفن <mark>کا بیا</mark> ت |
| 11 | روزه محمور نے کی اجازے | ۱۹۲۳ کپ | بنازہ سے <u>چلنے کا بہا</u> ن |
| 444 | نفلى روزول كى فشيلت | | ماز جنازه کی ترکیب |
| 444 | | ١٤١١ اعر | الريز للفتن |
| - | | 744 | بار ت ن بور بار ت ن بور |
| 741 | £ | | |
| 191 | وا جيسه بوسف كى تشرطىي | E 149 | زوه |
| " | بب ادا کے نشرائط | 124 1 676 | ورات كى زكوة |

| صفح | عثوان | صغر | عنوان |
|------|---------------------------|-------|---|
| سورس | حافزی دربار بدبنه | 15.23 | صحتِادا کی شرطیں |
| 414 | مدينه طيتبر كيربين ركنوب | 798 | رج کے فراکض |
| mp. | مدمنه منوره كى چندمسجدى | 794 | یچ کی شنتی |
| Mah | درما را قرس سے والیی | " | هزوری نتیبهه |
| 444 | ٩- اسلاميات | 794 | سفرچ وزیارت میمه آذاب ماجی کفرسے بیلنے وقت |
| " | كماني كاطريق | | ماجی مبنی س |
| 444 | يبيته كاسلبفه | | حاجی جہاز ہی |
| PYE | سونے کے آواب | 4.4 | ماجی چٹرہیں |
| 444 | ي سس كابيان | 4.4 | احرام |
| MAGI | دیشت کا بیان | # | منروری برایات |
| MAR | متفزن مسأىل | 43.44 | طواف كعبه كمرمه |
| 779 | چلنے کے آداب | 1-4 | منفام ايرانهم كي مُرعاء |
| عروا | اداب مجلس كابيان | | وعار منتزم |
| 779 | علس سے أعضة وقت كي دماء | 4.6 | وعادزمزم |
| # | زبان ك حفاظت | 11 | صفا ومروه کی سعی |
| 461 | مکان بیجانے کی اجازت | 144 | منیٰ کی روانگی |
| 444 | سلام کے سائل | 4-9 | ميدان عرفاستيس |
| 465 | مصا فجرومعانفه ولوسدونيام | ٠,١٣ | دات تعرمزدلقهم |
| 179 | پوسه کی تسمیں | 414 | مكترى جند زيارت كابي |
| 40. | چيبنک. ک جائی | 11 | مكر مكرمهر سعه روائكي |

| صفي | عنوان | منفح | عنوان |
|----------------|----------------------------|-------|--|
| 74 A | عرس بزرگان دین | 404 | تربدو فرونت كيجيد مماكل |
| 444 | ايصال تواب | 404 | نننه والي جيزون كابيان |
| 444 | ينجه كي فاتحم | YOA | بلاا جازت کسی کی جبز نے لینا : |
| 11 | چالبسوس ا در برسی کی فاتحر | 1/ | تصویرون کا بیان |
| 444 | نشب برانت کی فانتخر | 404 | موه عورتوں کا مکا <mark>ح</mark> |
| 11 | كوندول كى فانتحر | | میماری اور ملاج کا بیان ور |
| MAN | فانتحه كاطرانيته | " | یمارٹر <mark>سی</mark> پیر رئیس |
| | 131 2600 | 744 | راک کی ملا و <mark>ت کا تواپ</mark> در مرور |
| 444 | ٤ : نزرهٔ صالحات | 144 | ران عبيرا وركنابون كي آواب |
| 49. | مضرت نعد بجروهى التدعنها | 744 | سجدا ورقبلر كماكواب |
| ۳ ۹ ۲ . | معترت موده رصى الشدعنها | 449 | بوولعب كابيات |
| 498 | مصرت عاكشترضى الترونها | | الم دين كي قضيالت |
| 440 | مفترث مقصه دحتى الشيخنها | - YLY | الله روزی کمانے کا بیان |
| 794 | مضرت أرم سلمدرهني التدعنها | 444 | |
| 799 | مصرت أم جبيروي الشرعنها | 464 | |
| 1.79 | معزت زبنب بنت محشره | 464 | |
| 4-4 | تصرت زيرب بنت فزيره | TAI | بروبركت والى مبلسيس |
| 8-4 | مصرت ميمويترصى الشرعتها | 4 | بى شريف امبلاد شريف |
| 7.0 | تصرت بوربه رحنى الثرعنها | MAY | ا مهوین شریف |
| 4.4 | مفترت صفيه رحنى الشرعنها | TAY | برسن پاک کے اجلاس |
| M.V | هنرن ربنب رصى الشرعتها | h | الفذوكر |

| عف | عتوان | صقحه | عتوان |
|------------|---|---------|--|
| APY | كيطرون كوثرول كوتحيكانا | 444 | تضرت ميموند سودا ورهني المعتبها |
| 449 | زمانهٔ حمل کی تدبیری زییر کی تدبیرون کابیان | 449 | ٨ يمفرق بدايات |
| 451 451 | رچیری مربیرون کابیان بچول کی اهتباط اورندابیر | | ننسکاری اور میشوں کا بیان |
| hr h | ۹ علبات | 49. | من بميو ل كي دستسكاري |
| 420 | اعال اور دعاؤں محتشرائط | 10% | عن اسمان دستسكاريان زيمليف دونة مكليف الحياؤ |
| W24 | ا عن اور دعاون مصر الط وظا لف محصر ورى أداب | | ر سیف رور سیف هاد داب سفر |
| MER | سفلى درحاتى عليات | 100 | روسول کا تحب یا محبوب کون ا |
| MEN | مۇ كلا ئى عمليات سىيە بچو نىرا ھەرلىم دىلا | | سل <mark>انوں کے قیوب جھیا</mark> ؤ ل کی سختی محاعلاج |
| W49 | نواص تبم الند مرطرح كى صابيت رواني | | رای می محملات راهون کی تعظیم کرو |
| 11 | وتشمني دور موجائ | | مرن كمر، اور برترين كمر |
| M- | مردردوم من دورم وجائے | | ردرا ور محمنار کی برائی |
| 11 | چرداورابیانک موت سے حفاظت عابتوں کے لیے لیج اسٹراور نماز | 100.100 | ر صیا عور توں کی حدمت دکیوں کی برورسشن |
| 11 | ولادر نده رسے گ | 4 | ما باپ کی خدمت |
| н | د سرکا انرمز ہو | 409 | بنيان جہتم سے پُردہ ښين گي |
| PAI | بخارسے شفاء نپ ارزہ سے شفاء | | نسان کی تمین علطیاں پیفد دورارام کی اتنیں |
| " | با زار مي تقصان منهو | | |

| صقحه | عنوان | صفحه | عنوان |
|------|----------------------|------|--|
| 491 | خواص سوره مائده | PhI | أسبب دور بهوجائ |
| 4 | نواص سوره انعام | 447 | حطره میں بیرجانے کے وقت |
| 11 | نحاص مولهٔ اعراف | " | برآفت سے امان |
| " | نواص مورة انفال | MAY | دفع أسيب وردسحر |
| 494 | خواص سوره توبه | 11 | نطالم اورتشبطان <u>سے</u> پٹاہ |
| u | شواص سورة إولس | MAY | دعا _د النس رص <u>ی ال</u> ندعنه |
| | خواص سوره مود | MA 4 | برمرص سي شفاء |
| 11 | المواص سورة يوسف | - 11 | حرزالو دجان |
| " | تواص مورة رعد | MAM | حففات كاتعويتر |
| " | نواص سوره ابراسيم | 11 | نواص سوره فاسحه |
| 494 | شواص سورة مجر | 11 | روزی کی فرادانی |
| " | خواص سورهٔ تحل | " | مكان سيين بعاكر جائے. |
| 11 | نواص سورة بني المراس | " | شفاء امراض |
| 11 | خواص سورة كبيت | 449 | بهماری اوراً نت دفع بهو |
| " | تواص مورة مري | " | نواص سوره لفره |
| 11 | عواص سورة الله | 4 | شيطان بجاگرجائے |
| H | خواص سوره انبياء | " | بری برکت |
| " | نواص سورة عج | " | خواص آبترا مکرسی |
| 494 | نواص مورة مومنون | 19. | تهين كوئى ديج سنسك |
| 4 | شحاص سورهٔ نور | 441 | نواص موره آل عمران |
| 11 | نواص سورهٔ فرقان | | نواص سورته تساء |

| صفح | . عنوان | صفح | عنوان |
|------|--------------------|-----------|--------------------------------|
| 494 | خواص مورة مجر | الما الما | نواص سوره شعراء |
| 11 | نواص سوره فتح | 4 | تواص سوره بنل |
| н | عواص سورَه جرات | 4 | نواص سوره قصص |
| u | نواص سورة ق | # | تواص مورة عنكبوت |
| M9 N | خواص سورة ذاربات | " | نواص سوره روم |
| " | خواص سورة طور | 490 | نوانس سو <mark>رهٔ لقان</mark> |
| 11 | تواص سوره مجم | " | نواص سوره سجده |
| " | تواص سورهٔ قمر | 1 | نواص مورهٔ احراب |
| 11 | تواص سورة الرحمن | " | شواص موره مسيا |
| " | تواص سورة واتعر | " | نواص سوره فاطر |
| 699 | فواص مورة حديد | | تواص سورة السي |
| " | خواص مورة مجادله | 1 | نواص نواص سوره الصافات |
| " | فتواص معوره منتشر | 1. | تواص سوله عن |
| " | تواح المورة منخنه | | نواص مودة زُمر |
| " | نواص سورة صف | " | نواص سورهٔ موش |
| " | نواص سورة جمعه | " | تواص سوره حم سيحده |
| " | تواص سورة منا فقون | M9 4 | تتواص سور که تشوری |
| 11 | نوام سورهٔ طلاق | " | نواص سويره زنرن |
| ٥ | نواص سوره تحريم | | نحواص مسوره فرنعات |
| " | تحواص سوره ملك | 11 | نواص سوره ماثبير |
| H I | خواص سورة ك | η | نواص سورهٔ احقاف |

| صفح | عنوان | صفحه | عنوان |
|------|----------------------|------|---------------------|
| 3-4 | نواص سورهٔ ملر | ٥ | واص سورهٔ حاقر |
| 11 | خواص سوركه والتنمس | " | واص سوره معارج |
| " | تواص سورة والنيل | " | واص سورة توح |
| ۵۰۳ | خواص سورة والمفنحي | 11 | واص سورهٔ جن |
| " | خواص سورة الم نشرح | 11 | جواص مورة مزيل |
| " | خواص سوره والتنين | " | نواص مورهٔ رتر |
| 11 | نتواص سورة اقراء | " | واص سوره قبامه |
| " | تواص مورة قدر | 4-1 | نواص سورهٔ دهر |
| " | تواص سورهٔ بتبنه | " | نواص سورة مرسلات |
| # | تواص سورة زلزال | " | نواص سوره نیار |
| 11 | شواص سورة والعاديات | " | نواص سورة والنازعات |
| ١٩٠٥ | تحواص سورة القارعة | " | نواص سوره عبس |
| 11 | خواص سورهٔ نکاتر | " | تواص سورة مكوير |
| " | شحاص سورة والعصر | 4 | نواص سوره انقطار |
| " | تواص سوره الهمزه | " | نواص سورة تطقيف |
| " | نواص سوره نيل | 0.4 | تواص سورة انشفاق |
| " | تواص سوره قريش | " | نوام مورة بردج |
| " | تواص سوره ماعون | " | نواص سورهٔ طارق |
| 11 | نتواص مورة الكوثر | 4 | تواص سورة اعلى |
| " | نتوا صسوركا الكافرون | 11 | تواص سورة غاشير |
| 8.8 | حواص سورة ننبت | " | نواص مودة قجر |

| صفحر | عثوان | صفحر | عنوان |
|------|------------------------------------|------|---------------------------------------|
| 0.9 | وووصكم بهونا | 0.0 | حواص سوره انعلاص |
| " | جاوو فورز کے بیے | . " | نحواص سورة فلني والناس |
| 01. | آیام ما بهواری کی کمی | 0.4 | دوسر مے مختلف عملیات |
| 4 | آیام ما برواری کی تربادتی | 11 | دما نع کی کمزوری |
| u } | غائب كو دائبس مين نا | 11 | نظر کا کمز ورسیونا |
| 011 | غرببي دور بهو نے كے ليے | " | زيان بس لكنت |
| 11 | بیخون کا زباده مونا | 1 | اخلاج ملب |
| 014 | وروسر کے لیے | 11 | دردشكم |
| 11 | دروسر آدھاسیسی | 11 | تىلى بۇھ جا نا |
| " | جندمفيد وعامين | 8.4 | نات كُن مِانا |
| | | " | بخار |
| 014 | مبلاد ولعت | " | محفور الحبلسي |
| 11 | ميلادننطق | " | میرورد. گھرسے سا نب بھی گانا |
| 519 | مبلاد فتركيب | " | با ذیے کتے کا کا ٹ لینا |
| 740 | اگذیجا | 0. A | ، رصے سے ۱۰۰۰ یا بالخو بہونا |
| 700 | ریبر اترایز نماز | | با جبہوں حمل گر <mark>ما تا</mark> |
| 100 | فنيح فقشيندر محتردير | " | |
| " | تشجره فادربه رمنويه | -11 | پیدائش کا درد ستن ده رزیندا |
| 02 | أفانحيسلسد | " | י ביי האלי היה |
| 00. | ا مین کنی خادری این کنی نفا دری | " | بنچوں کو نظر نگتاً ، رونا، بیونکنا |
| | | 9-9 | منتصد اورسروما في المراس |
| 09 | مناجات | " | بيحيبك كالكنثره |

بِسُمِ اللهِ الرَّحْلْنِ الرَّحِيمِ

27

اسے تعدا وہ بہاں! اسے تعالیّ لیل و نہار
ہونہیں سکتی تری حمد و ثناء ہے سے تغمیار
نو دوعالم کا حقیقی مالک و مخت ار
و ترسے فرا ہے ہر زرا چلنا ہے حکم واقت دار
نونے بختی ہے فلک کے چاند ناروں کو بیک
نیری فدرت سے گل وعنی پر آتا ہے نکھا ر
ر مرت عالم کے دا مان کرم کا واسطہ
ر محرت عالم کے دا مان کرم کا واسطہ
موں دیے میری وعاور کے بیا ب فبول
عون کرتا ہوں ترب آگے بی بی ما ب فبول



بشيراللوالرشمان الركيا

نعت

روصنهٔ بیر نور بر ہم کو بلایش یا بیول^م عصروبان سے عرصروالس مرائي يا رسول منظر طبیہ بنادینا ہے دل کو بے تسسرار یاد آتی ہی مرینری نضائیں یا رسول ا مگنتان زرگی ندر نوال ہونے سکا بھیج دو باغ مدسنیر کی ہوائیں یا رسول گذیر خصراء کو د تجیس دشت و محرای عجری تیری از عوست مرم بی مسکرائی یا رسول ا آپ کے دربار اقدس میں ہزاروں کی طرح م مجى آگرداكستان عممنالي يا رسول



معاملات

*

معاطات نرہوں گردرست انسان کے توجانورسے بھی بدترہے آدمی کی حیات

عورت كياسهه إ

*

عورت ، مواکی بڑی بڑی مقتوں میں سے ایک بہت بڑی تعمت ہے۔ عورت ، رونبا کی آباد کا ری اورد بنداری بس مردوں کے سافقہ تقریبًا بابر کی تفریب ہے۔ عورت ، رمرد کے دِل کا سکون روح کی داست و بن کا اطبینان ، برن کا جین ہے۔ عورت ، و نبا کے خواصورت جہو کی ایک انتھا ہے۔ اگر عورت مذہوتی قود نبا کی صورت کا فی ہوتی و د نبا کی صورت کا فی ہوتی ۔

عورت : را دم علیارسلام در صرت توا کے سوانما کا انسانوں کی " ماں " ہے ۔ اس بلیے وُہ سب کے بلیے فالِ اخرام ہے ۔

عورت : رکا د جودانسانی نمرزن کے لیے بے صاحروری ہے۔ اگر عورت مزمونی آد مردوں کی زندگی جنگلی جانوروں سے مدنز موتی ۔

مورت: - بچین بر معالی بهنوں سے مبت کرتی ہے۔ شادی کے بدر شوہر سے مجتب کرتی ہے۔ شادی کے بدر شوہر سے مجتب کرتی ہے۔ اس میدعورت مجتب کرتی ہے۔ اس میدعورت دنیا ہی بیار ومجتب کا ایک من الی محل " ہے۔



بِسُمِ اللهِ الرَّحُلْنِ الرَّحِيْمِ نَحْمَدُهُ لا وَنُصَلِّى عَلَى رَسُوْ لِهِ الْكَرِيْمِ طِ



اسلام <u>سے پیلے عورتوں کا حال بہت نواب مضارونیا بی عورتوں کی کوئی عز</u>نت وو ہی مہیں فقی مردوں کی نظریس اس سے زیادہ ورتوں کی کوئی حنیت ہی میں فقی کردہ مردون کی نفسانی نوایش پوری کرنے کا ایک کے کھلونا، مقیس عورتبی دن داست مردوں کی فنمتم کی ندمت کرتی بخنیں۔ اورطرح طرح کے کاموں سے بہان تک کرودسروں ک محنت مزدوری کرے ہو کچے کمانی مقبل دہ بھی مردوں کو جسے دیا کرنی تفیس مگرظا لم مرد بھرتھی ان ورنوں کی کوئی قدر نہیں کرنے عقے ملکہ جا توروں کی طرح ان کومانے سٹنے عقے ذرا ذراسی بات برعورتوں کے کان ، ناک دعیرہ اعصاء کاط لیا کرتے محقے اورکھی کھی من میں کر والتے تھے عرب کے لوگ اوا کیوں کو دفن کر دیا کہ نے تھے اور باب کے مرنے کے بیواس کے ارام کرس طرح یا ہے کی جا ٹیدا و اور سامات کے مالک بوجا یا کرنے تنف اسی طرح اپنے ہاپ کی بولوں کے بھی مالکہ بن جایا کرتے سفے۔ اوران عورتوں کو ترومتی لونٹریاں بتا کرد کدلیا کرنے مصے معور توں کوان سے ماں باب بهائ، بهن بالتومري مراث بسي كوئى عصر بنه ما تقانه وزيم كم حزى الك مواكرنى غنبس عرب محد بعض تغبيلون بن بنطالها : دستور تفاكر بهوه موجات تعرب عورتون كو كوس البريكال كرا كب حيو في سن تنك و ناريك جيونر سام الكال الك فيديس دكها جأما نفاً . وه حبونير ب سه بالبرنه ميكل كني عبس مزعسل كرتى مغنس مر كيرس بدل سكتى تخبس كهاناياني اورايني سارى صرورتبي اسى حبونيرسيبي لورى

كرنى مختبر يهدن بسيعودين توهمط همط كرمرجا تي محتيب ا ورجوز لاه بريح جاتى مختيب نوايك سال کے بعد اُن کے ایک بی اُونسط کی مینگنیاں ڈوال دی جاتی تھیں اوران کومبور کی جانا تفاكروه كى جا ترركى بدن سدايندن كوركرس عرساك تركواس كندريا بن حكر لكائم اورا و صرُّ و صراون في ميتكنيا ر صينكتي موي على ري - يه باس كااملان ہونا تفاکران عورتوں کی عدمت حم ہوگئے ۔ اسىطرى كى دوسرى محمطرى طرح كرواب اوزمكليف ده رسيب تفني بوغرسب فورتون كميدي فيعيقون الاملاؤن كالبهار سي بوئي عض الديم عيادي معيست كي ماري ورتي كلف كمف كرا ورروروكرا مي زيركي كدن گزارنی نفیں راور سندونشان میں توجوہ تور توں کے ساتھ ایسے ایسے ڈرد ناک خلالمان سلوك كيرجات فيضب كومور سوح كركليج منه كواجا ملي مندودهم مي مرود ك يصفر ففاكروه زور كى مجرفسترسم كى نعدستي كرك ميتى بوجا "دشويركى بوجا)كرتى رہے اور شوہری موت کے بداس کی جنا " کی آگ کے شعلوں پر زندہ لیے کر متی " موجائے۔ بین شوہر کی لاش کے ساتھ زندہ عورت بھی جل کرما کھ موجائے۔ عرض لوری دنباي ب رم اودظا لم مرود رون براليسيال فيظم وتم كيم بها الورف من كان ظلمون ى وائنان س كرا يك ورد مندانسان كريسين يمي دي وقع سے دِل محرات مواسم ا ہے۔ ان منظلی اور بیکس عود توں کی عجبوری والا جاری کا بیرها لم تفاکر سابی میں ان عودلو ك كوئى متقوق عقد ان كى مظلوم تين بروا دو فرياد كى يلى كى قانون كاكوئى سهادا نفار برارد برس نک بطلم وتم کی ماری دکھیا ری مورتی این اس بے کسی ا ورا جاری پر رونى بدلاتى اورانسوبهاتى دى گردنيا بى كوئى مى ان عودتوں ك زخوں يوم م كف والاءاوران كى ظومتيت كي تسوول كونوني والا ووردورتك نظرتهي الما فعالدديا یں کوئی ان کے دکھ درد کی فراد کوشفتے والا مقار نرکی سے دل می ان عور توں کے ید بال برا بریمی رخم و کرم کا کوئی مذر بختا عودتوں سکے اس حال زاد پرانسا نبیت رنی دخم سے ب مین اور بے فرارینی کراس سے بلے اس کے مواکو فی جارہ کا دہیں مقاکروہ رحمت

حدا وندی کا انتظار کرے کرارم المرحمی غیب سے کوئی ایساسا ان بدیا فوائے کا جا نک ساری دنیا بس ایک انو کھا انقلاب تمودارم وجائے۔ اور لا چار عورتوں کا سارا د کھ دورد دور موکران کا بطرا پارم وجائے۔ بینا تجہ رحمۃ للعالمین کی رحمت کا آفناب جب طلوع ہوگیا توساری دنیاتے اچانک یر محسوس کیا کرسہ

جہاں تاریک نفا ، طلمت کدہ نما ، سخنت کالا نفا کوئی بیٹ سے کیا نکلا کہ گھر کھر میں آجالا نفا

عورت اسلام کے بعد

بحبث بملصه دمول دحمت مصرت فح مصطفاعتي الشعليه ولم تعداك طرف ستندي امله المعلى المركة المنا المركة اوراملام کی مولت ظا لم مردوں کے ظلم وتم سے کھلی اور دونری موٹی فورتوں کا ورجاس قدربلندوبالام وكباكرعبادات ومعاطات بكرنندكي اورموت كيرم رمواهدم وأ برور تن مردوں کے دوش بروش کھوائی موگئی اور مردوں کی برابری کے درجر بر بہنے كُنين مردول كي الحرج ورتول كي محقوق مقرر وكية - اوران كي مفوق كي مفاخلت مے پلے <mark>نواو دری قانون اسمان سے نازل ہو گئے۔ اوران کے حقوق دلانے کے</mark> بياسلامى قانون كى اتحى مي عدائنين قائم موكيس يورتون كوانكان مفوق ما مسلم كف بينا تيرورس ايفم ركى وقول ايني تجارلون اين جا تيرادول كى الك بنادى كيكي وادرايني ال باب، بها في من اولادا ورتشوم ول كيميراتول كي وادرث قرامد دى كىئى يومن ده عوزنس جومردول كى يوتيول سيندياده دليل ونوار، اورانتها في عجرا ولاجاد تختیں۔ وہ مردوں مے ولوں کاسکون اوران کے محروں کی ملکرین گئیں۔ چنائجة فرآن مجيد فصاف صاف لفظول مي اعلان فرادياكه:

خَلَقَ لَكُوْمِنَ أَنْسُكُو أَزْوَاحِبًا الله تعالى فَتَها لِي لِيتِها دى فَسَ

لِتَسَّكُنُوُ اللَيُهَاوَجَعَلَ بُنْيَكُوُ ۗ مَّوَدَّ لَاَ قَرَحْمَدُ ط

سے بیوباں بیدا کردی تاکر تمہیں ان سے نسکین حاصل ہو، اوراس نے تمہارے درمان محتنت وشفقت بیدا کردی۔

اب کوئی مرد بلاد جرم عورتوں کو مار پیط سکتا ہے مذان کو گھروں سے نکال سک سے مذان کو گھروں سے نکال سک ہے مذان کو گھروں سے نکال سک ہے مذان کو گھروں سے نکل مرم مرد مذہبی طور برعور نوں سے حفوق ا داکر نے برجیمور سے ۔ جنا سیخر نعوا و ندقدوس نے قران مجید میں فرمایا کہ:

وَلَهُنَّ مِثْلُ الَّذِیْ عَلَیهِنَ عورنوں کے مرودں برالیسے ہی مقون برائیسے ہی مقون برائیسے ہی مقون برائیسے سوک بیالیت مقون برائیس بیالیت برائیس برائیس بیالیت برائیس برائیس بیالیت برائیس بیالیت برائیس بیالیت برائیس بیالیت برائیس بیالیت برائیس بیالیت برائیس برا

(سورُه لِفره ركوع ٢٨) كيسانخ

ندا دنیا دبیر نی دنیا اسلام نے میاں جوی کی اجما می زندگی کی صدارت
اگرچیم در کوعطا فرمائی سے را ورمر دوں کو عورتوں پرحا کم بنا دیا ہے تاکنظا کا خادار
میں اگر کوئی ٹری شکل آئ پڑے نومر د اپنی صدا دا د طاقت وصلاحیت سے اس
مشکل کو حل کرویے بسکین اس کے ساتھ ساتھ جہاں مردوں سے کھے حقوق عودتوں
مشکل کو حل کرویے بسکین اس کے ساتھ ساتھ جہاں مردوں سے کھے حقوق عودتوں
برواجی کرویتے ہیں ۔ وہاں عورتوں کے میں کھیر حقوق فردوں برلازم عقم رافیتے ہیں
اس بلے عودت اور مرد دونوں ایک دومر سے سے حقوق بین عکولی کوشا دمانی ومسر سے
دونوں ایک دومر سے کے حقوق کو اواکر سے اپنی اجتماعی زندگی کوشا دمانی ومسر
کی جنت بنادیں ۔ اور نفاق وشنفان اور لول کی جگڑ دی سے جہنے سے بمیشر سے
بیستر سے
بیستر سے میں تا دوم وجوائیں۔

عورتوں کو درجات ومراتب کی آئی بلندمنزلوں پر مہنچا دینا۔ بیعفتورنبی رحمت صلی الشرعلیہ وسلم کا وہ احسانِ عظیم ہے کہ تمام دنیا کی عورتیں اگراپنی زندگی کی اس خری سائنس تک اس احسان کا تسکریہ ا واکرتی رہیں بھربھی وہ استعظیم لشنان اصان کی شکرگراری کے فرض سے سبکدونتی نہیں ہوسکتیں رسحان اللہ انہا کہ دیا کے محت اعظم حصنود نبی اکرم صلی اللہ علیہ والم کی شان رحمت کا کیا کہنا ؟ سے والا دہ بیروں ہیں رحمت لفنب پانے والا مصیب یہ بیروں کے کام آنبوالا وہ استے کاعم کھانے والا مصیب بین عمروں کے کام آنبوالا وہ استے کاعم کھانے والا مقیروں کا اولی ضعیموں کا والی خلاموں کا مولی اللہ علاموں کا مولی ا

عورت کی زندگی کے حیث اردور

عورت کی زندگی کے داستہ ہیں ہیں تو بہت سے موڑ آتے ہیں رکواس کی زندگی کے جار کو ورخاص طور پر قابی فر ہیں ۔

۱۔ عورت کا بجین ۲۰ میں ۔

۲۔ عورت کا بجین ۲۰ کے لید میں۔ عورت ماں بن جانے کے بعد میں۔ مورت ماں بن جانے کے بعد اب ہم عورت ماں بن عورت کے ان جاروں زما توں کا۔ اوران دفتوں بن عورت کے فرائن میں اوراس کے حفوق کا محفوق کا محفوق ترکرہ مات میا ف لفظوں بی تخر برکرتے ہیں ناکہ ہم عورت ان حقوق و فرائن کوا داکر کے ابنی زندگی کو دنیا ہم بھی خوشمال جیں ناکہ ہم عورت ان صفوق و فرائنس کوا داکر کے ابنی زندگی کو دنیا ہم بھی خوشمال

بنا ئے ماور آخرست بس مجی جنگت کی لا زوال تعمیوں اور دولتوں سے مرفراز والا مال موجائے ۔

ا عورت كالبحين

عدت کین میں اپنے ال باب کی بیاری بیٹی کہلاتی ہے۔ اس زمانے بیں بیت مک وہ نابا لغ بھی رہتی ہے۔ شریعیت کی طرف سے نداس برکو کی جیزفر ص ہوتی ہے نداس برکسی قسم کی ذمتہ دار لیوں کا کوئی بو جم ہونا ہے۔ وہ شریعیت کی با بندیوں سے بالنکل آزاد رمنی ہے اور وہ اپنے ال باپ کی بیاری اور لا ڈلی بیٹی

بنى بوئى كهانى بيني ، مينتى اورهنى اور السنتى كىيلنى رميتى سيد اوروه اس بات كى حقداد مروتى بے كرمال باب ، بعالى بهن اورسب رشته نا طروا اے اس سے بيار وحبّت كرية رين اوراس كي دلبنتكي اورول بوقي مي ملكرين اوراس كي صحت وصفائی اوراس کی ما فیتت اور بعلائی میں ترسم کی انتہائی کوسٹسٹ کرنے رمین ناکه وه برسم کی فکروں سے اور ریجوں سے فارنع البال ، اور مروثت ح الله غرم اور نوشیال رسید حب وه او لف مکے تومان اپ برلازم سے کراس کوالندو ورسول كانا كراش عيراس كو كلم وغيره يرصائي اورزباده مجددارم وجائے نواس كوسفائى مقرائى كے دھنگ اورسلىق كھائى اس کونہاین بیارو محبن اورزمی کے سافھ انسانی سرافتوں کی بائیں تا بین اور ابھی اھی بالوں کا شوق اور مری بالوں مسے نفرت دلائی رجب برصنے کے قابل بوجائ توسب سيرميد اس كوقران شرلف واصابل وجب مجدا درزاده بوشار بوجائے تواس کو یاک ونا یاک ، ومنوعسل وغیرہ کا اسلامی طریقہ نتا میں اور سہوات ا وربرکامی اس کو اسلامی آداب سے اسکا کاہ کرتے رہی ۔ جب وہ سات رس کی موجائة آواس كونما روغيره عزوريات وين كى التي تعليم كرير را وريرده مي مسنة کی عادت کھا ئیں اور پرٹن دغیرہ وصورنے، کھانے پینے اسپنے پروٹے اور چھو^{سے} موط گر او کا موں کا مہر نبائیں ۔ اور عمل طور پر اس سے برسب کم کینے رہیں اور اس کی کابی اور بے بروائی اور شرارتوں برروک ٹوک کر فرین را ورخواب ورتوں اوربرعلین گھرانوں کے لوگوں معمیل جول برما بندی لگادیں ما ووان لوگوں کی صحبت مسے بجا نے رہی مانتفار اشعارا در گینوں اور مانتفی اور مسنو فی سے مصنامین کی کنابوں سے گانے بجانے اور کھیل نمائٹوں سے دورر کھیس فاکر بجیوں ك انعلاق وعادات اورجال علين تواب مد بهوجائب. جب كم إلى بالغ من بو

T.

جائے اِن بانوں کا دھیات رکھنا ہماں باپ کا اسلامی فرحن ہے۔ اگرماں با پ ا پنے ان فرانُف کو دِرار دُکریں گے تو ہ صخت گنام کا رمہوں کھے ۔

٧ عورت جب بالغ بوجائے

جبعودت با نغ م**ردگئ نوارشدورسول (عل مبلاله) وسی الشد علیه وسلم) کی طرف سے** ترلبیت کے تمام احکام کی یا مبزمروگئی۔ اب اس برنماز و دوزہ اور بچ وزکوۃ کے تمامسا رعمل كرنا فرض بوكما اورا تشرتعالي محيضوق اوربندون محيضفون كواواكريفي وه دمرار موكئ اباس برلازم بكروه خدا كي تما فرمنون كوا داكر ادر هيو في برائم گناموں سے محتی سے داور رکھی اس کے لیے طروری سے کراپنے ال باب اور برول کی تغطیم و خدمن مجالا شے اورابند بھیو تھے بھائیوں بہنوں اور دوسر سے عز نروا فارب سے سار وحبت كرے ريزوسوں اورديشنة نامے كے تمام جيولوں، بروں كيما قدان كرم انب ودرجات محركوا فاسع بمكسلوك اورا تيا برّا وُكريد ربي آهي عادّ بي سيكها ورتمام نواب عادتون كو چيوار في اورائني زندگي كوبي اصطور يراسلامي وصايخ بي فرهال أربيق كي ما بنرتشر لعيت اوراميان والي عورت بن جائية ادراس كيسا تقرسا عق محنت وسنقتب اورصبرورصا كاعادت والماء مخنضر بركزشادى كي بعد ابت اوير ا نے والی تمام گرملوز تروارلوں کی معلومات حاصل کرفٹ سے کرنٹومروالی عورت کوس طرح اینے تئو<mark>م رکے سائ</mark>ے تباہ کرناا ورا بنا گھرسٹیھا لٹا بیا ہیٹیے وہ اپنی <mark>ا ں ا ورٹر</mark>ی بوٹری عرزول سے برجھ لوچ کراس کا ڈھنگ اورسکینفرسیکھا درا نے رس سہن اور جال جبن کواس طرح سارها اسه اور منوارسه کرمز نشر لعیت می گنبر کا دعظر سے مربراوری و ساج بن كوئى اس كوطعنه ارسك ركه ان يينة ، بينة اور صني اسون، جاكنة بات چببت غرص مرکام ، سرمابت بس جهان تک مورسیدخود مکلیف ای کے گرگھروالو كوارم وداحت بيني مي بيل بيل بي كاجا رست ك د كوئى سامان اين استعال

بی لائے مذکبی دومرسے کو صے مذکھر کا ایک میسید با ایک دانہ ماں باپ کی اجازت کے بغیر تو ہے کہ بغیر تو ہے کہ بغیر میں کے بغیر تو ہے کہ اسے بو چھے کی سے گھر با ا دھرادھ رہا ہے ۔ عومن ہرگا کی ، ہربات ہیں ماں باپ کی اجازت اور دشا مندی کو اپنے یہ بغیر فردی سمجھ ، کھانے بغیرے ، بیٹنے پرد نے ، اپنے بدن کی رہے اور اپنے مکان وسامان کی صفائی ۔ نومن مسب کھر بدی کا مسلم کے مسامقہ زندگی نبرگر سے اور میں کہ والوں اور سرال کے مسامقہ زندگی نبرگر سے اور میں کہ والوں اور سرال والی اور میاری بنی رہے ۔ والوں اور میاری بنی رہے ۔ والوں کھروں کھروں کھروں کی جہیںتی اور میاری بنی رہے ۔

پرده کا خاص طُور پرخیال اور و صیان دکھے ۔غیر مرم ووں اور المرکوں کے سامنے
آنے جانے ، ناک جھانک اور مہنسی مداق سے انتہائی پرم پرد کھے ۔عاشقا راشعار
اخلاق کو تراب کرنے والی کتابوں اور رسائل واخبا دان کو مرکز تردیکھے ۔ بدکر دار اور
بے جیاعور توں سے بھی پُردہ کرسے ، ادر مرکز کم بھی ان سے بیو حول فرد کھے ، کھیس نمانشوں
سے دور رسیے اور فرجی کہا بین صوصا میرت المعیطق و مبرت و مول عرب نمیں دا بیان
اور مبلاد تنروی کی ایم مشلا نربت ندا لمبلا دو عبرہ علی شے ایل سنست کی تصنیفات
اور مبلاد تنروی کی کتابیں مشلا نربت ندا لمبلا دو عبرہ علی شے ایل سنست کی تصنیفات
بیر میں ترسیعے۔

فرض براونوں کے سافھ نفلی عباد نیر جی کرنی رہیے ۔ مثلاً ملاوت قرآن و سیسے فاطر دمیلا و شرقی کرنی در سیسے و مثلاً مرادی کرنی در کیا دم وی نشر لیف و محرم نشر لیف و محرم نشر لیف و محرم نشر لیف و تعرف کی نیاز وفات نویمی کرنی در سیسے کران اعال سیسے و بیا و آخرت کی مبتمار مرکز مرکز مرکز مرحقیدہ لوکوں کی بات مد سیسے اورا ہر سنست و مرکز مرکز مرکز مرحقیدہ لوکوں کی بات مد سیسے اورا ہر سنست و ماعات کے عقا کہ واعال پر نہا بہت مقبوطی سکے مدا عقا قائم رہیے۔

ہ۔ عورت نشادی کے بعد

شکاح : رجب الاکی با بغ موجائے توماں یا پ کو لازم سے کرمباد از صادمناسب

رشنة الماش كرك أس ك شا دى كروس ررشة كى الماش مي خاص طور مصاس إس كا دصان رکھنا ہے صرحزوری سے کرم گزم گزم گزرکی پدندمیب کے ساتھ دشتہ نرمونے یا نے ملکدد بندادر ما بتدمشرلیت اور مذہب ایل سنت کے یا بندکواہتی رسندداری مے بد منتخب كرير، سخارى مسلم كى حديث بسے كررسول الله صلى المتر علي من قرايا كرعورت مسدنتاوى كرفيم سارحري وهي جاتي بن-ار دولنمندی ۲-نماندانی تشراقت سروبصورتی م- دریداری ليكن تم دينداري كوان سب جرول يرمقدم مجمور (مشكوة جلداص ١٧٤ مجنيان) اولاد کی متنا اورایتی دات کو برکاری کی نمیت سے بیا نے کے لیے نکاع کواستن اورببت برے ایرونواب مهم سے -الله نعالی فقوان شراید من فرایاکم: وَالْكِيدُ واللَّهِ يَا عَيْنُكُمْ والصَّالِينَ يعنى مّ لوك بيتوم والى ورون كانكاح كردوا ورايف ميك حلن غلامون اوراو دراد مِنْ عِيَادِكُمْ وَإِمَا سُكُمْ -المحى ناح كردور (1-8-31 12-11) صديث نشريب بي كرنورا ف مشريب من لكماسي كم: ورس تتخص كى اروى باره برس كى عركو يمني كئى اوراس تصاس الم كى كانكاح بسب کیا اوروہ اولی بدکاری کے گذا ہیں بڑگئی تواس کا گذا ہ اولے کی والے کے سرم بھی ہوگا !! (مُشكوة جلياص اعامجتبالي) دوسرى مديث تربيب بي بدكر صفورهني الترطير وسلم ففرا باكم: ر النَّدَيْعَالَى فِي مِنْ خصول كَيا عِلوا فِيضِومْ مِرْكُمْ مِيرِكُ سِيعِهِ-١ ـ وه خلام جوابنے آن سے آزا وموتے کے بیسکسی فدر قم اوا کرنے کا عہد کرسے

 ٣- وه نماح كرف والليا نكاح كرف والى جونكاح ك وربير حرام كارى سع بجنا جا بننام و ي در من الله الكاح كرف والى جونكاح ك وربير حقبائي)

عورت جبندک اس کی نشادی ہیں ہوتی وہ آپنے ان باب کی بینی کہلاتی ہے گرشادی ہوجانے کے بعد عورت ابنے تقویم کی بوی بن جاتی ہے اوراب سے فرائش ہوبان جاتی ہوں وہ تما ہے فوائ وفرائس ہو بالنے ہوں وہ تما ہے فوق وفرائس ہو بالنے ہو سے مہت زبادہ بوہ جاتی ہیں ۔ وہ تما ہے فوق وفرائس ہو بالنے ہونے کے بعد قورت برلادم ہو گئے سے راب ان کے معلادہ شوہر کے صفوق کا بھی بہت بی ٹرافر لینہ برا اور جو عورت کے بعدت ہی ٹرافر لینہ برا اور جو عورت کے سامت ہی ٹرافر لینہ برا اور کی وہ کا وی زندگی تباہ در برا دہوجائے گی اور آئوت می وہ دورت کی جو گئی ہوئی آگ میں جاتی دہوے گی ۔ اور اس کی فرش سانے ہوئی اس کی فرش سے کہ وہ اس کی فرشت رہی گئے ۔ اور وہ دونوں جہان میں وہیں وٹو ادر اور طرح طرح کے مذالوں ہی گرفت اس کے مقال کی اس کے فرش سے کہ وہ اس نے تشریع ہوئی اس کی فرش ہے کہ وہ اس نے تشریع ہوئی اس سے اور عمر کے مقال ہوں کی فرائس ہے اور عمر کے مقوق کو اوا کرتی دہدے اور عمر کے مقوق کی دا ماکہ تی دہدے اور عمر کے مقوق کی دو اوا کرتی دہدے اور عمر کے مقوق کو اوا کرتی دہدے اور عمر کے مقوق کی دو اوا کرتی دہدے اور عمر کے مقوق کی دو اور کرتی دو مورت کرائی و تو دورت کردورت کردورت کی دو دورت کی دورت کی دورت کی دورت کردورت کردورت کردورت کردورت کردورت کردورت کے دورت کردورت کردورت کردورت کو دورت کی دورت کردورت کر

من المراد براد من من الشرنعائي في المراد من المراد و المرد و

رسول الشمل الشد عليه وللم في فرايا مهد كمر : رواكر من خدا كيسواركسي دومسر سه كمد بيستجده كرف كالم وتباتوي عوالال كوهم د تباكر ده الميضة شومرول كوسجوه كياكرين الا دمشكوة نشريف جلد ۲۸ معتما أي)

اورسول المدُّصل الله عليه وتم في بيم فرايا بديري « بی عودت کی موست البی حالمت میں اکئے کہ مرستے وفت، اس کا متوبراس سے خوش مروه خورت جنت مي جلئے كى " ا درم بھی فرما باکہ جب کوئی مردا بنی بیوی کوکسی کام کے یصید بلائے فوج ہورت اكرم ي اله كال بعيلى مواس كولازم بصكروه أكلة كرشوم كع بالمس عِل استه ي تعدمت تشرليت كامطلب يرب كرورت ياب كتف بحام ودى كالمرث تنول ہو گر شوم کے بلانے پرسب کاموں کو جھوڑ کر شوم کی تعربت میں حا فرم وجائے۔ ادروسول الشرعلى الشرعيد وسلم في عورتون كوريمي عكم والسيدكم: مداكرت ومراني عورت كويرهم في كريد الكريك كيديها أكو كالدراك كابنادى الدكالي زيك كيها لكوسقدينا في فرعودت كوافي شوسركا بجم هي بجا (مشكوة تربيب جلد اص ٢٨٣م مختبان) لا تا چاہئے ؛ صديث كامطلب برب كممنفكل سيصفك اوروشوار سيدشواد كالماكا هى اكرشوم علم <u>مے نوجب ب</u>ی عورت کوشوہر کی نا فرمان مہیں کرنی چاہیئے ملکراس سے سرحکم کی فرما بزدا<mark>ی</mark> كي يعاين طاقت بحركرلية رمها جاسي اوديرول الشرصى الشعليه وسلم كايه معى فرمان ہے كر: دیمب متوم ربیری کوا بنے مجھونے پر ملائے اورعورت <u>انے سے ا</u>نکا دکروے ا دراس کاننمومراس بات مسے ما راحن مور رسون فورات محفر مدا محفر نشت اس عودون برلعنت كرت وسنت بن الا (مشكوة شريب جلداص ٢٨٠ مجنبا أي) يبارئ بمتواان حدينوں سيمسبتى ملتاہے كهشوم كابست بڑاحت ہے اور مروات

پیاری بہنو! ان حدینوں سے مبلی ملتا ہے کہ شوم کا بہت بڑا حق ہے اور مرور سے پواپنے شوم کا من ادا کرنا فرص ہے بشوم کے حفوق مبہت زبادہ ہیں ، ان ہیں سے

نے ملے موئے یہ حید حفوق ہمت زیادہ فا بل لی ظام ۔ ا۔ عورت بغیرا یفے شو سرکی اجازت سے گھرسے ابرکسی مرجائے مذا ینے زشندارہ کے گھور نہ کسی دومرے کے گھر۔ تنوسرى غيرموسود كي مي عورت برفر من سيد كرشوسر كيم مكان اورمال وسامان کی حفاظت کرسے اور لغرشوم کی اجازت سے کسی کوتھی مذم کا ن مس آنے ہے منتوم کی کوئی جھوٹی بڑی جیز کسی کوفے۔ مور شور مرکا مکان اوروال وسامان بیسی ضوم کی امانتی می اور بیوی ان س بعزون كى ابن سے اگر عورت نے ایتے تنوم كى كسى بيز كوحان او جركر برما دكرديا توخورت يرا مانت من خوانت كرف كاكناه لازم بوكا اهراس برخوا كابست لوعدا م رعودت بركز كوئى الساكل دكرے جاتوبركونالسندمو -۵ - بچون کی گهرانشت ۱۱ن کی ترتبیت اور بروش خصوص تفویر کی غرموجود گیس عورت کے بلے بہت پڑا فربیٹرے۔ ۲ مورت كولازم ب كرمكان اورابت بدن اوركبرو اكم صفا كى تحقرال كا خاص طور بروصیان رکھے۔ بھوس املی کیلی مدسی رسے ملک منا ڈسنسکا رسے ما کرے الرشوراس كود كركوش بوجائے. ەرى<mark>ث تىرىف بىر س</mark>ىرى كە: المبتري ووه يدر جباس كالتومراس كاطرف ديجه تووه اين بتاؤمنكارا وراي اواُوں سے شوہر کا دل نوش کرفے را وراگرشوہرکی بات کی قیم کھا جا کے تووہ اس كنم كوديدى كرفيد الداكر شوم عاجب رسي نوده اينى دات اور شوم مكال مي حفاظت اورخرتواس كاكروادا واكرتى رسمے " (مشكوة شريف جلداص ١٩٨ مجتباني)

شوم کے ساتھ اندگی بسر کرنے کا طرفیہ اسمبر و نعلق ہے کرساری عراسی

بندھن میں رہ کرزندگی سبرکرنی ہے ۔ اگر مبار مہری میں تجرابورا انخاد اور ملا ب رہا تواس سے بڑو کرکوئی تعمت نہیں ۔ اورا گرخدا رکر بر مبان بیوی کے درمیان احتفاف بیدا ہوگیا اور گرائے کواری اورت آگئی تواس سے فرود کوئی مصیلیت نہیں کرمیاں بیوی دوتوں کی زندگی جہتم کا غروز بن جاتی ہے اورد دنوں ترجم کھٹن اور جلن کی آگ میں جلتے رہنے ہیں ۔

اس زمانے بیں میاں بوی کے حکاکھ وں کافسا واس فدر زما وہ بھیں گیا ہے کہ ہزاروں مور اور بزاروں عور نیں اس بلا بس گرفتار ہیں اور سلانوں سے بزاروں گھراس انتقالات کی آگ میں جل میرید ہیں اور میاں بوی دونوں اپنی زندگی سے بزار مجوکر دن داست موست کی دھائی مانگاکر نے ہیں۔ اس بے ہم مناسب سیحقے ہیں کہ اس مقام بر سے پالسی فیسے تیں کھ دیں کہ اگر۔ مرد وعورت ان برعمل کرنے ملکیں فوائٹ دفعالی سے اُمید سے کرمیاں بہوی سے حکوموں سے سلم معا نثرہ باک ہوجائے گا را ورسلانوں کا ہر گھرامن وسکون اور آل اور اور است کی

ا برخودن شوم کے گھر عمی قدم رکھتے ہی اپتے اُدپر ربالازم کر سے کہ وہ ہوفت اور مرحال میں اپنے شخص کو اور اس سے اشاروں پر علی و بھا گر مرح کے دن جرح دور اس سے اشاروں پر علی و بھا گر محرور مرح دے کہ دن جرح دھوب ہی کھڑی دہ ہو تو معرور تک کے بھائے اس کے استاروں پر علی اس مور دن کے بیٹے نیا وائٹرت کی مجلائی اسی میں ہیں کہ خطوری محلیف اُس مطاکہ دور مرکز کے اس عمل کرسے اور کسی حال میں میں ہیں کہ خطوری محلیف اُس مطاکہ دور میں حال میں میں ہیں کو بہان نہ کر ہے ۔ اس محرورت کو جا بھی کہ دوہ اپنے شموم ہے مراج کو بہان ن سے اور وہ کن کن با توں میں خواب کے اس کے شوم ہوکو کہ با کہ وہ کہ اور کون کون میں باتوں سے ناراض ہونا سہے۔ اُس مطنے وہ میں جا تھے ۔ میں مون اس کے شوم ہونا ہیں اور دوہ کن کون با توں سے ناراض ہونا سہے۔ اُس مطنے ۔ میں میں اور کوب کی بادی کی مادت اور اس کا ووق کیا اور کوب اس کے جاتے کی بیننے اور حصنے اور یات جربت ہیں اس کی عادت اور اس کا ووق کیا اور کوب اس جا

نوب المحىطر النوبركا مزاج بيجان لينف ك بعدورت كولادم بدكروه بركام النوبرك مزاج کے مطابق کرسے۔ نواہ فٹوہر کی فرق کے بلے ورت وہی کام کرے ہوائوم رکے مزاج محمط بن مور برگز شوم کفراج محضلاف مزکوئی بات کرے مزکوئی کا ۔ م وعودت كولذرم ب كرشو سركوكهي على لى ماتني مزمنات مركبي اس كرسامي عقد میں حیلا حیلا کربوسے مزاس کی باتوں کا کروانسکی جواب ہے ، نرکمی اس کوطعنہ مارسے ر کو کسنے دسے ، مزاس کی لائ ہوئی چیزوں میں عرب نکا لیے د مشوم کے مکان وسامان ذیرو کو حقیر تبائے ، ندخومر کے مال ماہ باس کے خاندان بالس کی شکل وصورت کے بالسيمي كوئى اليي الت كي حس سي تنوير ك ول كوميس عكم الدنواه مواه المواه الم سُ كريرا مك . إس قسم كى مانون مستنوم كاول وكه جاناسه ودرفت دفت نفوم كوبيوى سے نفرت ہوتے ملنی سید سس کا انجام جھڑوے دران کے سوا کھے جی نہیں ہوتا۔ مہاں يمك كرميال بوى من زيردست بكار بوجانا بعد بن كانتحديد مؤناب كما توطلان ک ذرست آجاتی سبے یا بھوی استے میکر میں جھٹر رسنے برخود موجاتی سبے ا والنی مجاو<mark>بو</mark>ں ك طديش شن كركونت اوركمنن كي عبى بي ملى من بي اوركي اور مسعرال ود نوں فاندانوں س می اس طرح اخلاف کی اکر عمور ک اعلی سے کر کمی کوسٹ کیمری ک نو<mark>بت ا</mark>کباتی ہیں اور کھی اربیدہ ہوکر مقدمات کا ایک دنرختم ہونے وال<mark>ا سلس</mark>طر خروع موما نكس وريال بوى كازندگى جئم بن جاتى سے اور دونوں نما عدان الاعظر کرتیاه وبر ماد موجاتے ہی .

م عورت کوچلہ بیٹے کہ تو ہری اکدنی کی میڈ بنت سے زیادہ خرج مزما تھے بلکہ ہو کھے سے
اس برصبروشکر کے سا تھ اپنا گرس کھے کہ بنی نوٹنی کے ساتھ زندگی بسبر کریے اگر
کوئی زودیا کیڑا اسامان بہند انجلٹ اور تو مرسے اس کی فراکش مذکرے اورا بنی بہتدی
وہ اس کو لا سے تو کبھی ہرگز مرگز شو ہرسے اس کی فراکش مذکرے اورا بنی بہتدی
جزی مذھتے مرکمی ہرگز کوئی شکوہ تمسکا بہت مذکرے ، مذخصتے معدم ترجیلائے

د طعنہ ایرے زانسوس ظاہرکہ سے جگہ ہم تن طریقہ یہ سپے کہ عورت تحویم سے
کی جزئی فرائش ہی رز کرے۔ کی کہ اربادی فرائشوں سے عوری کا مذن توہر
کی نگاہ میں گھٹ بانا سے۔ ہاں اگر شوہر تو وہی پوچے کہ بی تہا ہے بیا لاؤں
توری کو جاہئے کہ شوہر کی مالی حقیمت و پھے کہ اپنی لیندگی چیز طلب کرسے ، اور
بوب شوہر کوئی چیز لائے تو وہ فین السنے یا نا اسے نگر عورت کو ہم لینٹر ہم جاہئے
کہ دہ اس پر نوشی کا اظہار کرسے ۔ الساکر نے سے شوہر کی اول ٹرھ جائے گا۔ اور
اس می جدب نا لا یا اس کو صفر سے اتواس سے شوہر کی اول ٹرھ جائے گا۔ اور
اوراس میں جدب نا لا یا اس کو صفر سے اتواس سے شوہر کی اول ٹوسٹ جائے گا۔ اور
افراس میں جدب نا لا یا اس کو صفر سے اتواس سے شوہر کی اول ٹوسٹ جائے گا۔
اوراس میں جدب نا کا لا یا اس کو صفر سے اتواس سے شوہر کی اول ٹوسٹ جائے گا۔
اوراس میں جدب کی کا اور گرم ہو جائے گا۔ اور میاں بوجائے گا۔
اوراش کے جل کو جگڑے ہے اول ان کا با زارگرم ہو جائے گا۔ اور میاں بوجائے گا۔
اوراش کی زندگی خاک بی بی جائے گا۔

جس طرح وہ ما نے اسمالے - اگر عورت کاکوئی تصور مر مربکہ شوہرہی کا فعمور مرجب عى قورت كوتن كرا ورمنه فكالركر بيط رمينانهين جاسيني رمك متوس كيسا حندعا بزى واكسارى ظاہركركيتنو مركونوش كرلبناجا بسيركيونكرشوسركا ی بہن بڑا ہے۔ اس کامرتبہ بہت بلندہے۔ اینے شوہرسے معانی نلافی کرنے میں عورت کی کوئی و آست میں سے بلکر بیٹورت کے لیے عزت اور فر كى ات ہے كرده معانى الك كراينے شو بركورامنى كرنے -٨ رعورت كوجابية كروه ابغ تنوم ساس كالدنى اورخرج كاحماب مزلباكيم کمونکم شوم وں کے نمری برخورتوں کے روک ٹوگ سکا فی سے حراا سنو مرول کو چرط بدام وجانی سے اور شربروں برغرت موارم وجانی سے کرمبری بوی مو كرفيد يمكومت جانى ب اورمبرى أمدن في كالمجد سع سابطلب كرتى ہے۔ اس جو کا انجام برموتلہ کرفتہ رفتہ میاں بوی کے دلول می خلاف بدا ہوجا یا کرناہے۔ اسی طرح مورت کوچا بیٹے کراپنے شوم کے کس آنے جانے پروک ٹوک رز کر سے رزشو بر محے جال عین پرشیرا در برگان کرے کہ اس مسمیاں بوی کے تعلقات میں ضاد و خوابی ببدام وجائی ہے۔ اور نواه مخواه شومر کے دل می تغرت میلا ہوجاتی ہے۔

۵ - جیت کساس اوزشر زنده بی عورت کے بیعزودی ہے کوان دونوں کی جی "نا بعداری اور صرمت گزاری کرنی ہے اور جان تک ممکن ہوسکان دونوں کو رامنی رکھے رورنہ بادر کھو کرمتوم ران دونوں کا بھیا ہے۔ اگران دونوں نے اپنے بين كودان دييك رمانب جرصا دى تولفينياً متوم ورت سينا ماض مهو جائيگا ۔ اورماں بیوی کے باہی تعلقات بہس مہر مائی کے رامی طرح ا بند علی طول ، د بورول اور نندول ، بھا و بول مکرسا فرنمی وش احلانی کھتے ا دران سیموں کی دلجوئی میں تکی تے ہے اور کھی ہرگز ہرگزان میں سے کسی کو

ناداس مزکرے۔ وریز دھیان رہیے کران لوگوں سے بگاڑ کانی حمال ہوی مے نعلفات کی نوابی مے موامج معی نہیں عورت کوسفمسرال میں ساس افرار سے الك تفلك يسفى برك كيمي كومضعتى نهيس كرنى جاست عكران بن كريست مي ہی عبلائی ہے۔ کمونکیماس ا ورسرسے بھاڑا ور منگی ہے کہ می سرا در روزود موینے کی بات سے کرماں باب نے لوے کو مالا درسا ا وراس امید مراس كى شادى كى كررخ اليانى م كويني اوداس كى داين سيسما داورا دام على لیکن دلین نے گرمی قدم رکھتے ہی اس بات کی کوششش شروع کردی کر بٹیا اینے ان باب سے الگ فعلگ جوجل نے قرقم خود ہی موتوکرد این کی اسس وكت سے ال باب كوس فدر عصر أفي كا وركفتى جنولام سے معلام وك اس بید گری طرح طرح کی برگا نبال اورقم قسم کے نِعَمْ ونساد نفروع بوطاتے ہی۔ بہان مک کرمیاں بوی کے دلوں سی محوط میدا بوجاتی ہے۔ اور جيكرت مرارى نوبت أجاتى ب اور ميربور كموالون كى زندكى تا اور نعلفات در بم بربم م وجلت بي - لهذا بنترى اي به كرساس ا ورخسر كى زندگى بي برگز برگز كيمى عورت كوانگ ديسف كا خيال عي نسيس كرتاجليني باں اگرماس اور خسرخود ہی اپنی ٹوٹنی سے بعیٹے کو اپنے سے الگ کردیں تو میرانگ رسندس کوئی و چ شیں ۔ لیکن انگ رسند کی مودرت یم بھی الفت و عست اورسل محل ركمتاانها في عزورى بعدة اكريرشكل مي يور مع كين كونك دومرس كامرا وكامهارا طمآ وسيت راورا نغان والتحاد كمساخة يوسه كين كازند كاجتت كانمون بن ابع-

ا۔ عودت کو اگر مشسرال می کوئی نتیلیف ہو یا کوئی بات تاگوا دگر سے نوعوں کوئی نتیلیف ہو یا کوئی بات تاگوا دگر سے نوعوں کوئان میں میں کا میٹنی نر کھائے۔ کبو کر مسسرال کی جوئی میں کوئان میں ہے کہ ہوگر میں کا برے میکر میں اگر ماں با یہ مصاری پر مہت ہی توا۔

۱۷ ۔ عورت کے لیے بربات بھی نماص طور پر فا بن لم افط سے کرجیت مک شوم اور ساس اور تصروعیوہ نہ کھائی لیں تو دنہ کھا شے ملکرسب کو کھلا بدا کرتو دسسے اخیر میں کھلئے۔ عودت کی اس اواسے شہر اوراس کے دن میں عودت کی قدر دمنز است اور عمرت بڑھ جائے گی ۔

۱۹ مورت کوچامین کر کم محسول می جاگواسی میکروالوں کی مہت زیادہ تعربی اور برائی در بال کر کہ ہوت دیا ہے کہ جاری برائی در بال کر کی اسے کی میں اور برائی در بال کر کر کے ماحول کی توجی برائی کر میں کا کہ کہ کہ اور کی توجی برائی کر میں کہ کہ کہ کہ کہ کہ کہ کہ اور کی توجی برائی کر میں کا میکر کر اور میں کا میکر کر اور اور کی تعربی کر اور اور کی تعربی کا دیا در میں کا میکر کر اور اور کی کر اور اور کی کر اور اور کی کر ہے گئے ہیں کا میکر کر ہی کہ کہ دو اور کی کہ دو میری وی مور تین کی لیے ہیں کہ کہ کے اندوساس ، نماری میا وی مورت کوچا ہیں کہ ایسے وقت میں ان کے بیکے بیلے ہی کر در می کرد ہی میوں تو عودت کوچا ہیں کے ایسے وقت میں ان کے بیلے ہیں کرد ہی میوں تو عودت کوچا ہیں کے ایسے وقت میں ان کے

خریب در جائے اور در بیجستجو کرے کروہ الیس میں یا باتیں کردی ہیں اور مبلاد جر یہ بدگانی بھی نرکرے کر کچرمیرے ہم تعلق بابنس کردیسی ہوں گاکہ اس سے تھاہ توا دل بی ایک دوسرے کی طرف سے کیبنہ پیدا ہوجا تا ہے جو بہت بڑاگناہ ہوئے کے دما قدم الحقہ فرسے بڑے فساد ہونے کا سیب بن جا یا کر تاہیں ۔ عدن کہ رہے مصالح الم مسعد المار میں اگر سامی با اندہ ال کو ڈرمام کے تر دیکھ

کا رحورت کو رحی چاہیئے کو مسسرال میں اگر ساس یا نندوں کو کوئی کا) کرتے دیکھے

تو جرف برف اُنظار نود بھی وہ کام کرنے گئے۔ اس سے ساس اور نندوں کے

دل میں برا تر بدا ہوگا کہ وہ عورت کو اپنا خمکسارا ور زفیق کا دیکھا بنا طرد گا دسمھنے

مکیس گی جس سے نود کر خو دساس نندوں کے دل میں ایک خاص تم کی محبت بیدا ہو

مبائے گی خصوصًا ساس تحداد از نندوں کی سما دی ہے وقت عورت کو بڑھ چڑھ

مبائے گی خصوصًا ساس تحداد از نندوں کی سما دی ہے وقت عورت کو بڑھ چڑھ

مبائے گی خصوصًا ساس تحداد از ندوں کی سما دی ہے اور عورت کو بڑھ چڑھ

۱۹ - عودن کے فرائفن میں برجی ہے کہ اگر تنویم برب ہوا درگھر الوکا کائے کے لیے

نوکرانی رکھنے کی طاقت مزم ہونوا ہے گھر کا گھر لوکا کائے کو جوائی رہے۔

ہرگز مرگز نہ عورت کی کوئی ذکرت ہے نہ نشرم ۔ مبخا ری شرلین کی ہمہت می دواتوں

سے بند جلتا ہے کہ تو درسول الشرصلی الشد طیروسلم کی مقدس معاصر ادی صفرت

فا طررضی الشرعنها کا بھی بہتی عمول تھا کہ دوا ہے گھر کا امادا کا کائی خود اینے

با عقوں سے کباکر تی تھیں رکنوں سے یاتی بھرکوا ورا بنی مقدس بلی خود اینے

بات لا باکر نی تعین ینود ہی جی چلاکر اسمالی کی بی بی بی تھیں۔ اسی وجہسے ان کے

مبادک یا مقوں میں کھی جی اے برح اسے دارسی طرح احمرا کم وقت کے

مبادک یا مقوں میں کھی جی اے برح اسے اسمار دوسی افتاد تعالیٰ حتم اے

ابوکر صدایت دھی استر عنہ کی معا حزادی حضرت اسما درصی افتاد تعالیٰ حتم اے

ابوکر صدایت دھی استر عنہ کی معا حزادی حضرت اسما درصی افتاد تعالیٰ حتم اے

منعلق بھی روایت ہے کروہ اپنے غریب شوہر صفرت زبیر رصی الشرنعالی عنہ کے میہاں اپنے گھر کا ساداکا) کاج اپنے ہا تقوں سے کرلیا کرتی تقتیں ۔ بہاں کسکر اور مصاکو کھلا نے کے لیے باغوں بیں سے کھجوروں کی گھلیاں چن جن کر اپنے مربرلاتی تھیں اور گھوڈڑ ہے کے پلے کھاس چارہ بھی لاتی تقیس اور گھوٹے ہے کی الش تھی کرتی تقییں ۔

یار بربوی کاید مجی فرض ہے کہ دہ اپنے شوہ کی آ بدنی اور گھر کے انواجات کو ہمینہ نظر کے مہاشنے رکھے اور گھر کا نرج اس طرح جلائے کرعزت وا بروسے زندگی بسر بہونی نسیعے داکہ شوہ کی کہ بونو سرگر برگر شوہ مربر ہے افرائشوں کا برقی بسر بہونی نسیعے داکہ شوہ کی کہ بونو سرگر برگر شوہ مربر ہے جا فرائشوں کی مجبست میں فرض کا بوجہ اپنے مر مربط الیا اور ضرا مذکر ہے اس فرض کا اواکر نا ورضا مربو و مشوا رم وگریا نور میں برانشا نیوں کا سا منام وجائے گا ۔ اور میاں بہوی دونوں کی زندگی منگر وجائے گی ۔ اس بیدی دونوں کی زندگی منگر وجائے گی ۔ اس بیدے ہرعورت کو لازم ہے کہ صبر و قاموت کی دائش کے ہرکورت کو لازم ہے کہ صبر و قاموت کی دائش کے اور شوہ مرکز ہم کرتا کہ دف سے مواسی کے مطابق تو ہے کہ جسے کا خدا کا تمکی واکر سے اور شوہ مرکز ہم کرتا کہ دف سے مواسی کے مطابق تو ج کرسے ۔ اور گھر کے انوا جا جا جا جا جا جا تا ہے دو ہرگر ہم کرتا کہ دف سے مواسی کے مطابق تو ج کرسے ۔ اور گھر کے انوا جا جا جا جا جا تا ہے۔

۱۸ عودت کولازم ہے کرسٹسرال میں پہنچے ہے بعد صندا ور میں ور میں کی عاد اسلامی چیوٹر ہے ۔ موال عورتوں کی عادت ہوئی ہے کہ جہاں کوئی باستان کی مونی ہے کہ جہاں کوئی باستان کی مونی ہے کہ جہاں کوئی باستان کی مونی ہے نصاف میں موئی فوراً عصر جی اگر بگولا ہو کراً لسط بلیط فشرو تا کوئی ہیں میں میں مورت کوئی از اور میں اور عمد وقیرہ سے مورت کو کھ زباوہ اس بینے میں کوئی اور میں مورت کو کھ زباوہ نفو میں اور میں میں بینے آلیکن مسئرال میں ان با ہے سے تہیں بلکھاس تر مراور ننوم سے واسط رفر ایسے ران میں سے کون المیسا ہے جو عودت کا نا ذا کھانے کو سے واسط رفر المیں ہے ہو عودت کا نا ذا کھانے کو

تبادموكا واس يلح مقمرال بي عودت كى صندا مدم مضعوص ا عدمت اودخ وان عودت کے بلے بے مدنقیمان کا سبب بن جانا ہے کر بوصے معمرال والے عورت کی ان خواب عا د توں کی وجرسے عوصف سے بانکل ہی بیزار مروماتے بن ا ورعودت سب كى نظرون من دلين ونوا دم وجاتى بعد -14. ممر المستسال كا ما ول مبكر كم النول سے الگ تعلک موتاب اورسب نے فف لوگوں سے عورت کا واسطر قرنا ہے۔ اس بلے سے ایو چو تو مقسم ال مرود ك بليدايك امتحان كاه بيدجان اس كى بروكت وسكون برنظركى مائيك. ا دراس کے ہڑمل پر منقیر کی جائے گا۔ نیا ما حول ہونے کی وج سے ماس اور نندول يسيكيم كبي نميا لات من كراؤ جي بوكاء ا وداس وفع برنيعن وفست ساس اور شعول كى طوف سع جلى كى اورطعنون كوسنون كى كروى كروى باتني معيمنني يرس كى رايسيدموقعول مرهمراورخاموشى عودت كى بهترين دمال ب عورت كوي من كرساس اور مندول كوسمنتدراني كا دار بعدا في سعدين رہے۔اوران کے طعنوں کوسٹوں مصبر کر کے بالسکل ہی جواب نز دے اور بی ساده نے یہ بہترین طراقی عمل سے۔ ایسا کرتے رہنے سے انشادات ایک دن ابسا آئے گا کرساس اور تندیس خود ہی شرمندہ ہوکرانی موکوں سعيار الرائم الكي ٢٠ ورن كوم الله المراق الموارير الت بيريت مي اس جز كا دهيان د كمناجا الم كرز نواتني زباده بانت جين كرم بي ومشمرال والدن اورير وسيون كونا كوار كزرب راورندانني كم بات كرم كم متمت ونوشا مرك بعدمي كيدم لوك اس بلے کہ برخودرو گھنڈکی علامت سے ہو کچے او نے موج سچے کرنو سے اور انتفادم ودبيا دعرے لبحل مي بات كرے كركسى كونا گوارن كركے اوركوئى الیسی یاست نہ لو لے سی مسیم کے دل ہم بھی منیس سکے ما کر عودت مسرل

والون أوررشنة فاطروالون اور يروسيول سب كى تطرول بي مرولعز نرينى رسه مجتر من میوی کی بیجان ایونکی مونی بداینون محدمطابن سوال بدا موتله که مهر من میرون میدان موال بدا موتله که در م مېمرين بيوى د مسيد او بواين شومرى فرمانبردادى اور فدمن گزارى كواينا ۲ - بوا پنے شوہر کے تمام حقوق اداکر نے بس کوتا ہی ذکر ہے! ٣- جوابيني شوم كى توبيون يرنظر كھے اوراس كے عيوب اور خاميوں كونظرانداز مر بوخود تعلیف اُ مطاکرا بنے شوم کو اُرام بہنیا نے کی مینیندکوسٹن کرتی ہے۔ ۵ - بوا پنے شوم سے اس کی اور نی سے زبارہ کا مطالبہ رز کرے اور ہول جائے اس مرصروتكرك سافة زنركى فسرك -٧- بوا پينظوم كيسواكس اعنى مرديرنكاه مرداك دكى كانكاه اپنے اوير ۵ - جور در میں درسے اور ا بیض تو مرکی عزّت واموس کی صفا ظنت کرسے -۸ - بوشو بر کے ال اور مکان وسامان اور تودایی ذات کوشو سرکی امانت سمجرکم مرجيزى مفاظت وكليبان كرتى ربء 9 - بحراب فيض و سركي معيست بين ابن جانى والى قريانى كي ساعد ابنى وفا دارى كا -ا . بواسنے شوہر کی زبادتی اور طلم مریم استہ صبر کرنی مہے ١١- بومبكرا ورمسسرال وونون ككرون مي مرد لعزيزا ورماعزت مود ۱/ ـ بورخ وسبول اور ملنے جلنے والی عور نوں سے سانھ نوش ا تعلاقی اور ترافن و مرقن کا برتا و کرے اورسے اس کی تحربیوں سے مدّا سے بوں ۔

۱۰ بومذہب کی پابندا وردسندار ہو۔ اور حقوق الشدوحقوق العبا دکوا داکرتی ہو۔ ۱۲ - بوسٹسرل والوں کی کڑ دی کڑوی باتوں کو بردانشت کرتی رسہے۔ ۱۵۔ بوسب گھروالوں کو کھلا بلاکرسب سے انوم بن نود کھائے ہے۔

سماس بهو کا محکور ا سماس به و کا محکور ا به وی الوائی کا معرکه جاری ہے - دنیا کی بڑی سوری الوائیوں بہات کہ کرعا لمی جنگوں کا ناتم ہوگیا گرساس بہ وی حینگ عظیم برایک ایسی خوس الوائی ہے کرتفریبا ہر گھراس الوائی کامیوان جنگ بنا ہوا ہے -

كس فدرتعجب اورحرت كما شهيركهال كتفالا ويبارسه ابن بيمول كو پالن سے اور جب او کے بوان ہوجاتے میں تواٹ کوں کا استے بیٹوں کی شاوی ا وران کا سہرا د بھنے کے بلدسب سے زبا دہ معین اور مقارر سی ہے اور گھر کا چركاكرابين بعيشك ولين نلاش كرنى مجرتى سے يہان مك كرفرے باداورجاه سے بدين ننا دى رمانى سے اور اپنے بدل كنا دى كامبرا ديك كرونتى سے بيو لے نبي سما فی مگرجب عربیب ولین اینا مبکر چیوارکرا دراسنے ماں بایب ، معالی مین ا<mark>مد</mark>رشتہ ناط والدن سے میدا موکرا پی مسرال می قدم دکھی ہے توایک دم ساس اپنی بہو کی دلیت بن کراننی بہر سے لڑنے لگتی ہے اور ساس بہری حبک بنروع ہوجاتی ہے۔اور بے چارہ شوہراں اور بیوی کی الوائی کی جی محددوبالوں مے معمان مجلنے اور بسنے گلنے یع بیب نشو برایک طرف ان سے اصانوں سے بوج سے دباہواا وروم می طرف بیری کی مجتن میں مکوا موامان اور بیری کی ادائی کامنظر دیجہ دیجہ کرکوفت کی الكير من رنباہے۔ اوراس كے يلے بڑى مشكل برائ يونى سبے كم الكروه اس اللائ میں ابتی ماں کی ہما بدن ، کر تلہد نو بوی کے رونے وصوفے اوراس محطعتوں اور مبكر حيى جانے كى دهمكيوں سے اس كا بھيچ كھولنے لگنا ہدا وراگر بوى كى ياسدارى

یں ایک لفظ بول دیناہے نومال اپنی چیخ و بہادا ودکوسنوں سے سا داگھ دسر میر آمھا لیتی ہے اوز ساری برا دری میں سورت کا مرید" لٹن برست" میوی کا علمتا " کہلانے مگرا ہے۔ اور البسے کرم گرم اورولخزاش طعنے سفرا ہے کدر نیج وغم سے اس سے سینے میں دل کھیٹنے نگرنا ہے۔

اس بن نسک نهبر کرماس بهرکی لژائی بی میاس بهوا وزنو برمبنوں کا کچه مذکج تصورم ورمونا ہے ۔ لیکن میرا برسوں کا تخربہ یہ سے کراس لوا فی می سب سے برا بالقداس كابواكرتاب مالانكر برساس يسلنود مجى ببوره عجى موتى سيد كروه لين بهو بن کررسنے کا زانہ بالسی بھول جاتی ہے اورائی میموسے عزوراوا فی کرتی ہے اور اس کا ایک خاص وجہ یہ ہے کہ جب تک او کے کی نشا دی نہیں ہوتی سونسدی بلیٹے كا تعلى مان سى مسيمواكرا يد مليا اين ممارى كمائى اورجوساما ن عبى لا ماسي وه این ال ہی سے إغذی و نتا ہے اور ہر حیز ان ہی صفال کرکے استعال کرا ہے اورون داست بي منيكرول مرندياً ن آمال كبيركر ماست باست مي مال كوريكازنا بها -اس سعد ماں کا کلیم نوستی مسے تعبول کرموں عفر کا محوجا با کرنا سے را ورما ال اس خرا ل مِرِ مَن رمتِی ہے کہ مِن گھر کی مالکن مجوں ۔ اور مبرا مبنی میرا فرما نبر دار ہے۔ لیکن نشادی مح بعدجب بينيك محبت بيوى كاطرف أرت كرلبني سبدا ورميا كجداز كجدبري كودين اور کھے نہ کچواس معیما نگ کر لینے لگنا ہے نوماں کوفیطری طور یوا بک بہت بڑا تھی کا مكت بد كرميرا بديابس في اس كومايل دوس كرير اكب راب ير محدكو نظر الداركمايي بیوی کے قبصتہ میں میلاگیا ۔اب امّاں امّاں بیکارنے کی پچائے بیگم بیگم میکاراکرا ہے ابنی کمائی مجھے دنیا مفتا ۔ اب بیوی کے باغظ سے ہرجیز بیا دیا کرتا ہے ۔ اب میں گفری ما مکن تهیں رسی .اس خیال سے مال پر آیک مجلا مرسط موارم وجاتی ہے اور وه بهروکوم زئرص دمس این حربف اور ترمفایل بناکراس سے افرا ٹی کرسنے مگنی سے۔ اور مہومی طرح طرح کے عبیب نکا لمنے مگنی ہے۔ اور قسم کے طعنے اور

کوسنے دبنا نشروع کردنی ہے۔ بوشروع نشروع می توبیخیال کرکے کہ برمبرے منوم کی ماں سے۔ کچھ داون تک بیٹے بر سنی ہے گریشب ساس معرسے زبا دہ حتی بی انتخابی کو النظام کو النظام کے دونوں تک بیٹے تولفرت کی سنی اسفیلنی ہے بھیروہ بھی ایک می سیسنر تان کرساس کے اسکے طعنوں اور کوسنوں کی تھے کرسف مگئی ہے اور کھرما بول میں منظام میں بھر میں مناز مناز میں مناز

میرے خیال میں اس ارا آئی کے خاتمہ کی بہتر بن صورت بہی ہے کہاس حنگ کے تعالم کی بہتر بن صورت بہی ہے کہاس حنگ کے تعالم بہوا در بعثیا ، تنبنوں اپنے اپنے حقوق و فرائص کوا داکرنے ملکین نوان شا در لئے تعالم بہت ہے ۔ ان تکبن نوان شا در لئے تعالم کی بیٹ ہے ۔ ان تنبنوں کے حقوق و فرائص کی بہن ؟ ان کو بغور پر صور ۔

مینوں کے حقوق وفرانص کیا ہیں ؟ ان دو بعود پر صور سماس کے قرائفتی افرانس کا یہ فرض ہے کہ وہ ابنی بہوکوا بنی بینی کی مساس کے قرائفتی افرانسے اس کی کمنی یا نائجر برکاری کی دجہ سے کوئی مساتھاس کو کام کا صحیح طرافقہ اور دھنگ سکھائے اور ہمیں ہا اس کا تعیال دیکھے کہ ساتھاس کو کام کا صحیح طرافقہ اور دھنگ سکھائے اور ہمیں ہاس کا تعیال دیکھے کہ ساتھاس کو کام کا در اس کا ما ہول نیا ہے ۔ اس کا یہاں ہما در کھر میں ان ہے اس کے لیے یہ گھر نیا اور اس کا ما ہول نیا ہے ۔ اس کا یہاں ہما در کھر اور نائج در کا در اس کا ما اور اس کو تسی و بینے والا اور اس کے النو بو بیجے اگر ہم نے اس کا دل دیکھا یا نو اس کو تسی و بینے والا اور اس کے النو بو بیجے والا بہاں دوسراکون ہے ؟ بس ہر ساس یہ سمجھ نے اور مطان سے کہ فیجے اپنی ہمو والا بہاں دوسراکون ہے ؟ بس ہر ساس یہ سمجھ نے اور مطان سے کہ فیجے گو ہیں تواں

كواينى بين مى تجمول كى - تو تصر تجولو كرساس بهو كاتفاكر اأ د هست ما ده نهم بهو كيا -ببرمبه وكولازم سيسر كرابني ماس كوابني ماس كى عبكر سيجهي اور تهميننه تطفى اساس كانفطيما وراس كى فرا نبردارى و نعدمت كزارى كوايدافر من سمجھے مساس اگر کی معاطر میں ڈانٹ ڈیسٹ کرے تو تھا موٹنی کے ساخدش نے اور مرکز برکز، خرد ارتحرد ادلیمی ساس کوملٹ کرالٹا سیدھا ہوا ہے مزیدے ملکرصر کرسے اس طرح ابینے شرکو بھی اپنے اپ کی عگرجان کواس تغلیم وزودمت کواپنے بلے لازم سجھ ا در ساس خسری زندگی نبی آن سے الگ رہے کی تواہش ظاہر زکر سے اور اسی دلو آبو ا در چھانبوں اور مندوں صعیمی حسب ارتب ایجابرنا ور کھے اور بی مقان سے کہ تھے سر حال می انبی لوگوں کے ساتھ زندگی لسرکرتی ہے۔ مدط م ق اكم المرجيد كولازم بعد كرجب اس كي ولهن ككرس آجائے فيراطس أوسب دمنوراين دلبن سينوب بيار ومحبت كرياك ماں باپ کے اوب وا حرام اوران کی تعدمت واطاعت بی برگز مرکز بال رام بھی قرن مذا سنے دے ، اب بھی مرحیز کالبین دین ماں ہی کے ماتھ سے کرنا سے اور این و اس کوهی می تا کید کرما دسے کر تغرمبری ماں اورمیرے باب کی دائے لیے مرکز مركز مذكوئ كا كرس مزبغيران دونول سے اجازت بليے كھرى كوئى جيز استعال كيے امن طرز عمل سعیمیاس سے ول کومکون واطبیتان میسے گاکدا ہے بھی گھرکی مالکہ ہمیں ہمیں ہو^ں اور مبرا بہرودونوں میر سے فرا برواریں۔ میربر کر کم کھی میں وہ بیٹے اور مہوسے تبس المدي والركت ادى كے بعدائي ال سے لاہواہي برتنے لكتے بن اورائي ولين كو كلمرك الكرينالياكية من عمولًا التي كلوس ساس مجو كالمرائبال محواكري بن -ليكن جن محمرول بي ساس مبوا وربعظيا يق مذكوره بالا فرائق كانبال ركفت بي ان محرول بس ساس مهوکی لمطائموں کی نوست ہی ہیں آئی ۔اس بیے بے حدحروری ہے کہ سسيسا بينصابيضة والعن اورد ومهرون مصحفوق كاخبال ولمحاظ دكعبس منعلا وندكركم

سب کونوفین میدا ورمرسلان کے گرکوامن وسکون کی مستنت بنا دے ۔ آئین الشدتعال في جم طرح مردون كي يحقي حقوق وزنون برلازم وى فرمائيين راسى طرح عود نول كي هي تي مقوق مردول برلازم عظرا دیشی مین کا دا کرنا مردون برفرض سے بیانچرقرآن مجیدی سے: مِثْلُ الَّذِي عَلَيْهِ يَ يعنى عدادل كيردول كحاورام فرح كي بالْمَعْرُقُنِ- حقوق بي جر مار عمردوں كے عورتوں ير الصيرتاؤ كرسانف المى طرح وسول الشّرطي الشرطيروسلم في فرايا بع كد، مدتم من الصلة لوك وه بن مو عورتون كيسا تقاهي طرح ميش أين " (مشكوة تمرلف علدوص ٧٨٠ مختباني) اور صور السرطية والم كايرهي فران عدد رتم لوگوں کو حوزتوں کے با مع می وحتیت کرتا ہوں الہذاتم لوگ میری ومیتت تبول (مشكوة شريب علدا ص ١٨٠ مجتباق) اورایک صورت شرایت می مدهی سے کر: ركونى موت مردكسي مومة عورت سع لعف وحسداد دففرت نرر كي كونكم الرعورت ک کوئی مادت بری معلوم ہوتی موتواس کی کوئی دوسری عادت بہشریرہ مبی موگ ک (مشكوة نشرلف جلداس ٢٨٠ مجتبال) مدبث كامطلب يهد كرايساتهين موكاكركس عددت كى قبام عادتي فراب بى ہوں ملکواس میں کچھ اچی کچھ بری ہرتھے کی عائبی ہوں گی تومرد کوچا ہیئے کم عودت کے حرف ترایب عاد نون بى كوند دېخينا رسيدىكى تراب عا د تون سىد نظر بچيركراس كى افيى عا د تون كويمي بخا كرا بمرحال اللواور رمول تع عورنون كي يحد تفوق مردون مح أويدلا زم فالدف وسيت میں ۔ امذا مردرم فردری سے کرنے کھی مولی برانیوں برعس کرنا عصورن تعدا کے دربار یر بهت براگهنه کا دا در مرادری سماسی کی نظروں بی مرکز فلیل وتوارم و کا۔

ار ہر شوہر کے اوپراس کی ہموی کا برحق فرمن ہے کہ وہ اپنی ہموی کے کھانے پینے اور
دہری متروریات زندگی کا اپنی جینیت کے مطابق اور اپنی طافت ہم
انتظام کرے اور مرد فت اس کا خبال رکھے کہ برانٹد کی بندی میر ہے تاہ کے
بندھن میں بندھی ہموئی ہے اور پر اپنے ماں با پ ہجائی ہمین اور تمام عزیز وا قارب
سے جدا ہم دکھر فرص میری ہو کورہ گئی ہے اور میری زندگی کے دکھ سکے جم برا بر کی نزر کی
سے جدا ہم دکھر میں بیواس کی زندگی تمام خرور بات کا انتظام کرنا میرا فرص ہے۔ باد
بنگی ہے واس کے اس میں اپنی بیو اوں کے تاق نفقہ اور انحرا جا است تعدگی کا
انتظام ہمیں کرتے وہ ہمیت بڑے گئی کا رہمتون العباد ہیں گرفتا دا ور فہر فیمار و عذا تر
نار کے معراد آجی ۔

ا عورت کابر بھی عن ہے کہ شوم اس کے لینز کا سی اواکر تارہے۔ بھر لیست میں اس کی کوئی صدیمقر تہیں ہے کہ کہ اس کا در تو ہونا ہی جا ہیئے کہ عورت کی فوائن لوری ہوجا یا کہ ہے اور وہ ا دھ ا دھ ترائی جا ایک بزکر ہے ہوم وشادی کو این بولی سے الگ تعلک رہنتے ہیں۔ اور عورت کے ساخل اس کے لینز کا سی نہیں اواکہ نے وہ عن العیا دینی بھی کہ عن میں گرفیا وا وہ ہمت بڑے گئی گاریس اگر نعوار کر کے بوری سے ابنی عورت کے اس می کوم اواکر سے انو المورسے اللہ کا مورسے اللہ کا دیا ہے۔ اس مالے میں میں گرفیا وا وہ ہمت بڑے کہ عورت سے اس کے اس می کوم عاف کور اواکر سے انو سے اس کے اس می کوم عاف کور نے ۔ بھی کے اس می کوم عاف اللہ کے اس میں کوم عاف کور ہے۔ اس مالے میں میں اس کے اس می کوم عاف کور ہے۔ اس مالے میں اس کے اس می کر سے سے میں اور فوا میں اور فوا میں اس کی اس میں ہوئی ہوئی اس میں کہ ایک واقع ہوئی اور فوا میں اس می کہ اور فوا میں اس می کہ اور فوا میں اس می کہ اور وہ کے اور وہ رہے میں ورد ناک اضعار بڑے سے کی اور دس می کہ درد ناک اضعار بڑے سے کی اور دستی سے میں ورد ناک ایک وہ کہ اور وہ کے اور تو رہے میں ورد ناک کی میں درد ناک اس می کورت پر شعنے کی آور دستی میں ورد ناک کوم سے میں ورد ناک کی میں درد ناک کی میں میں درد ناک کی میں میں کہ کوم سے میں کورت پر سے میں ورد ناک کی میں میں کی کوم سے میں کورت پر سے میں کورت کی کوم سے میں کورت کی کوم سے میں کورت کی کوم کوم کے کہ کوم سے کی کوم کی کوم کے کہ کوم کے کہ کوم کے کوم کی کوم کی کوم کی کوم کے کہ کوم کی کوم کے کہ کوم کی کوم کی کوم کی کوم کے کہ کوم کے کی کوم کے کہ کوم کے کوم کے کوم کی کوم کے کہ کوم کے کی کوم کے کہ کوم کے کہ کوم کے کہ کوم کے کہ کوم کے کوم

الجين بُرُهدد مِي هَى كر مه فَوَ النّبِهُ مَنْ السّرَبِيرِ مِنْ هَذَا السّرَبِيرِ مِنَ اللّهُ وَالنّبِهُ فَوَا اللّهِ مَنْ اللّهُ وَالنّبِهُ اللّهُ مَنْ اللّهُ اللّهُ مَنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مَنْ اللّهُ اللّ اللّهُ اللّ

ایرالموسین نے مین کوتحفیقات کی نومعلوم ہواکداس عورت کانٹو ہر جہا دیسے سلم می عرصر دراز سے با ہرگریا ہواہے اور مرعورت اس کو یا و کہ کے رخی و فریس پر تنعر پڑھی رسی سے ۔ امیرالموشین کے ول پراس کا انسا گہرا از مٹیا کہ فور اُہی آپ نے نما سیب سالاروں کو برفران لکھ کر بھیجا کہ کوئی نشا دی شدہ قوجی جارہا ہ سے زیادہ اپن بیوی سے مجدو انزر ہے۔ (تاریخ انحلفادہ ۵۵)

۳ - عورت کو بلاکسی بڑے قصور کے کمجی ہرگز برگز ندا رہے ۔ درسول اللہ صلی اللہ معلی اللہ معلی اللہ معلی اللہ معلی میں معلی کے معلی کو اس معلی کو اس معلی کو ان اس معلی کو ان اس معلی کو ان اس معلی کر ہے ۔

عدام کو دار نا ہے ۔ بھیردو مرسے وقت اس معلی میں کر ہے ۔

(مشکل فاۃ جلداص ۲۸۰ محتیاتی)

بال البنداگر عودت كوئى براضور كريشي نوب بدلر لين يا دكه وبين كرين سكريني بلرعودت كى اصلاح اوز تنبيه كى تميت سيخوبراس كوما دسكناس يع كمراك في ب اس كاپورى طرح دصيان رسيك كمراس كوشد در چومط با زخم نه پينچ -اس كاپورى طرح دصيان رسيك كمراس كوشد در چومط با زخم نه پينچ -اس كاپورى طرح دصيان رسيك كمراس كوشد در چومط با زخم نه پينچ -

نفرکی کنابوں میں کھھا ہے کوشو ہرا ہی بیوی کوچار یافوں برسزا مصاسکتا ہے۔ اوروہ جاریائی بر ہیں ۔

ا رشوبراني بيوی کوبنا وُمسنسگا دا ورصفا ئی سخرائی کاحکم بسيلين بچرجی وه پچوبر اودسي کمپلی بی دسیے۔

۲ - الموبر محبت كرف كى خوامش كرسه اور بيوى بلاعدر ترعى منع كرسه -

۳ - عورت حیض اور جنابت سنعسل مذکرتی ہمو۔ م - بلاد جرتما زنرک کرتی ہو۔

ان چادوں صحود نوں بمی نئوم رکوچا ہیئے کہ چیہے بیدی کو سمجھائے اگرمان جائے تو بہنر ہے ورمزڈدائے دھم کائے مگراس پرچی مزمانے نواس تشرط کے ساتھ مارنے کی اجا ذت سبے کرمنہ پرمزمائیے ۔ اورائی سخنٹ نہ کا ہے کہ ہڑی گوٹ جائے با بدن برزخم موجائے ۔

م ر ماں بری کی نونگوار زندگی بسر ہونے کے لیے جی طرح عور نوں کوروں کے جذباست کا لحا ظر کھنا صروری ہے۔ اسی طرح مردوں کو بھی لازم سے کرعوزوں کے جدیات کا خیال رکھیں ورز حس طرح مردکی نا دائلی سے عورت کی زندگی جمتم بن جاتی سے اسی طرح عورت کی اردنگی معی مردوں کے بلیے و ال جان موجاتی ہے۔اس بلےمرد کولازم ہے کم عورت کی سرت وصورت برطعنہ مز مارے اورورت محميكروالون مرمعي طعنه رتى اورنكنه جليي مذكر العدرة عورت مح ماں باب اورعز نزوا فارب کوعورت سے معا<u>صف مرا معبلا کیے کہو</u> کران بانوں سے عورت کے دل می مرد کی طرف سے لفرت کا جذبہ بیدا موجا ناسیعے رحب کا تیجہ برمونا سے کرمیاں بوی کے درمیان تا جاتی بیدا موجاتی سے وا در محرد ولوں كى زندگى دن دات كى جلن ا ورگھائن سندملخ عكد عذاب بان بن جانى ہے ـ ۵۔ مردکو چاسٹے کرنمروارکھی تھی اپنی عورست کے مدا منے کسی ووسری عورت کے محن وحال بااس کی تو بول کا ذکر مذکرے ورنہ بھوی کوفوراً می بدرگاتی اورم شبه بروجائ كاكرننا بدم برع سنوسركا اس عورت سے كوئى سانھ كانھ سے یا کم سے کم قلبی لگا و ہے۔ اور مرخیال عورت کے ول کا ایک الیسا کا نما ہے کہ ورت كوابك المحرك بيصي صبروفرا رنصبية بسي بيوسكنا ميا دركهو اكرجر طرح كوثى تفوہراس کو برداشت نمیں کرسکتا کراس کی بیری کاکسی دوسرے مرد سے سازباز

ہو، اسی طرح کوئی عورت بھی ہرگز ہرگز کھی اس باست کی تاب نہیں لاسکنی کراس كے تغويركاكمى دوسرى عورت سے تعلق موربلكر تجريدتما بدسے كراس معامل مى عورت کے جذبات مرد کے بخرات سے کمیں زیادہ بڑھ براھ کر مواکر نے بی۔ لبذااس معاطر مي تنوم ركولازم ب كرميت احتياط رتص ورز بركما نول كا طوفان مماں موی کی توشگوارز در کی نماہ ور ماد کرفے گا۔ ١- مرد المانشر عودت پرحاكم الم المرد الردكوبري حاصل م كربري برا بناحكم حلا مرهرد کے بیے عزوری ہے کہ ابنی ہوی سے کی ایسے کا کی فرائش مذکرے بواس كى طاقت معيا بريويا وه كام اسكوانتها أن السندم وكونك الرصعورت جرا قراً وہ کا کرفے گی گراس سے دل بی ناگوادی عزور میدا جو جا شے گی جس سے میاں ہوی کی نوش مزاجی کی زندگی میں کھے در کھی مخے صر در بیدا ہوجائے گی۔ جس کا ننجربه موكاكر رنتر رفية مبان بيوي أخلاف بيدام ومات كا-ے ۔ مردکورما سنتے کر عورت کی علطیوں مراصعلاح سے بیے دوک ٹوک کرتا ہے ۔ تبھی منحتی اور عصته کے انداز میں اور کھی محبّت اور سار اور جنسی توننی کے ماتھ تھی بان بيت كري ومرد بروقت إين مونجوين ومرا باند سي عرف مل طوان بشکادا ور ماربسٹ کے اپنی بیوی سے میں کوئی است ہی ہیں کرنے توان کی بیوبال شوم در کی عبت سے ابوس موکدان سے نفرت کرنے گئی ہی۔ اور ہو لوگ بروفت بولوں کا نا واعظاتے رہنے میں اور بیوی لا کھون علمیاں کرے گر مربعی میں بن کی طرح اس کے سامنے میا وُں میا وُں کرتے رہتے ہیں۔ ان نوگوں کی میوماں گستاخ اور شوخ ہو کم تشوم وں کواپنی انگلبوں پر منجاتی رستی ہیں۔اس لیے شو مروں کو میا سے کرحصرت شیخ سعدی علیالرحمة مے اس قول برس كري كري يوقاصدكم جراح وثريج نداست درشنی ونرحی بهم در بداسست

یعن بخی اور نرمی دونوں ا پنے اپنے ہونے پربہت ابھی جیز ہیں جیسے نصد کھوکتے والا کہ زخم بھی لیکا فیصے اور مرہم بھی رکھ دینا ہے مطلب بہ ہے کہ شوم کو چا ہیئے کہ نہ بہت ہی کڑوا بنے نہ بہت ہی ملیھا مبلکہ بخی اور نرمی موقع موقعہ سے دونوں پرمس کرنا رہے ۔

ر شوم کو بہتی جا سے کرسفر میں جانے وفت اپنی ہوی سے انہائی بیاد وجہت

کے سافظ ہنے ہوئی سے ملافات کر کے ممکان سے نکلے اور سفر سے والی ہو

کر کچور کو جوسامان ہوی کے بیسے رور لائے کچور نہونو کی کھٹا مبر شاہی لین

اس اور بیوی سے یہ کہے کہ رہز حاص تمہا سے ہی بیا ہوں پر تنوام کا اور وہ اس جاں سے مہت خوش اور کئی دہ ہی بیا اور کئی دہ ہی نظاوں سے اور کئی دہ ہی کہ وہ میری نظاوں سے اور کئی دہ ہی نظاوں سے فائر رہے کی کرم برے شوہر کو جوسے الی محبت سے کہ وہ میری نظاوں سے فائر رہے کہ اور کھی اور کھنا ہے۔ اور اس کو ممیل خوال کا دہ ہمیت کو میں کے لیا در کھی ایسے نیوم بر کے سافھ کری فار رزیا دہ ممبت کو کہ سے نیوم بر کے سافھ کری فار رزیا دہ ممبت کو کہ سے نیوم بر کے سافھ کری فار رزیا دہ ممبت کو کہ نے لیے نیوم بر کے سافھ کری فار رزیا دہ ممبت کرنے گئے گئی ۔

بافىره جاماي ١٠ عودت اگربيما رم وجائے توشوم كا برا خلاق فرىيند بىر كرون كى تموارى اونيما دار م بركز مركز كون كونايى مذكر الع بلكرايني ولدارى و دلجوني ا ورعمال دور مساور کے دل برنفش منعا نے کرمرے متوم کو تھ سے بے حد مجست سے راس کا نہے برموگا كرعوزت شومر عاس اسمان كو ما در تھے كى ۔ اوروه مى شومىرى خدمت كرارى تي ایی جان لط ادھے گی۔ ١١ - شوم ركوچا سئے كرائي بيوى يرا فتما دا در عروب كرسے اور كم الومعاملا اس كے سيردكم دے ناکہ بیوی اپنی حبتیت کو جانے اور اس کا دفاداس می وراغمادی بیدا كرم اوروه نها بت بى دليسى اوركوت من كم ما غذ كر الومعا ملا كانتظام كوسنجا ك رسول الشيطى الترطيرولم ت فرايات كرعودت لين تومرك كم كى كران اور كافظ سے مادراس معاطر مى درت سے نامت مى موادند قدوس بوعد كى فره أيكا، موى براغمًا دكرف سعير فالمره موكاكروه اينه آي كو كمرك نشاى معاملات می ایک متعیدی دمروادخیال كرمے كى اور شوسركو مرى عد مك كورو مجرول سے بخات مل جائے گی اور سکون واطبیتان کی زندگی نصبیب موگی۔ ١١- عورت كاس كي شوم رير ايك حق يرهي سع كرشوم عورت كي المتركي دا زوالي باتول كود ومرول كے سائے مربان كرہے بلكراس كودا زيناكرا يتصول بي اس د کھے کیونکر مدیر شاخرلیت میں آباہے کہ دسول انڈھی انٹد علیق کم نے فرایا ہے كرندا كے نزديك بدرن تخص وہ سے جوابی بيوى كے باس مائے . بھراس کے بروہ کی با قوں کولوگوں برطا ہر کرے اور جی بروی کو دوسروں کی سا ہوں میں (مسلم ملزاص ۱۱۲۷) ١٥ ـ منومركوما مين كربوى كرسائ ائ أن فيد يحيد كندر كرون مي دائي مل برن أورلياس ولستروغيره كيصفائى سخفرائ كاخماص طور يرخيا ل د كھے كيونكر تتوم

جی ای بیجا ہنا ہے کواس کی بیوی بناؤسٹھا دے ساتھ دہے اسی طرح عودت بھی یہ بیجا ہتے کہ میرانٹو ہم بلاند ایک میریا یہ چاہتی ہے کہ میرانٹو ہم بلا مجدید نررسے - لہذا میاں بیوی ووٹوں کو ہملتند ایک و در مرب کے مقد بات واحساسات کالی ظر کھنا حردی سیے - درسول اللہ صلی اللہ میلم کواس بات سے اوراس کے ملیہ واس بات سے مورٹ میری دوٹوں کو عمل کرنا چاہیئے ۔ بال اُ کچھے دہیں ۔ اس حدیث بیرمیاں بیوی دوٹوں کو عمل کرنا چاہیئے ۔

۱۳ - غودت کی اس کے تنوم بر بریمی حق سے کہنٹوم عودت کی نفاست اور بنا وُسنگار کاسامان بعثی صابون : مِن مُنگی، مہندی نوشیو وغیرہ فراہم کرتا ہے سے ناکہ عورت بانے آپ کوھما ف سخفری دکھ مسکے اور بناؤسنگھاد کے سماتھ رسیسے ۔

۱۵ - نشوم کوچا سنے کرمعمولی معمولی ہے بنیا دباتوں برائی بہوی کی طرف سے بدگھانی نہ كرس بلكراس معامله من ميستدا منياط اور تحيداري سي كا كري وركموكم عمولي شہرات کی بنا دیر بہوی کے اُور الزام لگانا بدگرانی کرنا بہت بڑاگناہ ہے۔ مدیث الرفی ای مید کرایک دیباتی نے رسول التدسلی التدعلیہ وسلم سے درباری ما مز ہوکر کہا کر میری بوی کے شکم سے ایک بیتہ میدا ہوا ہے ہوکا لاسے اور میرانم سک نہیں ہے۔اس میے میرانیال سے کریہ بچرمرانیس ہے۔ دہانی کی بات سن كر معنور البالصلوة والسلام في فرايا كركبانبرس ياس كيدا وزا بي ؟ اس نے عرصٰ کیا کرمبرے یاس بہت زیادہ اونمط ہیں۔ آپ نے فرمایا کرنمہار اون کس رنگ کے بیں اس نے کہا کر صرف رنگ کے بیں آپ نے فرما باکہ كيان مي كيفها كى رنگ كے بھى بين يائميى واستے كہا جى بال كيدا وسط خاك رنگ مے بھی ہیں۔ آب فیطرا یا کم بنا ذکر شرح اوسوں کی نسو میں خاکی رنگ کے اونٹ کیسے اور کمال بیدام و گئے ؟ وہاتی نے جواب دیا کرم رے مرن زنگ کے اونموں کے باب دا دا وُں میں کوئی نما کی رنگ کا اونسط رہا موگاراس کی رگ فاس كواين ونكري كمين ليابوكاراس يلي رئ ونول كابحة خاك رنك كا

بروگیا ۔ برس کرصنور کی انٹرملیہ وسلم نے ارشا وفرایا کرمکن سے نہا اسے با ب داداؤ بر تھی کوئی کالے دنگ کام وامو۔ اوراس کی دگ نے تمہا سے نیکے کو کھیے کر لینے زنگ كابناليا بوراورير بيزاس كائم تسكل موكيار د بخارى ملدا ص ١٩٩١) اس مدیریت سے صاف خاہر ہے کرمعن اتنی سی باست پرکہ بچرا بینے یا ریکا پہنے کا ننیں ہے بھنورعلبالصلوۃ والسلام فےاس دمہا فی کواس کی ا جا دستہیں دی کر وه اپنے اس بی کے مارے میں بر کورسے کر برمیرا بچے شیں ہے۔ لہذااس مديث سعة ما بن برواكر محض تشبري بنا ديرايني ببوي سك اويرلادم لكا دينا ما مُزنبين ہے ملكم بيت براكناه سے .

11 _ اگرماں بیوی میں کوئی انعملاف باکشیدگی بیدا موجائے توشوم میلادم سی کر طلاق دینے بس مرگذ مرگز جلدی نہ کرسے۔ ملک اپنے عظر کو عبد طاکر سے وزعمت ا نرجا نے کے لید تھنڈ ہے ۔ ما نے سے مویا کچرکرا ورلوگوں سیمشورہ سے کم يرخوركر سے كركى مال موى بى ناه كى كوئى صورت موسكتى سے يانسي ؟ اگر بنا وُا ورنباه كى كوئى تشكل بك أف توم ركز مركز طلان مذي كيونكي لا تكوله ا بھی چیز نہیں سے - دسول الله صلی الله علیه مسلم نے فرایا ہے کہ صلال جیزوں میسب سے زیادہ توا کے نزدیک نالسندیدہ چیز طلاق ہے۔

(الودا وُدِ مِلدا ص ٣٠٠ باب كرامية الطلاق محنياتي)

ا گرندانخواسته السي سخت عزودت بيش اسجائے كرملان فيف محدواكو أي حاره مذرب لواليي مودت ببطلاق دينے كى ابعازت ہے۔ عدنہ طلاق كوئي آھى جرہیں ہے۔

بعن جابل ذوا ذرامی با توں پر اپنی بوی کو طلاق سے دبینے ہیں اور چیز کھیا تے بی اورعا لموں کے باس جورٹ بول بول کو کمشکر ہو چھتے چھرنے ہیں، کمجی کہتے ين كرعقد بي طلاق دى فى المعيى كيت بي كرطلاق دين كى نيت نهيس مى

عصر بلا اختیا رطلان کالفنظ منر سے پھل گیا کہی کہتے ہیں کرعورت ما ہواری کی حالت بمریخی ،کعبی کہنتے ہیں کہم سفطلاق دی گربہوی نے طلاق لی ہمیں مالا کرات كنوارول كومعلوم بوناجا يشتركران سيبصورنول مي طلاق يرماتي بيداور لبف نو ا یسے بدنعبیب بس کرنن طلاق مے کرھیوٹ اولئے بس کرمس نے ایک ہی بارکہا فعاا ورس کم رکم بری کورکھ لیفنے ہی۔ اور عمر میرزنا کاری سے گنا ہیں بڑے رہنے یں۔ ان طالموں کو اس کا اسماس ہی ہمیں ہوتا کر بن طلاق کے بعد وردت مرق نہیں رسنی ۔ بلکہ دہ ایک البی اجنبی عودت موجا نی ہے کہ بغیرطا لرکرا نے اس سے دویا رہ نکام عی تبیں موسکنا ۔ خدا وتد کرم ان لوگوں کو بدایت دے۔ آمن ے ۱۔ اگر کمی کے یاس دو بیوماں بااس سے زما دہ ہوں تواس برفرص ہے کہما ہول کے درمیان عدل اوربرابری کاملوک اوربرا اور کسے کھانے پینے ،مکان ، سامان، دشن، بنا وسنسكار كى جيرون عرض تمام معاملات بمي برابرى برتنه ، امي طرح ہر بوی کے یاس دان گزار نے کی باری مقرد کرنے بی می براری کا فیا المحفظ رکھے ، یا در کھو اکر اگر کسی نے اپنی تمام بمولوں کے سا فق بکسا ل اور مرابر سلوك نهين كميا تووه في العبادي كرننا را هدعذاب جبتم كاستفدا مروكا . حدیث خربف میں سے کردجی شخص کے ماس واو محومان موں اوراس نان کے درمیان مدل اور برابری کا برتا ڈ ہنیں کیا توجہ فیاست سے ون میلا*ن محتر* بس اس حالت بن الطايام أيكاكراس كا أوصا بدن مقلوج (فالج لكابوا) موكا ـ

وترمدة عطداص ١٣١١)

۱۸۔ اگر بیوی کے کسی فول وقعل، پرنوٹی، پراخل فی ،سنت مزامی، زبان درازی دخبرہ سے تٹوم کوکھی کھی کچھ ا ذہبت ا وزیکلیف پہنچ جائے تو تٹوم کوجاہئے کرصبرو متحل احد مردانشت سے کام سے ۔کمبو کم عود نوں کالمبرطعایی ایک فطری چیز ہے ۔ رسول الشخصى الشرعليه وسلم سف فرا بالرعورت صحرت اي مغليلسلام كارب سفي برطى الشرعليه وسلم سف بيداك كئي سهد الكركوئي شخص المراهى بيلى كوسيرهى كرف كالموست من كوست من كرست كالتوبيل كى بلرى توسل بي بيرى كوبا لكل بى بيري كوشش كرست كالتوبيل كالتوبيل المراه كراه كالمراه كالمراه كالمراه كالمراه كالمراه كالمراه كالمراه كالمراه كالمراه كوبي بين كالمراه ك

۱۹ ـ نشو ہرگوجا ہینے کہ عودت کے انواجات کے بالصے میں بہت زیادہ تخیلی اور کنجوسی مذکر سے مذصر سے زیادہ فضول خرچی کرسے ۔ اپنی اکدنی کو د بھی کر بہوی کے انواجات مفرکر سے نزاین طاقت سے بہت کم بدنراپنی طاقت سے بہت زمادہ ۔

۲۰ شوم کو حاسبے کہ اپنی ہوی کو گھرکی جہاد دلواری کے اندوند کر کے نداسکے بدائے کہ اپنی ہوی کو گھرکی جہاد دلواری کے اندوند کی ابا ذت بدائر کھی کو گھری دادوں کے ہہاں اور ترخ بنا در ہے۔ اور اس کی سہیلیوں اور ترخ تنہ دادی والی عود توں اور تروسنوں مسے بھی شخر جلنے ہر چا بندی ہز سکا ہے۔ ابشر طبکہ ان عود توں کے میں ہولی سے مسیکسی فرتن کے میں ملاہب سے مسیکسی فرتن کے برمین جو جا ندل ہوں اور اگران عود توں سے میں ملاہب سے بیری کے برمین جو جا نے کا شعطرہ میونوان عود توں سے میں جو ل پر چا بندی سے اور بر تشوم کا می سے -

التدورمول دجل جلاكم وصلى التدويمول دجل جلاكم وصلى التدعلية ملم ات مسلمان عور لول كايروه النساق قطرت كي نقاصول كي ملائل مركادى على مركادى كي مدروازول كوبندكر في مدكم ديا م

محصه كى فرحنببن اولاس كى الممتبت قرآن مجيدا ورحديثون سية أبت بعد يها تير قرآن مجيدين الشرتعالي فعودتون بربرده فرمن فراست بوشه ارتفا وفراياكه: تم اینے اینے گھروں کے اندررسواور لے برو وَقَدْنَ فِيْ بِيوتِكُنَّ ہوکر ا برن نکلوس طراع بسے دانے کے وَلاَتَ يُرَّحِنُ سَنَ سَيَرُجَ العامليّة الأولل دُورِجا بمب ين عورش في يردها بركل كم (Je 44(2) معونى كيرتى محدث اس ایمیت میں اسٹرنعالی تے صاف صاف مناورنوں پرئردہ قرمن کر کے بیرحکم دبا بيدكروه كمرون كاندروباكري اورزمانها بليت كى بعيمائ وبديردكى كى رسم كو فيوردس-زما ده حالمت بي كفارعرب كايه دستورفقاكدان كي عورتس حب بن منوركر بے يُرده محلى تخبس اور ما زاروں اورمليوں مي مردوں كے دوش برونن كمومتى يورق تقبين اسلام تعاس بيرد كادرب حيالي سعدوكا اوركم دياكرورس کھروں کے اندور ہی اور ملاحرورت باہرنہ نکلیں اورا گرکی حرورت سے انہیں كرسے با بركلناسى يرے توزمان جا بليت كے مطابق بنا وسنى اركر كے ہے يرده نه مكليس . بلكر مرده كيما فقرا برنكليل رحديث ترليفيس ب وسول الشرصلي المندعليه د عورت پرده پس رستے کی چرز سے جس وقت وہ بے بردہ ہوکر ما مر بکلنی مع وشیطان اس کوها مک جها مک کرد بختاسی ؛ (ترنری میدام ۱۸) اک اور صرب سے کر:

ایس اوردید بیسه در ایس ایس ایس ایس میست که مثال اس تاریکی کیسیدی در بنا و مسئل اس تاریکی کیسیدی در بنا و مسئل کیسیدی می ایس ایس کاریکی کیسیدی می ایس کاریکی کیسیدی در ایست سیسی کرد. اس کاری کاریکی در ایست سیسے کرد.

ر من مرا مراسی المراسی و اسر فارق مند مرایا ہو عورت نوشیو سکا کرمردوں کے با^س الم

عيكرندية ما كولوگ اس كى تونشوسونگھيى وەعورت يوملين سے السالى) یماری بہنو! آئ کل بوعورتی بناوسنگاد کر کے اور فرواں لباس مین کر توشیولگائے ملايرده باندارون بس محوي عيرني بس اورسينا المقيطرون بي جاتى بس وه ال حربتوب كي دوشي مِن آینے بالسے بم نود ہی تعبیل کرلیں کروہ کون ہیں ؟ اورکیسی ہم ؛ اورکینی بڑی گنام گار ي ?" ملداللدى بنديو إنم حدا كي فضل سيسلمان موراللدورسول في تمسى المان ك داست معمالا مال كراب، تمهايدا بمان كا تقامنا برب كرتم التدورسول محامكام كوسنوا ودان برعل كروء الشروريول نے تهيں يرصيبي رسنے كاحكم دياہے۔ اس ليے نم كولا ذم سي كرم ميرده بن رباكروا ورايف ضويرا درايق باب وادا ول كعرت وظمت اوران کے ناموس کو برما در فرکرور بدونیا کی جندروزہ زندگی آنی فان سے۔ یا در کھو! ایک دن مزاسے اور میر تمیامت سے دن المتدور مول کومنرد کھا ناسے فرا ورجہنم سمے عدا بول كوما وكرد مصرت فا نون حبّنت بي في فاطمرندم الدامّنت كى امّل بعني وسول الله صلی الشرعببه ولم کی مفترس بولوں کے نقش قدم برمی کرانی دمباوا خرت کوسنوادد اورورا کے یہ بہودونعماری اورسٹرکس کی عورنوں کے طریقی برطنیا میوردو-آنے کا بیعق کی قیم کے دخمنا ن اسلام مرده عزن ہے، اوعزی میں اسلام المان عوروں کور کہ کرم کا المرائی المان عوروں کور کہ کرم کا المرائی كراسل فيعورنون كويرده مي دكه كرعورنون كى بيع تن كى بيداس يدعودتون كو یردوں سے نکل کرمرمیدان می مردوں کے دوش بدوش کھرمی موجانا جاستے مگر بيارى بهنوا نوب التي طرح مجولوكرات مردون كايربروسكيناره أننا كمندا وركمنا وناحرب ا ور دصوكر ب كرتبا يرشيطان كوهي مرسوجها موكا-

اید انشری بندیو انمهیں انصاف کروکرتما کا بی کھی ٹپی دسی بیں اور ہے پیکدہ دسی بیں کر قرآن شریف پر تیمیشہ علاف پیڑسا کراس کو پر صے بیں دکھا جا کا تو تیا توکیا فرآن مجدر پرعلائے چڑھا نا برفران شریف کی عرّسہ ہے با یہ عزق کا اس طرح تمام دنیا کی سبیرین ننگ اور بے پروہ رکھی گئی ہیں۔ گرخا زکعیمیرغلاف بوٹو صاکراس کو پُروہ ہیں رکھا گیاہے۔ آؤنباڈ کیا کعیم فقر سر پرغلاف چڑھا خااس کی عرّنت ہے۔ بابیع ترق انما اون ا کومعلوم ہے کہ قرآن مجد داور کعیم عظمہ پیغلاف چڑھا کمران دونوں کی عرّنت وعظمت کا اعلان کیا گیاہے کہ تمام کمآبوں ہی سیب سے اقعیس واعلی قرآن مجید ہے ۔ اورتمام مسجد و بی افضل واعلی کعیم عظر ہے ۔ اسی طرح مسلمان عور توں کو پگر دہ کا حکم ہے کہ اندہ و رسول کی طرف سے اس مان کا اعلان کہا گیا۔ ہے کہ افوام عالم کی تمام عورتوں میں سمان عورت تمام عورتوں سے افعیل واعل ہے۔

یهاری بهنو! اب تمیس کواس کافیصله کرناسید کراسلام نے سل ن عورتوں کو يرده بس ركه كران كي عرّنت برطها أن سيريا ان كي بيعرّ تي كي سيعية من لوگول سے بردہ فرص سے ؟ بابررتنا بو ما گورے اندر سرایک سے م مزعرمحرم مرد نعواه اجنبی مبونه وا هرشته دار ما برده كرنا طورت برقرض ہے ماں ان مردوں سے بوطورت كے محم بول ان سے يُرده كرنا عودت برفرض نهيس بحرم مه مرد بي من سيع وريث كانكاح كيمي عي اوركس صورت مي مي ما مرتبي موسكم منتلاباب، ودوا عرجيا ، ما مور ، نا تا ، عما أن المبيا ، معانجا الذا الواسم فيمران لوكول سے يُرده مزورى ميں سے يعرفهم وهمرد بن بن سے عودست کا نکام موسکرا ہے۔ جیسے چیا زاد میائی ، ماموں زاد میائی ، عیدیمی زاد مِيانَى ، تعالمرزا د عبيانُ ، جبيمة ، وب<mark>ور دخيره برسب عورت كے غير محرم بي - اوران</mark> سب نوگوں سے پرُدہ کرنا عورت برِفرص ہے۔ ہندوستان بی برمہت ہی علط ا و زِعلا فی مربت رواج سے کر حورتیں ا بیصد یوروں سے با معل مرره نہیں کرتی ۔ ملکروبوروں سے معنی مُوا في اود ال كوسا فقر ما تقايا أن مك كرسف كوثرا تنبيس مجتبيس معالا لكرد لورودت كا محرم نہیں ہے۔ اس بعد دوسرے تمام غیر محرم مردوں کی طرح عورتوں کو دابوروں

سے بھی پردہ کرنا فرض سے معلکہ حدمت فترلیب میں توبہاں تک دلوروں سے بردھ

کی تاکیدسے کر': آلٹھنٹ کی الْمَوْث ، بعنی دیودعورت سے حق بی ابسیا ہی خطرناک ہے جیسے کرمونت) اودعورت کو دبور سے اسی طرح دُود کھاگنا چا ہیئے جس طرح لوگ موست سے بھا گئے ہیں ۔ ۔ ۔ ۔ دمشکوہ مبلدا می ۲۲۸)

بهرحال نوب بھی طرح سمجھ لوکہ نیر محرم سے پردہ فرحن ہے رہا ہے وہ احبی مرد ہو بارمشتہ دار، دبور، حلیے دعی عرحم م ہی ہی، اس بیسے ان لوگوں سے جی پردہ کرنا عرودی ہے ۔ اسی طرح کفار ومشرکتین کی عورتوں مسے جبی سلمان عورت کو بردہ کرنا بچاہئے ۔ اسی طرح بہم وں اور مرحبین عورتوں سے جبی پردہ کرنا لازم ہے را ودان کو گھروں ہیں آنے جانے سے دوک دیتا جا ہے۔

مستملہ الم عورت کا بیر بھی عورت کا غیر محرم ہے۔ اس بیے مردہ کو اپنے بیری بردہ کرنا فرص ہے۔ اور بیرے بیا جی بردہ کرنا فرص ہے۔ اور بیر کے بیاے بھی برجا کر نہبں کر ابنی بردیہ کو بلے پردہ دیکھ بات نہائی براس کے باس بیسطے۔ بلکہ بیر کے بیاے برجی جا کر نہبی کہ عورت کا باخف بیر کے بیاے برجی جا کر نہبی کہ عورت کا باخف بیرے بیا کہ مصرت ما کشتہ دی الله عہد آخر کے المحد نہ بیت کے ایک بیت کے الله میں مصنور علیالصلوا ہ والسلام کیا تیکھا المدیکی آخرا کہ المحد نہ الله میں معنور نزل کا انتقال کا قراد کر لیبی سے ورزل کا انتقال فراد کر لیبی میں ہوتی تھی رخدا کی قسم میں بھی صفور کا باخذ کی عورت سے با میں میں بیت بذراید کی ایک میں میں بیت بدراید میں بیت بندراید میں بیت بدراید میں بیت بدراید میں بیت کے دیں بیت بیت کے دیں بیت بیت کے دیں بیت بیت کے دیں بیت بیت کے دیا کہ میں بیت کے دیا کہ میں بیت کے دیا کہ کا میں بیت کے دیا کہ کہ کا میں بیت کی دیا کہ کا میں بیت کے دیا کی بیت کی کے دیا کہ کا میں بیت کے دیا کہ کا میں بیت کے دیا کہ کو کہ کی بیت کے دیا کہ کا کہ کی کے دیا کہ کے دیا کہ کی کے دیا کہ کی بیت کی کہ کی کہ کی کہ کا کہ کی کے دیا کہ کی کی کہ کی کے دیا کہ کی کی کے دیا کہ کی کی کے دیا کہ کی کی کہ کی کے دیا کہ کی کے دیا کہ کی کے دیا کہ کی کے دیا کہ کو کہ کی کے دیا کہ کی کے دیا کہ کی کہ کے دیا کہ کی کے دیا کی کو کر کی کے دیا کہ کی کی کے دیا کہ کی ک

مهرس شوم رکی مثال شوم دو مع باسی آدر نکی مولی بدایات کی دوشی مهم می بدایات کی دوشی مهم می موشی مرکزن سے ؟ نواس کا دوال برسے کہ :

ارجوابی بیری کے سا خذری اخوش خلفی اور من ساکت است ارجوابی بیری کے سا خذری اخوش خلفی اور من ساکتے ا

بر جواین میوی کے تفوق کوا داکرنے میں کمقیم کی عقلت اور کونا می نرکرے. س بوائنی بوی کا اس طرح بوکررسے کرکسی اعبنی عورت برنسکاہ نرا اے ۔ م - بوائي بيوى كوا خصيش وأدام مي دايركا تمريب سحه -۵ ۔ جوانی بیوی پر کمبی طلم اور کسی می بلے جا زیاد نی رز کرے -۲ - بوای بیوی کی شند فراسی اور مداخلاتی برصبر کرے -ے۔ بوابنی بیوی کی خوبیوں برنظرر کھے اورمعمولی علطبوں کونظرا نداز کر ہے ٨- بوايني بيوى كي مصبلتون ، بيادلون اور رنج وعم مي دلجوني ، تنما رداري اوروفا دار 9 - جواین بوی کو برده می د که کرعرت و آبرو کی حفاظت کرے ۔ ١٠ جواسي بوي كود بنداري كى تاكبيركرنا ميد اورتسرلعبت كى راه يرهلان . ا - بوائن بوی اورامل وعال کوکما کماکر در فی طلال کھلا کے ۔ ١٢ جوايني بيوى كيمبكروالون اوراس كي سبليون كيسا عد معي اليحاسلوك كرك الله بواین بوی کودکن ورسوالی سے بچائے رکھے۔ ممار جوائنی موی کے اخواجات میں نخیلی اور کنوسی رز کرے۔ ۱۵ - بواین بوی پراس طرح کنرول رکھے کہ وہ کی قرآنی کی طرف ڈرج بھی نہ کرسکے <u>طوريث حب صاحب اولاد اور محول</u> ۳ عودت ال بن جانے کے بعد ای ماں بن جائے تواس پرزیدة مردادیو كالوجه بطره جانك يحكي فكرنتوم اوروا لدين وعبره كيحفون كعلاوه بيخول كيحفون بعی عورت کے سر ریسوارموجاتے میں رجن کوا واکرتا برواں کا فرص منصبی ہے ہو مال لینے کچوں کاحق نزا داکرے گی نفین وہ ترلیب کے تر دیک بہت بڑی گنا ہمگارہ اور ساج كى نظرون بى دلىل وتوار مفرك كى -بیخوں کے حقوق : ۱ ۔ بہواں برلازم ہے کرا بنے بیخوں سے بیارو محبّ کرے

ا در مرمعاطم من ان کے ساتھ مشفقا نربرتا و کرسے، اوران کی دلجوئی وول سنگی مِن كَلَى رہے اوران كى يمورش اور نربتيت بى لورى بورى كوسسن كرے _ ہ۔ اگرماں کے دووصی کوئی خوابی مزمونو ماں اپنا دودھ استنے کوں کوبلائے کردودھ كالجحول برفرا الرفر ناسيه ٣- يحول كى صفائ مفر الى مان كى تندرتنى وسلامتى كا تماص طور بروصيان در كھے -م ربیتوں کو برسم کے رنے دم اور تعلیقوں سے بچانی رہے۔ ٥ - بے زبان بیکے ابنی هزور بات بنانہیں سکتے ۔ اس کیے اس کا فرص ہے کہ محول کے اشارات كوسجوكران كي صروريات كويورى كرتى سيع -۲- بعض ائم بيل كروا عى كى يولى بول كر يا سيابى كانام نے كا يكوئى وحاك كركے حقيق بيخول كو دُوا ياكرنى بن بربهت مى رئى بالتي بن و بادباد البساك في مي وكا دل كرور بوجا الب الدوه برا مون ك بعددر لوك موجايا كرن بى -٤- بي جي جير كيولو لن لكي تومال كوي است كرانبي بأرباد الشراف ريول كانام ستائے ،ان کے سامنے یا ریا رکھر برھے ایمان کے کروہ کھر مرصنا سکھ جائٹ ۔ ٨ - سبب بير بيري بي تعليم كوقا بل ميوياً بين توسب مسيميلي ان كوفراك تغريب او<mark>ر</mark> دينيات كى تعلىم دالاتى -۹ - بچون کواسلامی آد ای وا خلاق اوردین ومذمیب کی یا نمی سکھا میں -١٠ ا هِي با نوں كى رغبت دلائمي اور ترى ما نوں سے نغرت دلائمي . ١١- تعليم وتربيبت برنفاص طورير نوح كرس اور تربيبت كا دهيان ركه بي كونكرني سادہ درن کے اند موتے ہیں سا دہ کا غذیر سونفش و مگار بنا مے مائی وہ بن مانے میں ، اور بیتوں مجبول کا سب سے بیلا مدرسماں کی گود ہے۔ اسبائے ان كى تعلىم و تربيبت كالبحق بريهمت كرا الزير باسب - دبدا بران كافرض معبى ے كر بچول كوا سلامى تىمىزىب وتىدن كى سائىجىيى دُھال كان كى بېزىن

10 ۔ بریمی کی وں کا می سبے کران کی بدائش کے سافیں دن ان یا بان کاسرمنگرا کر بالوں کے وزن سے برا برحا ندی جرات کریں اور نیکے کا کوئی ا چیا نام رکھیں - نعروا زخر دار ہر گر نیکوں اور نیکیوں کا کوئی برا نام ندر کھیں -

ا بسب بجر بيدا برو تو فوراً بي اس مع دائين كان بي ا ذان اوريا بمي كان من ال

پڑھایں ناکہ بچرشیطان کے علی سے محقوظ نے بیے اور بھپو ارا دعیرہ کوئی ملیمی جبر چباکراس کے مندمی ڈال دیں ناکہ بیچر مثیری نیان یا اخلاق مو۔

12 _ نياميوه ، نياليس ، پيل بيچوں كو كھلائمي مھرخود كھا بيش كرنچة مبى نازه ميل بي

شے بھیل کو منیا بھیل دمتیا اچھاہے۔ ۱۸۔ چند سیجے بچمیاں مہوں تو ہو جیز میں دمی سب کو بختیاں اور مرامز دمی ، مرکز کمی بیتی در کریں، ورنہ بچتوں کی حق ملنی مہوگے۔ بچیوں کو مبر چیز بچتوں سے برام ہی دیں ، مبکر مرتب سے کہ کہ نہ کے سال میں میں نام مال نامال کھ دیں کری بھی بھار اس میں ا

بجمير في د المول ود لداري كا خاص طور بينمال كعبس كيونكر بجيون كاول مبت

نازک ہوتا۔ ہے۔ ١٩ - لراكبون كولباس اورز لورسه آداستراور منا و منعكا رك ما تق وكلين تاكر لوگ رغبت كساعة تكاح كايعيا دير بال اس كاخيال ركهير كروه زيوان من كر با برر تكلين كرحيدون الواكو وكسع جان كاخطره سع يجيول كوبالافانون بررز رسنے دیں کراس میں بے جائی کا خطرہ سے۔ ٢٠ ـ حتى الامكان باره برس كي عربي مجول كي ستادى كروي يكر خبردا ديركر بركر كمي بددين يا برندم سي مثلاً را تفتى ، خارجى ، وما في غير مفلر وغيره مع بهال ارطكول ا المركبون كى شادى مذكرى ورية اولادكى بهت بلى حق المعى بوكى اوروال ما يك مردل يربهن بركت كتاه كالوج موكاءا وروه عذاب جبتم مح حفدارمول تے۔ اسی طرح فاستقول فا جروں، تشرا میول برکا رول حرام کی کمائی کھانے او سود بوروں اور تا جائز کا دستدا کرتے والوں کے بہاں محال کوں اور ل کون کی نشاویاں نرکرا وردشتہ تاش کرنے میں سب سے چیلے اورسے زیادہ ترمیب المستنت اورد بندارمونے کا خاص طور برد حبیان رکھیں ۔ ا ولا دکی پرورش کرسف کا طریقتم امران باپ کوریان لیزاچاسنے کہین موجاتی بن ده عربه رسی حمولتی بی - اس سے مال باب کولادم سے ارتحول کو مین ہی مں ابھی عاد بیں کھا میں اوریری عا دتوں سے بچا میں بعق لوگ برکہ کرا بھی بخر سے۔ بڑا ہو گا نو تھیک میو مائے گا۔ بچوں کو شرار توں اور غلط عا دنوں سے فیس رو مکنے۔ وہ لوگ در مفیفند: بچول سے متقبل کوٹوا ب کرنے ہی الدوٹرسے ہونے کے لید بچول محے برسے افلاق اور کمندی عادلوں مردو تے اور ماتم کرتے ہیں۔ اس بلے نہا بہت عزودی ہے کہ بچین ہی براگر بچوں کی کوئی تشرارت یا بڑی عاوت دیجیس تواس برروک ٹوک

کرتے رہی ملکر محتی سے سا فغد و انتختے میٹ کارنے رہی ، اور طرح طرح مسے بری ہاو کو

گرائیوں کو بچرں مے سا صنے ظام رکر ہے بچوں کوان نواب عاد توں سے نفرت دلانے رہیں اور بچوں کی نو بچوں اور اچھی عاد نوں برخوب نوب شاباش کہر کران کامن برجائیں بلکہ کچوا نعام مے کوان کا حوصل ملند کریں۔ اس سے میں بچوں کے حقوق کے سان ہیں کچول کے مقاوق کے سان ہیں کچول کے مقاوق کے سان ہیں کچول کے بیاں بیار اور کی مقاوم میں ۔ اب اس سے کچھ زائد یا نیں بھی ہم تکھتے ہیں ۔ اب اس سے کچھ زائد یا نیں بھی ہم تکھتے ہیں ۔ اب اس سے کچھ زائد یا نیں بھی ہم تکھتے ہیں ۔ ماں باب برلازم ہے کوان افزی بول کامنفس ریشن باب برلازم ہے کہ ان افزی کا خاص الور بروصیات رکھیں تاکہ بی وں اور کی بول کامنفس ریشن اور شا ندارین جائے ۔

ا۔ بچوں کو دو و دو بلا نے اور کھا نا کھلانے کے لیے دفت مفررکرلو بوعورتی مرو بچوں کو دو د د دان اصلای جلری بچوں کو دن رات بیں بار بار کھانا کھلانی رسی بی ان بچوں کا آج منر نواب اور معدہ کمر در بچو جا باکر تاہیے اور بچے نے دست گی بیما دلوں میں مبتدا جو کر کمر و رم وجا با کرتے ہیں۔

۱- بیخوں کوصا ف سخفرار کھو مگر بہت زیادہ بناؤسندگارمنت کروکم اس سے اکثر نظر مگ جایا کرتی ہے ۔

۳- بچوں کو مردم گود بیں مذیبے رمجو بلکہ جب کک وہ بیعظنے کے فابل مزموں پالنے بی زیا دہ نوسلائے رکھو۔ اور جب وہ بیعظنے کے فابل ہوں ٹوان کورفتہ رفتہ مسندو اور کمیوں کامہارا مے کہ بی افرائے کی کوشش کرو، ہردم گود بی بیے بہت سے بیتے کمز ورم جوایا کرتے ہیں۔ اور وہ گودیں رہنے کی عاوت پڑھا نے سے بہت ویر می مبیطنے اور جلتے ہیں۔

م ۔ بعن وزنیں ا بنے بچوں کومٹھا نی کٹرت سے کھلایا کرنی ہیں۔ یرسخت مصر ہے مٹھائی کھانے سے دانت واب اور معدہ کمز وراور بجٹرت صفرادی ہماریاں اور بھوڈر سے بینسی کاردگ بچوں کو لگ جاتا ہے۔ مٹھا بُیوں کی مگر کھو کوڈ سے بسکٹ بیچوں کے بیے اچھی نمذا ہے۔

۵۔ بچوں کے سامنے زیادہ کھانے کی برائی بیان کرنے رہو اور مروفت کھاتے

ببننے رہنے سے بھی بچوں کونفرت ولا نے رجو مشلاً یوں کہا کرو کہ جوزیا وہ کھاتا ہے وه جنفى اوريدو موزا سے - اورمروقت كهانے يلتے رمنا يرمدروى عاد ہے -١- بيكون كى موند دورى من كروكم اس سے بيكون كا مزاج بكر ماناس اور وه مندى موما - نيس. اوريه عادت عر ميمنيس تيونني. ۵۔ بچون کے اِنف سے نیٹروں کو کھانا اور پیسہ ولاماکردرامی طرح کھانے پینے کی یجز س بی س کے باتھ اس کے بھائی بہنوں کو ما دوسرے بی کوں کو د کا باکر و تاکر سخا وت کی عادت ہوجائے اور تورغ منی اور نقس پروری کی عادت معدار ہو ا وربي كنوس مذم وجائے۔ ٨ - يطلك لوسلت الديواب وبين سعيم لمشركون كوردك، فاص كريكيول كوتوفوب خوب ان اس معشکا دکرو، ورز بڑی ہونے کے بعد بھی ہی عادت بڑی میں كى توميكا درسسرال دونون عكرسب كى نظرون من ذبي وتوار بني ميع كى ا ورمنہ بھیٹ ا ور برتمبر کہلائے گی۔ و نعضر کرنا اوربات باست بمردوط کرمنر پیدان بهت براسے اوربست زورسے

عضر کرنا اوربات بات مرروط کرمنه میدانابهت براسید اوربست نورس بسنتانوا ، تخواه مجائی بهنوں سے اون چکون نا ، چغنی کھانا ، کا بی بکنان حرکت برلزگوں اورخاص کرلزگروں کوبہت زیادہ تنبیبہ کروران بری عاونوں کاپر ما عمر بحر کے بیار درسوائی کاسامان ہے۔

ار اگر بچہ سے کی کی گر ہے اور سب کھروا ہے اگر چر گفتی ہی چیو ٹی چیز گیوں نہ ہو، اس برسب گھروا نے نمقام وجا بین اور سب گھروا نے بیجے کو جر ہور کہ کر ترم ولائی اور نہجے کو جمبور کرب کر و گو فور آ اس جیز کو جہاں سے وہ لایا ہے اس جگر اس کو دکھ آئے جر چردی سے نقرت ولا نے سے بلے اس کا ہائے دصل ایس اور کا ن بکڑ کراس سے تو ہر کر ابن تا کہ بچوں کے ذہن بن اچی طرح یہ بات جم جلے کہ پراٹ ہے تر لبنا بحری ہے اور چوری بہت ہی بھرا کا سے۔

١١ مني عقدي المركون جير تواوي باكس كومار ميفي توبهبت زما وه أوا نرط ملكرمناسب مزاد وناكر نبطة عيراكبار كرب اس موفع يدلا دبيار زكرور ۱۷ - کیمی کیمی بخون کو بزرگون ا وزنگ لوگون کی سکانینی سُنا باکرو، مگرخبردا رجردارهاهی معشّق کے قصے کہانیاں بچوں ہے کان بی مزیری مدالی کتا بی مجوّں کے ہاتھو يس دو عن سع اخلان نواب مول. ۱۲۔ ارد کو کوں اور ارام کیوں کو حزور کوئی ابسام نرسکھا دوجس۔ سیھرودن کے وفت وہ مجهد كماكرليسرا وقامت كرسكيس يشلاس في كاطريقه ما موزه بتيان ، موسير بننا بارسي ثبنا با چرخه کاننا خرواد خردادان منری با تون کوسکماف بی ترم دعار محسوس د کرد-١٨ _ بجرن كو بجين عي سے اس بات كى عادت والوكدوہ ابناكا نود اسنے الت سے كري وه اینا کچیونا خودابنے ما تقسسے بچھاتی را ورمیح کونو داہنے اندسے اینالسنرلیک کاس کی عظر پر کھیں۔ اینے کیڑوں ا ورزیوں کونو دستیمال کرد کھیں۔ اور لظیمی ن کو برتن و صوفے اور کھائے بیٹے ، گھروں اور سامان کی صفحائی متھرائی اور سجادت ، کیز ادھونے ، کیڑا رنگنے ، سینے برونے کاسب کا مال کولازم سے كربيسين مى سي سكما نا تشروع كرف اوداد كيون كوعست مشفقت اعفاف كى عاد پڑجا ئے۔اس کی کوسٹنش کرنی جا سے۔ ۱۹ر ماں کولازم ہے کہ بچوں کے ول بی باپ کا ڈریٹھانی رہے ناکر بچوں کے ولوں یں ایس کا ڈررسے۔ ۱۷ ر بیصا و آبچیاں کوئی ک<mark>م چھیے جھیا کرکرمی نواٹ کی روک ٹوک کروکر را</mark>چی ما دہیں۔ ١٨ - بي سيكوئى محنت كاكم لياكرومثا الوكون كي يا لازم كردوكه وه تيدووردور نياكرين اورالا كميان بيرخه ملامل ما حكى بيس لعين اكران كى صحت عشبك بسيطيم

۱۹ ۔ بچوں اور پچیوں کو کھانے ، بینف اورلوگوں سے طنے طانے اور محفلوں مِن کھنے بیسطنے کا طربیّتہ اورسیسیقہ مسکھانا اس باپ سے بیلے حزودی سیے ۔ ۷۰ بچلنے بی ناکبد کر وکر بیجے جلدی جلدی اور دوڑ نے ہوئے مزعلیں اور نظرا کو پواٹھا کہ را دھرا ڈھر دیجھتے ہوئے مزعلیں را ور مزیج سٹرک پرطیس بلکہ ہمیت سٹرک سمکنا ہے کما لیے بھیلیں۔

مال یا ہے۔ کے حقوق افرمن ہے ، خاص کرنیج تقعے ہوئے چند حقوق کالو

مهن بى خاص طورسى وحيان ركمنا بى حامزورى سے -

ار خبردار خبردار برگز برگزا بنے کسی فرل وفعل سے ماں باب کوکسی قیم کی کوئی تعلیف مز دیں ماکر جہاں باب اولاد پر کچیز بادتی بھی کریں مگر تھے بھی اولاد پر فرمن ہے ل مرکز برگر کمھی بھی اورکسی حال بیں بھی ماں باب کا دل نز دکھا بٹی ۔

ہرار ہرو ہی بی بردی میں اور اینے ہر عمل سے ماں باب کی تعظیم و تحریم کرسے اور مہیشان ک ۲ ر ابنی ہر وات اور اینے ہر عمل سے ماں باب کی تعظیم و تحریم کرسے اور مہیشان کی عرزت وحرمت کا تصال رکھے۔

٣- برجاً نز كام بن مان ياب كي حكون كى فرا فيروارى كرے-

م ر اگرمان باب کو کوئی می حاجت محوقوجان ومال سے ان کی خدمت کرے -

۵ - اگراں بابب ابنی حزودت سے اولاد کے مال وسامان سے کوئی چیز لے لیں توجرماد خبرداد - ہرگز ہرگز مرگز میں نہ اظہار نا داختگی کریں بلکہ میر تجبیب کریمی اور میرامال سب ماں باب ہی کا سیسے - حدیث تغریب کرصنوڈ نے ایک شخص سے پر فرایا کہ: آنڈت قد متا لاکھ لا بیسٹ ہے ۔ بعنی فواود تیرامال سب بیرے، ب ب کا ہے۔

۷- ماں باپ کا انتقال محوصاً نے تواولا دیرماں یا ب<mark>پ کا پریخی ہے کران سے ی</mark>فنفرت کی دُما ٹی کرنے رہیں۔اورا پنی نقل عباد نوں اور نیروخیرات کا تواب ان کی دو ہو کومہنچاتے رہیں، کھا نوں اور شیرینی وغیرہ پرنا نخہ دلا کران کی ارواح کوالیمال تواب کرنے رہیں ۔

ے ۔ ماں باب کے دوسنوں اوران کے منے جلنے والوں کے ساتھ احسان اوراجھا

برتا و کرتے رہی ۔ ۸۔ ماں باب کے دمتر ہج فرض میواس کوا داکری بابن کاموں کی وہ وصبّبت کر گئے موں ان کی وستبنوں برعمل کریں۔ ٥- بن كا مون سع زندگ بي مان باب كوتكليف مواكرني على ان كى وفات كويدهى ان کاموں کورز کریں کم اس سے ان کی روحوں کونکلیف مینے گی۔ ١٠ كيمي تهي مان باب كي فرون كي زبارت كيد يعيم حيايا كرس وان محد زارون يرفائح برصیں، سل کریں اوران کے بیلے و عافر منفرت کریں راس سے اب ایسے کی موا کونوشی ہوگی اور ^م فانخر کا گواپ فرنشنے نودکی فضا لبوں بمی دکھ کرا ٹ <mark>سے سامعے</mark> بین کری گے احدال بای نوش ہو کراینے بعظے بٹیوں کو دعامی دیں گئے۔ وا دا ، وا دی ، نا ما، مانی ، جیا ، میمونعی ، مامون ، خاله وعیره کے حفوق می ال ا بی کاطرے ہیں۔ یوں می طرمے تعانی کاحق بھی باب ہی جد بباسے۔ جنانجر حدبث ترلین میں ہے کم: لعِن طرف عما في كاحن تعور في عمالي وَحَقُّ كَبِيْرِالْإِخْوَةِ حَقٌّ يرانسامي سيصبياكه بالميمان بيط اثْوَ الِدِعَلَى وَلَدِنِ-المنتكوة حبداص الهم مجتبائي) امی زمانے میں اوا کے اور اور کہ اِن ای ای باب کے مقوق سے بالکل ہی جائی اور نما قل بي ران كي تعفيم وتحريم او رفرها بنر دارى و خدمت كر ارى يسيمنه مولسيم وغيم ا و زنگلیف دبینے می اوراسی طرح گناه کبره می مبتلام و کرفر قها روعصنب جیآیی گرفداد

بلركية تواستغ برائخت امدنالائن بس كرمان باي كواييف فول وفعل سع اذرت اورعداب جهنم كح حفدار في رسي بل-

توب باور كلواكرتم البغصال باب كيسا تها بيما بالرابوسوك عي كرو كروابيا می سلوک تمهاری اولاد کھی تمها سے ساتھ کرنے تی اور بر بھی جان لوکر ماں باب سے

ساً بھاسلوک کرنے سے درف می ترقی اور عمیر خرو پرکت نعبیب ہوتی ہے۔ یہ اللہ تعالی کے سے اس الله مليه وسلم كا فران سے جوبرگر مركز كيمي فلط تبين موسكة اس بات برايان دكھوكرسه بزارمستيون كى ينيى مال بدلى بنى كى بات يدلى دى تى بىلى وست دارول کے حقوق اسٹرتنال نے فرآن نربیب می اورصور بی اکرم می اللہ در در کے میں اور میں اللہ داروں کے مساخدا سان اورا يھے برنا و کا حکم فرایا ہے۔ لہذا ان لوگوں کے حفوق کو علی اوا کرنا مِرْسل ن مردا ورورت برلازم اور مزورى بعد خاص طوريران بيند باتوس يرعمل كرناتو ا۔ اگرا پینے عزیزوا فرہا مفلس وتحاج بہوں اور کھا نے کہانے کی کھانت ترر کھتے ہیں تواین طافت محراوراین گنجائش محصطاین ان کی الی مرد کرتے دیں۔ ٤- مجلي اين وران كانوش كي بهال أنع ما يه اوران كانوش اور غمى من منت تفريك ويل -سور نحروار جردار بركر ممي رستة دارون سے قطع تعلق كركے زشت كون كائي رِشْنَروادى كارف فوالنَ كابهت براكناه سبع - دسول العُرصل التُرعليد والمعلم ف لَا يَدْخُلُ الْجَنَدُ قَاطِعُ لِي سِي لِي السِّهُ والله سِي نظم نعب رُست والاجتنت بي بس دامل موكار (مشكوة علدوص ١٩٥٥ منيا كي) اگردشنة داردن كى طرف سے كوئى تىكىبىف بھى جينے جائے تواس يەسبركميا ا ورقير مجى ان سيم برجل ا وزنعلى كورفراد ركمنا بهت فرسي تواب كاكا) سهد مدبث فتربيف بي سيد كربوقم سي تعلق تور ليغ اس سيم بي طاب ركهوا ورج فم برظلم كرسے اس كومعاف كردور اور جونها سے ساتھ بدسلوكى كرسے ماس سمے

سائة نيك سلوك كرت رمور

اورایک صربیت بس مرتبی سے کررست ترواروں سے ساتھ ا بھاملول کرنے سے اومی اسفے ایل وعیال کا محبوب بن جا ناسے اوراس کی الداری مردواتی سے ا وداس کی عرب دوازی اور دکرت بوتی سے - (مشکل و جلداص ۲۰ مختمائی) ان صرفوں سے من الم اسے کردشتہ داروں کے ساتھ نیک ملوک کرنے کاکتناڈا ا جروتواب بيداوردنيا والنوت بن اس كے فوائرومنا قع كس فورز مادہ بن - اور رشة دارول كے سانقه برسلوكی اوران سے تعلق كا مط لينے كا كنا و كننا بھيا فكر ، اور تحونناك سيصا وردولول جهان ببراس كالفضان اور دوال كس فدرز ما ده خطاناك سبع اس ملے برمسلمان مردوعورت برلازم - بعے کوایت رشنہ داروں کے حفوتی ادا كرف اوران كرما تواجها برتاؤا ورنبك سلوك كرف كاخاص طور يردهبان ركه بادر کھوکر تربیت کے اسکام برعمل کرا بی سلان کے بلے دونوں جمال مصلاح وفلا كاسامان بے رشريبت كو حيود كر كمجى هى كوئى مسلان دونوں جال ميں بيب نهيں كاأ۔ مولوگ درا درامی با نون براین بهنون ، مینیون ، میروهیمون مالا وَن ، مامورَن بيما ون المنتيون عما تون وعيره سيركه كرقطع تعلن كرايسة بن كراكي سيدينبرا رشة دارس اورتوهي ميرارشة دارنس الدهيرسلام كلام ، طناجلنا بندكر فينظي بها المك كروشتر دارون كي نشا دى دغى كى نفريبات كابائيكا مك كرييتي من مدم وكري كربعن برنصبیب اینے قربی رشت داروں کے جاند واورکفن ودفن میں جی شرک بہیں موتے توان صرفوں کی روشتی میں تم خدمی فعیل کروکر میرلوگ کفتے برسے بر بخت موال تصیب ا ورگنا بنگارین ؟ (نوبه، توبه تعوفرمانشد)

طروس و المستون کے مقوق المتعالی نے فراک مجید میں اوراس کے ببا سے درول صلی اللہ بروس بول کے مقوق المعلم و معربینوں میں بمسایوں اور ٹروسیوں سے بھی مقوق مقروفرہ کے ہیں ، جن کوا داکرنا ہرمسان مرو وعورت کے بیے لازم ومزودی ہے

قرآن محدثي سهد.

وَۗ الْمُجَارِدِقِ الْقُرُدِل

وَالْمَجَارِالْهُنْسِ.

لینی فریبی ا ورود روا لے پڑوسیوں کے ساتھ بیک لوگ ا ورا بھا بڑاؤ رکھو۔

ا درمدبت ترلقب بی آیا ہے کہ رسول الند صلی الند علیہ دسلم نے فرما با کہ صفرت جبرال علیا استدعلیہ دسلم نے فرما با کہ صفرت جبرال علیا السلام مجھ کو ہمین شرق میں اس کے حقوق سے بالی میں میں میں اس کے میں اس کے میں میں کہ بیٹھ برخیال ہونے سے کہ مشا بدع نقر بہ بڑوسی کو بڑوسی کا وارث معلم ادب سکے ۔

"مک کہ تھے برخیال ہونے سے کہ کہ شا بدع نقر بہ بڑوسی کو بڑوسی کا وارث معلم ادب سکے ۔

"مک کہ تھے برخیال ہونے سے کہ کہ شا بدع نقر بہ بڑوسی کو بڑوسی کا وارت معلم ادب سکے ۔

"مشاکل و طرح میں ۲۲۷ محتیاتی)

ایک مدین بی برجی سے کرایک دن محضورطیالسلام و منوفر ارسید سختے نوحی برایک مدین بی برخی سیے کو ایک دون محضور کا م آب کے وحنو کے دھون کو لوٹ لوٹ کرا سینے چہروں پر طف کی برمنظر دیجے کر آب نے فرایا کہ تم لوگ الشدور ہول کی مختب کے جذبے بی میں کر رہنے ہو یہ صحابہ نے ارشاد فرایا کہ جس کو بربات کی مختب کر رہا ہے جہت کر رہا سے مجتب کر رہا ہی کہ دور ہول اس سے مجتب کر ہی اس کو لا ذم ہے کہ دو الشرا و دوایا میں جا و الشرور ہول اس سے مجتب کر ہی اس کے کہ دور ہول اس سے مجتب کر ہی اس کے کہ دور اس کو و دا ما من کو دوایا من موان بی بی جو دور میں موان بنایا جائے کہ دو دوایا من کو دوایا من موان بی جو دور میں موان بی ہو ہے دا در اس کو جب کی جیز کا ایمن بنایا جائے میں استان کی میں ہونو در میں جو دور میں بی استان کو دوایا من موان ہوں کے ساتھ اس میں ہونو در میں جو دور میں جو دور میں ہونو در میں بی مور در میں ہونو در میں بی مور در میں ہونو در میں ہونوں ہونے ۔

ومشكوة ملدم ص١٢٧ محتبائي)

بهرِحال اپنے پُروسپوں کے بلے مندرجرؤیل باتوں کا خیال دکھنا چا ہیئے ۔ ۱۔ اپنے پُرومی کے دکھ سکھ ہیں ہمیشہ تشریک رہنے اور بزقمتِ حزورت ان کی برخم کی احلام بھی کرنا دسہے ۔

۷۔ لینے پڑوسیوں کی خیر گیری اوران کی خیر نواہی اور معبلائی میں ہمیشہ لٹکارہے۔ ۳ - کچھ بدلیوں اور مخفوں کا بھی لین دین رکھے ۔ بینا نجیر حدیث مترلف میں ہے کرجب نم لوگ شورب پاؤتواس میں کچے ویا دہ یا فی وال کرسٹور بے کو بڑھا و تاکم تم لوگ اس کے دربعدا بیف بڑوسبوں کی خبر کری اوران کی مدد کرسکو۔ اس کے دربعدا بیف بڑوسبوں کی خبر کری اوران کی مدد کرسکو۔ دمشکا ۃ مبلدا میں اے امبتہائی)

علی مسلما توں محمد و جا نتاجا ہے کا اپنے داشہ داروں کے علاوہ مسلمان پر علی مسلمان کے بیرسلمان پر کی حقیقت سے بیرسلمان کے بیرسلمان پر کی حقیقت سے بیرسلمان کے بیرسلمان کے بیرے دری ہے کران کوا داکر سے ران حقوق میں سے جند یہ ہی ۔

در ملاقات کے وقت ہر مسلمان استے مسلمان بھائیوں کو مسلم کرے ا ورم ورم ورم ورم ا اور عورت عورت سے مصافحہ کرنے توریہ بہت ہی اجھا اور بہترین عمل ہے۔ گراس کا دھیاں نے بے کہ کا فروں ہمشرکوں اور مرزوں اسی طرح ہوا کھیلنے اور شراب پینے اور اس قسم کے گنا ہوں جبی شنول رہنے والوں کو دیجھے تو ہر گرز ہرگز ان لوگوں کو مسلم نہ کر ہے کیو کو کمی کو سلام کرنا بداس کی تعظیم ہے اور حدمیث ضراحیہ بیں ہے کہ جب کو ڈی سلمان فاسن کی تعظیم کرنا ہے تو عصن ہو الہی سے

عرش کا نب کرئ جا نا ہے۔ ۷۔ مسلما نوں کے سلام کا بواب ہے بہا درکھوکرسلام کرنا سنّت ہے اورسلام

كابواب دينا واجب ہے۔

م رکوئ مسلمان بیمار موجائے تواس کی بیار برس کے

۵ ر اینی طانت بعربرسهان کی جبرخوابی ا دراس کی مردکرے۔

٧ - مسلما نون كى نماز بنا زه ا دران محدنن ببي تمريك بهو

۵- برمسلان کامسلان مرونے کی حیثریت سے اعزاز واکرام کرسے۔

۸ - کوئیمسلان تحوت دیے تواس کی دعوت کوقبول کرے ۔ 9 - مسلمان کے علیوں کی پردہ نوشی کرسے اصلان کوا خلاص کے مساتھ ان علیوں سے با ذریتے کی نعیمت کرے۔ ١٠ اگركى بات بېمىلان سى رئىش بوجلىئے توتىن دن سے زيادہ اس سے سلام کلا) بندیزدد کھے۔ ١١- مسلمانون ب جيرا بوجائے توصلے كوادے -١٢- كسى مسلمات كومانى يا مالى نفضان نربينيا شقة دكى مسلمات كى ابرود مزى كرسے-١٣ - مسلا نوں كواچى باتوں كا حكم دنبائے ہے اور مرى باتوں سے منع كرمّار ہے۔ ١٢- برسلان كالخفر قبول كرسه اور ودهى اس كو كفر خفر مى دماكر ... ١٥- ابيف سع برون كادب واحرام، ودابن جوثون يردم وتنفقت كراب ر ١١- مسلمانون كى جائز مفارشون كوتبول كمرف ار جوبات اینے یا لیندر کرد وی مرسان کے الے بدارے۔ ١٨. مسجدون بالمبسون بي كسي كوا مظاكراس كا مكرن بلط . 19 - داستر عبو لے موڈل کومبرھا داستر تناہے۔ ٧٠ كى مسلان كولوگوں كے سائتے ذلىل ورسوان كرے . ٢١ ـ كى مىلان كى غيرت د كرسے نه اس ير مُهتا ن مكائے ـ السانى متقوق البعض البسي بحى مفوق بين جوبراً دى كيم راً دى يربي نواه وه كافر السانى متقوق البويام الان منكو كار مويا عركار ان حقوق بين سعيدر مي -ا۔ بلا مطاہرگڑیرگڑ کمی اکسان کی جان وہال کونفقدان مزہینچائے۔ ۲- بلاکری نشری و بعر کے کمی انسیان کے مسابقہ بدزیانی دسخست کلامی مذکرے۔ ٣ ـ كى مصيبت نده كووينكھ ياكى كوعبوك ديياس يابيارى بي مبتلايائے تواس ک مدد کرے ، کھا نایا نی فصورے ، دوا علاج کردے۔

م. حن جن صور ، ن مي شركعيت في من ول ما لرا أيون كي اعازت وي مبطل صور أو ی جرد ازجروار صدیسے زیادہ مر طرعے اور سرکز سرکر اللہ برز کرے برنزلجت اسلام كامتعتن عليم كي روسيه م النهان كام رنسان برحق سيه جوالساني صينيت س یک دومرے پردا رم ہے۔ حدیث شریف بر ہے۔ ۔ ،

بعنی رئم کرنے وا بول بروم زیر فرما أے منم لوگ زهن و نون مردح مرو نواسما ق و لا غ نوگول يا ﴿ وَمست كا .

المتباحِمُون يَرْحَمُهُمُ الرَّحُلُقُ الْهُدُدُ الْمَالَ فِي الْوَرْضِ مِينَ حَمْكُورُ وَوَرِينِ السَّمَا وَا

ر زوالوداود الشكوة حلدوص ١١٧٥م مجتباني

و المارة الدي حديث من رحمته للعالمين صلى التدعيم يسلم سف بها رضاه فرايا كرا بعنى تمام مخلوز الشركى عيال ب سيراس كى يرورش كى محاج ب اورتمام مخلون بى سن زباده مند کے فردیک وہ ساراہے بوامشرى ميال معنى اس كى مخلوق كے ساتھ ا بھاسلوک کوسے۔

خلق عِبَالٌ اللهِ فَاتِقَتُ الْفَلْقِ إِلَى اللهِ مَنَّ أَخْسَقَ إِلَّى عياليه

چانورول کے حقوق کے پیارے رسول رحمۃ للعالمین بیں۔ اس بیاسلام مه مه الشرتعالي وحلى ورحيم اورا فرعم الراحبين بعدا وراس

بو حدا کا بھیجا ہوا اور رسول کا لا یا ہوا دین ہے دہ رحمت والا دین ب اس یک اس دین می جا لوروں کے بھی کھے تفوق میں جن کا واکرنا ہرمسلان محروری ہے۔ جانوروں کے چند حفوق بر میں۔

۱- بن جا نوروں کا گوشت حلال ہے ان کوھی جب کر کھانے کے بیے مزمو يلكم محض تفريح كيلي بلاحزورت فن كرنا معبساكر بعض شكارى لوك كها نسهاكوئي فائره أكفا ف كع بلينهي تسكا دكم نفي كمثر تسكار كميلة إلى

بعی محفق کھیں کھود کے طور پرجا نوروں کا نون کرکے ان کوھنا کُنے کردیتے ہیں۔ پرٹٹرلینت میں جا گزنہیں ہے ۔

۲- بن جانورون کا گوشت کھانا حرام سے بیت تک وہ ایزاند بہنیا نیس بلا عرور ا ان کونتل کرنامنع ہے۔

۳- بحربالتوجانور کام کرنے بی ان کو گھاس چارہ اور یا نی و بنافرض ہے اور ان کی طاقت میں ان کو گھاس چارہ اور با فی و بنافرض ہے اور ان کی طاقت میں میں ان کے جبروں میوار ناگنا ہ اور ناجائز ہے ۔ ان کے جبروں میوار ناگنا ہ اور ناجائز ہے ۔

م ر پرندوں نے بچوں کو گھونسلوں سے مال لین بار پروں کو پنجروں بی بند کرد منااور بلاحز وردت ان پرندوں سے مال با بیدا ورجوٹر سے کو دکد مہنچا ناہمت بڑی ہے دشی اور کلم سیے جو مرمسلان محسیلیے جائز نہیں ہے۔

۵۔ بعض لوگ کمی جا نداد کو با ندھ کر دشکا دیتے ہیں۔ اوداس پرطبیل یا بندوق سے نشانہ بازی کی مشق کرتے ہیں۔ ریجی پر سے درجے کی بے وظلم ہے ہو مرمسلمان کے بلیجوام ہیں۔

ہ ر جن جانوروں کو ذریح کرنا مہو با موزی مونے کی وجہسے نسل کرنا ہو توسلان کے بید بن جانور میں کا ہوتو مسلان کے بید لازم ہیں کہ اس کو نیز ہم ختیا رسے بہت ملد ذریح یا قتل کرھے کی جانور کو نیا نرط با کریا بھوکا بیاسا دکھ کرمارڈ دائی یہ بھی بہت بڑی ہے ہوگئی ہے۔ ہرگز اسلام ہیں جا کو نہیں ہے۔

بربيجو نوراستون كاحق ا داكرت رمور ولكون في كهاكم بايسول المثر السنون محقوق كبابي ؟ تواكب في فراباكر راستون كي مقوق ماني مي موريم بل. ١- سكاه نيجى ركهنا مطلب يرب كرداستر جوكم عام كردكاه موناس اس اس ليدرسنه یر بیطنے دالوں کولازم ہے کرنگا ہی نیجی رکھیں ماکہ غیر محرم عورتوں ا درسلانوں کے عِيوبِ مَثْلًا كُورُهِي ، سفيدواغ والي ما تنگرسے لولے كويا ريا دكھور كھوركرية د تھیں جس سے ان لوگوں کی دل آزاری ہو۔ ٧- كسي مسا فربا دا كمركوا بنرا مربينيا بني مطلب يرسي كرداستون بي اس طرح نر بنیسی کرداستر ننگ مرحائے ۔ یوں بی داستر جیلنے والوں کا مذاف مراف مراف مرا ندان ئى تخفىرا ورعبب جرى كرين ما دوسرى كى تىكىيف بهتيا يى -٣- مركزرنے والے كسلم كا بواب دبتے رہى۔ م - راستر يطف والولكوا هي إتن بنا في رين ر ۵۔ تعلاف ترلعبت اور مری یا توں سے لوگوں کو منع کرتے رہیں ۔ (بخارى كن ب الاستنيذان ١٩٨٥) صفوق كوا داكروما معاف كرالو اس كوكن دج سدا دانسين كرسكة والر الركسي كاتمها مي الوركوي عن تعاا ودتم وہ من ا داکرنے کے قابل کوئی چیز ہوشلا کمی کا نمہا سے اُدر فرمن رہ گیا تھا آؤاس ی کوا داکرنے کی بن کی صور میں بیا تو یا تو تودین واسے کواس کا حق مے دولین رجس سية قرص ليا نفا اس كو ترص ا دا كرد و ما اس سي فرص معا ت كوالو ما درا كروه ستعفى مركبا بو تواس محه وارتو بكواس كاحى معيى فرض ا داكدد ا والگروہ من اوا کرنے کی چیز مذہو ملکرمعا ف کوانے سے قابل مومنٹاہ کمی کی غیبست كى بوياكى يرتبمت لكائى بوتوعزورى سي كداس شخص كسيداس كومعا ف كالوراور

اگرکی وجهسے مقداروں سے مزان کے حقوق کومعات کرامکا مزا واکرسکا بنتا معاجانِ حق مربیکے بہوں توان لوگوں سے بہلے ہم بہتہ بخشش کی دعاکر کا بہت اورا مشدتعا لی سے کوبہ واستعفار کرنا رسے توائم بدہے کہ تیامت سے دن امٹ کہائی معاجانِ حق کو مهدت ذیا دہ اجرو تواب ہے کراس بات، سکے بہلے راحتی کر سے کا کہ وہ اپنے حقوق کو معاش کریں ۔

ا درا گرتمها دا کوئی من دور و ایر مواهدی ترسط ملنے کی انمیدم و توزی کے ساتھ کا انتہام توزی کے ساتھ کا انتہام توزی کے ساتھ کا کہ مار سے مار کے دیا ہے کہ مواست کے دن اس سے میں بہت بڑا اور سنت زیادہ اجرو تواب سے گا۔ (والشراعلم)

ما طور برلوگ بندول کے مقوق اواکر نے کی کوئی اہم بیت تہ ہم بی مجھنے . مالانکہ بندول کے مقوق اواکر نے کی کوئی اہم بیت تہ ہم بی اہم ، ہما بیت ہی سکیت اور بے حدثونا کی ہے بلکہ ایک حیثیت مصد دیکھا بہ نے نوحقوق اسٹر (انٹر کے حقوق) سے زیادہ مقوق العباد (بندول کے حقوق) سخت ہیں ۔ اسٹر تعالیٰ تواریم والراحین ہے وہ اپنے فقل و کم مسے اپنے بندول بررح فراکر اپنے حقوق کم مسے اپنے بندول بررح فراکر اپنے حقوق کو اسٹر تعالیٰ اس وفت تک بندے اپنے حقوق کو اواکر تا یا معاف کرالین ہے مدم ودری سے مدا من کردیں ۔ لہذا بندول کے حقوق کو اواکر تا یا معاف کرالین ہے مدم ودری سے مدا من کردیں ۔ لہذا بندول کے حقوق کو اواکر تا یا معاف کرالین ہے مدم ودری سے مدا من کو اواکر تا یا معاف کرالین ہے مدم ودری سے دریز قیا میت میں بڑی مشکلوں کا میا منا ہوگا ۔

موری فترلین بی سید کر معنورا کرم صلی المتر طبیر و کم سف ایک مرتب محابرگام سے فربا اکر کیانم لوگ جانتے ہو کہ مفلس کون ہے ؟ نوصحا برکوام نے عرص کیا کرجی نشخص سے پاس درہم اور دوسرے مال سامان نرموں وہی مفلس ہے تو محفور علیہ لعملانی والسلام نے فرما با کرمبری است ہیں اعلی ورہے کا مفلس وہ شخص ہے کہ وہ نباست کے دن تماز در دزہ اور زکوہ کی نیکیوں کو لے کرمیدان حشرمی انٹیکا گراس کا برحال ہوگا کراس نے دنیا ہیں کی کوگا کی دی ہوگی کی پرتہمت لگا تی ہوگی کسی

کا مال کھالیا ہوگا۔ کسی کا نون بہا یا ہوگا ، کسی کو ما را ہوگا تو برسی بحقوق والے لینے لینے

حقوق کو طلب کرب کے تو الٹرتھا کی اس کی تیکیوں نی سے تمام بحقوق والوں کوان کے

حقوق نے برنیکی ان ولدئے گا۔ اگراس کی نیکیوں سے تمام بحقوق والوں کے حقی ق

دار ہموسکے المدر برختم ہوگینی اور حقوق نی تی دہ گئے تھا المدر کے گانا ہوں کو مر

عقوق والوں نے گنا ، اس کے مرم پر للو و رہنا کی مسی جی والوں کے گنا ہوں کو مر

برا تھا برنکا بیری تم بہ، ال ویا جا برکھا۔ تو بیٹھ کے جام المدر بوا معا ف کوالو۔ ورز قبیا

برا تھا برکھا بیری تم بہ، ال ویا جا برکھا۔ تو بیٹھ کے جام المدر بوا معا ف کوالو۔ ورز قبیا

معلی کا قباست ہو کہ اس برا جا و گئے ، نی اس کے بیاس بی کرانہ ہوں و جانبی اور

مغلی کا قباست ہو کر جنہ مربی جا و گئے ، نی اس کے بیاس بی کرانہ ہوں و جانبی اور



Y

اتعلاقيات



محدیعتی وه و فرنجستی کلک فطرت کا کیاریس نے مکن فشخ مراخلاق السانی "



پیند بُری یا نیس

مرمردو طورت برلازم ہے کربری خصلتوں اور خواب عا و توں سے اپنے آپ کو
اور اپنے اہل وعیال کو بچائے رکھے اور نیک خصلتوں اور اچی عاد توں کو نور دھی اختیار
کرسے اور اپنے سب شعلقبن کوجی اس پر کاربند مہونے کی انہائی تاکید کرنے لوں تو
اچی عاد توں کی تعداد بہت زیا دہ سے گرہم بیاں اُن چند بری خصلتوں اور نواج وقوں
کو ذکر کرستے ہیں۔ جن میں اکر خمسلمان خصوصًا عور نمی گرفتار ہیں ۔اور ان بری عاد توں کی
وجرسے لوگ اسپے دین وونیا کونباہ وبرباد کرسے دونوں جہان کی معاد توں سے
محروم ہورہ ہے ہیں۔

ور المراد المرد المراد المرد ا

غقر کرنے سے منع فرایا ۔ چانچہ حدیث نٹرلیٹ بی ہے کہ ایک شخص بارگا و نبوت بیں حائز ہوا اور عرض کیا کہ یا رمول الٹر ؛ مجھے کسی عمل کا حکم دینے کے گربہت ہی تقول ام و لواک نے ارتباد فرایا کہ سخصتہ مست کہ " اس نے کہا کہ کچے اور ارتباد فرا بیٹے نو اکب نے بھر بہی فرایا کہ «عمد مست کہ "غومن کئی باراس شخص نے وریا فست کیا مگر ہر مرتبہ اکب نے میں فرایا کہ سخصتہ مست کر " ہر بخاری مشراب کی حدیث ہے۔

(مشکوة جدراص ۱۹۵ واحیا دا لعلوم حدد ص ۱۹۵ معری) ایک مدبث می ایا سے کر رسول نعداصلی ا متدعلیه وسلم نے برادشا و فرا یا کرمهلوان وه

نہیں سے و لوگوں کو پچھاڑ دینا سے بلکر بہلوان وہ سے ہو خصتہ کی حالت بمی اپنے نفسی برقابور کھے۔ دمشکرہ جلدا ص ۲۳۳منیائی)

(مشكرة جدم صصهم مينياتي) عقد كمعاطر مي بهان كريرات على مے ؟ طرح مجدلوكم فعتر بذات خود مذا بھاہے مذ مرار در حقیقت نفستری ایهائی برای کا دارومدارمو فع اورمی کی ایهائی اوربرائ پر سے۔ اگریے می عصر کی اوراس کے اڑا ت گرے طائر ہوئے نور عصر مراہے اور الكرمى عصرة كبا اوراس كانزات اليصفام موف توميز عقرا جلب يتلاكمي بعوك بياسے دودھ بمتے ايے كے رونے يرتم كوفعترا كيا اور نم نے بيتے كا كلا كمونسط وباتوج كرنهبارا برعفته إلكل بى بيعل بيداس بيد برغفته مراسد اوداگركى والوكوداكم والت وتفت ويحدكم كوعقر الكيا اورتم فيبدون جلاكراس واكدكا خاتم مروباتد يونكرتها را يعقر بالكل مى رمحل بعد لبذا برعضر مرانسي بكرا جاسے مرمب مترلیف می جن عقد کی زمن اور کرائ بان کی گئی سے دید وہی عقد ہے جو بے علی مو ا ودحیس کے اثرات گرست ہوں ۔ بالکل طاہر بات سے کرخصتہ میں رحم کی میکر ہے دحی اور عدل كى حكر ظلم المركى حكرناتسكرى والجمال كى حكر كقر بمو تو بصلاكون كوسكتا بيدكر بيغصته ا بھلہے؛ یقیناً یرعقر برا ہے اور بہت ہی بری تصلت اور نہایت ہی تواب

سے بچنا مٹرسلما ن مرد وعورت کے لیے مازم سہے۔ اس بليكرب محل اومسرع فسرولان والاشبطان بدو وزنسطان المسايد كياب ادراك يانى سے بجر جانى بيے ور ور مدن ال كو بحد و تياہے۔ (مشکوه مدرس ۱۹۳۸ محتماتی) ا ورا کی حدیث بی به " ب ا باسیے که انگر کھڑے بہونے کی حالت می معترا کیا تھے نَدُ كَ بِياسِتُ كُرُ فِوراً بِيهِ السِنْ لَوَقِعَةِ الزِياسِيُّ كَارِا وِداكْرِ بِينْ فِي مُعَمِّد ناز مے دلید جائے ال اعتباطی ہوجائے۔ (مظلود ملدون ملام) اسي كركها ما ينيا. عيد جول آ موده حال و يحد مردل ملايا اوراس كي كارتسك الفنول مي زوال كالمرة الرنارامي تواب جذبه كانا الم مرحمد الصحابيم بہت ہی جدیث عادیت روید بہت می بری بلا اور گنا و عظیم ہے جسد کرنے والے کی ساری مرگی جبن اورگفس کی آگریم طبی رمبی سیدا ورا سے جین اور مکون تصبیب نہیں ہوا الدنعانی سے فراک مجید میں اپنے براسے سول می استدهلیہ وسلم کوحکم دیا مے كر صرر رف والے محد مسات اب خداكى نيا د مانكنے رہيئے اور زيول انتثر صل المتدعلية وسلم في فرا إكر صديكيون كواس طرح كما ينا البيد يس طرح اكل كلاي (احياءالعلم عليه ص ١٨٤ممري) سمداس ميد بهت براكناه سے كرصدكرت والاكريا المدنعالي براعزا من كر رہا ہے کر ملاں اومی اس نعمت کے فابل تہیں مفاراس کورنعمت کیوں دی ہے! اب فن مودي مجوكوكرا سرتعالى بركوني اعترامن كمنا كننابر الكناه موكا . معضرت المغرالي رحمة الشرعلير ففرا يسيدكر حرابك كالممادلو مسدكاهلات بس سے ابك بہت بڑى بيارى ہے اول كا علاج يہ بدك

حمد کرنے والا تھنڈے ول سے برموے ہے کمبرے صدکرنے سے ہرگز ہرگز کمی کم دولت ونعست برما دنهي بموسكتي را ورعي جس برحسد كرربا بهون مير سيحسد مع اس كا كه هي نهيل مردسكنا بكرمر يحد كانفصان دين ودنيا بي مجدكوبي بيني رياب كري نواه مخوده دل كي على عن عن مندلا مول اورم وقت حسد كي أكر من علنا رستا مول اور مرى نیکیاں برباد ہودہی ہیں اور میں جس میر*صد کر رہا ہوں میری نیکیا*ں قیامت ہی اس کوئل جائي گى - بيريرهى سوچ كريم جن يرحمد كرديا مون اس كوخدا وندكرم ف بنمنين دى بى ادمى اس بيناراص موكر صدمي جل ريامون توسى كويا خدا وندنعال كي فعل پرا غراص کرے اپنا دین وابیان نواب کررہا ہوں ریرسویں کرھیا بنے دل ب<u>ی اس حیا</u> کوجائے کرا سرنعالی ملیم حکیم ہے۔ بوشخص حب جبر کا اہل ہونا سے اسٹرنعالی اس كودى جيزعطا فرما ما ہے ۔ ہي س روسد كرر با موں افتد كے نزد كے يونكر ده ان كابن نفاراس بيدالمترنعالي في اس كورنعتني عطافرا في بي اوربي يونكران كا النهي نفااس بليدان تنعالي في فهي وي - اس طرح محد كامرى ول سي نكل جائے گا۔ اور ما سدکو صدری مبن کی تجات مل جائے گی۔

وا جيا والعلوم جلد اص ١٩٦ مصرى)

اس کے الطاف توہیں عالم شبیدی سب پر تجھ سے کہا مند تھی اگر نورکس قابل ہوتا

1 <u>a 4</u> 5.,

ما لی کی ایر بهت می تجری تعصلت سیدا و دنها پرت تواب ما درت سیدا شرنها ل ما سید اس پردامتی موکر قذا عت کر لینا چا بیشیم و دومرون کی دولتوں ا و نعمتوں کو ملا ہے۔ اس پردامتی موکر قذا عت کر لینا چا بیشیم و دومرون کی دولتوں ا و نعمتوں کو دبچہ دیچکر نو د بھی اس کو حاص کر نے ہے چیر میں پرلیٹیان حال دمیتا ا و زعلط و جیجے مرفتم کی تدبیروں بی دن دات ملکے دمینا میں جذبہ حرص وال کے کہلا تا ہے اور جرص ملع و رحقیقت انسان کی ایک میوانش محصلت ہے ۔ 9.

چنانچرمدين ترلب بيسيد كراگرادى كى ياس دوميدان عر موتابوجائ توجعروه ابكت بمبر معمدان كوطنب كرس كاكروه بعي موسف سع بعروا في راول ابن أوم كے برط كو فركى ملى كے مواكوئى حير بندى عرفتى اور بوشخص اس سے توب كرك الشرنعالي اس كى توبركو تبول فرما مصكا - دمشكوة صليرام. ١٥ مجتبانى اورابک صدمت بی ہے کابن آدم بورا ما موجا ما ہے گاس کی دوجر ی جوال مئی بین ابک آمید دومسری مال کی محبت که (احیادالعلوم طبر ۳ ص ۲۳۸ و تیره) لا بح ا وروس كا ميذبر توراك الباس امكان اسامان ، دولت اعربت المرت غرض برنعمت بي مرواكر ماسد - اكرلايح كا جدر كمي السّان بي راه ما سع تووه انسان طرح طرح کی بدا خلاقیوں اور ہے مردتی کے کاموں میں پیرجا نکہے اور پڑے سے الرا سے کن بول سے بھی میں جو کما ۔ ملکہ سے او چھنے نو روس وطمع اور اللے در صفیقت بزاروں گنا ہوں کامر حیتمہ سے اس سے حدائی بناہ ما تکنی ماہستے ۔ اس تعبی مون کا علاج اس تعبی مون کا علاج مبروناعت سے دینی ہو کچے ندا کی طرف للے کا علاج اسے بندے کو مل جائے اس ا دراس عقبدہ برج جائے کرانسان جب ماں کے بیپٹے میں برتا ہے اس ونت فرشته خدا کے حکم سے انسان کی چار حزم ملک ویتا ہے۔ انسان کی عمر ، انسان کی روزی ، انسان کی نبک تصیبی ، انسان کی بدنصیبی ، بی انسان کا آوشنهٔ تعقیرسیے لا كوسر مارو مكروسى مطركا بو تعتريس مكه ديا كياسيداس كيدر محدكر فعداك رصاا وراس كى عطا يررامن موجا و اوربه كم كرلايع كقلع كوفوصا ووكر مومى تعذير ين تفاده في ملاا وروميري تقدير مي بوكا مه كينده ه كااور الركيم كي وجر مع فلي من كليف موا ورنفس اوهواد صربيك توميركر كففس كى دفا كمين لورامى طرح دفنة رفنة قلب بن فنا عت كالورجيك أعظ كاا دروم ولا يحكا زميرا بادل جيم عائے كارياد ركھوسە سرص ولت بحری تغیری ہے بوقتا عن کر سے نو نگر ہے ہے ہوئے کی انے پینے کی سے بخوسی اس بینے اور سے ، وطن اور سقر ہر مگر ہر مال بس ہر جیز بمی برقسم کی سیلیفنیں اُ عقا ما ہے اور ہر جگر وہیں ہونا ہے اور کوئی بھی اس کواچی نظر سے بہیں اسکیفنیں اُ عقا ما ہے اور ہر جگر وہیں ہونا ہے اور کوئی بھی اس کواچی نظر سے بہت تہیں دور سے اور کوئی بھی اسٹے دور سے اور کھی اور سے دور سے اور کھی اور بھی اس کا اور بھی دور سے اور کھی اور اس میں اور میں اور اور بھی اور اور بھی اور اور بھی اور اور بھی داخل میں اور اور بھی داخل میں اور اور بھی دور سے اور بھی دور سے کہ دو خصلیتی ایر بی بی جودونوں ایک ساتھ موثن اور اور بھی دور بھی د

ادریہ هی حدیث بن آیا ہے کر دو مصلیبی ایسی بی جودولوں ایک سا محدیث میں السی بی جودولوں ایک سا محدیث میں اکسی می ایک بود و دو اور ایک سا محدیث میں اکسی میں ایک بیا محدیث میں اور بید دونوں فرخصلیتی مدین بی اور بید دونوں فرخصلیتی مدین بی ایک ساتھ نہیں یا تی جائی گی رمومن اگر بخیل ہوگا تو بداخلاتی نہیں بوگاراولا مدین کی دونوں فرخس اور بداخلاتی مورمی کا دونوں موگارا ولا مدین کی دونوں کی سے توسیح لوگرامی کے ایمیات میں کی فرود و موروں سے اور برا خلاق میں سے دونوں کی دونوں ک

محل کا علامی ایم عزالی دیمة التدملید فرایا سید کرتموسی ایک البیا امرین محرفوده نقریب لا علاج سید اور کمنوسی کاسبب مال کی مجتن سید جب اگر بخیل محرفوده نقریب لا علاج سید اور کمنوسی کاسبب مال کی مجتن سید جب مک مال کی محتن دل سند این بندس موگی مینوسی کی بیما دی دفع نهیس موسکتی - بھر

وره المول المراحدي برسه كر محيون الدري لاگون كر ايا ان براه ورها لمون المراف المون المراف ا

مر کے معتی پر بیں کم اک فی دوسروں کو اپنے سے مفرسیھے۔ یہی بریشلید ناملوں کے دن ہیں پیدا ہوگیا تھا کہ جب الشرنعائی نے معنرت اکام علیائسلام سے مساشنے فرشتوں کو سجدہ کرنے کا حکم قرایا نوفرشنے ہوئکہ بچیز کی توسست سے پاک تھے سب فرشتوں نے سحدہ کر لیا ۔ لیکن شعیطان سے مرین تیجر کا موداسمایا موا تھا اس نے

اكواكم أمرواكم .

فعیٰ می معنزت آدم سے الجواموں لے اللہ تولے محمد کو آگ سے پر رکیا ہے اور آئم کوئی سے یہ فرایا۔

ٲػٵڂۦؽٷڛۯؿؙێڷڡؘؙؾؙۊۣٛ ڝٟ؈ٛػٙ؆ؚۊڝۘڷڡٞ۠ؾؙڬۺ ڟۣڽ؈؞

اس ملتون نفرست آدم عليالسلام كوا بيف تصديع شيراً ودسوده مهير كها . يا ودكه وكرس آدم مين مير كي شيطان مصلف يهار مو با ميار الرام الاوي ال موكا بوشيطان كام واكدوه و دونون جهال مي نداوند قها مرضاراً بعيره مسيوع دوداود وليل وموارم وكي ر

یا در کھو کر آئیز کو بے حدہ ایستدہ ہے ۔ اور برب سند ہی ڈاگنا ہ ہے۔ خور شرلیف میں سے کر حس شخص سے دل میں لاگ برا برا میان ہو کا وہ جہتم می نہیں ، اخلی ہو گار اور جس شخص سے ول میں دائی برا برنیجر تہوگا وہ جست میں دامل مذہبوگا۔ (مشکوۃ جلد ۲ ص ۱۲ مین انگی)

یمیاری بہنوں اورعز بڑھا ہیں! کان کھ میل دسیٰ لوکر ٹرلوگ جو کھا ہے ، کیڑے چال طین، میکان ، معامان ، نہذیہ ۔ وَلَمَدُّ نَ عَالَ وَدُولَتَ سَرِجِيزِ بِنِنَ اِنْ جَعَلَى وَلِيْنَ اِنْ جَعَل دومروں سے اچھا اورد ومروں کو اپنے سے حقیر سمجھے رشتہ ہم ۔ اسی طرح البیض ما وا در معن عبادت گرار علم وهبادت بن ابین کو دو مرول سے بهترا ورد و مرول کو این میں ابین کو در مرول کو این می کوا بینے سے حقیر کی کوا بینے سے حقیر کی کو این کا دی کو این کا دی کو این کا در اور دو اور نوافیع وانکساری کی عادت کو الور یعنی دومروں کو اپنے سے بهترا در اپنے کو بر بیز می دومروں سے کمتر سمجو ۔
کو بر بیز می دومروں سے کمتر سمجو ۔

مدبت شرلیب به کاروشخص الشد کے یہ توامنع وانکساری کرے گااللہ اندا میں موبیت شرلیب بہت کر چھنے تھی الشد کے یہ توامنع وانکسانوں کا بھا ہو اندا اس کو بہند فرما فیسے گار وہ نود کو چوالا سیجے گا کُر اللہ انعا کی انسانوں کا بھا ہو ہیں ہیں ہیں کو عظمت والا بنا وہ کا ۔ اور جوشخص گھنٹ وزیج کرے گا۔ اللہ تعالی اس کو نمام النسانوں کی نظریم کتے کو لیست کروے گا وہ نود کو بڑا ہے گھا کا گرا میڈ نعالی اس کو نمام النسانوں کی نظریم کتے اور خمنز برسے زیادہ زویں بنا ہے گا۔

بھی ہے کہ نم لوگوں میں سب سے زیادہ فولسکے نزدیک نالب ندیدہ وہ سے جواد صر او محص ہے جواد صر اور میں سب سے زیادہ فولسکے نزدیک نالب ندیدہ وہ سے جواد صر اور میں باتوں بیں گئی گئی ہوں ہے۔ اور ایک مدیت میں بہت اس کے علا وہ جنیلی کی برائی کے بالے سے بہت اس کے علا وہ جنیلی کی برائی کے بالے سے بہت سی صربینی آئی بی ۔ (اجیا دالعلوم جلاس میں اور بی بہت سی صربینی آئی بی ۔ (اجیا دالعلوم جلاس میں اور بی بہت سی مسلمان کھا توا ور بہت والعلوم جلاس میں اور بی بہت سے دور ایک بی بیت سے مسلمان کھا توا ور بہت والعلوم جلاس میں اور بہت والعلوم جلاس میں اور بہت والعلوم جلاس میں اور بہت والعلوم بی بات سے دور اور بہت والعلوم بیات سے دور اور بیات والعلوم بیات میں بی بیات میں بیات می

مسلمان کھا ٹیوا ور مہتو اکمی کی کوئی با ن سنو تو سے جولو کرنم اس بات سے ابن ہمو کئے راگر و د مباری اس بات سے بہتیا نے بس کوئی دین و د بنا کا فائدہ ہمو جب نونم مزوداس بات کا چرچا کرو۔ لیکن اگر اس بات کو دوسروں ٹک بہنچا نے بس کو دمسروں ٹک بہنچا نے بس کو دسروں ٹک بہنچا نے بس کو دسروں ٹک بہنچا نے بس کو دسمسلما نوں کے درمیان اختلاف اور تھی گڑے ہے کا اندلیش ہولو خرد ارجم دارجم دارم کرد، رنگسی و و مرسے سے کہو ورد تم برایا نت بس می خیا نست کرنے اور سے کا گرتم سب کی اور سے کا گرتم سب کی اور سب کی عذا ب جہنم میں بیا ہوں جو قارا ورد لیل و خواد مہوجا و کے اور اس کی عذا ب جہنم میں عذا ب جہنم میں بیا

کے حفدار تھٹر و گئے۔ علی میں کمی کوغائبا مرقبراکہنا بابیجھ نیتھے اس کا کوئی عیب بیان کرناہی

فرابا قراراس مے اندروہ بایں واقعی موں می جی توم اس می جب ارسے واسے کہلا وُ سکے اور اگراس میں وہ باتیں مزمہوں اورتم اپنی طرف سے طرح کرکہو کے جب نونم اس برئیزیان لگانے والے محوجا از کے بجوابک ودمراکناہ کبیرہ ہیں کا کرنے والا جہتم کا ابندھن بنے گا۔ (مشکوۃ باب عفظ اللسان ص ۱۱۲)

والا جہتم کا ابندھن بنے گا۔ (مشکوۃ باب عفظ اللسان ص ۱۱۲)

یا در کھو کہ عبیت اننا بڑا گناہ ہد کہ صنور میں انسٹر علیہ بیا یہ کہ فرائد ہے۔
اَلْعَیْدَبُدُۃُ اَشَدُّ اَیْنَ اللّٰ اللّٰ اللّٰ عبیرہ اللّٰہ اللّٰ عبیرہ اللّٰ الل

رہے ہیں ہیں نے صفرت جری طرالسوام سے بوجھا کربرکون لوگ ہیں ؟ آوا ہوں نے تنا باکر بہ وہ لوگ ہیں جود نیامی لوگوں کی عمیرت اورا کرودیزی کیا کرنے منے ۔

(احيادالعلوم جلداص الم!)

یا در کھوکہ پیٹے تیجیے کسی اوجی کی ان یا توں کو میان کرتا بین کو وہ کیندنہ میں کرتا بین ہورہ اس کا کوئی طاہری عیب ہویا یا طی اس کا پیدائش عبب ہوا اس کا اوٹی طاہری عیب ہویا یا طی اس کے خاندائ و نسب ، اپنا بداک ہوا عبب ہواس کے بدن ، اس سے کیڑوں ، اس کے خاندائ و نسب ، اس کے افوال وافعال ، چال وصال ، اس کی پول چال خوص کمی عبب کو بھی بیان اس کے افوال وافعال ، چال وصال ، اس کی پول چال خوص کمی عبب کو بھی بیان کرنا با طعنہ ما ڈیا بیسب بھیبت میں واصل سے ۔ لہزا اس عیبت کے گئا ہ سے ہر مسلمان مرد وعورت کو بچنا لازم اور مزوری سے ۔ قرآن مجدیم استارتعالی نے ارشاد فرا باکر:

وَلاَ يَغُنَبُ بَغُضُكُمْ بَعُضَّلَا يُعِينَ الْمُواكِيمَ مِي الرابِ وَوَسَمَى عَبِت المُواكِيمَ مِي الْمَالِي اَحَدُ الْحَدُ الْمَالِي الْمُعْمَلِمُ بَعْضَلَا لَعْمَ الْحِيدِ فَي اللهِ المُركِ اللهُ المُلاَيِّةِ الْمُلا اللهُ اللهُ

معانی کا گوشت کھا نا توجی طرح تم ہرگز ہر گریمی بیگوا دانہیں کوسکتے کر اپنے س

ہوئے بھائی کی لاش کا گوشت کا سے کا سے کا طے کرکھا ڈراسی طرح ہرگز ہرگز کبھی کسی تعییت مین کیا کرور

اقل مطلوم کا ما کم نے سامنے کسی ظالم کے طالم رعیوب کو بیان کرتا الاراس کی داد رسی ہوسکے ۔

دوم کمی شخص کی دائموں کورو کے سے بیے کمی صاحب فندار کے معاصف اس کی رائموں کو دوک وسے ۔ رائموں کو بیان کر اناکہ وہ لیٹے دعب وا بسسے استنمف کو برائموں سے دوک وسے ۔

موم ۔ مفتی کے سامنے تو ٹی طلب کرنے کے بیلے کی کے عبوب کو پیش کرتا۔ جہائم مسلمانوں کو مشرونسا وا ورنفسان سے بچا نے کے بیلے کی سے عبوب کوبران کرونیامثل جھو کے داولیں ، جھوٹے گوا ہوں ، بدند مہروں کی گراہبوں ، جو نے

مصنتیفوں اور داعظر می محصور اوران لوگوں سے محروفر بب کو لوگوں سے مروفر بب کو لوگوں سے بان کرونیا ناکر لوگ کراس کے مقال سے بری جا میں راسی طرح نشا دی بیاہ کے بات میں مقاوری کرنے اور کی بیار کرونی میں مورد کرنے دیا یا خوم ال

بعدی ورور میں اسے بیان سے میں مان یا سووا پیچنے والے کے عبوب معدلوگوں کو اگاہ کردنا۔

به مجم ر جوشخص ملى الا علات فسن ونجورا ورضم سم كالنامون كامز مكب مهو مثلاً بجد واكو، نفا كاد، تعبا نمن كرف والا، البيسة اننخاص كم عبوب كولوكون سع ببان كردينا ناكرلوگ تفعمال سع معفو طاربين اوران لوگون مح بيندون بي بعنسد

تقعشم كن شخص كى بيجان كراف كے بيداس كيكسي شهرعيد، كواس كے نام كے سائحة ذكردينا بطيسي صنرات محترثمن كاطرلف سيدكر ابكربي نام سك جندرا ويون میں امنیاز اوران کی بہران سے بیراعمش (چندصا) اعرج دلنگرا) اعمی (اندها) ا ول رمینیکا) و عبره عیبول کوان کے ماموں کے ساتھ ذکر کرھنتے ہی رحرکا مقسد مركز بركزية قوين وتغيص بصدر ابدا رساني ملكاس كامقصدهرف والورك نناخت اوران کی بیجان کا نشان نبا ناسیے۔ دنواوی عی المسلم ص ۳۲۲) ا دیرد کر کی مونی صورنوں میں سونگر کسی عیبوں کو بیان کرونیا ہے اس بیسے بلانتبريغيب نوسي لكن ان صورتون من شركعبت في الزركها مع كراكم كوفي تتحفي كي كى غيبت كرف تورزكو أركز برب من مركول كناه ملكر معف صور توريس التقيم كي غيبت سلا نوں بروا جب مروجانی سے منتلاً البسيموفعوں بركر اگرتم فيكس مح عبب كونتربا کیا نوکسی سلمان سے نفصال بس برجانے کا بعنی باغالب گان ہو ستال کے طور ر الكمسلان رقم ك كرجار با بمواور الك سفىد يوش داكوتيد وصلى كيد بوت بزرك بنا محوا اس مسلمان کے مساتھ ساتھ جس رہا ہو۔ اورمسلان بالنکل سی اس ٹواکو کے مارسے م لاعلم مراوزتم كوير لفنن سے كرير خواكو حرور فروراس معولے بھالے سلان كو دھوكا في كرلوط بے كا اورق اس واكو كے عب كوجائے ہوتواس صورت بى ايك ميتو جانے مسلان کونفضان سے بیا تے ہے ہے ڈاکو کے عرب کواٹس مسلان سے سان کروما نم بروا جب ہے بعضرت بینے سعدی علیار ترزنے اسی مات کواسطرح بیان فرابا ہے۔ اگربینی که نابینا وجاه است اگرخاموش ی مانی گناه است. بدى تم اگرد بجوكه ابك اندها جار طب اوراس ك أسك كنوال سي توتم يملام ہے کہ اندھے کونیا دو کر فرے آگے کنواں ہے۔ اس سے بے کر میں اورا گرنم اس کوریک كريْب ره كيفرا وراندها كموبري كريرا نونفنيا تم كنا بهكار عمرو كي -٨ به بنان عموط موط ابني طرف سي كمط حكر كمي يركوني الزام يعيب لكاتا

اس كوا فزاء تهمت اورمهمان كهنايس بربهت تعبيث اوروليل عاوت بعداوربهت براک ہے۔ ناص کرکسی ایک دامن مرد باعورت برزنا کا ری کی تہمت لگا نابرنوانا بڑاگنا ہے کہ تشریبیت کے فاقون میں اس شخص کوائی کوٹرے ماردے با ثمی کے ۔ اور عرص معاطر می آس کی گواہی قبول نہیں کی میائے گی اور قبامت کے دن بیشخنس دوزخ كيعناب سكرفنار موكاء

اليروه كندى كفنافرني اورولس عادت مصركدون مي حيو في كاكبي ۹ ۔ چھوسط کوئی ٹھکار نہیں جموٹا آدی ہر عبکہ ذلیل ونھار تہونا ہے اور ہر عبلس ن اطابی سے ا در مرانسان کے سامنے ہے وفارا ور ہے اعتبار ہوجا ناہے۔ اور مراننا طراکناہ سے كرانشدنعالي في فرآن تجييم اعلان فراديا يد كر.

بعن ال كعدل كرس لوكر حمولُول برحداً لَعْنَكُ اللَّهِ عَلَى الْكَادِبِينَ

اور وه حدا کی دیمتوں مسے محروم کردیشے جانے ہیں فرآن تجدد کی بہت می آبنو بی جھوسط کی برائبوں کا بیان ہے۔ اس کیے یا در کھوکہ برمسلان مردوعورت ایرفری مع اس لعننی عادت سے زندگی مفریجیا رہے مہنت سے اں باب یجوں کو جی كراف كي بليدة دان كي طور يركم وباكر في مي كرجب وبهو ككوبس ميا وكل المعطا ہے یا جب رہوصندوق بی لط ور کھے مہو تے ہی قام و دُسکے نومب للط و دھول منی م وجایئی گے۔ حالا نکرز گھربین اور ، موتال من صندوق می لا و موزا ہے درونے سے لاو دصول می موجا ما سے نویو بستھ لو سرسی می تھومط ہی ہے اس قىم كى بولى بى بول كراى باب كبروكنا و كرين درستند بين ا دراس قىم كى با تول كولوگ هوط نهبس سجنة مالانكر نفيتا مروه ات جووا قعه كفطاف مووه حجوث بصالا مر جود طرح ام بعنواه بيح سع جول ان كهو ما برس سرر اومي سع جون ما كهويا جانورسي، حجوط برحال تجوط معاور تجوط مرام . مع .

الكافريا ظالم سيعاشى جان بجانف كمه يليه يادو كب اوركونسا جموم ما كريد استان كوينگ سے بجانے اور الم كانے ك بیے اگر کوئی محول باست بول و سے نوٹر لعبت سے اس کی رصست وی سے . محرصا ن کک ہوسکے اس موقع پربھی البی بات ہوئے اورابسے الفاظ منرسے مکامے کہ کھلاہوا جو ىزىروملكركى مى مى كى كى طاسع وه صحيح عي مواس كوعرى تربان بي " تورير" كېنىزىي مىتلا" مواكو نے تم مے بوجیا كرتم الے باس مال سے كرنسي ، اور تم كوليتين سے كراكري افرار كرلون كانوداكو مج نس كر كم ميرا مال لوك مي كانواس دنت تم يدكيم دوكم " مبرسے یاس کوئی ال نہیں ہے" اور نیت مرکولو کر میری جیب یا میرے یا تھ میں كونى النهيس سعيس بالمجو ليس تواس معى كالعا فاسع تمها را يدكهناكر مير باس کوئی مال جمیں سے یہ سے اوراس معتی کے لی فاسے کرمیری ملکتت میں کوئی مال نہیں سبے ۔ برجھوٹ ہے اسی فشم کے الفاظ کوم بی بن تورید" کہا جا ماہے اور بہاں جہاں ہے اور بہاں جہاں جہاں جہاں بہاں جہاں جہاں برکھا ہموا ہے کہ فلاں فلاں موقعوں پرمسان جورہ، بول سکتا ہماس كايمى مطلب سے كر " توري كے الفاظ بولے - اور اگر كملا موا مجوط بدلتے يركوني مسلمان مجبور كرديا جائف تواس كولانم سبت كروه ول سع اس جوس كويرا جا <mark>سنے ہو</mark>ئے جان ومال کو بجانے سکے بلیے **مرف زبا**ن سسے جھو <mark>ہول ہے ا</mark>ور اس سے توہ کرسے - (والسُّدتعالیٰ اعلم) ع إد حرا دُه مان نكاكر لوگون كى با تون كوچيك جيك كم سننا مي يولى الماك بها تك كرلوگوس كي عيمون كو الاش كرناير براى بى چهجهوری حرکمت اور ترایب عا دت سید- دنیا بی اس کاانبام بدنا می اور دکشت و دروائی ہے اورآ خرن ہیں اس کی منراجہتم کا عذاب سے۔ ایسا کرنے والوں کے كانون اودا المحصول بي فيامن كے دن سيس كيولاكر فوالاجلے كا فراك مجيوبي ا ور حد منول مي حدا وندفدوس ا ورم است رسول اكرم على المتدعليه وسلم في والاستحار سُولاً تَبَعَسَ سُول "لِبِی کسی سے عیبوں کو الماش کرنا وام اور کتاه سے مردوں کی بر نسبت عور توں بی برعیب زیادہ یا با جا تکہ ہے۔ لہزا پیاری بہتو ! تم اس گناہ سے مود میں بحال دور مرد مرحد آل کہ عور بھاؤ۔

بھی بچوا ور دوسری عور توں کو بھی بچاؤ۔ بی پردستروں میں میں ہوئی ہوئی ہر بھیوٹما ٹڑا جا نما ہے۔ یقیدًا مجھوٹراور ارگالی کلیے ہے افتش الفاظ اور گندسے کلاموں کا بولنا بہمینوں اور دویل ودیس دگرں کا طرافیہ ہے۔ اور شراعیت میں اوام وگناہ ہے۔ مدبیث مترابین میں سے کہ سَبَابُ الْسُنْكِيرُ فَسُنْ وَ اللَّهِ بِعِنْ كَمِي اللَّهِ السَّابُ الْسُنْكِيرَ الْمِنْ السَّى كا كاب ہے ، اسے کل عورت ومرد میں اس بلا می مبتلا جی حب کا تنبیح بر سے کریٹروں کی فسش کلامبو<mark>ں اودگالبوں کو سمن سمن کرنے بھی گندی اور بھیو ٹٹرگا لبال مکینے ملکنے ہیں۔ اور بھی</mark>ر بچی<mark>ز سے بڑھا ہے تک</mark> اس گندی عادت میں گر فنارر سیتے ہیں الہذا مرد و <mark>ورت پ</mark>ر لازم بد كر كم مركز مركز كاليال الدركتدر الفاظمنه سے در معالي -كون نيس جا نا كركه كميى كالى كلوچ كى وجرسعة توتريز لرط أئيا ل موجا باكرنى بي - اورسلما نول كى جان و مال كاعظيم تنصان م وجاما كرمّا سيعداس بيليم معامتره كوتباه كريد بي بدربانيون وركاليو مابهت برادحل سے البغرا اس عادت كو ترك كرد تباب مرحزورى سے عاص كرعورتوں كو ا بنی مسلول بی اس کا بروقت نیمال د کمستا چل پیشیر کیونکرسینکر او مورتون کا طلای اان کی برزبانيون اورگاليون كي وجرسيه بهوجايا كرنى سهد اور ميدميكها ورسسرال والون يمنتفل جگرطوں کی بنیاد بڑے آئی ہے . اور دونوں ٹھا تدان تباہی ویربادی مے نما رہی گرکر ملاک^و

بر دی به مستول کو اس مردون ا درخونون کی بری عاد نون بی سعے ایک بهبت بری عاد ۱۲ فیستول کو اس میم نهاوه بولت ا ورفقه و ل کولس سے دکم بولتا احد خرد رست سے مطابق با سے چریت پرمہرت ہی لیسندیدہ عا دت ہے حتر وربت سعے زیا وہ است اور فعنول کی کمواس محاانج میں پرموتا ہے کرتمیں کمیں الیی باتیں بھی زبان سے محل جاتی ہیں جس

سيمبت برك يرسه بنرس فنت بمدابه وجانفي اورتشروفساد معطوفات فأط كفرس بي بِن دائى يصور له الشدهى الشرعليه والم سفرايا سعكم وَكُرُو لَكُمُ وَيَنْ وَقَالَ وَحَدَّرَةً السُّوَالِ وَإِحْمَاعَةُ الْمَالِ - بعن اللَّهُ نِعَالَى كُوبِهَ البِسندسي عكر مل عزورت في اورتال اور ففول افرال آدی کی زبان سے تعلیں راسی طرح کرات سے دوگوں سے سا منے کی میز كاموال كرن رميا ودنعنول كامول مي استصالون كوبريا دكرا يري الترتعالي كونايسند سے بر بھی مرکار دوعالم صلی السرعلبروسلم کا فران سے کراپٹی زیا لدں کونضول مانوں سے ہمیشر بچائے رکھوکیونکر بہت سی مفول یا نتی ایسی بھی زیا فوں مسے نکل جاتی ہی جو بو لئے والول كوجهنم مي بينيا دبتي مي رامى يات تمام بزرگول في يرفروا باست كرنمي عاد تول كولازم بكراويكم لولنا المصوناءكم كحانا اكيونكرزيا ده لولناء زياده مونا ، زياده كهانا يرها وتني مهدس نواب بین اوران عا دلون کی و صریسے انسان دبن و دنیا می صرور نقصان اُ محا ماسے ۔ المری المری المرام کے افعاموں اورانسانوں کے احسانوں کی تأثیری اس المری المری اس میں المری اس میں المری المر عورتس نوننانو سے فیصداس ملا می مبتلایں . فراکی گھرانے کو ماکری مورت کے کیڑوں یا زبوران کوا پیفسسے توشّما ل اورا چھا دیجے لیا توضوا کی تأشکری کرنے مکنی <mark>می او</mark>ر كن الله المن المن المعلى المعلى المراع المراع المن المراعب بنا ديا - تعدا كام يركون فقن نهيس مونا . بين نكواى اليسي عيو في كرم في كرا في مون كرز ميكيس محمد نقبيب موار مسسرال مين مي كيد ديجا - نلان نلاني كلي دو دهين نهار مي بين - اورين نا توں سے مرد<mark>می مہوں۔اسی طرح عوزنوں کی عا دیت ہے کہ اس کا ش</mark>وہرا منی طافت ہم کراے، زبودات ، مسازومها مات و نینا رمتیا ہے لبکن اگر کھی مجبوری سے عورت کی کوئی فرمائش بوری بسی کرسکا توعورتنی کہنے مگنی یس کر غمرا سے گھریں بائے ہائے کھی سكونفيدي نهبين بمواراس أيرشد كحرب بمبيته ننگى عبوكى بىرداكى ، كمينى يحى تمهارى طرف سے بی نے کوئ بھلائی دیکی ہی نہیں۔میری قسمت بھوسے کھی ہو تمہا سے جیسے

عزبزبہم واس لو خدا کے العاموں اور شوہ بادومروں کے اس الوں کی نامی بہت ہی نواب عاوت اور بہت بڑا گذاہ ہے ۔ برسمان مردوعورت سے بے لازم ہے کہ وہ ہمیشہ ابنوں سے کمزورا در کری ہوئی حالت والوں کو دیجا کرے کہ اگر میرے پاس کم وہ ہمیشہ ابنوں سے کمزورا در کری ہوئی حالت والوں کو دیجا کرے کہ اگر میرے پاس کھٹیا کو ہے اور تربوری نوخوا کا تکریہ کے خلاق اور فلانی سے نوم بہت ہی اجھی حاس میں بی کران لوگوں کو بدن وصا بیٹے کے بیے بھٹے ہوائے کرڑے بھی نصید بندیں ہوتے اس مربی تمکس میں بی کران لوگوں کو بدن وصا بیٹے کے بیے بھٹے ہوائے کرڑے بھی نصید بندیں ہوتے اس مربی تحکم ہے کہ نوان فرکیا کرتی ہوئی اور کا انسان کیا ہے تواس بربی تمکس خوروں اور عرب ویروں اور مربول کرڈ الوگی۔ اس بیے کہ اور الوگ اس بیے کم فروں اور مربود کی واس بیے کہ انہ میں کا نیام ہے کم فرک کی عاورت جو ڈکر بہت میں دو تیا کو تباہ ویر با وکرڈ الوگی۔ اس بیے لا ہم ہے کم فائل ہے دین و د تبا کو تباہ ویر با وکرڈ الوگی۔ اس بیے لا ہم ہے کم فائل ہے فران مجد بین فرایا ہے :

اذا کر نے د بہنا جا ہیٹے ۔ انشر تعالی نے فران مجد بین فرایا ہے :

كَنِنْ شَكَرْتُمُ

بيني الرتم شكرا واكرنے ربو مك توبن

لأذبذ تكور نياده مصنياده نعتني دينا رمون كار وَلَئِنْ حَفَرْتُمْ إِنَّ عَذَا إِنَّ اوراگرتم نے ماتکری کی تومرا عداب بہت لَشَكِدِينًا ه راس أبن سف اعلان كرديا كر تمكوا واكرف سع حداك لعمنين الرصى عيم المناتكري كرف سے نعدا كا عذاب اُتريز نا ہے۔ مار میگود اسمرام اعدر آن بات بات برساسس مسمرا در بهرو با شوم را عام مسلان مردون اور مار میگود اسمرام اعور آون سے جبگران کواد کر لینا مربر بھی بہت بری عادت اور کناه کا كا بد مريت شريب بي معدر جروالوادي فداكوب مدنايد عداس يك الركسي سيكولي اخذن م موجائ إمزارج كفطاف كوفي بات موجائ تومموليت ا ورمعقول گفتگو سے معاملات كوسط كرلىبا بنابىن بى عمده اورمېترى عادت م جھُڑے تکرار کی عادمت کمینوں اور پزنہ نہ ہے لوگوں کا طرابقہ سے اور برعادت افسان کے بلے ایک بہت بڑی مصیبت ہے - کونکر عکرا اوا دی کاکوئی عی دومت نہیں ہوتا بلکہ وہ ہزشخص کی نگا ہوں ہی قابلِ نفرت ہو جانا ہے اور لوگ اس مے جا کانے کے ڈرسے اس کومنر نہیں لگانے اس سے بات نہیں کرنے۔ یرابی شخوس عادت مے کراس کی وجرسے سینکرد وں دوسری نواب هار کانی عادیس بیدا بوجاتی بیر طاہر سے کرمان، مامان، کیروں اور بدن كى كندكى بزنوں اورسامالوں كى بے نوتىبى وفت يركھانے بيلينسسے محرومى، منوم راور سسسرال والول كى نا داعنكى، بيخور كا بيويرين مطرح طرح كى بياريال ونيره ونعرو برماری بلانس ا ورمسیسنن اسی کابل کے سب انداے نیکے ہی ۔ اسی بلیاس عاد كوم ركز بركر البيف فربب نهيس أف وبناجا بيشي بلكوني ودنباوى كامون مي مروفت چان وچوبند مهوکر حکے رہنا چا ہیئے ۔ نوب یا در کھو اکر محننی اُدی مِرشعق کا پیارا ہونا ہے۔ اور کابن آوی مراکب ورسے بھٹر کا دا جانا ہے۔ اور مرکم میں ماریر فی ہے۔

کال اُدی نہ د نباکا کام کرسکتا ہے۔ زین کا ۔ اسی بید دسولِ خواصل السّٰدعلیہ وسلم بردُعا مانگا کرتے سے کے کہ:

اللهُ عَرَافِ أَعُودُ بِكَ مِنَ يَعَى لَعَالَمُ الْمِي كَالِمُ سَعَيْرِي بِنَاهُ اللَّهُ عَرَافِ مِنَاهُ اللَّهُ اللَّهُ عَرَافًا مِنَا اللَّهُ اللّلَّةُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّ

این کهی است براس طرح ارا جانا که کوئی لاکه میمائے مگرکسی کی بات اور سفار ۱۲ مصل آبول نرکرے اس بری مصلت کانام «عبد» سے براس قدر خواب اور

منوی عادت سے کرآدی کی دنباوآ خرت کونباہ دبرباد کرڈالنی ہے۔ ابیسے آدی کو دنیائی سب لوگ مندی" اور میف دھم" کہنے نگتے ہی اور کوئی بھی اس کومنہ

الکانے اوراس کی است کرنے کے بلیے تیارہ میں ہوتا ۔ مہی وہ تعلیث عادت بھی جس نے ابوجہل کوجہتم میں دھکیل دیا کہ ہما ہے سیقیر صلی استرعبر وسلم اورمومنوں نے اس کی کے میں میں میں ایک اُس زینری کا ہی کی کی سے میں طرحہ نے معربی کے دیار

کولا کھوں مرتبہ بھی ایا اوراُس نے شن القراورکنگریوں سے تکمہ ریے کام بھی ایمی بھی بھی لبا گر بھی بھی اپنی صِد پراڈ ادرا اورا کیا ن نہیں لایا ۔ قرآن وحد مبیث ہیں برحکم ہے کہ ہر مسلان مرد وعورت برلاذم سہے کہ استے بزرگوں اور مخلص دوسٹوں کام شورہ حزور

مان مے۔ اورمسلانوں کی جائز سفارشوں کو قبول کرسے اپنی رائے اور اپنی بات کو

چور فی اور خی نظام رہو جانے کے بعد مرکز ہرگر اپنی رائے اور اپنی بات پر صدر کر کے اُڑا مرسے مہمنت سے ادمی خاص طور سے عور تمیں اس بری عا دت بی

مُیتلایں۔ نُھُراکے لیے ان سب کوجا ہیئے کہ اس بُری عا دیت کو چیوڑ کرد دنوں ہما کی سعاد توں سے سرفراز ہوں -

ا بہت سے مردوں اور خورتوں کی بہعادت ہوتی ہے کہ جہاں انہوں کا ایس کرتے ہوئے دیکے ایس کے ایس کرتے ہوئے دیکے ایس کو ایس کو ایک ہو کر جیکے چیکے باتیں کرتے ہوئے دیکے ایک فوراً ان کویہ بدگمان ہوجاتی ہے کر برمیرے ہی متعلق کچے باتیں مورسی ہیں اور میرسے ہی تعلق کچے باتیں مورسی ہیں اور میرسے ہی تعلق کوئی مسازخی مورسی ہے اسی طرح عورتمیں اگر اینے شوم وں کوا چھالباس

بہن کرکہ برجا نے مہوئے دیکھنی ہیں با متوہروں کوکمی عورمت کے با اسے میں کھ کھنے ہو^{گے} من لینی میں نوان کو فوراً ا بنے شوم روں کے بالے میں بر برگمانی موجاتی ہے کہ صرور مبرس فتوبركي فلانى عووت سير كجيدسانها زيداس طرح شومرو لكاحال بيدكداكر ان کی بومان میکیس زمادہ عشر گئیں الم یکر کے رشتہ واروں سے بات باان کی حاطرہ مارس كرف لكين نوس مرول كوير مدكمان موجاتى سيدكميري موى فلال فلا مردو سے خین کرنی ہے کہیں کوئی یا ت فوہیں ہے۔ بس اس برگانی می طرح طرح ک بستواورلوه لكان كالمرم مكتلام وكردن دات داخ مي المفار مم كانتا الات کی کھیم^ای میکانے ملکتے ہیں۔ اور معمی رائی کا بہاڑا در میانس کا بانس بنا ڈا لیتے ہیں۔ باری بهنوا و دعوا مرو ایا و دکھوکر بدگما تیوں کی برعادت بہت بری بلا اوربہت براكناه بد فرأن مجدس الشرنعالي في ارشادفوا باسه كر: بعني ليص كمان كنه بي -إِنَّ بَعْضَ التَّطِينِ إِنَّ حَمْرٍ لهذا جب نك كعلى مو في دليل مسعة كوكسي ات كالفنين نه بهوجا مع مركز بركز محف بع بنیادگانوں سے کوئی دائے قائم مذکرلیا کرور ٨ ـ كان كالحيا اجبت سيمردون اورغورتون مي ميزواب عادت مواكرة مي كم الكان كالحيا الجار الماسي المي المواكن المالي ا کر لینے بی اور بلا بھان بین اور تخفیقات سے اس بات کومان کراس برطرح طرح ك خبالات ونظر بابت كالمحل تعيركر في لكت على بروه عادت برب كر أدمى كو سنكوك وشبهات كے دلدل مي تعنيساً وتني سيدا ورخواه مخواه أدى ابين منص دوتو كودتمن بنالبنا بعدا ورنود وعرص وفنند برداز لوك ابنى عالون بى كامياب موجلت بى راسى بلين مداوند فدوس في قراك مجديس ارشا وفرواياكم: يعن جب كونى فاسن أدى تمبايد إلى فك إِنْ جَاءً كُمُرْ فَاسِقُ بِنَهُ بَايِ

خرلا ئے توتم نوب مجارے جائے پر آل کرو۔

فَتُبَيَّنُو ۗ -

مطلب مرسے کہ میر تحص کی نجر میر بھیروسر کرسے نم لفین مست کرلمایکرور میکنوں اچی طرح تحقیقا ن اور چپان بن کرسے جروں برا عنما دکرہ، ورنزتم سے بڑی بڑی علیاں ہوتی رہیں گی ۔ لہٰذا خرواد کا ن کے میکے منت ہو۔ اور ہراکومی کی بات س کر میلٹ نفیفا کیے مذمان لباکہ ور

۱۹ - ریا کاری ای مردون اور عور آنون کی بیزی اب عادت محوتی سید کرده دین یا دنیا کا بوکام بی کرتے ہیں۔ دہ شہرت نا موری اور در کو اسے کے بید کر تے ہیں -اس خواب عادت کانام ردبیا کاری " سے- اوربر سخن ، اگناه کی بات ہے ۔ صبیت تشریف بی ہے کررہا کا ری کرنے والوں کو فیامنت کے دل نعدا کامنا دی اس طرح میزان محتریں میکا سے گاکداے بدعبد، اے رما کار- تراعمل عار موکیا <mark>اور تراا ترو تواب بر ما دم وکیا تو خدا کے دربارسے نبکل جا اوراس شخص</mark> سے اپنا تواب طلب كريس كے بلے نونے عمل كيا قفا۔ (احيا والعلوم عبله احمل ٢٩) اسی طرح ایک دوسری صرمت می سے کرس عمل می در و معرفی ربا کاری کا تشائبه مهواس عمل كوالشدنعا في قبول تهيي فرا ما سيه ما وربيه ي حصنور على المتدعليه وطم فارتشاد فراباكرجهم بي ايك اليى وادى سعي كوالشر تعالى قدراكارى كمن (احياء العلوم علد ٣ ص ١٩٣) والمے قارلیں کے لیے تبارفرایا ہے۔ کے مردا در طور نبی اس خواب عادت بی مبتنا ہی کہ جھنگ رلیف میستدی ان کے منریان کی تعربیت کروے وہ اس سے ہوش ہو مانے ہیں ان کے مبہوں کی نشا ندسی کرھے۔ اس پرما رہے حصر سے آگ بگولرم وجانے ہی ادی کی بیرحصلت بھی تہا بہت نا نص ا وربہبت <mark>قری عادت سے ۔ اپنی تعرفیف کو لیے ت</mark>د كرناا ودابني منفيد يربادان موجانا بربرى بطرى كرابيون اوركنا بون كامريتم سعاس ید اگرکوئ تعض تمهاری تعربیت کرے تونم ایتے ول می سوچوکر اگروا فعی وہ توبی تمار اندرموج دبرو نوتم بإس تحاشكرا واكروكراس فيقم كواس كي توفيق عطافها في اوجركمة

برگذا بنی اس خوبی براکط کرا ورا نزا کرنونش نه مروجا دُر ۱ و داگر کو دُنشخص نمها مسعصا منے غهارى فاميون كوبيان كرسي توبر كزبر كمذاس يرفادا حنكى كالا فلها دركرويلك اس كواينا منص دوست مجه کراس کی قدر کروا در این خامیوں کی اصلاح کرلوا و راس بات. کواچی طرح فين تشين كرلوكم تعريف كرف والا دوست نهيس مواكرنا ودمتر منفيد كرنوالا وشمن نهبين مجوا كمرتا _ فرآن و حديث كي منفدس تعليم مصيبة علتا سه كرابي تعربين بر توش ہوکر تھول جانے وال آئری الشرنعال اوراس سے درول کویے حدا لیستد سے ادر اس قسم کے مرد وں اور دورتوں کے ارد گرواکٹر جا ملوسی کرنے والوں کا مجن اکھا مہوجایا كرما ب ادربه و دعرص لوك تعريفول كايل با نده كراكدي كو بمو قوت بنابا كرتے بي -ا در جبوتی تعرلفوں سے اُدمی کو اُلّومنا کرایتا مطلب سکال لباکرتے ہیں۔ اور معرلوگوں سے سے این مطلب برا ری اور بیوفوف بنا نے کی دانسان بان کرکے لوگوں کی فرش معی ا ورسنسنے بیسا نے کا معامان فراہم کرنے رسنتے ہیں ۔ لہذا ہرمرد وعودت کوجا بادمی کرنے والول ا ودمنريرتعربين كرسف والول كى عيا دان چا لول سے موٹيا درمنا چا ہيئے ۔ ا ودم كرّ مركزاين تعرليت مى كرنوش درمونا ما سيد.

يحداقي يانس

معلم تعشر کو بردانشن کرلینا۔ اور عقبہ دلانے والی بانوں برخصتہ منے کرنا اس کو ا - رم ا طم ا ورثر دیادی کینے ہیں رمسلان کی بہت ہی بلندم نتر عا ومت سے اور اس مادت والے کو خدا وندفتروس و نیا و انوت می راسے مراتب وورعات مطا فرما آسے - جنائخ فرآن مجيد لي ريت العزت بل جلاله فعرما ياكه: يىنى غفته كويى جانبوالون، اورلوگون كو وَٱلكَاظِمِينَ العَيْظُوَالْعَافِينَ

معاف كمصبغ والوں الداس تم كے ایھے ا چے کا کرنوا لوں کوا مٹرتعالیٰ این مجوب

عَنِ النَّاسِ وَاللَّهُ يُحِبُّ

المُتَحْسِنِينَ -

بنالتنا بهي

المتراكبرا عصر كومتبطا ورمردا نتنت كمسق والول كونوا ومزفدوس ابنا مجثوب بناليرة سيعد سيمان الشِّد؛ كوئى منده يا يندى الشَّدنْعا ليْ كامجوب ا ورسا وابن جاست اس سے بڑھ کرا ورکون می دومری نعمت موسکتی ہے ؟

لېدا بياري بېنوا در مجا بيو ؛ تم اپتى برعادت بنالوكركو لى كننى بى سخت بات تم كو كبرت مكرتم اس كوننده بليثيان كيرسا غذبردا ستت كرلوا ورا كرغفته أنجائ توغفته كو يى جاؤ اود مركز مركز الصيف عصر كا اظها رمز كرو، منه كوئى انتقام لور اكر تم في برعادت لوال فى توجير بقين كرلوكرةم خدا اوراس كى تمام منوق كيديدين جا وسكر راور دراوند كريم برك برك مرساد ومرانب كاتم كوتان بيناكرنيك مختى اورتوش نصيبى كاتا جداريا فيه كا-٧- لواضع و الكسارى البنه كو دو مرون سے جيونا اور كمتر تحركر و مرون كي تعظيم و ا ووانكسارى كهته بي - يرنبك عادت ورحقيقت بوبرناياب سيه كرانشدنغا لي جي كو اس عادت کی توفیق وتباہے گویا اس کو خیرکشر کا خزارته عطا فرما و نیا ہے ہوتشخص مرایک كواسيف مع بهترا وراين كوسب س كمتر تشجه كا وه بميشه كمندا وركبر كي شبطاني مصلت مع بي ايسكا اورا مترنعا في اس كودولون جبان بي مرطبندي اورهر تنه و

عظمت كاما دشاء ملكر شهنشاه بناف كار مدس شرلين مي سے كر:

مَا تَقَ اضَعَ أَحَدُ يَتُّهِ إِلَّا بینی بوشخص الله کی رمنا جوئی کے لیے توامنی رَفَعَرُ اللَّهُ _ ا ودانگساری کی تعدلینت ا نعتبادکرنگا النّر

(اجياءالعلوم جلدس ص بهم) تعالیٰ اس کوسربسندی عطا فرنے گا۔

حفرت بشيخ معدى عليا لرحمنز نے فرما باكر سه

مرا بروانا مے روشن شہاب دداً ترُوز فرمود يرروش الب

کے اس مکر برخولتی تود بین ماتن دگرا که برخر بر بن مباسش

بعنى فيمركومبرك بسرعارت موا اوروش ول سيخ شهاب الدين سمروردى علمارمز نے دریا ٹی سفر می کشی پر میر دوصیعتیں فرمائی ہیں۔ ایک برکم اینے کوا جھا اور مرار سمجھوا ا وردوس ی مرکر دوسروں کورا اور کمنزن سمجو ملکرسب کواینے سے بہتر اورا بنے کوسے كمزسجه كمرد ومرول سكه معاصنه نواحنع وانكسارى كامظامره كرت ربوا ورخروا دبركزمركز كمى مى بى برا وركمندى شيط فى ڈكريرس كردوسروں كوايتے سے حفيرت سجور بإدر كهو كرنواضع اورعا بحزي وانكساري كي عادت ريكت والا أرى برخص كي نظرو بی عز بزم دیا اسے اور تنکیراً دی سے برختمی نفرت کرنے گانا ہے۔ اس کیے برمردد عودت كولازم بدكرتواضع كى عادت اختيا دكرسا وكعي مي ركز تركرا وركهمند مذك الركوئي شخف نمها مع ما غفظ وزيادتي كر منعظم بالالما يهجا را ایکی سے کوئ خطایا تصور بوجائے یا تمبی کی طرح کا نقعا بهنجائ توبدله وانتقام ليين كى بجائے اس كومعاف كروما - يربهت عى بهترن صلت اورنها من بى نفىس عادت سے ولۇن كى خطاؤن كومعاف كردينا برقران مجدكا مفدك مكم اور در مولوں كامبادك طريفة ہے۔ تعدا و دفاوس نے قرآن مجيد مي فرايا بعی لوگوں کی خطاؤں کومعاف کردواور ورگزری خصلت اختیا دکرو بہا لیے دروس علیہ وسلم نے مکہ کے ان مجرموں اورخطا کاروں کوجنہوں نے برموں مک ایپ پرطرے ط كے ظلم كئے تھے نتح كمر كے دن جب برسب جرمن آب كے مما منے لرزتے اور كا نبیتے مونے آئے تواکیسنے ان سب محرموں کی تعطا وُں کومعاف فرا دیا۔ اورکسی سے جی كوئى انتقام اور مدار نهي ليار سى كاير التربوكر تمام كفار مكرسف اس العلاق محرى س متاتز موكلمه يؤليا

عزیز بھائیو اور بیاری بهنو! تم بھی اپنی بہی عاوت بنالوکه گھریں ہا گھر کے بام ہر مگہ لوگوں سے تصور کومعا ٹ کرو۔ اس سے لوگوں کی تظروں بی تمہارا و قاریڑھ جا ٹینگا اور ضدا وند کم ہم بھی تم پرمہرا ن مہوکہ تمہاری نمطا وُں کو پخش ہسے گا۔

وم مصيبتنون اورحبهاني وروحاني محليفون يركييف فنس كواس طرح قالوس مع يعيم ومسلم اركمنا كرز زيان سے كوئى بڑا لفظ نطحے درگھرا كھرا كرا دريرلشان حال مو كادحرأ وحرمطكنا اورعباكنا تعيرب مبكريري سعيرى أفتون المدصيبتول كرسامن عزم واستفلال كرسا فق مج كركم في في رينااس كانام مصير" به مبركا كننا براثواب الدا جرب اس كو بير بير بير ما تمايد - قرآن جيدي نعدا وندكريم كا فرمان بدكر، بعنى مبركر ف والول كيما تقدالله دنعالي إِنَّ اللهُ مَعَ الصَّهِيرِينَ-ی مدر ارائی ہے۔ اور خدا وندكريم ني اين عيب على الله عليه وسلم سے يرارشا وفراياكم: بعي لن محوب الى طرح عبركري جمط فكاصير كما متراولوالعزم نمام سمن ولد رسولول في مبركباب . مِنَ الرُّسُلِ . راس دنیایس رنج دراحت اور قمی و نورشی کا بچر لی دامن کاسا خذہ ہے۔ میرخض کو امی د نیا وی زندگ مین محلیف اور اکدام دو نوں سے بالایر ناحزوری ہے۔ اس بیے مرانسا برلازم بدكركوئى بغمنت وداحت طي تواس يرفدا كانسكرا داكرے اوركوئى تكليف رنج مینیج تواس برهبرکرے نوص صبری عادت ایک نهایت می بهنرین عاد سے اور شن منہورے کھیرکا علی مجلیتہ میٹا ہوا کرنا ہے ۔ اس نے سرمرد وعورت کو جاست كرمسركا وامن كمعي بالقرسع بزهيو في-النان كو يو كيم خداك طرف سي ل جائے اس يردا في موكر زندكى ٥ فناعت ابسركرت بوق وص اور لا يح كوهبوا دينا اس كوننا عت كية ' قاعت کی عادن النمان محے میں خواکی بہت بڑی نعمت سیے : فناعت بسندانسان مكون والمينان كى دولت سيعالامال رنبناسيه اورح بعي اودلالجي السان بميننر يركشا دہتاہے۔کی نےکیانوب کہا ہے۔ے

اے تنا عست تو گرم گرداں کردرائے تو ایسے بعمت تلیست

ينى لي العنت كى عادت تو تجيركو توثكرا ورما لدارينا صي كمونكر تجد سے مرحد دنا می کوئی نیمت نہیں ہے۔ بہرانسان خصوصیًا عورتوں کو جا سینے کران کو بیٹے، متومروں ک طوف سے وکھ می جائے اس بردامی رہ کر تناعت کریں ۔ اور دوسری عورنوں کی دیکھا ديمى حرص اور لايح كى حادث سع معية دوريس توان شاوات دتعالي ان كى زند كى نات ہی سکون واطبیران <u>سے سائھ لیسر ہوگی اور پڑو</u>ہ بحود پرلشیان مال رہیں گی مذ<u>ا</u>ینے شوم کو يرلشان س طواليس كي -

ا نواکی مرمخلون انسان موما جانور اگروہ رحم کے لائق موں ا نوان بررم كرناا وران كرسائة مرواني وشفقت كاسلوك ا وربزنا و كرزابرالسان كى مبترين تصلت اوراعلى درج كى قابل تعربيف عادت سي ا در دنبا والنورت بي اس برب حد تواب من سهد مدرث فركف بي رسول المعمل السُّرعليه وسلم في فرا باسب،

رح كرف والون بردحن رحم فرماتا بصل الرّ احِمُوْ نَ بَرْحُمُهُمُ الرَّمُنَ لوكواتم زبن والول يررح كرونواكمان والا ارْحَمُوْامَنْ فَالْاَرْضِ يَرْحَمُكُمُ 高点なられる مَنْ فِي السَّمَارُ -

ومشكوة ملدا ص ٧٢٣م مجتباتي)

ندامېريان بوگاعرش بري مر ے کرومبربانی تم اہل زمیں بر زم نوٹی، مہر یا نی ا ور رحم وکرم کی عاوست نعدا و در کریم کی بہت بڑی نعمت سے مديث ترليب بي سي كرس كورني اورزم دلى كادت خدا وندكيم كى طرف س عطاكردى كركئى اس كودنيا والنون كى بعلائمون كابهت براحصترس كيا ـ اورجوزم دل ادررج ومربان كى خصدت سے محوم كرديا كيا۔ وہ دنيا وا توت كى عبدائيوں سے دمشكوة جلداص ٣٣١مجنبائي) محروم بروك -

ع منحوش اتعلاقی | ہرابب کے ساتھ نوش روئی اور نوش افلائی کے ساتھ بیش

انا يروه بعقيرار خصات بعرب ك بالصدي حضوداكم ملى الشعليرالم في ارشاد فرمايا بين كره

يغننا غمسمسانون في سب سع زباده إِنَّ مِنْ اَحَتِكُو إِلَىٰ ٱحْسَنُكُورُ فحصوة تتخص محبوب بعيجي سأفلا الطيرا إِخْلَاقًا وُصُلُوة جلد المسام) ایک شخص نے بارگا ورسا لیت بی عرمن کیا کہ یارسول اللہ! مسبب سے بهترن خیز

جوالله تعالى في السان كوعطافهائى سے وه كباچيز سے؛ تواكيب في ارشاد فرماياكم "ا بِيقًا خلان" اور آب نے بریمی ارتفاد فرایا کرفیا مست محددن مومن محمران عمل

میں سرب سے زیادہ وزن دارنگی اچھے اخلاق ہوں گے۔

(مشكوة ملدوص اسهم محتنيا ئي)

برمردوعودت كولازم سے كراينے كمروالوں اوريروسيوں ، ملكم مرطنے جلنے وا ك ما قد نوش افلاق ك سافذ بيش أئد - نوشى كا اظهار كرت بوئ اورسكات ہمو ئے لوگوں سے ملن مبلیا بہست بڑی سعا دنت اور ٹوٹن نصیعبی کی عادت اور ٹوا کیا کام مع ولوگ مروفت كال يولائ مندلفكا في اورائشاني يري واسه موئي توري ايرام ہو تے مراوی سے مراخلاتی کے ساخد بیش اسٹے بی وہ بہت ہی منحوس ومغرور ہی اور وه دنيا، ورامزن كى سعا دنون اورنوش نصيب و سعى عروم بين - مزان كوسم توشى نقيب ہوتی سے در ان سے س کر دومروں کاول ٹوش م زناسے ملکھ ایسے مردوں اور عور آوں مے چیروں پر مروف<mark>ن البی رعونت اور نوست برنی رمتی سے کران کا چیرہ و ب</mark>یج کوالبیا معلوم بوتا بعے كريد الحمامى موكرا سطے ہيں۔ ادرائع منرہيں وصو استے۔ مرادی خصوصًا عور توں کے حق بی حیا دکی عادت وہ انمول زاور ہے ہو

٨ بيجام المورت كعفت وياكدامى اور نسوانيت سے بحن وجال كى جا ب حب مرواعورت می جا د کا بوم موگا وہ تمام عیب نگانے والے اور میے كامون سے نظرى طور يردُك جائے گا ورفن روائن سے يك وصاف ره كرا چے

التجفي كامول اورنسنائل ومحامن محه زلودات سعدا دامنه موجلت كارچاني ديمول الثر صلى الشرعليه وسلم في الشّادة والكاكر: يعنى جياد درخت ايمان كي ايك بهت بري ٱلْحَيْلَاءُ شَعْيَةً فِينَ الْوِيْمَانِ. شاخ ہے۔ د بخاری *تربیب جل*داک ب الایبان ص ۲) م مورد ایر ایر مبارک عا دت می مردون اور مورنون کے بلیے نهارت می ٩_صفاى معرال البهري خصلت جيجانسانيت كدركااك بهدي قبنى تاج بيدراميرى بويا فقيرى مرحال مي صفائ سخفرائ انسان مع دقادوشرافت

كالميندوارا ورعبوب يرودد كارسے راس كيے مرسلان كايراسلامى نشان سے ك

وہ استے بدن، اینے مکان وسامان، اینے وروازے اور من وغیرہ سرم منز کی ماک اور صفان منفرائي كالمرونت وصبان ركه، كندكي اوريجدير سي انسان كي عرفت وعفلت

كميدترين وتنمن مي راس يليم مرد وعورت كوسمعت معفا في مخوالي كي عاد والني چا سنے مقائی سخانی مصحت و تندرسی براهی سے اورسبکر وں ملکر براروں بماریا

دور موجاتى مى مدرت تغريب ميكم الشرتعال ماك بداورماكر كاكوليد فرمانا سبعدرسول الشرصلى الشرطيه وسلم كوميونظ اورميك يجيط ربين والمف لوكون

سير بيع حدنفرت تحتى رجياني آب اليع صحابركرام كوبميت صفا في محقرا أن كاحكم دینے رہتے اوراس کی تاکید فرائے رہتے سفے

بعوبط عورتين بوصفائي سقرائى كاخيال نهبي ركهتي بي وه سمية سومرول كى نظرون مي ديس ونواررسني بين ملكه مهت سي عورتين كوان كے بيد براي كى وجه سے طلاق بل جاتی ہے۔ اس میدعورتوں کوصفائ سعقرانی کا خاص طور مرخیال دكعنا جاسيني.

وراک ، پوشاک ، سام ن زندگی ربن سهن بر جیزیی بے جا سکلفان ارساوگی است بچنا اور زندگی مے مرشعبہ بیں سا دگی رکھنا یہ بہت ہی بیاری

عادت اورنہایت بن نفیس خصدت ہے۔ رسادہ طرز زندگی بن امیری موبا نقیری مرطبہ مرحال بیروا حت ہی دامی دن اس ما دت والا اکری نذکسی پر لوجہ نبدا ہے نه نود خرص مرکبی بر لوجہ نبدا ہے۔ زندگی کے سرشعہ بن سا دگی می رس اسے نود خرص مرحب بن سا دگی می رس اسی دیر با در ہوتا ہے۔ زندگی کے سرشعہ بن سا دگی می رس اسلامی دنیا دند میں استرصی اور آپ کی منعتی براہ سے دسم سلمان مردوعورت کوچاہیے کہ ما دی کے مرد دن اور عورت کوچاہیے کہ ما دی کی در دن اور معے دسم سلمان مردوعورت کوچاہیے کہ ما دی کی در دن اور معے دسم سروراند ہو ا

المستحاوت الباب بي طاقت اور حيثيت كے لما ظر سے سفاوت كى عادت الي الله مستحاوت كى عادت الي الله مستحاوت كى عادت الله بي سفاوت كى عادت بيا بخر كري كري بي سفاوت كى فقت بلت اوراس كے باب بي سفور بي الله بي سفور بي الله بي الله

كنابول كابيان

کناه کی ڈوسمیں ہیں۔ کناه صغیرہ (چپوٹے چھوٹے گناه) گناه کمیرہ (بڑسے بڑسے گناه) گناه صغیرہ مکیوں اوری و توں کی بہت سے معاف ہوجاتے ہیں یمکین گناه کمیرہ اس وفت تک معاف تہمیں ہے نے جیب مک کراک دی بچی توبکر کے اہل حقوق سے ان کے مغوی کومعاف زکرا ہے ۔

كتاه كبيروكس كو كينتي إلناه كبيره مإس كناه كوكينتي - حس سعنين

پرخوا وی فزوس فے معقرت کا وعدہ فرایا ہے۔ (ماسٹیر مجاری ص ۲۳) ا ورئيش علما وكرام في فرايا كر مردوكناه حب كمد كمدف والديرا للرواسول تے وعدرسنا ئی یالعنت فرما ٹی یا غداب وعضب کا ذکر قرمایا وہ گنا ہ کبیرہ ہے۔ رقبوش الهاري ميلدا ص ٥٠١) كناه كبيرو كول كون يك ؟ المنه وكنيرو كى تغداد بهت زياده به طران مي سيعد كتاه كبيرو كون مدين دركر تريي ويريي . (۱) فركر كرنا (۲) جا دوكرنا (۳) نون ناحن كرنا (۳) مود كها نا المرك كرنا (۳) مود كها نا درك نام نام كرنا (۵) باك وامن مورتون (۵) بنيم كامال كها نا (۵) باك وامن مورتون مردول پرزناکی تیمت نگانا (۸) زناکرنا (۹) اغلام یا زی کرنا۔ (۱۰) بیجدی کرنا (۱۱) شراب بینا (۱۲) جموت بولنا (ورجودی گوایی وینا (۱۳) ملم كرنا (۱۴) فواكر خوان (۱۵) مان باید تعلیف دینا (۱۲) جیعن ولفاس کی مالت می بوی سیصحبت کرنا (۱۲) بوا کھیلتا (۱۸) صغیره گنامول پراهراد کمنا (۱۹) انشد کی دهست سے ناائم پرمموجانا (۲۰) الشرك عذاب سعب نوف بوجانا (۲۱) الي ديجنا (۲۲) ورترن کا بے پردہ ہوکر پھرنا۔ (۲۳) ناپ تول میں کی کرنا (۱۲) جغلی کھانا (۲۵) نیبست کرنا (۲۲) کو ومسلا نو ل کوامیس میں ارا وبیا (۲۷) اما نست مین نبیا نت کرنا (۲۸) کمی کامال با زمین و<mark>سامان دخیره عصب کرلی</mark>نا (۲۹) نمازوروزه ا در یج وزکراهٔ وغره فرائعی کو چیوزدیا (۳) مسلانون کوکالی دبناران سے ناس طور بر مار بریث کرنا وغیرہ وغیرہ سینکر ول کمبرو گنا ہ جس بن سے بجنا برمسلان مرووعودت برفرص بدا ورسا غفهى دوسرون كوتمبى ان كنا بمول سے

روکنالاڑم اور مزوری ہے۔ حربیث تشریب ہیں ہے کر اگر کمی مسلان کو کوئی گنا ہ کرتے و بیتھے نواس پر لازم سے کرا بنا با خفر صاکراس کو گنا ہ کرنے سعد دوک سے اوراگر ہا تھ سے اس کو روکنے کی طاقت نہیں رکھنا توزبان سے منع کرف اوراگراس کی بھی طافت نہ ہوتو کم سے کم اپنے ول سے اس گنا ہ کو گراسم حکواس سے بزاری طام کرف اور برایما ن کانہا ۔ بی کمزور ورجہ ہے ۔ دمشکوۃ جلد ۲ ص ۲ سے مغینائی)

اودابک اور مدیبت بی بی بھی آیا ہے کہ کوئی آدی کسی قوم بی رہ کرگناہ کا کام کر سے اور وہ فوم تدریت رکھتے مہوئے بھی اس آدی کوگناہ کرنے سے نہ رو کے تو انڈ تعالیٰ اس ایک آدمی کے گناہ کے سبب سے پوری قوم کو ان سکھرنے سے بہلے عذاب بی میننلافوائے گا۔ دمشکوہ جلدیاص ۲۳۷)

گتابول سے تیاوی تقصال

گذاہوں سے آنوت کا نقصان اور عذاب جہتم کی براؤں اور فرق سے کے عذالو بین مینڈا ہونا راس کو توہر شخص جا نرا سے گریاد رکھو کرگناہوں کی نوست سے آدی کو دنیا ہیں بھی طرح طرح سے نقصان پہنچنے رہتے ہیں جن ہیں سے چند ہیں ہیں۔ (۱) دوزی کم ہموجانا (۲) بلاؤں کا بہوم (۳) عمر گھرہ جانا (۱) دل بی اور لیعن مرتبر نما پران ہیں اچانک کمزوری پیدا ہموکر صحنت خواب ہموجا (۵) عباد توں سے محروم ہموجانا (۱) عمل بین تور بیدا ہموکر صحنت خواب ہموجا نظروں ہیں دہیل و توار ہموجانا (۱) کھینٹوں اور یا با اور ایس کی بہوجانا (۱) نیمنوں کا جس جن ان (۱) ہرفت دل می پرلیشان رہنا (۱۱) ایا ایک داملا ہے ہی بیدا دارس کے فرشنوں اوراس کے درفت ہونا (۱۷) ایک نیموں اور اس کے فرشنوں اوراس کے ایک بیدوں اور اس کے فرشنوں اوراس کے ایک بیدوں اور اس کے فرب بندوں کی لیمنوں ہمی گرفتار ہموجانا (۱۲) چہرے سے ایان کا فور ایک جا نے سے چہرے کا بے روفن ہمونا (۱۲) خرم وجرانا (۱۲) مرتب وقت این کا فور ایک جا نے سے چہرے کا بے روفن ہمونا (۱۲) خرم وجرانا (۱۲) مرتب وقت این کا فور ایک جا سے درفن ہمونا (۱۲) خرم وجرانا (۱۲) مرتب وقت درفان سے فرق سے درفن ہمونا درفاکا میوں کا بہوم ہموجانا (۱۲) مرتب وقت درفان میں برطوف سے ذکتوں ، درموا نہوں اور درفاکا میوں کا بہوم ہموجانا (۱۲) مرتب وقت ممنرسے کلمہ کا نہ نکلنا وعیرہ وغیرہ مگنامہوں کی نحوصست سے بڑسے بڑسے دنیا وی نفضان ہوا کرنے ہیں ۔

عبادنوں کے دنیاوی فوائد!

عبادنوں سے کنوت کے فوائد کو مِرْخَعَی کومعلوم ہیں کہ اللہ تعالیٰ اپنے عبادت گزار بندوں کو آخرت ہیں حبّنت کی بے شمار تعمیق عطا فوائے گا۔ لیکن اس سے خافل فرمہو کہ عبادت سے آخرت سے فائدوں کے علاقہ عباوت کی برکرت سے بہت سے دنیاوی فوائد کھی حاصل ہونے ہیں۔ مثلاً

والد بی و دری برصنا (۲) ال سامان اولاد برجیزی برکت به به نا (۲) به بت سی دنبادی برکت به به نا (۲) به بت سی دنبادی تعلیقوں اور بر نیبا نیول کا دفع به و جانا (۲) نورا بیان کی و جرسے جہرے (۵) سب کے دلول بی اس کی مجتب پیدا به وجانا (۲) نورا بیان کی و جرسے جہرے کا بارونی بوجانا (۵) بیدا وار بی خبرو برکت به وجانا (۹) بارش بوجانا (۱۱) برجگر عرفت و کیروطنا (۱۱) فاقر سے بیخا (۱۲) دن بر نیم تول بین برق به ونا (۱۲) به بست سی بیاد بول سے شفا دیا جانا (۱۲) آبنده کے نور کی نیم بیت سی بیاد بول سے شفا دیا جانا (۱۲) آبنده کے والی نسبوں کو فائدہ بین بیات سے دنیا وی فائد سے بی بوجیادت کی برکت سے حاصل مونے بی بر جبادت کی برکت سے دنیا وی فائد سے بی بر جبادت کی برکت سے حاصل مونے بی ۔

عیادت کی شان

رحمن کریا عبادت ہے! واحت مصطفے عبادت ہے حُرِن اُورِنودا عبادت ہے طلعت جاں فزاعبادت ہے حامی زمین شمع ذہ حق کی نعلق کا تدعا عبادت ہے حامی زمین شمع ذہ حق کی دولت بے بہا عبادت سپے
نبلہ من منا عبادت سپے
جیم ول کر منیا عبادت سپے
ہرمرمن کی دوا عبادت سپے
معمبیت کی شفا عبادت سپے

دونون عالم کا ہے کھلا اس سے
یہ نمواسے نجھے ملائے گی!
دوستی معرنت کی گر چا ہو
روستی معرنت کی گر چا ہو
روسے کورملتی ہے توا نائی
اعظی کر علاج عصیاں کا



ريُومات

مجتت خصومات مي كحوكئي برامت رسومات مي كموكئ

مسلانول كى رسمول كابيال

جب تک اسلام عرب کی زمین تک محدو در را اس و فنت تک مسل<mark>ا نوں کا معالمترہ</mark> ا در ان کا طرز زندگی با لکل می سیدها ساده اور مرتسم کی رسومات اور بدمات وخوافا سے یاک رہا ۔ لکن جباسلام عرب سے باہر دومرے ملکوں میں بہنچانو دومری فوموں اور دوسرے نربب والوں کے میل بول اوران کے ابول کااسل معامرہ اورسانوں ك طريقة زندگى بربهت زباره الري الريقار وكفار وكتركين اوربهودونعارى كى بهت سى علط سلط ا ورمن گھڑت رموں كامسانوں برابسا جارما نرحمار موا اورسان ان بمشركا بزرممول بي اس فدر ولوت بو كف كدا ملا مي معا شره كا جروم مخ موكيا ماور مسلاح رسم ورواج كى بلاؤل مي كرفتار بوكرخ القرون كى ميدهى سادهى اسلامى طرز زندگی سے بہت دُور ہو گئے۔ چنانچر خ تنی خی، پیدائش وموت، تجنبہ، مشادی بهاه وغيره سلالون كانمباتفريوات بلكمسلا نون كان ندكي وموت كي برمرحله اور برمورُ يِنْسَمِ فَتَم كَى بِمُون كَى فَوْجِلَ كَاسَ طرح عَلَى دَحْل بِمُونَيْ سِيد كرمسلات ابنى تقريبات كوما في دا دا و ل ك ان روائني رحمول سے الك كرين سيكت و اور برحال بوكيا

برامّت روایات بی کھوگئی حفیفت نوافات بی کھوگئ ہا سے مندوستان بی مسل لوں کی نفر بیات بیر این وموں کا دوائ پڑ گیا سطان کے بالیے بی بین تم کے کمننب نیال کے لوگ بی جوا پیٹے اپنے مسلک کا علا کرنے رہے ، رہے ہیں جوا پیٹے اپنے مسلک کا علا کرنے رہے دہتے ہیں ۔

اقرل رلال بسط بہرے دنگ کے نباسوں والے گلیبو دراز قسم کے زنگین مزاج باباؤں
کاگروہ بوتھ تو ت کا لبادہ اور سے بہوئے صوئی بنے بھر تے ہیں۔ ان حقیقت و
معرفت کے تفرید اردن نے نوتم خوافات اور خلاف افر لیجیت دس وات کو
جاگز کھرار کھا ہے۔ بہاں نک کی ڈھولک اور طبلہ کی تفای اور بارمونی اور
سازئی کے داک بران لوگوں کو معرفت کی معراج کا جا جو کی تفای ہے۔ ان لوگوں نے
ابنی جہائے سے سلم معافرہ کو تنہ سنم اور اسلام کے مقدمی جہرہ کو خوافات و
برمان اور خلاف بر لیجیت رسومات کے دائے دھیوں سے مسے کر ڈالا ہے
برمان اور کی بلاست برمطان کا رہیں۔ لہذا المسلمانوں برلازم ہے کہ ان لوگوں کی میمیت اور ان لوگوں کی میمیت دیتے دہیں۔
اوران لوگوں کی بیروی سے ہمیت دیتے دہیں۔

اودان دوگوں کی پیروی سے ہمینہ بیتے رہیں۔
دوم - وہا ہوں دیوبندیوں کا فر فرسے - جنہوں نے اِصلاح کے نام سے اسلامی
معاشرہ اور دین اسلام کی جا مت بنا ڈائی ہے۔
معاشرہ اور دین اسلام کی جا مت بنا ڈائی ہے۔
معاشرہ عاشرہ کی جا کر زما جا کر تمام رسومات کو حرام در ہما کے سر دیر ہم اِ ہا ندھنے
دیا ہے۔
دیا ہے۔ اور بیالی کی بہان کہ تعرسے بڑھ گئے کہ دولہا کے سر دیر ہم اِ ہا ندھنے
کو کفرو تشرک کھ دیا اور فریب و زمنیت کے بیان دولہا میں در دیوار کیری
اور چیتوں میں جیت گیری لگانے کو بدعت اور حوام کرادوں پر دیوار کیری
دیا ہے ہمردوں کا تیجہ چالیہ وال کرنے کو بدعت وحوام قرادہ سے دیا دیمیا
دیا ہے ہمردوں کا تیجہ چالیہ وال کرنے کو بدعت وحوام قرادہ سے دیا دیمیا
مرام و بدعت بلکہ کہنیا کے جم سے بدتر لکھ دیا ۔ قبام وسلام کونا جا گز و

وگرنتها دت اورسیلوں سے منع کیا۔ اور لطف یہ سے کران لوگوں سے جب ان رسوما ت کے کفروشرک اور بدعت وجام مجو نے دلیروسی طلب کی جاتی ہے تو کہر فینے بین کر ہم لوگوں نے احتیا می ان جروں کو گفروشرک اور حرام و بدعت مکو دولیہ تاکہ لوگ ڈرکران جیزوں کو چوڑوی ، خوا کے یہے کوئی ان سے بو چھے کرائٹ توالی اللہ کی ملال کی موثی چیزوں کو کفروشرک اور حرام ونا جائز مظہرا تا یہ احتیا طریعے یا اعلی درجے کی ملال کی موثی ہے ۔ ان کو کفروشرک اور حوالی نیایا ہے ۔ ان کو کفروشرک کی مدال نیایا ہے ۔ ان کو کفروشرک اور حوام بنانا یہ بیان نیایا ہے ۔ ان کو کفروشرک اور حوام بنانا و میں المندنوالی کا اور حوام بنانا و میں المندنوالی کا اور حوام بنانا و میں المندنوالی کا اور توام بنانا و میں المندنوالی کا ارتبا و سیے کر:

یعن اس سے زیادہ خلا کم اورکون ہوگا؟ جو الٹرتعالیٰ پر مجوٹی تہمت لگائے۔

عَلَى اللهِ حَدِيبًا ط بِهِ اللهُ مِنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ الله بهرحال خلاصه كلام يرسب كرحن رسمون كوانشدور مول في حرام نهي نباياان كوخواه تحقياه كلين عان كرحوام معتب إمّا بيه توديجي بهت براكناه سبع - المهذا

وَمَنْ ٱ ظُلَوُمِيَّنِ اقْ تَرْى

مسا نوں پراہ زم ہے کہ ان لوگوں سے بھی انگ تشاگ دہیں۔ اور ہرگز ہرگز ان لوگوں کی بیروی نزکریں -

موم ۔ "مسبب اہل سنت وجاعت کا مفدّ می طبغہ ہے جس کے بڑسے بڑسے ملم داروں ہی صفرت نے عالمی محدّث دہلوگی وجولانا شاہ حارلی کھنوی وطرف میں وجولانا نعلی کھنوی وطرہ بزرگائی دین ہیں۔ المسنت و اطلی صنت سے ان مفدّس بزدگوں کا مسلا توں کی دموں سے واسے ہی یہ فتوی ہے کہ مسلا توں کی دموں سے واسے ہی یہ فتوی ہے کہ مسلا توں کی دموں سے واسے ہی اور نا جا تو ہی سے مشاہد ہی ہوتا ، کا جا نا اس من الم بہانا ، اسلانی وہ رسم برجانا ، استی بازی ، دولہا کو چاندی موسے سے دانور تو بہانا تھی اندی موسے اندی موسے اندی مورث وی مردوں کا بے ہردگی سے مساحۃ جی ہوتا ، کھر کے اندر طورت تو

ے درمیان دولہاکومبلانا اورعودتوں کابنے پردہ اس کے سامنے کا زا اورما ہو وغیرہ کا بنتی ندا ن کرنا۔ ڈولہا کے جوتوں کوپھ البنا، پھر زبرد سنی ڈولہا سے انعام وصول کرنا وغیرہ وغیرہ۔

ليكن تغرلعيت في بن رحمول كوجائز فراروما . با وه رسمين جن كے بلسه ميں مثر بین خاموش سبے ۔ ان کوہرگز ہرگز ناجا نُواوروا) فرادہمیں جا سکنا ۔ تھا صربہ سے کر جب مک کمی دمم کی ممالفت تغریعیت سے در ٹا بٹ ہوائیں دقت مک آسے حرام ونا جا ُمزنهیں کہرسکنے ۔ نواہ مخواہ سلانوں کی تنام رسموں کو کھینے نان کرممنوع ا در حرام فراردینا ، اور بلاو حرمسلما نو ں کو بدعنی اور حرام کا مرتکب کہنا برہی<mark>ت بڑ</mark>ی ز ما دنی ا وردین می صدمے براحد جا ماسے ، کیونکر مرشخص برجا نماسے کرمسلما تول ک وممول اودروا ہوں کی بنیا دعرف ہوسیدے یہ کو فی مسلان بھی شیس کھٹا کہ رہسب اسمیں مترعا واجب إستنت بالسخبي يعفن ولويون كايركهنا كريو كرفلان رسم كولوك فرمن سجف لگے ہیں ، اور اس کو کمیں ترک جنیں کرتے ہیں۔ اس ملے لوگوں کو ہم اس دم سے دو کنے ہیں کہ لوگ ایک بی فرمن کو فرمن مجھنے لگے ہیں۔ مسلمانو! نوب سجولوكريرابك بهنت برًا دصوكرسي را در در منبقت يرلوگ نور ب<mark>ې د صوسکه ب</mark>ې پې او د د د مرو ل کو بعې د صوکه <u>څه د سېد</u> ېې ر يا د رکووکم کې چېز کو بہلیشہ کرنے رہنے سے یرلازم نہیں آنا کراس کا کرنے والا اس کوفر من مجبلہے رکی چرکوسمنشکرتے رسنایہ اور ماست سے اور اس کو فرض مجولینا اور ہات ہے۔ ویچووٹو کرنے والا ہمیشہ ومتوس کانوں اور کردن کامیے مزور کر تاہیے کمی عی كرون الدكانون عمع كونهين عيورة ا - توكياكونى عي أس يرب الذام لكاسكة بيد كروه مرك مسح كى طرح كردن اوركا نول كي مسح كويمى فرض محقاً بعد حال الكركانول او مرون کام مح سنت وستحب بعد راور کیاکوئی بعی اس کی جسا رت کرسکانے کرلوگوں کو کافوں اور گرون کے مسے سے منع کردھے کہ لوگ ایک غیرفرمن کوفر من

بھنے گئے ہیں۔
بس اس طرح سمجھ لوکہ لوگ ہمیشہ عید کے دن سوباں اورشب برات کوحلوہ بیا ہیں اور میلا د تشریف ہیں ہمیشہ عید کے دن سوباں اورشب برات کوحلوہ بی اور کھی بھی اس کو نزک نہ ہیں کرنے میگراس کو ہمیشہ کرنے ہیں اور کھی بھی اس کو خرم نہ ہیں جس طرح کردن اور کا نوں برہمیشہ مسے برائز ام نہیں اتا کہ لوگ ان کاموں کو ذمن سمجھنے گئے ہیں جس طرح کا فردن اور کا نوں برہمیشہ مسے خرص نہیں ہے بکہ سنست و مستخب ہے۔ اس طرح ہمیشہ عید کو اور اس میں خوب ہو میں ہمیشہ عید کو موباں اور تشرب براست کوحلوہ بی انے والا بہی عفیدہ رکھنا ہے کہ برخرص نہیں با نما کہ کہی جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ جھنا اس بی میں برکون نہیں جا نما کہ کہی جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ جھنا اس کا تعلق عقیدہ و کھی اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ جھنا اس کا تعلق عقیدہ و بھی اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ جھنا اس میں بھی اور کہاں عقیدہ و کھی اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور کہاں عقیدہ و کھی اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور کہاں عقیدہ و کھی اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما اور کہاں عقیدہ و کھی اور جبز کو فرص سمجھنا یا فرص منہ ہما کا دور کہاں عقیدہ و کھی اور جبز کو فرص سمجھنا کا ورکہاں معقیدہ و کھی اور جبر کی کا تعلق کا دور کا دور کہا کا تعلق کے کہ کے دور کو کھیں کہ کا تعلق کی کا تعلق کی کھی کو کھی کے دور کی کے دور کی کھیں کے دور کی کے دور کی کے دور کو کھی کے دور کی کھی کے دور کھی کے دور کی کھی کی کھی کی کے دور کی کھی کو کھی کی کے دور کی کھی کے دور کی کھی کے دور کی کے دور کی کھی کے دور کی کی کھی کے دور کے دور

سے اورعقبدہ اورچیز، دونوں میں بڑافرق ہے۔ بہرحال خلاصریہ سے کرمسلما نول بمی رواج پاجانے والی تما) دسوما ت حرام وناجا کرنہ میں ملکہ کچے دسمیں ناجا کر بیں اور کچے جا گز۔ اورجا کر دسموں کو کرنے بی کوئی حرج نہیں ۔ ہاں برحز ورسے کہ جا گزرسموں کی یا بندی اسی حد تک کوسکسا ہے کہ کی فعل حرام بیں میتلان ہو۔

سجدى بى بم و تومر د لے جا سكتے ہيں ، عود نول كوجل نے كى كميا عزورت سے ؟ ان عورنوں مے یا فقر میں ایک آئے کا بنا ہوا جاریتبوں والا جراع بھی بیوناسے ج کھی سے جلا باجا نا ہے۔ عور کیجئے کر جب جسے ہوگئ توحاع کی کیا عزورت ؟ اوراگر حاغ ك حاجت سيد تومي كايواع كافي سيد -آ في كاجرا عبنا نا اورسل ك حكر كمي ملانا، بالكل مى اساف اوزعنول خرجي اور مال كو مرما وكرناسيع بوسترعًا حوام سيدر دو لها داس کو اُٹن ملوا نا مائیوں بٹھانا جا رہے لیکن دو اہا کے باعظ ماڈوں می زمین کے بیے مهندی نظاما جا گزنهس سے دیوں ہی دولہاکورٹنی پوشاک یا دلوران بہن بہنا احرام سے فالعی معید اوں کامہرا جائز سے - بلا وجراس کوممنوع نہیں کہاجا سکنا - بال سونے جا بری کے ناروں ، گوٹوں ، کھیوں اور کلا مبوں وغیرہ کا بنا ہوا مار با سہر ا دولها كيديعوم اوردلبن كے بلے جائز سے ناج، انتش بازى حرام شادیوں میں دوسم کے ناچ کرائے جا نے بیں ۔ایک دنڈلیوں کا ناپر جومردوں کی محفل می مونا ہے۔ دوسرا وہ نا ج سوخاص عورتوں کی مفل میں مونا سے کر کوئی دومنی با مراثن ناجنی ہے۔ اور کمرکو کھے مٹرکا کراور باعقوں سے چیکا جی کا کرتماشہ کرتی سے ۔ بر دونوں سم کے ناب حوام و نام ان میں ۔ دنٹری کے نابع می جوگناہ اور خاب بن ان کوسب جانتے ہیں کہ ایک ما محرم عودت کوسب مرد بے پُروہ و بیجھتے ہیں ہم أ كمون كا زنام راس كى شهوت الكراكواز كو سنة بي - بركا لول كا زناسه -اس سے باتیں کرتے ہیں برزیان کا زنا ہے۔ بعض اکی طرف یا غذ بڑھانے ہی یہ استوں کا زنا ہے۔ بعض اس کی طرف میل کروا و دینے ہی اور انعام کا دو رہے نئے بن - برباؤں كا زناہے - بعن بركارى عبى كرلينے بن براصل زناہے -آنن بإزى نواه شىب درات مى مو باشا دى بياه مى مرحگرمرحال مي حرام سے احداس مِي كُمُ كُناه بِي - براسِنے مال كوفصول برما وكر ناسہے ۔ فرآن مجدد می فعنول مال خرے کرنے والے کوشیطان کا عبائی فرابا گیاہے اوران لوگوں سے اسٹرو دسول

بزادیں ۔ بھراس میں ما تھ با وں مطنے کا اندلینہ با مکان میں اگر لگ جانے کا نوف
ہے۔ اور بلا وجہ جان و مال کو بلاکت اور خطرے بیں ڈالنا تشریبیت بی حرا ہے۔
اسی طرح نشادی بما ہ میں فرولہا کو مکان کے اعدر ملانا اور عورتوں کا سلانے
اکر یا تاک جہا نک کراس کو دہجتا ، اس سے ندان کرنا ، اس کے ساتھ جو تھی کھیلنا
مرمر دانی ، صلائی وغیرہ ۔ جاندی سونے کا استعال کرنا ، بہت بادیک کیوے بہنا
مرمر دانی ، صلائی وغیرہ ۔ جاندی سونے کا استعال کرنا ، بہت بادیک کیوے بہنا
برسب رسیس ناجا ٹرزیس ۔

عقبقين نس اس فدرسنت سے كر اوا كے كے مقيقر مي دو بور سے اور ا ورامط کی کے عقبقہ میں ایک مجرا و رمح کرنا ا وراس کا گوسٹت کتیا با پھاکرتفنیم کردینا ا در شیتے کے بالوں کے وزن کے برابر جا ندی جرات کردینا اور شیخے کے مر یم زعفران لگادیتا ریرسب کا نو تواب کے میں باتی اس کے علاقہ جررسمیں ہوتی یں کرنا ن مرموز دے کے بعد سب کنیہ و برا دری کے ما منے کوری یا تھ میں مع الله الكراينا حق الكراينا وري مر برگ جو کھونا ئی کی کٹوری می ڈالے میں ۔وہ گھروا نے کے دمتر ایک قرمن ہوتا ہے کہ جب ان دینے والوں سے بہاں عقیقہ ہوگا تو برلوگ اتی ہی رقبان کے نا ٹی کوٹوری میں ڈوالس کے۔ امی طرح سوب میں کتیا آنا جے رکھ کرنا کی مصلمنے رکھاجا آسے ۔ اس طرح عفیفہ می نوگوں نے برہم مقرد کی سے کرمی وقت نیے کے سرراُسز ارکھا جائے قرراً اسی دقت کا بھی ذرا کی جائے برسب رسميس بالكل منى مغوي يشريعت مي فقط اننى بات سيسكر مال كورمو المسفى الجرست ميدى جاست اوركرا نواه مرمون لسف سيد وبح كري تواه بعدس سب جائز ودرست بعد اسى طرح حتى سي بعق عكراس كم كى بعصر ما بندى کی جاتی ہے کر بینے کالیاس، نستر، چا درسب کچھ الرخ دنگ کا تباد کیا جا ماہے۔

ادر بوبس گفت بخير كے ما تذبي ما فورا جيرى كاركھنا لازم مجاجاً ماسيم بيرسب رممیں من گومن خوا فات میں بشر بعبت سے ان باتوں کاکوئی تبوت نہیں ہے۔ یاں باب کھی کراہے ، کھے وقورات ، کھے دسامان ، برتن ، مینگ، نسنز ، میز ، کرسی میں اتخت ، مِلْتُ تماز، زان مجب، دنی کمنا بیں دغیرہ لڑکی کو دے کراس کو مسرال بمینے می ربراوی کا جہز کہلاتا ہے۔ بلاسٹیریہ جا مزہے ملکسنت سے۔ كبونكه بها يسي مصنور رسول الشرصلي الشعطيير وتم في مايي بيادي مين حصرت بي بي قاطمروسى السرعمة الوجهيرسي كجيماما نصع كرزحصت قرمايا محاليكن باوركه وكرجهز میں مامان کا دینا برماں باب کی ممبت وشفقت کی نشانی سے اوران کی نوشی کی بات ہے۔ مال ماب برار ملی کوجہنر دینا مرض و واجب شیعے۔ ارا کی اورداماد کے لیے ہرگز برگز بربا نز نہیں ہے کہ وہ زبردستی اں باپ کومجود کر کے ای لیند اسامان جميزي وصول كرس مال باي كى حيثيت اس قابل موماية موركر جميزي ائی لیسندکی چیزوں کا نقاصا کرنا اوران کو مجبور کرنا کروہ فرص سے کر بیٹی داما دی نواہم فی ایری کریں ۔ یہ خلاف تربعبت بات سے مبکد آج کل مندووں کے تلک میری رسم مسلمانوں میں بھی میں بڑی ہے کہ متنا دی سطے کرنے وفت ہی برشرط لگا دیتے بى كر جرير بي قلان فلان سامان اور انى اتى بشرى رقم دىنى برك كى يدينا نجر بهت سے غریموں کی لوکیاں اس میلے میا ہی نہیں جادہی بین کدان سے ال اب لوک کے جہز کی انگ پوری کرنے کی طافت مبیں رکھتے۔ براہم نقیدیاً خلاف تر بعبت سے ا ورجيراً قررًا ما ن باب كو مجيود كرسم زيردست جهيزليبنا يبرتا ما ترسيد المذامسلاتون بولازم سيكراس برى دمم كوخم كردي. م مر مر مراز الم مراز المراز المراز

تيار كرن بي رشب برات مي حلوه بيكلن بي محرم لي كليط ابكات بي وشرب

پی در کفتیم کرتے ہیں ناکہ اس تاریخ کی توسعت سے حفاظت رہے۔ کان کھول کر اس لواور با در کھو کہ اس تم کے سالے اعتقا وات مرامر شرلیبت سے خلاف ہیں۔ اور گناہ کی بائیں ہیں۔ اس بیے ان اعتقا دوں سے تو بہ کہ تاجا ہیئے بشر بعبت اسلا) ہیں ہرگز مرکز من کوئی مہم بینہ مرتاد کے مردن الشر مرکز من کوئی مہم بینہ مرتاد کے مردن الشر معالیٰ کا بیدا کیا بیدا کیا بیدا کیا بیدا کیا بیدا کیا بیدا کا مرتب کوئی تاریخ مردن اور افتالی نے ان میں سے رکسی کو خدمتوں بنا با ہے من نامبارک ۔ بیسب عقاد وں مرب بیل برا مورد افقاد وں مرب بیل بڑھے ہیں۔ ان رسموں کومٹا نا بہت صروری ہے بیدا وار بیس جوجا ہل عور توں بس بیل بڑھے ہیں۔ ان رسموں کومٹا نا بہت صروری ہے اس بیدا وار بیس جوجا ہل عور توں بس بیل بڑھے ہیں۔ ان رسموں کومٹا نا بہت صروری ہے اسٹر اس بیلے عزیز بہتو یا تم تود کھی ان اعتقادوں سے بیجوا وردوسروں کو بھی بیجا و اسٹر تعالی اس جاد کا تم کو بہت بڑا تو اب میں گا۔

م م معمد الحرم مع مسينة مي حرف أنني بات م كرمعنوت الم طبين رفي الله محرم کی رسیس عندا ورشهداء کربلارضی استدعنهم کے مقدس روصوں کی تعدور ما نقشة بناكر ركعنا اوران كود بيمتار يرنوجا ترب كبونكم برابك عيرجا ندار جزكي تصويريا تقتهب دلبزاجي طرح كعير، بين المقدس، فعلين تقريقين ونيره كانصوبي اوران کے تقفے بناکر کھنے کوئٹرلعبت نے جائز تطہرایا ہے۔ اسی طرح شہداو کرطا کے رومنوں کی تصوری اور نقشے بھی نفینا جائز ہی رہی سکے بلین اس مے ساتھ ساتھ محرم کے مبینے میں جو مبست سی معنیں اور توا فانی رسمب حل بڑی ہیں۔وہ یفنیاً ناجا مُز اودكناه كے كام بي منطلا برسال سينكر وں بزاروں رو بے كے ترب سے رومنركريل كانقننه باكراس كوماني مي وبود بنايا زمن مي دفن كرد بنا ما جنگلون مي ميديك دينا برنفينًا ناجا مُز وحوام سيد كبيزكريدا بينه مال كويربا وكمناسيد اود برمسلان حاتما سے کرمال کومنا فع اور برباد کرنا حوام و ناجا ترسید-اسی طرح کی ووسری بهست سی تحرافات ولغوبات منلا وصول ناستر بجانا، نعربون كومانم كرن بوئ كلي كل عبرا سینے کو فاتفوں بازنجیوں یا چیرلوں سے بریٹ بریٹ کرا ورمارمارکرا چیلنے کو کہ کتے

موسے انم کرنار تعزلوں سے نیچے اسپنے بچوں کو لٹانا، تعزلوں کی تعظیم سے بلے تعزبوں کے مسلسفے سجدہ کرنا، تعزبوں سکے نیچے کی دھوں اعظاء طاکر بطور ترک جمروں ، مسروں اور سینیوں پر ملنا، ایپنے بچوں کو محرم کا نظیر بناکر محرم کی نیاد سکے بلے جمیک مسلوا نا۔ بچوں کو کو مرا کا اور قاصد بناکر اور ایک خاص قیم کا لباس بہنا کرا دھر مشکوا نا۔ بچوں کو کو مرا کا بیک اور قاصد بنا کر اور ایک خاص قیم کا لباس بہنا کرا دھر بہن کر منظوا نا۔ بچوں کو کو مرا کا بیک اور ایک خاص قیم کا لباس بہنا کرا دھر بہن کر منظوا نا۔ بچوں کو کو مرا کا بیک اور میان کھولے ہوئے یا گر بیان بچار کر کئی گئی تھا کے بیان کی موائد کے بھوٹے یا گر بیان کی موائد کے بھوٹے یا گر بیان بھوٹے یا گر بیان بھوٹے یا گر بیان کی اور دو موں کی بھوٹے یا کہ بیان کر اور میں بھوٹے اور کہنا ور دو موں کے بھوٹ میں ان حرام دیکھتے سکے لیے عود توں کو بچا نا ہم سسان بر لادیم سیے ۔ اسی طرح تعزبوں کا جلوس دیکھتے سکے لیے عود توں کا جو بیانا ہم مسلول کر نا ہم موں سے نکلنا اور مردوں سے جموں میں جانا اور تعزبوں کو جب کے اور کہنا ہوئی کہ جب کر سلال کر نا۔ برسب کا مجی تشر لویت میں منع اور کہنا ہوئیں ۔ کو بیانا ہم سی سے نکلنا اور مردوں سے جموں میں جانا اور تعزبوں کو جب کو بھی کے کہنے کو بیان ہم دور کو جب کے جب کا مورد کی کہنا ہوئی کو بھی تشر لویت میں منع اور کہنا ہوئیں۔ کا میک میک جب کو میں کو بھی کو بیان کر نا۔ برسب کا میک جب کا موردوں سے جموں میں جانا اور تعزبوں کو جب کو بھی تشر لویت میں منع اور کہنا ہوئی ۔

دفها وی عزیز به ورسالر تعزیر داری مصنفه اهلیمعزت وبها رشربعیت)

مرم من كيا كرنا جاسية ؟

محرم کی دموی تاریخ جس کا نام در دوزعا متنودا " سید در نیا کی تاریخ بی به برط ابی عظمت و فقیبلت والا دن سید به بی وه دن سید کراس می حفرت اوم علیانسلام کی توبر فرن بی سلامتی علیانسلام کی توبر فرن بی سلامتی علیانسلام کی توبر فرن بی سلامتی سکه سا خدد بودی بیما فر" بربینی ، اسی دن حفرت ابرا بیم علیالسلام بیدا موشت کدسا خدد بودی بیما فر" بربینی ، اسی دن حفرت ابرا بیم علیالسلام پیدا موشت اوداسی دن آب نے فرود کی انگ اوداسی دن آب نے فرود کی انگ سعد بخاست بی فرد کی انگ سعد بخاست بی وه دن سید کر حضرت سلیمان علیالسلام کوسلطنت می بیمی وه دن سید کر حضرت ابوب علیالسلام کی بلایش ختم مهویتی ، بیمی وه دن سید کر

معنرت ا دربس ومعنرت عبيلى طبيها السلام أسمانون مراً معالم على وه دن بع كرين المرائل كي يع دريا كيك كلا اور فرعون لشكر سميت دريا بي عرن موكيا ر اورحصرت موسى مليد لسلام كوفرعون سع نجات بلي اسى دن مصرت بوس عدالسلام محیلی کے ببیط سے زندہ سلامت باہر نتر بین لاستے ۔ اسی دن مفرت الم حبین رہ اوران مے دفقا دیے میدان کر طامی جام منہا دت توش فراکری کے (صاوى دعنية الطالبين) بمرح كوسر مين دفرايا _ بسبرا می مان می از این می از این می بادر نعت نماز لعل اس تشریب عاتشورا کی تقل تماتر از کیسے پڑھے کہ ہردکعت بی الحد کے بعد المبتر الكرسى ايك مارا ورسورة اخلاص دفل موالشعر المبن لمن مار مرسص اورتما زس فامرع موكرا كب سوم تنبر مل موالتدكي سورة يرسط كنا مول سے ياك بوگا واور بهمتنت مي ب انتها نعمتبي للي كي . (فضائل المشهوروالعميام) نوي اورد موب محم دونون دن دوزه ركمناج استي اوراكرنه عالتورا كاروره الموسكة توعا شوره بي ك دن روزه ركھ - اس روزه كا تواب بهت پڑا سے ۔ (مسلم شربی) عامتورہ کے دن دس جزوں کو علاد نے مستخب مکوا سے معین عالموں نے ان کوادشا دِنبوی کہا ہے ا وربعض فے مصرت علی دمنی الشرعند کا قول تبایا ہے بمرحال يرسب الصفي اعلى بي - لهذا ان كوكرنا جا سبخ ر (i) روزه دکھنا (۲) صدفرکرنا (۳) نمازنغل پرمستی (٧) ایک سرادم زنبر فل موادلتد راصنا (۵) علاء کی زمایت (۱) نتیم کے سرمرِ إلى عِيرِنا (٤) البنائ وعبال كدرن مي وسعست كرنا (٨) على کرنا (۹) سرمرلگانا (م_ا) ناخی تواسمشنار

ا در لِعن كنا بول يس لكما سب كران وس چيزول كے علاوہ نين جيزى اور مى

مستخب ہیں۔

۲۷) دشمنوں سے ملاپ کرنار

(۱) مربعینوں کی بمیا دیرسی ر (۳) حمعا ءعائشورا پیڑھنار

صفرت عبدالنزن ممعود رصی المرعند کہتے ہیں کدرسول الدّوصی المرعلہ کم اللہ معلیہ کا مسلم ملہ کا اللہ معلیہ کا سف م فرا باہد کہ ہوشخف عائشورا سے دن اپنے بال بچوں سے کھا نے بینے ہر نوب زبادہ فراخی اورکشادگی کر سے گا۔ بعبی زبادہ کھانا تبارکرا کرنوب بریط عرب کھلائے گا۔الٹ زنعالی سال مجز کساس سے دزن ہیں وسعت اور نیروبرکت عطا

فرائے گار (مانبست من الستنتر)

م عشره محرم بالحصوص دموي حرم عائشورا كيدن مجلس منعقد كرة عیالس محمم ا در می دوابنوں کے سابقہ شہرا برکر ملاً رمنی الشد عنہم کے نعنائی و وا فعات کردل کومیان کرنا جا کر ادرباعث تواپ سے ا درمدیث مراب بی ہے کریم مالس می صالحین کا ذکر مو دیاں رحمت نازل موتی ہے۔ میں يخ كمران وانعات عي مبروتحل اوتسليم ورصاا وربا بندى تغريبت كابيعثال عمل منونہ می ہے۔ اس میلے کر بلا کے واقعات کو باربان کرتے سے سلانوں کودین براستفامت ماص مرکی یواسل کا عطرا درایان کی دوج سے مگر الالاس كاخيال ربيدكدان مجلسون بمبصحا بركرام رمنى الشدعتهم كالجى وكرخيرم والمياسية الكرايات تنا ورشيعول كى مبسولى فرق وامتنياز الم دربها وشرايت ميلا دشرلب ورك مون شرلب كى عقلول كالجى يى سندسي كربيسب ما أزو درست اور مبت مي ما بركت مفلين عيى را دربفنينًا إعث تواب ا ورسخب من اسبليدان كونها ببت اخلاص وفحيت سيع كمرنا يبا بيبيث اودان محفلول اورعبسو بس نها بیت می محبنت وعفیدنت سکے مساتھ حاحری دیتا چاہیئیے۔ان محفلوں سے لوگوں کو روکن بر وہا بیوں کا طریقہ ہے۔ ہراکہ برگزان لوگوں کی یا ستہیں اس

عاس*تے کیونکہ ب*رلوگ گراہ میں۔ محرم کے دس دنوں تک مصوصًا عاشورا کے دن شریت بلاکر، کھا ٹا کھلاکم التبريني ريا كهيط يكاكر شهداء كرملاكي فاتحه ولانا اوران كي روحول كوثواب بہنیا نابرسب جائز اور تواب کے کام ہیں۔اوران سب چیزوں کا تواب بقیناً مثبراء كرملاكى ردحون كويهنجتا سبعا وراس فانخروا بصال نواب محقمسك مبرحنفي، شافني مالکی، حنیلی، اہل سنت کے جاروں اماموں کا اتفاق سے۔ (بدار مراح عقائد) يهط نمانون مي فرفد معتر له اوراس زماني مي فرق ويا بيراس مشارس طهنت کے ملاف بی اور قائحہ و ایصال تواب سے منع کرنے رہتے ہی ، تم مسلمانان ا بل ستنت کولازم سے کرمرگز مرگز مذان کی بانتی سنور بزان لوگوں سے میں بول ركمو، ورزتم توديمي كراه موجا وكر اور دوسرون كوسي كراه كروسك دسوب محم كودعا عاستوره يرصف سع عربي خيرو بركت اورز در كى منالع ولفت ما جل موق سے جو باری کتاب موسم رحمت " میں بوری اور عمل وعار عام ورانکھی مونی سے ۔ اس کہ ب کو مزور مرصور عامتورا کے دن کھپوا پیا نا قرص یا وا جب نہیں ہے ، لیکن اس کے توام ونا جائز ہونے کی بھی کو ٹی دلیں تشرع نہیں ہے بلکرایک روایت می سیے کہ نما ص عائتو داسکے ون کھیڑا بکا نا محرت نوح علالسلام کی مقت سے۔ بینانچیمتقو<mark>ل ہے کر جب طوفان سے بخات باکر حصرت نوح علیالسلا</mark>م ككتى بودى سار يرعمرى نو ماطويه كادن عنا-اب فكتى بي سے نبام انا يون كوما بيزنها لا توفول أبريم مر م مينون، تتر، مسوير، چاسم ما ول ، يا ز مات تسم کے نعتے موجود سمنے ۔ آپ نے ان ما توں انا چوں کو ایک ہی یا نڈی مين الكراكيايا رجيا تجرملاً مرتشهاب الدمي تليون سنفرابا كمصرمين جوكها ما علولا کے دن " طبیخ الحبوب" و کھیڑا) مے نام سے بایا با ما سے اس ک امسل وليل

بی حضرت نور ملیالسلام کا عمل سے (القلیویی) الثب برات بي ملوه بكانان توفر من وسنّت بهدية من برات کا حلوه احدام ونا جائز بلکرخ بات یه رب کرشب برات م یں دوسرسے نمام کھا نوں کی طرح صلوہ بیجا نامجی ایک مباح ا درجا کڑ کام ہے اوراگر اس نبك تتيى كالم سك سائق جوكم ايك سائق موكر ايك عده ا ودلند بدكما نا فغراء ومساكين ا دراسینے ایل وعبال کو کھلا کر تواب حاصل کرے نوبر تواب کا کام می سید -در حقیقت اس دات میں حلو سے کا دستورلوں تملی بط اکر سمیاوک دات مد فرونمرات اورا بعمال تواب وصورحی کی خاص دات سے - لہذا الشائی فبطرت كا نفا صلي كراس رات مي كوئ مزعوب اورلندند كما نا يكانا مائ يعن وكون کی نظر بخاری تقرلیف کی اس حدمیت بریش ی کر: كان رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ فِي اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ مِلْمُ طواء وَسَلَّمَ يُعِيدُ الْعَلُوا ءَ وَالْعَسْلَ (تبريني) ادر تبد كوليند فرمات مقر لهذاان على ، كرام في اس عدمت برعل كرت محرف اس دات عي طوه ميكايا كيرر تنه رفية عوام بي مي اس كا برجا الدرواج موكرا بيناني حصرت شاه عبدالعزيز صاحب فبلم محدّت دہوی علیالر حمر کے الفوظات میں سے کم متدوستان میں شب برا<mark>ت کوروٹی اور حلوہ پر فانتح د لاتے مادستورہے۔ اور سمر تند و بخا م</mark>ا مين منلما " يرجوا يك معطا كها تاسيع -الغرض ستب برات كإملوج مهوما عريركي سوبا لي، محرم كالحيود امويا مالبيره بمعن ایک رسم و رواج کے طرفقر برلوگ بکاتے کھاتے اور کھلاتے بی ۔ کوئی بھی بہ عقيده نهين ركمناكر يفرض باستنت بين راس بيراس كوناجا كر كهنا ورمست تهين يادرهمو كركسى حلال كوموام عظران الشرتعالى يرجبونى تتمت فكانا بعجوايك بذنرين گناه سعے ۔ فرآن مجیدیں سے: تُلُ اَدَا يَنْتُوْمُنَا اَنْزُلَ اللهُ لَكُوْمُ يَعِيْ كُمِرو ، عَبِلا بِنَا وُ تُووه بِواللّهِ فَيُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مَنْ اللهُ لَكُوْمُ اللهِ مَنْ اللهُ ا



ايمانيات



غلامی می نه کام آتی ہیں تدبیر ب نتمتیری جومودون نفیں بیدا نوکے جاتی ہی رنجیری

ما انا چا ہے کرمسائل تشریبت مارقم کے بی رہیکی قشم دہ مسائل ہی جن کا تعلیٰ ایمان وعقیرہ سے سے توجید، رسالت، نیامت وغیرہ کا بیا<mark>ن ،</mark> دوتیری قسم ده بير بي سجريد في ومالي عياد تول سي تعلق ركفني بي. جيسے نمازروزه اور ع وزكرة وغيره ميشرى سم وه ياتي بي جن كانعلن ايك دوسر عسك سائم بين دین اورمعا ملات سے سے میسے تو مروفروشت ، سکاح وطلاق ، حکومت وسات وفیرہ کی فتح فنم ان اوصاف کا بیان جوانسان کے اصلان وعادات اورنفسانی مِدْ بان سے تعلق رکھنے والے ہیں ۔ جیسے شجاعت ، سخا وت مامبر وشکروفر ممائل تتربعیت کی یہ چاہوں قسمیں انسان کی اصلاح و فلاح دادین کے پیائتائی فرورى بل درس والمخ رسد كرجب تك عقيد سي ميح الدورس أسي مول کے اس وقت مک کوئی عل مقبول نہیں ہوسکتا ۔اس بیے عزودی ہے کر بیط اسلام کے عفیدوں کواچی طرح جان کران پرابیان لابئی اور سیتے ول سے ان کو مان کرنبا سے افراد میں کریں رایوں سمجھو کرعقا مگر جرا بی اورا عال شاخیں بی ۔ اگر درخت ى چواكس مائے گى توشا تيں كمى مرى عرى نبيى ده سكيتى داس يع يسعيم عقائدِ اسلام كويا ن كرفي من راس كے بعدان مشاوالشرتعالی مازوروزہ اور ذكوة و حج وتعيره اعالِ اسلام كا ببان معى بم مكعيں سكے - اودان فوائعن كے علاوا دوسرے اسلامی مسائن کو بھی ہم بیان کریں گے۔ اللہ تعالیٰ ہمسلان محتقید

درسنت فرائے اور عمل کی توفیق ہے۔ (آبین)

26 1 3 mg

مَّ مَا مُعْمَدُهُ مَا ثَنَّهُ لَهُ أَنْ لَا اللهَ وَحَدَدُ لَا اللهُ وَحَدَدُ لَا لَهُ لَكُ لَكُ لَكُ لَكُ لَكُ وَ وَمُ كَالْمُ مُعْمِودُ فِي مِنْ اللهُ وَعَلَيْ اللهُ وَعَدَا اللهُ وَعَدَا اللهُ وَعَلَيْ اللهُ وَعَلَيْ اللهُ وَعَلَيْ مُعْمِودُ فِي مَعْمِودُ فِي مِنْ مِنْ مُعْمِودُ فِي مُعْمِودُ فِي مَعْمِودُ فِي مَنْ مُعْمِودُ فِي مُعِمِودُ فِي مُعْمِودُ فِي مُعْمُودُ مِنْ مُعْمُودُ مِنْ مُعْمُودُ مُعْمِودُ فِي مُعِي مُعْمِودُ مِنْ مُعْمُودُ مِنْ مُعْمِودُ مِنْ مُعْمُودُ مِنْ مُعْمُودُ مِنْ مُعْمُودُ مِنْ مُعْمُودُ مُعْمُودُ مِنْ مُعْمُودُ مُعْمُودُ مُعْمُودُ مِنْ فِي مُعْمُودُ مِنْ فِي مُعْمُودُ مُنْ فِي مُعْمُودُ مِنْ مُعْمُودُ مُعْمُودُ مُعْمُودُ مُعْمُودُ مُعُود

وَاشْ هُدُانٌ مُحَدِّمَدُ اعْبُدُ ا وَرُسُولُهُ . بِدِ، اس كاكوئى شريك فهي الدمي كوابى وبيّا بول محدد ملى الشرطبيروع الس كے

خاص بندسے ا در رمول ہیں -

سر مرفق الله الله والحكمة الله والدوالة والدوالة الله والدوالة الله والله وال

مواكو في معبور في اودالشدسب سے جُزا ہے۔ اُدرگناہ سے اِزرہے اور کُبا اُن وَت

الشدىمى مس مع جوطبتد فرنفروالا عظمت والاسب -

ملا ملا ملا ملا من الدولة الله وحدة لا شرق الك له المسلك و حداد لا شرق الك له المسلك و حداد المسلك و حداد المركم المركم

میں شہیئ فیسے دیسی اوروہ ہرچرسینز بد قادرہے۔

مريخم كلم استعفال المستغفرة الله به و مرايد كارتبع بركناه سعوي المريخ كلم المستعفال المراشخ شنق ما نكما بون جوميراً يرود كارتبع بركناه سعوي عَدَهُ الْوُخَطَارُ سِسَّا اَوْعَلاَ نِيكَةٌ وَ اَتُحُوبُ إِلَيْهِ عِ مِنَ نے کیا خواہ جان کریا ہے جانے ، چھی کر، طواہ کھلے کھلا اور می اس کی طرف تورکر نا ہوں الذَّنْبُ الَّذِي ٱعْلَمُ وَمِنَ الذَّنْبُ الَّذِي لَرَّ ٱعْلَمُ إِنَّكَ ٱثْنَا اس كناه سے يصيب جا تما بول اوراس كناه سے عي جومن بي جانما ، يقينا تو عَلَّا مُ الْغُيُوبِ وَسَتَّا دُالْعُيْدُوبِ وَعَسَفًّا وُالدُّ نُوبِ، ہی ہزعبب کونوب جاننے والاسے اور توہی عیبوں کو بھیا نے والا اورگٹا ہوں کو وَلَا حَقُلَ وَلَا قُوَّةً إِلَّا بِاللَّهِ الْعَيْلِيِّ الْعَظِيْمِ طِ-. تخفف والاسعا ودكناه سع با زيسيف ا وزيكي كي قوتت الشرمي سع بيع يوطبي مزنم والا مَنْ مِنْ إِلَيْ إِلَا لَهُ مُعَلِينًا مُعُودَةً بِكَ مِنْ إِنَّ ٱللَّهِ مَلِ اللَّهِ مِنْ إِنَّ ٱللَّهِ لَكَ مِنْ إِنَّ ٱللَّهِ لَكَ مِنْ إِنَّ ٱللَّهِ مَلْ اللَّهِ مَا اللَّهُ مُعَلِّدَةً مِنْ إِنَّ ٱللَّهُ مُعَلِّدَةً مِنْ إِنَّ ٱللَّهُ مُعَلِّدًا مِنْ إِنَّ ٱللَّهُ مُعَلِّدًا مِنْ اللَّهُ مُعَلِّدُ مِنْ إِنَّ اللَّهُ مُعَلِّدُ مِنْ اللَّهُ مُعَلِّدًا مِنْ اللَّهُ مُعَلِّدًا مِنْ اللَّهُ مُعَلِّدًا مِنْ اللَّهُ مُعَلِّدًا مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مُعَلِّدًا مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مُعَلِّدُ مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مُعَلِّدُ مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مُعَلِّدُ مُعْلِدًا مُعْلِدًا مِنْ مُعْلِدًا مُعْلِدًا مُعْلِدًا مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مِنْ مُعْلِدًا مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مِنْ اللَّهُ مُعْلِدًا مُعْلِدًا مُعْلِدًا مُعْلِدُ مُعْلِدًا مُعْلَمُ مُعْلِدًا مُعْلِدًا مِنْ مُعْلِدًا مُعْلَمُ مُعْلِدُ مُعْلِدًا مُعْلَمُ مُعْلِدًا مُعْلَمُ مُعْلِدُ مُنْ اللَّهُ مُعْلِمُ مُعْلِدًا مُعْلَمُ مُعْلِمُ مِنْ اللَّهُ مُعْلَمُ مُعْلِمٌ مِنْ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعُلِّمُ مُعْلِمُ مِنْ اللَّهُ مُعْلِمُ مُعْلِمٌ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعِلَّمُ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مِنْ مُعْلِمُ مُعْلِمُ مُعِلِّمُ مُعْلِمُ مُعْلِمٌ مُعْلِمُ مُعِلِّمُ مُعْلِمُ مِعِمُ مُعْلِمُ مُعِلِمُ مُعِلَمُ مُعْلِمُ مُعِلِمُ مُعِلَمُ مُعْل معمر و المراث من نرى يناه وانكما بول اس مات مسكري تريم الق شَيْنُا وَ أَنَا اَعْلَرُ سِهِ وَاسْتَغْفِينُ كَ لِسَمَا لَا اَعْسَلُمُ سِبِهِ ركى كوىترىكب كرون اور ده ميرس علم مي ميوا ورهي فيحد سن خنشش ما نگرنامون اس گناه مسے تُنْتُ عَنْهُ وَمِعَةً كُالْت مِنَ الْكُفْرِ وَالشِّرُكِ وَالْكَذِبِ وَالْفَيْدِةِ جى كا تجھ علم نہيں ايس سے اور بى اور يى بيزار ہواكفرسے اور بترك سے وَالْبِدْعَةِ وَالنَّيْسُمَةِ وَالْفَوَاحِشِ وَالْبُهُتَانِ وَالْسَعَامِينَ الد تحبوط ا وربيبت سے ا وربری نوا بجابات سے اور مغیل سے اور بحیا کی سے کا موں كَلِمَادَ اسْلَمْتُ وَاقْولُ لَا إِلْمَالِلَا اللهُ مَتَمَدُّ زَسْولُ اللهِ

سے اورکی پرمیتان با ندھنے سے اور مرخم کا نافرانی سے اور بین اسلام کا با اور بی کہنا

رصل الشرطيدوسم ،

ہوں ہوا ہے الشرك كوئى معبور تهيں ، محرص الشرطيب وسلم الشرك برگز بدہ رسول بي ۔

المنت باشو حتا هو بارس المرائي الشرب بين المرس اور اپني صفنوں كم ماف بي بي المحمل معنوں كم ماف بي بي المحمل من المرب بين المرس اور اپني صفنوں كم ماف بي بي المحمل من المرب بين المرس كا فرار بين اور السي لي بي المحمل من المرب بين المرس كا فرار بين اور السي لي بي المحمل المرب بي المحمل من المرب بي المحمل من الله و مسلم المرب بي الله بي بي الله و مسلم المرب بي المحمل المحمل

دی سے۔ اور مرنے کے بعد دویا رہ زنرہ مجونا ہے۔ تنعیبہ سان بانخوں کلموں اور ابنان محبل و ابنان مفصل کو زبانی با دکر لو۔ اور منوں کو عوب مجھ کر سنے دل سے بفتین کے مسائف ان برائمان لا دُر کیونکر ہی وہ محلے بیں جن براسلام کی بنیا دسیعے۔ حیث مک ان کلموں پرائمان مزلا شے کوئی مسلمان

نهیں موسکتا۔

یرسلانوں کی کم تعییبی سے کر ہزاروں لا گھوٹی سلان ان کھموں سے اوا فق یا فافل بی رحالانکہ سرمسلان ماں باپ برلازم سے کروہ اویتے بچوں اور بجبوں کو براسلامی کلے دباتی باد کرا دیں ۔ اور ان کھموں کے معتی بیخوں کو تناکر دس نظین کرا دیں۔ تاکہ برا سلامی عقبہ سے کی بی سے دلوں بی جم جائی اور زندگی کی اس خری سائس مک مرمسلان مرد وعورت ان عقبدوں بر بہاڑ کی طرح مصنبوطی کے ساخة قائم رسید اور دنبائی کوئی طاقت ان کواسلیم سے برگشتہ نہ کرسکے۔
اور جن بالغ مردوں اور عور توں کو یہ سلے نہ یا دہموں ان پر بھی لازم سے کہ وہ جلد سے طبال کھموں کو یا دکرلیں ، اوران مے معنوں کو سیجے ول سے ان کوجان ہجان کراوروان کرائی پرائیان رکھیں اور ہروقت ان عقیدوں کا دھیان کوجان ہجان کراوروان کرائی پرائیان رکھیں اور ہروقت ان عقیدوں کا دھیان رکھیں۔ کبونکہ میں عقید سے اسلام کی پودی عمارت کی بنیا دہیں ۔ جس طرح کی عمارت کی بنیا دہل جا سے کر ور مجوجائے تو وہ عمارت فائم نہیں رہ سکتی۔ مقیل اسی طرح اگر اسلام سے ان عنب دوں بی کوئی نشک و مشبہ بیدا ہوجائے تو اسلام کی عمارت بالکل می جس نہیں اور جربا دم وجائے گی ر

الترتعالي

مر تمام عالم زمين واسمان ونجيره سا داجهان پيهے بالكل تا پيديخا -ارعيده کوئي چربي نهبس منی - پيران تفالی نے اپنی قدرت سے سب كوپيداكيا . توريسب كچه موجود ميوا ر

ا من عقیدہ ایس نے تمام مالم اوردوسرسے جہان کو پیدا کیا اُسی پاک وات اللہ علیہ اسلامی اسلامیہ اسلامیہ اسلامیہ م

الشرتعالیٰ ابک سے کون اس کا نفر کیے ہمیں وہ ہمیں ہے ہے ۔ کون اس کا نفر کیے ہمیں وہ ہمیں ہمیں سے سے اور ہمیں ہمارا اور ہمیں ہمیں ہمارا اور ہمیں ہمیں اور ہمیں ہمیں اور اللہ مالم اس کا مختاج ہے۔ کوئی چیز اس کے مثل ہمیں ۔ وہ سب سے مکمنا اور زالا ہے۔ اور وہی سب کا خالق اور والک سبے ۔

 وه کلام فرانا سے لیکن اس کا کلام ہم لوگوں کے کلام کی طرح کا نہیں مرح فیارہ میں اس کا کلام سے اور سرع بب اور نقصان سے یاک سے۔ برکمال اس کی ذات بین موجود ہے۔

ده اینی پیدائی موتی مرجز بربرامهر یان سید و می سب کو یا نشاست وه عیاری میاری ہے۔ جس کوچا ہے لیب کرے ماحس کو جاسے مبند کروے اس کا ما سے دوزی کم کروسے سر كويا سي زياده كرف روه انصاف، والاسيكى يرهم نسي كرتار وه برك تختل ا ور بردا تشت وا لاسے۔ وہ کنا ہوں کا بخشفہ والا اور معرول کی دعاؤں کو قبول نوا نے والا بعد- دوسب يرحاكم بعد ،اس بركونى عكم علا ف والانهي ، مراس كواس كاداده معكون روكت والاسعة ووسب كام بنات والاسهد - دنياس بوكي م وناسے اُس کے علم صعیم وتا ہے بغیراس کے علم سے کو ٹی ذرہ می نہیں مکتا ۔اس کے علم اوراس کے کئی عام بی کی کوروک ٹوک کی مجا انہیں ۔ وہ تمام عالم ا درسایے جہان کی حف طنت اوراس کا انتظام قرانا ہے، مر وہ سورا اسے ، مر ا دنگفتا ہے شکعی ما قل موتا ہے۔ ﴿ وَرَان مجبيد وَسِّر ح عقا مُدوغيره) التذفعال يركونى جزوا جب اورلازم نهيس بعد وه جو كيدكرتا سع المحقيدة التخفيدة المراس كالمربان سعد والشرع عقائد وعيره)

بتدول كى بداعماليان اوركت بحورس الماص معنا سيحا ورسدون كى مكيون اورعبادتون سے نوش ہونا ہے ۔ اِسی یعے آس نے گنا ہمگاروں کے یعے دوز خ کا حداب اور نیکوکادول کے بیے جنت کا تواب بنا باہے۔ (قرآن محدد کننب عقائر) التدنعال جهت اودمكان وزان اورمكت ومكون اورمكل وصوروعرد ارع في الرق الله الم معات وكيفيات سي ماكسب - (مترح عفا مُدوغيره) ونبائ دندگی مرک ان محمول سے اندتعالی کا دیدار مرف بمار سے تی العصيارة استرت جوش الشرعلية ومع كوحاص مواريان ول كي نكاه مع يا تواب مين الشرنعالي كا ديدار دوسرسا بيل وطليم السلام ملكربهت سعاوليا وكرام كومي نعيب جوار اودا تون میں مرسی مسلان کو اسٹرنعانی اینا دیداد کروائے گا مگرما ورکھو کہ اسٹرنق كا ديدار الماكيف سبع . يعنى وتحفيل كم كرير تهين كرسكة كركيس وا وركس طور مر دیھیں گے ، ان شاءاللہ تعالیٰ جب دیھیں گے۔اس وقت نیا دیں گے ۔ اس ہی . محت كرنا جا كز نهيس - بدا بمان د كھوكر فيامت بي عزوداس كا ديدار بوگا، بواخر كانعمتون بي سب سے روي نعمت ہے۔ (متر ح عقا مدوغرہ) الشُّدَنَّة اللَّهُ مَعْلِم مِهِ الشَّدِنَة اللَّهُ عَبِهِ مِهِ المُعْمَلِّينَ مِنْ رِنُواه مِم كُومُعُلُوم مِون ما م ١٢- عَقِيلُهِ المُعْلِم مِون، الشُّدَنِّة اللَّهِ مِنْ كُومُ السَّحِينَا بالسِّ بِإِخْرَاضِ كُرْنَا ، با ناداص بونا يركفرى باست بعد مردار، جردار كمبى بركر بركد الشدفعالى كے كمى كاير مراعزاض كرورنه مالاص رميو - يبى ايمان ركھو كران دينان جو كي كرنا - يے وي ايعا يے نواه ممارى مور مب أئے با مرائے وكيونكرالله تعالى عليم ومكيم ديني بهت زيادہ سانط والا اورمهت زياده حكمتول والاستدرا وروه است بندول يربهبت زباده مهربان ہے۔ (قرآن مجید)

تى درسول

ان پینم روں کو نبی کہتے ہیں۔ اوران بھیوں میں سے جو تعدا و ندتعالی کی طرت سے کوئی نئی اس میں اور نبی میں اس میں اور نبی میں اس اور نبی میں اس اور مقلم ندم ہوئے میں اور سے زیادہ مقلم ندم ہوئے ہیں اور سے عدید ہیں ۔ ہیں اور سے عدید ہیں ۔ ہیں اور سے عدید ہیں ۔

ا علی اورسب سے بہلے پینی برحصرت اکرم علیالسدم ہیں اورسب سے اُن تمام بی اور سے اُن تمام بی ورسول ہیں اور اسلامی اور اسلامی اور اسلامی اور اسلامی اور اور اُن بی اور قرآن مجد ان در دون کے درمیان موسے دور میں ہیں ۔ اور مدینے درمیان موسے درمیان موسے دورمیریں ۔

مفترث نوح عليل لسلام محفرت المنعيل فليالسلام ففرت اراسم علية لمسلم محترت اسخى عبيالسلام معزت بعفوب طيالسلام معترشت لومعت عليالسلام حضرت داؤ دعليالسلام مفرت سليان مليالسنام حفزت إلوب عليالسلام محضرت موسى عليالسلام معترت بارون طيهالسوام معزت ذكرما عليالملام حفرت يحيى عليالسلام حضرت ميلي عليالسلام معزت الباس عليالمسلام تحفرت النسح على لسلام معزت لوط على لسلام محرت يونس طرا لسلام معزت مالح عليالسلام معترت ادرس عليالسلام محفرت محود عليه لسلام محفرت تشعيب عليه لسلام تصرت عدرمول الترصي الشرعليدوسلم (قرأن ومدمين) ا عقیده بیبون پراکشدنغالی نے بوصیفے ا مداسانی کتابی کا ادیر اس می سے استان میں سے اسلام میر دائے توریت " معزت موسل علی اسلام بر ۔ (٢) زلور" مصرت واور عليالسلام ير (٣) ما تيل" صرت عليال عليالمسلام ير (م) " قرآن مجيد" بوسيسے افعن كتاب سے - وه سب سے افعنل مول معزت محر رمول الترصل الشرطيه وسلم يرر وقرأن مجيدا م رحق می این این میں کی کوئی نقدا دمعین کرنی جا تر تہیں ہے کیونگراس میں میں تعداد پر است میں تعداد پر ا بیان لا نے بس براحمال سے کرکی ٹی کی توت کا نکار محوماتے ماغیر نبی کونی مان ليا جائے - اوربيد دو نوں يا تبي كفرين - اس يلے برا غنقا در كھنا جا سينے كم الشرتعالي کے ہرنی برہمادا اہمان ہے۔ عقیدہ مسلان کے بلے جس طرح الٹرتعالیٰ کی دات وصفات ہرا بہان لانا مروری سے ۔ اسی طرح ہر نبی کی نبوت بر بھی ایمان لانا عزوری ہے۔ (فرآن مجید) ٤ عقیداه مربنی ا ورم فرشت كا معموم بودا حزورى سے ربنی اور فرشتر كے

سواكوئي معصوم نهين اماموں كونبيوں كي طرح معصوم يجعنا بدويني وكمرا بي ہے نيول ادرفرستول كم معسوم بره نے كا برمطلب بيركم الشرتعالی فيان حفرات كوكناتو سے محقوظ مسكنے كا وعدہ فرما ياسى - اس مبيسے إن مصرات كاكناه بن بندا موال والرما بحال سیصبرخلاف المموں اورا ولیاء کے انشرتعالی انہیں گتا ہوں سے بیا تا ہے ۔لیکن اگ کھی ان صزات سے گناہ صادر موجائے تو بہتر گامحال بھیں ۔ (مشرح عفا گدونی ہ عصورہ الشرتعالی نے بہنی ہوں پر شریعت کے جننے احکام تبلیغ کے پیسے مازل فرائے کے معمودہ ان مبنی روں نے اُن تمام حکموں کو تعدا کے بندوں تک بہتیا دیا ہے جو تشخص ببر كمي كركسى تبى نے كى حكم كوتفنير معني توف كى دجرسے بالمي اوروچ سے چيا لیا اور ضدا کے میندون مک نہیں بہنجایا وہ کا فرسے۔ (شرح ففہ اکروغیرہ) عقدة والمحترات انبيا دعليه السلام مصحبمون كايرص وجدام وغيره البيطمامي اسے بن سے نفرت ہوتی ہے پاک ہونا طروری ہے۔ التُّرِتُعَا لَىٰ نِهَ اپنے بِیرِوں مَا مَن کر عفنودِ مَا ثَمَ النبیین صلی التُّرعلیہ وسلم التُّرعلیہ وسلم التُّرعلیہ وسلم المُّرتب ہوں کی کرزمین و المُحتاج من المُرتب کی اِتّوں کا علم عطا قرماً یا ہے۔ بہاں تک کرزمین و اسان کا ہر ذرہ ہرنی کی نظروں کے سا مضیع ۔ گرمعنوات انبیار ملیم اسلام كا يرم عيب الشرتعاني كعطافها نے سے بدان كاعلم عطاني مواراور الشرتعالى كے ملم كاعطائي بورا محال سے كيونكرا لشدتعالى كاكوئى كمال كسى كاديا بوا نہیں ہوسکتا ۔ ملکرانٹرنعا کی کاعلم اوراس کا ہرکمال ذا قبہے الشرقعالی اوربعیوں کے عم عبد مي ايك بهت برا قرق نوبي مهد كربيون كاملم عيب عطا في دوالمدي وما بوا، ہے۔اورانشدتعانی کاعلم غیب واتی ہے۔ بعن کسی کا دیا ہوانہ میں سے۔ کہاں عطائی اوركهاِن دانى، دونون من برا فرن سيد بسونوگ انبيا د ملكة عضرت متبدالانبيا وضي الله طیبروسلم سے مطلق ملم غیب کا اِ نکا دکرتے ہیں ۔ وہ فرآن مجیدکی بعض *اینوں کو مکتے* ہیں۔ اور لعف آ بتیوں سے ساتھ كفركرتے ہيں۔ فرائن محيد بب دو نون قسم كا ايتي

ہیں۔ بیس آ بتوں میں برسے کر خوا کے ببیوں کو علم غیب حاصل ہے اور بعض آ میں بن يرسيد كرا للدنعالي كيمواكس كوهي علم غيب نهيس سيد و بلانشبر ير دونون البنيس في بي را وران دونون ميون برايمان لانا بمسلان كه يصفروري س اوران دونوں آ بتوں میں سے کسی کا بھی اس کا رکنا کفرسے ۔ جہاں جہال فرآن می س ب كربيبول كوعلم عيب ما ص بداس كايبي مطلب بدكر بيبول كوخدا كعطا فرائے سے عبیب کاعلم حاصل سے اور جہاں جہاں قرآن بی بیر سے کر انٹرنغالی کے مواكبي كوي علم غبب نهين سے . اس كامطلب ير سے كر بغرال دنا في كے بنا موئے کی کو بھی کسی جیز کاعلم غیب ما صل نہیں ہے۔ برگز مرکز ال دو اول قسم ک أتيون مي كوفي تعارض اور كراؤ منس سے . حضرت انبيا وكرام تمام مخون ببان تك كو فس العقيرة إلى ول كنة بى برعم تبروالا بوعر بركة بركركس نى كرار نسیں ہوسکتا۔ بوکسی غیرنبی کو بنی سے انفنل یا برابر تناشے وہ کا فرسے ۔ (ما شرکت عقائد) حفزات انباد ملیم اسلام محمنف درج بین را تعدال فرایک اار محقیده اسلام محمنف درج بین را تعدال فرایک اار محقود ال ستيدا الرسلين صى الشوعليدويم بي عير صنور كي بعد المراسي سع الوام زير صفرت ابرايم خلبل الشرعليالسلام كاسع بيرحفرت موسى عليالسلام، بيرحضرت عليلى عليالسلام اور حضرت نوع على السلام كاورجرسيد ان يا نجون صرّات كورسلين اولوالعزم كمنة بي . الديد يا نجول باتى تمام ابنيا دوم لبق سعه فضل بي- د قرآن مجيدونقاسير) م ار عقید مرد انبیار علیم السلام این این ترون بی تما الوازم حیات کے ساتھ ایک آن کواک است کے ایک آن کواک است کے ایک آن کواک پرموت طاری موئی میربرتورمانی النّدنوالی فیان کوزندگی عطافره وی رضوا کے بببول كي عات هميدول كي حيات سے كميں بڑھ ويڑھ كرار فع واعلى سے رہى وجرب

كم تنهدون كانزك تغنيم كروبا جا تاسيد الدان كى بيوبا ب عدّت كے بعدد ومروں سے ن کاخ گرسکنی بی رنگرا بمیا علیهم السلام کا مذ نرکزنعتیم موزا سیصردان کی بیومان عدست ك بعدد وسرول سے نكاح كرستنى يى - (حياة الموت واقا دات رضوبروعيره) زمارة میں ما اس کے بعد نبا م*ت تک کوئی نباینی نہیں ہوسکنا رپویٹیفٹ صفو<mark>ر</mark> کے زمارز* عی صنور کے بعد کسی کونیون ملنے کو مانے با کہی نئے نبی کے آنے کومکن مانے وہ شخص (فراك تشريف وشفاء مشريف وعبره) بهار ورول مى الترطبه والمكوا متدنعا لى في جاكة ببرهم كرسانه المار حقيده المركز مرسي بيت المقدس مك اوروبان مسيما لون أسمانون كا وبر اوروبال سيجهان مك الشرنعالي كوشطور موارات كي إبك مختضر عصة من منا اور أب في من وكرسي الدلوح وفلم الدر تعداكى برى بلرى فت نبول كوديكما را وزيرا كدومار مين آي كوده فربه خاص ماص مهوا كركى بني اورفرشنة كون كمبى حاص بهوا مركمي عاصل ہوگا حضنور کے اس اسما ن سفر کو دمعراج " کہتے ہی معراج میں آپ نے اپنے سر كأ تكسون مسيحال المي كا ديداركبا ور بغيركي واسطر كالتدنعا في كاكلام سنااور تمام ملكوت السلوات والارص ك وتله فدة كوتففيين كيساقة ملاحظه فرمايا دنعنسات احديه وغيره كنتب عفائك

ما است کے دن شفاعت اللہ وسلم کواکٹرنعالی نے قبامت کے دن شفاعت اللہ وسلم کواکٹرنعالی نے قبامت کے دن شفاعت اللہ و اللہ و اللہ و کا شرف عطا فرایا ہے۔ جب کک ہما است صفور می است معلی ملی کہ ملہ است ما دروا زہ نہیں کھولیں گے کئی کوجی مجا ل شعاعت مرسوگ ہیں منا انہا نہ و مرسلین حصنور ہی کے دریا رہی اپنی اپنی شغاعت میں کریں گے انسار کے دریا رہی این اپنی شغاعت میں راہ کی شفاعت کے دریا رہی و رہا رہی وریا رہی کے دریا دستار میں ایک کے دریا رہی ایک است میں راہ کی شفاعت کے

فعدتمام البياء واولياء وصلحار ونشهراء وخيروسب تشفاعت كرس كير (ا حادبت مجيم)

حقنود طلبلصلاة والسلام كى محبّت ملارا بمان بلكرمين ابمان يعيجب

زماده ترموكو أن تعنس كالماسلان ببي موسكات وفران مجيدوا ماويت محيم

المفتحدا فامن صلى الشمطيروهم كي تعظيم وتوقير سرمسلمان مرفرض اعظم بلكم عارع فيد اجاب ايمان ب يعتور طبر العسلاة والتيلم عمة تمام صحابروالي بيت الد تمام متعلقين وتوسلين مصفح بتدركه وادان سب كانعظيم وتحريم كرسا ورحصور كے تمام وسمنوں سے مواوت ورشمنی ركھ اگر جدوہ اینایا ب، بیٹا بارشنز دارى كول مربع واس ليد كربرمكن بي بهي سيد كرامول سيد عي محتن بوا وران ك وفمنول سي

بعى الفت مور (شفاء تشرلف وغيره)

معنورا قدس می الله والم الله وسلم الله وتعالی کے نائب مطلق بی بعضور کا فران الله ١٨ كافران سيدا ورمعنوني اطاعت الشرتعالي كاطاعت اورحمنونيك نا فرمانی الله تعالی کی نا قرمانی ہے۔ تمام جمان کوا تشر تعالی نے مصور کے زیر تعرف كردياب واورأسان وزين كم تنام خزانوں كى كبنياں صفر كے مقدش م مفول مي مسه كراك كواي ته من معمول إورعطا ول كاناسم بنا ديا بيع - بيما تيم مرقسم کی عطایمی معنور اس کے دریار سے تعقیم ہوتی ہیں۔ مسمان اللاسد دزق ہے اس کا کھولاتے یہ ہی رب سيمتعظى يربي قاسم

معنور من الشرطبه وسلم محكى قول وفعل وعمل و حالت كو جوخفار 19 عقيده كن تطريع ديجه يا آپ كاشان مي كوئى أدني سى گستاتى يا نوبين وبدا دبل كرسے ياكب كو مجللا في الب ك كلام ين تسك كرسے ياكبي سي

کوٹ عبیب سکامنے باآپ کی کہی ستت کو مراسمھے یا مذاق الرائے مدہ اسلام

(طالمگیری وتشفا دفتربینی وعیره)

سے فاری اور کا فرہے۔

صحابي

پمایسے حتودنی اکرم حلی انٹرولیہ وسلم کوجن توش تصیدید مسلما نول ستے ایما ن کی مالت بي ديكا ا ورا بان مي يران كا فعاتم موارا ن بزرگون كوسما في كين بي - ان عفرا کادرمرساری است بسی سے نیادہ بلندسے اورالٹرنعالی سنے ان متع نبوت کے پروانوں کویٹری بڑی بزرگ ں عطا قربا ٹی ہیں۔ یہاں تک کربڑے سے بڑے درجرے ا ولیا رہی کس کم سے کم درجے سے صحابی کے مرتبون کی تبیق سے ان صحابی درجا ومراتب کے لی ظرمے سب سے بڑھ کر مارصی ہی رحصرت ابو کر صدیق رحق اللہ منه، يررسول الشرصى الشرعليه وسلم مح بعدات عرج السنين موست اور دين اسلم ی براوں کومفنبوط کیا ۔اسی بیے برخلیفرا ول کہلاتے ہیں ۔نبیوں کے بعدمام امتوں میں برسب سے اقصل واعل ہی ۔ ان کے بعد معترت عرومی الشرعنه کا درج سے يرم لمه دسول كے دومرے خليفه جن وال ك بعد مصرت عمان رفن السُّرعنه كا کا درم سے ریرمارے صنور ملی اللہ علیہ وسلم سے ملیرے حلیقہ جی را ن مے ابعد حفرت على رمن السُّرعنه كام ننه سهديه بما رسيني اكرم على السُّرعليه وسلم ك

عنورا قدس می الترطیه دیلم کی نسبت اور فعلق کی وجرسے تمام محابہ عندر اور فعلق کی وجرسے تمام محابہ عندرت کا کرام کا اوب واحرام اوران بزرگوں کے سانچہ محبت دج غبرت کا مسلمانوں پر فرمن سبے ۔ اسی طرح معنورا فدس می الشرعبر دسلم کی اک واولادا ور سومان اور آب سے نسبت وقعلق اور آب سے نسبت وقعلق موان میں ۔ اور آب سے نسبت وقعلق موں میں ۔ موسب لائن تعظیم اور واجب الاسترام ہیں ۔

وشتول كابيان

حداکی نوحیداوراس کے رسولوں پراہیان لانے کے ساتھ ساتھ وشنوں کے وجو دیر بھی ابہان لانا حرور بائت دین سے ہے۔ فرشتوں کے وجود کا انگا كرناكفرسه وزرآن مجيدا م یحقیده استُرتبالی نے اپنی کچے خلوقات کونورسے بیداکر کے ان کو ہماری نظروں سے معلی ہے ان کو ہماری نظروں سے معل مجیبا دیا ہے۔ اوران کو برطانت دی ہے کہ وہ جس مسکل ہی جا ہی اس شکل بس طام مع جائي. وه كمبى انسان ك تشكل اختبا ركر لين بي اوركم و دومرى شكلوري بھی ظام رہو نے ہیں۔ (احادیث مجمر) فرشتے اللہ اللہ کے معصوم بندے ہیں ۔ وہ دہی کام کرتے ہیں ہو خدا عبدہ کا حکم مونا سے ۔ وہ خدا کے حکم کے خلاف کمی کیے نہیں کرتے ۔ وہ ترم مے چھوٹے بڑے گنا ہوں سے یاک یں۔ (قرآن مجید) الثُّرتعاليٰ نے ان فرشتوں کو مختلف کاموں بیں لگادیا ہے اور بی بن کو ی تعداوا نشرنعالی بی جا نمایے حس نے ان کو بیدا فرابلہے ۔ اورا نشرتعالیٰ کے تمانے سے دمول بی جانتے ہی ۔ان بی چادفر شنے بہت مشہور ہی ۔ بوسفے مثنوں سے افعنل واعلیٰ ہی محفرت جرس طبرالسلام ، حفرت میکا ٹیل علیالسلام محفر اسرافيل علىالسلام ، مصرت عزدائيل علىالسلام -(فرآن مجيدوكتب عفائد وغيره) درن بیدوسب عفائد وغیرہ) کی فرسشندگ تشان ہیں اُدنیاسی گستنانی کرنے سے آدی کا فرہوما مرحقیدہ اسد

بحن كايبيان

ا شدتعا فی نے پی مخلوق کو آگ سے پیدا فراکدان کو بیطا نت دی ہے کہ وہ ہوئی اسکا جا ہیں بن جائی اس مخلوق کو آگ سے پیدا فراکدان کو بیر بھی ہم کو دکھائی تھیں و بینے ۔ برانسانوں کی طرح کھائے بینے ، جینے مرتبے ہیں۔ ان کے بیچے بھی پیدا ہوتے ہیں۔ اور ان بی سلان بھی ہیں اور کا فریحی اندیک بھی ہیں اور فاسن بھی ہی ہی دی ویود کا آنکا کرنے والا کا فرسے ۔ کیونکہ بن ایک مخلوق ہیں ۔ برفز آن مجد سے تا بت ہے۔ کیونکہ بن ایک مخلوق ہیں ۔ برفز آن مجد سے تا بت ہے۔ لہذا بن کے ویود کا انکار در حقیقت قرآن مجد کا انکار ہے ۔

أسماتي كتأيي

العقید الدار المان الدار المان الدار الدا

عقوره الما المراه المراه المراه المراه المراه المراه المراق المراق المراه المراق المراه المراع المراه المراع المراه المر خودا نسرنعالى في اين ومرركمي سيد بينا يجراس ف أرشاد فراباكه: نَيْفَى مَسَدَّ لَنَا الدِّكُو مَلِنَّالَة بين بين بين من من فرأن أمار الديقينا م نوداس ك نكيان بي اس لين فرآن يحيد بي كونى كى بيتى كرفيد يركال ب اوريو يرك كر قرآن مركى نے کھردو برل باکم زبادہ کردباہے۔ وہ کافرہے۔ اگلی کرزیسی حرف بروں می کو یا دیمواکرنی تعلیں ۔ لیکن یہ مہا مسے نبی ا ورقراک هیدہ اسے کہ قراک مجرد کو مجتر ہے ، با دکرلیں سے ۔ تقرير كابيان عالم مي جو كي بعد الرامونا ب رسب كوالتُدتعالى اس كم يو ف سے يسك ہمیننہ سے جا نتاہے اور اس نے اپنے اس علم ان کے عموافن مرمجلا فی برائی مفدر فرما دى سعد تفذير اسى كانام سهد بعبا بوف والاسعدا ورجو جبيا كرف والاتقا اس كوبيسليسى الشرنعال في في اسيف علم سعدمانا اوراسى كولور محفوظ برا ككرويا - نوم نسجھو کر حیببااس نے مکھ دییا مجہوراً ہم کو وبیرا ہی کرنا پڑتاہیے۔ بلکروا فعہ برہے کرمبسا ہم کرنے والے منے ولساہی اس نے بہت پہلے مکودیا رزید کے ذمیر مران مى اس بىر كر تدريرا فى كرف والا نقار اكر زير ميلا فى كرف والا بونا توده زير کے بیے بھلائی مکھنٹا نوا مٹرنعالی نے تفتربر مکھ کرکسی کومبلائی با براٹی کرنے پرمجبور نقدبربرایمان لانامی مزوربات وبن بس سے سے تقدیر کے انکار کرنے است میں سے ہے۔ تقدیر کے انکار کرنے است کا سربوری بتا باہے۔ است کا سربوری بتا باہے۔

الموسيره المدين مسائل ما الوكون كا مجدين بين اسكند واس يد نفذ برك المرافع المرافع الموسيد المرافع المرافع الموسيد المرافع الم

عالميمنين

مرف کے بعد بھی دوج کا تعلق بدن کے ساتھ باتی دہتا ہے۔ اگر چردد ح عقیدہ اس کو تحسوس کرے گرام ہوگئی ہے گر بدن پر جواکرام با صدر مرکز مصد کا دوج حزور اس کو تحسوس کرے گراور تا کر مہو گی۔ جس طرح دنیا وی زندگی میں بدن پر جو داحت اور تعلیف پڑئی ہے اس کی لیزت اور کا خت دوج کو بہنچتی ہے۔ واسی طرح عالم برزج میں مجی جواندنی یا عذاب برن پروا قع موقا ہے۔ اس کی لیزت اور تعلیف روح کو پہنچتی ہے۔

بن البعض اعلى عليبن مي ، مگرومين كهين عبي محدل يفيمون مع بديتوران كونعتن رسبا مع بوكو أنان كى قرم إكفاس كوده وبيحية بهياست اوراس كى بالون كوسنة بي اسى طرائ كافرول كى دوحتى معف ان كيم كمف في يا فرمر دمنى بل - بعن كى بن مے ابک الد بر موت بی ربعض کی سانوی زمین کے نیچے ، بعض کی د شخیتی " بی مکن روصیں کمیں می موں اسکے حمول سے ان روسوں کا تعلق برقرار رہاہے۔ جا بخروان كمرهمك بركزرم باان كي فريراك اس كوديجية بي في فاوراس كي باتون كو سننتے ہیں۔ (بہار تغربین وغیرہ) بہ خبال کرمر نے کے بعد روح کہی بدن بس علی جاتی ہے خواہ وہ کسی علی میں استرائی ہے خواہ وہ کسی علی میں میں میں ا معنوں ہے استرائی کا بدن مہو یا کسی جا نور کا جس کو فلا سفرزننا سنے ''ا ورسندو اُواکون'' كيف بيس - به خيال بالكل مي اطل احداس كا ما نناكغرب -بب اُدى رجا ما سے تواگر كاڑا مائے توكائر نے كے بعدا وراكر تر كارا مائے فیدا ازدہ جا ن می ہواور جس حال می میں ہواس کے یاس دو فرستے اسف ئی ۔ جن میں سے ایک کا نا کر معکو " اور دو<mark>سرے کا رونیکر " سے ۔ بیر دونوں فر تضن</mark>ے مرده سےسوال کرنے ہی کر نزارب کون سے ؟ تبرادین کیا ہے ؟ اور صفرت محدر مو الشُّرصل الشُّرعلب ملم كے بالے من بوچھتے من كرب كون بن ؟ اكرمرده ايماندارموانو تقبك تفبك بواب دنیا ہے كرمبرارب الله سهد میرادین اسلام ہے اور حصرت محصی التعملبوسلم الله مے درول ہیں ۔ معراس کے بعد جنت کی طرف ایک کھڑکی كھول دیتے ہیں۔ جس سے معتمری جتنت کی موائی اور و تنبوئی قرمبی اُتی دمہی بین . اورمرده آرام وعین محدمزه مین بر کراینی فرس که کی نیبند سور سیا سے اور اگر مردہ ایما ندارند موا توسی موالوں سے بوای بی میں کہنا ہے کر مجھے کھے ہیں معلوم

ہے۔ عیراس کی قبریں دوزج کی طرف ایک کھٹ کی کھول وی ماتی سے اورجہتم کی

كرم كرم موائي اوربران فريس ان رسى بيرا ورمرده طرح طرح محسخت عذابون

بن گرفتار مهوکرز این اورب قرار میناسید فرشته اس کوگددون سه ما در ترمینی ب اوراس کے قرب اعمال سانب بحقوب کراسه عذاب بہنچاسته درمینی بی ۔ (مشکوة جلداص ۲۵ بلخفا وغیرہ) مرده کلام بھی کرنا ہے گلاس کے کلام کوانسان اور جن کے سواتم مخوفا عقید میں ایما ندارا وزیرہ سنتے ہیں ۔ اگر کوئ ادمی سنسنے بودہ بہویش ہوجائے گا۔ عقد میں ایما ندارا وزیموں کی قرب کی کسترستر ماجھ بی وائی بین ، اور کی

کراد صری سیدیاں آڈ صرا ورا کہ دسرگی لیسلیاں اِ مصر بہوجاتی ہیں۔ پر از مریب جو کچے عذاب و کواب مرصے کو دیاجا ناسیسے اور جو کچھاس ہرگز دنی ہے

عیمیں اور سب جر ب مردہ کومعلوم ہونی میں رزندہ لوگوں کواس کا کوئی علم نہیں مہونا۔ جیسے سونا ہوا آدی نواب میں آرام و تنکلیف اور مرضم کے منا ظرمسب کچھد پیجھا ہے۔ لڈت بھی یا ماسے اور نکلیف بھی اٹھا ما ہے۔ نگراس کے یاس ہی

مِن جاگنا ہوا آدی ان سب یا فاں سے بے خربیطار سنا ہے۔ فیامست کا بیان

تومیدود<mark>ر الت</mark> کی طرح فیا مت پر بھی ایمان لانا مزودیات<mark>ت دبن ہی سے</mark> ہے چھتخص فیامت کا نکارکرسے وہ کھلاموا کا فرہے ۔

مِرْسَلَان کے لیے اس عقیدہ پرا بیان لا نافرض عَبْن ہے کہ ایک دن پرزین و اس مان بلک کل حالم اور سا دا جہان فنا موجائے گا ۔ اسی دن کا نام « قیامنت' ہے۔ قبامت سے پہلے جُدِلْشَا نیاں ظاہم موں گی جِن بی سے چندنشا نیاں برہی ۔ ا۔ دنیایی تمین حکمہ اندی زئین بی وصنسا و بیٹے جائیں عجے۔

٧- علم الطومات كا. ۱. ایک شرق میں ر ۳۔ جالت کی کٹرنت ہوگی۔ م را ملانبرازنا کاری بخرت بوٹے لگے گی ۵ - مردون کی نعدا د کم بهوجا فے گی اور عورتیں بہت نیا دہ موں گی بہاں تک کا یک مردى مروسى مل يجاس عورش بول كي -٧- ملك وب بن مينتي ماخ اوينيرس موجاش كي . ے۔ دین برقائم دسا اتنا ہی دسوار تو کا بعصے مطی می انگارہ لینا رہاں مکے ادمی فرستان مى جاكر تمناكر الكركاش عي اس فريس مونا -٨- لوگ علم دين يرصين كے فردين كے يانسى -٩- مرواين غورت كافرا نرواد ميوكا اودمان بايك نافرمانى كرے كار ١٠ مسجدون بي لوگ تفور مي مي كهـ اا۔ گانے بجانے کا دواج بہت زمادہ موجائے گار ال اعظے لوگوں برلوگ لعنت كري سے ا در براكس سے موار جانودادموں سنے کام کری گے۔ مار دلی لوگ بن کونن کاکیوا یا وُل کی جوتیاں نصیب شاختیں۔ برے برے محلوں می فرکری گے۔ دار وفت بی برکت تم م موجائے گی رہان تک کربری تن مینے کے اور مہینہ مثل ایک بهفتہ کے اور ایک بہفتہ مثل ایک ون کے گزرمائے گا، وغار وفار الغرض الشُّدورسول نے مثنی فشا نیاں تیا مست کی تبلا ٹی ہم سمب بیتبیًّا ظاہر ہو كرديس كى ريهان كك كرحصرت الم مهدى كاظهر يوكا . دقيال بيكا كا اعداس كونس كرنے كے يفض ملى مليالسام اسان سے الي سے باہوج وا بوج ہوبہت ہی زیردست لوگ ہیں۔ وہ نبیل کر تمام زمین برمھیل جائی گے اور بڑ مع برا معالم

اوربرا دی بریا کرب گے۔ بھرخوا کے قبر سے بلاک ہوجا بی گے یہ مجھم سے آفا بنطلے كاروان بجد تحيروف المهائش كروي كدور في زبن محتمام مسلان م مائی گے اور تمام د نبا کا فروں سے بھرجائے گا راس طرح جب فنامت کی فام نشانیا ظابر بروكيس كي توابيا نك صدا كي عكم سي صفرت الرأيل عليد السلام صور عيونك والكيم سے زمین واسمان نوط میو ط کر مکر نے مکوسے مو ما مینگے جو تے بڑے میس بہاڑ يهديورم وكركيرما مي كي تمام درياؤن مي طوقان المخترك فطرا موكا والدزمن معيف جانے سے ایک دریا دوسرے دریا ڈل سے ل جائے گار تمام مخلوفات رہا ہی ا اطعاداعا لم مسيت ونابود اوربوري ونبائمس مس موكر بربادم وما في عيريك مدت کے بعد حیب المرتعالی کومنظور مو کا کرتمام عالم بھر بیدا مرحائے تود وسری ا معرصفرت الرانس عليالسلام صور عيوكس كيد معرسا را عالم دوباره بداموجائكا اورتم مرصے زندہ ہورمبدان محتر بس جمع ہوں گے۔ جہاں سب سے اعمال مزا عمل می تو ہے جائیں گے ۔ حساب وکن ب بوگا۔ ہما سے حصنور صلی الشر علب وکم شخات فرائیں گے اورانی امنت کو حوض کوٹر کایانی بلائی گے نیکوں کا نا مراعال واستے بالخنو<mark>ں ب</mark>یں اور مبروں کا نامُراعال بائیں ہا عقوں میں دیا جائے گا۔ مجربہ لوگ میطرط ير ملائ جائي گے، جن لوگوں كے اعال اچھ بول كے - وہ سلامتى كے ساخة یں سے بار ہوکر جنت میں بہنے جائی گے ف

اور جو براعال اورك بكار بول كے دہ اى بن سے دوزى س ك

پریں سے۔ جہتم بدا ہوئی ہے۔ اوراس می طرح طرح کے مذابوں محد سامان موج عقیدہ اس ، دوزنی توکوں میں سے جن لوگوں کے دلوں میں ذرہ مجر بھی ابان ہوگا۔ وہ اپنے گنا ہوں کی سزا بھگت کر بنجم وں اور دوسرے بزرگوں کی شفاعت

سے جہتم سے بھل کر جنت میں داخل مہوں کے مسلمان کبننا ہی بڑا گنا ہے اکمیوں

ہو گروہ ہمیشہ ہمیشہ دوزح می ہمیں رکھا جائے گا۔ بلکر کچودنوں نک اپنے گنا ہوں کی مزا باکر وہ جنت بی داخل کر دیا جائے گا۔ ہاں البنہ کفار وسٹرکن ہمیشہ میشہ جہنم ہی بی رہیں گے۔ اور طرح طرح سے عذالوں بی گرفعار رہیں گے۔ اوران کوموت بھی نہیں ایکے گی۔

نینت بھی <mark>بنائی جاجی ہے اوراس میں طرح طرح کی نیمنوں کا سا را سامان ال</mark>تہ معمول نے بیدا فرار کھانے رجنینوں کور کرئی ٹوٹ بوکا مزکر حاس کاکوئی ریخ وعم مولاً بان كى برخوا يمش ا هرزمتنا كوخدا وندكريم لورى قرامے كا احدود بهشت مع ماغول ببر شمسم محمیو کوں اور طرح طرح کی تیمتوں سے نطف اندوز ہوتے رہیں گئے۔ اور ہمیشہ بہیں مرتبت میں رہی گئے ۔ رہم می وہ جنت سے محلے عامی گئے مزمری گئے ۔ بشرك اوركفرك كناه كوالشركيمي معاف بسي قرمائ كاران كيعلاوه دومم يال چو لے بڑے گناہوں کوس کے بعے جلسے کا اپنے فعل وکرم سے معا فرما فینے گا اور طبس کو جا ہے گا عذاب فیے گا۔ عذاب دینا اس کا عدل سے اور معا كردينااس كانفل يهد الشرنعالي برسلان براينا فعش فرمائ - (البن) پیاری بهنوا در عز بر مجانبو! تم نیامت کی بولناکبوں اور حنّت و دوزرج کی نیمنوں اور عذا اوں کا مختر حال ب<mark>ر</mark>صی<mark>حکے</mark> یعنی کروا ورایان رکھوکرم کونم کوا ورسب کوبرون دیکھنے ہیں۔ الم<mark>ذا خدا کے لیے</mark> دنیا کے عيس وارام مي يره كدام توبت كومت بعول ما و، مرف خولاك، بوشاك، زيورات مكانات اورونياوى داحت وآوام كے سامان مى كى فكرس ون دائ معت مياكرو بلکه آخرندگی دندگی کامبی کچه سامان کروا ورزبا ده سعدندبا ده ایتھے ایتھاعال اور عبا ذئبی کرے اورت مے سامان تبادرو، اورجہتم کے عذابوں سے بیف، اور جنت کی ممنوں کے یانے کی ندمرس مرور ونیا افانی سے۔ یا در کھو کہ ایک ون بالكل بى ناكبال اودا چاكك مكك لموت تهاعيد ياس اكريرفر اوي سك كرال تتعفى

نرب گرمی بزارون من اناج ر کھے ہوئے ہیں گراب توان میں سے ایک وار ہے نہیں کھاسکنا۔ پھنڈسے ٹھنڈ سے میٹے میٹے انہوں سے مثلے بھرے ہوئے دکھے ہم مگراب توان یا نیون کا ایک فطرہ بھی ہیں اسکتا۔ تیرے گھریں بزاروں لا کھوں رو سے بڑے بوئے یں ۔ گراب نوان میں سے ایک سیسر تھی خرج نہیں کرسکنا راب تو کھے لول تھی نہیں سكنا - أنظ كراب نوس كير عفى نهي سكنا - يركم كرابك دم ملك الموت دوح فيص كرنے لكين سكة اوراس وفت مع مجيدة كرسكو كي مويوكراس وفت تمها واكما حال بروكا ؟ اورنم اس وفن کس تدرافسوس کرد کے اور بھینا و کے کر مائے بر کیا ہوا ؟ کا مثل بن تندر منی اور سلامتی کی حالت میں کچیر عبا دنیں اور خیر حرات کرلینیا رنگراب اس بیجیتائے اودا فسوس كرنے سے كيا فائرہ واس ليے ميرى بمنو! ملك الموت كے كنے سے يهد بو كيوا عال صالح اور صدفر وخيرات كرسكت موده كرك قراور دوزخ كي عدالو سے بیخے کا سامان کولور اور حبّت می جانے اور مہشت کی نعمنوں سے یا نے کے ذريع بنالدورية بهن افسوس كروك اوداس دفت مجھے با دكروسك كرسادا مالم دین با نکل سح کمنیا نفیا کاش ہم اس کی نصبحتوں کووان لینتے توہم ارا بھلا ہو میا اس بے عدر کہنا ہوں اور بار بار کہنا ہوں کرسے

سمترکے دان جی سے ہوتجا کولل چوڈان بانوں کو طور اپنے بدل او سنچے آو پنچے بال نوبنوائے عی پی محص بیکار برشمع و کنول جلدان دنیا کے بھیندوں سنے کل ملائ دنیا کے بھیندوں سنے کل کام آئے گا وہاں تبرا عمل کسطرح بائے گا توجنہ کے بیں سے کھڑی مرر ترسے تبری اجب

عُرِ گُفتْتَ بِعِنَا بِونِ مِن تَرِي اللهِ المِلْمُ المِلْمُ المِلمُ المِلْمُ المِلمُ المِلمُلِي المُلْمُلِي المُلْمُلِي

كغركى يأتين

اس ندانے بی جہالت کی وجرسے کچھرواور عورتی اس قدربے دگام بی کرم ان کے مدیس آناہے ہول وہا کرتے ہی ۔ چنا بچہ بیش کفر سکے الفا ظامی لوگوں کا ذبالا سے محل جاتے ہیں ۔الالوگ کا فرہو گئے ہی داودان کا محاص کوٹ جا آبا ہے گراہیں تبریبی ہیں ہوتی کہ وہ کا فرہو گئے ہا دوان کا محاص ٹوٹ گیا راس ہے ہم بہاں جد کفری پولیوں کا ذکر کرتے ہیں آگر لوگوں کو ان کفر بات محاصلم ہوجائے اور لوگ ان باتوں کوپولیے سے ہمیشرزیاں رد کے دجی دا وداگر خوانمخواسٹر برکفری الفاظان سکے مذہبے میں گئے ہوں تو فود کی توہر کر کے نے سرے سے کلم ٹرچھ کو کھسلمان جنیں اور دوبارہ نمان کریں۔

ا - نداکے یفی نا در میک ایت کرنا کفرے ۔ لیعت لوگ پر کم برا کرنے ہی کرا دیرالٹ نیسے بیخ یا ادیوالٹ نیسے تم بر کہنا کفر ہے - و فانیر)

٧ - ركى سے كماكن نكر و، ورز نداجتم مي دال في كاراس نے كما مي جبتم سينس درتان يا يو كما مع في فداك عداي كا كوئى يرواه نبين يا ديك ندوس

روه مي يو مها تو نواسونسي ورا اس مع عقيد مي يركبرد باكرد مي نعواسه اس مع عقيد مي يركبرد باكرد مي نعواسه نبي درتا " يركبرد باكر نعد اكبال بي وركبرد باكر المكرى

ان شادا دید کرون گائ کا فریوگیا-

م ركى الدادكود يجركربه كهر ديا كردة خوكاد البركي الفعاف سيصكراس كواللاد

بنا دبا اور مجهة عريب بنايا" يه كهنا كفرسه

٥ - اولاد وغيره محمر في بررائج اور غصته مي اس قسم كى بوليان بولف مك كرخدا

کونس میرا بیٹیا ہی مادنے کے بلے ملائفا۔ دنیا عبر سی مادنے کے بلے میرے بیٹے كيسوا خداكودوسراكون منابئ بهي فضار خداكوا بساكلم بهي كمرنا جاسته عقا التكرف بهت أواكما كممراء اكلوت بيط كوا وكرموا كمر بعي عا ع كروما -اس قیم کی بولیاں بول فینے سعے اومی کا فرم وجانا ہے۔ خداسكى كام كوثر الكنا، يا حداس كامو ن مي عبيب تكالنا، يا خداكا مذا ق الرانا، يا خداكى في ادرى كرنا، يا خداكى شان منى كون عيوم لفظ يولنا ، يا خداكو البسے لفظوں سے یا دکرنا جوان کی شان کے لائق تہیں میں۔ بیرسب کفر کی یا تی میں۔ . كرى نبى ما فرسَّنتر كى حفارت كرنا ، ما ان كى جناب ببي كسَّنا جي كمينا ، ما ان كوعريب رنكا نا يا ان كا مرا ف الراتا ، يا ان يرطعته ما دنا ، يا ان كيكي كام كوسي عيا أن ينامًا ، يا با دل كرساتدان كان ليناكفريد. بوتنخص معنورا قدس مى الشرعليه وسلم كوا ترى نبى مرمل في بالصنورى كبي حير ياكسى بات كى نوين كرسے ، يا حفرها نے ، ياعيب لكائے ، ياكب محانقين بال یا ناخن کسیے اوبی کرسے ، با آپ سے لباس مبارک کوگندہ اور سلانیا یا حفتوری کسی ستنت کی تحفیر کرے ، مثلاً داوسی برطانا ، مو تخیین کم کرنا، علی یا عدصتا ، عامر کاشمار لاکانا ، کھاتے کے بعد انگلیوں کو ماٹ لبنا ، باحقود ككى متعت كا مذاق الراسفرواس كويراسي نوده كا فريوجائ كار ار بوشعم کی قاتل یا نون واکو کو در پی کر تدین کی تیت سے کہ دے کرم ملک الموت " أكتُ توده كا فربوجائے گا و فران کی کسی آبت سے سافد مسخرہ بن کرنا کھڑے۔ جیسے بعض دار معلی منیک كبرديا كرتني من كرفرآن من كلاً سَدُوتَ تَعْلَمُونَ أَبِ سِيعِ اورمعتى مِربَبًا ین کر کلرصاف کرانے دم و، یا ایسے نماز پڑھنے واسے کہدد باکرتے ہیں کہ إِنَّ الصَّلَالَ مَا تَعَنَّعلى اورمنن برتبًا في بي كرنماز تنها يرصا كرودان بالون

کے بول دینے سے آوی کا فرہو جائے گا ۔ کیؤکر قرآن کے سا تقم سخرہ بن ج ہے اور قرآن کے معنی کوبدل خوالنا بھی سیے اور یہ دوتوں یا تیں کفریمیں ۔ ا . انسلام بین نسک کرنا ا دربیکینا کرمعلوم نهیی بینسنان بهوں با کا فره با اپنے اسل برانسوس كرنا متلاً يركهنا كري مسل ن بوكي براجيانيي بهوا كاش بب مندوم تومبت اجهاموتا و توكفارك وين كواجها تمانا ، باكس كفرى بات كواجها سجينا کمی گوکفری باست محصانا ، با به کهتا کرب_ی مبتدومون نرمسلان بی نوانسا ن بون با به کهنا کرئی مذمسجدسے نعلق دکھنا ہوں نہ مندرسے یا برکہنا کرمسجدا ور مندر دونون وصونگ بير مي كسي كونهين ما نماريا بيركهنا كركعبر تومعمولي ميقرول كالكيديان الكرب اسمي كيا وهراب كريساس كانعظم كرول بايكهناكم ماز برصناب كار أومبول كا كاس بع مركونمازى كهال فرصت سع ، بركهناكم روزه ده منطفیش کومز کھاناسلے یا بیرکہنا کرجیب معدانے کھانے کو ویا سے توروز ر کا کر عبو کے کموں مریں ؟ یا ا ذان کی اواز من کر مرکبانا کرکیا توا و مخواہ کاستور ميا ركا يديايه كبناكرنمازير يعني كالجينتي نهين بهن يرهلي كبانا أده موا! بايركهنا كديما زيرصنانه يرصنا وونون برابرسه يابركهنا كدي تدحرت دمعنان م منازير طفعنا بهوس ما في د نول مي رد تمي يرهي مرهي مراهول كايا بركمتا كرنما زيم موافق نهيس أتى مي سبب ماريرمنا مون نوكوئي مركون نفضا ن صرور موجاما. ہے یا پر کہنا کر ذکوۃ خوائی سکی ہے جو ملّا لوگوں نے ما لداروں برنگا دکھا ج یا برکہناکہ جے توایک تفریحی سفرسے یا بلیک ماریٹ کا دھندا سے۔ بی ابساكم كبول كرول إ وغيره وغيره اس فم كى تمام بكواسيس كملا مواكفري

۱۷ ۔ برکمیناکہ مام ورحیم دونوں ایک ہی ہی اوروید و قرآن بی کچھ فرق نہیں یا برکہنا۔ کمسجد اورمندر دونوں نعدا کے گھر ہیں۔ دونوں میگہ نعدا ملتا ہے، کفرسے

م ۱ ۔ پوشخص برکہ دے کرئی شَرلیبت کونہیں مانٹا یا نترلیبت کا کوئی حکم یافتوئی می انٹا یا نترلیبت کے حکم اورفتوئی کو بیر کہ سے کہ برسب ہوائی با تیں ہی یا بر کہر ہے کہ تربر بیب سے حکم اورفتوئی کو پیر کھر ہے کہ میں نشر رع ورح کونہیں جانٹا یا بر کہر ہے ۔ ہم توہرا دری کی دموں کی با بندی کریں ہے ۔ ہم توہرا دری کی دموں کی با بندی کریں گئے یا کہر ہے کر ہم نشر بیست برعل نہیں کریں گئے یا کہر ہے کہ ہے یا کہر ہے کہ ہسمی اللہ ا در سب سیان ا مدّت ۔ دوئی کی جگر کا مزہد ہو تا ہے تو وہ تعنی کو وہ تعنی کا فرہو جائے گا۔

ه ار نزار بینی و نشود از ناکرتے وقت یا جوا کھیلتے وقت « بسسرا شاہ ، ، کہنا کفرید

١٩ . مسلان كومسلان حاننا اوركا فركوكا فرجاننا عروديات دبن م سيم عكى مسلان الم المان كوكا فرجاننا عروبيات وبن م المسلمان كهنا كقريه -

۱۱۔ ہوکی کا فرکے یہ اس سے مرنے سے بعاد مخفرت کی دُعا لمنگے باکسی مردہ کا فروم تدکوم ہوم ومعفور سکھے با کہی مردہ مبندہ کو مسکینے بائٹی " کھے وہ کا فرہے ۔ د بہارشر دیت)

۱۸ - تعداک حرام کی بوئی جیزوں کو مطال کہنا یا تعداکی حلال کی بوئی جیزوں کو حرا کہنا یا خداکی فرض کی بھوئی جیزوں ہی سے کسی جیز کا ایکا رکرنا برسی کفر ہیں ۔ ۱۹ - مزودیات دین بیرسے کسی جز کا ان کا دکرنا مثلاً توسید ، درسالت ، قیامت ، طاکر جنت و دوزخ اسمانی کماین ان میں سے کمیے اسمان کا درائے ہے ۔ ۲۰ - قرآن مجید کی کسی آبت کا ان کا دکر نایا قرآن میں کوئی عبیب بتانا یا فرآن مجید کی ۔ بدا دبی کرنا ، پرسب کفرجی ۔

ولايت كابيان

ولایت دربارخدا دندی میں ایک تعاص فریب کانا) سے ہوا نٹرتعالیٰ اسٹے فعنی و کم سے اسٹے خاص بندوں کوعطافراناسے ۔ کم سے اسٹے خاص بندوں کوعطافراناسے ۔

فیم اتفای کے اولیا دہی ہا مصر المسلم کا امت کے عصوبی استر علیہ دسلم کا امت کے عصوبی اللہ الم اللہ دسم کا امت کے عصوبی اولیا دمی سب سے افضل چی راوداس امّت کے اولیا دمی سب سے افضل دانشوں بعنی حضرت الویج صدیق وحصرت عرفا دوی وحصرت عنمان عنی وحصرت علی المرتفیٰ رصی اللہ عنم جی اودان بی جوفلا فت کی ترتیب سے دمی افضل حصرت کی بھی ترتیب سے دمی افضل حصرت

مدنن الجريد يجرفادون اعظم المجرعثمان عنى الجيم على المرفعنى دحق الشدنعائ عنهم -دوليا دكرام معنورصلى الشرطيروهم سكه سيخ نا ثب بير - المشرفعا لل في اولباً عفي لمره المرام كوبهت برحى طاقت اودعا لم مبران كونقرفات كان تبراوات عطا قوائه بيرس ودربهت سن عيب كي علوم ان يرتنك شف موسف بير، بهان تك كر بعض اولياء كوالشر تعالى لوج محفوظ ميم علوم بريمي مطبع قرا دبتا بيد ينكن اولياء کوربسا اسے کمالات محنور صلی الٹر علیہ وسلم کے واسط سع حاصل ہوتے ہیں۔ اولیاء کی کرامت حق ہے اس کا شکر کمراہ ہے ۔ کرامت کی بہت سی قسمیس ر عقیدہ مِن مِثلًا مُردوں کوزندہ کرنا کا ندھوں اور کوڑھیوں کو شیفاء و بنا لمج مسانو كومنط دومنط مي سط كرنسبار يانى برمين ، موا أن مي الثنا ، وكور قد مل جرون كو دید لین مفصل بیان کے لیے رفعو ہماری کاب کامات محارث اولیا دکرام کو دور نزدیک سے پکارنا جا کر اورسف مالین اوليار کرام اپني اپني قبرول مي زنده چې اوران کاعلم اوران کا د تيمنا اوران کا د تيمنا اوران کا د تيمنا او عيده الاسنا دنياوي زندگي سے زيادہ قوي بوتا سے۔ اولیاد کرام کے مزادات پرماحری مسلانوں کے لیے باعث معا دت و هيده اركت ميدادران كي نيا زوفا تحرا ورابيدال تواب سخب اور خروركت کابہنت بڑا ذرلعبہ ہے۔ اولیا دکرام کا عرس کرنائیتی لوگوں کاان کے فرادوں پر جی بوكر قرأتن نوانى دفا تخرخوانى وتعت تولنى ووعظ والعيبال ثداب يرسب احط ورثواب مے کام ہیں - ہاں البتہ عرموں میں جو حلاف شریعت کام مجو نے سکے ہیں پھٹاگا قبروں کوسیدہ کرفا،عورتوں کابے مردہ ہو کرمردوں کے جمع میں کھوٹتے بھرقا،عورتوں کا نظ مرمزاروں کے یاس جومنا، چلانا اورسرٹیک پیک کرکھیلینا، کودنا، اورمردوں کا نمامشرد کیمینا ، با جربیا نا ، نا پر کرا نا برسی نوافات مرحالت میں مذموم وممنو ہیں۔

ادربزدگوں کے مزاروں کے پاس اورزیا دہ مذموم ہیں، لیکن ان خوافات وممنوعات کی وجہ سے برنہ بن کہا ورمنوع کام ہیں۔
کی وجہ سے برنہ بن کہا جاسکتا کر بزدگوں کا عرب حرام سے جوہرا) اورمنوع کام ہیں۔
ان کوروکنالازم سے۔ ناک براگر ملتی بنیط گئ سے تو طفی کواڈا وینا جا بیئے، ناک کاٹ کر نہیں بھیلنگ و بنا چاہیئے۔ اسی طرح اگر جا بوں اورفاسقوں نے عرس ہی کچھ حوام کاموں کو روکا جائے کام اور ممنوع کا موں کو روکا جائے گا۔
عرب ہی کوہرا مہبس کہ وہا جائے گا۔

مر بری مربد بردنی اور مشائخ سے مربد بردنا ودان کے باختوں برگنا ہوں سے
میری مربد بردنی اور مشائخ سے مربد بردنا جا تر اور تواب کا کا
سے ۔ گرمر بد برد نے سے پہلے برکے بالے بین خوب ایجی طرح جانے ہڑا ال کر
لیں ۔ ور نراکر بیر برعفیدہ اور بدمذ بہب براتو ایمان سے بھی باعذ دصو بیٹین کے آجکل
بہت سے ایمان کے ڈواکو بیروں کے لیاس بی پیرت رہتے ہیں۔ دہانا مربد بننے
میں بہت ہوتیا در سے کی مزودت ہے ۔ بون تو بیرین نے کے لیے بہت می مرفوں
کی عزودت ہے ۔ مگر کم سے کم عیاد شرطوں کا بیریس برونا تو بے صومتر وری ہے۔
کی عقیدہ ہو ۔

دوم را ننا بلم دکھتا ہو ہو کراپنی حزورت کے مطابق مسائل کہ بوں سے سکال

موم - فاستن معين شرمو -

چها دم - اس کاسلسله <mark>ا ودنینجرهٔ طریقیت دسول انتمامی ادن</mark> علیه دستم تک تقل محو، ورنه فیفن نه محوکا ب

لبندا خوب محدلوا وریادر کھو کم بر مدسب مثلاً راقعنی ، خارجی ، وما بی وغیره مصدر بد بونا حرام اورگناه سے ۔ اسی طرح با لكل بی جا بل جوحوام و حلال اورفرض ودا جب اورمزوریات دبن كا علم بذر كھتا بود اس سے مربد مونا عمی نا جائد



عيادات



وه سجده دوج زمی حمل سے کا نیا علیٰ تقی اسی کواکچ نرصتے ہیں منبر ومحسواب



مسائل كي ينداصطلامين

یہ وہ اصطلاحی بولمباں میں کہ ان کو جان لینے سے اس کی جھنے ہی مد دھے
گی اور کسائل کے سمجھنے میں ہم حکر کہ ہمت ہی مہولت اور اسانی ہوجائے گی۔ اسلے ممثلو
کو بڑھنے سے پہلے ان اصطلاحوں کو نوب سمجھ کراچی طرح یا دکرلو!
وہ جی ہو ختر لعبت کی نقینی دبیل سے تنا بت ہموا وراس کا کہنا حزودی احد دلائی موسی اور سرکے اس کو چیوڑنے والا فاستی اور چہنی اور اس کا انکار کرتے والا کا قر

سهد بيسمنا زروزه اور ع وزكوة وغرور

میم فرص کی فرقسیں ہیں ایک فرعن عین ، دوسرسے فرعن کفایہ۔ فرمن مین وہ سے رہیں کا دائر ایم مین وہ سے رہیں کا دائر ایم ماقل ویا لیے مسلمان پرم وری سے جلسے تما نہ بنجے گانہ وجیرہ ، او دفرم کفایہ وہ سبے جس کا کرنا ہرا ہک پرم وری نہیں ملکہ بعض لوگوں کے اوا کر لیمنے سے مسبب کی طرف سے اوا ہو جائے گا اور اگر کوئی می اواند کرے نوسب کنہ گاد ہونگے۔ جلیسے مساوہ وعرہ ۔

والحيا وه مع يوشرنيت كى الني دليل سع نا بت مواس كاكرنا عرورى بعا وداس

کو ملاکی تا دیل اوربدگری عذر سے تھوٹر فینے والا فامتی اورعذاب کاستی سیلی اس کا نکار کرنے والا کا فرنہیں گراہ اوربوند بہب ہے -

وه برس وه برس وه برس وه برس و معتور بی که یم الا دعلیه دستم نے بهشه کیا به و البتر برا ن معلمت موکور و البتر برا ن معلمت موکور و البتر برا ن معلمت موکور و البتر برا نواد اکر نے میں بہت بڑا تواب اور اس کو می انقا قدم طور برجیو فرقی نے سے اللہ در مول کا عماب اور اس کو جوڑ ہے نے معا اللہ دور مول کا عماب اور اس کو جوڑ ہے نے معا اور کی مادت فوالے برجہ تم کا عقاب بوگا معلمی ماز فر کی گرد کھت سنمت اور ماند خرا میں میں کہا اور خواد کھت فرص کے بعد سنتیں اور نما ادر نما اند مغرب کی دور کھت سند و مرکعت اور کھت سندت و مرکعت و م

و سام سب سب و در بیرس کو صنورا قدر صلی الد علیه و کمیا موا ور تعبر کیسی مسلمت عیم می این اور تعبر کیسی مسلمت عیم مولد و الد خوا الد فوا می دیا موداس کوا واکرنے والا فوا ایا کہ کا دراس کو چوارد ہے والا عذا ب کاستی نہیں جیسے عمر کے پہلے کی جاردت مستمت کا دراس کو چھوا کہ ہیں سنت میں مستمت کر مرسب سنت عیر مؤکدہ ہیں سنت

غير وُلده كوستن دائده بهي كبته يل-

مرود المرود ويصرف المردد المرود المرود ويصرف المردد المرود المرود ويصرف المردد المرود المرود ويصرف المردد المرود المرود ويما المردد المرد المردد الم

نواب موا ورهيو ليفيرين كونى مغراب مرحيس لذبذ غذاكون كالحعانا اوتفيس كيرون كابهننا وعيرو مرام وه بعض كانبوت يفني شرى دميل سعمود اسكاج ورنا عزورى العباعث تواب مرام وهم المرام المرام عن تواب مرام مرام الكرم وكالمراكب مرام مراكب المرام الكرم وكالمراكب بے اوراس کا نکار کرنے وال کا فرسے۔

نوب مجدلوكرموم فرص كامفاج بيليني فرص كاكرنا حزويي بيطوروا كالجواز احزوري

مروه مریمی ده سهر بوتنرلیبت کی نلتی دلیل سے نا بنت مجو، اس کا چھوٹر نا لازم اور بات مروه مرمی تواب ہے اور اس کا ایک مرتبہ بھی قصد اگر سنے والا فاستی وجہنی اور كناه كبير احرام كے كرنے سے كم سے - كريند باراس كوكرلينا كتاه كبيره سے .

المحى طرح وين فتتبق كرلوكريه واجب كامقابل سيديين واجب كوكرنا لازم يد اور كروه تحري كو جود نا لازم سيد-

وہ ہے جس کا کرنا گرا اور کھی انفاقیہ کر لینے والا لا ٹن عنا ب اور اس کو اسما وست کرنے کی عادت بنا لینے والمامسنی عذاب ہے۔ واضح مید کر برسنت موکده کا مقابل ہے معنی سنتت مؤکده کو کرنا تواب اور

جيور نابرا به اوراساءت كرجيور نا تواب اوركرنا برايد. میں وہ سے جس کا کرنا مٹرلیت کولیٹ دنیس گراس کے کرنے والے پر رسی عذاب نہیں ہوگا۔ برسنت غیرمؤکدہ کا مفایل ہے۔

صلاف اولى ايرسخب كاس كوچوارد يناجه ترخا ليكن الركر ليا توكيد مطالقر شي

مرسلان مردا ودعورت کو برجان لینا چاہیئے کہ ایمان اورعفیدوکومیم کرلینے کے بعدسب فرعنون مي سي مرا فرعل نماتسهد كبو كم قرآن مجبدا ورحد يتول مي بهت ذباده باربا راس کی ما نیر اک کے باد رکھوکہ جونما زکو فرمن نرما نے یا نما زکی تدین کرے

إ یا نما زکو ایک ملکی اوربے قدر بیز سمجد کراس کی طرف بے توجی برتے وہ کا فرا وراسلام مع تعاد ج سبع ادر يوتنعف مما زيز بر سع وه مهمت برا كناسكار، فبرفها را واعتنب جار مي كرفارا ورعذاب حبيم كالمقدار ب اوروه اس لائن سي كرما دنشاء اسلام بهداس کونبید در اصے، عفر میں وہ تماز مزاسے تواس کو تیدکر صے۔ بہان اک کر توبر کرے اورنما زير صف ملك ملك مالك وتشافني واحدرجة التدمليم كفرزويك باوتشااسلام ردر مخنار ورد المخنار جلداص ٢٣٥) كواس تخفن كاحكم ي ن لیدت کا بیسٹر ہے کہ بیج جب سات برس کا موجلے تواس کو نمازسکوا کرنماز یر صنے کا حکم دیں ،اور حیب سیتھے کی عروس برس کی بروجائے نومار مادکراس سے ما ز ی صوایس - (ترمذی جلداص ۵۴) مسئلہ ر<mark>نما زخانص عبا دتِ بدنی ہے۔اس ہ</mark>ی نبا برے جا ری تہیں ہوسکنی۔ بعنی ابک کی طرف سے دوسرا نہیں ورص سکتا ۔ نہ برم وسکتا ہے کر ندگی میں نماز کے مدے کھے ال بطور فديرا واكرك نازس عيلكادا حاصل كرمے ما ل البتر الركمي بركونما نري ده كئ بن اورانتفال كركيا اوروسيّت كركياكراس كي تمازون كابنديدا واكباجا في نوالمبد بعدان شارا متدر تبول مو، اوربر وصيت جي وارتون كواس كاطف سع بوري كن یا سیے کر قبول وعفو کی امید ہے۔ (در مخارودد الحقارود بحر کننی) من أبط تماز السب يبياكهم نماز كاطرلقة تماثي إن چه چيرون كوتبا ديبا مزودي ا ہے جن کے بغری زمتروع بنبی موسکتی ران بھے جروں کور تقرائط نماز" كينة بى اوروه بريى -بهایی یاک رود میری تشرمیکاه کو بچیپا تا تیمیشری نماز کاوقت ریپیجینی قبله کی طرف منر كهذا، بإنجوزي نيت سرجين تجير تخريمير . ﴿ وَمَوْنَ كُتْبِ فَقْرٍ ﴾ میملی تشرط بدینی " یاک " کا بیمطلب سے کر نازی کا بدن راس کے کیوے مازی عگرسب باک موں اورکوئی مجانست جیسے پیشاب ۔ باخانہ ۔ تون رابید گوہر مرغی

کی بیٹ، وغیرہ مزئل ہو، اور تمازی بے عسل اور بے وصوبی مزہو۔
دو معری تمرط رہنی در متر مگاہ جیبائے کا پرمطلب ہے کہ مردکا برن ناف سے لے کم
گفٹنوں کے بنیج مک تشرمگاہ ہے اس بلے تماذکی حالت بیں کم سے کم ناف سے لے کم
گفٹنوں کے بنیج مک جیبا رہنا حزوری ہے اور عورت کا لورا برن ترمگاہ ہے اسلئے
نمازکی حالت بیں عورت کے تما) برن کا فوصکا رہنا حزوری ہے، حرف چہوا ورہنی ا اور شمنوں کے بنیج قلم کے کھلے رہنے کی اجازت ہے۔ شخنے کو بی جیبار بہنا جا ہیئے۔
اور شمنوں کے بنیج قلم کے کھلے رہنے کی اجازت ہے۔ شخنے کو بی جیبار بہنا جا ہیئے۔
بیستری تشرط ہیں جو وقت اس کا بہمطلب ہے کہ جس نماز کے بلے جو وقت مقرر بیستری تشرط ہیں وقت اس کا بہمطلب ہے کہ جس نماز کے بلے جو وقت مقرر

پوتھنی تشرطر بینی در فیلرکومند کرنا ۱۰س کا مطلب طاہر ہے کہ نماز میں خام کعیہ کی طرف ایتا چہرہ کرسے ۔

یا پچوبی تعرول کی دنیت ایکا پیمطلب سے کہ جس و فنت کی چو بنا ذخرص یا واجب استحاد میں وفت کی چو بنا ذخرص یا واجب استحاد میں اس کا پیکا ادادہ کرنا کر بی فلاں نماز بڑھ رہا ہوں ۔ ول بی اس کا پیکا ادادہ کرنا کر بی فلاں نماز بڑھ رہا ہوں ۔ اوراگرول بی اداوہ سے کسا تھ زبان سے بھی کہر سے تو بہتر سے ۔ بھی تشرط ایر تو بھر اور کر اس کے کہنے ہی من زشر واج بولئی ۔ اب اگر تماز سے سوا ووسراکوئی کام کیا با مجھر بولا تو نما ذرات کی من زبانی کئی تو تماز نہیں ہوگی ۔ اب موجود رہنا صروری سے راگر ایک تشرط بھی نزیائی گئی تو تماز نہیں ہوگی ۔

پاک کےمسائل کابیان

وصو کا طراحی اور فرکرنے والے کو چاہیئے کراپنے ول میں وحوکا بیکاامادہ کر کے تبلر کی مسلو کا طراحی اور کا بیکاامادہ کر کے تبلر کی مگر بیٹھے اور بسم امڈاد عمل الم الم الم الم میں اور کی مرتبہ کو تاکہ میں واک تابع ووڈوں یا تھ بنی مرتبہ کو تاکہ وصوبے میٹر مواک کرسے ااکر ممواک تابع

نوانكل مع اینے داننوں ا مرمسور صول كول كرصات كرے را درا كر داننوں يا مالو بي كوئى حيزاً على ما جيكي موقواس كوانكل يامسواك بإخلال عصر مكالمه اور تطرائے اليم تن م تنبر كل كرسدا وراكر دوزه وارمز بموتوغرغ و محاكم سي اكردوزه وارم وتوغرغ و اركي كرمل كے اندر مانى بيد جانے كا خطرہ سے، بيردا بينے ما تقد عسة بن وفعرناك بي ياتى برطهائے اورمانین بانخ سے ناک صافز ،کرے، میر دونوں مانخوں بی بانی لے کر نتن مرنبراس طرح جبرہ دھوئے کرما نقے ہرما ل جھنے کی چگرسے ہے کرمھوڑی کے نتیجے مك اوروا سنے كان كى لوسى الى كان كى لوئك مب جگرمانى بهرجائے اوركىي فرائمی بان مینے سے مزرہ ملئے۔ اگر داڑھی مونوا سے بی دھوسے، اور داڑھی عِن النكليوں سے خلال بھی كرے ليكن اگرا حرام با ندسے بو توخلال نركرے يعربن مرت كهن سمبت بعن كهنى سے كيدا وير داستايا كاروھوئے، بيراس طرح نين مرنبراياں كا وصورت اگرانکی میں ننگ اکلوکٹی یا تھا ہو ماکلائیوں میں منگ پرازماں ہوں نوان سموں كوملاكر وصوف ناكرمب جكريان بهرجار أعطراب بادلوسي مركامح كرسع اس كا طرلفة به سيے كر دونوں ما تفول كومائ مستركر كے انگوشتے اور كلم كى انتخاص واكرونونو ع تفوں کی تنی نئی انگلیوں کی نوک کوا مک دوسرے سے ملائے اوران چیول تکلیوں كواينے النے يرد كھ كرنيچيے كى طرف مركے أخرى محقة ذكر العجائے اس الرح كمكلمركى ودنول أمكلباب احدوواؤن الكويطاا مدوولون يخشيليا ومرسع نرتكنے ما مكر بھرسر کے : کھیے مصر سے مانخ مانھے کی طون اص طرف الائے کردونوں سختیلیاں مس ك دائي مائي حيسة ريموني موني المض الم والي أجائي - عيركلم كي الكي ك بمبط سے کانوں کے اندر کے حصوں کا ، اور انگو عظے کے بیٹ سے کان کے اور کامسے کر سے اور انگلیوں کے معط سے گروں کامسے کر سے عفر تنس مارواسا بِا وُں کینے سمیرت بعنی مخنے سے کچھ اویزنک وصورے۔ مھر با باں با وُں اس طرح تبن دو روصو شے بھر یا بئی افغ کی تھینگلیا سے دوتوں بروں کی انگلیوں کا

اوبرج کچھ بیان ہواہے یہ وحتو کرنے کا طریقہ سے لیکن یا در کھوکہ وہو ہم بی ہو کچھ ایس ہیں کچھ کی ہوتا ہم ہیں ہو کچھ ایس ہیں کچھ کی ہوتا ہم ہیں ہو کچھ ایس ہیں کچھ کی ہوتا ہم ہیں ہو کچھ ایس ہیں کچھ کی ہوتا ہے ۔
سے وحنو مذہ ہوگا اور کچر یا تیں سنت ہیں کہ جن کواکہ چھوٹر دیا جائے توکناہ ہو گارا ورکچہ جبر ہی سنت ہیں گران کے چھوڑ ہے سے وحتو کا توار ، کم ہوجا آ اہے جنا پیر نیجے ہم ان چیزوں کا بریان مکھتے ہیں۔ ان کو پڑھ کہ تو والے چی طرح یا وکرلور جنا پڑھ نے ہے ہم ان چیزوں کا بریان مکھتے ہیں۔ ان کو پڑھ کے قرار ہم ہے کا ایک چندوں کا محمد ہے کا ایک وحقو تا ہے کہ ہو المیتار مسمور ہے کھوالمیتا رودوں کا ہوتا ہے اور و فعا کی مرم کا مسم کرنا بعتی کیلا ہاتھ مرم ہم پھوالمیتا ر

ر قرآن مجیر و عالمگیری جلدا ص م و عیره طامه متن فقر) مسئلہ ۔ وحز باغسل بی کسی عصنو کو دعو نے کا پیمطلیب سید کہ جس عفنو کو دعودً اس کے ہر حصر برکم سے کم ڈو بوئد باتی بہرمائے اگر کوئی محصر عبیگ نو گبا نگراس پر یاتی نہیں بہا نو وحنو باغس نہیں موگا۔ بہت سے لوگ بدن پر باتی

وال کرما تھ مجھرا کر کے بدن پر یا ن چیر لیتے ہی اور سجھ لیتے ہی کریدن وحل گیا۔ یہ علططريف بدن بربر حكريانى كاكمسه كم وويوند بهرجانا مزورى سهد دور مختار وروالختا مطداص ٤٠ عالمكرى عددا مصرى ص ١٧) ا ورمسح كرنے كا يرمطلب بے كركيلا ما تف عيرليا جائے برك مس بي بعق جاہوں کا برطرافیہ ہے کرمشے کے بلے ما مقوں میں مانی مے کواس کو ہو منتے ہیں ربیرمشے کر بن يدايك لغوكام ب - مستح بن كبلا إلى مرسر عيرالبنا جا بيت - (عالمكرى جداسم) وصوبي سوله جيز سيستن بي (١) وصو في نتيت كرفي (٢) نيم الله منك إلرصما (٣) يسط دولون إ تفون كوتين دفعه دهونا (م)مسواك كرنا (٥) واست م مف سع تين مرنبه كلى كرنا (١) واست وا تقسع بن مرتب اك ين باني يروانا (٤) ما يني ما تقر صدناك صاف كرنا (٨) والرحي كا الكبو سي خطا ل كرناره ا تقریا وں کا تکلیوں کا تعلال کرنا (۱۰) مرعفنو کو تمن تین بارد صونا (۱۱) پورے سركا أيك بارمس كرنا (١٢) نرتنب سے وصوكرنا (١٣) واؤهى كے جوبال منر كے وائرہ مے نیچے ہیں ان پر کمیل ما فقر میرالیبا (۱۸۷) اعصا کو لگا نارد صونا کہ ایک عصوسو کھنے سے بہتے ہی دوسر معقور دھولے (١٥) کا نوں کاسے کرنا (١١) برکروہ بات (مالمگيري وبهاد شرليت)

وصوبی این این میں سے بچھٹری ان کی نغدا دہ مہت زیادہ سے کو اگر تنفیل سے اس کی نغدا دہ مہت زیادہ سے کو اگر تنفیل سے میں دکر مہو جکیں۔ باتی کو اگر تنفیل سے مساتھ جا نشاہو تو ہڑی گئا ہوں مثلاً ہما ہے استا وحفزت مسلا الشریعیۃ مولانا المجدی علی صاحب قبلہ رجمۃ الشریعیہ کی گنا ہے بہار شریعیت "کا مطاقع کی سے میں شکل وولوں ہا تھ دولوں ہا تھ دولوں ہا تھ دولوں کا فیا وال بی دولوں کا بیا وس نوان بی دولوں کا ابتدا کریں مگر دولوں رضا کہ کہ ان دولوں کو ایک ہی ساتھ ہوا

چا سبے (۲) انگیروں کی بیٹھ سے گرون کامسے کرنا (۳) اُو بنی جگہ بیٹھ کرونو کرنا (م) وضو کایانی پاک جگر کرانا (٥) اینے واقت سے وضو کایانی معرنا (١) دوسرے قبت کے بیلے یا نی بھرکرر کھ دینا (4) با عرورت وحتو کرنے میں و وسیر سے مرد مر لینا (٨) ومعيلي الكويني كو بھي تھراليٽا (٩) صاحب عذر رنه مو تروفت سے يہيے ومنو كر لینا (۱۰) اطبینان سے ومنوکرنا (۱۱) کانوں مے مسے کے دفت انگلیاں کان مے مورا نوں میں دامل کرنا (۱۲) کیڑوں کو سیکتے ہوئے فطرات سے بچانا (۱۴) وضوکا برن می کا بهو (۱۲۷) اگرنانید وغیره کا پونوندنلی کیا بهوابهو(۱۵) اگروهنو کا برن لوال بهوتو بائي طرف دكمبي (١٤) اگرلوشي دسترك بهوا بو نودسته كوتين با ردهولين (۱۸) اور با تقوسنه بررهب لولے کے مستریر با تقربه رکھب (۱۹) برعمتو کو دھو کم اس برما فن عصروبنا تا كر خطرے بدن ماكيرے برز ميكيس (٢٠) برعفو مے وصوتے ونت دل من وضوى نيست كا حا عز رسنا (٢١) برعمنوكود صويت وقت بسم المرا الدورة تُسْرِلْفِ وَكُلِمَ ثِنْهِمَا دَت بِرُصِمْنَا (۲۲) مِرعَفْتُوكُود صوتْ وقت الكُ الكُعْفُوكِ دَحْو كى دعاؤل كوير صنة رسنا (١٣) اعصناء وصنوكوبلامز ورت يو كيم كر خشك مركرے ا در اگر پونچے تو کچه نمی بانی رہنے سے (۲۴) ومنو کرے یا نقدز بھٹے کر برشبطان كانتكما سے (٢٥) وصورك لعداكر مكروه وقت مربولو دوركعت تما زيروك اس کوتیندالوصنو کھنے ہیں۔ (عامگیری جلداص و د بہار شرفیت وغیره) وصنو کے مروم است امون چا بھیں۔ (۱) عورت کے وصنو یا عسل کے نیا کے موستے یا فی سے وحنو کرنا (۲) وحنو کے بیے بخس مگریہ بیٹنا (۳) بخس جگر وحنو کا یان گرانا (م) مسجد کے اندر وصور کرنا (۵) وصور کے اعساء سے وصور کے برنن ين مطر مطبيكا ما (١) ياني بس كمصنكار ما منتوك الوالن (٤) قبله كى طرف نقوكنا بالمعنكام والنا (٨) بلا عزودت ونباكى باست كرنا (٩) عزورت سيد زياده يانى خري كرنا.

(۱۰) اس قدر کم یا تی خرج کمنا کرستنت ا دا ندم پور(۱۱) مشریر مانی مارنا (۱۲) مشر بر با نی والفيرونين بيونكنا (١٢٣)حرف إيك بإنف سيمتر وحونا (١٤٢) بمونت بالتحكول كو زورسے مندکر کے متر وصونا (۱۵) حلق اور گلے کامسے کرنا (۱۲) بائش افغرسے کل كرنايا ناك مي مانى والنا (١٤) واست ما تفريسه ناك صاف كرنا (١٨) است ليدكونى وصنو كا بزنن مخصوص كرلمينا (١٩) تمين تنصين يانيون سي تين د فعهر كامسَ كمنا (٢٠) س کیرے سے استنجاء کا یانی نوشک کیا ہوائس سے دھنو کے اعصاً و کو برنجینا (۲۱) وصوب بی گرم محور نے والے یا فی سے وصور کرنا ، ان سے علاوہ مرسنت کو جیوڑنا کروہ ہے۔ (بہارشربین) مستملير وصورز بهوتونما زوسيرك تلاوت اوزفراك تشريب بيجو في كے ليے وضور كرتا فرمن سيدا ورخا مركعيد كے طواف كے يليد وحنو واسب سعد (عالمكرى حلوم) ممتلد جنب کو کھانے بینے مونے کے لیے وصور کستا سندے ہے۔ اسی طرح ا ذان دا فامت و خطبه جمعه وعيرين ا ورروصنه مياركررسول ملى الشرعليروسلم كي نہارت اور و قوب عرفہ اورصفا ومروہ کے ورمیان معی کے لیے ومنو کرلیٹ منتت ہے۔ (بہارٹربعیت) مستلم سونے کے بلیے اس نے کے بعد ہمتیت کو تہلانے با اٹھانے کے بعد جماع سع بيهد ، عصر الما في مح وقت ، زباتى فران مشرليف يرصف ما علم حدمت اوردوكم ديني علوم برهي يرهاني كياني إدى كما بي ميكون كيدي المركا چھو نے یا کا فرسے بدن چھوجانے باصلیب بائیت چھوجانے کے بعد، جوط بولنے، قیبست کرنے ا ورس گناہ کے لید ٹوبہ کرتے وفنت کی عودت سے بدن سے اینابدن بے بردہ چکوجا نے سے ماکوراصی اوربرس والے کا بدن چکوجانے سے یعل کھیانے اور اونرٹ کاگونشت کھانے ہے بعد ان سیسمور توں می وحنوکم

(بهارتشرنعیت)

مسکہ وصو کے بعد کس کا سنر دیکھ اپایا اپناستر کمی گیا یا خود با لکل ننگے ہوکروخو
کبایا نہانے کے دقت ننگے ہی ننگے وصو کہا تو وضو نہیں کوشا ۔ بر ہوجا ہوں میں منہوا
سے کہ اپناستر کھی جانے یا دوسر سے کا سنر دیکھ لیلنے سے وصو ٹوٹ جا ناہیے یہ
بالکل علا ہے ۔ ہاں البنذ یہ وصو کے اکا ب بمی سے ہے کہ ناف سے زانو کے نے
بالکل علا ہے ۔ ہاں البنذ یہ وصو کے اکا ب بمی سے ہے کہ ناف سے زانو کے نے
بمک سب ستر چیا ہمو ملکہ استنجا کے بعد فوراً ہی چیپالینا چا ہیے کمیونکہ بغیر ورت
ستر کھول رہنا من ہے ۔ اور دوسروں کے سامنے سنر کھولتا حوام ہے ۔
مسئلہ راگر ناک صاف کی اُس میں سے جا ہوا تون نسکلا تو وصونہ بس ٹوٹا اور اگر مسئلہ راگر ناک وائو وصونہ ٹوٹا اور اگر

مُسَلَّد چالانوج والا - اگراس بي كاپانی بهرگيا توومنوټوش گي اوداگريانی ښس بهانو دمنونه بيرتون ر

مسئله ركان من تبن فوالا غفا ا ورائب دن بعدوه تبل كان با ناك سيفر كلانو وعنونهيس نوطا -

مستلم ترخم پرگرط معا بڑگیا را وراس بین سے کچھ تری جگی گرم بی نہیں توقع

مسلم مهمل، محمر، مکن، نیتونے تون چوسانو و منو تهبی توان (در منار) مستكر في بي مرف كيجوا كراته ومنونهي فوالدا الداكراس كي ما خدكيه ياتى وغره مى نكلا نوديكيس سكر من عبريد بانسي اكرمنه عمر موتو وصور وس ماست كا مداكر عرمتر سے کم ہو تو وحو نہیں تو کے گا۔ (درمغار) مستكر ومنوكرنے كے درمیان اگرومتو توس كي توجير تنموع سے ومنوكرے بهاں بك كر أكر طويس يا في ليا اور سوا خارج موكمي توبيط وكا يافي بيكار موكي -اس ما في س كوئى عصنو ند دهوئ ملكر دوسر يانى سے عير سے وحلو كرے -مسئلہ وکھنی ہوئی آنکھ اوکھتی ہوئی جاتی او کھنے ہوئے کان سے ہوبانی سکے وہ نجس سے اس سے وضو توسط جا ما سے۔ رما الكيرى حلدا ص ا وغرو) مستلديكي كخفوك ببنون نظرايا تو الريفوك كارنك زردى أن بع توونو نبین نوشاً . اورا گرفتوک سرخی مائل بروگها تو وصور نوسط کیا . (روالمختار میداص ۱۹۸) مسئلہ۔ دھنو کے لیدرانن با بال کٹا با تو وحنونہیں ٹوٹا ہز وحنو کو وہرانے کی فرور ہے ناخیٰ کو دھونے اور ہزمر کومٹے کرنے کی مزورت ہے۔ مستلمه اگرومنوکرنے کی ما لست بن کری عصنو کے وصور نے بن شک وا فع مجوا ور برزندگی کا پہلا وا قعربے تواس عفو کود صوبے اور اکٹر اس تسم کا شک بڑا کرنا ہے تواس کی طرف نوج مز کرے۔ بوں ہی اگر وحنو اور ابر جانے کے بعد سک پڑ جائے تواس کا کھ خبال فرکرے۔ وعالمگری ملداص ١٣) مستكرروا وضوعفا ب است شك سير كروضوسيد با توسط كبانواس كووضوكر كى حزودت نهبىر . بال چنوكرلينا بنير بيے جب كريرشپربطور وسوسرن بواكرنا ہوا ور اگروسوسه سے ابسا شبرم وجا با کرتا مو تواس سنبد کو برگز نه مانے راس صورت بی ا حنبيا طسحه كرو فنوكرنا احتبيا طنهبي بلكه وسوسركي اطاعن بيد (عالمكرى جلااص") مسلمر اگرب وفنونها، اب اسے شک سے کرمی نے وفنوک بانہ بن تو وہ نقبناً

بلادهنو سیے ۔ اس کو وصنو کرنا صروری سیے ۔ (عالمگبری جلدا ص ۱۷ ونجرہ)
مسئلہ ربریا در سیے کردھنومیں کوئی عفنودھونے سے رہ گبا نگرمعلوم نہیں کہ وہ
کونسا عصنو بختا تو یا یاں یا وُں دھو ہے ۔ (در مختار مبلدا ص ۱۰۱)
مسئسلہ پر شیر توارشیخے نے نے کی اور دودھ ڈوال دیا اگر دہ ممنہ بھرنے ہے نجس ہے
درہم سے زما دہ جگر میں جی چیز کو لگ جائے نا پاک کرنے گارلیکن اگر میردودھ معدہ سے
نہیں کہ یا ملکر سینہ نک پہنچ کر میں ہا جاتے تو پاک ہے ۔ (در مختار مبلوا می ۱۹)
مسئسلہ سونے بی جوال معرسے کر سے اگر میں بیدی سے آئے اگر جا وہ بدلودار
مسئسلہ سونے بی جوال معرسے کر سے اگر میں بیدی سے آئے اگر جا وہ بدلودار
مویاک ہے ۔ (در مختار مبلوا میں ۱۹)

مسلم رمُرنے کے منرسے جو بانی بہے وہ ناباک ہے۔ (در مخیار مبلاص ۱۳) مسلم منرسے اننا خون کلاکہ مفتوک مرخ ہوگی راگرلوٹے یاکٹورے کومنہ لگاکم کل کیلئے ہا نی لیا نولوٹا ،کٹورا اور کل بانی نجس موجائے گا رجلوسے یا نی ہے کہ کل کرے اور میر بافذ دصو کر کل کے لیے یانی ہے۔

عسل کے مسائل!

عسل بمن بن بیر بی فرض بی ماگران بن صیحتی ایک کوجیوژوییا: باان بی سے کسی برگری کردی نوخس بندی میں کا کران بن صیح کا۔ دعا مرکزی نقر کا منہ کے کرنے کرنے کے فرض سے لیمی برنوٹ سے اس کی برنو کا کی کرنے کی برنوٹ سے اس کی برنو کا کہ برنی کی برنوٹ کو کر بہر جائے۔ اکثر لوگ بہر جائے دی کرنے برن کر منوٹ لوگ ایک مندی برنوٹ کو کل کہنتے ہیں۔ با در کھو کہ جائے ہی کرنے برن کر برنوٹ ہیں۔ با در کھو کہ خصل میں فرض ہیں۔ برد کھو کہ نوٹ بین میں برنوگا ملک خسل میں فرض ہیں۔ برج برجر

منریانی مے کر خوب زیادہ منہ کو حرکت سے تاکرمنہ کے اندر مرم حصر می مانی

يہنے كرمبرمائے راگردوزہ وار نہ ہو توعسل كى كل بى عرعوہ بھى كرسے بال روزہ ی مالت میں نوغرہ مذکرے کرملن کے اندر مانی چیے جانے کا تحطرہ ہے۔ ا تا اوربو ميريم كرناك كين يا في طبعا ما فرص بيد كرسانس ا تا اوربو ميريم كرناك كينمنون بي جهان مك زم جهير ہے۔ اس کے اندر مانی حرصلے کر نخفنوں کے اندر سرجگر اور سرطف یانی بینے کرمہم اورناک کے اندرکی کھال باایک بال معیام کھاندرہ جائے ور متحسل مدمو گا۔ ا العني مرك والوس سے ياؤں كے تلوون نك بدل المكيني وائي باعبُ أوبرني، برمروت بي رو تكفط اور مراكب مال كريوس يوس يوست مسترير ما في بها فأعس عب فرص سيد يعيم لوگ مربريا في فوال كرمدن براد حراد حر ما تفتير البيت بن ما دريا في مدن برلويت ليتي بي ادام سيحة بين كم فسل موكيار ما لا كربدن كربهت سعدا يسيد حقد بين كراكرا حتباط كرسات عمل مي ان كا دميبان رركها ما تعاتوويان يا في تهين بيتينا . اوروه سوكها بي مه ماما ہے۔ یا در کھو کہ اس طرح نہانے سنعس نہیں ہوگا ۔ احد آدی تما قرید صنے محت ال نہیں موگا۔لہدا مروری سے کر حسل کرتے وقت خاص طور بران جند جگہوں برمانی بہنیا نے کا دھیان رکھیں بسرا ورواڑھی امر تجھ میووں کے ایک ایک بال اور بدان مے ہر سردونگئے کی جڑسے توک تک دھل جانے کا خیال رکھیں۔ اسی طرح کان کا بوجوت نظرة تأسيداس كى كراديون اورسورات اسى طرح عطورى اور كليكا جورى بيدك كالمني بغلیں۔ ناف کے فار، ران اور بیروکا ہوڑ۔ جنگا سا۔دونوں سرمنوں کے طلتے کی مگر ذکرا ورخصیوں کے ملنے کی عگر تصیبو کے نیچے کی ملکہ عورت کے وصلے ہو يسان كمه نيج كاحصته عودت كى تشريكاه كابرح حشه ان سب كوفيال سعيانى بها بهاكر دهوين اكربربرميكرياني بين كربهرمائه-عسل كاطريقيم اعس كرف كاطريقريه سي كرنتيت بعبى ول بس نهاف كااداده كرم

بہد گٹوں نک دونوں یا مقوں کو نمین مرتب دھوستے بھراستہاء کی جگہ کو دھوئے ہاں کیا ست ملی ہو یا نہ مہو، بھر بدن پراگر کہ بس مجاست کی ہوتواس کو بھی دھوشے اس کے بعد وضو کر سے اود کی کرنے اور ناک بن بان چڑھانے بی خوب ب الغہ کر ہے ، بھر بان بر یا تھ بھرا بھرا کہ بدن کو سے صوصًا جا ڈوں بی تناکم بین بان بر یا تھ بھرا بھرا کہ بدن کو سے صوصًا جا ڈوں بی تناکم کہیں بون کا کو ٹی موسر بانی بہتے ہے مرسر برا ور بولے بدن پر نین مرتبر بانی بہتے کہیں بون با ربانی بہتے کہیں بون باز بانی بہتے کہیں در اس کے بر مررص تر کو اور اس کے اور ایسی طریق مرتبر بان بہتے کہیں در اور بھی طریق دھیان دی تھے کہ اور تھی طریق دھیان دی تھے کہ کہیں در اور بین کی کھال باکو ٹی رو بی میں کر دھوسے اور ایسی طریق والے ہے۔

صروری میرید اور تالی ایسا کرتے ہیں کہ نمین نہیں کہ اندھ کو تحس کرنے ہیں۔

مروری میرید اور برتیال کرتے ہیں کہ نہا نے بین نا یاک تہمین او وہ بدن سب

پ ن ہوجائے گار حالا نکرا لیسا نہیں بلکہ بانی ڈال کر تہدن داور بدن پر ہانڈ بھراتے

سے نہیں کہ کی نامیت اور نیا وہ تھیلنی ہے اور ساسے بدن بلکہ نہا نے کے برتن تک
کو نجس کر دنئی سبے ۔ اس لیے نہا نے بین لازم سپے کر بیہے بدن کوا وداس کی سے کو بیسے برن کوا وداس کی اس میں کو بین کر بہن کر نہا تے ہیں وصو کر باک کو لیس ور نہیں تو کیا ہوگا ۔ اس تر یا فقر سے جن کر بیسے برت کوا وداس کی ما باک کو لیس ور نہیں تو کہ بین کو بین کر بہا تے ہیں وصو کر باک کو لیس ور نہیں تو کیا ہوگا ۔ اس تر با فقر سے جن کہ بین نا باک موجا بین گی ۔ اور سا دا بدن اور نہیں نہیں تا باک کر بین وہ جائے گا ۔

مسلم نیس بی مرکے بال گندھے ہوئے نہ ہوں توہر بال پر پڑسے نوک کک بانی بہنا مزودی ہے کہ ان کو کھول کم بہنا مزودی ہے دان کو کھول کم بہنا مزودی ہے دان کو کھول کم بہنا مزودی ہے۔ اور اگر گندھے ہوئے ہموں توجد بال کی جراوں کو ترکولینا مزودی ہے۔ گئدھے ہوئے بال کی جرآوں کو ترکولینا مزودی ہے۔ گندھے ہوئے بالوں کو کھول نا عزودی نہیں ۔ بال اگر کو ٹی ہوئی اتن سخت گندھی ہوئی ہو کھول نا مزودی ہے۔ ہموئی کو بھول امر مزودی ہے۔ در مخار جلدا میں ۱۰۲)

مسلم نیسل میں کا توں کی بالیوں اور ناک کی کبیل کے سودا نوں میں بالیوں اور کسل کو پیراکریانی پہنچا نا حزودی سہے۔

کن کی جے روں سے سل فرص ہوجا ما سے ان جے روں سے سل فرص ہوجا تاہے انہوں کے بین (۱) منی کا ابنی جگہ سے انہوت کے ساتھ جدا ہوکر نکلنا (۲) احتلام بعبی سوتے ہیں منی کا نہی جا تا (۳) فرارکے سرکا عورت کے ایکے با جی با مرد کے تیکھے واضل ہونا دو نوں پڑسل فرض کر دیتا ہے درم) جین کا ختم ہونا (۵) نفاس سے فارع ہونا۔ (عالمگری جلوا می ہاممری) مسئلے۔ جمعہ، عید، بقرعید، عرفہ کے دن اورا حوام با ند صفتے و قت عسل کر لینا مسئلے۔ جمعہ، عید، بقرعید، عرفہ کے دن اورا حوام باند صفتے و قت عسل کر لینا مسئلے۔ میدان عزنات اور مزد لفر میں علم رفے یہ مورہ کی حاصری طوا کی میں ان میں مردہ نہ بلا نے کے بعد۔ جنوال در میں مردہ نہ بلا نے کے بعد۔ جنوال در میں مردہ نہ بلا نے کے بعد جنوال در میں مردہ نہ بلا نے کے بعد جنوال در میں مردہ نہ بلا نے کے بعد۔ جنوال در عشی سے ہوئی میں ہے نے بعد۔ جنوال در عشی سے ہوئی میں ہے نے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیے یسفر سے آئے کے بعد۔ بنا گیڑا پیننے کے لیعد کے بنا کی بلاد

عتی سے ہوش میں کمنے مے بعد۔ نیا گیڑا پیننے مے لیے سفرسے کے نعد۔ استعاصر بند ہوئے مے بعد گناہ سے توبرکرنے کے بیے نماز اسنسقاد کے لیے گرمن کے وقت نماز کے لیے نوف تاریکی را تدھی کے وقت ان سب صورتوں بی غسل کرلنی استخب ہے۔ (در مخمار جلداص ۱۲ ادبیرہ)

مسئلہ۔ جس پڑسل فرض ہواس کو بغیر ہائے (۱) مسجد میں جانا (۲) طوا ت کر الا) زان مجدری چھونا (۲) قرآن فٹریٹ کا پڑھٹا (۵) کسی آبت کو ککھٹا حرام ہے اور فقہ و صدیف اور دوسری دمنی کمآلوں کا چھونا کموہ سبے گرآبت کی جمہوں بران کتا ہوں بی بھی ما تھ لگانا حرام ہے۔ دور متمارور دائمخیار)

مسئلہ درود ترلف اور دماؤں کے باطعنی حریانیں گربہتریہ ہے کہ دمنو ماکلی کرسے۔ دیمارٹٹرلیت) مسلم عسن خانہ کے اندراگرچ بھیت نہ ہوننگ بدن نہاسنے بی کوئی حرج نہیں ہاں عورتوں کو بہت زادہ احتیاط کی خرورت سے مگر ننگے نہائے نو قبلہ کی طرف متر در کرے اور احتیاط کی خرورت سے مگر ننگے نہائے نو قبلہ کی طرف متر کرتے ہی کوئی حرج نہیں۔ مسئلہ عور نوں کو بیٹھ کر دونوں تو توں مرد کھرسے ہوکر تہائے یا بیٹھ کردونوں تو توں میں کوئی جرج نہیں۔

بی کوئی جرج ہمیں۔
مسئلہ رغس کے بعرف را کیڑے ہین ہے۔ در کاک نظے بدن نہ رسید۔
مسئلہ جس کے بعرف را کیڑے ہین ہے۔ در کاک نظے بدن نہ رسیدے
مسئلہ جس طرح مردوں کو مردوں سے سا منے سنز کھول کر نہا نا جرام ہوا می طرح
مسئلہ سے بلا عزورت سنز کھولنا جرا کہ ہمائے یہ تا اخر کنب فقہ
مسئلہ سے جس بڑھس واجب سے اسے جا ہتے کہ نہائے یہ تا اخر مذکر سے بکر جبلا
سے جل جس بڑھس کر صدیت تشریف میں سے کہ جس کھر میں جنگ بعنی ایسااک می
ہوجس بڑھس کر سے اس کھر میں رحمت سے قرشتے نہیں استے اور اگر فس کے سے بوجس بر میں انہی در کر سے کا مون کا وقت اگر ہا تو اپ فوراً نہانا فرض ہے ۔ اب تا بچر کرسے کا
بیں انہی در کر سے کا گرفاز کا وقت اگر ہوت جلام میں ۲۳)

مسلم بی فقی برس فقی برس فرخ سے اگروہ کھا نا کھانا جا بہاہے با عود مت سے جائ کرنا جا ہما ہے نواس کو چا ہنے کہ وخوکر سے باکم سے کم یا تقدمہ وصور ہے اور کی کرتے ادراگر و بیسے ہی کھانی لیا نوگناہ ہمیں نگر کمروہ سے اور تما ہی لانا ہے اور عرامی اور بے تہائے ہوئے با بے وضو کئے جاع کرلیا تو بھی کچھ گئاہ ہمیں نگر جس کو احدام ہوا ہواس کو بے نہائے ہوئے ورت عودت کے یاس نمیں جانا چا ہیئے۔ د ہمار تربعیت عبدہ جرامی

يتمم كابيان

اگرکہی وجرسے یانی سے استعمال پرقدرت تربہونو وضوا وٹیسل وہ قو*ل کے*

يفتيم كرلبنا جائرسيدمننلا البيي حكم بموكروط لاجارون طرف ايك ميل كك بانى كاينة بنهویا یا تی نوخریب می میں ہو مگروشمن یا درندہ جا نور کے خوف یا کسی دوسری وج سے پانی نہ مے سکتا ہو یا بان سے استعال سے بھار موجانے یا بھا ری کے بڑھ جا كاندليته اودكمان غالب موتوان صورتوں ميں بجائے وحنوا ورعسل سے تيم كرنے کاایک می طرلفرسے۔

متم كاطرافيراتيم كرف كاطريقه يرب كربم التدريط كريد ول يوتيم لاتين الرك الدروان صفى كهرك كرفريت أنْ أَتَيْلُمُ وَتَعَرَّبُ إِلَى اللهِ تَعَالى عِيردونوں إضول كى الكيوں كوكشادہ كركے زمين با ديوار بردونوں باعفوں كو ما المد ، بيم دونوں ما تخوں كو لور سے بمر سے براس طرح عيرات كر جمال ك وخوش بجرو دهونا فرمن سع لوسے بھرے رم وكر مائة بعرجائے ـ اگر باق يانحة بينے بو تواس كوشاكراس كيني كى كهال برمائة بيرا في يعردوبا ره دولون بالمفول كورين يا د بوادير ما دكرا پنے واسنے ما تفرق ما بن ما تف يرا مد با بن ما تھ كوا پنے داسنے ما تھ پرد کھ کر دولوں ہا تھوں پرکہنیو سمبت ما تف عیرائے اور جہاں مک وحلومی دولو^ں ما منون كاوهو ما فرص بعد و وان مك ما قد مع برحصتر بير ما مع جرح استه - اكر باختوں میں چوڑیاں باکوئی زیور پہنے ہوئے بوقد زیودکو سٹاکراس سے نیے کھا بدا فقد يعراسيئ - الرجم و اور دونون إعنون بربال برابر مكر بريمي نهيرا با توتيم نهیں ہوگا ۔ اس بلے نماص طورراس کا دھیان رکھنا جا سنے کہ جرسے اور دونوں (در مخار جلداص ۱۵۸ وغیره) م مخوں پر مرجگہ ما تفریمرا<u>ئے۔</u>

الميم من من جزي فرص بل (١) تيم كي تين (١) كولس جره ير وفرون المرات المراتمين وولول الفول برا فقويم الا

دورمتنارميداص ۱۵)

يهم كي سندين إن والم جيزين تم مي سنت بي دا ، سم الله يرها در) والخفول كورين

برمه ارناد٣) با عنول كوزين برمادكر اكرنيا هد غيا دلك كبابو توجيا الزنارم) زين يرما تقد ماركر بالتقول كولوم وينا (٥) يمع منرير باعد بيرنا (١) بيريا تفول بريا تديوانا-(٤) جبره اور ما تفول برلكا مار م فق عيرا فارايسا مر بوكر جبره يرم فقيم اكر معرديك بعدماً عُقُول مِرم تَقْ عِمر من (٨) يبط واللي عير اللي ما عَمُول مِرم عَد عِمرانا (٩) الكيك سے داڑھی کا خلال کرتا (۱۰) انگلوں کا خلال کرٹا جیس کران بن عبار عرف ہو۔

(بهاريشر معيت جلد اص ١٤ وعيره)

مستلم رمنی، ربت ، پتمر، گروونجره براس چیز سے تیم پوسکت سے بوز مین کی مبنس سے بولوما ، بینن ، کیرا ، رانگا ، تا نباء مکرای وغیرہ سے نیم نہیں موسکتا ہوکہ زمن کی جنس سے نہیں ہیں۔ با در کھو کر ہو چیز انگ سے جل کرنہ را کھ ہوتی ہے نز تھلتی ہے وہ زین کی جنس سے ہے۔ بعد مٹی وغیرہ اور ہو بھر انگ سے میل کردا کہ ہو جلئے ما مکیل جائے وہ زمن کی حبس سے نہیں۔ جیسے مردی اورسب دھائیں۔ (عامركت)

مسلم را کوسے تیم جا رتہیں۔ دعامگری)

مسئله - رئح كي ديوادا وركي ابين سيتيم جائز سعد الرحوان يزعبارة بواي طرح منى ايقروغيره يرجى عبارموياة مور بهرمال تميم جائزيد - (ما مركتف)

مسئلم مسجدين مويا غفا اورنها فكالحاجث بوكئ توفورا بي تنيم كر كح جلد

مستلد كى وجر مع نماز كا وقت أنا تنك بموكيا كداكر ومنوكر علا تو نا د تعنا موجائے گی تو چاہئے کرتم کرکے تدریرہ سے۔ بھراس بدلازم سے ک

وصنوكر كاس نما ذكو دس المق - دونمنا روروا لمناز حلواص ١٦١١

مسلمراكر مانی موجود مو تو قرآن مجد كو مجون ياسيدة تلاوت كے يالي تيم كرنا جائز

نهیں بکہ وصورت احروری ہے۔ در دائختار عداص ١٩٢)

مسئلہ۔ جس جگرسے ایک خص نے تیم کیا اسی جگرسے دوسرائی تیم کرسکتاہے۔ دبھا پشرلعین عبد اص - 2)

التنتجاء كابيان

جب استنباد نمانه مي دامل مونا ماست فوالله عَمَّدًا فِي الْمُحَدَّدِ الْمُحَدَّدِ الْمُعَلِّدِ الْمُنْطَحِدُ الْمُنْطَعِدُ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ

بشاب کے بعباستنجاء کا یہ طریقہ ہے کہ پہلے پاک مٹی یا بیتر یا بھٹے پرانے کرا مے کرمیشاب کی جگر کوسکھا نے اور اگر تعلوہ آنے کا شبر ہو تو کچے بھی ان کی نس کر یا پاؤں ذہن پر ہاد کر کوسٹش کوسے کر کہ کا بھوا قعل یا بڑکل بڑے بھر یانی سے بدت ب کی جگر دھو ڈوا نے اور دیا نا نہ کے بعداستنجا کرنے کا یہ طریقہ ہے کہ پہلے جند ڈھی ہو یا جفروں سے پانیا نہ کی جگر کو اپنچ پر کرمیا ن کرنے جریانی سے اپھی طرح دھو دوائے۔ مسئل پر ڈوھیلا اور بانی دو نوں بائی با فذ سے استعال کرے۔ دا ہے باقعہ سے استعال ترکی ہے۔ مستعلم و طومبلا استنعال كرف ك بعدم في سعيمي دهوليدًا يداستنجاد كاستحب الرلقر سيد در در حرف في صيلا ا ورحرف بانى سعيمي استنجاء كرلينا ما كزسيد

مسئلہ کھانے کی بیزیں اکا غذہ میری اکوبرا کو ٹلہ اورجا نوروں کے جارہ سے استخاء کرنامنع سے ۔

مسئلير يليباب بإخاد كرن وقت قيله كاطرت منريا بليخ كرنا جائز نهين بها

عك مي أنزيا وكلن كي جانب منه كرنا چار منط .

مسلم تالآب یا ندی کے گھاٹ پر، کنوی یا ہوئ کے کنادسے پان بی اگری بہنا ہوا یا فی ہو، کھیل والے یا سایہ وار درخت کے نیجے ، اجسے کھیٹ بی جس میں کھیتی موجود ہو ترستان ہیں ، بیچ سرطک ، داستوں ہے، جانوروں کے با ندھے جانے یا جھٹنے کی جگہوں ہر اور جہاں لوگی وصوریا عسل کرتے ہوں اور جس مجگہ لوگ اُسٹنے باجھٹے ہوں ران سد جگہوں ہر میٹا ب یا یا خانہ کونامنع سے ۔

و در من ار ملداص ۱۲۹ وعالمگری مبداص ۱۷)

مسئلہ۔ بیٹیاب یا خانہ لوگوں کی نگاہوں سے چگپ کریائی چیزی آٹھی بھی کرانا چاہئے۔ جہاں لوگوں کی نظرستر رپڑپسے، پیٹاب پاخانہ کرنامنع سے ۔ مسئلہ۔ وضو کے بہے ہو شے پانی سے استنجاء نہ کرنا چاہئے۔

(يها دِشرييت عِلدًا ص ١٦)

ہ میں دیوں ۔ مشکلہ ۔ کھوٹسے ہوکر یالبیٹ کر آئے ننگے ہوکر بیٹیا ب کرنا کردہ ہیں۔ یونہی ننگے سر پلیٹا ب کرنا ، پا نواز کو جانا یا اپنے ہم اِہ البی چیز لے جانا جس پرکوئی دعا یا انتگرہ رسول یاکس بزرگ کا نام لکھا ہوممنوع ہے۔ اسی طرح پیٹیاب پا خانہ کرتے ہوئے۔

بات چیبت کرنامجی کروه سیے۔

مسئل راگر بیتیاب پانان کرنے وقت افان ہوتے گے توزبان سے افاان کا جواب مرے راسی طرح اگر خود میں کے توزبان سے امحد تشر ترکیے ول میں کہ سے راسی طرح کی نے چین کک کرالحر تشرکها تو زبان سے پرتنگ انڈ کہ کر چین کے محاب نہے ہوئیں۔ بلکول ہی میں برجمک انڈر کہرئے ۔

يانى كابيان

بن جن با نیوں سے دھنو جائز ہے اُن سے صلی جا ترہے اورجن جن _با ابو^ں سے د<mark>ھنو نا جا ترہے ان سے عمل ہی</mark> ناجا ترہیے ۔

کو کن ما نبول سے وحو جا تربید ؟ الله باسمندر، برف اولے کے بانوں سے دعنوا درغمل کرناجا ترب برشر جبیکر برسب یا فی یاک بیوں۔

مرف سے یا فی نا پاک نہیں ہوتا ا وراس یا فی سے وخوا ورخس کرناجا کرنے دوا کمگری ص ۲۳)
مسلم را اگر پانی بی معنورا سا صالون ملک جس سے یا فی کا دنگ بعرل گیا تواس یا فی سے
وضوا ورخس جا نزہے ۔لیکن اگراس قدر زما وہ صالون یا فی بی گورل دیا گیا کہ با فی سنو
کی طرح کا ارجا ہوگا تو س یا فی سے وصوا ورخس جا گزنہیں ہوگا (حا المکیری مبلوا ص ۲۰)
مسئملہ رہے جا نور بانی ہی بی بیدا ہوئے ہی اور پائی ہی بی زندگی بسر کرتے ہیں ۔ جیسے
مسئملہ رہے جا نور بانی ہی بین بیدا ہوئے ہی اور پائی ہی دیں زندگی بسر کرتے ہیں ۔ جیسے
مسئملہ رہے اور بانی ہی میں بیدا ہوئے ہی اور پائی ہی درجانے سے بانی ایا کہ ہیں ہوتا ایک اس موتا ایک اس موتا کی ایک میں موتا درخس جا نی ایا کہ تعمیر ہوتا کی اس موتا کی ایک میں موتا کے باتی ہی حرجات سے بانی ایا کہ تعمیر ہوتا کی ایک میں موتا کی ایک میں موتا کی ایک میں موتا کے باتی ہی حدول میں موتا کے باتی ہی حدول میں موتا کرتے ہیں۔

مستلهددس باغد لمبادس با تفرور ايوسوس مواسع ده در ده اور برا ومن ممني بن بى بنين با تقلمها ياني في خديولا كل لمها في ولا أني مويا خذ مود الداكر كول موزوا س ي كولان نقريباسار هي بينتيس إخرمورا وراكر لميائي يوالى موما غذر بوتواس ومن كوهموا ومن كين إس الرميكننا بى كمرابو، ٹرے حوض بى الركوئى نجاست بركئ تووہ اس وقت تك یاک مانا جائے گا جب تک گراس می تخانست کے اور سے اس کے یانی کا زنگ ولو مامرہ نہ بدل جائے اور چھول اوق ایک قطرہ کا است بڑھائے سے جی نایاک بموماً بیگا (عام کنند) مستلمر بويانى ومنوباعس كرنيس مرن سع كراده ياك سي كواس سعد ومنواور غسل جأ مزنهي بورس اكرب وتوضعص كام تقرما انكل بالورا ناحن بالدن كاكون ككرابو ومنوي دصوبا جانا برويقفدوا با قصد ده ورده سع كم يانس مع دمي والراع توده ال وصواور عسل كمالأن مردبا - اسى طرح سم سخف يربنها نا فرمن بيداس كم جم كاكو أى بيوها موا مصتر بانى سے جومائے تووہ يانى اورعس محكم كان ديد اگرد ملا موا يا تقربابلا كاكونى صِريانى من الرمائة توكونى حرج نسين - (يمار خرايت) مستلدر الكرما نفددها بمواس مكر عيروهون كي تتبت سعياني بس محالا بانقا وديدوهو تواب كاكام موجيس كمان كم يليم إومنو كي يعانو سريا في منعل موكما بعن ومو کے کام کاندریاا دراس کابینا بھی مروہ سے ۔ (بہار شرنیت مبلدا ص ۲۹)

اس مستلد کا خاص طور پردھیان دکھتا جا ہیئے عوام تو عوام کیفٹ نواص بھی اس اس کسلہ سے خافل ہیں ۔

مستسکہ اسٹے زور سے بہنا ہوا یانی کہ اگراس میں نشکا ڈالا جلسٹے نواس کو بہا ہے بہت نجاست کے بڑے سے نا پاک نہیں ہوگا۔ لیکن اگرا تنی زما وہ نجاست پڑجائے کہ وہ نجا بانی کے دنگ یا بو یا مزہ کو بدل میسے تواس صورت میں بہتا ہوا یا تی ہی نا پاک جوجائے گا امرداب یہ پائی اس وقت پاک بروگا کہ بانی کا بہا ڈیسا دی نجا ست کو بہا ہے جائے اور یانی کا دنگ احداد، مزہ تھیک ہوجائے۔

مسئلہ نا الاب اوروس بافتہ لمباوس باعظ بولا احرق بھی ہے ہوئے ہوئے بانی کے ہم ہی ہے ہوئے ہوئے بانی کے ہم ہی ہے بہ بھی تقوطی می ہے ہوئے ہوئے ہیں ہوگا ۔ بھی تقوطی می بخاصت بڑما نے کہ بالا ہم المراب ہوگا ۔ بھر مائے کہ بانی کا دنگ یا ہو بامزہ بدل جلٹے تو نا پاک مع وجائے گا ۔ مسئلہ رنا پاک بان کونود بھی استعمال کرنا حوام ہے اورجا فوروں کو بھی بلانا نا جا گزیہے ۔ بال کا دے وغیرہ کے کا بی لاسکتے ہیں۔ گزاس کا مدم کی گھر مجد میں لگانا جا گؤنہ ہیں ۔ مشکلہ ساماکی مائی مدن ماکھ سے ماہی ہور بھی لگاسے انے وہ نا ماک موجائے ہیں۔ گزاس کا مدم انے وہ نا ماک موجائے گا ۔ اس کو

مسلمرنا باک یانی برن باکیرسے یاجس می معی مگسجائے وہ نا باک موجائے گا۔اس کو جب مک باک بانی سے دھوکر باک مزکر لیں۔ یاک نہیں موگا۔

(بهارشرلعين وغيره عام كتب)

ممسکہ ریانی میں بلا دصل ہوا یا تھ بڑگیا اور کمی طرح ستیعیل ہوگیا اور برجا ہیں کہ برکا) کا ہوجائے تواجیا با ناس سے زیادہ اس میں طا دیں۔ نیز اس کا برطر لیے بھی ہے کاس بی ایک طرف سے بانی ڈالیس کر دوسری طرف سے بہرجائے ، سسب کام کا ہوجائیکا یونہی نایاک بانی کو بھی باک کرسکتے ہیں۔ (بہادشر لیست جلام میں ہم) مسئلہ رنا بالغ کا بھرا ہوا بانی کرمٹر گااس کی ملک ہوجائے اُسے بینیا با وحنود یا غسل باکسی کام بیں لان اس کے ماں باپ یاجس کا وہ نوکر سے اس کے سواکسی کوجائز نہیں اگرچہ وہ اجازت بھی ہے ہے۔ اگر اس سے وخوکر لمیا تو وحوج اٹریکا اور گذرکار ہوگا۔ بہا سے متبن کوسبق لینا چا ہئے کر وہ اکثر نابالغ بچوں سے بانی بجروا کرا پیضا کا میں لایا کرتے ہیں۔ با در کھنا چاہئے کرنا بالغ کا بہتر جمع نہیں ہے۔ اسی طرح کسی یا بغ کا عجرا ہوا بانی بی بغیراس کی اجازت کے خرج کرنا حوام ہے۔ (بہارٹٹرلیست مبلدام ،۵)

جانورول کے جوٹے کا بیان

اومی اور جن جا نوروں کا گوشت حلال ہے ان کا بھوٹا پاک ہے جیسے بھڑا بھری کائے ، بھینس، کوتر، فاحمۃ وغیرہ ۔ (عالمگیری حلواص ۲۲ معری وغیرہ) بی جا توروں کا کوشت ہمبی کھایا جا ناجیسے سور رکتا ہشیر - چیتیا ۔ بھیڑ با ۔ کمیدڑ باعتی، بندراور تمام تنسکاری جو ہائے ان مجوں کا جھوٹا نا پاک ہے ۔

وعا لمكرى حلواص ٢٧٥ممرى وغره)

کھروں اور ملوں ہی رہنے واسے جانور مثلاً بتی ، تیولا ، جوہا ، مسانب ، جھبکل اور تشکاری پرنگر جیسے چیں ، کوار شکرا ، یا زوجرہ اور وہ مرغی ہجا دھراد صر بحیرتی اور نجاستوں برمنہ ڈا لتی ہوا ور وہ کا ئے بھینس مجملیط کھاتی ہو۔ ان سب کا جوٹما کروہ ہے۔ برمنہ ڈا لتی ہوا ور وہ کا ئے بھینس مجملیط کھاتی ہو۔ ان سب کا جوٹما کروہ ہے۔ (عالمگری ملداص ۲۷)

ممسلم . گدھے اور بچر کالبسینہ اگر کبڑے بی لگ جائے نوکٹرا یاک سے جا ہے کہتا ہی زمادہ لگا ہو۔

مسملہ بانی بی رہنے والے تم جانوروں کا جوٹا یاک بین خواہ ان کی بیدائش یانی بی بو جیسے مجل وغیرہ باحث کی بی بو جیسے مجبوا ، کی دا وغیرہ ۔ (ردامخدادی الله) مسمد کہ کے منہ سے اتنا خون بھاکے عقول بی در بی الکی ا دراس نے فوراً بانی بیا تور جوٹا یاتی بخس بوگیا اور مرزن می نایاک ہوگیا ۔

مستُّلد نَرْ ابی کی مونیسی آگر بلای بهول کرنٹر ایس مونیوں بی کل مونوجیت مک دہ مونیوں کو یاک مزکرے بولانی بیٹے کا وہ یانی احدیرتن دونوں نا یاک بوجا بیس کے۔ د در بخنا دص ۱۲۹)

كنوب كيمسأبل

كؤي بي كى آدى با جا فوركا با تماه پيشاب با مرى بطح كى به بيا بخون با ما لاى .

خراب وغيره كرى بجاست كا ابك قطره جى گرير سيا كوئى عى ناباك چركوب بي ير است قولوان نا باك جوجاشے كا احداث كا احداث توكون ن ناباك جركوب بي بر است كا احداث كا بحداث كا بعدا كري با ان الله بالمحداث كا بعدا كري با ان المحداث كا بعدات كا بعداث كا بعدا كري با كري بوجا شد كا ان المحداث كا بعدا كري با بن اكا لاجا شدك كا بعدات كا بعدال بيا باك بوجا شد كا ان المحداث كا بعدال بيا باك باك مجاد بالا باك كري بالمواج المحداث كا بعدال بالمواج بالمواج كا بعدال بالمواج با

اورنس دول ماني مكال دينامنخب سيصاس كعدى كنوال ماك موحلف كا ممشلہ ۔ جن جانودوں کا جوٹا یاک ہے جیسے بجری، گائے ، ہجینس وغیرہ ال ہیسے ا كركونى كنوي بي كريوسنه اورزنده كل أئه اوران كے بدن يكى تجامست كالكابونا معدم نرم وتوكنوان بأكسيد ميكن احتياطا بمس وول مان نعال والبي-مستعلم وهلال مرندول جيسه كبوترا ودكورتيا بمعناءم غابي وغيره أونيح الأت والعرندو کی میٹ کنوس میں گرصائے نوکنواں تایاک نہیں ہوگا ربوں ہی جماگا در کے بنتاب سے معی کنوان تا یاک نرموگا ۔ (خانبروغیرہ)

مستكرر يربوحكم دبا كيليدكر فلال فلال صورت بي أمنا أننا بال مكالا جلت قوام کا پرمطلب ہے کہ بحریم کو ہوں میں گری ہے۔ پیداس کوکنوں میں سے معال لیں۔ پیر إنها يا في مكالبي اكروه بيم كنوي مي بي برى رسي توكننا بي يا في مكاليي مبكار سد-دور مختارورد المخنار طداص ۱۴۱)

مستكر جهان جهان اشيق استفردول بإنى مكالف كا ذكراً باسب ومان فعول كأكنتي اس دول سے ی جائے گی جو دول اس کنوس بر استعال موتار ما ہے۔ اوراگراس كاكونى خاص دول مرمونواتنا بالزوول مونا جاست جس مي سوايا يرخ كميوماني أكم دورمتارطداص ۱۹۸۵

سلم رسالن یا یانی با تربت می اگر عمی گریسے نواس کو عوط دے کر با بر عینک دب، ودسالن، یانی ، نتربت کو کھایی لیں ۔ عدمیث تترلیب بی سعکر اگر کھانے ہی تھی كريسية واس كوكهافي بن عوط في كرهي كو يجديك دير عيراس كان كوكها بي كبوكم كمى كے دويروں ميں سے ايك ميں جمارى اور دومرسے ميں اس كى شفاہے اود کھی اس برکو کھا نے بس بید والتی سے جس بی میاری ہوتی ہے۔ اسلیم عوط وسے كر ووسرا تشفاء والا يرعبى كما فيسي مينياوي -

(مشكوة مبلدم ص ١٦٣ باب ما كين اكلم)

مسئلہ۔ ناپاک کنویں میں سے میں حقیقہ یائی مکا لنے کامکم سے جب انتا بانی کال لیا گیا تواب وہ ڈول اور دسی اور کنویں کی دیواری مسب نود بخود باک مو گئیں۔ کسی کو دھوکر باک کرنے کی عزورت نہیں۔ (مدابی ۲۷ ورد المختار میادا ص ۱۲۷)

نياستول كابيان!

تجاست کی دو سمیں ہیں ۔ دری غلیفا دیمیاری نزایہ دو

مرداد کاگونشت برسب تخاست علیظ ہی ۔

میسے کا مست تحقیقہ الم میں کھوڑے ، میں اللہ میں بھیر ، بھری وغیرہ ملال جا نوروں کا میں اللہ میں اللہ میں اللہ م نچا مست تحقیقہ الیوں ہی کھوڑے کا پیٹیاب اور حرام پرندوں کی سبٹ یہ سب

محقيقه با

مسئلہ من است علیظر ماحکم ہے سے کہ اگر کیڑھ میں ایک درہم سے زیادہ الکہ جائے نواس ایک درہم سے زیادہ الکہ جائے نواس کا باک کرنا فرص ہے۔ بے باک کئے اگر نماز پڑھ ل فرہیں ہوگا اور الگر پڑھی توگناہ بھی موا ۔ اورا گرنماز کو حقر چرز بھتے ہوئے البساکی توکفر ہوا را وراگر درہم سے درہم سے برا برہد نوباک کرنا وا جب سے کہ بے باک کیا تاریخ می تونماز کروہ تحرکی بورگ درم البنا وا جب سے اور فعد اً بڑھی نوگر تا کہ دیم ہوا ۔ اور

اگردرہم سے کم سیے توباک کونا سنت سیے کہ باک کیے نما ذہوگی کر خلاف سنت سیے کہ باک کے نما ذہوگی کر خلاف است سے ہوئی سا دراس نما ذکو ڈوہرا لینا بہتر ہے ۔

مسئولم یہ بنا اس تا بلیظر اگر کا ڈھی ہو جیسے یا خانہ ، لید، کو بر فودرہم کے برابر یا کم مسئولم یہ بنی اور ہم کا دزن ریادہ ہونے کے معنی یہ جی کہ وزن میں درہم کے برابر یا کم بازیا دہ ہو۔ درہم کا دزن ساڑھے جا اور اگر نجا است فلیظر نتی ہو جیسے بیشا یہ اور اگر نجا است فلیظر نتی ہو جیسے بیشا یہ اور اگر کی منفدار بھی ساڑھے جا اور اگر نجا است فلیظر نتی ہو جیسے بیشا کہ موان کی منفدار بھی سے مراد اس کی ملبائی جو اللی کم ایک ہون کے برابر بنائی ہو اور شرک سے دارہ یا نی کا جننا مجیلا و سے دائنی فرائی کے برابر سے زیادہ بانی نزگرک سے دارہ یا نی کا جننا مجیلا و سے دائنی ان خوالی کہ بوائی ہو جا تھی دو ہے کی لمبائی جو اگر کے برابر۔
بری درہم کی لمبائی جو ڈائی مہوتی ہے ۔ بعبتی دو ہے کی لمبائی جو ڈائی کے برابر۔
بری درہم کی لمبائی جو ڈائی مہوتی ہے ۔ بعبتی دو ہے کی لمبائی جو ڈائی کے برابر۔

مسئلہ و بناست تعفیہ کا مکم بیرسے کہ کیڑے یا بدن کے بس صفہ میں گئی ہے اگر اس کی چف آئی سے کم سے مثلاً آسنیں میں گئی ہے تواس کی جو تعانی سے کم میں گئی یا ہاتھ میں ہاتھ کی جو تقائی سے کم میں گئی تومعا ف ہے۔ اورا کر لوری چو تفائی میں گئی ہو تو بغیر وصو کہ باک کیسے نماز نہ ہوگی۔ دور نمتا رجلوا میں ہما ا) مسئلہ و جو بنی سست کہڑے یا بدن میں گئی ہے اس کو باک کرنے کا طراحتہ میں ہے کہ اگر مناسب ول والی جو جیسے لید، گور، یا خانہ تواس کے دھونے میں کو ٹی گفتی مقررتہ میں

مسلم مروی مرت برسے با برق بی صیعه بن موبان مرسد و مرجد یا ہدی می کا گفتی مقررہ ہیں ہے۔ می کا مدت و مرجد یا ہدی کا است ول والی موجلیے لبدی گوری ہا خانہ تواس کے دھونے میں گوری جانے توالی بلکاس نجامست کو در کرنا حروری ہے اگر ایک ہوجائے گا ساکر چاریا نجے مرتبہ دھونے سے دُور کہا ہا کہ جا میں نجامست دُور مہوجائے تو نمی بالر میں تجامست دُور مہوجائے تو نمی بالر میں نجامست دُور مہوجائے تو نمی بالر دھولینا مہتر ہے ۔ اور انگر نجامست ولدار نہ موملکہ نیتی ہوجیسے بہتیا جی غیرہ تو تین مرتبہ دھولینا مہتر ہے ۔ اور انگر نجامست ولدار نہ موملکہ نیتی ہوجیسے بہتیا جی غیرہ تو تین مرتبہ دھولینا مہتر ہا ور انگر نجامست ولدار نہ موملکہ نیتی ہوجیسے بہتیا جی غیرہ تو تین مرتبہ دھولینا ایک ہوجائے گا۔

د ودمختارچلداص ۱۱۸ تا ۲۲۱)

مستله رنجاست عليظرا ورخفيف كي جوالك الكسحكم نناشته سكته بس برامى وقت بي كم بدن اوركير مي م باست ملى موا وراكدكمي تبلي جيز د ووه با مركه ما ما في مي نجاست برمائے لوجا ہے بخانست علیظ مویا تحقیقہ مہرجال نی جزنا یاک مومالی اگرجابک (بهارشرلعيت ملداض ١٩٠ ىى فطرە ئجاسىن يۇرگئى مو ـ مسئلہ رنجاست حفیفہ نجاست علیظ ہیں مائے توکل نجاست علیظ ہو گی ۔ (درمخرا <mark>رص</mark>اداص ۲۱۳) مسلم من موام جانورون کا دوده مخسب - البته گھوڑی کا دورھ پاک ہے گرکھانا جائز نسي - (بهارترليت جلدوص ٩٩) مسئله - بجرب كىمنىكني كىبورى لىكرىس كى باتيلى بركى توالما اوتىل ماكى ج ما الراس قدر زبا وه مينگذبال يركيني كرا اورتيل كامره بدل كما توالاا ورتبي ناياك موجائه كا وراس كا كما نا جائر تهيس موكا . (دوا لمحماً رحلداص١٢) سشلمر آدمی کاجیرا ناحی کے برابراکر ففواسے یا نی (بینی دہ دردہ سے کم ای ٹی جلت توه و یا نی نا یاک محوحات کا وراگه اوی کاکل مواناخ با بال یا نی می طرگیانویانی نا إكنهي موكاء (بها يشرليب جلدي ص ١٠١) مستله مر بخس جا نورنمک کی کان میں گرگرنمک موگیا نو دہ ممک پاک وحلال سے (در منا رحلداص عام) مسلمراً يع كاداكه ياك سيعا وراكرداكه بو ن سي تبل جُوكيا توناياك ب (بهارشرلعیت جلد۲ص۱۱) مِمسُلِمة الأك زبين اگريُو كه جلتُ اور نجاست كالتربيني زنگ و لوجاتي ہے ياك ہو كى تواه ده مواسير كه مويا وحوب يا آگ سيداس زلبن يرنماز برهسكة بي كراس زين سيتم بنيس كرسكة كيونكر تتم اليي زين سعكرنا جا أرب يس ركيمي هي (دوالمختاد حید ۲۰۸ مالیگیری ص ۲۰۱۱) نجانست ىزىدى مۇر

مسلم الهاک می سے برتن بنائے توجب نک کے پی نایاک ہیں۔ یعد بختہ کی لینے

مسلم الها کہ بورکئے ۔ ورد المخارجادا ص ۱۲)

مسلم اله بو بیر سو کھنے یا مکر شنے سے باک ہوگئی۔ اس کے بعد بحبیگ گئ تو تا پاک نه ہوگئ مثلاً زبن بر بیشاب بڑی بیرز بن سو کھ گئی اور بجاست کا اثر ذائی ہوگیا اور وہ نہیں باک ہوگئی۔ ایس کے بعد بحبیگ گئی تو نایاک نہیں ہوگی۔ یونی اگر چری نون فلکے نہیں باک ہوگئی۔ ایس اگر وہ نہیں بیر نوب رکوار کو اگر کا کونون کا اثر زائی کرویا توجری یا ک ہو نا پاک ہو کئی۔ اس اگر وہ جھری محبیگ گئی تو تا یا کہ جس موگئی۔ دیجا دشر لیست جلدا میں یہ اگر ہو مسئلہ ہے جو ذہن گو برسے لیبی گئی آگر چا با تو اس پر بھا زم المی الکر ہو موسکے جی آگر ہو اس پر بھا زم ہو اس پر بھا زم ہو سکے جی آگر ہو موسکے جی آگر ہو اس پر بھا زم ہو ہو ہی موٹا کہ الکر ہو اس پر بھا زم ہو ہو ہی موٹا کہ در بھا دیا ہو اس کو ترکر دے کو اس مورت بی بیر کی اگر ہو ہو ہو ہو گئی اور زنما ذرج و گئی ۔ در بھا دشر لیبیت مبلدا میں ہو گا اور زنما ذرج و گئی۔ در بھا دشر لیبیت مبلدا میں ہو گا اور زنما ذرج و گئی۔ در بھا دشر لیبیت مبلدا میں ہو گئی اور زنما ذرج و گئی۔ در بھا دشر لیبیت مبلدا میں ہو گئی اور زنما ذرج و گئی۔ در بھا در شراح ہو گئی ہو اس مورت بھی کہ اس مورت بھی کہ اس میں مبلدا میں ہو گا اور زنما ذرج و گئی ۔ در بھا در شراح ہو گئی ہو گئی ہو گئی ہو گئی مبلا میں مبلدا میں ہو گا اور زنما ذرج و گئی ۔ در بھا در شراح ہو ہو میں مبلدا میں ہو گا اور زنما ذرج و گئی ۔ در بھا در شراح ہو ہو گئی ہو

جيم ونفاس وجنابت كابسيان

ہا لغہ عودت کے آگے کے مقام سے جونون ما دت کے طور پر نکلہ ہے اور ہماری ا ادر مچر بدا ہو نے کے سبب سے نہواس کو جبن کہنے ہیں ۔ اور جون ہماری کی وجر سے آئے اس کو استفا عذر کہتے ہی اور بچر ہونے کے بعد و نون آ ناہے دہ نفاس کہن تاہیں۔

ممسلم تعیف کی مدت کم مسے کم نبی دن اور مین داخی ایدی پوسے بہ آمر کھنٹے ہے بونون اس سے کم مدت میں بندم و کیا وہ صیف نہیں بلکر اسنا منہ سے اور صیف کی مدّ زیادہ سے زیادہ دس دن اور دس راتیں ہیں۔ اگر دس دن اور دس دات سے نیا اونون آبانوا کر رحین میلی مرتبر اسے آبا ہے تو دس دن تک حیمن ما ناجائے گاا در اس کے دبد بونون آبا وہ اسخا منہ ہے اور اگر بسط اس ورت کو حیمن آبیکے ہیں اور اس کی عاد

وس دن سے کم منی نوعادت مسيمتنا زياده محوا وه استخاصته به مثال كے طور برس سجيوكه اس كوبر مهيني بي باخ ون حين أكف كما وت عنى راب كى مزنيروس ون آياتو وسوں ول حصی بعد اور اگر مارہ ون نون آیا توعادت والے یا نے ون حص کے مانے جائين كيا ورسات دن استما منرك اورا كرابك حالت مفررز هي بلكهمي جارون كهي یا نے دن حین ایماکہ تا نقاتو بھیل مرنبہ جننے دن حیض کے تنے وہی اب مجی حیف کے وا مانے جامیں گے اور مانی استیا حنرمانا جائے گا۔ مستلدكم سعكم نوبرس كي عرسے عورت كوجين مشروع ہوگا ا ورحین آنے كى انتہائی عربحين مال سے - اس عروالي عودت كواكسر دحيق واولا دسے نا أميد مون والى كنفي نورس كى عرسے يعط يونون الله و وصفى نهيى ملكراستحاصر سے يوندى ميكين رس كى عرك بعد يوتون أف وه عى استا صرب دىكن اكركس ورت كويجين رس كى عرمے بدر می خالص نون بالک ایسے ہی رنگ کا آباجبیا کر حین کے نمانے لیں آیا كرتا عقا تواس مين كومان ليا جائے _ مسلم رحن والى عورت كو يونون إبا وه استفا صفر م

مسئلی دو میمنوں کے درمیان کم سے کم پورے بندرہ دن کا فاصل مزوری ہے ہوئتی نفاس اور حیفی کے درمیان کم بندرہ دن کا فاصل مزوری ہے نواکہ نفاس خم ہونے کے بعد بندرہ دن بورے نرم ہوئے کے بعد بندرہ دن بورے نرم ہوئے کے کہتون آگیا تو برحین بندیں بکاستخاصنہ ہے ۔ مسئلہ مصند کر جیونگ ہیں (۱) سیاہ دس) سرخ (۳) سرخ (۵) گدلا (۲) مشیلہ خالص سفیدرنگ کی مطورت حین بندیں۔ دعا لمکری جلداص ۲۷ وغیرہ) مسئلہ رتفاس کی کم سے کم کوئی مرت مفرنہ ہیں ہے بیتر بیدا ہونے کے بعدا وصر کھند طوری کا موری اور نفاس کی زیادہ سے بیتر بیدا ہونے کے بعدا وصر کھند طوری دیں بیا ہونے کے بعدا وصر کھند طوری کا بیا ہون دات جا لیس ون دات ہے۔

مسئل کی عورت کومالیس دن سے زبا دو تون آیا ، تواگاس عورت کے بہلے ہی بار

د عالمگیری حلواص ۳۵)

بچر پیدا ہوا ہے یا یہ یا دنہیں کراس سے پہلے بچر پیدا ہونے میں کتنے دن تون آیا فا نومانيس دن رات نفاس سع، باني استحاصر ا ورجر بيلي عا دت معلم مونوعاد عدول الكرنقاس بعدا ورجواس معزياده سعوه استحامته سيع بسيمس ون تعاس كانون أخ كى عادت عنى براب كى مرتبة سنتاليس ون نون أبالوتميس دن نقاس كمان بالمايك اورسیررہ دن استما منہ کے میوں گئے۔ دعالمگیری ملدام ہ وغیرہ) سرم بدراہ ، وبرہ) اس کے سرکام اسم ونفاس کی مالت بی تماز برط صنا ورروزہ رکھنا المرام يعدان وونور عي تماز معات بمدان كفتا بھی نہیں ، البتر روزوں کی فصنا دوسر دلوں میں رکھنا فرصن سے اور حصی و نفاس والی فور كوقراك مجمد برهت احرام بيعتمواه ويجدكر برسع بإزباني برسع يومني فراك محد كاليموالمني حرام ہے۔ ہاں اگر جردان میں قرآن جید بوتواس جردان کو چھوٹے میں کوئی حرج نہیں - رعالگری ملداص ۲۹) مسلم قرآن جرر رصف کے علاوہ دوسر تمام وظا مُعن کارشرای ، ورود شرایت وغیرہ سیمن دنفاس کی مالت می عورت بلا کرابہت بطره مکنی ہے ملکم سخب ہے کم تما زول كے ادفات می وصوكر كے اتى دير مك درود مشرافي اوردوسر سے وظا كف يراه ايا كرد، ستن وبرهي نما زير هدسكن عنى تاكرعاوت باقى رسيد وعالمكرى ملواص ١٣ مسلمر حین و نفاس کی حالت می میر نری تعین جاع حوام ہے . بیکواس مالت میں نا ف سے کھنے مک ورت کے بدن کومرد اینے کی عمنو سے نہیجو نے کہ برجی کا ہے۔ ہاں البتہ ناف سے اور اور کھاٹنہ سے تیجے اس مالت بی عورت کے مدن کو چھونا يا برسر دينا جائز ہے۔ (عالمكرى جلدا مى ١٧) مستله رسين ونفاس كى ما لت ببي عوديث كومسجدين جانا حرام سيعه وإل أأرجيد یا دندے سے ڈرکر باکی بھی شدید مجبوری سے مجبور موکرمسجد میں علی جائے توجا کر ب گراس کوچا سنے کہ تیم کر کے مسجد می جائے۔

مستُل حيف ونفاس والي عوداگرعيدگاه بي داخل برجائے تولوئ حرج نہيں ۔ مستملہ رحین ونفاس کی حالت بی اگرمسجد کے باہریدہ کرا وربا تھ بڑھاکہ سمجد سے كوئى جيزاً عقالے بامسجدس كوئى جيز د كھھنے توما كرستے -مسئله يتحيين ونفاس والاكوخا يتركحته كحيا ندرجاناا ولاس كاطواف كمرناا كميمسجدحرا کے باہرسے ہوجرام ہے۔ (عالمگیری جلداص ۲۷) ممسكله مرحبين ونفاس كى حالت مي ميوى كواسيف لسنز ريسلان مين عليته ومته ماليتر کوقا بویں مزر کھنے کا اندلینٹ موزوشوم کے بلے لازم سے کربیوی کو اپنے لبنز برت سلائے ملک اگر گمان خالب مہوکہ علیہ شہوت بر قالوں در کھ سکے کا نوشوم کوالسجا لت می بیوی کوا بنے مما تھ سلانا حرام اور گناہ ہے۔ المستكر يحين ونفاس كى حالت بي بيرى كرسا غدم بمنترى كوحلا ل مجنا كغرب اور حرام سجيت مو ئے كرك نوسخت كنا مكار مواراس يرنوبكذا فرمن ہے اوراكر تروع حيق « نظاس بي البياكرابا توايك وبنارا وراكر فريب حمّ كے كيا نونصف دينا رخيرات كرنا منخب من اكر خدا كي غصنب معدامان يائي أر والمكر حددا على معرونيره) مسئ<mark>لہ۔ دوڑے</mark> کی حالت ہی اگر چین ولفاس شروع مجوگیا نووہ دوڑہ جا نا رہ<mark>ا۔</mark> اس كى نفنار كھے فرص متعا تو قصنا فرص بىر اورنىل نفا توففنا وا جب سے۔ مسلر نقاس كى حالت بى عورت كو زيّر خا نرسے كلما جائز سے بي بي بى حجن ولفا والى عورت كوسا تفر كھلانے اوراس كا حيوما كھانے بيركوئي حرج نهيس مبتدور سا مي نعص جكرجان عورتن حين ولقاص والى عودندل كيرتن الكردنني بسر ملكران بنتول كوا ورهين وتقاس والى عورتون كونجس مانتى بس يا وركعوك برسب مندوك كى دىمىي مى - الىي بهروده دىمول سىمسلات عودنون مردون كو بچنالاذم سے اكثر عورزن مي رواج ب كرجيت مك مِلّد لور نه موجائ الكرم نفاس كا حون سندمو مووہ مزنماز رطنی بی را بنے کو تماز کے قابل تھی بی ۔ برتھی محص جہاست ہے

منرلعبت كاحكم برسيصكر حبيسيمي نفاس كانون بندم واسى دفت مصفه اكرنما وشروع كردى ا وداكر بنا ف سع بما دى كاا ندنستر موتونيم كر ك نما در مصن منا دم وكر بركر مرهور و مسئل رحبن اگربورسے دس دن برحم موال نو ماک موتے می اس سے جاع کرنا جائز ب اگریراب مک غسل مذکیا مورینی مستحب برسے کرنہا نے کے بعد محبت کمے (عالمگرى علداص ٧٧)

مسلم الروس دن مصمم من حص مندم وكما نوتا فنبكر عس الركيد ما وه وقت ماز صمي ياك بوفى د كررجات صحبت كرنا جائز نهيى - (عالمكرى)

مسئل رصين و تفاس كى حالت بي سيرة تلا وت مي حرام بيدا ورسيدة كى آبن

سننے سے اس درسجدہ واجب نہیں۔

مسئلم ردات كوموت وفت عودت بإك عتى اورصح كوموكرا على توصين كالترديكما تواسى ونست مسيحيق كامكم وبإجائي كاردات بي سيحا تُعنر تهبي ما في جائے كى مستلدر حيف والي عبيح كوسوكراً على الدكدي بركوني نشان حيق كانهيس تورات مي سے یاک مان جائے گی ۔

استماصته بي ترتونما زمعاف سير مزوزه منراكبي عورس المتعاصنه كما المحاكم المعبت على اسخامته والى عورت تنازي يرهم كالعذه بھی دیکھے گی ،کعبہ مس معی داخل مہو گی مطواف کعیہ بھی کرسے گی ۔ فرآن فٹرلیٹ کی ملا بھی کریے گی ، وحنو کر کے قرآن مٹرلیف کو ہاتھ بھی لگائے گی ۔اورا سی حالت بی شوم

اس سے ہمستری بھی کرے گا۔ (عاملیری جلدا ص ٧٤)

و م جنب محدا حکام ایسے مردا ورعورت کوجن پرعسل فرمن ہوگیا د جنب کتے ا بی ا دراس نا یا کی کی حالت کود جنابت " کِتنے بی -

نوا ہمردم وباعورت جب مک غسل مزکر لے وہ مسجد می داخل نہیں ہوسکتا نہ قرآن مجید بره سكنا مع مذ فرأن من و بي كمة ملاوت أسكنا مهد منز باني يراه سكنا مع من قرأن يحيد

كويهوسكماسي نركعيين واعل موسكماسي ندكعبه كاطوا ف كرسكماسيد رما مركت مستلد يتنب كوسا تفكسلا قاس كاجوالا كهاني راس كيسلام ومعما فحرا وومعالة كرتيس كوئى حريبتيس - (الوداؤد علاص ٣٩) مسكله رجنب كوجا بينية كرملد سيحادثس كرسه كبونكريمول التدصل الدعليب ولمسف فرما باسعه كروحمت مح فرنست اس كرمن بهين جانے جس كرمن نعمور اوركما اور جنب يو- دالودادد علدا صهم) راسی طرح ایک حدیث میں یہ بھی آبا ہے کہ فر تشنع نتین شخصو کے فریب ہس مونے ابك كا قركام رده ، دوسم علوق رعود نون كى مكنين توشيو استفال كرف والا يعبير جُنب اومي مُرب كرونوكرے - (مشكوة طلاص ٥٠) مسلم يحبن ونفاس والى عورت باليسيم دوعورت بن بر عسل فرص ي اگر برلوگ قرآن مجد کی تعلیم دیں توان کولازم سے کر فرآن مجد کے ایک ایک لفظ ہر سانس نور تورا كرير صايق مندا اس طرح يرصاكين كرا محديث كرسانس تورس بير منثر يره مرسانس تورُّ دي ميردب العالمين رُّ صب - ايك سائس بي ليرري أكبت لكا نار

ر بڑ میں امد قرآن مجید کے الفاظ کو چنے کرائے میں می کوئی حرج نہیں۔ مسئلہ تقرآن مجید کے علاوہ اور دوسرے وطبیقے کلم تفریف و درو و تشریف وغیرہ مسئلہ تقرآن مجید کے یہے بلاکرا بہت جائز بلکمستحب سے جیسے کر حفق و تفاس ال

عورت سے بلیے فرآ ن مجید کے علاوہ د دمرے تمام ا زکار<mark>ووظا ٹ</mark>ف کو ٹیرصا جا گرد درست بلکمستنیہ ہے۔ دعا کمگیری <mark>علدا ص ۳۹)</mark>

معذود كاربيان

جس خص کوکوئی الی بیماری موجیسے پیشاب کے فطرے میکنے با دست آئے با استخاص کوکوئی الی بیمارا من کم ایک نماز کا پورا و دن گزرگیار اوردہ وخو

كے ساتھ نما زِفرصٰ ا دا ذكر سكا تو البستے في كو تشريعيت ميں معدّود كہتے ہيں البسے وگوں کے بلے سٹر بعبت کا بیم کم ہے کہ جب کمی تماز کا وقت ایجائے نوم عزود لوگ وصنوكرس ا وراسى ومتوسع متنى نماذي جابي ويرحصة دعى راس ودميان بي اكرم واد بارفطره وغيره أنا محيط الوكول كا وصنواس وفت مكنهيل لوط كاجب مك كراس تماز کا وَقت با تی رسیدا ور جلید می نماز کا وقت ختم مرواان لوگون کا وعنوثوط جائے گا اور دومبری تماز کے بیے عیر دوسرا و صنو کرنا پرے گا۔ (ما لمگبری علاص ۲۸) مسلم جب کوئی شخص سر لعبت بن معدورمان ابا گیا توجب مک برنمازے و تت بي ايك بارهي اس كا مدرياما ما تاريع كا وهمعدورسي رسي كا جب اسكوانتي مشفاء حامس بوجائي كماز كالودا وتنت كزرجائ وداس كوابك مرتبهي قطره وعره مذائد نواب ستخص معترورتهين ما ناجام الحكار وعالمكيري طواص ١٣٨) مستكررمعة ودكا وحتواس جيز سينهس جآناجس كيمسب سيمعندور مينكت الأ كوئى وصوتورك والى دومرى جزياتى كئى نواس كا دمنوجاً ما يهدكا . جيسيكى كونطر كامرض بها وروه معترور مان لياكبا توتمان كي يوسع و تت مي فطره أن سي تو اس کا ومنونسیں لوٹے کا بلین ہوا تھنے سے اس کا وحنو توط مائے گا۔ مسئله الركفوك بوكرنما زيرصفي قطره أجاتلب ادر بليط كرنما زيرصف بينظره نہیں ا کا تواس پر فرص ہے کہ تما زجینے کر بڑھاکرے اوروہ معتر ورسی شمار کیا جائےگا۔

تمارك وقول كابيال

دن دان میں کل بالنے نما زمی فرص ہیں فجر، ظہر، عصر، مغرب، عشاء الدن بالحوں منا زوں کا اللہ تعالیٰ کی طرف سے وقت مفرر ہے اور جس نماز کا وقت ہوم تورسط س نما زکر وقت میں بڑھتا فرص ہے۔ وقت نمی جانے کے بعد نماز قعنا موجاتی ہے۔ اب ہم نما ذوں کے وقت ک بیان کرنے ہیں کرس نما ڈکا وقت کب سے تشروع اب ہم نما ذوں کے وقت کا بیان کرنے ہیں کرس نما ڈکا وقت کب سے تشروع

بوناب اوركب تم موجا ماسهد

مرکا وقست اسورج ڈھلنے کے بعد شروع ہوتا سے اور محبک دوہیر کے فت مرکا وقست کی چیز کا جنتا سایہ ہوتا ہے اس سایہ کے علاوہ اس چیز کا سایہ دو گنا ہو جائے توظیر کا وفت ختم ہو جاتا ہے۔ ظرکے وقت بن سخب بہرہے کہ جاڑوں

می اقل وقت ا ورگرموں بی دیرکر کے تماز ظرر واحبی ۔

قا مکہ رسورج ڈوصلنے اور دو بہر کے سایہ کے علا وہ سایہ دوگذا ہونے کی بہرا ہے یہ اس کے ملا وہ سایہ دوگذا ہونے کی بہرا ہے اور دو بہر کے سایہ سے کر برا برز میں کر لیورت کی جم ایا آتر دکھن کو درا جی جمکی نہ ہو، اب خیال رکھو کہ حبنا سورج اُ و نیا ہم ذا جا ہم اس کر کہا کا دو بہر سایہ کم ہوتا در جائے توسمجی لوکر تھیک دو بہر

موگیا اوداس و فت میں اس لکڑی کا حبّنا سا پر ٹرام واس کوناب کرد معیان میں دکھو۔ اس کے بعد ونہی سابہ بڑھنے ملکے توسمجہ لو کرسورج ڈھل کیا اور طہر کا وفت ضروع ہو گیا اور جب سایہ بڑھنے بڑھنے اِ تنا بڑا ہو جا ئے کہ دو ہم والے سابہ کو نکا ل کراس مکڑی سے دوگنا بڑا ہم وجائے توسمجہ لو کہ ظرکا وفت بھا گیا اور عصر کا وقت تروع ہوگیا۔ مکڑی سے دوگنا بڑا ہم وجائے توسمجہ لو کہ ظرکا وفت بھا گیا اور عصر کا وقت تروع ہوگیا۔

جمعه کا وفت وہی ہے جوظہر کا وفت ہے۔

ہوہ ہے۔ اللہ میں است کی سیبری خائب ہو نے کے بعد سے صبح صادق کی سیبر عشاء کا وقت ا عشاء کا وقت ا عشاء کا وقت ا مسخب ہے اور آ دھی دات مک مباح ہے اور اکھی دات کے بعدعشاء کی تماز

برصی مروه ہے۔

مرا روسی الم الم و الم بید و ترانیس پرسی جا است که و تندسید الم و ترسی ترانیب خشاء برسی الم و ترسی بید و ترانیس پرسی جا استی کبورکا و قت این ترانیب از من مین برسی می بید و ترانیس برسی برسی باشد و ترا دانیس بوگی و بلاه تا و برسی بید برسی بالد و ترا دانیس بوگی و مناول برسی بالد و ترا دانیس بوگی و مناول برسی بالد و مناول می بالد و مناول و مناول و مناول و مناول و مناول می بالد برسی بید برسی بید برسی بید برسی می بالد و مناول می بالد و مناول می بالد برسی بید برسی بید برسی بید برسی بید برسی می برسی می بالد و مناول می بالد و من

مكروه وقتول كابيان

مسلم مرورج عطلة وتنائمورج دوبت وقت اورهيك دويرك ونت كوئ نماز یڑھنی جا اُر نہیں۔ لیکن اس دن عصرا کرمنیں بڑھی ہے توسورج فرویف کے وقت بڑھ ہے۔ گرعفرس اننی در کر کے نما زرطان سخت گناہ ہے۔ مسلام التعبيون وفيون بي قرآن مجبدي ملاوت بهتر نهيس بدا يهايد بهدكران تینوں دفتوں میں کلمہ بالسیع یا درود متر لیت وغیرہ برصنے میں مشغول ہے۔ (عالمگیری) ممشله راگزنیوں دفیق میں جنا زہ لاباگیا تواسی دقت پڑمیں کوئی کراست نہیں ۔ كام ت اس صورت مي سع كر حبازه ان وقنو ل سع سيط لايا كل مكر نما زجنا زه طير هن یس اتنی در کردی کر مکروه وفت ایل - (عالمگری) مستلدر جب كرسورج كاكنارا ظام مرواس وقتندس ما كرنفز يرا بيكى منب تک کوئی نما زیا زہ نہیں رسورج تعطفہ کے بلیم منط بعد جیسورج امک لاعقی کے برا برا و کیا موجائے اس کے بعد سرنما فرجا سے نقل مویا قصنا یا کوئی دوسر طرصی جا سینے ۔ مستكر مبسمورج دوبنے سے بیل بار با کے اس وقت سے سورج خود سنے تک کوئی نمازجا مزنهیں - بال اگراس دن کی عصرا بھی تک نہیں بڑھی سے تواس کو بڑھ ہے، تمازعصرا دا ہوجائے گی اگر جے، کروہ موگ ۔ مستلمر مفیک دوسرس کوئ نازجا مزنبی . صمتعلم مباره وتتورمي نفل اورسنت نما زن لرصنے كي مما سيعه وه باره وتت بيه س ا۔ صبح صا وق سے مورج شکلنے تک فجر کی ڈاورکھٹ سننٹ اوردورکھٹ فرمن کے سوا دوسری کوئی بھی نفل نماز ڈرھنی منع ہے۔ ١ ۔ اقامت بشروع بونے سے جاعت جم ہونے تک کوئی سنت ولفل پڑھنی مکروہ تخری ہے یاں البتہ اگر نما زفجر کی افامن موسف کی اوراس کومعلوم سے کہستنت

پڑھے گا بیب جا عتب ل جائے گا۔ اگرچ تعدہ ہی ہی تواس کو جا ہیئے کرصفوں سے کھر دکھ در در مبط کو فرکی سنت پڑھ ہے۔ اور بھرجا عن بیں متا ہل موجائے اور الکروہ برجا تناہے کہ سنت پڑھ ہے کا فوجا عن نہیں ہے گی تواس کی سنت پڑھ نے کہ بغیر سنت پڑھے جا عت بیں شان پر سفنے کی اجا خت بیں شان ہوجائے۔ فرکی نما ذری مباوہ وو مسری نماندوں میں افامین ہوجائے کے بعد ہمی جاعت می جربی سنت مجموعی جاعت می جا جا تھی کے بعد ہمی جاعت میں جا مان نہیں مبلکہ سنت مجمولاً کو فور آ ہی جاعت میں شامل ہم جا المان ہم جا المان ہم جا اللہ مردوں ہے۔

س ۔ نمازِ عصر بڑھ لیفنے کے بعار ورج ڈو بنے مک کوئی نفل تمان پڑھن مروہ ہے۔
تفا نمازی مورج ڈوبنے سے مین مندے پہلے مک پڑھ سکتا ہے۔

م ر مرودج ڈوسنے تک اورمغرب کے فرض پڑھنے سے پہلے کوئی نفل جا گزنہیں۔ ۵ ر بھی ذفت الما اپنی جگرسے جمعہ کے نحطیہ نے بیلے کھڑا ہواس سے لے کرنماز جمعہ خمج ہونے تک کوئی نما زمندت ونفل وغیرہ جا ٹرنہیں ۔

ہے۔ عبن خطبہ کے درمیان کوئی نمازسنت ونق<mark>ل وزع</mark>رہ جائز نہیں بیا ہے جمعہ کا خطبہ ہو یا عبدین کا باگر بن کی نما زیا نماز استسقا دکا با نکا <mark>حاکا۔ نمک</mark>ین

ہاں صاحب نرنبب کے یا جمعر کے نطبہ کے دوران مجی فقاء نما زکو بڑھ

لبنالازم ہے ۔ 4 ۔ عبدبن کی نماز کے بعد بھی عبدگاہ بامسجد میں رنمازنفل میر صنی مکردہ ہے ٹاں اگر گھر میں نفل ٹرھ لے ٹو بہ مکروہ ہے۔

۸ - عبد کی نمازسے بیلے نفل نماز کردہ سے جا سے گھریں بڑسے باسمبدی مل

٩- ميدان عرفات بس جوظهر وعصر الك ساخفه يليصف بل مان دونول نما زول مح

درمیان میں اور لعدمی نفل وستست مکرو، سعے۔

رر مزدلند میں جومغرب وعضاء ایک معافقہ پڑھتے ہی ان دونوں نمازوں کے بہج بیں نفن وسنّت پڑھنی کروہ ہے۔ وونوں نمازوں کے بعد اگر نفل وسنّت

یر سے تو مکروہ نہیں ہے - (عالمگری ور مختار)

۱۱ نما ذِوْمَ کا دفن اگر تنگ ہوگیا ہو تو سم نماز ہماں نک کم فجروظم کی سنیتی ٹھی بھی مکردہ ہیں رجلری جلری فرص پڑھ سے تاکہ نما زفعنا مذہبونے باشے۔ ۱۲ جس باب سے دلسٹے اوراس کو ڈورکرسکٹا ہو نواسے دُور کیے بغیر سم نماز کروہ

ہے۔ مشلاً بیافار ، بیشاب بارماح کا علبہ ہوتوالی حالت ہیں نماز مکروہ سے بوہی کمانا سامنے آگیا اور بھوک مگی مہویا دوسری کوئی بات الین مہوجس سے دل کوا طبینا ن

رم و اليي ورت بن مازيرهن كروه سبع -البنه اكروفت جا ربام و الين مالت من البنه الكروفت جا ربام و الين مالت من الم

اذان كابيان

د ذان کے نصائل اولاس کے تواب کے بیان بی بہنت می حدیثی آئی ہیں۔ تر مذی والو داؤد وابن ما جری حدیث سے کہ جرشخص سات برس مک تواب کی ست سے اوان پڑھے گا۔اس کے بیے جہنم سے نجات لکھ دی جائے گی۔ (مشکون جلدامی ۲۵ باب الا وان)

ا ذان اسلام کا فشا ن سے اگرکہی شہر با گاؤں کے لوگ ا ذان بیچھنا چھوڈ دیں تو با دشاہِ اسلام ان کو بجبُو دکر کے ا ذان پڑھوا نے اوراس بیجی لوگ ترمانیں توان سے جہاد کرے ۔ (تاحی خال)

پانچوں نمازوں اور مجعد کومسجد میں جاعت کے ساتھ اوا کرنے کے بلیے افران پڑھنا منتن مُوکدہ سے اورامی کاحکم مثل وا جب سے سیے۔ یعنی اگرافا ن مربعی

کئ نو وہاں کے معب لوگ گنبرنگا دموں سگے۔ مسكر مسيدين والاوان وافامت كعجاعن سيما زيرض كروه سيع-مسلم ر گفرس اگركونى شمنى مازيد مد اورا دان مدير صف توكون حريج شدى كروال كى سجدى ا وان اس كے بلے كانى ہے۔ مستکر۔ وقت ہوستے کے بعدا ڈان ٹرِھیجائے۔اگروفنن میسے پہلے ا وان ہوگئ تو وقت مونے بردوبارہ افران برهی مائے۔ مسلمرافان کے درمیان میں بات جیت منع سے اگرمود ن سف ادان کے يي من لوق بات كرن ديرسدا وان كيد - دصغرى) منظلم مرا قان بهان مک کر تعطیہ جمعد کی ا وان بی سید کے باہر کی جائے مسجد کے اندرا دان مرفر عی جائے۔ و تعلاصہ عالمگری و تا عنی تا ال مسكر بجب وان مونواتن ديرك يصل كام اورسلام كا بواب اورم كام وفو كرف ربيان كد كرقرآن مترليب كى تلا وت بي ا ذان كى اُواز اَكْ تُو تلاوت روك في اورا ذان كوغورسي مسة اورسواب في اورسي قامت بي مي كرس -(در ما مگري) مسلم يوشخص ا ذان كے وقت باتوں مي شنغول ميے ۔اس پرمعا دان ماتم مناتم مرا ہونے کا نوف ہے۔ (فاّوی رحنوبی) مسئلم فرص نمازوں اورجیعم کی جاعوں کے علاوہ دوسرے موقعوں بریمی ا ذان کی حاسمن ہے۔ میسے پیدا ہوئے والے نیکے کے داسنے کان میں اوان اور ماش كان بي المامت - المى طرح مغموم كے كان بي مرك والے اور عضيدناك ا وريد فراج ادی اورجانور کے کان بی جنگ اور آگ کینے کے دقت ، جنوں اور اللطانوں کی مرکمٹی کے وقت ، جنگل میں را سنہ نہ طنے کے وقت ، مبتت کے دفن کرنے کے بعدان صور تدن بي ا ذان بُرِصناً سخب سهد - دبها يِشرليبن روالمخدّا د جلواص ۲۵۸)

مستعلم ، نجرى أوان بي سحتى عَلَى الْفَلاَج كَفِي عَلَى الْفَلاَج عَلَيْ الْفَلاَجُ عَلَيْهُ الْفَلَاجُ عَلَى الْفَلَاجُ عَنِي الْفَلَاجُ عَنِي الْفَلَاجُ عَنِي اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنِي اللهِ اللهُ ا

ا ذان كى بعديا يبط درود شرليف پرره ميراذان برصف والا اوراذان مينف داكسب يردُما پرهين ر

ٱللهُمُّ رَبِّ هِذِ بِهِ اللَّاعُوَةِ التَّاتَّمَةِ وَالصَّلُوةِ الْقَاكِمَةِ الْسِيَّالُةِ الْقَاكِمَةِ الْسِ سَيِّدَ كَامُحَتَنَ وَالْوَسِيُلَةَ وَالْفَضِيُكَةَ وَالنَّ رَجَةَ الْوَفِيْعَةَ وَالْبَعَثُ هُ مَقَامًا مَّحَمُودَ كَانِ الَّذِي وَعَلْقَ مُ وَالْرُزُقُنَا شَفَاعَتَهُ بَوْمَ الْقِيلِمَةِ إِنَّكَ لَا تُتَحْلِفُ الْبِيْبَعَادَ * *

مسلمر بب مؤون الله مكات محت مكارتمون الله كه توسف والادرود شرن بى پرسه ومسخب سے كمانكو مؤل كو بوس هے كما تكون سے لكائے اور كم - قرق عيني يك يادشول الله الله مَدَّمَة عَيْ بِالسَّمْعِ مَالْبَصَرِهِ دردا كمنا رحبد الله معرى)

مسلم تعطیه کی افران کا بواب دینامفند بی کوجائز نهیں - (در بخنار حلاص ۲۰۸) مسلم د جند بی افران کا بواب دیے ۔

همنسله برخیف ونفاس والی عودت پرا ورجاع بی شغول مو نے والے پرا وربلتیاب یا خانه کرنے والے پر، ا ذان کا جواب نہیں ۔ (در ممارص ۳۶۵)

ا ذان وا فامت کے درمیان الصّلاہ کالسّلام عسلی افرائد کا مسلوق مرصی ایک السّلام عسلوق مرصی ایک السّلام کے درمیان الصّلاح کے طور برطبندا کواند سے بہارتا جا کر اور سخب سے ۔ اس کو شراعیت کی اصطلاح بن تو برب کہنے ہیں ۔ اور ترق برج عرب کے علاوہ باتی نما ذون بن سخب ہے توب برنتو برب کہنے ہیں ۔ اور ترق برج عرب کے علاوہ باتی نما ذون بن سخب ہے توب کے علاوہ باتی منا ذون بن سخب می نفطوں کے بلے کو مُن فاص کلمات شریعیت بی منظور نہیں ہیں ۔ بلکراس شہر می جن نفطوں کے ساتھ ترق برب کہنا مستعب ہے۔

کے ساتھ ترق برب کہتے ہوں ان لفظوں سے ترق بب کہنا مستعب ہے۔

(عالمگری مبلدا ص ۵)

م افامت افامت افان ہی کے مثل ہے۔ گرجند بانوں میں فرق ہے۔ افان العامت کے کا ت کو است کے کا ت کو صحاح کی میں۔ اور افامت کے کا ت کو صحاح کی میں میں سکنتہ نہ کویں۔ افامت میں حق علی الفلاج کے بعد دوم زنبہ قَدُ قَدَ المست الفلاج میں کہیں۔ افان بیں آواز بلند کرنے کا حکم ہے دوم زنبہ قَدُ قَدَ المست میں اور نبید کو کی میں میں ماواز بین کا واز بہنے جانے گرافامت میں اور انسی اور انسی کی اندر انگلیاں نبیدی طوالی جائیں گی ۔ افان مسجد کے اندر پڑھی جائے گی۔ کا خاص میں اور انا مت مسجد کے اندر پڑھی جائے گی۔

مستلمر اگرام منے افامت کہی قَدُ قَامَتِ المَصَدَ لَوْ ﴾ کے ونن آئے بڑے (درمِ نار، روالمخنار، عنبه وعيره) كرمصتي يرحلا جائے. مسلمراً فأمن بي حَيَّ عَلَى الصَّلَوْةِ مَا ورحَيٌّ عَسَلَى الْفَلاَئِمِ مَا كَ وَتَنْ دایسنے بائی منر پھرے ۔ (در مخبار) مستلهرا قامن مرسف وقت كوفي شخص أبالوا سع كحرب بوالسطا دكرنا مروه ہے۔ بلکراس کوچا ہئے کر بیٹھ جائے اورجب تحقّ عَسَلَی الْذَلائع کہا جائے اس و قت كورا بور پونني بولوگ مسجد مي مو تور مول وه لحي ازامت محوفت بليط رہیں۔ جب حَتَ عَلَى الْهَ لَا رَم كُبْرَ كِيهِ اس وَفْت سب لولْ كھڑ ہے موں يہي علم الم کے لیے بھی ہے۔ (عالمكرى) کے کل اکثر جگر میرخلط دواج ہے۔ افامن کے وقت ملکوا فامت سے پہلے ہی لوگ کھولسے مہوجا نے ہیں۔ بلکہ اکثر عبد تو بیہسے کہ جب مک مام کھوا مذموجائے اس وقنت مک افا مست نہیں کہی جاتی ۔ برطرانیہ تعلاج سنّت ہیں۔ اس یا رسے ہی بہن سے رسانے اور فنا وی بھی جیا ہے گئے ، گرمتداور سط دحری کا کیا علاج ؟ خواوندكرة مملانول كوستنت يرعمل كى توفيق الخيف . ممسکلہ <mark>ما نامت کا بواب دینامسخب ہے ۔ افامت کا جواب بھی ا ذا ن ہی کے</mark> بواب كَاطِح نب انتافرق بكرافامت بي قَدْ قَامَتِ المَصْلَوْةُ كَ يماب بي اَخَامَهَا الله وَ آدَ امَهَا آدَامَتِ السَّهٰ وَ أَدَ امْهَا أَدَامَتِ السَّهٰ وَتُوالُا رُفَى كِهِد (ما لمكبرى)

استقيال فبلر كي چيندمسائل

پور، نماذیں خاندکعبر لی طرف منرکرنا نما ترکی تشرط ا ورحزوری عکم ہے ۔ لیکن جند مودنوں میں اگرفنبد کی ارف منرنزکرے بھر بھی فما ذجا گرشہے ۔ منتلا مسلم رجوشخص دیبا میکسی نختہ ہر بہا جا ۔ ہا ہوا ورجیح اندلیشہ مہوکہ منہ بچھیرنے

سے ڈوب جائے گا اس طرح کی مجبوری سے وہ قبلر کی طرف منہ نہیں کرسکتا نواس کو چاہیے کہ وہ جس رُخ بھی تمازیل دسکنا ہو بڑھ ہے۔ اس کی نماز ہوجائے گا۔ اور بعدين اس نما زكو درائے كى جى مرورت نہيں - (بہوارشرليت) مستلمر بارى مي إنى طافت نبيل كروه قبل كي طرف منه كرسك اوروبال دومسرا البراكوئ أدمى في نهني سوكعبه كي طرف اس كامته كراف نوده اس مجبوري كي مالت بی صرطرت می مندر کے تما زیر صابح اس کی تمازم وجائے گی اوراس نمازکو لعدی ومرانے کی بھی صرورت خیس - (بہا رشر نعیت ورد المخمار) مستر المناع وككش مي اكرنماز يرجع نو بخير تحرمير كم وقت قبله كي طرف منه كرك نماز متروع كرب اورجس جليكتى كمومتى جائے نود عي نبور كى طرف من بيرناميع - مشرض نمازموما نفل- دغنيه) استلمرد اگربید معلوم موکر تنو کدهرسد اور دیال کوئی تبلف والا بھی مزمو آون از كوما بيئة كراين دل بي موسع الد جدهر فبله موسفير دل جم جائے اسى طرف من كرك فانظره ل -اس كوئ مي ويي فلي ع - (عنية المعلل وغيره) مسئله بن طوف ول جمرًك غفاا وصرمة كرك نما زيود رما غفا مير درميان مازي مں اس کی بروا نے بدل کئی کم تعبد دوسری طرف سے بااس کوامی علم معلوم ہوگئ تواس پرفرمن ہے کہ فورا ہی اس طرف گھوم جائے اور پہلے حقی دکھینی میر مع میک ہے اس بي كون خوالي منين أكث كى راس طرح الرغازي اس كويادو ل طرف مى كلومنا یرا عربی اس کی تمازموما نے گی۔ اور اگردائے بر لیہ ہی باعظی ظاہرموتے ہی ددسری طرت نہیں کھوما۔ اور نن مزنیہ میحان استد کھنے کے برا برومرل گاوی تو اس کی نمازند موگی - (در مختار ور دا المختار حبدا من ۱۹۷) مستلد- تما ذى نے اگر با مزدتعداً جان دچكر تياسيسبز بھرويا تواگرچ نوراً ي اس نے نیل کی طرف سینہ مجمر البامیر بھی اس کی من زوّد مط کئی، وروہ مجرسے ماند

پڑھے اوراگرنماز میں بلا نصدوارا وہ نبلہ سے مبیتہ مچرگیا ورفوراً ہی تنبہ کی طرف سیبہ کم کریا اورفوراً ہی تنبہ کی طرف سیبہ کم کرلیا تواس یہ واجب ہے مشلم راگر صرف منہ فیلہ سے مجھرلیا ورسیبہ فیلہ سے مجھرلیا ورسیبہ فیلہ سے مجھرلیا ورسیبہ فیلہ سے میں گر درا ہی وہ تبلہ کی طرف منہ کرنے راس کی نماز موجائے گی۔ گر با عذر ایک سین طرف میں کہ فوراً ہی وہ تبلہ کی طرف منہ کرنے راس کی نماز موجائے گی۔ گر با عذر ایک سین طرف میں کہ درایک سین کر دہ سے جہر، مجھرلیبا مکروہ ہے۔ دمینہ المصلی)

مسلم ا ارتفادی نے فید سے سینہ مجمرا مذہب مجمرا بلکھرف انکھوں کو مجرا عراکم ادھرا مردہ انگھوں کو مجرا عراکم ادھرا دصر دیکے لیا نواس کی نماز ہوجائے گی مگرا بساکرنا مکردہ ہے ۔

ركعتون كى تعداد اورنسيت كاطراقير

نیت سے دول میں بیکا ارادہ کرنا ہے بنائی خیال کانی نہیں جب کیا رادہ نہم بر مسئلہ راکر زبان سے بی کہر ف نوا بھا ہے شاڈ یوں کر نیت کی میں نے دور کدن فرن فر کم مسئلہ راکر زبان سے بی کہر ف نوا بھا ہے شاڈ یوں کر نیت کی میں نے دور کدن فرن فرن فرک کو مشئلہ مقندی ہو تو نیت میں اس کو اننا اود کہنا چاہیئے کر نیت ہے اس الم کے ۔ مسئلہ رام نے الم ہونے کی نیت نہیں کی جب بھی منعند لوں کی نما ذاس کے نیج ہے مسئلہ رام نے الم ہونے کی نیت نہیں کی جب بھی منعند لوں کی نما ذاس کے نیج ہے ہوجائے گا۔ موجائے گی ۔ لیکن جا عت کا فواب نہا ہائے گا۔

اب ہم نمام مماروں کی رکعتوں اوران کی نمینوں کے طریقی سے الگ الگ سوال و ہواب کی صورت میں بیان کرتے ہیں ۔ ان کو خوب ایجی طرح باد کو لو۔ سوال ۔ فجر کے وقت کننی رکعت نما زیوھی جانی ہے ؟ محواب - کل جار رکعت نہ بیلے ڈور کعت سنت مؤکدہ مجر ڈور کعت فرمن ۔ سوال ۔ دور کعت سنت کی نیت کس طرح کی جائے گی ؟ محواب سایدت کی ہیں نے وٹور کعت نماز سنت فجر کی الشرنعا لی کے لیے سنت رسول الشرکی منرمرا طرف کعیر شراجت کے الشراکیر۔

موال . دورکعت فرص کی نبیت کس طرح کی جائے گی ؟ يواب رنين كي مي في دوركعت نماز فرمن فجرك المدنعال كريد دمقترى ا ننا اور کھے بیجے اس ام کے منرمراطرف کعیہ ترلف کے اللہ اکبر۔ معوال مظرم وفت كل كبتى ركعت نماز يرسى ما ناسيد ؟ جواب _ ياراً ركعت <u>- يهيم حالاركعت مُنتَّب يُوكده</u> ، عيرماً ركعت فرمن عيرداد ركعت سننت مؤكده محر دوركعت نفل -مسوال ميا دركعت سنت كانيت كسطرح كى جائے كى و چوا ہے ۔ نبت کی میں نے جا کر دکعت نما زمننت ظہر کی اللہ تعالی کے بیے منت وسول الله كامنرميرا طرف كعبر متربيب كح الله اكبر سوال مر عير حار ركعت فرمن كي نبيت كس طرح كي جائے كي ؟ جواب ۔ نبین کی بن نے جا کر کعت تما زفر من ظری انٹرنعالی کے معے دمنعتدی انناا در الم بیجے اس امام کے امرمراط ت کعیر ترکف کے اللہ اکر موال اوردوركعت منت كرنت كسط ح كيان كي ر بول الله كى منه ميرا طرف كعبر مشريف كے الله الكراكبر سوال معرد وركعت نقل ك نيت كيس كرے ؟ بواب نبت كي في فركعت ما زنفل كى الله تعالى كالمرت المرت كعبرشرلف كمالتلاكر فالمده ونفل مناز ببيا كريش مناهي جائز سيلكن كمرس مؤرنفل بيرصف من ودكنا تواب المنابيداور بليط كرنفل را صفي من أكرها تواب المنابيد-موال، عصر مے وقت كوكنني ركعت نما زنما زيرهي جاتى ہے؟ وراب الهظ دكعت بيط بارك مت سنت عيموكده العير باركست فرص -

موال ما ركار كعن مدّنة ت عرموكده كي نبيت كس طرح كى جله تع كى و ہواب۔ نبیت کی میںنے چاکا دکعت نمازسنڈن عسرکی انٹرنعالی کے بیےسنست معول التدكى منربرا طف كعير شرب كالتداكير سوال عریار دکعت فرمن کی تبت کیسے کرے ؟ بواب نبت کی می نے چار رکعت ما زفرین عصری اسدتعالیٰ کے اے رمفتدی إناا در كي بيجياس الم كي من ميراطون كعبرشرلف كالسراكبر سوال مفرب کے وتٹ کی کتتی رکعت ماز پڑھی جاتی ہے؟ بحواب مات ركعت سية من ركعت فرص بير دوركوت سنت مؤكره ميردوركعت لفل. معوال - بن ركعت فرص كي تريت كس طرح أرجا شقي؟ **بواب - نین کی میں نے بین رکعت نماز فرمز مغرب الله لغالی کے بیے دمشت ہا آنا** کے بچھے اس ام مے) مزمراط ن کعیر شراف کے الندار موال ما ودور کعت سنت مؤلده کی نیت کیسے کرے ؟ جواب - نبیت کی می نے دورکوت نمازنش امترنعا لی کے بدرمنت رمول اور كى منه ميرا طرف كعير متر لف كے الله واكبر-سوال عير دوركعت أنفل كرنت كيسكرك پواپ نیت کیم نے دورکعت نماز نفل الٹرنعالیٰ کے بیعمزمرا طرف لع مشراغيه سكدا مشاكر سوال عشار کے دنت کا کننی رکعت نماز پڑھی جاتی ہے ؟ محواب منزه ركعت مريد واركد منت عرموكده ، عرما دركعت وص عدد وا سنت مؤكره بعير داوركعت نفل عيرتن وتروا جب العيردوركعت نفل-موال۔ جا دکعت سنّت نومؤکدہ کی نبیت کم طرت کی جائے ؟ **بواب نبین کی می نے عائد کوٹ ما اسٹنن عشاء کی انٹرانعالی کے لیے سنت**

رمول الشدكى مندم را طرف كعبر شربيب كے الشاكبرر موال مر برمادر تعت وبن كانيت كيدر . بواب، نبت كى مى ف عالى كعت نماز فرص عننا دك الله تعالى كے ليے دمقدى انا اور کیے پیچے اس الم کے مقرمیرا طرف کعبر شراف کے اللہ اکبر۔ معوال ر مير دوركعت منت اوكده كي نبت كسطري ك جائد كى چواب رنبت کیمی نے دور دکھدت، نما ترسنت عننا ، کی انٹرنقالی کم یعے سنڈست رسول کی منرمبرا طرت کعبر تشریف کے افتدا کر۔ سوال - بهر دوركعت نقل كاتميت كس طرح كى جاشے ؟ بواب نین کس نے دورکعت نماز نقل الٹرتغال کے بیے منہ مراطرت کعیہ مترلت کے التداکر موال- معرونری نب کس طرح کی مائے ؟ <u> چوا ہے۔ نیت کی ہیں نے تین رکعت تمازوا جب وزرکی ، انٹرنعال کے بیے منہ </u> مبراطرف كعير شريب كالتعاكير. سوال مع مير دوركعت نقل كى نيت كس طرح كرس: بحوا<mark>ب ۔ تبیت کی میں نے د</mark>ورکعت نماز نعنی الٹارتھ الی*ا کے پلے ۔من*رمیرا طرت كعبرتشرلفيه كالتداكرر معوال - اگرنیت مے الفاظ بھول کرکھ کے کھے ذیان مے مکل کھٹے تو نماز ہوگی بانہیں ؟ بواب متین دل کے یکے اوا فرے کو چھنے میں بعنی تبت میں زبان کا علیار نہیں نواکہ دل مي مثلاً ظهر كا يكا الاده كيا الدنهان سي ظهر كي مكرعه كالفظ تك كيا توظهر كي نماز بموجائے گی۔

مسوال رفضانما ذکی نیت کر ارخ این بیای ؟ پواپ رجی دور اور حبی وقت کی نماز قصابواس روز اوراس وقت کی نبیت نفشا یہ هزوری سیعتنگا اگر جمعہ کے روز فج کی نما زفعتا ہوگئی نواس طرف نیست کرے کرنبت کی پس نے دکورکعنت نما زفعتا جمعہ کے قرص فجر کی الٹرنعا کی کے بیےے منہ میرا طرف کوبہ مثر لیف کے انٹراکر۔

موال راگرکی مال کی ما زین تعنا ہوں توتیت کیسے کرہے ؟

بواپ، ایسی ورت بی بونما زمنگا ظهری قصا براهی ہے تواس طرح نبت کرے کر نبت کی میں نے جار کست نماز فضا ہو گیرے وقتہ باتی ہی ان بی سے پہلے فرص ظهر کی الٹرنغالیٰ کے یعے منرم براطرت کعبر شریف کے الٹراکیر۔

المى طريقة بردومرى نصنا نما زول كى ميتون كوتياس كرابيا جا سيئے -

موال پائے وقت کی تمازوں میں کل کہتی رکعت مقط میر ہائے گی ؟ محواب بہتین رکعت ، دورکعت فجرا چالارکعت ظر، چالارکعت عصر آئمی رکعت مغرب ، چالد رکعت عشاء ، تمین رکعت و تر ، خلاصر برکد فرطن اور و ترکی نصا ہے سنتوں اور نفلوں کی تصنا تہیں ہے۔ (عامر کتب فضر)

تمازير صفى كاطرلقه

كلا أن كا فل بغل طقة كى صورت من ريس عيزنا يرص يعين سُبَمَا مَكَ اللَّهُ عَرَ بعَمْدِكَ وَتَبَادَكَ اسْمُكَ وَتَعَالَى سَهُ لَكَ وَ لَا اللهَ عَسْمِيرُ لِكَ رَجِم اَعُودُ إِللَّهِ مِنَ الشَّيْظِي الرَّبِيمِ يرض عربيشع الله المرَّحُملي الرَّحي يموط برص عير الحديدوري يره ورحم برا مسترسد إدين كيد- اس كديدكولُ مورج ما نين أستين رط هدر ما ايك لمبي أمن بوتين أينون كرار موقي عدر منه الحروكة موا ركوع مي جائے اور كھندوں كو با تقون سے اس طرح يوط سے كر بختيلياں دولوں كفتنو برمول اورانكليان خوب ميلي مول واور يعظ بيحى موا وربيط مر كم براراوي نيجا نهور اورنظ پيرول كى ليشت برمور اودكم سے كم تين مرنبه شبخات رَقِي الْعَظِيمَ كير، عبرسكيم الله لين حبدة كهما موا بيدها كموا موجائ اوداكيل ما فرصا مونواس کے لیدر تبنا لک التحت شک می مجے، اور دونوں لٹکلٹے رسے الغول كوبا ندھے تهيں ، عيراً مُنْهُ أَكْ يُوكم كم كرسى وبي مائے . اس طرح كريد كُلنْه زمن برد کھے ، عیر ما فف عیرودنوں ما عقوں کے درمیان می سرر کھے۔ اس طراع پر کہ پہلے ناک زمین پر رکھے ، بھرہا تھا اور تاک کی ہڈی کو دیا کہ زمین پرجا ہے۔ اور نظر ناک کی طرف رہے ، اور یا زدوں کو کروٹوں سے ، اور بیٹ کودا نوں سے اور دانوں کو میٹالیوں سے ٹیدار کھے ۔ اور ماؤں کی سب انگیوں کوفیلہ کی طرف رکھے راس طرح کرانگلیول کا بربیط زمین برجامیے اور پنیلیاں بھی بول ۔ اورانگلیا نْبله كى طرف بهول اوركم سع كم تمن بارشبْعَانَ دَقِ الْوَعْدِل كِي مِيمِرم الْعُلْمَ اس عرام کرید یا تفاعیرناک مجرمنه عفر یا تقد اوردا بنا قدم کول کرک اس کی انظرال قلرر ح كرياء ودبايان قد ، مجاكراس برخوب سيرصابط جائد اورم فيلال . کیما کررا نوں پر کھٹنوں کے پاس مرکھے۔ اس طور پر کرو دفول با نفول کی انگلیاں فبلرا خ موں اور انکیوں کا مرا گھٹوں کے یاس مو۔ میرود اعظر کرا لٹراکبر کہنا ہوا دوسرانسیدہ کرے ۔ برسجدہ بھی پیلے کی طرح کرے۔ تھرمرا تھائے اور

اس كونتهد كيني من رجب أشفك أت لله محقرب بيني تودا سيم الف كى يرح كى أعكى كوسمنسل سے ملا وقع را ورلفظال يركلمركى أنگلى أنظاف يركر وهرادهم ر بلائے۔ اور الگیرگرا دے راورسب انگلیاں فوراً سیرھی کرنے۔ اب اگردو سے زما دہ رکعتنی بڑھن میں تواعظ کھوا مور اوراسی طرح بڑ صر مگرفرمز کی ، ان رکھنوں می الدّ مد ا کے ساتھ سورت ملا مزوری سیں۔ اب کیدا فندہ جس کے بعدنماز ختم كرمه كاراس برتشهد كم بعدورود مترلب اللهد صل علاستيديا م<mark>حمد وع</mark>لى ال سيّد تا محمد مُكمّا صَكَيْتٌ عَلَى سَيِّدِينَا إِثْرَاهِيْمَ وَعَلَى ال<mark>ِي</mark> سَيِّدِ كَالِبْرَاهِيْ يَرِا تَلاَّحِيثِينَ مُبِعِيْدٌ وَاللَّهُ مِّرِبَادِكْ صَلَّى سَيِّدُ نَامُ مَحَتَّدٍ وَّعَلِا الْ سَيِّدِنَامَعَتَّدِ كَمَا بَارِكْتَ عَلَى سَيِّدِ نَا اِبْرَاهِيُعَرَوْعَلَى الْ لَسَيِّدِ ذَا إِسْرَاهِ يَوْ اِنَّكَ حَمِيْدٌ مَّجِيْدُ يُرْبِهِ، يُعِرَا لِلْهُمِّرَاخُهِ رَلْى وَالِوَالِدَيَّ وَ كَلِمَنْ تَوَالْدَوَ لِجَعِيمُعِ الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنَاتِ وَالْمُسْلِمِينَ وَالْسُلِمَا الْهَ حَيْلًا مِينْهُ مُرَالُا مُعَالِدَ إِنَّكَ حَيِيْدٌ شَجِيْبُ النَّصُوَاتِ بِرَحْمَيْكَ يَآدَنَعَمَ الرَّاحِيْدَ ا يا وركوني د عا ما تُوره برُّ ص - مثللٌ بروما يرُّ ص:

ٱللَّهُمَّرَ إِنِّ كَلَلَمُتُ نَصْمِی كُلْلَمَا كَثِيْرًا ةَ إِنَّكَ لَا يَغْفِرُ الذَّكْرُكِ الْاَكَ اَمْتَ فَاغْفِرْ لِيْ مَغْفِرَةٌ كِينَ عِنْدِكَ وَالْحَنْنِي إِنَّكَ اَنْتَ الْفَضُرُ وَالسَّرَحِيلِمُ مُ بِعِردا بِنَ تُسَلَفَ فَى طُوف مَمْ كُوسِكَ السَّلَامُ حَكِيلُو وَرَحْدَةُ اللهِ كَهِ بَعِرا بِعِن اللهِ عَمَا طَاكَم اللهُ مَلَى مَا اللهُ عَمَا اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

تمازين عورتول كييندخاص ممارل!

 عورتیں بھی کھڑی موکر تماز پڑھیں بہت سے جا بل عورتی فرص ووا جب اور ستند '' تفل سا ری تمازیں مبھڑ کر پڑھنی ہی یہ بالسکل خلط طراحیز ہے۔ نفل کے سواکوئی نماز ہی بلا عذر کے مبھ کر پڑھتی جا کر نہیں۔ یہ جا ہل عورتی فرض و واجب متنی نماز ہی بعیرعذر مبھ کر پڑھ می بوں ، ان سب کی قصا کریں اور تو برکریں ۔

ممشل معورت مردول کی امامت کرمے بیر ناجا تر ہے۔ ہرگر عورت مردول کی اماہمبی بن سکتی را ورمرف عورتوں کی جاعمت کرعورت می امام ہوا ورعورتی ہی مفتری موں برکروہ تحمی اورناجا تر ہے۔

مسئلمر عورتوں پر جمعہ اور عیدین کی نمازوا جب نہیں۔ بہنج و فنتر نما زوں کے لیے معی عورتوں کا مسجد میں جانامنع سے ہے۔

انعال تمازى فيميس

من در شرصنے کا بوطریقر بیان کیا گیا ہے اس بی جن کا موں کا ذکر کیا گیا ہے ان بی سے بعض جزی فرصن بین کوان کے بغیر نما ذرجو گیا ہی ہیں یعفی وا جب بین کر ان بی سے بعض جزی فرصن بین کوان کے بغیر نما ذکو بھی ڈہرا نا بڑے کا راور ان بھی ان کو جھوڑا توسیحہ ہیں کہ ان کو جھوڑا توسیحہ ہیں کہ ان کو جھوڑا توسیحہ ہیں کہ ان کو جھوڑا تو ب اور اکبور کی گئا ہ نہیں ۔ اب ہم ان باتوں کی کھروضا حت کرتے ہیں ۔ ان کو خور سے بڑھ کو اجی طرح اور کو ۔ نہیں دان کو بی رائ گوان میں سے کسی ایک کو بھوڑ وہا تو ۔ نہیں ۔ اب ہم ان باتوں کی کھروضا حت کرتے ہیں ۔ ان کو خور سے بڑھ کو اجی طرح اور کو ۔ نہیں ۔ اب ہم ان باتوں کی کھروضا حت کرتے ہیں ۔ ان کو خور سے بڑھ کو اجی طرح اور کو ۔ نہیں ۔ اب ہم ان باتوں کی کھروش بین کو اگر ان میں سے کسی ایک کو بھی جھوڑ وہا تو ۔ قور ان میں سے کسی ایک کو بھی جھوڑ وہا تو ۔ نہیں دور ان بھر کی بی تو بین میں (ا) بخیر مخر بھر بھر ان کا میں کہ کا دست نکا ۔ دور ان کو کی کا کم کرے نما ذرسے نکا ۔ دور ان کو کی کا کی کو کہ کا کھروں کی کو کہ کا کھروں کی کو کہ کا کھروں کا کھروں کی کو کہ کا کھروں کا کا کہ کو کھروں کو کی کی کھروں کا کھروں کو کا کا کہ کیا گیا ہے کہ کی کھروں کی کو کی کا کی کو کہ کو کھروں کو کھروں کو کھروں کو کھروں کی کو کہ کو کھروں کو کھروں کو کھروں کو کھروں کو کھروں کو کھروں کا کھروں کو کھروں کے کھروں کو کھرو

ر بخیرتر کریکا برمطلب سے کوالٹراکر کہ کرنما ذکو نٹروع کرنا۔ نما زمی بہت مرتبالٹراکر کہاما ناہے گر مٹروع نماز میں جوالٹر اکر کہتے ہی اس کانا) تبجیرتحر بمبر ہے۔ برفرین

ساس کوا کر جیوا دیا تو نماز بوگ سی تمیں ۔ مسلم رفيا فرض بوف كامطلب يرب كالمطبع كرا فريما زيرصنا مزودى ب تواكر ركى مرد باعورت في بغرعدر كے معط كرماز طرحى تواس كى ما دادائىس موئى - يان فل ماذكوبلا عدر كے بھی منح كريا ہے تو برما ترہے۔ مستسلم _ فراه ت فرمن مونے كايم طلب سے كفرت كى دوركفتوں بى اوروترونوا فل اورسنوں کی ہر ہردکھت میں فرآن مشرایت بڑھتا مزوری ہے قداکر کسی نے ان دکھتوں مِنْ فَرَأَن سُرِلْفِ بَنْبِي رِيْصًا تُواسِ كِي مَا زَيْرَ مِو كَي _ مستلرر ركوع كادفي درجه برب كراتنا هيكيي كرم تقريرهاي تو كعلف مكرب جاني الدلودادكوع يرب كراتنا يفك كرييف سيرهى ويعاف مسئلم سجده كى حقيفت يسبع كرا مادين بيام واوركم سع كم يا ون كى ابك انكلى كابيد المين مسيد لكا بونواكركسي قداس طرح كما كم وه دونون ما ون زين اعظام باعرت اللى لوك زمن سع مى ميع تونما زرجو كى درمنار، فأوى وفورد بهار تمرلعبت) ابک انگل کے سے معلی اسچدوی زمین سے لگنا توقری سے گرد ونوں باول ی من من انگلیوں کے سیط کاذین سے لگنا واجب سے اوردو توں یا وُل کا دمو انكلون كابسط سجده مي زان سے مكاموما معتب سے۔ مسئله نمازل دكعتول كوليدى كرليف كحديد دليدى النخبات برصة كالمفدار ببطا فرم ہے اوراس کانا فعدہ اتیرہ ہے۔ مسئلہ فعد اخرہ کے بعد اینے تصدر وادادہ اور کی عمل سے تما زکوخم کردینا نواہ اسلام سے علادہ سے ہو باکسی دوسر عمل سے دھی تماز کے فراکھن میں سے سے لیکن اسلام کے علادہ اكركو في دوسراكا كرك منازكوخم كيا تواكر جي تماز كافرص نوادا بوكر مكن اس تماد كودوباره فيرهنا واجب ميعه نمازك واجيات النازير بيزي واجي بين بجير تحريب يفظ التداكر

1.

ہونا ۔ الحکر پر مستا۔ فرصٰ کی وزوم ہی رکھتوں میں اور سننت ونفل اور و ترکی مررکھات ہیں الحد محدساته كوئى سوره ياتن چيونى أينون كوملاما رقرض نما ذون مي دوميل كعتون م قراءت كرناء الحد كالموره مسيعيم موفا برركفت بي موده معييها كم بني بارالحد برصنا ، الحمد ا درسوره کے درسان آمن اور نیم اللہ کے سوا کھے اور نہ برصف ، قرارت کے بعد فور الی رکوع کرنا رسیدہ میں دونوں یاؤں کی تمن نین انگلیو کا بسط زمین يرلكنا .دو نول سجروں كے درسان كى ركن كا قاصل مر بونا۔ تعديق معنى ركوع وسجود ا ورقوم حلسمین کم سے کم ایک بارسحان الترکیتے کے برابر مطبرنا ۔ حالانعنی دولوں معدو کے درمان بیٹھنا۔ قومٹرا بعنی رکوع سے سید کھرام وجا تا۔ فعدہ اول اگر پنفل مناتر م ورفرض اوروزرا ودمؤكده سترو المح فعده اولي مل تحبات سعدر ماده كيديز ارضا م تعلُّوه بي لوراتشهر يُرصنار لفظ آلسلام دو باركهنا ١٩ ترمي دُعاستي فنوت بْرِصنا - وَرْوا مِن فوت كَيْخِير - عَيْدُين كى في دائد تجبري اعيدين من دومرى ركعت كمداكون كى يجيرا وواس بخراك يولفظ التداكر مونا برجر ترامي منازي الم كوعندا وإز سفرا كرنا - اورغير في منازون من أسنة فراء ت كرنا في فرون ووا جب كااس جكه ميادا مونا مرركعت س ايك مي دكوع مونا راورمرركعت بي دوسي معده مونا - دوسري ركعت لورى موتے سے يملے فعدہ كرنا . اور ميار ركعت والى نما زون ين مبيرى ركعت برفعده مكنا - أيك معده يرهي توسيده تلاوت كرنا يسموموا توسيده سهو كرنا دو زمن یا دو دا سب ی<mark>ا داجب وقرمن کے درمیان تین مرتبہ سمان استر کینے کے ب</mark>رار وتفرنر مونا رام جب فراءت كرم بيندا واتسمع موما مسنداس وقت بي مقتدى كا يجب رمنا - قراءت كيسوائم واجبات بب مقتدى كوام كى برو كرنا ـ ماری سندن مواهم فایرورن مماری سندن مازی جو چیزی سنت پس ان کامکم پر ہے کہ ان کو تصدراً نر مماری سندن کے اس کا میں کا میں اس کا مکم پر ہے کہ ان کو تصدراً نر المي الميورا بائه الراكر ملقى سي صوط بائي تون سيده مهوك مزودت ہے مذ نماز دُہرانے کی بیکن اگرد ہرائے تواچاہے۔ کمیونکم نمازگیکی

سنّت کو چیوڑنے سے نماز کے آواب میں کی موجاتی ہے نمازى سنستى يربى - كمبر تحرمم كے بعد إخداطها نا - با عقوں كى انگليوں كولينے حال برجیودد بنا۔ بعنی مذا مل ملاستے مز کھی رکھے۔ ملکوانے مال برجیور دے۔ بوقل بجيرم تعكامًا ، سخفيله و او انگليول محيسيط كاقبله دوموتا يريخ كيتے سے يهد باغدائها ناانسي طرح فنوت اورعدين كي بخرون بن هي كانون مك فأقد مع جا کے بعد جبر کہنا ۔عورت کو صرف مونڈ صول مک ما نقوا مخانا را مام کا الله اکبر۔ سعم الله لي حسد ، اورسلام طِنداكوانسي كمِنا يَجِرُ كے بعد مات الشكاف بغروا ندھ لينا تنأد ونعوة وسبماهد برصنا اورائين كهنا اودان سنب كالهمند موناء فيلط تناجير تعود المجرم الله وربرايك ك بعددوس كوفوراً يرصنا وكوعي بن بار سُبْعَانَ دَيِّ الْسَفِ يَعِرَكُمِنَا وركُونُول كو بالقول سع بَرُن ا وران كليول كونوب كملى ركمنا ، عوردت كو مكتن برما فقد ركهنا ورانكليو كوكشاده مدركهنا ، مالت ركوع مي مالكي سیرجی ہونا، رکواع کے لیے اسراکرکہنا، رکوع می پیط میں رکھنا، رکوع سے علے يريا عذ لفكا بحوا محور ومنا - ركو ع سع أعظي من الم كوسمة الله لمن حسيدة كهنا معدى كور بَهَالك العسمة كهنا اوراكيك منازير صف والول كودونول كمناسجده كے بلے اور سجدہ سے اُ عظنے کے بلے اللہ اکر سخدہ بی کم سے بن مرتبر سناک رَيِقَ الْدَعَلَىٰ كَهِنَا ، سَجُدُه كرف كريا يعلى كُعننا بيرا عقيرناك بيرا تفاذين یرد کھنا ۔ اورسخبرہ سے اُعظنے کے بیلے پہلے ما تھا بھرناک بھر ہا تھ بھرگھٹناز مین سے م منانا رسمبر وین با زو کاکروٹوں سے اور بیٹ کارانوں سے الگ رسا سخدہ کی مات مِي كلائيون كوزين ير كِيمانا، عورت كوسجره بي اينے با زوكوكرو لول سع بيد كوران معے، دان کو بینڈلیوں سے اور بینڈلیوں کوزمین سے بلا دبنا۔ دوفوں مجدوں مےدرما مثل نشهر كي يعضنا ا وريامفون كورالون برركهنا التجويم باغفى الكليون كالتبليرو ہوتا ۔ اور ی مبوئی مبونا اور ماؤں کی دسوں انتظیموں کے بیبط کا زمین برمگنا۔ دوسری

دکعت کے بیصے پنجوں کے بل گھٹنوں پر ہا تھ دکھ کر کھڑا ہوتا ۔ قعدہ بن با یاں پاوُں بھیا کر دونوں مرین اس برد کھ کر بیٹیا ، واہما قدم کھڑا دکھتا اور دائینے قدم کی انگیبوں کو قیار ہے کرنا ۔ عودت کو دونوں پاوُں داہمی جا تب محل کر ہائی مرین پر بھٹی تا ۔ دایاں ہائے داہنی ان براورہا یاں ہاتھ یا ئیں دان پر دکھتا ، اور انگیوں کو اپنی حالت میں چوڑ و بیا رکھ ہمات پر کلر کی انگی سے اشارہ کرتا ۔ قعدہ انچرہ میں التجہات کے بعد درود تشریب اور دعائے با تورہ ٹرھتا۔

حالت قيم بسمجمه كى حكر يرنظركرناه دكوع بي قوم كى ليشنت ير ويهنا ، سجده من الدر فظر دكمنا وقده مي سين بر نظر جانا ، يسي ملامي واسف شاف كود كيمنا، ووسر عسلامي وأي شاف يرنظ كرنا يجان م اُسْے تومنہ بند کیے دمینا اور اس سے جائی نہ رکے تومون واست کے بیٹے دیائے امداس سے بھی مزر کے توقیل کی حالت بیں داسنے باغفری لیشت سے من فرحانگ مع اور قباً کےعلاوہ دوسری مالتوں میں بائیں بائن کی نیشت سے بجائی دو کنے کا مجرب طريق برسي كردل من ينجيال كرم كرانميا وعليم السام كوم الى مني التائقي. دل بن برخال اُتے ہی جانی کا اُنا بند مرومائے کا مرد کے لیے بیر مخرمیر کے وقت إلفكر سے سے ابر نكالنا عودت كے يعير الله على اندوم بتر ہے - جہاں تك مكن بوكما تى كود نع كرنا ـ جلِّ كبّر حَى حَلَى الْفَلَاخ - كي تواما ومعمدى مب كوكل ابوجانا- جبل كمير حَدَّ قَامَتِ الصَّلَاة كِمِوَن ارسُروع المكنّ ہے گربہتریہ سے کراتامت بوری ہو جانے برنماز شروع کرے ، وولول بنوں مے درمیان میارا نکل می فاصل مونا مفتری کوالم کے سا فد مشروع کرنا سجارہ زمین بربلا کھ میلائے موسٹے کرنا ۔

نازے بعدہ کر و ما اللہ بعد بہت سے او کاراورد ماکل کے بڑھے ما مار کے بعد میں اور میں میں میں میں میں میں میں می

پڑھے بلین ظہرومغرب اور شاءی نما) وظا تف سنتوں سے فارع ہونے کے لعد پڑھیں سنت سے پہلے محتقر دھا پرفتا عدت چاہیئے۔ ورزسنتوں کا تواب کم ہو جائے گا۔ اس کا نیال رہے۔ (دوالمخمار)

ا مرا المراب المراب الكرام المراب المرب المراب الم

حاعت والمامت كابيان

جا عن کی بهن تاکیدسے اوراس کا نواب بهت زباره سے بیان تک کر بعث کی بہت زبارہ سے بیان تک کر بعث عن کی نماز سے جاعت والی نماز کا نواب مشالی گئاسے ۔ دمشکوہ جلداص ۹۵) مسلم مردول کوجاعت کے ساتھ نماز پڑھنا وا جب سے بلا عدر ایک باریمی جا عن حیول نے والا کائن جا دول کوجاعت کے دا در اور باد تھا والا کرنے اور کا دا کر ہے اور جا عت بھوٹر نے کی عادت فوا لنے والا فائن ہے۔ جس کی گواہی تبول ہیں کی جائے گی را در باد تناہ اسلام اس کے مخت مزا فائی گر ہوں کے رو دا نخبار حلواص آیا ہا)
مسئلہ مجمعہ وعید بن میں جا عت نٹر طسیعے بھی میز جاعت بینما زیں ہوں گی ہی نہیں۔ مسئلہ مجمعہ وعید بن میں جاعت میں ما در اکر سے ایما عت سے بڑھی ، تو تعاول کے در تر مصر جاعت میں والے میں را در اکر سب نے جاعت ہے والی جائی دہی را در اکر سب نے جاعت ہے والی مات ہے والی مات ہے والی کائی دہی را در اکر سب نے جاعت ہے والی ماتھی والی جائی دہی را در اکر سب نے جاعت ہے والی مات ہے والی مات ہے والی ماتھی دول میں مات ہے والے مات ہے والے مات ہے والی ماتھی ہوڑی میں دور اکر سب سے در تر مصر جاعت ہے والے مات ہے والی مات ہے ہے والی مات ہے ہے والی مات ہے والی ہے والی مات ہے والی ہے والی مات ہے والی ہے والی مات ہے وا

توسب نے براکیاردمینان ترلیف بی وزکوجاعت سے بڑھنا بہت تیں ہے۔ اور مفاق اور انقوں بی جاعت بھوشنوں اور انقوں بی جاعت بھروں ہے۔ اور مفاد حبات بھوٹ و سینے بی گناہ نہیں وہ یہ بی ۔
مسلم ربن عذروں کی وجرسے جاعت بھوٹ و سینے بی گناہ نہیں وہ یہ بی ۔
۱ - البی بیمادی کی محبر تک جانے بی مشفت اور دشواری ہو۔ ۲ سخت یارش ہو۔ ۲ سخت ارتواری ہو۔ ۲ سخت یارش ہو۔ ۲ سخت اندھیری دات ہوں ہے اور کا موق میں اس بھوٹ و ۔ ۲ سخت اندھیری دات ہوں ہے ہوں کا بہت زور ہونا ۔ ۵ سخت اندھیری دات ہوں کے بروٹ ۔ ۱ ۔ نا فلرچود طرح ان کی حاجون ۔ ۸ ۔ رباح کا بہت زور ہونا ۔ ۵ سے مجبول میں اور کا اور اندھی ہونے کا دور اور اور بی جو بروٹ کا دور اور اور کی دیکھی بیا میں کو خوا نے کا فر اور اور کی دیکھی بیا جا ہے گا تو بیما دکی دیکھی بیا جا ہے گا تو بیما دکو کہ دیکھی بیا جا ہے گا تو بیما دکو کہ دیکھی بیا جا ہے گا تو بیما دکو کہ دیکھی بیا جا ہے عذر ہیں ۔ ۵ دار مقلس کو فرض تو او کا گذر ہوا۔ بیماد کی دیکھی بیا جا ہے عذر ہیں ۔ ۵ دار مقلس کو فرض تو او کا گذر ہوا۔ بیماد کی دیکھی بیا جا ہے عذر ہیں ۔ ۵ دار مقلس کو فرض تو او کا گذر ہوا۔ بیماد کی دیکھی بیا دیکھی بیا جا سے عزر ہیں ۔ مقلی فرمی دیکھی بیا وہ گھرا شے گا کو بیماد کی دیکھی بیا وہ گھرا شے گا کو بیماد کی دیکھی بیا وہ کی بیا وہ گھرا شے گا کہ برسید بیا عدت بھر بیماد کی دیکھی بیا وہ گھرا شے گا کہ برسید بیا عدت بھر بیا دیکھی بیا وہ گھرا شے گا کہ برسید بیا عدت بھر فرست کے عذر ہیں ۔

در مختار جلواص ۱۳۷۳) مسئله رعوزنوں کوکسی نماز بس جا عست کی حاصری جا گزنہیں ، ون کی نماز ہو یا رات کی ، جمعہ کی بہویا عیدین ، عورت چاہیے ہوان ہویا بڑھیا ہوں ہے تودنوں کو ایسے جمعوں بس جانا بھی نا جا گزیہے۔ یہاں حودنوں مردوں کا اجتاع ہو۔ دومنیا رمبلواص - ۳۸)

تستلمر راكبلامفندى بيا بصاروكا بمواما كربرا بردابني طرف كحوام ويائي طرف با يتي فطرامونا كروه سے - وادمفندى بون نوسي كھرسى بون الم كے برار كواا موناً كروة ستريهي مے - هدسے زما وہ كاا م كے بقل مي كفرا مونا كروہ تخرى ہے۔ (درمخنار حلاق ۱۳۸) مستكرر بيلى صف بي اودا م كے فريب كور اجونا افقىل سے دبكن جازه من مجيل صف بر بونا انصل ہے۔ (در مختار جلدا میں ۳۸۳) مسلمرا مم بونے كاسب سے زبارہ تقدارہ شخص سے ج تمازد طبارت وعرہ كے كا سكام سب سع زباده جانع والابو عجروة تحفى ح فراءت كاعلم زباده ركها مو- اگر کمی شخص ان بانور می برابر مهون نو ده شخص زباد ه صفداد سیصه جوز ماده منه تی م_ور اكراس مي مرار مون نوزباده عروالا عير جس كا خلاق زياده الي مون عيرنياده تنجد كزار عوص كرجيد أوى والرورج كي بون نوان مي بوتر ع متنيت سع فوقيت رکمنامو دسی زیاده حفدارسے و درخمار مواوس ۳۷۳) مسلم ناسن معلّن ميلييشرابي، زنا كار، بوارى بمود خوار، خواطهي مندا سفوالا یا کما کرا بی مشت سے مرکھنے والان دوگوں کوا م) بنا نا گناہ سے ۔ا دران دوگوں کے يتي نما زكروه تحريمي سعداد ديما زكو دبهانا واجب سعد (درخمار ملداص ٢٠٠١) مستلرر دانعتی، خارجی، وہا ہی ا ور دوسر تمام برمذ ہموں کے بیٹھے نما زراج متا ناجانز وكن وسعد الزعلطي مع يرهن فوجرس فيره اكردو بارونسي بيره عي أنوكم كانوكم كانوكم كانوكم عوكار (ورمخما رحلداص عدم)

مسئل رکنوار، اندھے، حوامی اکوٹھی ، قالمج کی سیادی واسے ، برص کی سیاری والا نامروان لوگوں کوام بنا ناکر وہ تنزیمی ہے را ودکرام ست اس وقت ہے جب کرجا میں اودکو آن ان لوگوں سے بہتر ہے ۔ اوراگر بہی اما مست کے تقواد موں توکوا ہت نہیں اوراندھے کی امامت میں تو تحقیف کراہت ہے۔ در مخادم لدا ص ۳۷۹ وجوا

وزكي تماز

وترکی نما زواجی سے کراگر کمی وج سے ونزکی تماز وقت کے اندائیں يرهى نووتركى فقايرهنى واجب يد- (عالمكيرى علاص موا)

نما زُونرننن ركعنني ابك سلام سعين - دوركعت يربيط اورهرف النحيا ن يره كرمليرى دكعت كحبي كموام وحائ اورسرى دكعت بي عبى الحدا درسوره بمره محمرد ونُوں اِ تَفْ كانوں كالو كا الله الله الله الله الله الله المركم كر عفر النف الدها في الد دمائے فوت بور سے . مب دعائے فوت بڑھ چکے توا نٹراکبر کم کردکون کرے۔

ا ود با تی تما زیوری کرسے ۔ وعاشے فونت بر سے ۔ اللَّهُ مَّ إِنَّا نَسْتَعِيْنُكَ وَمَسْتَغَفَّوْكَ وَنُوْمِنُ يِكَ وَتَتَوَكَّلُ عَكِيْكَ وَ ثُنَيْنَ عَكُنْكَ الْخَيْرَ وَنَشْكُوكَ وَلَانَكُفُوكَ وَخَنْكُمُ

وَنَكُوكُ مَنْ يَقْعُولُكَ اللَّهُ عَلِيًّا لِكَ نَعْبُكُ وَلَكَ نَصَيِّلُ وَلَسُعِلْ وَإِلَيْكَ نَسْعَى

وَنَحْفِهُ وَنَوْجُوْ الرَّحْمَتَكَ وَتَحْشَىٰ عَلَى ابْكَ إِنَّ عَلَى ابْكَ إِلْكُفّا رِمُلْحِقٌ ط ممسكم يهودعا ئے قنوت مذير مسكے تو وہ يہ بير سے اللَّهُ عَرَبَا أَيْدَا فِي اللَّهُ نَيَّا

حَسَنَةً وَفِي الْمُاخِرَةِ حَسَنكَ وَقِنَاعَذَابِ النَّارِه اور حس سع يركمي لم موسك

توتین مرتبراً للَّعْصَ اغْفِدُ لِف يرفع الله واس فاوترا وابوما ألى . ر عا لمگری میداص می ۱۰

مسلمر وما ئے قنوت وتر میں بڑھنا وا بجب ہے ۔اگر بھول کر د ما کے فنوت مجور دے نوسجدہ ممرو کرنا مزوری سے۔ ادراگر فصداً مجور دما نو وز کو دم ان يرسع ا - (ما مكرى علداص ١٠١٧)

مستكله دعائ تون برخف جا بعام مودا مفندى يا اكبلام بنته را ساوا · ہوبا نعنا، رمعنان میں موا دوسرے دنوں میں - (عالمگری علاص م ۱۰) مستُملہ ونر کے سواکہی ا درنما زمی فرمائے قو ت نزیر سے ، ہاں البنۃ اگر مسلانو برکوئی بڑا حا د ثنہ واقع موتو نجرکی دوسری رکعت بی دکوع سے پہلے و عاشے قنوت پڑھ سکتے ہیں ، اس کو تنویت نا زلہ کہتے ہیں ۔ دور مخذار در دالمخذا رحلواص ۲۵)

سجده مهوكابيان

بونا زہیں چڑیں وا جب ہی اگران ہی سے کوئی وا جب مبول سے چو رہے ہے۔
تواس کی کی کوپودا کرنے کے بیے سجدہ سہودا جب سے ادراس کا طریقہ برسے کرنا ذ
کے انٹو میں انتجاب پڑھنے کے بعد داہنی طرف سلام بھیرتے کے بعد دوسی کی کرے
اور بھیار تجابت اور درووں تر لیف اورد ما پڑھ کردونوں طرف سلام بھیرد سے در مخار مجادا ص ۲ ۲۹)

مسئله اگر نفسراً کسی وا جب کوهپوارد با - توسیده سهوکا فی نهی بلکرنما دکود دراتا وا جب سے - د درمخار مبلداص ۲۹)

مسکر بر بو با نبی نمازی فرمن بس را کدان ب<mark>ین سسے کوئی با نت هجوٹ کئی نونما ز</mark>ہو گی ہی نہیں اورسجدہ سہوسے بھی برکی بوری نہیں ہوسکتی ۔ بلکر پھرسے اس نما زکو پڑسنا حزدری سبے۔ (عامرکتب)

مستلمرایک نمازی اگر مجول سے کئ واجب چیوسے سکتے نوایک مرنبر ہما دوسیدے سہوکے مرودت تہیں۔ دوسیدے سہوکے مرودت تہیں۔ دوسیدے مہار میں کا فی بی رچند بارسیدہ سہوکی مزودت تہیں۔

مسئلہ۔ بیعے تعدہ میں النزبات پڑھنے کے بعد لمیسری دکعت سے بید کھڑے ہوتے میں انتی دبرلگا دی کر اَلدُقد ؓ میں علا متحت یہ پڑھ سکے نوسجد سہووا جب سے جلیے کچر پڑھے یا خا ہوش سے ددنوں مورنوں بی سجد مہمووا جب سے اسلیے دھیا رکھو کر بیعے تعلق میل سنیا شختم ہونے ہی فوراً تیسری رکعت کیلئے کھڑسے ہوجا دُدرد متنارورد المختار مبلا میں

تمارقاسد كرف والى بيزي

نمازیں بولنے سے نما زوط جاتی ہے چاہیے جات بوجھ کرلو نے باہول کرلوکے زمادہ بوسے یا ایک ہی بات بوسے اپنی نوٹنی سے بوسے یاکسی کے مجود کرنے سے ہو برصودت نماذ لوط جائے گی ۔ اسی طرح زبان سے کسی کوسل کرے عمداً ہو بامہواً نمازِ مِا تَى رسِيےگ ہيوں ہىسىم كا چواب ويناجى نمازكو فاسد كروتياسىے يمى كر چینک کے جوابیں تیزخشک استد کیا یافونٹی کی تیرشن کر الحسداللہ کہار يا برى نيرسن كريانًا يسلِّو قد ل قَا إليَّة و دَاحِعُون فَ كَها نوان صورَ قول بي مناز لوط ما مُعَ كى ليكن الراس نے العسمد دلله كيرويا تواس كى تمازفا مدنيس مولكى مماز برطف واسے نے اپنے الم کے عمر کو لقر صعرف اوا تواس کی نماز موگئ راورا گراس نے مغر لے لیا تواس کی می نماذجاتی ترجے گی ۔ اورعدط لقروینے سے لغر لینے والے كى تما زيانى رسى سے -الله اكبر كے الف كو كھينے كر الله اكبر كمنا ماالكيو كهنا الميكر كهنا نما ذكر فامدكر دنيا ہے۔ اس طرح مستقيدين كوالف كے مات نشتا عِين يرس اور أنت مت كي ت كويمن إ زريعي أنعمت یا آنغمنتِ بڑھنے سے بھی نمازجاتی رمٹی ہے۔ آہ ، اوہ ،اف ، نف دردیا میں بت ك ويم سي كيد با أواز كرسائة دو شي الكي مون بيدا موش نوال سب صورتوں می تماز موس ما سے گی ۔ اگر مرمن کی زبان سے مالت مناز میں بے اختیار أه ما اوه يا دائے نكل كما تونماز نبس تو طے كى - إسى طرح عيلنك، كھالتى، جائى اور ط کاربی جننے حروث مجبوداً زبان سے بہل جانے ہیں معاف ہیں اورا ل سے نماز نہیں گوٹٹی، دانتوں کے اندکوئی کھالے کی چیزائلی ہو اُکھی ۔ تماز ٹرستے ہوئے نبان ميلاكراس كونكال لباا وزنكل ككيارا كروه جيز چضے كى مفلار سے كم ہے تونماز كروه بوكئ راوراكر يض كرايرب تونماز لوط مائے كى مناز برصف

موے ذورسے قبقی لگاکر مہنس دیا نونمازی ٹوٹ گئی اور وحنوی ٹوٹ گیا۔ بھر سے وحنوکر کے نئے مربے سے نماز بڑھے ۔ عودت نماز بڑھ دہی تقی ہیتے لے اس کی بھائی چرسی اگر دود ہ نمی کا یا تو نماز جاتی رہی نما زمیں کرتایا یا جا مرمین یا تہیں دیا دھا ہیا دونوں با تق سے کر بندبا عرصا نونماز ٹوٹ جاتی ہے۔ بتن مرتبہ ہوگی ۔ اورا گراکہ مرتبہ ہے کہ ایک مرتبہ کھی لا یا ، بھر ہا تھ مہنا لیا ۔ بھر کھی لا یا رینمن مرتبہ ہوگی ۔ اورا گراکہ مرتبہ با تفدر کھ کر سند مرتبہ با تف کو ملا کر کھی لا یا گھر ہاتھ تہیں مثنا یا اور باریا در کھی لا تا ہا ۔ تو یہ ایک ہی مرتبہ کھی انا کہا جائے گا۔ د حالم کی مبلدا ص ۹۲ وغرہ)

منازی کے آگے سے گزرنا نمازکو قاسد نہیں کرتا۔ نواہ گزد نے والا مرد ہو یا عورت لیکن نمازی کے اسے گزرنے والا سخت کنہ کا دہوتا ہے رحد بہتیں ہے کرنمازی کے اسے گزرنے والا اگرجا نما کہ اس پرکیا گئاہ ہے ہو وہ ذہن ہیں ہوش کو نمازی کے اسے گزر نے سے بہتر جا نما ۔ ایک دو مری حد بہت ہیں ہے کہ نما ذی کے ایکے سے گزر نے والا اگر جا نما کہ اس بمی کہنا بڑا گئاہ ہے توجالیس میال تک کھڑے دہیت کو گزر نے سے بہتر جا نما کہ اس بمی کہنا بڑا گئاہ ہے کہ بی نہیں جا نما کہ حصور میں اسٹر علیہ وہم کر رہے گئی سے بہتر جا نما ۔ داوی کا بیان ہے کہ بی نہیں جا نما کہ حصور میں اسٹر علیہ وہم کہ بیان ہے کہ بی نہیں جا نما کہ حصور میں اسٹر علیہ وہم کہ بیان ہے کہ بی نہیں جا نما کہ حصور میں اسٹر علیہ وہم کا بیان ہے کہ بی نہیں وہیں۔ (انریزی جلدا میں ہم)

تمازكي مرويات

نمازی ہم یا نئی کووہ ہیں وہ یہ ہی کیوسے یا بدن یا داڑھی مو کیھ سے کھیلنا کیڑا سمیٹنا جیسے محدہ ہی جانے وقت اس کے یا بیچے سے دائن یا چا دربا تہدیدا کھالینا کیڑا لٹکا نا بعی سریا کندھے پر کیڑا جا در وزجرہ اس طرح ڈوالنا کر دونوں کما اس لٹکے بیس کسی ایک اسنین کو ادھی کل کی سے پوٹھا نا دائن سمیٹ کرنما زیڑھنا، بیٹیاب پاتھانہ معلوم ہوتے وفن با علیرہا ہے کے وفن نماز بڑھنا مرد کا سرکے بالوں کا جوڑا باندھ کرنماز پڑھنا، انگلیاں جبٹنان، او صراد صرمتہ چیر کردیجینا، اُسمان کی

سبره گاه سے کنگر ما ب اگفا نا گرجب کر پولیے طور پرسجدہ ہز ہوسکہا ہونوا بک بارٹھا دینے کی اجازت ہے بمنازی کمریہ با تفرد کھتا ، نما زیمے علاق می کمر بر با تفرند رکھنا چا ہیئے ، کرتا چا ور موجود ہوتے جو شے حرف یا جا مر با تبیند ہمن کرنما زیر میں ا الم کیڑا بہن کرنما زیر صنا ، نما ذہیں بلا عدر بالتی مارکر بعض کی جیسے نہیں دب جائے دراز کر سے نماز پڑھنا ، مثلاً عمامہ کا شمل انزالمبار کھے کہ جیسے نمیں دب جائے باکسٹین اننی کمی دیکھے کہ انگلیاں جھیب جائیں ۔ یا جامرا وزنم بند کھنے سے نیچ بونا نما زمی دائیں بائی جھومنا ، الٹ قرآن جمد بیر صنا ، ما میں پہلے مفرزی اوا دکوئے ومحدہ میں جانا یا ای سے پہلے مرا گفا تا یہ نمام با نیس کروہ تحربی میں اگرنما زمیں یہ مکرویا ت برویا بی تواس نما ڈکورو مرا لینا چا ہستے ۔

د در من ارجلوا من ۱۷۹ وعالمگیری ص ۹۹)

مسلمر من زمي لو في گريزي نوايک ما ففه سعامها كريسر بيرد كالبناً بهنرسه اور باربار گريزن مو نورز اعلانا اجهاسه -

مسئل يشنى سينظيم مناز فيصناعبى ثوبى سيد وجهمعوم مذناب بالرى

مگتی ہے اس وہم سے ننگے سرتماز ٹرصتا ہے تو مہ کمرہ ہ تنزیبی ہے ا دا اگر نما ذکو خبر سيال كر كے نظر سر مراح ، جليد يرخيال كر د كرنازكون البي شاندار حرنبي بيري مے بیے وی یا گیروی کا اہم کیا جلے تو برکفرے -اوداگر صدا کے در باری ماجزی ا وآکسا ری طا برکرنے کے بیسے سر مازیر سے تواس نبیت سے ننگے مرنماز ارصنا سخب موكا علاصمكام بسب كم تبت يردادو دارسه

(درمخمآ دوردا لخمار طداص ۱۳۲۱)

مسلم ملی ہوئی آگ کے سائے تماز فرصنا کروہ ہے لیکن چراغ یا لائٹین سے ساعف نما زير صف بي كوئي كرابست نهين - (در مخماً رود دا لمخماً رحلوا ص ١٣٨٨) مسلمر بغرمزد و تقديد كهي تحيرالا ناكروه سه - (مالكرى ماداس ١٠٠٠) مسلمر ووليت بوت نمازكومانا كروه سهدر دروالممالر) مسئليد المازين الحفية بعضة الكي يتح ياؤن بينا نا مروه ب-

بعنى كن معودتون مي منا زقوط دبنا ما تزيع-

مارلورد بنے مطاعد الے استار کوئ دوب رہا ہویا اگر سے مار اللہ سے ماری ماری میں ماری اللہ میں ماستے كاما الدصاكروس الراسي كانوان صورتون مي تمانى برواجد ، عدمنا ترور کران لوگوں کو بچائے بوں سی اگر کوئی کسی کونٹن کررہا ہوا دروہ قربا و کررہا ہواور

یاس کو بچا نے کی فدرست رکھتا ہو نواس پروا جیں ہے کہ نماز توزگراس کی مدد

کے بلے دور فرسے - (در مقارورد المقار معداص ١٨٨٠)

مشلير بيتياب بإنعانه قالوسعه إبرمعلوم موايا البني كيرطس يراتني كم نجاست دیجی منٹی نما سسن سکے موٹے مہوئے نما زموسکتی سے۔ یا نمازی کوکسی اعلی کو نے چیودیا - نوان مینوں مور توں میں نماز توا دیا ستے ب سے -

د درمخیار ورو المخارطدا بهم)

مسلمه سانب دغيره ما دسف كي يله جي كم كاط يليف كالسح لدم ونوتاز

تورد بناجا تربع د در مناوس ۱۹۴)

مسٹلہ۔ اپنے یاکی ادر کے درہم کے نفصا ن کا ڈرمور جیسے مُودحداً بن یا سے گا با گوشنٹ نزکاری سے مِل جانے کا ڈرمچونوا ن صورنوں بی نما زنوڑ وبنیا جا کرسے اسی طرح ایک درہم کی کوئی چیڑ بیجد سے معامکا تونما زنوڑ کراس کی بکڑنے کی اچا ذرت

ہے۔ (ورخمار مبداص ۱۲۲۰)

مسئلہ ریما زیرج رہا تھا کہ رہل گاڑی چیوسے گئی اورسامان رہل گاڑی ہی سہے یا رہل گاڑی چیوسے جاتے سے نفضان ہوجائے گا تومما زنور کر رہل گاؤی ہر سوار

ہوجانا ج<mark>ا ٹر</mark>ہتے ۔ مسئل_م۔ نفل نما زہیں ہو اور ماں یا ہے بچائیں اوران کو اس کا نما زہیں ہونامعلوم م ہو تو تما زنوڑ دے اور ہواب دے بعد ہی اس کی نما زفقنا پڑھ سے ۔

(ودعخار ورد المخار صلدا ص-۲۸)

بيمار كي تماركا بيان

مسئور اگریماری کی وجہ سے کھراسے ہو کر نماز نہیں پڑسکتا کرمن بڑھ جائے گا یا دہر میں اچھا ہوگا ۔ باچکرا آب یا کھراسے موکر پڑھنے سے بیٹیا ب کا نظرہ آئے گا یا نا قابل برداشت درد ہوجائے گا توان سیب صور توں میں بیٹے کرنما ڈیڑھے۔

ر در محمار جلدا ص ۵۰۸)

مشلهر اگرلائی یا دادارسے یک لگاکر کھوا ہوسکتا ہے تواس بدفرت ہے کر کھڑے مسلم اگر می کھرے مرکز من از بہیں ہوگ ۔ مورت اگر می کھ کر تما تر پڑھے کا تو تما ز نہیں ہوگ ۔ در من ارجلداص ٥٠٩)

مسلد اگر کچے دیرے یہ می کھڑا ہوسکنا ہے اگر جرانای کھڑا ہوکہ کھڑا ہوکہ اللہ اللہ کا میں کھڑا ہوکہ کھڑا ہوکہ اللہ اللہ کا میں میں اللہ اللہ کے میں اللہ کا میں میں اللہ کا میں اللہ کا میں اللہ کے میں اللہ کا میں اللہ کے اللہ کے اللہ کا میں اللہ کے اللہ کا میں اللہ کے اللہ کا میں اللہ کی اللہ کا میں اللہ کی اللہ کا میں اللہ کے اللہ کی اللہ کے اللہ کے اللہ کا میں اللہ کے اللہ کا میں اللہ کہ کھڑا ہوگا کہ کے اللہ کا میں اللہ کی اللہ کی اللہ کے اللہ کی اللہ کے اللہ کی کے کے اللہ کے کہ کے اللہ کی کے اللہ کی کے کہ کے کے کے کہ کے کہ کے کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ

(در مخار حیاداص ۵۰۹) مشطر ساگردگوع و سیحود کرمسکتا موتو بعید کرنماز پڑسے ۔ اور دکوع و سیرہ اشارہ سے کرسے گردکوع سے اشارہ سے سیرہ سے اشادہ بیں سرکو ذیا دہ جسکا ہے۔ در در مخارص ۵۰۹)

مسئور اگر بیره کر بھی نمارد بڑھ سکنا مولوالیں مورت بی لمیٹ کر نماز بڑھاس طری کرچن لیٹ کر فیلر کی طرف یا وُں کر ہے۔ مگر باؤں نہ بھیلائے بلکہ گھٹنے کھوے دیکھ اورسر کے بیچے نیچر رکھ کر درا مرکو اُونچا کرے اور دکوی وسی دہ سرکے شامہ سے کرے۔ (در من ارم بلواص ۱۰۵)

مسئطهر اگردیس سرسے اشارہ مجی نه کرسطے تونما زمیا قط محوماتی ہے۔ کے چو دفنت اسی حالت بس گرد کھٹے تو نفتا بھی سا قط محوماتی ہے۔ ددر مخمار جلداص ۱۵)

مرافری نماز کابیان.

بوشف تقریبا نفریبا ۹۹ کومٹیرکی دودی سے سفر کا ادادہ کرکے گھرسے سکا اور اپنی لبنی سے باہر جلا کہا تو ہٹر لیبٹ بی یہ شخص مسافر ہوگیا۔ اب اس پرواجب ہوگیا کہ فقر کرسے بعین ظہر وعشا د جار رکھت والی قرص تماندں کو دو ہی رکھت پڑھے۔ کبورکہ اس سے حق بی دو ہی رکھت پوری تما ذہرے۔ (در مخار ۱۹۵۵) مسئلہ۔ اگر مسافر سے تفدہ کیا تو فرص ادام ہوگیا۔ مسئلہ۔ اگر مسافر سے تندہ نہیں کیا تو فرص ادام ہوگیا۔ اور آئر دورکھت پر قعدہ نہیں کیا تو فرص ادام ہوگیا۔ فرص ادام ہوا۔ ور مختار جا دام ہوگیا۔ فرص ادام ہوا۔ (در مختار جلدا ص ۹۲۰) مسئلہ رمسافر جب برکھی جگر بندرہ دن بااس سے نبا دہ تظہر نے کی تمیت ہیں کہا ہے فرص ادام ہوگا۔ کرسے باابنی لبنی بی مزید جا ہے فرص کا ارسے گا۔

ممشله يمسا فراگرمقيمام كے بیچھے تما زیٹرھے نوجار دکھت بودی پڑھے فعرہ کرے مسلد منفى اگرمسافرا ما كے تنجے نماز برسے توام مسافر بونے كى وجرسے داو ہی رکعت رسلام کھروے گا۔اب مغیر مفتدیوں کو بیا سیئے کہ ام سے معلام میر دینے ك بعدائي ماني دو ركعتين يرصيل - اوران دونون رمعتون عي قراءت من كرس مكرموره فانخر فرصف كى مقلاحيها ب كور م ريل -

(درخمارطداص ۱۵۳۰)

مسلمه في ومغرب اوروزس فعرسي -

مسكلي سنتنول مي نصرته بي بيد الرمو فع مو توليدي يرصبي ودر معافيي (ورمحمارص ١٥٠٠)

مسلم رسافرا بني نسنى سيه بام رسطة بهي فقر متروع كردے كااور جب تك اپني يسى مين داخل مذ بهوجائي باكسى بسي مينديده دن يااس سع زباده دن عقرا كى نيت مذكر في برارنفري كرتار بيد كا . (در مخاروعا مركت فقر)

سيرة تلاوت كابيان

فران مجديدي توده استين اليي من كرجن محدير صفيا سنينه واسلے دونوں پرسی رو کرنا وا جب بہوجا ماسے۔اس کوسی وہ تلاوت مجت يس - (درمخماً رصلداص ۱۵)

مسلد سجدة تلاوت كاطريق بسي كرقيار فطرع التعاكركم المواسحد مِي جائدُ الديم سيم مّن بارشبْعَانَ رَقِي الْهَ عَلَى كِير بيران الرّكير كميّنا مِوا كوط الموما شير أس من الله التراكر كيته موسية ما تقامعًا ماسيد مذاس في تشهديد نرسل - دورخنار جلدا ص١١٥)

مسكله والكراتين سجده نما زيحها مرترهي بسي نوفوراً بهي سجده كركبتا والجب

نہیں ہے۔ ماں بہتر ببی سے کرفوراً بی کرسے اور و فور پرکرنی کروہ نظر بہی ہے۔ (در متار مبدا ص ۱۵)

مسکلم ،اگرسجدہ کی آمیت نماز میں ٹرجی سبعے فوقوراً ہی سیدہ کرنا وا جب سبعے ۔اگر خبن آس پڑھنے کی مقدار دہر دکھ دی نوگنہ کا رمہو گا ۔اورا گرنما زمن سجدہ کی آبمت پڑھنے ہی قراآ رکوع میں حلاگیا وردکوع کے بعد نماز کے دونوں سجدوں کو کر ابنا نواگر جرسجرہ نلاوت کی نمیت نرکی میو گرسجرہ نا وی بھی اوا ہو گیا۔ (در نمنا رحلواص ۱۸۵) مسئلم ۔ تما زمیں آبیت سجدہ بڑھی نواس کا سجدہ نماز میں میں وا جب سبعے تما ذر کے باہر

برسیده اداشس مهوسکناً - (در تما دجلواص ۱۵) اُردوزبان می اگرآبت سجاری ترجم ٹرمددیا نب مبی ٹرصنے والے اورسنے والے

وولون برسيدوا جب موكريار (عالمكبرى جلدا ص١٢١٠)

مسلمه وابك محلس من أبت سي دريطي الدرسيده كرليا عيرانسي محلس من دوما ره اسي أبيت كى تلا وت كى نو دوسراسىدە وا يىب نىيس موكار تىلاصرىدىسىدى ايكى مىلسى يى اكرماراد آيت سي ديري نوايك بي سي و واحب موكا - اورا كرميس مرل كروسي أيت محد مرهي نو جتنی مجلسوں میں اس آبت کو بڑھے گا استقرامی سجدامی بیروا جب موجا میں سکے۔ مسلم على يدك كابهت مى صورتنى يم يمثلاً كيى تومكم بديق سيميلس بدل ما نہے جیسے درسرا یک مجلس سے اورسیدا پکمیس سے اورکھی ایک ہی مکرمی ا بدل بینے سے ملس بدل جاتی ہے۔ جیسے ایک جگر بلیٹ کرسیتی بڑھا ،الورمملس درس مون کیراسی حکر معطے ملحظے لوگوں نے کھا فائٹروع کردما تو برمیلس بدل کئ ۔ کر معط مجلس درس منی ۔ اب مجلس طعام ہوگئی ۔ کی گرمی کمرے سے دوسے کمرے ہیں <u>جلے مباتے</u> كمرسه سيمحن بي بيلے جانے سے مجلس بدل جا تی ہے کی گرسے بال مبی ابک کونے سے ووسم كوني ييك جانے سے مبلس بدل جاتى ہے۔ وغيرہ وغيرہ - مبلس كيدل عاسف کی بہت سی صورتی ہیں۔ (در مخنا رجلدا من ۲۰ و مالگیری علدا من ۱۲۱)

قراءت كاربيان

قرارت بعنی قرآن نترلیت پڑسصنے ہی اتنی آ وا زہونی چا ہیئے کہ اگر بہ إنه ہو) اور مشوروعل مزم ونو نو داپنی اوا زسن سکے را کراننی اواز بھی نه ہوئی توقرا درت نہیں ہوئی احد نه نما نرم وگی۔ در منزار جلواص ۹ ۳۵)

ممسکله رقیر میں اور مغرب وعشاء کی قدیم بی رکھتوں میں اور مجمعہ وعیدی و ترا و برکے اور رمعنان کی ونر میں امام پر جہر کے سافقا فرا رہت کرنا وا جب سے راور مغرب کی تلبسری رکعت میں اور عشاء کی نمیسری اور چوشی رکعت بی ظہر وعصر کی سب رکھتوں میں آئیمسنتر

برموسنا وابحب سے۔

مسلد۔ جہرے یہ منی بیں کرانی زود سے پڑھے کہ کم سے کم صفیق قرب کے لوگ من مکیں اور آئیمنہ پڑھنے کے یہ بین کہ کم سے کم نو دس سکے۔ د درمخدا رجلواص ۲۵۸)

مسلم رجہری نما زوں میں ایسے کوانتنیار ہے جا ہے ذور سے پڑے ہے اسے انہنہ مگرز<mark>ور سے</mark> پڑھناا نقبل ہے۔ ‹ در مخناد جلداص ۴۵۸) مسلم نقرآن ننرلین الٹا پڑھنا عمروہ تحربمی سیھنٹلاً برکرہم کی رکھنٹ بن قُلْ هُوَاللّٰهِ

اورددسری رکعت بی تنبیت سیدا برصنا و در مخارجادا می ۳۱۸) مسئله و درمیان بی ایک چیونی مورت چیوا کر پڑھنا کروہ سے و جیسے بیلی رکعت بی حسّل هنوا ندہ برخی اور دومری رکعت بی قُل اَعُوْدِ بِدَ بِ المناس پڑھی اور درمیان بی حرف ایک سور که قُل اَعُودِ بِندِتِ الْفَکَقِ جِیوا دی بیکن ہاں اگر درمیان کی سور کہ جیملے سے بڑی ہو تو درمیان بی ایک مور کا چیوا کر بیڑھ سکنا سے جیسے و الیّت یَن کے بعد اِن اَشْرَ لْنَا برا صف بی حرب نہیں اور اِذَا جَانَا

ع بعد قُلْ هُوَالله يرمنانهين جا ميني - (در مخنار علداص ٣٩٨)

همشل_ه . جمعه وعبدين بمب مبلي دكعت بمب معودة جمعه ا وردوسرى دكعت بمي سوره منافعو بالهى ركعت من سبح اسعد بك الاعلى اوردوسرى دكعت بن هَلَ اناك حديث السعاسيد يرصاستنسيد (ردالمنارجداص ٢٠١٥) منخب یرے کر باوٹو تبلر دوا تھے کرانے ما در كم المرملاوت كابهان المن المعلم محمدون ا داكر كم الجي أ دار سے فرآن شریف برصے، مین کانے کے ایجین سی کا کرفران پڑھنا جا کر نہیں۔ الله وت كالشروع بن أعد ويالله برصناواجب بعدا ورسوره كم مترفع من بیشم اسد برطمناستن سے - درمیان تلاوت بس کوئی دنیا وی کام ماکلام کرے تُواَعُودُ ما سله و يستمرا لله بيرريه مه - (عبرويم) ممشله يخسل خارزا ورسجا مسن كى جگهوں تميں فراك تشريف فرهنا الم الرج مستلم اجب فرآن تشرلب مبندا وازمسے بیرها جائے نوحا عزین پرسننا فرمن ہے جب كدوه مجمع سننے كى غرص سے حاصر مووريز ايك كاستونا كافى ہے۔ اگر حاور لوگ اینے ایتے کا می بول - (عنبه، نما دی مفویہ وعبره) مسلم سب نوگ مجمع میں زور سے فرآن شریف پڑھیں یہ نا جائز ہے۔اکٹوس وفائخ كے موقعوں يرسب لوگ فرور فرورسے تلا دت كرتے ہيں۔ يرنا جا مزب ا كريندا دى يرصف والعيمون نوسب لوك أيمنة يرمين - (درمناروغره) مستکهر با زادول ا درکارخا نول بی جهال لوگ کام می منگرموں زورسے فرآن مجد يرصنا ناجا تُرْسِت كمو كدلوگ اگرز تنيس نوكته كارمون سكر - (دوالمخدا معلواص ۱۳۱۷) مستطهر فآن شربب بلنداواز سع يرهناانفنل سعد جب كرمنازي باليماريا مونے والے کو تکلیف نہ بہنچے۔ مسئله: فرآن تشريف كويليط نه كي جاشته، نه اس ك طرف يا وُن بيبيل بني نه اس مسط و كجي

جگر بیمی براس برکوئی کتاب رکھیں اگر جرحدیث و نفذ کی کتاب مہو۔ ممشلہ فرآن شربب اگر بوسیڈ موکر بیسے سے قابی نہیں دیا توکمی باک کبڑے ہیں لیسیٹ کرا حنباط کی حکر دفن کرویں ۔ احداس کے بیلے می دبنائی جائے تاکرمٹی اس کے دُوہِ بنہ پڑے نے ۔ فرآن شربین کو حوالانا نہیں جاہیئے ۔ ملکہ دفن ہی کرنا جاہیئے۔ دعا ملکیری وہمار شربیت حجلمانا اعمی ۱۱۸)

احكام مسجدكا بيان

جب سیرمی واص مونو درود شرلیب بیره کراللهٔ قرافتم یک ایواب رخمیدای بر سے اور جب مسجد سے نکلے تو درود شرلیب کے بعد اللَّهُ مَّدَ اِفْ اَسْتُلُكُ مِنْ فَضْلِكَ بِرُسے۔

مسئولہ اسجد کی جین کا بھی مسجد ہی کی طرح ا دب وائٹرام لاذم ہے۔ بلامٹرون مسجد کی جیت بلامٹرون مسجد کی جیت ہوئے مسجد کی جیت پرچڑھنا کروہ ہے۔ (بہارٹٹرلیست جلدام ص ۱۷۸) مسئولہ ۔ نیکے کوا دریا گل کوئن سے گندگی کا گمان ہوسج دیں سے جانا حرام ہے اور اگر مخاصت کا ڈرنر ہو ٹو کم روہ ہیںے ۔

مستندر مسجدكا كوارا جالاكرابس مكروا فيجهال بدادي مزبور

مستلے۔ نا باک کیڑا میں کر باکوئی بھی ناپاک بچرنے کرسج دمی جا نامنع ہے۔ بوں ہی ناپاک کیزا میں میں اور ہے۔ بوں ہی ناپاک کا دامسجد میں رکھانا متع ہے

مستکرر ومتوسے بعد بد<mark>ن کا یا نامسجد بن جیاط تا بامس</mark>جد بن تفوکنا با ناک صاف کرنا نامبا ترسیے ۔ (عالمگیری حیلداص ۱۰۲۷)

مسلم رمسيدس ان أواب كانعال ركه

ارمسيدني نجب داخل مونوسلام كرسي بشرطيكه جولوگ وبال موجود مون ذكر و ورس ميم شغول مرمون نوبول كهي اكتكادم عَكِيْنَا وَعَلَى عِيَادِ اللهِ الصَّالِحِيْنَ ا

٧. ونن كروه بز بولو فاو ركعت تحير المسيدا واكرے . ما۔ توبدوفردخت مزکرے۔ م . نعل ملوارسي مي در العائد . ۵ ۔ گم شدہ بیزمسید میں نر وهو ناسے ۔ ٧- وكر كيموا أواز الندية كرے. ے۔ دنیا کی باتیں نزکرسے ٨- لوگوں كى گرونس مر ميلا تكے . و مر جگر کے منعلن کمی سے جگرا ندکرے - بلکہ بہاں خالی بلکریائے وہاں منازم پیم هد اوداس طرح مر بينيط كرجكري دوسرول كريانتي مور ١٠ کی نازی کے آگے سے فرکونے۔ 11- مسجد من خفوك كمن كار ماكوني كندى بالكنا وفي جيزنر فالے -ا انگلیال نرچیخاسے۔ موار کنجا نسن ا وربچوں اور پاکلوں سے مسجد ک<mark>و ب</mark>چا تے۔ ار ذکرالی کی کرت کرے دمانووازکت ففر) مستلم كي لهس بها زبامولي كما كرجب كم منهي بدلوما في رسيمسجدي جاتا ما تر نہیں ہی م ہراس جر کا ہے جس میں بداد ہے کاس سے معرکو بچایا جائے ادراس کو بغردور مجيم و تفسيرس زجايا جائے - اسكون جلواص ١٦٨) مستسلم مسجد کی صفائی کے بلے بیٹ طول ا مدکموزروں ا در جراب کے گھونسلوں کو نوچنے میں کوئی حرج نہیں ہے۔ مستله الينع محله كالمسجدين نماز يرهنا الكريرجا عمت كم بوجامع مسجد معافل بعد بلكرا كم محتركي مسجد من جاعت ندموني بولو تنها جائے اورا ذان وا فامت كمركرا كبيع نماز يسع . برجامع سجدى جاعب سيدانعنل ب دصيرى وغره)

بُنْتتوں اورنفلوں کا بسکیبال

متتن کی ڈوشمیں ہیں۔ ایک متنن مؤکدہ اور دومری ستننے عجر ٹوکورہ مسلمه منتن مؤكده بذبس ودوركعت ستنت فبرفرض سع بينط عارزكعات بنت فرمن نما زسے بیلے دورکعت بعدمی مغرب کے بعدد کورکعت سنت عشاء کے بعد دورکعین منت رجمعر سے پہلے جاررکعت منت ورجمعہ کے بعد جا ركعت ستنت ببسنسن مؤكده عي ربعت ان كويرصف ك المدم وي معد بلاعد ا مك مرتبه مي ترك كري تو طامت كے قابل بيدا وراس كى عادت والے توفاكن بہنم مے لائن ہے اوراس کے بلے تنفاعت سے محروم موجا نے کا ڈرسے ان مؤكره منفول كوسنن البركري على كيت ميل-مسلم مستنز غره مؤكده بری رجار دکعت عصرسے پہلے جار دکعت عشار سے ملے اسی طرح معشاء کے نعد و ورکعت کی بجائے مارکعت اورجمعہ کی فرص مازاداكرنے كے بعد بجائے جاركعت سنت مغرب كے بعد وركعت مرصلاة الاتوابن» ا وردوركعت تحيير المسيء، دوركعت تحير الومنو واكر مكروه دن<mark>ت ىزېو ـ د دور</mark>كعت نما دا شرا ق ـ كم سيركم د وركعت نماز چاشت اور زياده مع زباده باره ركعت . كم مع دوركعت اورزباده آك ركعت تمازتهي مناوة النبيع، نماذاستخاله اورنماز حاجت وغيره الاستنق كواكر طيص توبهت زياده تواب ہے۔ اور اگر نر مع تو کوئی گناہ تھیں ہے۔ ان سننوں کو سنن الزوائر" ا ودکھی سننت مسنحیہ کینے ہی ۔ مستلدرقيا كافدرت بمون كياديودنفل تماز ببيط كريرهما جائز بيديكن

مستکرر قیام کی فدرت مونے کے با دیو دیفن تماز بیٹھ کر بیرصا جائز ہے۔ لیکن جب قدرت موزونفل کیمی کھڑے موکر ٹیرصناا قفنی ہے۔ اور دکو گنا تواب مناہے

(رمزى حلواص ٢٩)

نمار تنحبته الوصوء

مسلم ننرلیت کی حدمت بی سید کم معنودنی کرم کی اندعلبه ولم سنے فرما یا کر تخصی انھی طرح وحنو کر سے اور نطا ہر ویا طق کے ساتھ منوج منہو کر دفور کعن (نماز تحبیّر الونوم) پڑھے اس کے بیے حتن واجب بہوماتی ہے ۔ در دالمخار طواص ۲۹۸)

تمازاتشراق

نر ندی تغریب ہے کہ حصنورا فد مس ملی النّدعلیروئم نے فرمایا ہے کہ توخص فجر کی نماز جاعت سے پڑھ کر ذکر اللّی کرتا رہے ہیا ہا تک کرموج ملیڈ موجائے بچردورت دنماز انتران) پڑھے نواسے ٹورے ایک ج اورا یک غروکا نواب لیگا۔ (ترمذی مبلومی ۱۷)

نمازجاشت

چاشت کی نماز کم سے کم دورکوت اورزیادہ سے زیادہ بارہ کمعت ہے بھنور اکرم صلی اللہ علیہ وکم فے فرایا کر ہوشمض چا تنت کی دورکعتوں کو جملینہ ٹرمننا اس کے گناہ نختی فینے جائیں گے اگریہ وہ تمنگر کے حجاگ کے براد مہوں ۔ (نرمزی جلواص ۱۳،۱۲)

تماز تبجد

نما زننجد کا وقت مستاء کی تما ڑکے بعد موکر ایسطے ا<mark>س کے بعد سے م</mark>ی صاد طلوع ہونے کے وقت تک ہے تنجد کی نماز کم سے کم ڈورکھت اور زیا وہ سے زیاد⁹ حضور حلی اسٹرطیہ دسلم سے آٹھ دکعت کک نما بت ہے۔ حدیثوں میں اس نماز کی ہت زبا دہ نعنبیات میان کی گئے ہیں۔ دصحاح مستنہ)

صلوة التبلح

اس نماز کایے انتہا تواپ سے صدیت تشریب میں سے کر صنورا فیرٹ کی انٹرطیبہ وسلم نے اپنے بچاحفرت عباس دمنی المتّرعنہ سے فرمایا کہ لیے میرسے جا اگر ہوسکے تو صلوة النسيح مرروزابك بارمرصواور اكرروزانة موسط توم جمعه كوابك باربرمعو اوربر معی نه ہو سنے نوسال میں ایک بار) اور بریھی نرموسکے نوعرس ایک بار باس منا ترکی الركبيب يه به كزنجر تحريميك بعد زناء يرص عهر مندده مرتب برتسيع كره عن أستحان الله وَالْحَمْدُ يِنْهِ وَلَا اللهُ إِلَّا شُهُوا للهُ آكْ يَكُ بَرُه مِهِمَ عُوْدٌ فِي بِإِنْهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ سورة فانخرا وركو فى سوره يراه كردكوع سے يہلے دس بارا وروالى سينے ورص عمر ركوع كرسے اور ركوع مي سُبْحَات دَبّ أَلْعَظِيمَةُ بَمِن مرتب ور مكر عروس مرتب ا دروال سيع يرسع - معركوع سع سراعات اورسية الله لمتن حسدة اور تَيَّناكَ الْحَدْثُ يُرْم كر كير كفر المراع كفراع وس مرنب اويروا لنسبي ورص عيم سجده مي جائے اور من مرتبہ ستب كان ديتى الدع لى يره كر عيروس مرتبه أوروال المعلى طريع، عيرسجده سعمرا ما شعا وردونون مجدون كوديما ن مليط كردي فرني اوبروال سبيع برسط - بجردوس يسجده بن جائدا ورسبعكات ريدالحال تنن مرضر برصے عواس کے بعدا وہروالی تسیعے دس مرنیر برط سے ۔ اسی طرح جار کھن برط اور حمال رہے کہ کھوے مونے کی حالت بی مورث فانحرسے بہلے بندرہ مرتبہ ا ديروالي تسبيح يرص - باق سب عكروس دس بارا ويروالي تسبيح ليرص - برركعت بي به ميتر مرنبه نيني پيرسى جائے گی اور جار دکننوں مي تسبيح کا گنتی نين سوم زنبه کو گانينے خیال سے گندارہے با انگلیوں محاشا روں سے تسبیح کاشا در ارہے -دمشكوة ملداص ١١١)

تهازها بحب

لَا اللهُ اللهُ الْحَلِيْدُ مُ الْعُرِيْدِمُ طَهُ بَحَانَ اللهِ دُتِ الْعَرْشِ الْعَظِيْمِ طِ كَلْحَدُنُ يَلِلهِ دَتِ الْعَالَدِيثِنَ إَسْكَلْكَ مُوْجِهَاتِ دَحْمَتِكَ وَعَزَائِهُ عَمَّهُ وَلِكَ وَالْعَنِيْسُمَكَ مِنْ كُلِّ مِرِّةَ السَّلَاسَةَ عِنْ كُلِّ الشّعِرَ تَلْ عُلِيْ ذَنْبًا الْآخَفُورَيَكَ وَلَاهَ بَيْنَ الْآفَةِ مِنْ كُلِّ مِلْ عَلَيْهِ لَا لَكَ لَاحَاجَةَ هِنْ لَكَ دِمِنًا اللَّهُ قَصَيْبَهَا كَا أَنْ حَمَّوا لِمُعْفِرْتَكَ وَلَاعَا اللَّهِ مِيثَنَ

(ترندي دوالمختار جلداص ١١٨)

ان شاء الله زندا لی اس کی حاسبت پوری مہوگی ۔ اسی طری مصرت عثمان بن ممینت رصی اللہ میں ما مزہوئے رصی اللہ میں حاصر ہوئے اللہ عند میں حاصر ہوئے اور عرص کرنے کہ بارسول اللہ اکسے دعا بہنے کہ اللہ تعلیم عافیت میں اور عرص کرنے دیا بہنے کہ اللہ تعلیم میں بہنر ہے انہوں ہے ۔ ارشاد فرایا کہ اگر تم چا ہونو صبر کرد اور یہ تمہا رسے حق ہیں بہنر ہے انہوں ہے۔

نعوض كى كرحفوردُ عاكردِي تواكب نيان كورِيمكم دباكرُ تم توب الجِي طرح وَمَوكر و اور دُوركعت نماز پُرُهركر بردعا پُرهو: اللَّهُ تَرَافِ اُسْتُلَكَ اَسَّوَ سَلُّ وَاكْتُوجَهُ اللَّهِ اِلْكَ يَدَيْتِ اللَّهُ عَمَدِهُ كَا اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَا اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَا اللْهُ عَلَى اللْهُ عَ

معزت عمّان بن عبف رصی انده عنه کا بران سبے کر خواکی فنم میم اعظم میں در ایک نظر میں انده میں در ایک سے سختے ای در ایک سے سختے کی وہ نا بینا ہا اسے باس انکھیا سے میروکراس مثان سے آئے کہ گویا کھی اندھے تھے ہی ہیں۔

(ترمذى جلداص عدد ومستدائ ميل صلوع ص ١٣٨ ومتدرك جلداص ٢٥١)

تمار صلوة الاسرار"

دعادُن کی مقبولیت ا ورما بہتوں کے پوری ہوئے کے لیے ایک گجرب نما زصلوۃ
الامراد صی ہے جس کوا کم الوائحی فودالدین علی بن جور کمی شطنوق نے بہجمۃ المامرادی اورمالا علی قادی ویشی عابدی علی الرحمۃ نے مصنوت عوش اعظم دخی الله علی الرحمۃ نے مصنوت عوش اعظم دخی الله عند سے دوایت کرتے ہوئی المرادی علی الرحمۃ ریے اس کی زکریب درسے کر بعد نما زمغرب سندین ٹر مصار کو کھوٹ فیل پڑھے اور بہتر یہ ہے کہ انجھ کے بعد مراکعت میں گیارہ مرتب حکم انجھ کے بعد مراکعت میں گیارہ مرتب حکم انجھ کے بعد مراکعت میں گیارہ مرتب حکم انجھ کے بارک الله یائی کی الله انہ کی الله کیائی کہا ہے تھے اور بہزور میں بر بر بر بر سے کہ انجھ کے ایک کے بات بھی مرا ت کی جاتب کی الله کا کہا ہے تھے اور برفدم بر بر بر بر سے کیا تھا جات کی گیارہ مرتب کی جاتب کی انتہ کی انتہ کی ایک کے بیارہ انتہ کی انتہ کہ انتہ کی انتہ کی انتہ کی انتہ کی انتہ کی انتہ کی ما برت کی برائی کی انتہ کی انتہ کی انتہ کی ما برت کے بیارہ دورا فائل میں انتہ علیہ وسلم کو وکسبیلہ بنا کرا انتہ نا کا استوابئی ما برت کے بیارہ دورا ما نی ما برت کے بیارہ دی انتہ انتہ کی انتہ کا دورا ما نگھ ۔

(انجہ اداکا خیارہ میں ۱ انتہ بنا کرا می نا می انتہ انتہ کا انتہ کی انتہ کا دی ما برت کے بیارہ دورا ما نگھ ۔

(انجہ اداکا خیارہ میں ۱ کے بیارہ دورا میں کی دورا ما کی دورا ما نی ما برت کے بیارہ دورا ما نگھ ۔

(انجہ اداکا خیارہ میں ۱ کی دورا کی دورا ما نے دورا ما نگھ کے دورا ما نگھ ۔

(انجہ اداکہ کے دورا ما نگھ ۔

(انجہ اداکہ کی دورا کی دورا کی کے دورا ما نگھ کی کرا تھا کہ کو دورا ما نگھ کے دورا ما

مدینوں بی آیا ہے کہ جب کوئی شخص کسی کا کا ادادہ کرے تود ادر کعت نمازنفن يرص حص كى يهلى ركعت مي الحمد كع بعد قل يا ايها الكافرون اوردوسرى وكعت مِن الحدد كربعد قل هو الله إي الم عدد بجري وعايره مر ما وصوفير كى طرب مركر معسو رہے . دعا کے اقل وا مخرصور أو فائحه اورور و تغرفی مجی پڑھے دمایہ سے : ٱللَّهُ ءَ إِنَّ ٱسْتُلُكَ بِعِلْمِكَ وَٱسْتَقَادِرُكَ يَقُلُ دُسِكَ وَٱسْتُلْكَ مِنْ مَعَنْلِكَ الْعَكِلِيْسِ فَاتَكَ تَعَرُّدُ وَلَا آثَكِيرُ وَتَكْلُو وَلَا اَعْلَمُ وَلَا اَعْلَمُ وَالْنَتَ عَلَامٌ الْغَيُونْ طِ اللَّهُ عَلَى إِنْ كُنْتَ تَعْلَمُ انَ طِلْ الْالْمُونَ يُرْكِيَّ فِي دِينِي وَمَعَاشِقَ وَ عَلِقِبَةِ أَمْرِى وَعَاجِلِ آمُرِى وَاجِيلِهِ فَاقَلُهُ دُهُ لِيُ وَيَسْرُهُ لِيَ ثُوَّا رِلْاً لِيَ فَيْهِ وَإِنْ كُنْتُ تَعْلَمُ أَنَّ هٰذَالْا مَرْشُو لِي فِي دِنْنِي وَسَعَاشِي وَعَاقِبَهِ آمَرِي وَعَاجِلِ ٱمْرِئ وَعَاجِلِهِ فَا صُرِفَهُ عَيْنَ وَاصْرِفَنِي عَنْهُ وَاقْلُهُ لِي الْخَيْرَ حَلِيثَ كَانَ كُفَ رَضِيَّةِ سيعه وولول عِكُم الامر كِي عِكُم ابني هزورت كاناً سے جيسے يہلي عِكْرهادَ السَّفُومَ فَيْرَ لِيْ اوردوسرى مِكْرِس طنَ السَّفَدَ شَدُّ لِيْ (ترندى مِلداص ١٣ وكنت تقر) مسئلہ۔ بہنرے کہ کم سے کم سان مزنہ استخارہ کرنے اور بھے دیتھے جس بات پر ول جے اسی بیں بھیل ٹی ہے۔ تبعن بزدگوں نے فرایا ہے کہ استخارہ کرنے بی اگر نواب کے اندد میں پری پامبنری دیکھے تواچھاہے راوراگرمیا ہی پائٹری دیکھے توبراہے۔ (در مخمار جلدا ص ١١٧)

تزاوركم كابسيان

مستلم مردوعورت سیسے بلے تراد کے سنت مؤکدہ ہے اس کا چھوڑ نا جائز نہیں ۔عورتی گھروں ہی ایجیدے اکیدے تراد یج پڑھیں اسجدوں ہی نہائی ۔

(درمخارطداص ۲۲۷) مسئله تراديح ببيل ركعنب وش سلام سع برهى جا بمر بعني مرد وركعت برسلام فيرح ا در مرحار رکعت براتنی در برمجهٔ نامستحب سے علی در بس جارکعتیں ٹرھنی میں۔ احدا خلیار بے کراننی دیر جاسے جی کا مطار مصاب ہے کلم با درود ترلیب ارصنا سے باکوئی اور بھی دعا پر صنار ہے۔ عام طور سے بروعا پر سی حِاتَى ہے۔ سُبْعَانَ ذِی الْمُلْكِ وَالْمَلَكُونِ سُبْعَانَ ذِی الْعِنْرَةِ وَالْعَظْمَةِ وَ الْعَيْبَةِ وَالْقُدُرُةِ وَالْكِبْرِيَكِيْرِوَالْعَبَبِرُوتِ شَبْعَانَ الْمَلِكَ الْحَيَّ الَّذِي لاَيْنَامُ وَلَا يَمُونُ سُبُّوحٌ قُلُّ وَشَرْدَتُنَاوَرَبُ الْمَلْيِكُ فِي السُّووُحِ طَ (درمخنا رحلداص ١٩٧٧) ممشله مردوں کے لیے زاو بے جاعت سے پڑھنامنت کفایہ جے بین اگرمی بن زاویج کی جاءت مزمول تو محلہ کے مسب لوگ گہنگاد موں کے اورا کر کھراو کوں في مسيد من جاعت سے زاد کے المص لی توسب لوگ بری الذهم موسکے۔ دورمخار ملواص ۲۲۷) مسئله ويدر مهديزى زادى بباك بارفران محدحتم كرناسنت مؤكده م اوردوباره نفتم كرنا افضل سے اور بي مارخم كرنااس سے زيا وہ نصنيلن ركھتا م لشرطيكم مفتذلون كو عليف نرمو . مرايك ما زم كرسف بي مفتد بون ك تعليف كا الى طالبس كما عائد كا- (ودفي الماس مدم) مسئلم به حس فعشا دی فرص تماز نهین رطیعی وه نه ترا دی میرصد سکنا سے نه وز بحب نك قرص بترا داكر ہے۔ حمشل يرب نے عشاک فرض نما زننها پڑھی اورتزاو ہے بھاعت سے تودہ وترکو منبايرك (در مفار وروالمفار حلداص ٧٤٧) وز کوجاعت سے دہی بڑھے کاجس نے عشاء کے زمن کوجا کے سائر صابو۔

4 9 ...

مسلم میں کا تراوی کی کچر کعیبی میکوس کئی ہیں اورائی و ترفیعا نے کے ایکے طوا ہو جائے فوائی کے ساتھ و فرک نماز جاعت سے فرصد ہے جراس کے بعد تراوی کی چھوٹی ہوئی رکعنوں کوا واکر ہے۔ بشر طبکہ عشاء کے فرعن جاعت سے بڑہ چکا ہو۔ اوراگر چھوٹی ہوئی تراویس کی رکھنوں کوا واکر سے اور تنہا پڑھے توریعی جائز ہے گہ بہلی صورت افعنل سے - (عالمگری و تروالحمام)

مستلمر الركى وجرسے تراویح بن خم قرآن مز موسے توسورتوں سے نراوی بڑھیں اوراس کے بلے بعقنوں نے برط بقرر کھانے کم اَلَعْدَ شَوَ كَیْفَ مِسَا فَرَنَک دوبار بڑھنے بی بنبی رکھنیں موجائیں گی ۔ دور مخیار جلواص ۷۵۵)

مسئلم ر بلاکسی عذر کے عیم کر توا و رح پڑھنا کردہ سے مبکہ بعض نفتہاء کے تزدیک آو ہوگ ہی ہمبی (در منمآ را ص ۷۵) ہاں اگر بھاریا بہت زیادہ لوٹرھاا ور کمزور مج تو بیٹے کم نراو کے پڑھنے ہی کوئی کراہت نہیں کیونکہ بر بیٹھتا عذر کی وجرسے ہے۔

مسلم رنابا لغ کسی مناز میں اہم نہیں بن سکنا اسی طرح نابائغ کے بیٹھے یا مغوں کی نراوی مہیں موگ رصاحب ہدایہ وصاحب فتح الفدیم نے اسی کول کو بحنار بتایا ہے دبہاز شرمین

تنازول كي قصما كا بيان

مسلم کی عبادت کواس مے مفرر وقت براداکرنے کوا دا کہتے ہی اوروقت گزرجائے کے بعد عمل کرنے کو قضا کہتے ہیں۔

ممسکم فرض نماندل کی قضا فرص سے ونر کی نفتا واجب سے راور فجر کی سنت اگرفرض محرما تھ منعنا ہوا ورزوال سے پہلے پڑھے نوفرض محرما تھ سنت بھی پہلے اوراگرزوال محربعد بڑھے نوسنت کی تعنا نہیں۔ جمعاود ظہر کی سنتی فضا ہوگئیں اوراض پڑھ لباراگروفت حتم ہوگیا توان کی فضانہیں۔

اوراگر و فت بانی ہے توان ستنوں کوپڑے اورا منن برب

کربیط فرص کے بعد والی سنتوں کو پرسے بھران جیوٹی مہوئی سنتوں کو پڑسے۔ ددر مختار مبلدا مس ۸۸۸)

مسکہ ربس تعمل یا نے نمازی یا اس سے کم تعناموں اس کوصاحب ترتیب کہتے ہیں۔ اس پرلاذم ہے کہ وقت میں ہیں۔ اس پرلاذم ہے کہ وقتی نماز کو باور کھتے ہوئے وقتی نماز کو بڑھ لے آگر وقت میں گنجائش ہوستے ہوئے وقتی نماز کو بڑھ لے تو برنماز نہیں ہوگی ۔ دور مخار طراح ۱۸۸۸) نہیں ہوگی ۔ دور مخار طراح ۱۸۸۸) مسئلہ رچھ نما ذیں بااس سے نبادہ نمازیں جس کی قصنا ہوگئی ہوں وہ صاحب ترتیب مسئلہ رچھ نما ذیں بااس سے نبادہ نمازیں جس کی قصنا ہوگئی ہوں وہ صاحب ترتیب نہیں۔ اپ یہ نموں وقت کے با دیجودا کرونی نماز پڑھ لے گئی تراس کی نما زہوجا ہے گئی ۔ اور جھوٹی ہوئی نمازوں کورڈ صف کے بلے کوئی وقت مفرر نہیں ہے ۔ عمر بھر بی جب بھی پڑھ ہے گئی اری الذکتہ ہم وجا ہے گئی ۔ مفرر نہیں ہے ۔ عمر بھر بی جب بھی پڑھ ہے گئی اری الذکتہ ہم وجا ہے گئی ۔ مفرر نہیں ہے ۔ عمر بھر بی جب بھی پڑھ ہے گئی اری الذکتہ ہم وجا ہے گئی ۔ مفرر نہیں ہے ۔ عمر بھر بی جب بھی پڑھ ہے گئی اری الذکتہ ہم وجا ہے گئی ۔

مسئولہ یجی روزا ورحی وقت کی نما زقعنا ہو بیباس نما ندگی نصنا پڑھے نوحرور سے کراس روزاس وفت کی فعنا کی نتیت کرھے ،مثلا جمعہ کے دن فجر کی نما ذفعنا ہو گئی ، نواس طرح نبیت ک بیں نے ڈورکعت جمعہ کے دن کی نما زِقجر کی انڈرنغا لیا کے بلے

مزمیرا ط<mark>ن کعبرشر</mark>یف سے اللہ اکبر۔ مرتب

مسئلمر اگر مجینے دو مہیتے یا چند برسوں کی قصنا نماندوں کو ٹیرسے نوئیت کرنے بن نماز بڑھنی ہے اس کانا ہے اوراس طرح نربت کرے مثلاً نبیت کی بی نے دورکعت نماز نجر کی جو میرے وقتہ باتی بیں ان بیں سے بیلی فجر کی الشر تعالیٰ کے بیے منہ مبرا طرف کعیہ تنر لیف کے اللہ اکبرہ اس طریف بردو میری فعنا نماندوں کی نیتوں کو سمجھ لیتنا جا ہیئے۔ مسئلہ یہ جورکھنیں اوا بیں سورہ طلا کے بڑھی جاتی ہیں ۔ وہ فعنا میں ہی مورہ طاکر بڑھی جائیں گی ۔ اور جورکھنیں اوا بیں یغیر سورہ طلائے پڑھی جاتی ہیں ۔ فعنا میں ہی بغیر سورہ طلائے پڑھی جائیں گی ۔ مسئور مسافرت کی حالت بی جب کرت افغانس وفت کی چیوٹی ہو ٹی منازوں کو اگر دطن بی بھی فصنا کرے گا جب بھی دکورکعت بڑرھے گا۔اور چو نماز بڑسما فرنز ہونے کے زمانے بین فصرا ہو ٹی بیں۔اگر سفر می بھی ان کی فصرا پڑھے گا نوچار سی رکعت بڑھے گا۔ (عام کرکنب فقر)

معركابال

جمعہ فرعن ہے اعداس کا فرمن ہوتیا خلم سے زبا دہ ٹوکد ہے اس کا منکر کا قر ہے۔ (درمخنا رمیاداص ۵۳۵)

مدين مراب من سيد كرص في من جمع برابر هيورد بي اس في اسلام كوليط كي يجيم عينك دبا، وه منافن سي اورا للدس بي العالق سيد -

دان فريمه وبهارشرلعين)

مسلم حجد فرص موست کے بلے مندرج ذیل گیارہ تنرطب ہیں۔ (۱) شہر می قیم مون ا بہذا ۔ لہذا مسافر مرجم عقرض نہیں ۔ (۲) ازاد مونا لہذا غلام پر جمعہ قرص نہیں ۔ (۲) ازاد مونا لہذا غلام پر جمعہ قرص نہیں ۔ (۲) ازاد مونا لہذا غلام پر جمعہ قرص نہیں ۔ (۵) عائل ہونا بعنی یا گل پر جمعہ فرص نہیں (۲) بالغ بونا بعنی یا گل پر جمعہ فرص نہیں (۲) بالغ بونا بعنی شیخ پر جمعہ قرص نہیں (۵) انکھیا را ہو تالہذا ا مرسے پر جمعہ فرص نہیں (۵) جائے ہوئے پر جمعہ قرص نہیں (۵) جمعہ فرص نہیں اور کی انکھیا را ہو تالہذا المرسے پر جمعہ فرص نہیں نہونا ۔ بطن الم انداز میں کا انداز میں الم انداز میار الم انداز میں انداز میں الم انداز میں ان

مستلے ہے لوگوں پر جمعہ قرحن نہیں مثلاً مما فراورا ندھے و نعیرہ اگر بیرلوگ جمعہ فرصل نوان کی نما زیمعرض مہو گی ۔ یعنی طهر کی نما زان لوگوں سے ذمتہ سے سانط ہوجائے گی۔ مسئلہ۔ جمعہ جاکز ہونے مے بلے چانٹر طیس ہی۔ یعنی ان میں سے ایک بھی اگر نہیں پائی گئی نوجمعہ ادام و کا ہی تہیں۔

مهلی مرطر درجد جا رس سے کی بہای شرط فقر یا شہری خردبات سے تعلق در کھنے والی جگر موتا ہے۔ دس بین شہر سے مراد وہ آبادی ہے کہ جن میں منعقد دس کی بہای شرط فقر یا شہری خردبات سے تعلق در بہات کے جاتے اور بازار موں اور وہ صلح بانحصیل کا شہر یا قصب مہو کہاس کے منعلق در بہات کے جاتے بی اور بازار موں اور وہ صلح بانحصیل کا شہر یا قصب مہور جمعہ جا رم و سے کی ایک اس کے منعلق در بازار صلح بانحو شے ہوئے کا ووں میں مرحد مہیں بڑھنا جا ہیئے ۔ ملکہ ان کا مونا شرط ہے۔ لہذا جو شے کا ووں میں مرحد مہیں بڑھنا جا ہیئے ۔ ملکہ ان لوگوں کو جارد کھنت ظہر کی نماز بڑھنی خروں کی جا دوں میں اس مونوں کو جارد کھنت ظہر کی نماز بڑھنی خروں کو جارد کھنت ظہر کی نماز بڑھنی خروں کی ہے۔ بازی ان لوگوں کو جارد کھنت ظہر کی نماز بڑھنی خروں کو جارد کھنت ظہر کی نماز بڑھنی خروں کو جارد کھنت ظہر کی نماز بڑھنی خروں کی جارد کھنت ظہر کی نماز بڑھنی خروں کو جارد کھنت خام کی نماز بڑھنی خروں کو جارد کو نماز کو دور کو جارد کھنت خام کی نماز بڑھنی خروں کو جارد کھنت خام کی نماز بڑھنی خروں کو جارد کو نماز کو کھند کو دور کو کھند کھند کھند کو دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کی دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کی دور کھند کے دور کھند کی دور کو کھند کے دور کھند کی دور کھند کے دور کھند کی دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کور کھند کے دور کھند کے دور کھند کے دور کھند کور کور کھند کے دور کھند کھند کے دور کھند کھند کے دور کے دور کھند کے دور کے دور کے

دوممری مرطردوسری شرط بر سے کہ بادنشاہ اسلام یا اس کا نائب جمع فائم کرے اوراگر وہاں اسلامی حکومت نرہو نوسب سے بڑاسی صبح العقب العالم دین اس شہر کاجعہ فائم کرے کر بغیراس کی اجازت سے جمعہ فائم شہیں موسکتا را وراگر رہمی نرمو علی لوگ جس کو اہم بنائیں وہ جمعہ فائم کرسے ہرشخص کو بہتی تہیں کہ جب جاسبے

بمعذفاغ كرك

هیمسری نشرط رنطهر کا وفت میوناسد- لهذا وفت سے پہلے بابعد میں تھے کی نما ز پرصی کئی نوجمعہ کی نمازنہ ہیں ہوگ راوراگر جمعہ کی نما فریط <u>سے پڑے سے</u> عصر کا وفت نشروع ہو گیا توجمعہ باطن ہوگیا۔

چوتھی مشرط برہے نما زمیمہ سے پہلے مطیر بہوجا کے عربی زبان میں بہوتا جا ہیئے عربی کے علاوہ کسی دوسری زبان میں پورا خطبہ ٹریسنا باعربی کے ساتھ کسی دوسری نبان کو ملا نا پرحلاف سنت اور مکروہ بھے۔ 100

پانچوں شرطر ہے جا کر ہونے کی پانچویں شرط جماعت ہے جس کے لیے ایم کے ایم کے بیے ایم کے بیے ایم کے بیے ایم کے بیار کے سوا کم سے کم بین مردوں کا ہوتا حروری ہے۔ چھوٹی شرطر ۔ ا قران عام ہوتا حروری ہے اس کا مطلب یہ ہے کمسی کا دروازہ کھول دیا جائے تاکر جس مسلمان کا جی جا ہے کئے کہ قسم کی دکاہ ہے د بہذا بندمیان میں جمد پڑھنا جائز نہیں ہوگا۔ (درمخ آد جلواص ۵۳۱ تا ۲۸ وغیرہ)

تنازعيدين كابيان

عید دلفر عید کی نمازوا جب ہے گرسب پرنسیں عکرمرف انہبی لوگوں پر جن لوگوں پر جمعہ قرص ہے ۔ بلا وجر عبدین کی نماز ھیوڑ نا سخنت گنا ہ ہے۔ دور مختار حلدا ص ۵۵۵)

مسلم عبدین کی نماز وا برب مہونے اور جائز مہونے کی وہی تیر طبی بی جوجمبہ کے
یے بی فرق آننا ہے کرجمعہ کا تعطیر شرط ہے اور عیدین کا خطبہ سندت ہے۔ دوسمرا
فرق برہے کرجمعہ کا تحطیر نما زمجعہ سے بھیلے ہے اور عیدین کا خطبہ نماز عیدین
کے بعد ہے ۔ اور ایک جمیر افرق یہ بھی ہے کر جمعہ کے بیا وان وا قامت ہے۔
اور عیدین کے بیان نا وان ہے مذا قامت ، صرف دو باد العدل الا مجامعة فرق کے کہ کرنماز عبدین کے اعلان کی اجازت ہے۔

مهرمارسیدی سے امان کا وقت ایک نیزه مودج لبندم و نے سے زوال کے پہلے مسئلہ رعبد بن کی نماز کا وقت ایک نیزه مودج لبندم و نے سے زوال کے پہلے " نک ہے۔ (درمخیا د حلواص ۵۵۸)

مسلم رعیدک دن یه مانبی مستحد بین (۱) حجامت بنوانا (۲) ماعن کوانا (۳) عسل کرنا (۲) مسواک کرنا (۵) ایھے کپڑے بہنا شقیوں یا پرانے (۲) انکونٹی بہننا (۷) توشیولگانا (۸) مسح کی نماز محلہ کی مسجد میں پڑھنا (۹) عیدگاہ مبلا چلے جانا (۱۰) نماز سے پہلے صدفہ فطرادا کرنا (۱۱) عیدگاہ کو پیدل جانا (۱۲)

دومرسے داستہ سے وائس آنا (۱۳) عیدگاہ کو حافسسے میدے مید کھیورس کھالدا تن ، يا ني ،سات ياكم زباده مكرطاق مول هجوري مرمون نوكون ميملي بيم كمال (١٢١) نوشی ظاہر کمنا (۱۵) صدقہ و خرات کرنا (۱۶) عبدگاہ کوا طبینان اوروفار کے ساختر جانا (۱۷) الي مي ايك دوسرے كومباركيا دوسا۔ (درمحمار مبدا ص ۲۵ ۲ نا ۲۵) مارى رين كاطرافيم الميدالفطريا عبدالامني كا بيزنجرون بحسائة الترتعالي كے بلے (مفتری انتاا ور كھے تیجے اس الم مے) متر طرف كعبر تركف مے المتداكر معركانون كما خدا محالف اورالتداكركنيا بوام تدهيور في بيركانون تك با تقرا علمائے ، اورا ملدا كركہنا موا بات حيوا هي - ميركا تون مك ما نفرا تھا كھائے اور المداكيركم كرم تقوا تدهد في خلاصه برب كريمني تخبر كم يعديهي ما تقيا عره كم اور سے متی تجمر کے بعد معی ہاتھ ما ندھ سے اور دوسری اور مبری محر سے بعد ماتھ عيول في ، يوفق جميرك بعدام أنهن سع أعُود يالله ويشيرالله بره كرطند ا وازسے انجدا درکوئی مورا و مرسے ، اور رکوع ومجدہ سے فا دع ہوکر دومسری رکعت بى الحداوركونى سوره يرص ، عيرين باركالون تك با قدا عماكرس بادا فلداكبركما موا با تقد چور فعد ادر يونقى باربلا با تقد الخائد مجد كميركمة الواركوع مي ما شادر باتی تمازددسری تمازوں کی طرح اپوری کرے ۔ معلم بھیرنے کے بعدام دو تحطیم برسع بعرد عا مانكے - يمين عطے كوئٹروع كرنے سے يملے الى فوارا وردوسرے ك يبل سان ورا ورمتر سے ازنے كے يہ يوده بارا نشراكبرا ممتر سے كميك يرسنت سيد (در مخار حلداص ٥١١)

مستکیر۔ اُگرکس عددشلاً مسخت یا رش مہورہی ہے۔ یا ابری وجہسے جا ندنہیں دیجا گیاا ورزوال سے بعدچا ندمہونے کی شہا دس بی را ورعبدکی نمازنہ ہوسکی تودوسے دن عبدی نماز پڑھی جاشے اوراگر دو سرے دن مھی ننہوسکی توتمیرے دن عجاد تعطر کی نماز نہیں ہوسکتی۔ (در نمآ رحلواص ۱۹۲۵) مسلمہ۔ عبدالاضلی (بغرعبد) تما) اسکا) بب عیدالفظر کی طرح ہے مرت جند باقوں بی قرق ہے ۔ عبدالفطر بی نماز عبد سے بیسلے کچے کھا لبنا محتب ہے اور عبدالفاضل بن سخب یہ ہے کہ نما ترسے پہلے کچے نر کھائے ۔ اور برفرق بھی ہے کرعبدالفطر کی نما زعالہ کی وجہ سے و دسرے دن بڑھی جاسکتی ہے۔ اور عبرسے ون نہیں بڑھی جاسکتی ہے۔ کر عبدالاضلے کی نما نرعدر کی وجہ سے بار بوین نک لعبی طبیر سے دن بھی بلاکرام سے بڑھی جاسمتی ہے۔ (در مخار طواص ۹۲ ۵)

مسلم و بن دوالجرى فرسف ترموسى عصر مك بالخول وقت مرتما زك بعد سوجات مستخد المرتما و المحالة المعلمة المستخدر المركة المرك

قربانی کابسیان

ناخن بزگھائے۔

حمشلمر براک نضاب مرد دعورت پر سرسال قربا فی سبے ۔ یدا ب<mark>ک ما کی عبادت سبے</mark> خاص جا توروں کوخ<mark>ا می دن میں انٹار کے بلیے تواب کی نبتت سسے نوسے کر</mark> نااس کا نام قربا نی سبے ۔

ممسکے ۔ انگ نصاب وہ شخص ہے جوماڑھے باون نولہ میا ندی باساڑھے سات کولم مو تا باان میں سے کسی ابک کی قیمت کے سامان سخارت یا کہی سامان یا روبیوں نوڈوں، چمیوں کا مالک محوا ور مملو کہ چیڑی ما جت اصلیہ سے آدا مُرمجوں -مسٹکی ۔ انگ نصاب پر مرسال ابنی طرف سے قربانی کرٹا وا جب سے اگر دومرسے

ک طرف سے بھی کرنا یا بنا ہے تواس کے بیلے دو سری قرمانی کا انتظا کرے۔ مسلدر قریانی کا جانور مونا آنه و بچا ا در بع بیب مونا حزوری سید - اگر تفور اسا عيب بموتوفر باني كروه موكى را مداكر زياده عيب بي نوفر باني موكى مي تهيس -تسكلهدا نعرصاً النكرا اكانا، ببجد وملائتهائي مسحد باده كان، دم البيتك تفن وغير، کٹا ہوا، پیواکشی ہے کان کا ہمار،ان سب جا نوروں کی فرہانی جا کرنہیں ۔ قرما في كاطريق الرانى كايرطرلق ب كرجانوركوما بين بهلو برامطرت نشائين كاس كا قرما في كاطريق امن تبله كاطرت بمو بيربرد عالم صين الاُوْدَةَ مَنْ وَجَهِي لِلّذِي ضَطَرَ السَّهٰ وَصَا وَالْاَرْصَ حَيِثَنَّا وَمَآ ٱناً مِنَ الْمُسُّوكِينِيَ ، إنَّ صَلَاقِيٍّ وتُشكِيَ وَمَعْيَا ى وَمَمَاثِي يَتْ وَرَبِ الْطَلِيكِينَ لَا شُولِكِ لَكَ وَبِلَالِكَ أُمِوْتُ وَامَا مِنَ الْمُسْتَلِيدِيْنَ وَاورِ جَانُورِ كَ يَهِلُو يُوابِنَا وَاسْنَا فَالْ رَكُمُ كُرَاللَّهُ مَ لَكُ ومِيْكَ بِسُمِ اللَّهِ الله اكتير يره كرنز تهرى سع جلد ذبح كروس - اور ذبح كي بعد تعرب وعا يُرْعِينِ اللَّهُ مَّ تَعَبَّلُ مَنِي كُمَا تَقَبَّلْتُ مِنْ خَلِيْلِكَ إِبْرَاهِيْ عَكِيْرِالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ وتحييثيك تحدّد سكر الله عكير وسكر الدومرك كاطن سع قربان كرس تو مِنْ ك بجائے مِنْ كبركاس كانا) كـ ـ مسل<mark>ر ۔ زبانی کے گوننٹ کو تن حقے کرے ایک جفتہ صد فرکر ہے۔ ایک جوتراح اس</mark> مِنْقِيم كرف الدالك حقد اين فوج كے بلے دكھ لے۔ مستلمہ زبانی کاگوشنٹ کافرکو ہرگزندھے کہماں <u>کے کقارحرلی ہ</u>ں۔ مسكله - جرا، عول رسى وغبره سب كوصدة كردي، چرك كونود اين كام بي اي لاسكنام ينتلا ول مصلى ، جانماتر ، مجيونا بناسكام مستله راج كل لوك عمومًا قرباني كى كهال ديني موارس مي ديا كرست بي بيرجاً ترب ا گردرسیمی وسینے کی ترت سے کھال سے کھاٹی سے کھیست مددسہیں ہے ویں توبہھی جاکڑ (حالگیری وبها دِمتْر نیعت)

عقيقه كابيان

بیچرپدا مونے کے شکریس جوجا نور و کے کیاجا ناسے اسے عقیقہ "کہتے ہیں مسئلہ بہت انہی جاندوں کو عقیقہ ہی کہتے ہیں م مسئلہ بہت جانوروں کو قربانی میں ذبح کیا جانا سے۔ انہی جانوروں کو عقیقہ میں می ذبح کے اسکتے ہیں۔ کرسکتے ہیں۔

مسئلہ۔ اوکے کے عفیقہ میں وہ بکرے اور اور کی کے عفیقہ میں ایک بکرا فریح کرنا ہم رہے اگر کا نے بھینیس عقیقہ میں فریح کرے تو دو حِصّہ اولے کی طرف سے اور ایک جوشہ اولی کی کی طرف سے فریح کرنے کی تبیت کرسے اور اگر چاہیے تو بوری کائے با بھینیس المٹے کے یالوں کے عقیقہ میں فریح کرھے ۔

مسئلہ یکائے، تھینس میں قربانی کے دفت کچے حصد فربانی کی نیت سے اور کچیے حصد عفیقہ کی نیت سے رکھ کر ذرج کرے نوایک ہی جانور میں قربانی اور عفیقہ دونوں مور منگر سال کی دار کئیں۔

جائیں گے۔اورالیساکرنا جا تُزیدے

مسلم رعفیفے کے بعد بھے کی بیدائش کا ساتواں دن بہتر ہے اور ساتوب دن مرکبی توجید ہے اور ساتوب دن مرکبی توجید ہے ا

مسئلم عقیقر کا گوشت میتے کے ماں، باپ، وادا، دادی، نانا، نان وجراسب

کھاسکتے ہیں۔ اورجابوں بی جو بیمتنه ور بسے کر عقیقر کا گوشت می لوگ نہیں کھا مسکتے بدیات بالکن علط سے۔

مسئلر عنیف کے جانور کو ذیح کرتے وقت الرکا ہو تو ہد دما پڑھیں اللّف تھے۔

بنت کلا ن و مُنها بد سِمَا و کُخَهُمُ ایکھیما وَعَظَمْ کَا بِعَظْدِمَا وَعِلْهُ هَا بِعِلْدِهَا وَعَلَمْ کَا بِعَظْدِمَا وَعِلْهُ هَا بِعِلْدِهَا وَعَلَمْ کَا بِعَلَامِ اللّهِ عَلَمْ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

فُلاَنَةِ بِنْتِ فُلاَتِ دُمُهَا بِدَمِعَا وَلَعْهُا يِلَحْمِهَا وَعَظْمُهَا يِعَظِمِهَا وَعِلْدِ بِعَلَا هَا وَشَعْدُ هَا بِشَعْرِ هَا اللّهُ مَرَاتَبَعَلْنَا فِي الرَّهِا مِن اللّهِ مِن النّه و ما بِي فُلاَنِ بِنْتِ فُلاَتٍ كَامِلُولُ الاس كَ بابِها الله الدار وما باور مهونولغير پُرْسط ول مِن برخبال كرك نلال الأك يا فلاني الأي كاعقبقه بهد بيت مِنسورا لله الله اكتر كُرُر مَر كرور م كرور من معقبقه بهوجا م كام عقبقه كه بليم عالم إلى ما عقبقه ملك بليم عالم إلى منا

گہن کی نساز

سوری گهن کی نمازسقت موکده اورجا نگهن کی نمازسخب ہے۔ سورج کہن کی نمازسخب ہے۔ سورج کہن کی نمازجاعت سے ۔ اور نمنہا ننہا بھی موسکتی ہے ۔ اگرجاعت سے بڑھی جائے توصطبہ کے سواجمعہ کی نما اسرطبن اس سے بلے بین وہی شقص اس کی جاعت قائم کرسکتا ہو۔ اگروہ نز ہو نولوگ ننہا جاعت قائم کرسکتا ہو۔ اگروہ نز ہو نولوگ ننہا تنہا پڑھیں، چا ہے گر بی پڑھیں باسمدرین۔ مسئلہ گہن کی نماز نفل کی طرح ذورکوت لمبی فرور توں کے ساتھ پڑھیں، بھراس مسئلہ گہن کی نماز نفل کی طرح ذورکوت لمبی فروق نے ۔ وقت تک دعا ما تنگتے دیں کہن تم ہوجا ہے ۔ وقت می دعا ما تنگتے دیں کہن تر ہوجا ہے ۔ وقت نمی دعا ما تنگتے دیں کہن کو جا ہے ۔ وقت نمی دعا ما تنگتے دیں کہن تر ہوجا ہے ۔ وقت نمی دعا ما تنگتے دیں کہن تر ہوجا ہے ۔ وقت نمی دعا ما تنگتے دیں کہن تر اورک سے تر اقامت تر ابند آؤاز سے قرارت ۔

متبت مختعلقات

بعب موت کی علامنین طاہر ہونے نگیں توسنّت یہ ہے کہ دا ہنی کروط پراٹا کر قبلہ کی طرف منہ کردیں اور یہ بھی جا کڑ ہے کہ چت لٹائیں اور قنبلر کو یا کوں کردیں نگراس مور یس مرکو کچھا ُ و پنچا کر دیں کر قبلہ کی طرف منہ ہوجائے اور اگر قبلہ کومنہ کرنے ہیں اس کو 'کلیف ہوتی موتوجی حالت پرہے مھیوڈ دیں۔ (در مخناروعا لمگیری می ۱۹۱) مسلطہ عان کئی کی حالت ہیں استعالقین کر بی بعنی اس کے پاس بندا واڑ سے کارشہادت پڑھیں مگراسے پڑھنے کا حکم ہزویں اور جب وہ ٹرھ سے تو بلفین بند کر دیں ہاں اگر کلمہ پڑھنے کے بعداس نے کوئی بات کل تو عربطفین کریں ناکہ اس کا توی کلا آئے الا آلا آلا

ميتت كي تبلان كاطرلقة

میّت کوخس د بنا فرص کقایر ہے ۔ بعض لوگوں نے تہلا دیا فوسب اسس ومّر داری سے بری موسکتے ۔ (عالمگیری جلدا ص سم)

مسكلم بنها نے كا طرابغ يہ ہے كرحمى تخت پر نهلات كا دادہ مواس كو بن يا بات كا دادہ مواس كو بن يا بات كا دادہ مواس كو بن يا كر باس سے كھٹنوں ككى ياك كرا ہے ہوا ہو استنجا كرائے ميں ہو استنجا كرائے ہوئے استنجا كرائے ہوئى استنجا كرائے ہوئى استنجا كرائے ہوئى استنجا كرائے ہوئى اللہ باللہ مورد كرائے ہوئى اللہ باللہ كر اللہ باللہ كر دا موں اللہ بي مورد موا اور كلى كرا اللہ مورد اللہ بي باللہ مورد اللہ بي اللہ

مك ببرى كيتيون كابونش ويابهوا يانى بهائب كر تخدت مك بانى يهيني جا مصه بعيروا بنى روط برل كراسى طرح يانى بهائي اگربيرى سميتيون كا أبالا بمواياتى نه بموتوسا ده نيم كُرم يان كانى ب ميرنك لكاكر بطائب اورزى سے بدف سملائي اگر كي نظ تو دھو دالي ا در مسل کو دُم رائے کی عزورت نہیں بھرا توس سرسے یا وُں تک کا فور کایا فیرمها میں بھر اس كے بدن كوكرى ماك كيرا ہے سے أسمة تهمت يو مجيم كرسكھائيں - (عامكيرى مبادا مو آل) مسئل مردکوبردا در مورت کوعورت نبط سے اور چیوٹا افر کابھو توا سے مورت بی نبط سکتی سیدا ور چیوٹی لڑکی ہوتومر دیجی اس کوعسل میرسکٹ سے۔ (عا ملکری میلدا می ۱۷۹) صمتلم عودت مرجائے تو تقویر قراسے نہلا مکتابے مدیجوسکتاہے۔ ہاں دیجھتے کی ما نعت نسی (در مخار طواص ۵۷۵) عوام می جویش ورسے کر شوم عورت مے جات كون كندها وع مكتاب دزر مي الارسكة بعد مرمددي سكتاب يرانك علط بعارت نعلانے اوراس کے بدن کو بلا کیرا حاکی ہونے کے اِفدلکانے کی مانعت ہے مسلم اليي بكرا نتفال مواكر وبال مبلات كي يلي بانى نهيل الوميت كوتيم كرائي ا ورنماز جنازه يره كردفن كردين إلى اكروفن سي بيله بانى ل جائد توغس في كم دوباره نما زجنازه پرصی - (عالمگیری میلداص ۱۵۰)

كفن كابيان

میت کوکن دنیا فرض کفایہ ہے کفن کے بین دوجے بیں (۱) کفن صرورت (۲) کفن کفایت (۳) کفن سنست مرد کے بیلے کفن صنی بین کیڑھے بیں۔ جا در تہدند ،کرتا ۔ گر تہدند مرسے با وُن کک لمبا ہونا چا ہیئے اور فورت کے بیے کفن سنن پاپنے کیڑے ہیں۔ جا در تہدند رکرتا ۔ اور هنی سینہ بند ۔ اور کفن کفایت مرد کے ذکر کڑے ہے ہیں۔ جا در تہدند اور عورت کے لیے بین کیڑے جا در ، نہدند اور مفنی یا جا ور کرنا ، اور هنی اور کفن صرورت عورت مرد دو توں سے بیاہے یہ ہے کہ ہج بیسر آبات اورکم سے کم انست موکر سال بدن و هک جائز در مقار مالگیری ملامی ۱۵)

کفن پہنانے کا طریقہ ہے کہ کفن کو بن بار بایا نیج باریا سان بار دھونی ہے کہ بہتا بیسی جا در کو بچھا ئیں چھراس کے اُ دیر نہ بند پھر کرتا ۔ پھر شبت کواس برلٹا نیس اور کرنا بہتا بیسی اور دولوں باخت کا مندی اسے اور کرنا بیس اور کرنا دولوں باخت کا کھنٹوں قدموں پر کا فور لکا لیس بھیر ہیں لیسٹیس سیلے باغیر طرف سے ۔ پھر دولوں باخت کا خدا میں عروا ہیں طرف سے ۔ پھر دولوں باخت کا خدا ہیں طرف سے ۔ پھر مرا در با وں کی طرف با عمر حدین ناکہ اور بھر نے اور بھر نے کا اند نیشر نہ ہو، عورت کو کفتی مرا در با وں کی طرف با عمر حدین ناکہ اور نے اور بھر نے کا ندیشر نا ہو، عورت کو کفتی مرا در با وں کی طرف با عمر حدین ناکہ اور بھر نے اور بھر نے کا ندیشر نا ہو، عورت کو کفتی اور اور طرف نا ہے اور میں کہا تھی کی کرنا ہمتا ہے اس کے بال سے دو موج کے اور میں کہا تی کو کو سے دو سرے اور بوڑا ان ایک کان کی کوسے دو سرے کی کم لمبائی اور بھی سے دو سرے دو سرے کو کان کی کوسے دو سرے کو کان کی کونا کی کونا کی کوسے دو سرے کی کم کان کی کوئی دو سے ۔ دو سرے دو اور می کان کی کوسے دو سرے کان کی کوئی دو تا کی کان کی کوئی دو سے ۔ دو المکیری جلوا ص ۱۵)

منازه لے پیلنے کا سیان

ستنت یہ ہے کہ جارا دی جانہ اٹھائی اور سنت یہ ہے کہ کے بعد و بڑے
جاروں پایوں کو کندھا ہے اور ہر پاروس دس قدم ہیں۔ اور پوری سنت یہ ہے کہ
ہیں دا ہنے سرط نے کندھا ہے چیمردائی پائٹنی، چیمر یا ٹمی پائٹنی اور دس دس قدم
ہیلے دا ہنے سرط نے کندھا ہے چیمردائی پائٹنی، پیمر یا ٹمی پائٹنی اور دس دس قدم
ہیلے تو کی جالیس گناہ کبرہ مٹا جیئے جائیں کے اسی طرح ایک حدیث بیں ہے کہ ہو
ہنازہ کے چا روں پایوں کو کندھا و ہے۔ اسٹر تعالی افروداس کی مغفرت فواقے
گا۔ (عالمگری مبلواص ۱۵۱)
مستند سے بنازہ سے بیانہ مربانہ آگے ہونا چاہیئے اور عور توں کو جنازہ سے ساتھ

مسلم رمبت اگر شروسی یا رمشنه داریانیک دمی میمونواس کے جنازہ کے ساتھ جانا نفل نماز مرصف سے افعنل ہے۔ (عالمگیری جلداص ۱۵۲) مسئله ربنازه کے ساخہ معدل جانا افعنل سیے اورسا نفر چلنے والوں کو جنازہ کے بيني على المين المن ما من مراس ا ورمنا زه مح اك علما كروه مع (عالمكري علا من ١٥١) مستسلم _ جنازه كونيزى كرما تقد و كرميس مكراس طرح كرمينت كو حيلكا تريك _ مسئلہ۔ ہرمسلان کی نما ز جازہ ٹرحی مانے اگر میروہ کبسا ہی کہنے ارموں کر میے لوگ بس كران كى نمازجنا زەنىيس بۇھى جائے گى يشك باغى جواما برخى برخود ج كرسے اور اسى بغا وت مي ماراجائے د٢) واكو جواداكر رنى مي ماداكي د٣) مان باب كا فانل د١١) حس ف كئ تخصول كا كل كمو تك كرا روما مو- (ورمحمار صلداص ٥٨٣) مسلمر سن نے تو دکتی کی حالا نکر برمبت برا لگناہ سے مگراس کے جنازہ کی نما زرجی جائے گا۔ اسی طرح ہوزنا کادی کی منزاس منگساد کیا گیا تون کے تفیاص میں بھانسی دیا كبالسيعس دي كيا ورحنانه كي تمازير صلى كيد و عالمكري ورهما رجداص مه ٥٨) مسلم بوسيوروه بدرامواس ك مانية ارة مين فيدي مات كدو ما مكيرى طدا ص ١٥١)

تمار جنازه کی ترکیب

نماز منانه فرمن کفایر سے دبی اگر کی لوگوں نے نماز جنازہ پڑھولی کوسب بری الدّم ہو گئے۔ اورا گرکس نے بھی نہیں بڑھی توسب گہرگار مہوئے جرنماز جنا زہ کے فرع بہوئے کا اسکار کرے وہ کا فرسعے ۔ دوریخ آر حیلوا ص ۱۹۹) مسئلہ ۔ نماز جنازہ سے بلے جاعت شرط نہیں ایک شخص بھی بڑھ کے توفرض اوا ہوگیا ۔ (عالمگیری حیلوا میں ۱۵۲) مسئلہ ۔ نماز جنازہ اس طرح پڑھیں کر بیلے یون بہت کرسے ۔ نہیت کی بیں نے ماز جنازہ کی چار تکہروں کے سانفوا مشعرتعائی سکے بیلے اور دعا اس بہت کے

بدمنم راکع تشریف کی طرف دمفرت انا در کے ایجے اس ام سے میر کانون مک ووزى با تقرأ مفاكرا تشراكبركية بوش وونون بالمقول كونا تسكيني باندهك كِيرِي مَن ا وَيُرِسِص : سُبْعَا نَكَ اللَّهُ قَرَوبِ عَمْدِكَ وَ تَبَارِكَ اسْمُكَ وَتَعَا لَى حَبَّ كَ وَحَلَّ شَنَامُكَ وَلَا اللَّهُ عَلَيْدُك مِيمِ يغير فا مخذا مفاسق الشَّداكبركيدا ودودواراسمي يرسط بوين وقنه مما دول مي رأسط جات يي مجر بغير ما عقرا مفائ الله الركي اوربا لغ كا جنائه بهو توبرو عاير سع : اللَّهُ مِّرًا عَفِدْ لِيِّنا وَمَيْتِنا وَسَاهِدَ عَالَا وَعَائِبِنَا وَصَغِيْرِينَا وَكَيِثْمِيكَا وَ ذَكْرِينا وَٱنْشَانَاٱللَّهُرَّمَّنُٱخْيَكَةُ مِنَّا فَٱخْيامِ عَلَى ٱلِالسَّلَامِرِ وَمَنْ تَوَ نَّيْدُتَكُ مِنَّا فَتُوكَّ فَعَا الْمِيمَانِ السِسِمَ لِعِد يَحِقَى تَجْرِكِ عَجْر بغيركون وعايوس بالتفركهول كرملام بيبر فيصا وداكرنا بالغ والمسك كاجنا ذه مونو تبيسرى مَجْرِكَ بعدبيره عايرُيصه اللَّهُ وَالْجَعَلْدُ لَنَا فَرَطَا وَاجْعَلْهُ لَنَا اَحْبَرُ الْوَدْخَا وَّا حَبِعَلْهُ أَنا شَانِعَا قُ مُشَفَّعًا ط اوراً رُنايا لع را كى كاجنا رُه بو توبر دُعايْر هـ ٱللَّهُمَّ الْجَعَلَهَاتَنَا ضَرَطًا وَاجْعَلْهَالَنَا اَجْزُا وَيُحْفُوا وَاجْعَلَهَالَنَاشَا فِعَدُّ وَمُسَّفَعَةً ط مسلم ميت كوا بيدة رستان مي دن كرنا بهتر هد جهان نيك لوكول كى قرن

ہوں۔ رعا نگیری جلداص ۱۵۹) مسلم مستحید یہ ہے کہ دنن کے بعد قرسکے پاس مورہ نفرہ کا اوّل واکٹر پڑھیں سر ہانے الّم مسعنلون کک اور یا کفتی ادن الرسول سے مہور

تک پرصلی - (جوہرہ)

قبرو ملقين

مسلمر ونن کے بعد مردہ کو تلفین کرنا ایل سنّت کے نزدیک جائز ، ہے دجیم ا یہ جو بعض کما بوں میں ہے ملفیق نرکی جائے یہ معتبر لرکا غرب ہے ہا تہوں نے ہماری کما بوں میں یہ اصنا فرکر ویا ہے دشامی صوریت میں ہے صنودا قفری کی اسٹر

عليروسلم فرملنف بين جب تمها واكو أي تتنف مسلان معاني مرسدا وداس كي مثى صديحوة تم میں سے ایک شخص قرے سروائے کھڑا ہوکرمتیت اوراس کی ماں کا نام اے کربوں کے يا فلان بن فلانتوه من كااور واب مروس كا بيركم يافلان ولائكة وہ سید مروکر بلیظ جائے گا۔ مجر کہے یا فلان بن مندن وہ کمے گامیں ارتثار كرا مندتعال تجوررتم قرائے مرتنب اس كے كيا كى تجرنبيں موتى عيركيم الله مَاخَرَجْتَ مِنَ الدُّنْيَ اللهُ مَا وَهُ أَنْ لَا اللهَ إِنَّا سَلُ وَانَّمْ مَثَدُ المَبْدُ وَوَسُولُهُ وَمَاللهُ عليه وسلم) وَا تَلْكُرَضَيْتَ بِاللَّهِ مِن الْوِسْلاَ مِ دِينَا زَّبِهُ مَعَدَّدٍ (صلى الله عليه وسلم) . نَبِيّناً وَإِلْقَرُ إِنِ إِمَامًا ط الحرين ايك دوسر على الله بكوا كركسي عميام اسك كم الراس كى ال كا نام معلوم مربو تو قرابا حوّاكي طرف نسديت كرسے د طران في المجم الكبيروصنيا في الاحكام وابن نشاعن في وكرا لموت ونشا وي ومويرحله م م ٥) مسلمرة قريهمول والمابهترب كرجب مك قرريل محتبيع كري كا ورست كا ول بيد في ردد المخار) مسلمة قريسة تركهاس فوجا مرجاسية كراس كالسبيح سع دهمت انرنى بعاديمين كوانس مِوّا جداور نوسِي ميّت كاحق صا تع كرنا بعد دروالمنا رملواس ٢٠١) ممشله۔ قررمونا ، حلین، بیطنا موام سے، قرشنان میں بونیا راستہ نہا لاگیا ہے اس گررنا تا جاً تربیع تواه نیا مونا است علوم مویا اس کا گمان مور (عالمگری در مختار مدام " ا مستلہ مبیت کو دنن کرنے کے بعد موئم، دمواں، جہلم کرنا بعنی نمازوروزہ اور تلاوت وكلمها ورصدفر ونعرات اوردكون كوكها ناكهلان كالواب يتعت كى روح كوسخاما جائزے۔ خنف دکوں کی روحوں کو ٹواب بہنجائے گاسپ کی روسوں کو ٹواب بیٹیے گا ادراس مہنیانے والے کے تواب میں کوئی کی نمیس موگی ۔ المثر تعالیٰ کی زمت سے بی امید سے کراس کو بورا بعد ا تواب مے گا۔ بہس کر تفتیم موکر محرا المحرا

معے گا۔ ملکہ برا مبدسے کواس تواب بہنےانے والے کوان می سے جو عمر کے براوسے گا (نشرح عقائم، وإيه فنا ولي ومويه بهاد شريبي وغيره) فرون کی زمارت کے یعے جاتا منتت ہے معتری ایک دن زمار رمارت معرا أكيدا وراس كيدسب سافعتل جمعه كادن متركا وقت مع اولیاء کے مزادات پردورورسے سفرکر محصانا مفنیا جا کزے۔ اولیاءانے زبارت کرنے والوں کوا بنے رب کی دی موٹی طافتوں سے تفع مہنجاتے ہیں ، اوراگر مزارون بركوئي خلاف مشرع باستهو عصيع وزون كاسامتابا كا نامجا ا وعيره نوام کی وج معے زبارت نہ جیوڑی جائے کرالیی با توںسے نبک کا چوڑا آئیس جانا بلکر خلا فی نشرح با نوں کو گرا جا ہے اور موسکے نوبری با توں سے لوگوں کومنع کرسے اوربری باتوں کوانی طاقت معررو کے - (رد المتار طواص ١٩٣١) مسلمر فرون كا زبارت كايرطرنقبري كم قرى يأننتي كي طرف سي جاكر فنبار كولتيت كرم مبتن محمد كرسامن كرط امهوا وربير كجه كراستلام عَلَيْكُمْ أَهْلَ مَارِقُوم مُنْفِق ٱنْتُدُرْلَنَا لَكُ وَ وَاللَّهِ مِنْ اللَّهُ يَكُمُ لَاحِيقُونَ وَيَعِمِوا مُحْمِرُ مِنْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّا الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ا نوا تنصفاصله يربيط كرمنني دور زورگ مي اس كياس بليمتا عقار درد المخنار) مسلم مدين بي مع موكياره مرتبرة ل هوالله أحدة الشراب يطره كراس كالواب مرد دن کی روح کومہی اے نومردوں کا گنتے کے برابراس کو تواب ببگار در من معلام ۱۲۰ مسلم دوا بي لوگ قرون كي تو بن كرت بن فرون كي زيادت اورفانحر سيمنع كرت م ان لوگوں کی محبت سے و در رسما جا ہنتے اور مرکز ان لوگوں سے نمیل جول د کھنا طامنے ران كى يا نون كوماننا جابيت يدلوگ ايل سنن وجاعت كي صلات بي -مسشلم. على دا ودا وليا د كي قبرون يرقبة بنا تا جا تزبيد تكرفر كو بجنة بذكيا جلئ (در نخاد ود والمختَّارص ٢٠١) يعتى اندر سَب تِيخة بزيًّا في جاشيًّا وداگرا ندزفركمَّي موا ودا ويم سے بختر بنامیں تواس میں کو ٹی مرج نہیں۔ (بہارشرلعبت)

المستگلمد بررگان دین کی فرول برصفا فی مقرائی کرنے دہنا وہاں اگر بنی جلا کرعطر کی کوشعبر کرنا ، مزاروں برمبول بنیا ب طوالنا ، عوام کی نظروں بی صاحب مزاد کی عرضت بدیرا کرنے کے بیلے مزاروں پرعملاف و جا در میرا محالا مزاروں کے اس وشنی کونا تا کہ داستہ جلنے والوں کوروشنی ہے اورلوگوں کومعلوم ہوجائے کر برکسی بزرگ کا مزاد سے تا کہ بدلوگ وہاں اگر فائخہ میں برسیب کا کہ جائز ہما اور ایسی کا بھائز ہما اور ایسی کا بھائز کی مسئلہ یہ جہاز برکسی کا انتقال موا اور کنارہ بھت وور سے توجا ہیئے کہ میت کو مسئلہ یہ جہاز برکسی کا انتقال موا اور کنارہ بھت وور سے توجا ہیئے کہ میت کو مسئلہ یہ جہاز برکسی کا انتقال موا اور کنارہ بھت وور المخارط اور کفتی بہنا کر بوسے اعزاز سے ساتھ معند دیں کوال دیں۔ مسئلہ یہ میں دور میں کوال دیں۔ مسئلہ دیسی کو اور کفتی بہنا کر بوسے اعزاز سے ساتھ معند دیں کوال دیں۔

زكوة كابيان

نکوۃ فرض سے اس کا انکار کرنے وال کا قراور نہ دبینے والا فائن و جہنی اورا داکہتے ہیں دیر کرنے والا فائن و جہنی اورا داکہتے ہیں دیر کرنے والا گنتیکار ومرود دائنہادہ سیے ۔ (عالمگیری عبلدا میں ۱۲۰معری) تا زکی طرح اس کے بالے ہی جی بہت سی اسٹیں وحریثیں آئی ہیں جن میں زکو ہ اواکرنے کی سخت تاکید ہے اور ندا واکرنے والے پرطرح طرح کے دنیا وا ترت کے عذابوں کی وعیدی آئی ہیں۔

مسلم الله ك بله ال كالك معتم جو تشريبت في مقرد كيا به كن فقر كوالك بنا دينا شركي الله كالك معتم كوالك بنا دينا شركيا بن اس كوزكوا في كف بن -

مسلم رزكوة فرمن بوسف مے يعيے خدشرطيں بيں -(١)مسلان مونا يعني كا قريم زكوة قرص نهيس (٧) ما لع موداليتي ناما لغ يرزكون قرص نهيس (٣) عا فل بوناليني ويواق برزكرة فرص شب رم) أزاد مهوما بعن لوندى على يرزكوة قرص نهيب (٥) الك نصاب ہونا ایعی بھی سے یاس تفای سے کم مال ہواس پرزگاہ قرص بھیں (۱) بو مسطور پر مالك بموتا بعبى اس يرفيصنه هي بمونب ذكوة فرمن يعدر دنهي يتلاكني في مال زمن میں د فن کردیا ا ورحگہ محول گیا محربرسوں کے بعد میر فادا فی اورمال کی آف جب تک ما ل نرط تفا راس زما نرکی زکواة وا جب نهیس کیونکر نصاب کا الک توضا گر اس برفیصنه نهبی نفا (ع) نفاب کا قرمق سعے قاد نع مونا مگر کمی کے یاس ایک مزادروس ب مروه ایک بزاد کا قرصدار می ب تواس کامال قرمن سے فارغ نہیں ۔ لہذااس يرزكوة نهي (٨) بضاب كا حابت اصليه سے قارع بوتا، حاجت اصليديعني أوى كوزندگى ليركرني من حيزوں كى حزودت بھوتى ہے مثلاً اپنے دہنے كامكان جا طے کرمبوں کے کیرا ہے گھر الوسامان بعنی کھاتے بیتے سے برنن، جا مباثیاں كرسان، ميزي، چرمه، ينكه وغيره ان مالون مي زكواة تهيي كيونكم مسب يرمال و سامان ما حِتِ اصليد مسع فا رخ نهيس جي د ٩) مال نا ي موا يعني مرصف والامال بهونا خواه منفيفتٌ برُسطة والامال بهو جيسه الرتجادت احديما أن مرجه وتُسه بهج جا نود یا حکماً پڑسنے والا مال مور جیسے سونا جا ندی کریراسی ہے پیدا کیے گئے۔ بیں کران سے چری سے جریدی جایٹی اور نیچی جایٹی تاکر نفع مونے سے یہ طرصت ربی ۔ لہذائسونا چاندی جس حال میں بھی مود بورکی شکل میں موں یا دفن موں

ہرجال میں بیمان نامی ہیں۔ اوران کی ذکوۃ تھالتی مزوری ہے (۱۰) ما لِ نفعاب برایک مال گزرجانا بعتی نفعاب بورا ہوتے ہی زکوۃ فرخن ہیں ہوگ ، بلکدا یک مال تک وہ نفعاب ملک میں باتی رہے۔ توسال بورا ہونے کے بعداس کی زکوۃ نکالی جائے گی۔ دعا ممکری عبداص ۱۱۴۰م ۱۱)

مسلم رسونے کا نصاب سا درجے سان تولہ سے اورجاندی کا نصاب سا درجے باون نولرسے رسونے چاندی بی چالیسواں حصد زکوۃ تکال کرادا کرنا فرص ہے۔ یہمزودی نہیں کرموسنے کی زکوۃ جی موتا ہی اورجا تدی کی زکوۃ بی چاندی ہی دی جائے بلکہ ہر بھی جا کڑے ہے کریا زاری مجا دُمو نے جا تدی کی قبہت لگا کررو بیرزکوۃ ہیں دہی۔

(كنت فغير)

مسلم یسونا چاندی جب کر بقد رنصاب بردن توان کی زکو فا چالبسوا سختم کالی فرص سبے و نوان میں استی بازی فرص سبے با ندی کے مکوسے بول با سنتے یا زبورات یا مو نے باندی کی بنی بول بی بیر میں مثلاً برتن ، گھرطی بسرم وائی بسلائی وغیرہ نوص جو کی بہوسب کی زکو فا تکالی فرص سبے ۔ (در محمداً روعیرہ)

مسٹلہ۔ جن زبودات کی الک عودت ہوتوا ہ وہ مبکہ سے لائی ہم مااس کے تشویر نے اس کے تشویر نے اس کے تشویر نے اس کو ز تشویر نے اس کو زبودات وسے کر ان کا مالک بنا دیا ہم توان کی ڈکو ۃ ا داکرناعور پرفرص سے ۔ ا عدیمی زبودات کا مالک مروم وبعی عودت کو صرف بیننے سکے بے دیا ہے۔ مالک نہیں بنا یا ہے توان زیودات کی ترکوہ مرد کے دمہ ہے عورت پرنہیں۔ دفنا وئی رضویہ جلدم وغیرہ) مسئلہ راگر کسی کے پاس سوتا جائدی یا ان دونوں کے زیودات ہوں ا درسونا جائدی میں سے کوئی بھی بقدر مفعا ہے نہیں جا ہیئے کر مونے کی قیمت کی جاندی یا جاندی کی تبمن کا مونا فرمن کر کے دونوں کو ملائیں بھراگر ملانے پر عبی بقدر نصاب متہ ہوفو ترکوہ نہیں ا دراگر مونے کی قیمت کی جاندی جاندی میں ملائیں تو بقدر نصاب نہیں تو

واجب بے کر جس صورت بی تھا ب بورام ویا نا سے وہ کریں۔ (در مختار ورد المختار وغیرہ)

مسلم ستجارتی بال کی تبیت نگائی جائے پیراس سے اگرسونے با جا ندی کا نفیاب پورام ہوتواس کے سما ب سے ذکو ہ نکالی جائے ۔ د عالمگری مبلدا ص ۱۹۸) مسئل کے اگرسونا جا ندی نہ ہونہ بال سجارت ہو، بلکھرف نوط اور دو ہے بھیے ہوں کرکم سے کم استے رویے بھیسے یا توط مہوں کہ با زاد بی ان سے سا ڈھے سات تول سوٹا بایسا ڈھے سات تول سوٹرا بایسا ڈھے سات تول سوٹرا بایسا ڈھے باقون تول جا بندی خریدی جا سکتی ہے تو وہ تخف صاحب نفیاب سے ۔ اس کو نوط اور دو ہے بھیوں کی ذکو ہ جا لیسواں حقیۃ نکالی فرمن ہے ۔ مسئل کا گرشروع سال میں بورا مضاب بورا دیا ۔ درمیان میں کچے دنوں بال گھر بی کرفھا ب سے کم دوگیا تو یہ کی کچے دنوں بال گھر بی کرفھا ب سے کم دوگیا تو یہ کی کچے اثر مذکر سے گی۔ درمیان میں کچے دنوں بال گھر شاکر دفعا ب سے کم دوگیا تو یہ کی کچے دائر مذکر سے گی۔ درمیان میں کچے دنوں بال گھر شاکر دفعا ب سے کم دوگیا تو یہ کی کچے دائر مذکر سے گ

غُشركا بيان

زمین سے بوتھی پیدا وار مو، گیہوں ، بۇ، ئینا ، یا جرا، دھان وغیرہ برقم كے اناچ ،گنا ، روٹى ، ہرقىم كى نز كاربان ، ھيول ، ھيل ، ميو سے سب بيں عشروا جی ہے۔ تقوری پداہر ما زیادہ - (عالمگری سم اعلا) مسلم دنو بدا واربا رش یا زبن کی نی سعید بدا ہواس بی دسواں حصتہ وا جب ہو ہوئے بانی سے بدا ہواس بی جمیواں حصتہ وا جب ہوتا ہے۔ (عالمگری حبارا ص ۱۷) مسئلم کی تحقیق کے اخواجات محال کر عشر ضمین مسلام ای گاریک جبروں بدا وارہوئی جوان سب محاصتر بانصف عشر وینا وا جب ہے گور نمنط کوجو مال گذاری وی ماتی سے وہ بھی عشر کی تم سے مجرانہ یہ کی جائے گی، بوری بدا وارکا عشر با تصف عشر نوا

مسلمر تمین اگرشاق بردے کر کھینی کوائی سے توزین والے اور کھینی کھنے والے دونوں کو حتی حقیق کی بیدا وار کا دونوں کو اسپنے اسپنے حصیتہ کی بیدا وار کا دسواں یا بسیواں جھتہ نکان واجب سے - (روّالمحنّا وملزام، ۵)

تركوة كامال كن كن لوگون كوديا جائے

جن جن لوگوں کوعشر وزکرة کا مال دبیا جا گذرہ وہ یہلوگ ہیں (۱) فقیر بینی وہ تعنی کراس کے باس کچھ مال سے کرندا ب کی مقدار سے کم سے (۲) کبن بعنی وہ تعنی کراس کے باس کچھ مال سے کرندا در میں نقہ اور میں نظر اور اس کے باس کھانے کے لیے نقہ اور میں نقہ کے لیے کہ لڑا بھی نہ مہور ۳) ترضدا بعنی وہ جس کے ذمر وض مواور اس کے باس قرض سے فاصل کوئی مال بقدر تصاب نہ ہو دہ اس کو تقدر مزودت نہ ہو دہ اس کو تقدر مزودت نرکوۃ کا مال دبیا جا گر ہے۔ (۵) عامل مینی جس کو ما دشاہ اسلام سے ذکر ہ وجائے دمول کر سے کہ ای در ہوجائے دمول کر سے بیا برنا کہ وہ جہا دکا سامان کرسے۔

د عالمگیری حلداص ۱۷۲ تا ۱۷۷)

کن کن لوگوں کو زکوہ کا مال دینا منع ہے

بن لوگوں کو عشر وزکوة کا مال و بنا جا گزنهیں ان میں سے جند مر بنی (۱) مالاا ہمیں صاحب تصاب بن برخود زکوة قرمن ہے اس کو زکو ذکا مال جائز نہیں (۲) بنی بات معنی صاحب تصاب بن برخود زکو ہ قرمن ہے اس کو زکو ذکا مال جائز نہیں ۔ (عالمگیری علیاص ۱۰) و بدایہ (۳) اپنی کی اولا دکو ذکو ذکا مال وینا جائز نہیں ۔ (عالمگیری علیاص ۱۰) و بدایہ (۳) اپنی اصل و فروع نعی مال یا پ ، وادا، دادی ، نا نا، نائی وغر میم اور مینا، بیش، پوتا بوتی، نواسہ، تواسی کو زکو ذکو ذکا مال دینا جائز نہیں (۲) شوم اپنی عورت کو اور عورت کو اور مال دینا جائز نہیں (۲) شوم اپنی عورت کو اور کو ان نواسہ، تواسی کو زکو ہ کا مال دینا جائز نہیں (۲) شوم اپنی عورت کو اور کو ان اور مالدار کی بالغ اس ۱۳۲ (۵) مالدار کے نابا لغ شیخ عورت کو دو نواب کے مالک کو زکو ہ نواس کا درما لدار کی بالغ اولاد جب کہ وہ نوما ب کے مالک من مول دان کو زکو ہ نوم المرائی کی کا فروم تدیا بدند مہب کو زکو ہ کا مال

مسئلہ رہو، داما دا درموتیل ماں یا سو تیبے باپ یا زوجری اولاد ہود دمیم شوہر سے ہوں، یا نئوہری اولاد ہو ددمری بیوی سے ہوں اور دومیمرکرمشر واروں کو زکوٰۃ دے سکتے ہیں۔ (رد المخبار طبع السم علیاں)

روره وسے سے بین درو سار بیر بی ایک تصاب نہیں ہے تواس کو زکوۃ دے سکتے ہیں المرده مالک تصاب نہیں ہے تواس کو زکوۃ دے سکتے ہیں دعالمیری علداص ۱۴۷)

مسلم تدرست ا درطانتور آدی اگروه مالک تصاب نهیں سیصقو اس کوزکوات دبنا جائز سیصے گراس کوسوال کرنا اور بھیک مانگنا جائز نہیں د عالمگیری جلداص ۱۷۷) مسلم مدرکوة ا دا کرنے میں بیر عزوری سیسے کر جسے دیں اس کواس کا مالک بنا دیں اس یعے اگر زکوہ کی رقم سے کھاٹا پیکا کر نویبوں کو بطور دعوت سے کھلا دیا تو

زكوٰة ا دارز ميوني كيميونكه بيرا باحت بهو تى ، تمليك تهيين مبوئى بإن اگر كھا تا بيكا كرفع ترون كو کھانا دیدسے اوران کواس کھانے کا الک بنا مے کہ وہ چاہیں اس کو کھا ٹی باکس كوديدس باشيح لوالين توركوة اوابهوكئي- دورمخناد وروالمخنا رملدم ص ١٦٣) مشكر تركوة كا المسيد ا مدرسه بامهمات خانه كي عماديت بي سكا نايا ميّيت كحكفت و د فن من لسكانا بالموال بنوا ومنا ، كما بني تويد كركسي مدرمه من وقف كروتبااس سعة كواة ادانهين بوگى تجب تك كسى البسے أومى كومال زكاة كا ما لك مديناوي بوزكوة لين كاابل بعداس دفت مك دكوة ا دانهين موسكتي - (عالمكيري علدا في ١٤١) مسئلہ۔ فغرزگوٰۃ کے مال کا ما لک ہوجا نے کے بعد خود اپنی طرف <u>سے اگر</u>مسجد^ر مدرسه كى عارت بى لگادے يا متيت كفن دفن مي حرف كرفي نوجاً رہے۔ قابل مو میں میں ہے اس کی عام طور پردی مدارس میں برسی ہے مرسمیات و مارس لوتیم میلیم استرقات وخرات وجرم قربانی اور دکو ق کر سب رقتیں آج كل عام طور برديتي مدارس مي برملن سب كرعطيات اور متولى با ناظم كے ياس جن كى ماتى بي اور ناظم ومتولى ان سب رقموں كوملاكرد كھنے يى - ا وراسى وقم بى مسطلىدى مطبخ بھى جلاتے بى ا ور تدرسى و ملا زمن كى شخوابيں بمعى ديتيم بين - اورواعظين ومتحنيق كا نذرانه معى دييتي بين اورمسجد ومدرسم کی عارت بھی بنوا تے ہیں۔ اورا پنے مصارف میں بھی لاتے ہیں۔ یا در کھوکہ اس طرح مذ توزكوة دينه والون كي زكوة ا دا مويتى بعد مذان كامون مي زكوة كي رقون کالکا نا جا کر بے اور بی تولیوں اور ناظمول کی بہت بڑی خیا تت سے کہ وہ لوگوں ك زكوة كے الوں كو يم معرف بي عرف نبي كرتے - اوركنزكا ربوتے بى - ابذا علماءكرام يرشرعا واجب سيدكم متوليون اورماظمون كويممشد نناوي كرمدارس س جتی رقمیں ذکوہ کی آئی ہی ۔ پیلے ان رقموں کا جیلہ شرعیہ کدلبینا حرودی سیے ناکہ زكوة فيف والون كى زكوة اوا بوماست - ا ورعيمات رقمون كوررس كى جس مر یں جا ہیں تورے کوسکیں۔

صدقة فطركابييان

ہرمالک مضاب پرائبی طرف سے اور نابا لغ اولادی طرف سے ایک ایک ماع معدقر فطودینا واجب ہے۔ دور مخیار حبلام ص ۲۷)

مسئور صدفته فطرک مقدا ریر سبے کرگیہوں اور گیہوں کا آٹا آک دھا صاح اور پئی یا بئر کا آٹا یا تھے درایک صاح ویں۔ (ورخما رمیدام ص ۷۹)

مسلمرا علی درج کی تحقیق ا درا حتیا طریر سے کہ مساح کا دزن جا ندی سے پرانے در پہلے سے بین اورا کی اورا کھا میں اورا کھا ماج کا وزن ایک سو بچھٹر روپ ا تفی ہراً ویک ہو اورا کھا ماج کا وزن ایک سو بچھٹر روپ ا تفی ہراً ویر ہے دن ہے ایک صاح کا وزن جا رکوا ور تقریبًا بینی ایس گرام ہوئیا ہو اور آخر میں اور آخر میں ایس کرام ہوئیا ہے مسلم مسلم رصد قر فطرف نے کے لیے دوزہ دکھنا تشرط نہیں لہذا اگر ہما دی یا سفری وجرسے مسلم من است من است دوزہ دکھا، جب بھی صدقہ فطرف یا وا جی ب سے دوزہ دکھا، جب بھی صدقہ فطرف یا وا جی ب بھی اور دیا وا جی ب

سوال كسيطال ب اور كسينين ؟

ان کل برایک عام بلاسی موئی ہے کہ اپھے نواسے تندرست بچاہیں تو کھا کوا ورو کو کھلائیں گرا نہوں نے اپنے وجود کو بیکار قرار نے رکھاہے۔ محنت شفت سے بیان چوائے ہیں ، اور نا جائز طور پر بھیک ما ٹک کر بیٹ بھرتے ہیں اور بہت سے لوگوں نے نوسوال کرنا اور بھیک ما ٹکنا اپن بیٹنہ ہی بنا دکھا سے گھر میں ہزادوں روج ہیں، کھیتی بافری بھی ہے مگر بھیک ما ٹکنا نہیں جھوڈ تے ۔ دان سے کہا جا ناسیے تو جاب دبتے ہیں کریہ نو ہم اوا بیٹنہ سے واہ صاحب واہ ایکیا ہم اپنا بیٹنہ جھوڈ دب حالا کہ ابسے لوگوں کوسوال کرنا اور بھیک مانگنا بالکل حرام ہے ۔ حدیث فٹرلیف ہیں ہے کے جوشخص بغیر جا جت کے سوال کرنا ہے گویا وہ آگ کا انگارہ کھانا ہے ۔ کر جوشخص بغیر جا جت سے سوال کرنا ہے گویا وہ آگ کا انگارہ کھانا ہے ۔

ایک دوسری حدیث میں ہے کہ رسول الٹرس اللہ علیہ وسلم نے فرایا کہ ہوشمن لوگوں سے بوال کرے حالا کہ اس کو نہ فاقہ ہمواہدے نہ اس کے اسنے بال سے بی بی جن کی طافت نہیں رکھنا تو قیامت کے دن وہ اس طرح اسٹے گا کہ اس کے منہ پر گزشت، نہ ہوگا ۔ اور صفور نے فرایا جس برفاقہ نہیں گزرا اور نہ اسنے بالی بچے بی جن کی طاقت نہیں اور سوال کا دروا زہ کھو لے اللہ تعلق الی اس پرفاقہ کا درواڑہ کھول وہ گا۔ ایس مگر سے ہواس کے نبال می بھی نہیں ردہما رشر لیعت بجوالہ بیمفی) ایک صدرت بیں بر بھی آیا ہے کہ ہوشمنس مال بڑھا نے کے لیے لوگوں سے سوال ایک صدرت بیں بر بھی آیا ہے کہ ہوشمنس مال بڑھا نے کے لیے لوگوں سے سوال

خلاصہ یہ ہے کہ بغیر شد بدھزورت کے بھیک انگنا اور لوگوں سے سوال کرنا جا ٹرنہیں ہے۔



صدقه كرنے كى فعنبلىت

زکاہ وعشروصدفہ فطریہ منبول تو وا جب بیں ہوان مینوں کونہ ادا کر گیا مخت
گنہگاد ہوگا۔ مگران تینول کے علاقہ صدفہ جینے اور تعداکی را ہ بم نجرات کرنے کا
بھی بہت بڑا تواب سے اور ڈینیا وا ٹوت بی اس کے بڑے بڑے بڑے نوائد ومنافع
بیں ۔ چنا نچراس کے بالے بی سم بھال چند صدینتیں تھنے بی ان کوغورسے بڑھو
اور اپنے بیا ہے دسول می انٹر علیہ وسلم کے ان منفرس فرانوں برعل کرکے اپنی
دنیا وا خرت کو سنواد لو۔

معدمیث ار حفزت انس دخی انترعز کا بیان سیے کردمول انترحلی السرعلیہ وسلم ففرايا كربب الشرتعالى في تبين كوبيدا فرابا تو وه بطف ملى توالشرتعالى في بمارون کے سہارے برعظرا دیار دیکھ کر فرشتوں کو بہاڈوں کی طاقت برٹرا نعجب ہوا۔ ا ودا نہوں نے عرض کیا کہ اے مودد گار ای تیری منلوق میں بھالم وں سے معی مراح كر مل تنوركون جنريد ؟ توادير تعالى في ادامًا وقرايا كريا الويا توفر شتول في كما نيرى عنون بي لوب سے مي بره كرها قت والى جرب و توفرابا بال اگ تو فرشتوں نے پرچا کر آگ سے بھی بڑھ کر کوئی طاقت والی چر تیری مخلوق میں ہے؟ توالله فرابا كر إن يانى - بير فرشتون في سوال كيا كركي نيرى منون بي يانى سعيى نرباده طا موركوئي جرب توارشاد موا بال مواريس كرفرشتول ف ورمافت كماكم كيا ترى منلوق مبربوا سعمى برص كرطا قت ركف والى كول بيز عد اتوالله نعالى ففرايا بإن ابن أدم اسيف داسيف فا تفسي صدقه صعا مد بالمين فاتقس چیا ئے مطلب یہ سے کراس فدر چیا کر صدفہ سے کر داسنے مان سے مدقہ دے اور بائیں ما تقد کو بھی خبر مذہور بہ مد قرمیا الله الله ، موا ، یا فی ، تمام جبرون سے برم كرطا تتورسے - (مشكوة جلاص ١٤٠)

صرمين ٢ ـ صدفه اس طرح كنابول كوبجها وتناسي يسرس طرح ياني أك كو بجها ديناسي ـ (مشكوة علدا صها)

حدميث ٣ ـ برمسلان كومى وركزا جاسية تولوگوں نے كها يا دمول الله يوتخف مرقر كرنے كے يا كو ل جزئة يائے توكياكر سے ؛ توارشا د فرايا كراس كوجا سئے كروہ اینے باقسسے کوئی کا کرنے کچہ کملئے عیرتو دھی اس سے نفع انتائے اورصد قرح تركوك يقومن كياكراكروه كمانيك طاقت مرركمت مود توايد تفراياكروه کی ما بہت مندی طرح مدد کروے ۔ اس پرلوگوں نے کہا کہ اگروہ یہ می مذکرے؟ تواكب فرمايا كراس كوجا بيئي كروه لوكون كواهي باتون كاحكم ونيّا رسيد برس كرلوكول نے كماكراكروه يرسى دكرے تو آب سفارشا و فراباكر وہ توورائى كرنے سے رک جائے میں اس کے بیے صدقہ ہے۔ (مشکو فاجلداص ۱۹۷) صوبرشيهم رحفرنت انس دمى الشرعنه دا وي بي كه دمول الشرعلي الشرعليه وسلم نے فرابا کہ صدفتہ خدا کے عصنب کو بچھا دنیا سے اور بری موت کور فع کردنیا بعد (مشکوة ملاص ۱۹۸)

مديث ٥ رحفزت الومريودي الشرعنه كيني كدابك زنا كارعورت ايك کے کے اس مے گزری ہوایک کوی کے پاس میاس زبان کا مے ہوئے مخارا ورفریب مخاکر بیای اس کتے کومار ڈانے تواس عورت نے اپنے چڑسے كاموزه نكالا اوراس كوايني اورصى من مره كراس مي كنوس سع مانى بعرا ، الداس كتة كويلا ديا - (توا تنابي صدة كرنے سے) اس ك مغفرت بوكئ -

(مشكوة ميلاص ١٦٨)

حديث إر مصرت سعد بن عباده رحتى الشدعند في عرص كباكرا ومول الشداميرى ماں کی وفات مہوگئی ر تواس کی طرف سے کون مما صدقہ افضل سے ہ تو آ ہے سنے فرا یا کرددیا نی " توسعفرت مسعد سفه ایک کنوان کعدوا دیا ا ورد کها کررسعد ک

مال کے لیے ہے۔ (مشکوۃ جلداص ١٦٩) تعدبيث ، رحصرت الوسعبد سعمروى سي كريسول التدصى الترعليه وكم فقرمايا كر المركني سلان ننگ بدن والے كوكرا بينائے كاتوان دتعالى اس كو حبّت كايرالياس یہنائے گا اور بوکسی مجو کے مسلمان کو کھانا کھلائے گا تواٹ دتعالیٰ اس کو حتت کے میوے کھلائے گا۔ اور جرکی یہا سے مسلمان کو بانی بلائے گانوا نشرتعالیٰ اس کوجنت كا شربت خاص بلائے كا بحق برم ركى موكى - دمشكوة علداص ١٠٩) مدریث ۸ - حصرت بن عباس رمنی استرعنہ نے کہا کہ بی نے دمیول اسکر میں انتران اسکر مبروسلم كويرفرما نے موشے سناكہ جوكئ مسلان كوكيرا بيمائے گا نوجب ك ام كے بدن پراس کرانے کا ایک طموط اتھی ہے گا۔ اس وقت مک کروا بہنا نے واللا مثر تعالى كي صفا طلت من ربيع كا - دمشكوة علدا من ١٦٩) صربیث و رحصرت جا بروش الترعشر نے کہاکہ دسول الله صلی الترعلي ولم نے فرما یا کم بوستخف کی مرده زمن کو زنده کرے دبین کھیت ہوئے اور درخت نگائے) تواس كوصد فركا تواب مبلكاء اور حرتد ويرنداس كا دامة ما يول كماليس كم وهسب اس كيك مد فرمو كالعني اس كومد قر كرف كا أواب ليكا (مشكوة حلدا ص ١٦٩) حديث - إ يحصرت الووروى الشرنعالي عنه ف كهاكه رسول الشرصل الشرعلم وسلم نع ارتشا و فرا یا که لیندکسی دمسلان) میمانی کیسلمند (نوشی سے) تمها داممکرا دینا پر بھی صدقہ سے اورکسی تھٹکے موٹے کوراستہ دکھا دیتا یہ بھی صدقہ سے اور واستر سے يبقرا ودكانطا اود برى بطاوينا يرعى صدقه بيمطلب يرسي كران سب كامون يرمد فردين كانواب مناسع - (مشكوة علداص ١٦٩)

موزه كابيان

نناز كى طرح روزه كعى فرمن عين بعداس كى فرضيت كا انكار كرت والا

كافرا ودملا عذر تهيوالمسني والاسخت كنبيكا واورعذاب جبتم كاسزا وارسيه ممسئلم ونثريعت بي دوزه سحمعني بي الشوتعا لي كي عيادت كي نيست سيرسح صادق سے لے کرمورج ڈوبنے مک کھانے پیلنے اورجاع سے اپنے کورو کے و کھنا۔ مستكرر دمعنان كادارونيءا ورتدرمعيتن اودنفل وستنت ومنتحب روزس اود كمروه روزے ان دوزوں کی تین کا وقت مورج ڈوسنے سے لیکوشوہ کری دو ہم سے تفرسًا وليره كمفع ميد الكسهام ومان مي جيامي دوه كي نتبت كريد بروز سيرو عائي كي يكن رات بي من رين كرلينا بهتر ب ان چروزول كي علا وه عِنْ روز ي کی تصنا کا روزه اندر معیّن کی قصنا کاروزه اکفاره کا روزه ایج می کی جرم کرنے کاروزه دغره - ان سب دوزدن کی نبیت کا وقت غروب اُ فناب سے لیکر صبح صادق طلوع آبو تك سع اس ك بيدنهين (ورمناد ورقرالمناد مرده م مبشلنه مرسر اورمبا دتون من نبا بأكيا بعد تتبت دل كه الأده كا تام بعد زيا سے کہنا کی مزوری نہیں اسی طرح روزہ میں ہی نتیت مراد دل کا بختر ادا دہ ہے ليكن زيان سي مي كر لينا الياب - الردات مي تين كرت ويول كه كرة ويت انَ اصُوْمَ عَدَ الله وَ تَعَالَى وَى فَرَضِ رَمَفَانَ اورا كرون مِن نَبَت كري توبول كي كُم نَوَيْتُ أَنْ آصُوْمَ هٰذَالْيَوْمَ مِنْ فَرَمِين رَمُمَكَّانَ طر مستكم يتعنائ فرممتان ومغروج دوزول ميدات سينتب كلبي مزدرى ب ال روزول می خاص اس روزہ کی تیت بھی حزوری ہے جوروزہ رکھا مائے مشلا لوں بست كرے كم كل مي اليف يعد دمنان كروزم كى نفغار كلول كا يا بي في جوابك دن روزه ر کھنے کی متنت، ماتی تھتی کل میں وہ روزہ رکھوں گا۔ مسلم عيدولفر حيدا ورد والحجرى كياره - باره تيره ناريخان يا تي دنول بي دوره رکھتا کردہ تخرمی سنے اورگتاہ سے۔ (درمختار حلید مص۸۲) مستسلم كى كاكى متنت مانى توكل بودا بهوجا ني براس دوزه كود كهذا واجب بوكيا-

مسئلہ اگرنفل کا روزہ رکھ کراس کو نوٹر دیا نواب اس کی تعتا واجب ہے۔ دور مخنار مبلدا ص ۱۲۰)

مستله عورت كونفل كا دوزه بلانتوس كى اجازت كد دكمنا بني بهذ عالمكرى مبلام)

بيا ندد بجينے كابيان

مسئله ريا نچمهينون کا جاندوبچنا واجب کفايه سيد ، نشعبان، دمعنان، منوال ، ذوا لفعده اورذوانحجر- د نسأوي رصنوبي

مشلہ یہ شعبان کی آئنس تاریخ کوننا) کے وقت جاند دیکھیں دکھائی دسے تو روزہ
اگے دن رکھیں ورن شعبان کے بیس دن پولے کرے دوزہ دکھیں (عالیکری حبواص ۱۹۲۱)
مطلع درصاف ہونے بی بعنی آسمان بی ابرہ عبار مونے کی حالت بی حرف درمعنان کے جاند کا تبوی ایک سیال عاقل و بالغ مستوریا عاد لی گواہی یا نبرسے ہوجا تاہے جاب مرد ہو باعورت اور دمعنان کے مواقع میں اور معنان کے مورا ایک مرد ہو باعورت اور دمعنان کے مواقع میں مہینوں کا جانداس وقت نابت ہوگا جوج مودیا ایک مردا و دوء وزیر گاہیں کر بی شہا وت و بنا ہوں مرد اور دوء وزیر گاہیں کہ بی شہا وت و بنا ہوں کہ بی نے اس میبنے کا جاند فعال دن نود و و بیکا ہے و جارہ و درمختار و بھاد تشرکعیت) عادل ہوئے کا بیاند فعال دن نود و و بیکا ہے و جارہ و درمختار و بھاد تشرکعیت) عادل ہوئے کے ایک میروگن ہوں سے بیخا ہور اورصغیرہ گئن ہوں پر عادل موال ہوا ہوا دوا ایسا کام مذکر تا ہوج تہذریب و مردت کے نما ف ہوج ہیے با تامد و

ببر برطر کوں پر بیلنے بھرتے کھا نا پینیا ۔ مستورسے بیمرا دہے کہ حجم کا ظاہر مال شرح کے مطابق ہم یہ گرباطن کا ما معلوم نہیں ۔ دروا کمخیآ د)

مسئلہ۔ جس ما ول شخص نے چا ندویکھا ہے اس بیروا جب سیے کہ اسی وات ہیں شہادت و سے ۔ (ما لیگیری میلامی ۱۸۵)

سہادت دیے۔ دی سیرن جدر ن ۱۸۵۵ مسلم کا دُل میں ماندویکھا اور وہاں کوئ ماکم یا قاصی نہیں جن کے سامنے

گواہی صے نو گاؤں والوں کو جح کرے ان کے سامنے جا ندو پھنے کی گواہی مے اگریہ گوائی فیتے والاعاول سے لوگوں بردوزہ رکھتالازم سے ۔ دعا مگری عبداص ١٨٥) مطلع الصاف موتوجب مك بهت سے لوگ فنها دت بدوس ما در كانبوت بد مِوكًا (ماسيع دمعنان كا مياندم ويا عيد كا باكسي ا ورجيد كا) ديا يركر تعقف لوگوں ك كواس اس صورت بس جا بستے تو يہ فا من كى دائے برہے جتنے كو إبوں سے اسے عالي كمان بوجائه استفر كوا بول كي منها دت سے جا ندمونے كامكم دے كا ليكن اكر شهر کے با سرکمی او کنی جگرسے جا ندو میسنا بیان کرے توا بگر مستعدم امی فول مرف رصان كي يا ندس مان إلى جائے كا - (در من ار حلي اص ٩ و بهاد شريعت ملده ص ١٠١) مسلم الركيدلوك إكربيكس كرفلال علم جا ندموا بلكر اكرشها وي مي دس كر فلال مِكْرِ مِن مُدبرواً بلكراكر منتهاد من دس كرفلان فلاست ويجفا بلكراكر منتها وت دي كر فلان مكرك فاحن في روزه با اقطار كے يع لوگوں سے كہا يرسب طريقے چا تد کے نبوت کے بیے ناکا فی جی ۔ اوراس قم کی شہا د توں سے چا عراق مروت نم ہو سكے كا - (درخمار وردالخمار وبها رشرليست) مسلم می شهر میں جا تر مہوا اور وہاں سے چند جاعتیں دوسر سے متنہ میں ایمی اور سب ف خردی کروبال فلال دن بیاند مواسے ۔ اور تمام تنہر میں یہ بات مشہر سے ور وہاں سے لوگوں نے جا ندنظر آستے کی بنا پرفلاں ون سے روز اے نشروع کر دسیتے یم تو بہاں والوں مے یا می شوت ہوگی ۔ (دوالمناروبهار شرلعبت ملوه م ١٠٤) ممشلہ کسی نے اکیلے دمعنان یا عبد کا چا تدد پھیاا ورگواہی دی گرفاصی سے اس کی كواسى قبول نهيى كى تونود استعنى يردوزه وكهنالانم سبعد الكرندوكها يأ تورو الاتو فغنالازم ٠ (براير، ومخنار، عالمگيري حلداص ١٨٥) مسلمرا اُرُون میں جاند دکھا ئی دیا، دو بہرسے بہلے جا سے دوہر کے بعد بہرال وه أسفه والى دات كا يها ندما نا حاسفه كا منعتى اب بو دانت أسف كي اس سع معيمة شروع م وگا مِشَلاً نیس معنان کودن می جاندنظرنه کیا توب دن دمعنان می کاسپخوال کانهیں اور روزہ بودا کرنا فرص سے ۔ اورا گرشعیان کی بمبوس تا برنح کو دن میں مائد منظرا کیا تو یہ دن شعبان ہی کا سہے دمعنان کانہیں ۔ لہذا آئے کا دوزہ قرمن نہیں۔ دورمخار ورد المخار م بدس م

رور مادر در المرابی الم المراد و می الدو بیجنا تا بت نهبی بوسکتا اس میصالگان تبرو کو مرطرح سے محیح مان لیا جائے ۔ جب بھی بیمعن میرایک نجر ہے برشہ ادت نهیں ہے اور محف ایک نجرسے میا ندکا تبوت نہیں مہونا اوراسی طرح با زاری افواہوں سے ادر جنتر بوں اورا خبا دوں میں چھینے سے بھی جا ندنہ میں موسکتا

مسٹلے ریا ندو بچہ کواس کی جا نب انگلی سے انٹا رہ کرنا طروہ ہے۔ اگرچ دوسروں کونٹا نے کے بیلے مہور (عالمگیری وودمشآ رحلام ص ۹۷)

روزه تورف والى يمزي

کھانے پینے سے باجا ع کرنے سے دوزہ ٹوٹ جا آ ہے۔ جیکر دوزوار مونا یا دموا دراگر دوزہ وارمونا یا دندرہا اورصول کر کھا پی لیا یا جاع کر کھی توروزہ ہیں ٹوٹا ہے (ہدایہ، عالمکیری جلداص ۱۸۹)

مسئلہ محقہ ، بیری مگریط ، بیر سے اسکار بینے سے روزہ ٹوس جا آلہ ہے -مسئلہ ۔ دانوں میں کوئی چیز دکی ہوئی تھی چنے برابر با اس سے زیادہ تی ، اسے کھالیا یا چے سے کم ہی تنی نگراس کومنہ سے نکال کر بیم کھاگی توروزہ ٹوسٹ گیا۔ د مالگیری حبدامی ۱۸۹)

ر بر بند سوره توط گیا مسئلم نیم به الا یا تیل میلاگیا توروزه توط گیا امراکی توروزه توط گیا امراکی بی تالی میلاگیا توروزه توط گیا امراکی کان میں فوالا یا چلاگیا توروزه نهیں توط در حالمگیری مبلواص ۱۹۰) مسئلم یکی کرنے میں بلاقعد با فی حلق سے نیجے جلاگیا یا ناک میں با فی مجتمعا رہا تھا مسئلم یکی کرنے میں بلاقعد با فی حلق سے نیجے جلاگیا یا ناک میں با فی مجتمعا رہا تھا

بلاتصد پانی دما تا بس برخورگیا توروزه توسط گیا - (عالمگیری میلداص - ۱۹) همستند - دوسرسے کا تفوک نگل گیا با اینایی مقوک یا تقیدرکم کرنگل گیا توروزه جا آ مها- (عالمگیری میلداص ۱۹)

مسلم ر تفعداً منه بحركرتے كى اور دورہ دار مہوتا يا دست تو دورہ تورط كيا اورا كرمنر معرسے كى كورورہ تورط كيا اورا كرمنر معرسے كى كورورہ نہيں توالم (عالم كيرى جلداص ١٩٠)

مسئله سربلانصدا وربع اختیار نے ہوگئ توروزه دار موتا بادسے توروزه نہیں توالا مقول ی نے ہوبا زیاده روزه دار مونا با دمویا یز موہال روزه نرگوری اور عالمگری جلال مسئله منز میں رنگین دھاکہ یا کوئی رنگوی ہی رکھی جسسے تقوک زنگین ہوگیا بھراس نگین مفوک کونٹک گیا تواس کاروزہ ٹوٹ گیا۔ دعا لمگیری مبلدا ص ۱۹)

بمى ييزول سے دورہ تبيس توشيا

معبول کرکھایا با پیا با جائ کرلیا تو روزه نهیں ٹوٹا (عا ملگری جلدامی ۱۸۹) مسلم کھی با دھواں یا غبالیے اختیا دھن کے اندر بیطے جانے سے روزہ نہیں ٹوٹٹا اسی طرح مرم باتین سکا یا اگر میرتیل یا سرمہ کا مزہ حلق میں معلوم ہو تاہے بھر بھی روزہ نہیں ٹوٹا ریوں ہی دوا یا مربے کو کاٹا با اکہا جھا نا ا در حتی میں اس کا اڑا دورت

معلوم موا توهمی <mark>دوره نهی</mark> نوما د عالمگیری حلواص ۱۹) رئیستاری میسان بازی ایمان میساند.

مسكلہ - كلى كى اور مابی بالكى اكل ويا حرف كچھ ترى منہ ہيں باتی رہ گئی ہنوك ہے ساتھ اس كوئى كى كا ور مابی استى كى با جا بہت كى لئے اس كوئى كى يا ور ور ہندى كى الدن بى يە كى اور اگر سالىرے ون جنا بہت كى حا لمت بى يە كى يا ورخس نہرى كى يا ورخس نہرى كى يا در حوام كى يا در تولى بىلا عذر تعدد انحس برخس خرمن از قعنا م وجہ ہے كہ اور حوام بى در بين ابواس بىرے در من برخس خرمن سے اسے كے مربن ابواس بى در من برخس وغیرہ)

مجومط ، غيبت ، حينلي ، كالى كلوچ كرنے ،كسى كو تكليف على فيف سے مدن مكرده بوما تلہے۔ همسترله ر دوزه دادکو بلاوج کوئی چیز زبان پرد کھ کر حکیمنا یا چبا کراگل د بنا کرده سے۔ امی طرح عورت کو لوسروینا ا ور تھے لگانا اور بدن جیونا بھی مکروہ ہے جب کہ یہ ڈرمو کرانزال موجائے گا۔ مسئولم ردوزه دار کے بلے کلی کرنا اور ناک بی ب<mark>انی چڑھانے بی</mark> مبالغہ کرناجی کروہ مستلم دوزہ دارکوعس کرنا یا شمنڈا یا فی عفظ کے مصرمردان یا کمیلا کیرا ا واستا یا باربار می کرنا با مسواک کرنا با مراور بدن می تال کی مالش کرنا با مرم رسکانا یا نوستبوسونگسنا مرده نهيس سعد (ما لمكيري درمخنار) روافخناروغيره) اگرکی وجرسے دمعنان کا یاکوئی دوسرا دوزہ ٹوسط کیا اور دوسرا دوزہ ٹوسط کیا دورہ و دوسرا دوزہ ٹوسط کیا دورہ و دورہ میں ان مقدد دمعنان كاروزه قصراً كها بى كرباجاع كرك تورودا كف سع قعنا كيسا عدكفاره اواكرنا مجى وابيب سع روزه توفر والني كاكفاره بري كرايك ملام يا نوندى خريد كرادام كرے اور نر ہوسكے تولكا تارما تطروزے ركھے اور اگراس كى بھى ما قت مزموتو ما تھ مسكينوں كودونوں ونت بريٹ عفركه كھا تا كھلائے كھا رہ مي روزه ر كھنے ك صورت بی لگا تارسا محدوزے دکھنا مزوری می - اگردرمان می ایک دن کا بی روزہ چھوٹ گیاتو کھرمے ساتھ روز سے رکھنے بڑی کے (روالمختار مبلد اس ۱۰۹) كب روره جيورت كا جا زت سهم الشرى مغر، ما مله عورت كونفسان كب روره جيورت كونفسان والی عورت کے دود صرو کھ مانے کا در، ہماری ، طرصایا ، کروری کی وجر سے بلاک بروما نے کا ٹوف باکس نے گرون پرنلوارد کھ کر مجبود کر دیا کہ روزہ نر درکھے

ورىز جان سے مارڈوائے كا باكوئى عصنوكا ط لے كا يا كل موجا نا يا جما وكرنابرب روزہ مزر کھنے کے عذریس ۔ ان یا توں کی وجسے اگر کوئی دوزہ مزر کھے ٹوکنیکا رہس دیکن بعدس جی عدرما آ رسے توان چوڑے ہوئے دوزوں کورکھنا قرمن ہے۔ د ورخماروروالمخمار حبلد ٢ ص ١١٥)

د ور عمار حرار العمار حبله ۲ طل ۱۱۵) مسئلم رشیخ فانی مینی وه لوطه صا<mark>کر زارمیهٔ ۱۵ کورسکتاِ سیمیا ورز آینده اس میل ن</mark>ی طا بر زار می آنے کی اُمیرے کر رکھ سکے گا تواسے دوزہ ہزر کھنے کی اجازت ہے ا دراس کو لازم ہے کہ ہردوزہ کے بدلے دونوں وفٹ ابکمسکین کو پرسط عجر کھا نا کھلائے یا ہرروزہ کے براے صدقہ فطر کی مفدارمسکین کودے دیا کہے۔

دورمخيارميلد ٢ص ١١٩)

مستمله - بن لوگوں کوروزہ ر کھنے کی اجا زت سے ان کوعلا نیر کھا نے یعنے کی اجاز نہیں سے۔وہ لوگوں کی نگا ہوں سے چھیے کر کھایی سکتے ہیں۔

برسترتفلي روزول كي ففيلت

عاتشوداد بعنى دسوي تحرم كاروزه اوربهتريرب كرنوي محرم كوهي روز ر کھے، دمول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم نے فرایا کر دمعنان کے بعدافعن معذہ محم کا ب- د بخاری مسلم وابوداؤد وتشکوة جلداص ۱۵۹)

ا ورار شا وفرایا کرمانشورا کا روزہ ابک سال بیم کے گئے مثا دینا ہے۔

(مسلمتريف ومشكوة ميلداص ١٤٩)

عرقه بعنى نويس زواليجه كاروزه حصنورا تدس صلى المشر عليه وسلم فيفار مناد فرمايا كم عرفر کا دوزہ ایک سال پہنے اور ایک سال دید کے گنا ہوں کو مٹا دیتا ہے۔ دمشکوه و بخاری جلدا ص ۱۷۹)

حفرت عائسته مدوبغه دمى الشرعها فراتى بيى كردسول الشرصى الشرعلي والمعرف

سے روزہ کو بنزادوں روزوں کے برابر تیا تے تفے کر بچ کرنے والوں کو بوم مال عوا مي مون ان كواس معزه سعمنع قرمايا - ‹ الدواوُ ونسائى وسيمنى وطرانى) شوال كے يوروز سے رسول المترصلي المترعليه وسلم سف فراياجس في معتان كروندے ركھے نيران كے بعد جدون شوال كے روزے ركھے نووہ ابسائي س نے ہمیشہ دورہ رکھاا درفراہ جی نے عبد کے بعد چے دوزے رکھے تواس نے اور سال محدوزے رکھے ۔ (مسلم وشکوۃ علداص مدا) طعبان كاروزه اورتشب برأت كارسول الترصل الشدعليركم ففراياكجب تعبان کی میندرهیں دات د شب برات) اکے نواس دات بی قبام کرویعی نفل منازى برصوا وداس ون مي روزه ركھوكم المعرفعالى مورج وويقے كے بعد أسمان دنيا يرخاص تجلى فراما ب اورا علان فرما ماب كركميا ب كوفى بخشش طعيكار کہیں اس کو بخت دوں کیا ہے کوئی روزی طلب کرنے والا کرمی اسے دوزی دو كي سے كوئى كر تما دمو نے والا كرس اس كوربائى دوں كيا ہے كوئى السا-كياہے كوئي ابسااس تم كى ندائش بوتى دسى بى - بهان مك كرفير طلوع بوجا تى سے -(ابن مام، مشكوة حلواص ١١٥) ایام بین کے دورے معنی ہر مینے کی ترہ ، بودہ ، بندہ تاریخوں کے روز سے دسول السّرصلي السّرعليه وسلم نے فرمايا كه م حميينے كے يمين روز سے اليسے بی طبیر میشند کا روزه . (بخاری وتریزی حبارا می ۹۰) اورفرایا کرحس سے ہوسکے ہر میلنے بی نین مورسے در کھے ، ہردوزہ اس د ك كناه رشادتها بدا وروة تخص كنامول سعاليسا ياك موجة ما يع جيسه مانى كيوسه كوياك كرديماسيد وطرانى محضرت عبدانشدين عباس دحنى الشرعنجاسف فوايا كمردمول انشمطي الشمطيويم سقروصري آبام بسف محدور سر كفت عقد انسال وعنكوة ميداص ١٨٠)

دوشنبرا ودجمعرات کاروزه رمول الشرطی الشرطی وسلم نے فرباباکر دوشنب اورجمعرات کوا عال (در با رخواوندی) بی پیش کیمیا نے بی ۔ توبی بی کرناموں مرمراعمل اس حال بی بیش کیا جائے کرمی روزه وارموں - اورقر با بران دونوں دورس اشراع کی برمسلان کی مفضرت قربا نا ہے ۔ گرا بیسے دواکومیوں کی جنہوں نے ابک دوسرے سے قبل تو نعلی کرمیا بجوان ودون کے بار ہے بی استادتها کی قرشنوں سے قرباتا ہے کرانہیں ابھی چواردو بہان تک کم یہ دونوں آئیس میں ملے کہیں ۔

(نرمذي وابن ما جردمشكوة حدام ١٨٠٠)

بدھ وجمعرات وجمعہ کاروزہ رسول التّرصلي التّرعليه وسلم سنے فرما يا كر جو بدھ و جمعرات وجمعہ كوروزہ رسكھے والتّدتعالی اس سكے بھے حبّت ميں ابك البسامكان بنائے كاجس كے مامركا حصّة اندر سے دكھائی فیصگا اورا ندركا حصّة ما مرسے و رجرانی وبها درشر بعبت مبلدہ ص ۹۰)

اعتكات

عبادت کی نتیت سے استرا تا کی بیٹے سی بیٹے سی بیٹے سی بیٹے میں میں اور سے اختیات سے را خرکان کی تین فسمیں ہیں ۔ اول اختیاف وا جب، دوسر سے اختیات سندت ہمیر سے اعتیاف مستحب ۔ احتیاف وا جب اور اعتیاف وا جب استحد ا

ہوجائے اور سرب المحدول احتا ت سنت مؤکدہ کا استیدی دممتان کو جائے ہوئے المحد سے بعد یا استیدی دممتان کو جائے ہوئے کے بعد سے بدی الرحم کے بعد سے بیا الرحم کے بعد المحد کے بعد سے بیا کہ فتا المحت کے بعد المحد المحدول المحد المحدول ا

(در نمآر جلدام ۱۲۹) ممشله راغرکان کرنیوا لے سکے بلا مذر کسی سے مکٹنا ہوا کہ سے اگر محلا نوا مسئل ٹوٹ جا بُرگا چا ہے قصداً نمکلا ہو را بعول کر۔ امی طرح عورت نے جس مکان ہی اغراکا ن کیا ہے ۔ اس کو گھر سے با ہر مکلنا حوام ہے۔ اگر عورت اس مکان سے باہر مکل گئی نوخواہ وہ فصداً نمکی ہو یا بھول کواس کا اعتمان فروٹ جائے گا۔

(درمخارجلد۲ ص۱۲۳)

مسکد اغتمات کرنے والاحرف دلا عذروں کی وجرسے سعبرسے با برنکاسکتا ہے۔ ایک عذرطبی جیسے پیشیاب پاخانہ اورخسل فرص ووصو سے یصے دوسر سے عذر تشرعی جیسے نمازجوں سے یلے جانا، ان عندوں کے سواکسی اور وجرسے اگرچ ایک منے کے یہے ہوسے دسے اگر نکل، تواقع کاف ٹوسٹ جاشے گا ۔ اگرچ بھول ایک منے کے یہے ہوسے درخار ورد الحنار جلداص ۱۳۳۳) مسلم را مقیکاف کرنے والا دن رات سجر ہی میں بہے گا، وہی کھائے ہے سوئے موئے گررا حتیاط دیے کہ کھا نے بیٹے سوئے کررا حتیاط دیے کہ کھا نے بیٹے سے سے رکن ری مرمونے بائے میننگف کے مواکسی اورکومسجد میں کھا نے بیٹے اور سونے کا جا انت نہیں ہے ۔ راس لیے اگر کوئ آدی مسجد میں کھا نا پینا اور سوناچا ہے تواس کوچا بیٹے کہ اقت کاف متحب کی نہیت کرکے مسجد میں وا نمل جواور نماز براسے یا فرا الی کر رہے جواس کے یہے کھانے پینے اور سونے کی تھی اجازت ہے ۔ دور مخار حباراص ۱۳۲۷)
مسکلہ ساعت کاف کرنے والا بالکل ہی چیپ نز رہے دن مہمت ڈیادہ لوگوں سے ہا

مستُلم راعتکاف کرنے والا بالکل ہی چیپ نہ رہے دہ بہت آبادہ لوگوں سے بات پیمیٹ کرسے ملکاس کو جاہئے کے نفل ٹنا ذیں بڑھے ، تلاوت کرسے کم دین کا درس نے ا اولیاء وصالحین کے مالات سنے اور دوسروں کو سٹائے کڑ مت سے درود تنرلیف بڑسے اور ذکر الہی کرسے اور اکثر با وخورسے اور دنیا داری کے خیالات سے دل کو پاک وصاف دکھے اور کمبڑ ت دور وکر اور کھاکھ اکر تھدا سے ڈو عابش مانگے۔ پاک وصاف دکھے اور کمبڑ ت دور وکر اور کھاکھ اکر تعدا سے ڈو عابش مانگے۔ در مخیار حلام ص ۱۳۵)

م کابیان

ج سلسة ببی فرص میوا تفا، نما زرد زه اور زکوه کی طرح هج می اسلام که ایک دکن ہے اس کا فرص می اسلام کا ایک دکن ہے اس کا فرص میونا قطعی اور نیتنی ہے جواس کی فرصتیت کا انکار کرنے وہ کا فرسے اوراس کی اور اُس کی بن ناخیر کرنے والا گنبگا در اور اس کی اور اُس کی بن ناخیر کرنے والا گنبگا در اور اس کا ترک کرنیوالا فاستی اور انسا و فرایا : فاستی اور انسان کے بید میں اور می اور اگرور و آیت تو الدی ترکی کا میر اور ایک و ایک کا میر اور ایک اور ای و قراب سے مار رسی و می در ایک دوراکہ و میں اور ایک دور ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں در ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں در ایک دوراکہ و اور ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں میں در ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں در ایک دوراکہ و ایک دوراکہ و ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں کا دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں کردوراکہ و ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں کردوراکہ و ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں کردوراکہ و ایک دوراکہ و قراب سے مار رسی و میں کردوراکہ و ایک دوراکہ و ایک دو

احادیث میں گا وہرہ کے نصناک اورا ہروٹواب کے بالسے میں بڑی بڑی بشارتی کئی ہیں مگرج عرمی حرف ایک بارسی فرمق سے -

تعديث _ ايك حدميث بين رسول التدملي الشدعليدوسلم في ارشاد فرماياكم

رجس نے جج کرا اور جج سے دامیان رفت (فتن کلام) اور خس نزکیا نووہ اسطرح گناموں سے پاک وصاف موکر لوٹا یعلیے اس دن کہ اں سے پہیٹے سے پدیا ہوا متحا۔ د بخاری مسلم وشکلوۃ جلواص ۲۷۱)

مدر من ۔ مج وعمرہ محتاجی اور کناہوں کو اس طرح دُور کرتے ہی جیسے میٹی لوسے الا چاندی نو نے کمیل مورکر فی سے اور مجھم ورکا تواب حبّت ہی ہے ۔ (نزیزی وشکوۃ علواص ۲۲۲)

ع وا جب مون كا المع الرطي مي جب ع دا جب ہوتے مار خلیں اس مار اس موسے دار اس میں دا) می مسلان ہوتا ، کا فر ہر سے فرح فرح الیں دار الحرب میں ہو کو برجی صروری ہے کرمانا أبوكر عاسل كاركان مي سعيموره) بالغمونالين نايالغ برج فرعن نهين (م) عاقل مونا ابذا محنون برج فرص نميس (٥) اكذا وميونا يعتى لوندى علام يرج قرص نهيس (١) تدرست مونا كم ج كوج اسك اس ك اعتناء مسلامت مول الكيارا مولداايا أي ا ورفا نج والے اور حس مے یا و س کے موں اور اس بور سے پر کر سواری مرتو دنہ عظم سكنابوج فرص نهيئ اورس اعرص برمعي حج فرص نهي اگرج مائة بكواكر الم يلغ والاا سے طے ان سب بر علی بهتروری نہیں کہی کو بھیج کراینی فرت سے ج کرادیں۔ (٤) سفرخرا كا ما لك بهوتا اورموارى كى قدرت موتا جا بيرموارى كا ما لك موما اس کے یاس اتنا مال موکرمواری کرا بربر لے سکے (۸) ج کا وقت مینی ج کے مهييون مي تمام شرائط يا مي مايش رد عالكيري عبداص ٢٠٠٧ تا ١٠٠٧ ونيره) ب ادا کے تشراکط ایمان مک تووجوب کے شراکط کا بیان سیط ب شراکط اور کا بیان مونا ہے کریشرطیں اگر یا کی جائی توخود چ کو جاما حزوری ہے اور اگر برسب تسر کمیں میائی جائی توخود جے کو جانا حروری نہیں ملکہ دو تھے سے ج کراسکتا ہے یا وصیت کرجائے نگراس میں بربھی عزور ہے کہ

ع كرا نے كے بعدا نو عمر تك تو د قا در رہ بو وربر نو دھي مح كمنا مزورى موكا . وہ ترطس یہ میں (۱) داستہ میں امن وامان میونالینی اگر خالب گمان مطامنی کا ہوتو تے کے بیکے جان مزوری سے اور فالب گمان برم و کرواکر ما الوائی کی وجر سے جان منا تع موم نے گ توج کے لیے جانا مروری نہیں (۲) مورت کو کہ تک جانے بن بنن دن یا زبادہ کا راستہ موتواس محمراه شوير ما محرم كام وما مشرط سيد نواه وه عودت بوان مو ما فرسب اوراكر اوراگر نین دن سے کم کا داستہ مونو کورت بغیر شوہرا ورجم کے بھی جاسکتی ہے محرم سے راد ده در به کرجی سے بہلتہ کے بے اس ورت کا نکاح حال ہو۔ جا پیدنسب کی وج نكاح موام مو بعليد مناعى بعائى، بنيا، باب بعائى وعره جاست دود ه محداثة سي نكاح حراً موجلیے رصائ اب، رصاعی بایا ونورواسسرال کے رشتر مصن کا صحوام موجید تعسر بالشوم كابيلا ، عورت التوم بالحرم ميس كي سائة سفر كرسكتي بعاس كا عا قل بالغ غِرفاسن مونا سرطب (٣) ج كويان كان الم المان بي ورت عديم منهو عليه وفات كى عدن بهويا طلان كى دم) فيدمي مزمور - (عالمكبرى عداصم ٢٠ تا ٥-٧ وغيره) صحت ا دای تعرفیس صحت ادای نوشرطین بین کراگریه نربا نی جائی قریج میمی نبین بردگا ده شرائط به بین ۱۱ مسلال مونا

(۲) بغیراعلم کے بچ نہیں ہوسکتا (۳) جے کا وقت لین کے کے بیے بو دقت شریعیت کی طرف سے معیّن ہے اس سفیل کے کیا فعال نہیں ہوسکتے (۴) افعال کے کی عگہوں پرافعال کے کرنامٹلا طواٹ کی عگر مسجد حرام ہے۔ وفوف کی عگر مبدان عرفات و مزولفہ ہے ۔ کنگریاں مارنے کی عگر مسی رحوام ہے ۔ اگریرکا) دوسری عگر کرنے کا تورج مح مندی میں مواس کا جے محے مندیں ہوگا (۵) نمیز کرنا اثنا جی وال بیتر کرجس میں کسی جیزگی تمیز ہی مذہواس کا جے تھے انسی دو اور کی انسی دو اور کی اس کا جے حیجے نہیں ہوا (۸) احما کے کواوا کرنا جس نے محاکو کی فرص جی والہ میں اور اور کی اس کا جے محے نہیں ہوا (۸) احما کے بعد اور عرفات ہیں وفوف سے بعظے جانے بنہ ہوتا ایک ہو کا تو تھے یا طل ہو جائیں کے بعد اور عرفات ہیں وفوف سے بعظے جانے بنہ ہوتا ایک ہو کا تو تھے یا طل ہو جائیں کے بعد اور عرفات ہیں وفوف سے بعظے جانے بنہ ہوتا ایک ہو کا تو تھے یا طل ہو جائیں گا۔

د ٩) حيوسال احوام باندها امى سال ع كم تا اكراس سال احوام باندها اور ماسيد امى اح اسے ایدہ سال ج کرے تو یہ ج مح نسین ہوگا۔ (ہمار شریدت ماری يبط مككس وفت عرفات "بي محمرنا (٣) طواف زبارت كاكثر سيمة بعن مار عيرك يردولون بحري لعني عوفه كا وقوف اورطواف زيارت ج كاركن إلى ١٨) نيت (٥) ترتنب بعتى بيط احرام باندهنا بيم عرفه من طفيرنا بعرطوا ف زبارت (١٦) برزمن كاليف وفنت يرميونا (٤) مكان لعبى و فوف عرفه ميدان عرفات كى زمين مي ميونا رسوا بطي عرفه ك اورطوا ف كامكان مسجد الحرام مشرلف سعد دومخارورو المخار) چ کے دا جبات بربی (۱) میفات سے احوام باند صالحی ج کے داجات برہی (۱) بیعات ہے اور ابست است کے درگردنا۔ اور اگرمنیا میں است کے زگردنا۔ اور اگرمنیا سے پہلے ہی احرام باندھ لباجائے توجا تربعے (٢) صفا ومروہ کے درمان دوڑناای كودسى، كيت بير (٣)معى كود صفا " مع تشروع كرتا (م) اگرمذر تربوتويدل سعی کرنا (۵) دن بی میدان عرفات کے اندرد توت کیاہے تواننی دیزمک ونو<mark>ن</mark> كرے كرأ فناب عردب بهومائے نواہ أفناب و صلة بهي شروع كيا مقايا بعد مِن عرص عُروب أنما ب تك وقوت مي مشغول رست ا در الروات مي ميدان عرفاً كاندر دفوت كياس كواس كري خاص مرتك وقوت كرناوا جب نهي مروه اس واجب كامّارك مواكرون بي غروب اكتاب تك وقوف كرنا (١) وقوف یں دان کا کھے حوت آ کا اور دان موفات سے دالی بی الم کی بیروی کرنا بھی جیب بک الم میدان وفات سے رسطے یہ ہی د چلے ہاں اگرالم نے وقت سے ناجر کی کوا سے ام سے پیلے مبدانِ عرفات سے معانہ ہوجا تا جا ترجے۔ا دداگردرو بھیڑکی وجہ سے کسی دومری ہزورت سے اہم سے چعے بانے کے بعدمبدانِ عرفا

یی مشرا ریا ام کے ساتھ مزگیا ہیں بھی جا کزیہ دی مفرد لفہ بی مشرزار ۹)مغرب و عشاء کی ماز کا عشاد کے وقت بی مزدلفہ پہنے کر پڑھنا (۱۰) جنوں جروں پَر دسوی گیا دہوں بارموس بمينوں دن كنكرمان مارنا ، مينى دمويں زوالم في كومرت جزة العقيد مياورگيارموں و یا و موں مبنوں دن کنگریاں مارما (۱۱) جمرة العقبہ کی ری پیلے دن سرمنگرانے سے پیلے مونا (۱۲) مرروز کی ری کا اسی دن محوثا (۱۳) احرام کفو کنے کے بعے مرمنڈا نایا بال كرّوانا (١٦٠) يرمرمندانا يا بال كروانا ايام تخريعني وسوس ، كبارموس اور بارموس ووالحركى اريخون كما تدرم وجاناء ورسرمتط تابابالكروا نامني بيتى حم كم عدود كاندر ميونا (١٥) قران يا تمتع كرنے والے كور مانى كرنا (١١) اوراس فرباتى كامدور حرم ا مدايام نحر مي موتا (١٤) طواف زمارت كالكر عصد آبام نخريس موجا ماعرفا سے والی بن جو طواف کیا جا ما سے اس کا نام معطواف زیادت "سے۔ا دراس طواف کورد طواف افاصمہ عمی کھتے ہی (۱۸) طواف د تعظیم ،، کے اسم وا (۱۹) دامتی طرف سے طوات کرنا بیتی کعیم عظم طوات کرنے والے کے بائی جا تب مو د٧٠) عذرنه موتويا ول مسرحيل كمرطوات كرنايان عندم ونوسوارى يرمعى طوا ت كرناجاكة سبے (۷۱) طواف کرنے میں با وحنو اور ماعس مونا اگر بے وحنو ما جنابت کی حالت میں طوا ف كراياجا ئے تواس طوات كو د مرائے (۲۷) طواف كرتے و تت ستر حيكيانا۔ (۲۳) طواف کے بعد دورکعت نماز تحبہ الطواف بڑمنا رسکت اگرز برمی توقرانی وا جبنیس (۲۲۷) کمنکریاں مارنے اور قرباتی کرنے اور طواف زیادت میں زرتب بعنی چید کنگریاں ماسے بھر تورمفرو قربا فی کرسے بھر مرمنٹرا نے، بھرطواف زیارت کے (۲۵) طوا ف معدد لعنی مینفات مے با ہر مے مستنے والوں سے یکر رخصت کا طوآ كرنا (۲۷) وفوت عرفر كے بعد مرمزلوا نے مك جاع مرم وا (۱۷) احوام مے منوعاً مثلاً بعلام واكيرًا بيننے ا ودمنہ يا مرچيانے سے بيخا ۔

(مهار تربعیت جلده)

الح كُسُنَيْتِي برين (١) طواف قدوم لعيي ميفات كميا برس و كالمنتال النف عالا كركة معظمة بن كرسب بي بيلا بوطوا ف كرساى كرفدوم كتفي بى اطواف ندوم مفردا ورقادن كيديدنت ميم متع كيني (٢) طواف كانجرامود سي شروع كرنا (٣) طواف قددم يا طواف زمادت بس مل كرنا يعى نشا نه بلابلاكرا ور هيو شے چيو شے قدم ر كھنے موٹے اكثر كرمينا (م) صفا اور مروہ کے درمیان دوستر رنگ کے نشانوں کے درمیان دوڑنا (۵) اما) کا کری مانوں دوالحير كو خطبه وي<mark>رصنا (١) اسى طرع ميدان عرفات بي نوس دوالحبر كو خطبه ط</mark>رصناد) اي طرح منی میں گیا دروس ماریخ کو خطبہ ارصاد ۸) عقوں دو المحرکو فجر کے بعد مکرسے منی کے لیےروا زہونا تاکرمنی میں ظہر، عصر،مغرب، عشاء، فجری یا نج تمانی ورا لى جائمي (٩) ذوالحجر كى نوي رات من كرار ما الأفاب تطيف كم لعد منى مع منات كوروانه بونا (۱۱) عرفات مي عظير في كي يخسل كرلينا (۱۲) عرفات سے والي عي مزولفه کے اندردات کو رسنا (۱۴) ۱ ورا ننا ب مکلنے سے پیلے منی سے فرولفر کو ملا جانا (۱۴) دس ا وركيا مه كيد بودونون واتني يس ان كومتي مي گذارنا اور اگر ترموں کو می منی میں دیا تو یا رمویں سے بعد کی داست عی منی می ایسے (۱۵) اسط بعنی وادی محصیبی از نااگر مرضوای بی در کے بیے مور بہار ارتر دیت) صروری سبید ع کے فرائس می سے اگرایک فرمن می حیوط گیاتہ ج ہوگای نهیں اور بچ کے داجبات میں سے اگر کسی واجب کو چیوڑ دیا خواہ تصدا حیوا ہو يامهوا تواس يرابك قرباني والجب سے وادراس عي اطل بي موكا إلى النزليق وا جب البسريمي برركدان كے محوارتے سے قربان لازم نہيں موق مثلاً طوا ف مے بعدى ووركعتين تمية العلواف وابحب بي دلكن اكركوتي جيوا في والام نسى ادرج كىسقىزى بى سے اگركوئى جرد سے قواس سے مرتوج با هل بوكار قربان لازم موگی مل البتہ ج کے تواب میں کی آجائے گ ۔ سقری و زیادت کے اداب استی کوچاہئے کردوائی سے پہلے مزد ہے۔ اورمندرم ذیل آواب وہدایات کا خاص طورسے خیال دکھے۔ ارسب سے پہلے نرت کو درست کرے کراس سفرسے مقعبود حرف اللہ ورسول موں اس کے کوا ناموری یا شہرت یا سیرو تفریح یا تجارت کا ہرگز مرکز دل بی خبال نظر نے ۔

م د رقم با تونند جو کی ساخف کے مال ملال سے مع ورز جی مقبول ہو نے کی آمید ہیں اگر چر فرص ا دا مو با ئے گا اگرا بنے مال میں کی تشربر توجیا بیٹے کہی سے قرص لے کر اگر ایف مال میں کی تشربر توجیا بیٹے کہی سے قرص لے کر ایک اور دہ قرص ا بنے مال سے ا داکر سے دقم الد توشد اپنی ما جت سے کی ذبارہ میں کے درا در نقروں کو صدقہ دنیا چلے کر یہ بچ مرود کی نشان ہے۔ یہ کا کر درا در نقروں کو صدقہ دنیا چلے کر یہ بچ مرود کی نشان ہے۔ می کے دیکر مرد کی درا در نقروں کو صدقہ دنیا جلے کر یہ بچ مرد کی نشان ہے۔ مرد کر درا در نقروں کو مرد تر بی اسیلے مرحفی کو جاسے کے دی کر مرد تے ہی اسیلے مرحفی کو جاسے کے دی کر مرد تے ہی اسیلے مرحفی کو جاسے

کوا فی هزورت کے مطابق مفرکا سامان لیض انف معلے تاکر مفری تحلیفوں کا ساما مذکرنا پڑے مسب ما جموں کے بلے سامانوں کی جمہاں مقدار معین نہیں کی جاسکتی بھرجی ایک اوسط درجہ کے ماجی کے بلے مفرج وزیارت بی مندر جذبی سامانوں کا ساتھ نے لیت اگرام وراحت کا باعث ہوگا۔

گری اوربسردی کے موسموں کئے لحاظ <u>سے ایک ب</u>یکا لینترجس می ایک دری دوجاور^{یں} ایک اونی شال ایک بگیموایک کمی حس می کیرے اور دوسرے ساما ن رکھے حامکیں ايكُ بن بالكراي كاصندوق حق بم متعرق سامانو كوركما جاسك ايك بورى كالعيلام في سب برتنوں کورکھا جا سکے برمنوں میں ایک بڑی پالٹی ایک لوٹا ایک کلاس عیوٹی بڑی چارطیسی دورا نے تا جیتی ہے، ایکا لدان ، چوٹی بڑی دود بھیاں، ایک بڑا اور ونو بن جو ئے بڑے تھے، اگر چندقم کے کھانوں کا عادی بونواس اندازسے کھانے يكان كرزن ما تقد عائه إكرتن مى كاعي عزود د كحد إمى ا وريقركى کوئی جیزد کھ نے تاکہ اگر جازی بمار ہو گیا اور تیم کی عزورت بڑی تواس بر تیم کرسکے یا نی رکھنے کے لیٹے بن کے بیلے عی ہونے جا بٹیس کہ جہا ڈیر کا دب گے۔ اورجس منزل یا سکان می عظرو کے وہاں بھی اس کی حرورت بڑے گی۔اسٹوواورکوئلہ والا ہول بھی مفرس سا تھ ہونا بہت تعزوری ہے۔ <u>یمنے کے کیڑوں ب</u>ی یا نے ک<u>رتے</u>، یا نے یا جامے ، یا نے منڈیاں ، دوتہدند، دوصدرباں ، ایک عامر، جاد ٹوماں ، بانفرمند پوٹینے کے دورومال ، دونو لیے ، احام کی جاویں ، کنن کا کیراسا تھیں رکھیں اور منر يرب كراح الم كردوود يهون كراكرميلا موانورلسكس، الك معر كم الون كا دئسي كمبل ياموئے يلاشك كا ذوكر لميا اور و مرحد كر حوا مساتھ مونا بسند بى آدام وہ ب كرجها ن جا بو بجماكر لمبط بيط جا فره بجراما الور مختف مها الون مي نزلرز كا اورضن وسيجش اورنے ، دست وبرسفی کی مجرب دوائی مزورسا تقیم رکھ لو-کیونکه کم ہی حجاج ان امراص سے محقوظ و <u>شنے ہیں</u>۔اورا گرقم کی تو وحرورت مزیری تو

ركمي عزورت مندكوتم في في دى تووه اس كميرى كى حالت بن تمهادس بليكتن دعائل ف كار الميش، مرم، كتك ، ممواك ساخة ركموكر رسنت بعان محطاوه ايك عيرى ایک چاقبر، دولوریان ،سل اسوا ،سول د صاکر، یج وزیارت وغیره کیمسان کی کات بن چندنلم، نبس، دوات ،سادی کایمان، قرآن مجید، چیری، جیتری، مارچ، کچیمی نبیان كيدوياسلائيا نعى مزورك لور كيم يص يُرات كيرب مي مزورما قدر كمركم اس كويواليار كرصافى بنالوا ورجها زيرت وتعره صاف كرنے اوراستنجا وغره كانے ميں كا ديں كے۔ كا فيدين كرجيزون كوريان كرنے كافزورستايس كيونكراس معادري لوگون كى ماليس ا دران کے کھانے بینے کی عادیں اوروون متلف ہیں۔ اور سرخص جانبا ہے کہمیں كن كن جيزوں كى عزورت موكى اور يم كس طرح كزديسر كرسكتے ہيں ۔ اس ليے يرتفق كو چاہیئے کر جیروں ، چاول ، دال ، کھی ، نیل مسائے وغیرہ اپنے دوق اور مزور من کے مطابق ہے ہے۔احار، حیثی اگرساتھ ہویا کا غذی کمیوں کھے بے لیے توجہاز ران جزد كم ودرت يُرق ب ريائ اورتكم عى عزور في لح معندركى مطوب مواس ملائد كى بهت عزودت يرقى ب مندرى مفريل منه كا داكف بهت خواب رسام اور اكر موردى بيزي كما فيكودل ما سناس اس يله كيديا ير المكبن والسيويال بهن موے بیصے رکھ لو، گرسند و لول میں رکھوور نہ ممندری ہوا سے بدمرہ مومائی کے و سامی سگرمط بہت ملما ہے گر بٹری اور یان مہت کم ۔ اور بحدگراں ما ہے اسلیے ہندوت ان می سے اس کا انتظام کرلینا چاہئے، مزودت کی تمام بیزی ساند مول بربست الجلب مكن يا در كھوكرسفر مي جس فدر كم سے كم معامان ہو كا اثنا ہى زماده ارا كم اليكار ما ماتوں كى کڑت بعن عجموں ہر بہت بڑی معیدین، بن جاتی ہے۔ اس کا نبال رکھو، لینے مرسال کے بنڈلوں پراینا اورا پینے معلم کا نام حزور تکھ دور اس سے جدّہ بی سامان تلانش کُرتے وقت بڑی آسانی موتی ہے ح**اجی ک**ھرسے مکلتے وقعت | ا- بیلتے وقت *سب عزیز*وں ا در دوستوں سے الما ما

كرما الدابية تصور معاكرا الدابي بياب سعده ما مي كرائ كيونكم دومرول ك وعائي تبول مونے كى زباده أميد بدا وريمعلم نسي ككس كى دعامغبول موكا سال لےسب سے دُعا کرائے اور لوگ حاجی یا کی سافر کو زخصت کرتے وقت بردُعاء يرص استورة الله وينك وامانتك وخوات يمر عملك الدماجي سب لوكون ك دین اور جان ال اولا و اورسلامتی و مندر من کو خدا کے میرد کرے ۔ ۲ - سفر کالیاس مین کر گھر میں چار رکھت نفل الحسر اور چاروں فل سے پڑھ کر امر تھے برمادوں رمعنیں وائیس آنے تک اس کے ایل وال ک تکسیان کریں گی ،نانے لعديه وعا يرسع الكَلْمُوَّ إِنِّي اعْرُدُ يِكْ مِنْ وَعَشَاءِ السَّفْرِو كَالْهُوْ الْمُنْقَلِبَ وَالْحُوْر يَعُدُ أَنكُوْرِوَ سُوْءِ الْمَنْظَرِيقِ الْاَهْلِ وَالْمَالِ وَالْوَكَ مِيمِ كُومِد قرر ما وركم من سے نعلے اوردروازہ سے باہر ملتے ہی کی صدقہ کرے اور کرمی سے تعلے اور بریر سے إِنَّ الَّذِي فَوَضَ عَلِيكَ الْقُرُانَ لَوَادُّ لِكَ إِلَّى مَعَادِ . انشاء التَّرْتُعالَى خِروعا فبن كيسا غذمكان يروائس أثبكا - كفرس عطة وقت يوشى نوسى بابر تكل -ا۔ سیسے زمست ہونے کے لعدا پی مسجد سے زخصست ہوا وراگر کمروہ وقت ہ مونود وركعت نفل يره ع ، ميريل وغيره جرمواري برموارم ويسعد الله تين باريه معرالله اكبرا ورالحمد مله اورسبعان الله يرايك يمن من باداورلا إلله إِلَّا اللَّهُ الكِ بادر السِّص يرير فرص سَبْعَانَ الَّذِي سَغَّرَلْنَا هَٰذَ اوَمَا عُنَّالُهُ مُقْرِينِينَ • وَإِنَّا إِلَى رَبِّنَا لَمُنْقَلِينُ تَ وَمُوارى كَيْرُوفُ الربع مُفوظ ربع كا -ما چی کمانی می اون مینی می افزهانه حاجی استظاری بره بی وم ام جدد ب ما چی مینی می اون مینی می سا قرفانهٔ حاجی صابومدین یا مسافر خانهٔ وازی مبلد مكت ذيره ليف ادرجها زكمانتظاري برماجي كوكم ازكم جارياني میں عظہرنا پڑتا ہے۔ بہاں ماص طور پر مرتعال و کھنا صروری سے۔ ار مسا فرخا نرمی مختلف صولوں اور فختنف عزا ہوں کے حاجی اوران کو زخصت کھفے والوس كالجمع بوقا ہے اور سوریاں بہت ہوتی ہی۔اس میدا پنے سامانوں خصوصًا وفموں كى حفا كلمت كاخاص طور يرد صيال رسلم يكسون بي مرفت الابتدر كھے اورجب بابرنط تواين ماعتيون كومامان كي مفاطنت مونب كرنعلي ٧ - مكت وغبو تورد نے كے ليے بركز بركز كمى كے يا خديس في مر نے ملك فور لائن ميں كوس بوكررة مع كاف اوركك فريدے -٣- بمنى تقريب بهت زياده إدهراً وهرز بحرا كرجيب كين كي علاده موا دنون ك بمير مها لرسه الكبير فط كابر وفت تعطره ربتاب اس بيسب كواورفاص كردبها والوں کو تومسافر خا رسے باہر کم رکلنا جا کہیئے اورا بیٹے سامان سکے یاس ہی رمہتا م را ين تى كانبر سروقت يا در كمناچا سيئه اور جهاز يرسوار مون كريد بنديكا" كوما في بوف اين فل كسواكري وايناسامان ميردنس كرناما سية اورزم اور يالبودم مكمث وغيره كوبهرال اينعياس دكمنا جابيتي ماچی جما زمر ای جهانگرجهانگر کی مسافرون کومیا بستے کر تمینی ہی می امرام باندھ کسی ماری باندھ کسی ماری کا دھا پٹرھ کر موارموں اور داستہ محرکیتیک کی د حا بٹر <u>صفے رہی</u> جند گھنٹوں میں یہ لوگ جدّہ میں زمین براز جا میں کے مگر سمندری جبار والو كوايك ممفتر سمندرسي مي رسما بعداس يليدان لوگون كومندرج ذيل باتون كاخيال ا۔ جہازی مستق مولوں کے رسمنے والوں اور مستق رمان بو لنے والوں کا عمع موتاب ایک دوس کے مزاج داں نہ ہونے سے اکثر مجگرے کرادی نویت ا جانی بنے صوصًا من الله الله كينے كے وقت لأس لكانے مي اكثر كال كلوج ملكم اربعط محوجا باكرنى بد اس يدجها زيربهت مبرويرد انست كيما فقرسف كاعروت ہے۔ یج کے سفرس میکواا در کالی تحوی کرناسخت حوا) ور در اکنا ہ سے۔ ٢- جها زربوادم و في بعدا يناسب ما مان اين سيط كرنيخ زنبس

وكه كريحب مطمئن بوجا بي تووقت حنا ثع يذكرى بلكرج مي مختلف بكريرهن كي فرحا بش زبانی یاد کہنے بم مشغول مومائی - اوراننہائی کوسٹیش کری کو ایکے خم قرآن مجیر کی ملاق سمندرس لورى كلس اورتمازها جاعت كيبرطكرخاص طورير مابيترى دكمس ا وفعنول اتني فاص ك هن المست كوارس انتها في مريز ركميي -مِدّه بن جها زمع انرت وقت يربهت مزورى سے كر اينے ما چی جده ای از ما اوں کو اچی طرح با درصر ایک عگرابی سیدا کے اوپر ر کھ دیں بکسوں کورسیوں سے جوالویں ۔ ا درساما نوں کی بوری کوسی دیں تاکر جہاز سے أنارت وقت سامالول كولو لمن بيوشف اود ليجرما ف كالمطره مزرب بيمون ياسپورٹ اور رقم مكاتھ لے كر جہاز سے اتر جائي . ياسپورٹ كى جيكنگ اورمعات كے بعدسب سے بڑا اور شكل كام ما اوں كے دھير في سے اپنے ما اوں كو الناش كرناسيد واس سلسدين ما جول كويد مدين في مول سيد الداوك اسيف اسيف ما مانون كى نوش بن دادار دور سقداور معا سكة بيرت بن اس وقع مينهايت ي ميروسكون جا ينيد ورسامان كى تاشى بى جلدى تبين كف جا جيئ - يكومتورى ديركون كرسا فذ بينه ما نا ياسية رجب لوك افيا اليسامانون كوا عمالي مك واورسامان معود يده جائي توا يفدمان كوتلاش كرنا أكران بوما في كاراطينان ركس كركوني دور اکیسے ساما نوں کوشیں اعلا نے گا را خوتک آیے مامان وس والے كارا ودا كرفوا تخواستر آب كامامان وبال مرسطة وي كليوان كامزورت نسي ملك ا بنے معلم کے وکیل کو جمراہ نے کرمد منہ الجاج کی سجد سے سامنے والے میدان می ا بني سامان كونلاش يمجية وبال سع كا- وبال كادمتور يد كروه حاجيول كابوساما چھورط، جا آ ہے ٹرک والے اس کولاو کرمسجد کے میدان می وال وستے ہی ۔ بان اس كاخبال د كھينے كہ آپ كم مرمالان يرآپ كا اورآپ كيمعلم كا نا) عرف نکھا ہونا بیا ہیئے۔ بہسعودی گورنمزٹ کا قرمن میسے کہ مرحاجی کا حجواً ہوا ما ا

اس کے معلم کے مکان پرمپنیا ئے۔

ا من بنب مدّه دونین منزل ره جا ماسید توجها زواسل مینی بجاکرا حرا) با ندھنے احرا کا احرا کا طلاح دیتے ہیں ۔ جب وہ حکر آجائے نوعس کریں اور مسواک کے ماکت وحنوكرين ادرابك نئي يا ديلي جيا دركا احرا) ما تدهلين را درا هيه بني ايك جيا درا وره لیں۔ اورا حوام کی نیس مے دورکعت تماز رصیں۔ بہل رکعت میں المحد کے بعد عُلْ يَا يُتَهَا الْحَلْفِرُونَ اور دومرى فِي قل هو الله يُرْحِبِي مُنازِسِ فادع بوكر احلى ما تدسين كى دعاير صبى ـ

مرورى برايت - بادركموكر ع كالعوام تين طرح كا بوتاب ابك يدكر خالی چ کرے اس ماجی کود مفرد، کمتے ہیں۔ دو مرا بر کربیاں سے فقط عمرہ کی نیت کرے اور عرہ اواکر کے مکہ طرم میں چے کا اول یا ندھے ماجی کومد متمتع " کہنے یں تعسرا برکم مے وقرہ دولوں کی ہیں سے نیت اگر سے یرسب سے انعنل ہے۔ اس كوفران كيف ين راورا يسيرهاجى كوفارن كما جا ماسيد يكران عيون مموري منع ن ما ده آسان سبعد اوراکر مندونسانی لوگ مین احرام با ند صفی بی راس بسیم مهی آسا طريق مكفتي من اوروه برسي كرو ركعت تناز سفاد نع ورب د عاير ص

العدس عرب اداده كرما بول اس كونو مبرے بلے اکمان کر فیے اورم کا <mark>طرف</mark> سے قبول فرما معين في عره كي تنيت كى اواسكا

احل یا ندها خالع الله دنعالی کے یعے۔

بعني من ترب ياس ما مزموا الدادلاني بريعفورما مزمواين نريعفورا مز موانبراكوئي تشركب نبيب بنيرك صفور

ٱلكَّعَرِّاقِيُّ أَرِبْ لَهُ الْعُنْرَةَ فيكيترخا لئ وتقتبتكا استين نَوَيْثُ الْمُنْدُةَ لَا وَآخُرُمْتُ بهَامُتُولِمًا تِلْهِ تَعَالَىٰ -

اس كن نبت كى دعا ك بعد مبند كوازسيد كبّيك برص كبّيك برسيد: كَبْتُكُ وَ الكَّهُ تَرَكَبَ بُكُ و كَتَيْكَ وَلَا شَرِيْكَ لَكَ لَتَيْتُكَ وَ إِنَّ الْحَمْدَ وَ النِّعْمَةَ لَكَ

وَالْمُلْكُ مِنْ شَرِيْكُ لَكَ مَا مُعْمِرِهِ الْمِيْكُ تَعْرِيْ اورنعمت اور ادشائى تىرى بى لىے سے، تراكو أى خريك سى ب جہاں جہاں دعامیں وقف کی علامت دط ، بنی ہے وہاں وفف کرسے ۔ اور لَيْتُ كُ وَمَا نَيْنِ مِرْنَبِهِ رَبِي عِي مِيرورود شرفي يُرْسع ، مِيردل كاكرا ور ما تفاعظا كردُ عا ما على الدر مرسع: اَللَّهُ تَمِيا فِي أَشْتَكُلُكُ مِمَاكُ الصافتدي تبرى بقاا ورحبت كاسأل وَالْجُنَّةُ وَأَعُودُ بِكَ مِنْ مول اورترے عفی اورمم سے مترى مناه ما مكما بول _ غَفَيكُ دَالنَّادِه لَيْنَيْكَ وَرُه لِين ك بعدا حام بنده كيا-اب عنى حيزي احام كمالت ي منع إلى مثلاً مبلا مواكيرًا ميتنا ، مرجها تا ، شكاركرنا ، توشير ركاتا ، مجامت منوانا، بول النا وغيره ران سب جزول معت الدا عظة بعظة بردقت عاص كممح ك وقت كتيك بوار بلندا وادم يرمتادب-مر المراف كعيد كم مرد من بين جلت تومب سريبيد مسيده مي من المرام من المرام من المرام من المردم المرد پہلے مرداین میا درکوداین بغل کے شیے سے مکارے کہ داہنا مونڈھا کھلادہے ا ور ما در کے دونوں کا دے یا ما تی مو ترسے پرنال سے اب کور کا طرف من كرك جراسود كادامن طرف ركن ميان كاب جراسود ك قريب لون كموا اموكر پورا جوامود اینے داستے بات کے ماعف دہے۔ میرطوات کی نبت کرسالا یعنی اے اللہ! می تیرے عز مالے گرمے ٱللَّهُمَّ لِنِيُّ أَرِيْدُ طَوَاتَ طواف كاالاده كرتا مول لبذا تواس كو بينيك المتعزم فكيترث

ليْ وَتَقَيَّلُهُ مِنْيَى -

مرحد ليراكمان كرفي الداس كومرى

طرف سے قبول فرما ہے <u>"</u>

اس مبدت کے لعد کعبہ کومنہ کئے اپنی داسی طرف ملور میں جرامود یا مل تمہا ہے منر کے سامنے ہو داور یہ بات ایک وراح کت کرنے میں حاصل موم اے کی کیونکہ بہلے مجراسود واست مات محساست مخااب وراسا ب الله على معدم محساست مع ما مُركاراب كانون مك دوتون يا فقاس طرح أعظاؤ كرسخفيليا ن جراسود كى طف مين ا وركم ويتيم الله وَالْحَمْدُ لِللهِ فِوَاللَّهُ أَكْبُرُ طُوَالصَّلَوْمُ وَالسَّلَا مُرْتَ لَى رَسْتُولِ اللَّهِ اگراکسانی مسے ہوسکے نوج اِسود بردونوں محتیلیاں اوران کے بیج بہ منر و کھاکریوں بوس عد كرا وازنه يدا برويمن بأرالسا بى كرو، ادراكر جيراكى وجرسے اس طرح بوسرايناتعيب مذم و توما نقد رهارما قد كو يوم لو يا اس يرهيش رها كرهيش كويم لوريمي مذبه وسكة توما نفست اس کی طرف اشارہ کرکے اینا ہفتہ چم لور اب طواف کے بینے دروازہ کعبر کی طرف بڑھو سب حجراسود کے سامنے سے گزرماؤ سیدھے ہولوخار کعبرکوا پنے بابٹی ہائ برکر کے اس طرح جنو کرکری کوا پزامست دو، پیعے بن بھیروں میں او کورل کرنا میا سیئے بعنی جھو کمے چیوٹے قدم دکھتا، شانے ہلانا ہوا ہا دروں کی طرح بطے مز کودتے ہوئے مز دور تے ہوئے الدجب حجراسود کے پاس مینیے تو بوسہ سے اوراس کی طرف یا تف سے اشارہ کر کے بافتہ كويوم نے دعائمي بڑھنے بہوئے طواف كرے معلّم دُعائمي پُرھاتے بھوئے طوا ف كرا یم نسکن ان د عاوُن کا پُرصنا فرص یا وا جیب نهیں اگر میردُ عاشی یا دینه مهوں تو **در در تمر**لیف یر سے ہوئے طواف کے ساتوں حکو ہو اسے کر سے جی ساتوں میرے بواسے موجائیں توجر جراسود كوبومه دے باس كى طرف يا تقدر صاكر يوم ہے۔ حجر اسود كوسىلى بارج بولاس وفت سے كتيك وطسنا بندكرد، طواف كے بعدمفام اراميم برا كريرايز بِرُصووَا تَنْجِذُ وُا مِنْ مَنَامِ إِبْرَاهِ يُحَرُّحَت لَى بِيرِولُورُلُعت مَمَازَ لِيعُومِ لِمِلْي رَكُعت بِي عُلْ يَا يَهُمَا الْعَفْفِرُ وْنَ اور دوسرى ركعت بن فَسَلْ هُسَعَ اللَّهُ يُرْصوبهمازوامي ہے اوراس کا نام وتنحبترا لطواف" ہیںے رنماز کے بعد میرفیعا منیا بیت دوتے گڑ گڑاتے

بموئے إفرانها كريپرے -

متقام ابراتيم كي دعت

اعالیٰ دومرے پوشیڈ اور ظاہر کو جا نیا
ہے تومیری معند کو تبول کرا ور تومیری مابت
کوجا تیاہے میرا موال فیوکو عطا کرا ور تومیری مابت
میرے نفس میں ہے تولیے جا نیاہے تومیر
گنا ہو کو بخش نے اسے السّد؛ میں تجدسے
اس ایمان کا موال کر تاہوں ہومیر تقدیب
میں مرایت کرجائے اور یقین صادق مانگا
ہو تو نے میری جانے اور یقین صادق مانگا
ہو تو نے میری جانے لیے اس پروامی دیرو

اللَّهُمَّ استَّكَ تَعْلَمُ سِرِى وَعَلَا سِنِيتِي فَا تَعْلِمُ مَعْذَرَيْ وَتَعْلَمُ حَاجَبِي فَا تَعْلِمُ مَا فَي لَعْطِيٰ مَعْ لَمُ حَاجَبِي فَا عَلِمُ مَا فِي لَعْطِيٰ مَعْ لَمْ فِي وَتَعْلَمُ مَا فِي لَكُهُمُ لِكَ فَا خُورُ لِي وَتَعْلَمُ مَا فِي لَكُهُمُ لِكَ اَسْتُلُكَ الْهُمَا لَكَيْبًا شِرُقَ لَيْ وَيَعْيُنَا صَاحِقًا حَتَى اللَّهُمَ لَكَيْبًا لايُعِينًا صَاحِقًا حَتَى اَعْلَمُ اللَّهُ الْكُلُهُمُ اللَّهُ وَرِضًا مِنْ مَهْ عِينَ اللَّمَا عَتَهُ مِنَا عَلَيْهُ وَرِضًا مِنْ مَهْ عِينَ الرَّا حِيدِينَ وَرِضًا مِنْ مَهْ عِينَ الرَّا حِيدِينَ فَيْ يَا اَرْحَمُ اللَّهُ الْمَا التَّراحِيدِينَ

اے سب مہر بانوں سے زیا دہ مہر بان ہے مناز اوراس دُعا سے فار نع ہوکر ملمبر کم کے پاس جائے اور اپنا سبیت اور بہٹ اور رض ارول کو د لوار کعبہ سے سلے ۔ اور دو نوں با تقرمرسے اُو پنے کر کے دلوار پر کھیلائے یا واہنا ہاتھ دروازہ کعبہ اور بایاں ہاتھ جواسود کی طرف میسیلائے اور ہے

پر تھیلائے مادابنا ہاتھ دروازہ لعبراو مع عرب روروکر اور گڑا گڑا کرانگے۔

وعاء ملتترم

ئے قددت <u>والے اے ب</u>زدگ تھے تجھے ہو ہنمت دی ہے اس کو تجہ سے تا کی نرکز۔

كَادَاجِهُ يَامَاجِهُ لَاتَّزِلُ عَنِيَ يَعْمُدُةً إَتَعْمُنُهُا صَلَىَّ۔ اس کے علا وہ اور دوسری دعائیں بھی بہاں مانگوکہ بیمقبولیت کی جگہ ہے۔ اور مقبولیت کی جگہ ہے۔ اور مقبولیت کا وقت بھی ہے اس کے بعد زمزم تمرلیف کے نلوں کے پاس اوا ورکھڑے مورکا دیسے میں توب بسط بھر بڑو ہم بار میں مورکا دیسے میں توب بسط بھر بڑو ہم بار میں میں توب بسط بھر بڑو ہم بار میں میں توب بسط بھر برار میں میں مورک کے دوا ور الحق کا کھر مرکم کو دیکھو بستھے است میں اور بیان پڑوال لو۔ زمزم شراعی بسنے کی دُرعامیہ سے ۔ بیا ہوا یا تی اسپنے میں اور بیان پڑوال لو۔ زمزم شراعی بسنے کی دُرعامیہ سے ۔

دُعائے زمرم

اد الله مي تجه سعظم نا فع اوركشاده روزى اورش مقبول اورم رسماري سع شفا كاسوال كرتا مون -

ٱللَّهُ قَرِانِيْ ٱلسُّلُكَ عِلْمًا نَافِعًا وَرِدْقًا وَ السِّمَا وَعَدَّمَا نَافِعًا وَرِدُقًا وَ السِّمَا وَعَدِمَلاً مُتَعَبِّدُ وَقُلِهَا مُتَعَبِّدٌ وَيُفِعًا مُتِينً كُلِّهِ وَمُتَعَبِّدٌ وَيُفِعًا مُتِينً كُلِّهِ وَمُتَعَبِّدٌ وَيُعِلَمُ وَالْحِيدِ

جرح اسود کے باس آکراس کو پچموا رزانت اکبر الدالد الدالة الله وَالْحَدُ اللهِ اللهُ وَالْحَدُ اللهِ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَالْحَدُ اللَّهِ وَاللَّهُ وَالْحَدُ اللَّهِ وَاللَّهُ وَالْحَدُ اللَّهِ وَاللَّهُ وَاللَّالِي اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّ

صفاومروه کی سعی ایب الصفاسے بیل کرصفابہاڑی کی جانب بلوا دراس پر طریعتے ہوئے پر طرعہ

میں اس سے شروع کرتا ہوں جس کوانٹرنے
پہلے ذکر کمیا بعثیل صفاور وہ الٹرکی نشائیو
سے بیں جس نے سچے یا عرہ کمیا اس بران کے
طواحہ میں گنا ہمیں اور جوشفس نبک کا
کرے تو بعیث انٹر بدلر دینے الاملت

ٱبْدَمُ بِمَا بَدَا الله بِهِ إِنَّ الله بِهِ إِنَّ الله بِهِ إِنَّ الله الله بِهِ إِنَّ الله فَالِيرِ الله فَارَيرِ الله فَامَنَ مَعَ الْبَدُ مَ الله فَارَحَ مَلَى إِنْ الله فَارَحَ مَلَى إِنْ الله مَنَاحَ مَلَى إِنْ الله مَنَاحَ مَلَى الله مَنَاحَ مَنْ تَطَوَّحَ حَسَلَيْمًا فَارِقَ الله شَا كُرُحَ لِيُعَلِيمً وَالله مَنْ الله شَا كُرُحَ لِيُعَرِقُ وَ مَنْ الله مَنْ الله شَا كُرُحَ الله مَنْ الله مُنْ الله مَنْ الله مُنْ الله مَنْ اللهُ مَنْ الله مَن

میرکدم معناری طرف منه کرکے دونوں باتھ کنڈھوں تک دُماک طرح میسیلے ہوئے اُٹھاؤ ا در ہنوڑی دیرنسیعے تہمیں ویجبرا ورورو دشترلیت بڑھ کراپنے بیدا وردوستوں کے بیے دُعا مانگو کرمیہاں دُعامنفیول موتی ہے۔ پیراس طرح سی کی تیت کرو:

اَللَّهُ تَدُ اِنِّ اُرْیکُ السَّغْ مَ یعنی اے اللّٰہ میصفا اور مروہ کے ورمیان

بین الصّفا وَ السَّمَدُ وَ هَ مَنْ السَّغْ مَ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰمِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰمُ الللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ

بمقرصفاسيم انتركرم وه كوحيو اور درو دنشركف اوردعا ون كايترصنا برابرجاري دكهو جب سنرونگ کا فشال آئے تو ہمال سے دوڑنا شروع کروہمان نگ کر دومر سے سمبر نشان سے آگے نکلی جا ڈا ورمروہ نگ بہنچو ، بیماں بھی تبجیر، نسبیج اور حدو تمناء اور درو تشرلجت يرصوا وديردعا مانكويرابك عصرابهوا بعيرها وسيصمقا كوجلوا ودمير فسثات مے یاس بہنچو نودوروا وردومرے نشان سے آگے مکاجاؤر بہان مک کرصفاری ج كريدستورسانى دعائي مانكوراسى طرح مصصفا سعمروه ا ودمروه مصصفا تك اور صفاسے مروہ تک اکر تھے جا و میمان تک کم ساتواں تھیامردہ پرختم ہو۔ سر تھی ہے میں اسی طرح کرورا وردونوں مبزرنگ کے نشانوں کے درمیان سر بھرے می دوڑ کر جینے رم وطواف كعبه ورسعى كريية سيقهادا عموص كاحرام بانده كرائه ادام وكباب سرمنڈ اکریا یا لکٹواکرا حمام آنا داور اوٹس کر کے سلے ہوئے کیڑے ہی لو۔ اور الاالام كے كم كرمرى مقيم رموء اور روزار حس قدر زياده سے زبادہ موسكے تغلى طواف كرتے ہو۔ م بهرا تعشوي دوالحجر كوج كااحرام با تدصورا درايك نغلى طواف مي ي كوروالى رين ورصفامروه كاستى كرلو اورسجدها مي دوركعت سنت احرا کی نیت سے پڑھوراس کے لبدج کی نتبت کروا ورلبتیک پڑھواورجب ا فاآب کل أئے تومنی کو علی اگر موسکے تو بیدل جاؤ کر جب تک مکم مگرمہ ملیط کرا و سکے مرقدم پر س كرولانيكيا وبكفى جائبن ككار برنيكيان تقريبًا المطهتر كمفرب جالبيس ارب منتي بين واستزعجر بتيك اور عدد تنا و درود شرابيت برصق رمو جيمن نظراك توبي دعايرهو:

الہٰی مِمنیٰ ہے تھے پرِنووہ احسان کر ہو اپنے اولیا دیرتونے کہاہے۔ ٱللَّهُ تُرَهَدِهِ مِنَى فَامْنُ عَلَى مِهِمَا مَنَنْتَ بِهِ عَلَى أَوْلِيَادِكَ.

المناس المناس المناس المناس المناس المناس المناس المناس المناس المار المناس المستريمية المناس المنا

انتد کے سواکوئ سعبو دہمیں وہ اکیلاہے کوئ اس کا تشریب نہیں اسی کے بیے بادشاہی سیطاسی کیلئے حدیث وہ زندگی اور موت تیا سیماوروہ زنرہ ہے وہ نہیں مرد گااس کے قبضہ بن سب عبلائیاں بی اور دہ مہرجر

لاً الله الآالله وَحْدَهُ لَا لَهُ الله وَلَهُ الله وَلَهُ الله الله وَلَهُ الْحَدْدُ لَهُ الْحَدْدُ لَهُ الله الله وَلَهُ الله المَّهُ وَلَهُ الله المَّهُ وَلَهُ الله وَلَهُ الله وَلَهُ الله وَلَهُ وَلَهُ الله وَلَهُ وَلِهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلِهُ وَلَهُ وَلِهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَّهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَّهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَّهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَّهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَّهُ وَلَهُ إِلَّا لِهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلِهُ وَلِهُ وَلِهُ وَلِهُ وَلِهُ وَلَهُ لَا لَا لِلّهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَا لَا لِلّهُ وَلَا لَا لِلّهُ وَلَا لَا لِلّهُ وَلَا لَا لِلّهُ وَلَا لَاللّهُ وَلَا لَا لِلّهُ وَلِمُ لَا لَا لِلّهُ لِلْمُ لَا لَا لَا لِلّهُ لَا لَا لَا لِلّهُ لَا لَا لَا لَا لَا لَا لَا لَا لَاللّه

برتدرت والاسبع " دومبرط صلت سي

دوببرڈ صلتے ہی ظہری نماز جاعت سے ٹریھو تطہر کے فرعن ٹرچھ کر فوداً تنجبر بھوگ اور عصر کی نماز پڑھو یا در کھو کریہ ظہر وعصر طاکر ظہر کے وقت ٹرھنا جھی جاگز ہے کہ

نمازیا نوسلطا زِ اسلام پڑھا ہے یا اس کا نا ئب میدان عرفات میں حس نے ظرا کیلے یا این خاص جا عنت مسیر فرحی اس کواس وقت سے پہلے عصر ٹریسٹا جائز نہیں بلکہ وہ ظہر کوظهر کے وقت می اورعصر کوعصر کے وفت می ٹرھے۔ (بہار تشرابیت) نماز کے بعد قورا مؤنف کوروار ہو جائی مؤقف وہ جگر ہے کرنماز کے بید سينعروب أفاب تك وبال كحراب موكر ذكر الني اورد عاما نكن كاعكم بعد الرامجم ا درا ننج *اکر دری* کی ویم سنے مرُوفع^ی میں مر<mark>جاسکو توائیے خیر می لبتیائے بڑھنے اور ذکر و</mark> دُعا بِنَ الْمُنْ الْمُولِ مِونَ تَكَمَّ شَعْول رمِور او زخرد اراس المول او فيميني وقت كو الم بٹری اٹوانے اور کی لڑا نے میں بریاد نہ کروملی آنکھیں بند کئے گرون جھکلئے و عاتمیں م <u> تقالسمان کی طرف رسے اُ و نجاا عثار کیمیں اے تکبیر</u> و تہدیں اور لیٹنگ ورما اور توبہ واستِعفاً مِن وُدوب من أور الرومة الراكرومة الماكة توكم سع كم دو في مبي ورت مِنا ا ورائمان كوسس كرايك نطره النوليك جلك كريم قبولتبت كانشانى ب-مرد دلفري المودج غروب بروجان كيدميدان عوفات سے المرد لفركوروانه موماؤاورئي اصراستري لبتك اوردكرو د ما اور محبر کر ت مع بلنداکوانسے پڑھے علور مزولنہ بہنج کرمغرب کوعشاء کے وقت، می اداکی نیت سے بڑھو ، معرمغاب کے بعد فورا ہی عشاء بڑھور اس کے بعد مشعرالحرا)" کی منقدس میازی بااس محد قرب می یا یو اسے میدان مین دا دی محسر ، محد مواجها ل میابو مطروا ورنبتك اوز كبر وتهيل مي توب رورد كرمشغول رموا در مسم صادق محطوع م و نے سے اجالا ہونے مک کاوقت بہت ہی خاص وقت، ہے اس میں ذکرود عا مصفانل مذرمو مزد لقرہی سقینوں ون مجروں برمارنے کے بلے وہ کنکرماں کھجو کھٹاکے برابري لوا دران كوتين مرتبر دصونوا ورطلوع كأقب ببي جب دوركعت يرصف كاقست باقىمه ما مے لومز دلف مصفىٰ كوروانه بهوماؤ اورمنی بین كرد جرة العقبه كوس

بیعظ جا وُ،اوداس طرح کھوٹسے مہوجا وُ کہمٹی وا ہتنے یا تھ پراودکعبہ یا ٹمِی یا تھ کی طرف ہو اب با نِج یا تھیکی وودی سے مسات کنکرایں ٹھوا مُٹلاچٹی میں سے کرداہنا یا تھ نتویب اُ ونچا اُٹھا کہ تمرہ کومادہ، اور سرکنکری کویہ ٌوعا پڑھ کر محیدنیکو :

المثركة نام سعن التدمهت برا سند مهت برا سبت المثر المبت برا المبت المثر المبت المثر المبت برا المبت برا المبت المثر المبت الم

بِشِمِ اللهِ اللهُ أَخْبَرُ رَعْمُا لِلشَّيْطُنِ رِمْنَا لِلسَّرَ خُمْنِ اللَّهُ مِّرَاجُعَلْهُ حُبُّامَنُ رُورًا وَسَعْيَا مَشْكُورًا وَ وَنْبَا مِدِ مِوْسِ

كنكرى ماركر قرباني كر ع مكر توب مجد لوكه مير قرباني وه قرياني نهيب سيصر و تقرعيد بى بواكرتى سے بلكريد ج كافتكوارة سے يوقران كرنے والے اور تمتع كرنے والوں يد وا جب اورمفرد برسنف سے - قربانی کے بعدمروسرمنڈائی یا بال کر وائی عورتوں كوبال مند واما حل سے وہ مرف ايك لواسے را رمرے مال كما وى اورا حوام آمار كرسع موئ كمراع بهن لين اورا ففس بيسع كرأت ج دسوين ذو المجربي كومكرماكر طوا ف زبارت جوفرض سے کولس مگردسوس کو برطوا ف ترکرسکس تو اویا ۱۲ کوسورج عروب مون سيميد يطوات كرلي اود مكرسي ما كرعمرس ا وداا الديدا ذوالجركومنی میں رہی اورمورج وصلے کے بعد دونوں روز تمیوں جروں كوساسا كنكريال مارت بي ما دموي ووالحج كوكنكرى ماركز وب أفراب سع يبع يللم مني سے سن کور کر کوروار مرو جا و جب وادی محصب می جوجنت المعتیٰ کے قریب ہے پہنج توسواري سصاترو باسواري جي بركحيد ديغم كردعا كرلوراب كمرم برجب مك فياكم ا بنی ا وراسینه ا ن باب کی اسینداستا دون استے بیرون ا ورحفنورملی المترعليم ا كى طرف سے رواز عرب ا واكرتے رہو - كھينو صفي تعيم سے (جيوا عره) كرو - كھ عرب جعران سے دیڑا عرہ)کرو۔

مركى يورد ما رست كانيس إفرسان حبّت المعتى بمن ماص طور ربي بى مديجة الكرى مركى يورد ما رست كانيس إصى الشرعها ودبر مرااات كى زيارت اسى طرح مركان ولادت حفتوداكم صلى التدعليه وكما ومكان خديجة الكيرى ومكان حفرت عي رحى التوعهذا ومسجدالجن وسجدا المابروسجدا لفح ولسيحدجل الوقبليس ومزادات عثهدا وتبليكه وجب ثود وغارحرا وغيره مقامات منبركركي زبارنول سيحيم شرف مبور كعبم حنكم بني داخلم اوردودت نمازا ندرا داکرنا بھی بڑی سعادت ہے ۔ کما لِ ادب سے اُنکھیں جبکا ئے لرزتے کا بیتے ربشم الله برهكرد ايان قدم ميهير ركه اورسامني كي دبواد كل أتنابر سع كدنين باغتى فاصلهره جائے وہاں ڈورکعت نفل پڑھے کے معنوداکرم میں الشمعلیہ وکلم نے اس جگر منازيرهي بصعير حرالي اوردرود تشرلف يرصع اوردعا ملنكي اوستونون اوردلوادون سے بھٹے اوردونے گرا کرا۔ نے انکھیں پنجی کئے والیں چلا اُکئے۔ وا عرب رخصت كا داده ميونوطواف وداع كرے كربام والول مكه مرمم سعدادا ي بريطواف واجب عداراس طواف بي درن كرا ، مز اصطباع كرسه اوداس طواف كي بعرصفا ومرده كالعيمي نركر ي طواف كي بعيمقا) اراہم پر دورکعت پڑھ کر دُما ما نگے بھر زمز م ترلیف کے باس اکر خوب میراب ہو کرے اور کھ برن پڑوا نے معروروازہ کو یہ کے ماس آکر پر کھٹ پوسے اور قبول مج وزبارت كا ورباريا رحا صرى كى دعائي مانك ا وربير دُمايرسطكر: اَلسَّائِلُ بِبَايِكَ يَسُمُلُكَ مِنْ (بالند) ترم وروازه رسائل تر فعنل واحسان كالموال كرتلب اوزيرى دحت فَضُلِكَ وَمَعْرُ وَ فِكَ وَيَرْجِرُ كااميروادسه.

مجر ملنزم " برآگر خلاف کوبرسے چیٹے اور توب روستے مجر جراسود کو بوسر سے مجر مسائر میں ایک خلاف کوبرسے کی میں اس مجراً سے باؤں کوبری طرف منہ کرسے کوبرمنفرسہ کو حسرت سے دیکھتے ہوئے مسجد حوام کے دروازہ سے بایاں با وُں بہلے بڑھا کر نہتے اور کلم شہادت وحدالی اوردرود شریب و دعا کرنے ہوئے روانہ ہو ۔ اورفقرائے کہ محرمہ کوحسب نونین صدقہ و خرات بینے ہوئے سرکا راعظم دربا رِ مدینہ طبیقہ کے منفدس سفر کے بلے روانہ ہوجائے ۔

ما صری در ما رمدمیم موره مدان مین طینه کی حاصری اوراس مفدّی سفر می مندرجردیا بدایات پرخاص طورسعه دصیان رکسو

ا۔ مزادا فدس کی زبارت قریب ہوا ہیں ہے مخدت ابن عدی نے کا می میں صفرت عمر دحتی الترعة سے دوامیت کی ہے کہ معنور میلی الٹرعلیہ وسلم سفے فرایا کہ جس سفے جج کیا اور میری زبارت نرکی اس نے مجھ پرافلم کیا۔ دبھا دہتر لیعت)

۷- ما مزی بی خاص فراور کی زیارت کی نیت کرے بیان تک کرام این بھا مواتے

میں کراس مرتبہ مسجد نبوی کی نیتن بھی تشریک درکرے۔ (بہارتشریعیت) ایت میں اس نن کرنت میں در در رئز اور طریعت بیری ذکر ہی در از اور بیان در

۳- راسته می اس ندرگرت مصد در و دنتمر لیف پارسصته رببو کمه وکر درو د نشر لیف بین عرف موجه او درس ندرمد میز طبیبهٔ قریب آما جائے اور زبا ده سنوی دوی ملکرو جدمی هوم

جهوم كر ورود شريف يرصوا وعشق رسول كى منى بي دوب جاؤ-

م ۔ جب حوم مدینہ منورہ آئے تو اگر مواری سے از مکو تو بیا دہ سر جبکائے رونے معرفی مردیکا و بڑے اور نے معرفی اور منظا و بڑے نو

درود وسلام والهارز بوش وخروش كرسائف فرموه، حب طهرا قدس مديرة منورة بس بينيوند ملال وجال محبوب كرنصور بيء قرموجا و اور در وازو شهر مي داخل

مونے وقت يملے داسنا قدم ركھواوربر دعا يرصو:

يِسْمِ اللهِ مَا شَا اللهُ لَا مَنْ لَكُونَةَ مَنَ مِن اللهُ كَنام سِي فَرُوع كُرَّا مِول جَرَ الآياشُ وَتِ آوَنَ لِي لَيْ مُلْفُلُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى كُلُ اللهُ اللهُ

رَحْمَتِكَ وَارْزُحْدِيْنَ مِنْ التِي رَمْت ك وروا فع في يركمول فعاور

ذِيَارَةِ رَسُولِكَ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

۵۔ پیخس دومنوا ور تمام فزورہات سے فارخ مو کرممواک کرے نوٹنبو لکا کا درسفید د صاف کی گرسے نوٹنبو لگا کا درسفید د صاف کی سے بہت کا جڑی وخاکساری اورادب واحرام کے ساخہ متو تم مواور دونے موجوئے مسجد نہوی کے دروا ذسے برصلوٰ قر وسلا عرمق کر سے مقد در انسے موجوز موجوز کو باتم مرکار سے حافزی کی امبازت طلب کریے موجوز موجوز کر باتم مرکار سے حافزی کی امبازت طلب کریے موجوز و کے بال و پڑرد کر میطے دامنا یا وَں دکھ کر مرا یا ا دب بن کر واض مور ۔ اور محبوب کے خوال و

نصور من دُوب جا وُ۔ نصور من دُوب جا وُ۔

، یفتن رکھوکر حسوراکرم سی اسٹر علیہ وسلم سیخی حقیقی جمانی جات کے ساتھ ہیسے ہی زندہ پی جیسے دفات شرلف سے پہلے بھتے ان کی اور تمام انبیاء کرا) علیم انصلواق والسمام کی موت حرف وعدہ اللی کے نصد بن کے بیاے ایک ایک ایک کی ک کے واصلے تھی ان کا انتقال حرف عوام کی نظروں سے چیپ جا نا ہے۔ چنا پچرا کی محدی مان کی مذمل میں اور احد قسم طلا فی نے ہوا ہمیں لدنیم بی اور دوم رسے ائٹر دین نے فرایا ہے :

ررصنوراقدس الشرعليد وسلم كى حيات ودفات بي اس بات بي كون فرق نسب كم وه ابني اقمت كود بي رسه يمي را وران كى حالتوں اعظيوں كو اوران كے دلوں كے خيالات كو توب جانتے بيجائے بي اور برسب معفور براس طرح روشن ہے كہ فطعًا اس بي كوئى بومشيدگى نه بي " د بها رشر لعيت بحوالم مذمل ومواميد)

٤ - مسجد نبوى بي صفور عليا تصلوة والسلام كم صنى برد وركعت نما رحية المسجد

قُلْ یَایَهٔ الکفر وی اور قُلْ هُوالهٔ آصد سے فضر رہے ، پیر مجد بین کردر بارجیب یم معنواتین کی دعا مانے بھر کمال ادب بین وی موکر کردن جمکا سے لونے کانیت ندامت سے بین بین بروکر انسوبها تے موئے مشرق کی طون سے مواجه بنا مالیہ بی حاصر جو کہ تصنور علیات سال مزارا نور بی مبلوه افروزیں ۔ اس طرف سے نم حاصر موکے تو مصنور کی تکاہ بیس بناہ تمہاری طرف موگی ۔ اور برسعادت تمہارے یہ دونوں جہا بی کافی ہے ۔ دونوں جہا کی کافی ہے ۔

یں میں ہے۔ ۸۔ اب انتہائی اوب واخرام کے سانھ کم از کم جارہ کھے فاصل سے قبلہ کو پیرط اور مزار میرانور کومنہ کر کے بنا ذکی طرح ہاتھ با ندھے کھڑا ہو۔ دفعاً وی عالم کیری مجلوا حرجہ آبا اور نہا بیت ہی اوب واحرام کے سانھ باکواز درد آگیر آکواز سے اس طرح مسلوق و سلام عرمن کرد۔

اسے نی اکب پر درود دسلام اور
اسٹری رھتیں ادر برکتیں، اسے
اسٹری رھتیں ادر برکتیں، اسے
اسٹر کے رسول آپ پرسلام، لے اسٹر
کی تمام مخنوق سے بہتراک پرسلام کے
گذاکاروں کی شفاعت کرنے والے آپ
پرسلام ، آپ برا دراک کی اک واصحاب
پرسلام ، آپ برا دراک کی اک واصحاب
پرسلام ، آپ برا دراک پر مسلام ۔

اَيُّهُا النَّيِّ قُورَحْمَدُ اللهِ وَبَرَكَاتُهُ السَّرُكُ اَسَّلَامُ عَلَيْكُ يَاخَدُرَخَلِيَ اللهِ اللهِ السَّرَ اَسَّلَامُ عَلَيْكُ يَاخَدُرَخَلِيَ اللهِ اللهِ اللهِ السَّلَامُ عَلَيْكُ يَا اَسْدُولُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ الل

اَلَصَّاوُةٌ وَالسَّلَامُ مَلَيْكَ

ان سلاموں کو باربار جب نک و لی ہتے مجڑ ت بڑھتے رہوا وراپنے ہاں باپ ور اسّادوں اور دوستوں اور ا ہے تمام عزیزوں کی طرف سے بھی سل عوض کروا ورسب سکے بلے باربار تشقا عرت کی بھیک ما تھو اور باربا ربیع منی کروکر اکسٹنگٹ الشّفاعَۃ بّاد کسوْل اللّٰہ ط اور ہوم پری اس کتاب کو بڑھے اس کو ہیں وہ بتبت کرنا ہوں کہ جم گنہگار کی طرف سے بھی عرض کر سے شفا عست کی بھی کھی گائیس بھرا بینے واسٹے ہا تھا کہ طرف ہافقہ بھرمیٹ کر صفرن ا میرالمومنین ابوبجر صدبنی رحنی اللہ عنہ کے نورانی چیم کے سامنے کھرے ہوکہ عرض کروکہ:

عیماً تنی می دورسسط کر حصرت امیرالمومنین عرفارون رفنی اندعته کے پڑمیال جہرہ کے ساحنے عرف کروکہ:

السّلاَمُ عَكِيْكَ يَا اَمِيْدَ الْمُتُودِيْنَ السّلاَمُ عَكِيْكَ يَا اَمِي بِرسلام لِمَعْ لِينَ اسْتَلاَمُ عَكِيْكَ يَامُتَيِّعَ عَلَالْ اَنْعِيْنَ كا وعده بُوراكر في والعصلان آپ بر السّلامُ عَكِيْكَ يَا عِذَ آلِاسُلامِ سلام للعاسلام اورسلانوں كعزت آپ وَالْمُسُلِيْنَ وَرَحْمَةُ اللهِ وَيُوكَا تَنَاءُ بِرسلام اوراد شَعَى رَمْنِي اور دِكُننِي -

میمراکشت مجر مفرب کی طرف بیٹوا در مصرت صدیق و فاروق رقتی الشرعنها کے درمیان کھڑے ہو کرعرمن کروکہ:

کے رسول انٹد کے دو تون طبیع آپ دونو پرسلام کے رسول انٹر کے بہاری آرام کرنے والے آپ ودنوں پرسلام اوراٹٹری رحمت اوراس کی رکتین، آپ دونوں سے موال کرتا ہول کر رسول انٹرسی انٹرطیم سلم کے صنور مہاری ضفاعت محیج کے انٹر تعالیٰ ان پراور آپ دونوں پردرود

السَّلامُ عَلَيْكَ يَاخَلِينَعَقِ دَسُولِ اللهِ دَالسَّلامُ عَلَيْكَ مَا سَا وَذِيْرَى دَسُولِ اللهِ وَرَحْمَدُ اللهِ يَاضَعِنْ عِيْدَ رَسُولِ اللهِ وَرَحْمَدُ اللهِ وَمَرَكَاتُكُ دَاسُلُكُمُ الشَّفَاعَةَ عِنْدَرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ تَعَالى عَلَيْرِ وَعَلَيْكُمُ الذَّكَ عَارَكَ اور بركت وسلام نازل فرمائے۔

وَسَلَّمُوه

١٠ ـ فَبِرَمُو رَكُوكُمِي مِلِيمَ مِرَكُومَ مُرَومَنَم الْوركا طوات كرو متر مجده كرونزاننا تفكوكم ركوع مح

برابرمورسول انشرصی الداعلیروسم کی حفیقی تعظیم ان کی اطاعت میں ہے۔
ار قرستان جنت البقیع کی زبارت سنت ہے۔ رومند منورہ کی زبارت کر کے دبا
جائے ضعوصًا جمعہ کے دن اس فرستان میں دس ہزارصی پرضی الشرعم اراع فرما
میسے ہی اور تا بعین وتبع تا بعین وادلیا، وعلاد وصلحاد گئنت کا کو اُن ضمار ہن سی
کرسکتا جرما صربو تو بہے تمام مدفو تین مسلمین کی زبارت کا قصد کروا وراس
ط میں مربط میں

طرح سالم برصو-

تم برسلام التقوم مومنین کے گھروالو، تم مهامی میشوامود ورم ان شاء الله تم سے علفے دائے ہیں المے الله! بقیع غوندوالو کی مغفرت فرما- اسے الله! ایم کو اور اتبسی بخش ہے۔ السَّلَامُ عَلَيْكُرُدُ ادْقُومُ مُّكُونِي الْكَارَةُ مَّكُونِي الْكَارَةُ الْكَوْمُ مُّكُونِي الْكَارَةُ الْمَارِي اللَّهُ الْمَارِيةُ اللَّهُ الْمَارِيةُ اللَّهُ مَّا الْمُعْرَدُ اللَّهُ مَّا الْمُعْرَدُ الْمَارِيةُ مِنْ اللَّهُ مَّا الْمُعْرَدُ الْمَارُةُ الْمَارُةُ وَاللَّهُ مَا اللَّهُمَ الْمُعْرَدُ الْمَارُةُ وَلَى اللَّهُمَ الْمُعْرَدُ الْمَارُةُ وَلَى اللَّهُمُ الْمُعْرَدُ الْمَارُةُ وَلَى اللَّهُمُ الْمُعْرَدُ الْمَارُةُ وَلَا مُعْرَدُهُ وَاللَّهُ اللَّهُ الْمَارُةُ وَلَا اللَّهُمُ الْمُعْرَدُ الْمَارُدُ وَلَهُ مُنْ اللَّهُ الْمَارِدُ الْمُعْرَدُ اللَّهُ الْمُعْرَدُ اللَّهُ الْمُعْرَدُ الْمُعْرِدُ الْمُعْرَدُ الْمُعْرِدُ الْمُعْمِعُونُ الْمُعْرُودُ الْمُعْمُودُ الْمُعْرِدُ الْمُعْرِدُ الْمُعْرِدُ الْمُعْمُو

١٢ - تما الل بقيع عي المفل مصرت المبرالمومنين متيدنا عمّا ل عمّى رصى الملاعمة بين ان ك

مزاراندريها مر موكر كمال ادب واخرام كعماقة اسطرح سلام كردك.

السَّلَامُ عَلَيْكَ يَا اَمِنْ لِلْهُ وَمِنِيْنَ السَّالِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ ا

التراشد نين السَّلام عَكَيْكَ يَا فُور جرت مُرت مُرة الحرات الم الله مِيها الله

صَاحِبَ الْمِحْرَتَيْنِ السَّلَامُ عَكِيْكُ عُرُوهُ تَوك كَي نعدومبس سيتماري كرف

يَا مُجَهَزِّ حَبَيْشِ الْمُسَرَّةِ بِالنَّقَانِ والْهِ الْسِيرِ اللهُ النَّقَالِي السَّرِ عالَى أَب كو

وَالْعَكَيْنِ جَوْرًا كَ اللَّهُ عَنْ النَّهُ عَلَى النَّهُ عَنْ النَّهُ عَلَى النَّهُ عَلَّهُ عَلَى النَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَّى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَّا عَلَّ عَلَّا عَلَّ عَلّ

رَسُولِهِ وَعَنْ سَائِرِ الْمُسُلِينَ آبِ كو برادد مع اور آب مع

وَرَخِيَ اللَّهُ عَنْكَ وَعَسَنِ اور تَمَام صحابه سع الله تعسالا

الصَّعَابَةِ اَجْمَعِيْنَ ٥- المَّعَابِةِ اَجْمَعِيْنَ ٥- المَّعَامِدِ-

سے پیلے متید الستہداء صفرت جمز ہ رحتی الشّر عنہ کے مزادِ مقدی بریسلا) عومن کر ہے اور حفرت عبدالشّدین خبش اور صفرت مصعب بن عمیر حنی الشّرعنیا بربھی سلام عرمن کرسے لا یک روا بت ہیں میردو نوں بہیں مدفون ہیں ۔

مربته طيته کے چند کنو یک

19۔ مرینہ طینٹر کے وہ کنویکی ہو صنورا قدس طی انٹر علیہ وسلم کی طرف نسوب ہیں معین کسی سے وصنو قرابا ، کسی کا پائی توسش فر مایا ، کسی میں اپنا لعاب و میں کو الا) اگر کوئی جاننے والا اور تبائے والاسلے توات مبا رک کنو ڈوں کی مبی زبایت کرو، نماص کر مندر میر فہاں کنو وُں کا خیال دکھو۔

بریمزاں وادی عقیق کے کا الد مورد مسے ایرکزاں وادی عقیق کے کنا مے پردریہ منورہ سے میریم کو میں اس میریم کی الد میں اس اس میریم کی الد میں ایک میں اس میں کو بیٹر کو بیٹر رومہ "جی کہتے ہیں ۔ یہ وہی کنوال ہے حس کا مائد ایک میرودی مشااور مسل کو بان کی تعلیمت می کو میں میراس کو بین کی تعلیمت می کو میں میراس کنو بی کردیا ۔ کنو بی کردیا ۔

میکر ارسی ایر کنوال مسجد قبار مصنفان کھم جانب سے اس کورد بیرخانم می کہا جاگا میکر ارمی اس سے کرصنرت عمّان رضائٹ دعمہ کے باقد سے ہم تربوت کی انگونٹی اس کنوئی میں گر گئی اور ٹری کاش دجستجو کے باوجو دہمیں کی صعنورا قدم میں انڈ علیہ وسلم نے اس کنوئی کا باتی برا کا وراس سے دھنو فرایا اوراس میں ان العاب دین

و م معدا مى موسى كا ياق بيا الوار المصفح وسوفر بايا ورا ق ب ايا لعاب در

مرکر استان استان المستان المستان المبتان المب

کا دُما فرائی ہے۔

میرس علی ابوطنو معابی رض مجیدی کے سامنے شال مفیس سے باہر ہے۔ بیکمؤال مشرس علی ابوطنو معابی رضی الشرعی کے سامنے شائی مفیس سے باہر ہے۔ بیکمؤال مشرس علی ابوطنو معابی رضی الشرعی کے باغ میں مفاصفورا قدس میں الشرعی کا کر اس مبکہ جلوہ افروز ہوستے سے سے اور اس کا بانی نوش فرائے سے کی ترین مبارک کن کا کو الکی بیٹ کو بند کو بہت زیا دہ محبوب مقال میں ہے تریب ہے اس کو مداکی وا ہیں معد فرکر دیا۔
میرس میں میں معرفی معلیہ لسماؤی والنسلیم فروز فرایا ہے اس کا بانی قدرے کھا دی معمول میں میں میں معلیہ لسماؤی والنسلیم فروز فرایا ہے اس کا بانی قدرے کھا دی میں میں میں میں مارک کی اس کو بیٹ اس کی بیٹ اس کی بیٹ اس کو بیٹ اس کی بیٹ اس کو بیٹ البیار میں میں کہا جاتا ہے۔

مربيته منوره كي يندمسجري

۱۵ - در برمزاده کی جندمتهٔ ورمسجائی کاچی زیادت کرے اور برمسجادی کم دو دادر کعنت تحتیر المسجد بارای کار دوائی مانگے رصعوی تنت کے ساندان مسجدوں کی ۔ مسیح کم مجمع میں میں میں میں میں میں است سے جا نب مِسْرَق ہے پہلا جمع معنوا قابس مسیح کم مجمع صلی استرعلہ وسلم نے اس جگرا دا فرایا نفا ۔ مسیح کرم عمر اس مگر صنور نبی کرم علی الصلاح ، دا اسلام عبدین کی نماز برصف تھے

اس بیے اس کومسجد حتی ہی کہتے ہیں۔ مسيحالومكروتى المسرعتم إيسبدبا كلمسيدغام كحقربب سنال جانب مسبی علی رضی الشرعت ایسبد بھی عام سے باس ہی ہے۔ یمسجد حنت البقیع محمشرق بس سے مسجد کے قریب ایک بغیریں کا حصورصی اللہ علیہ وستم کے نچر کے کھر کا نشان سے راس لیے اس کو مسید مغلم کینے ایں ۔ مغلم کے معنی نچر سے مسيحدا جام المسجد حبّت البقيع كي شال جائب ب ايك ون محقور في التارطيم المعلم ال یرمحد حبت البقیع کے بالک فریب ہی ہے اس حکر بالمعمق معزت أتي ين كعب دمنى الترعنه كا مكان نفاجعنوا ا نورصلی السّعلیه وسلم کھی کھی ہیاں رونق ا فروزم و تنے اور نماز پڑھیے سننے ۔ مد ا باب عنبر یہ کے قریب دیلوے شیش کے انددایک قبر ہے حس کوقیہ الروس كيت بيراسفياب كنوال سي الروسفيان بربراسفيائي حعنود مل الشر عليه وسلم في جنگ مدرس حافي وست يهان نما ذا وا فرما أي عني -يرموسن بها لى كم مغرف كن مدير الله و جنك خندن ك موقع براسی می مصنور می اسل علیه دستم ی و عام غیول موتی اور كانوں كوفتح تغييب بوكى ـ اسى يلي بعن لاك است سجدا لفت مى كيتے بى اس كةرب مِن بيار دوروى مسيدين عِلى بين ايك كانام مسجدا لو كر، دوسرى كانام مسجد عر، تديسرى كانام سيدعمًا ن ا ور چوتقى كا نام مسجد سلال سيد ان باتيون مسجدون كومسا بعيمسركها بالليد

یر میارون مقامات در حقیقت جنگ کے مورسے متے اور برمیادون صحابر ام ایک یک

مور حریر میتعین محقے ۔ ان معزات نے ان مور سوں میں نمازی بھی پڑھیں اس لیے یہ کئے بہاڑی کی گھا ٹی پرمسجدا حزاب کوجائے مہوئے دا ہی طرف ا مسجدوا فع ہے اس کی تاریخ بر سے کر سعنور صلی اللہ علمہ وسلم نے اس جگرنما زیڑھی ہے۔ اس کے قریب ایک غارہے جس بر معنور صلی انڈ ملیرولم برا کس تربروی اتری متی اور مبل خندق مے موقع بردات کواس فارین اکام فرات مع اس كى بى زيارت كرنى جائيے . برسجد ذباب کی بااٹری برہے۔ بوجل اُمد کے دامتر کے ا بن ما نب سے . جنگ خندق مے موقع براس مگر حفوا على لصلوة والسّلام كانحيه كالراكيا فقا. سجدوا دی عقیق کے قریب ایکٹیلر رہے۔ اس مگرست المقدس كے بجائے كعبر ترایف قبل مقرر مواراسي يال ال والى كامترقى معتدي يمسجده اس بكر بونفيرك يهودون م المراق المرافع المرافع كى حالت بي معنور ملى الشّر عليدوكم في مناز برعي عنى اس كا دومرانام "مسيدهم" بى بىرام مى كونورى مكومت نے شهيد كرواللہے -المرامرو بى نفيرك وتت يبان صفور ملى الشرطير وسلم في الأوليا فمرمظهم عنا يرسم ذهنع سع جانب مشرق تقواس فاصلر يرسع ربنى قريغله بع مبانب شال داقع بيداس مم ملاحتم صفورا قدم مل المتدعليروسلم كمصاحراده حفر ابرابيم دمنى الشدعنه بيدا بموش تخفء اوراس مگرحعتور صلى الشدعليدوسلم سفنماز

مجى يرعى

دربارا قدا قدس سے والسی

مرکے بینے بی جوان کے دربہ جاتے ہی سسن جی کے مرتے بی بواتے ہی درینہ حجوا کر

یوب در بر مورد سے والیسی کا ادا دہ مورو مسجد تبوی سربیت با بہار صنورا قدی مسجد تبوی سربیت بین با ارصلی مسلم سے مسلم سے قریب جہاں بھی سے دور کھت نفل مرصلی ۔ اس کے بعد بنہ بی بال سے سامتے مواجرا قدی بی جا مرکز برد و زاری بی قوب کر دروقع کے سامتہ صوارہ و وسلام عوش کریں بجرد و توں جہان کی مبلال ، بج و زاری بی قوب کر مفیولیت اور صعور ارشفاعت کی مسعاوت اور خاتم بالخر کے لیے توب کر کو گر الحمام مفیولیت اور صعور ارشفاعت کی مسعاوت اور خاتم بالخر کے لیے توب کر کو گر الحمام اور دو تو بوٹ کے دائوں اور دو توں اور دو توں بار باری ما حری کا یہ آخری ہو تو ما میں ما موروث کو ما میں ما موروث کو ما موروث کی ما موروث کو ما موروث کی ما موروث کو ما موروث کی موروث کی ما موروث کو ما موروث کو اور دو توں اور بوٹ کی موروث کے دی ہو میں اس کے بعد دو صنہ موروث کی طرف دیکھتے ہو سے اور دو اور دو توں کے دی ہو میں اس کے بعد دو صنہ موروث کی طرف دیکھتے ہو سے اور دو اور دو توں کے دی ہو میں اس کے بعد دو صنہ موروث کی طرف دیکھتے ہو سے اور دو اور دو توں کا دوروث کی دو توں کی کا دیدار کرتے میں اس موروث کی کوروث کی موروث کی

مدیز جاؤں مچراکوں دوبارہ مجر جائوں اسی میں عمر دوروزہ تمام ہو جائے



الالميات

ہمس کی ہے تشا ہنشاہ بطی کی رصا ہوئی ده ليفي و گئي سے رحمت يرورد كارامني

كحانے كاطريق

کھانا کھانے سے پیلے اور لعد میں دونوں یا تھ کھوں مک دھو مے مون ایک با بافقطا مكليال مى مذ دهو في كراس سيستن ادار موكى لكن اس كادهيار بدك كها نے سے يملے ما فقاد صوكر لو تھينا نرما ستے اور كھانے كے بعد بافقاد صوكر تولير ما روال سے لو تھے لینا چا ہے تاکر کھا نے کا اثریاتی ندر سے۔

(ترمزى جلدهم عروعا لمكرى حلده ص ٢٩١)

ربسمانند بيره وكركها نا نشره ع كري الدوليند أواة مصحبم المنز مرهبين ماكر دوسم نوگون كوعى يا دائها ئے اورسىپىسىما ئىنر فرھلىن اورا گرىتروغ مى ئىم افتاد برسا عبول كى بو توجب ياداك يردما بمسعد شيراشوا وَله وَاحِدِه انرفرى مبلاس م

روئی کے ادیرکوئی بھر نزر کی اور ہاتھ کوروٹی سے تربی کھیس کھا ا جمیشہ داہت الم تفسير كما يش والمرسير كما ما بين شيطان كاكار بعد ومشكوة مبلا ص١٦٣) مسلم مركها ناكها نف وقت ايان ياؤن بيما صه يادا بهنايا ون كفر اركه على الرن ير يتعقدا ور دونوں كھنے كھڑے ديكے اور اگر بھارى يدل ياكمز ور موت كى وج سطاس طرح تديم في سيك تو يالتي المركف كه استديم في كوئى حرج نهير، كما نا كها ف ك وديماً كچه با نبي كي كرتا رسيد بالكل حيب رسنا يرمحوسيون كاطرليرسيد كركوني مهموده يا

تمیموم راست برگر مزیک بلکراچی ایمی بانی از مالے محالے کے بعدانگلیوں کوجا

نے، اور برنن کومی انگلیوں سے بونچ کر ماٹ سے ، کھانے کی ابتداء تمک سے کریں ا در تمك مى يرخم كري كراس مي بهت سى ميادلين سي شفاد سيد . كما في كم لعد م وعا يُرْصِين وَالْمُعُدُّدِينِهِ الَّذِي اَطْعَمَنَا وَسَفَا ناوَكُفَا نَا وَجُعَلْنَا مِنَ الْكُلْلِيْنَ كُمانَ ك بعدصا بون لكاكر ما عقد دصو في من كوئى حرج نهيس كھانے سيقين عوا) اور جوانوں كے إ تقريميد وصلائے جائي اور كھانے كے بعد على وصفائح اور لور صول كے با تقريب دھلائے جائیں۔ کھا ناکھا لینے کے بعد دستر نوان بیصا حب نما تر اور ما عربی کے بلينم وركت كي دعا مامكني هي سنّت مدر در مقار ورد المنار حلده ص ٢١٦ وغيره) مسكر ما وك بهيلاك اورلبيك كراور بيطة بهرت كيه كها نا بينا تعلاف اوب اورطر لفر منت محفلات بيصلاتون كوم بات الدم كاسلامى طرافتول كى بايندى اود آوا ب مقت كى تا بعدادى كرنى چاپىيے -مستسلم ر بیاندی سونے کے برتوں میں کھانا چنا جائز نہیں ملکوان چیزوں کاکسی طرح سے استعال کرنا درست نہیں۔ جیسے مونے میاندی کا جج اِستعال کرنا یاان کے بنے ہوئے خلال سے وامنت صا ت کرتا ، اسی طرح چا ندی موتے کے بنے ہوئے گا ب با^{یگر} سے کل بے چیواک یا خاصدان میں بیان دکھتا یا جا تدی کی سال ٹی سے صرمراسگا تا یا جا تدی كى بيا لى من تيل ركه كرتيل لكامًا يرسب حوام سعد ودومخماً دورة المحماً دحلوه مى ١٧١) کی کے بہاں دورت بی جاؤتو کھانے کے بیے بہت مصری مزخلام اداب اردرانسائرندية لوگون ك نظرون يلكم موصل عركماناسامة ا ئے تواطیبان کے ماقد کھاڈ ، بہت جلدی جلدی مت کھاؤ، دو مروں کی طرف مت دیجیوا وردوم روس کے برمنوں کی جا نب نگاہ مت طالو، تجرداد کسی کھا نے من عیب مة نها لوكراس سے محروالوں كى وِل شكتى بوگى اورسنىت كى مخالفت بھى بوگى كيونكم بها در ومول من الشرعلية وملم كامتقدس طريقيري متعاكر كعي آب فيكى كهان كو عيب نهيس لنكايا رمكر ومترخوان يرج كها ناكب كوم خوب بروتااس كوتنا ول قرطن

اور ہو تا ابستد موتا اس کو نہ کھاتے بعض مردوں اور عور کوں کی عادت سید کردوت سے
نوٹ کر صاحب نمانہ پر طرح طرح سے طبعنے مارا کرتے ہیں کمجی کھاتوں ہی جیب تکا لئے
جی کھی منتظین کو کو سنے دیتے ہی میرائج رہ سید کرمردوں سے زیادہ عورتیں اس مرمن
میں مبتلا ہیں۔ لہذا ان بری یا توں کو چیوٹر دو بلکہ بیطراتی اضتبار کرد کر اگر دعوتوں بی تمہار کے
مزاج سے خلات بھی کوئی یا سے ہموتو اس کو خترہ پیشانی سے ساتھ پردا شت کردا ورص سے
خامنہ کی دلجرئی کے بیاد چند تعرایین سے کھات کہ کراس کا سو صلم برطرصا وورالیا کھنے
ضاحب ضاحب ضائم سے دل میں تمہارا وقا ویڑھ مائے گا۔

مسئلہ مہ باغفر سے لغر مجھوٹ کو گڑیائے تواس کوا مطاکر کھا لوشنی سٹ بجھا لا کراس کومنا نُع کر دینا اسرات سے ہوگنا ہے ۔ بہت زبا دہ گرم کھانا سے کھاؤ تر کھانے کوسو گھو ، دیکھا نے پر بھوٹک مارمار کراس کو مٹنڈا کرد کر پرسپ باہی تھلات ادب بھی ہیں اورمصر بھی ۔ (روّا لمنآر مبلہ ۵ ص ۲۱۷)

يين كاطريقة

بوکچ میں ہوئے میں ہوئے میں اللہ بار معرکر وا پہنے ہاتھ سے ہوئے۔ بائیں ہاتھ سے مینا شیطان کا طراحۃ سے ہو جزیمی ہوئے میں سانس ہیں ہوئا اور ہرار تیہ برتن سے منہ بٹا کر سانس ہی مبتنا جائے۔ اور میری مرتبہ اور دوو سری مرتبہ ایک محونط ہے۔ اور میری مرتبہ سانس میں مبتنا جائے۔ بی ہے۔ کھونے ہوئے میں اس کی ممانعت سے۔ بی ہے۔ کھونے ہوئے در میٹ خراجے کھونے نہ ہے۔ جب بی بانی جوس جوس کر بہتا ہے۔ میں ہوئے ہوئے گوئے کے ابوایا فی جینئن امراف وگناہ ہے۔ رمای اور مشک سے منہ میں منہ لگ کہ بانی بینا منع ہے۔ اسی طرح کو لے گوئی کو اس میں بائر ہوتو سے میں ہوئی میں نہ ہوتو سے میں بانی بینے کی ممانعت ہے۔ میں کہ آب بینا منع ہے۔ اسی طرح کو لے گوئی کو اس میں بائر بین میں میں ہوتو سے میں بانی بینے کی ممانعت ہے۔ میں کہ آب ورج نہیں در عاملی مبلدہ میں ۱۹۹۹)

مسئور وخو کا بچا ہوا پانی اور زمزم خریف کا پانی کھڑے مہوکہ بپامبائے۔ ان دو کے سوا ہر پانی عید کر منیا جا ہیے۔ صدمیت میں ہے کہ ہرگر تم میں سے کوئی کھڑے ہوکر کچھ نہ ہے۔ اور اگر معبول کہ کھڑے کھڑے پی لے قواس کوچلہ ہے کہ نے کردے۔ رمشکوۃ جلد م ص ۲۷۰)

حصرت شخ عبدالمن محدّت دبلوی رحمترالله علیه في اس مدیث كی شرى بين فرير فرايا كرجب معبول كري ليف بي بيم مي مي كرف كرد مد توقعمداً چيني بين نو بدرم اولي بيم موكار دا شغنز المعات حلواً ص ۲۲ ۵)

مسئلہ سبیں کاپانی مالدادیمی پی سکتا ہے ہاں البتہ وہاں سے پانی کوئی اپنے گھڑسی معماسکتا کیونکہ وہاں چنے کے بیے بانی دکھا گیا ہے دنر کر گھر مے جانے کے بیے دیکن اگر سبیں نگانے والے کی طرف سے اص کی اجازت ہوڈوگھڑس سے جاسکت ہے۔ د عالمگری مبلدہ ص ۲۹۹)

ممشلہ مبالہ وں میں اکثر مگر سیر سے مقابلہ میں بانی گرم کیا جاتا ہے تا کر مسجد میں ہونمانی

ا میں اس سے وقو وقعس کریں۔ وہ یاتی بھی وہی استعمال کریا جا سکتا ہے گر مع الم اللہ اس کے اور استعمال کریسکتے ہیں گر ہمیں
کی اجازیت تہیں اس طرح مسجد کے لوٹوں کو بھی وہی استعمال کریسکتے ہیں گر ہمیں ہیں
د جا سکتا ۔ بعض لوگ تازہ پانی بھر کر مسجد کے لوٹوں میں گھر ر لے جاتے ہیں یہ
جا اُر نہیں ۔ رہما د تر لیت مبلدا اس کا)

سونے کے اداب

كيونكراس صودت بي متركحل حلسف كالادلينير سيطلبي بيست برمونا منع ہے جي يركزسف مے كولى دوك مد بولوم جب وس برس كام وجائے توابى مال يابس وع كم سكان سلامات بلكراتى عركا لط كول اورمردول كمسا عظ معى رسوست (ابن اجرو ترملى وغيرو) مشفهر دن کے اندا لُ حِترا ورمغرب وعشاد کے درمان ا ورعصر کے لعدمونا کروہ ہے (عالمگرى حلده ص ٣٢٤ بهاد شريعت حلداص ١٩) همشله رشال که طرف یا ^{کل مجی}یا کو مل مشرب و تا جا ترکیستاس کو تا جا کر محمد اعلی سے جا البنة مغرب كى طوف يا فل كرك مونا يقينًا ناجا تزيد اس مي قبله كى بداد بى ب مسلم رسول الشصى الشعليه وسلم ن زبابا مصكر جب دات ك انبلاق تا ديك اجا نو بي لوكور من مسط لوكراس وقت من شياطين ا وهو أده زيل الست من معرجب ابك كفرى دات ميل جلك تو بحول كو محور ووا در بم استر مرهكر در وازول كو مندكر لوادر الم السرير عدد اورس كے من ما رو دو اور ورس لو دومانك دور اورس نے و تت واقع كوبجعا دوادرسون وتت ابن كرون من أكرمن فيورد ربدا كرتمادى وتمن بيرم مواكرولواس كو بجها دباكرو- (. كارى وسلم والحدادد وغيره) مستلم وان بس جب كون مع بعونك اوركرهول ك بولن كى آوازى سنو تو أعُوْدُ بِاللَّهِ مِنَ الشِّبْطِي الرَّحِيمِ و برم مور وترق السنة) مستسلم- اگردات بس کوئی درا وُ تا نواب نظراً کشف با بی طرف بین با دخفوکنا چا سنت اور عن اراعُود بالله من السَّيْطن الرَّحييم مد برعكرا وركروط بدل كرمورسا على الله اوركى سير على اس تواب كا وكريز كرنا بياسيك سان شاد الشرتفالي اس نواب سيكوني نعفان تهيس بيني كار رمشكوة مبلد اص ١٩ ٩٧) مشله این فرن سے جوٹا نواب گھر کر لوگوں سے بیان کرنا حرام اوربست مراگناه سے۔

سلم رمونے سے پہلے لبتر کو بھاٹلینا سنت ہے۔ بب موکراً مٹے تو یہ دعاء ير ص اَلْمُمَدُ اللهِ اللَّذِي آخِيانًا بَعْدَمَا أَمَا تَنَا وَ إِلَيْهُ النَّشُورُ ط اورلبنر سے اُ تھ جلئے۔ (ما لمكرى)

لياس كا يهنتا

آننا لباس میمننا حزوری سیے کرجس سے منزعورت ہوجائے عوانس بہت بارمک اورا تنا يحمن لياس بركزن بيتي كرجس سے برن كے اعصا د ظاير موں كر عور توں كو الساكيرا ببننا وم معرديمي يا جامرا ورتهيدا تنفياريك الديلك كيرا عدكا مهيني كريس سے بدن كى دىكت جھلكا ورستر لوئى مز موكرمردوں كونى اليما تبدندا ور ياجامه مهننا جائزنهس

مسلمر مردوں کو دھونی نس مینی جا سے کروموتی بیننا سدوول کالباس ہے الداس سيمنزلوشي معي اسم بوتى كر خلية أعظة مبيضة بن اكثرران كالجيلا حقد كمل جاماسیداسی طرح بروه لباس جوسودو نشاری با دوسر سے لقار کا توی ما مذہبی لباس بيسلانوں كوم ركز شيى بيننا ما يستے- دبهاد خرليب مبلدا ص م ٥

اودالبيا ننگ لياس عي نا ما تُرب كرخس سے دكاع وسجود مذموسكے ، نيكواود جا کیرہی ہرگزنہ مینیں کر گھٹؤں اوردان کا کھولٹ کوام ہے۔ ہاں سبد کے نیجے

الرسكريا ما نگر مهنيس توكوئي مريج نهيس.

مسلم رمردوں کورلیٹی لماس بینٹا یا اولکول کو میٹانا ج اورعورتوں کے لیے جائز بدنكن اگردنتي كري على السوت كامورنانا دلينم كاموزوري الموا کے بعے می جا ترب - (عالمگری حلرہ ص ا ۲۹)

مسلم عودت كاسادا بدن مرسے بيزنک جيا ئے د كھنے كاحكم سے كى غيرمح

مصمامنے بدن کاکوئی عصر کھولنا جا تر میں ۔ (مالمگری جلدہ ص ۲۸۸)

مسلمر والزعورت كوعرموم كاست جره كمولنا باسرك كيوم مرسي وريرس دوريرا الماري جائر تهبى داسى مصمعلوم مواكر بعض عكرنى دلين كامنه دكها في كابودستورسي كم كنيروا لي الدرنشنة دادلوگ الكردلين كامنه وينطقين اور كيدرنم منه د كما أن من دلين كو عبتے بن عفرمحم اوگوں کے بلے بربرگر جا کر نہیں ۔ مستكبر بردول كوعودنول كالباس ميتيتا ا مدعودنوں كومردوں كا لمباس ميتنا ہى منع سيه . (الودافكرملدم ص١١٢) مسلمہ سفیدکیڑے بہتر ہیں کہ مدیب ہیں اس کی تعربیت کئے ہے اور میا ہ دنگ کے كيرك بي ببنريى ين - حديثون في أياب كررسول الشرصي التدمليروسل فتح مرك ون جب فانخار حیثیت سے کرمعظر تشریف طائے تومرا قدس بر کالے ذیک کا عام بخناكم وزعفران بي زبكا بهواا ورمرخ رنگ كاكميرا عور نون كم يليم جائز او دروون كے بائے تن ہے - (در مخمار ورد المخمار جلدہ ص ٢٢٨) مستسلمر علاء ونفنهاء كوالبيها لياس مبيننا حياسيني كمروه مبجيان حاثبي تأكروكو راكو ان سے علی فائرہ حاص کرنے کا مو فع مے اور علم کی عزیت ووقعت میں لوگوں کے دلون مي بيدامو - (رد المخاروم ارشر لييت ملدا اص ٥٧) مشلہ ۔عودتوں کو بجراری دازننگ یا ما مرہیں پہنٹا چاہیئے کراس سے ان کی پیٹرلیو اوددان<mark>وں کی بنا وسے</mark> اورشکل ظاہر ہوتی ہے۔ عور توں کے بلے ہی بہترہے کراٹ کے یا جا مے عوار سے یا ڈھیلے دھا ہے اور شیعے موں کر قدم عیب ما بی ان کے بلے جا تك يا وُل كازياده سے زياده حِيسة جيب جلئے يربهت ہى اچاہے۔ مستملد مردون كايا مامر بالتهبند مخنول سي نيجا بونا سخت من سع راودالله تعالى كوبهيت زياده نالبسندسے۔ مستگرراون اور با لوں کے کیڑے مصرت انبیاد علیم السلام کی منتست بی اور بہت سے اولیا ء کا طین اور فرار کائن دین نے اپنی زندگی عبران کیڑوں کو پہنا ہے۔ مدیت بی ہے کراون سے کی سے مین کواپنے دلون کومتور کرو کریہ دنیا بی والت سے اور انفرت ای نورسے ۔ (عالمگری جلدہ ص ۲۹۳)

ممشلهر كيرادا منى طرف سے بينامثلاً يعلے دائن أستين دائنا يا تنير بيننا برسنست

ہے۔ نیالباس بیننے وفت بردعا فرصی جاسکے۔

لين اس الندك بي حديث في ي ميناياا در مجع رزق دما ميرى طافت وقوت كے - دا بودافد صلداص ۲۰۱ مجتبائی) ٱلْحَمْدُ يِنْهِ الَّذِي كَسَانِيُ ڟڎٙ١٥ٙڒڒؘڡۜٙؽێؾۅ<mark>ؠؿ</mark>۠ۼؘؽڔ حَوْلٍ وَ لاَقُوَّ فِي -

زبنیت کا بیان

مردوں کوسونے کی انگویٹی مینینا حرام سے رمرد جاندی کی انگویٹی ایک مگ والی جروزن مي سال سے جارمات سے كم موسين سكتے ہيں مرد سندا تكويلى يا ايك الكويلى كئ مك والى يا تصفى نهي مين سكة كريرسب مردول كريك باح أفري عوقي مونى میا ندی کی ترقیم کی انگونشیاں بھے اور برقیم سے زلودات بین سکتی ہیں ۔ تیکن سونے جاند کے ملاق دوسری دصاتوں متلا اوا، مانیر، بیتی ، رولٹر کولٹر وغیرہ کے زبورات یا انگریشیا مرد وعورت دونوں کے بلے نا جائزیں، بجنے والے زلودات می حوالوں مے بلے متع ہیں ۔نابا بغ لوکوں کو بھی زیورات بین اراح ام سے ۔ پینا نے والے گنبکا رموں کھ ود مخدارود والمخدار طره ص ۲۹۰ و عالمگري صلده ص ۲۹۵)

مسكر تغرلبت بن اما زت ب كم الراس لقال ف دولت دى ب تواجيا لباس ا در منی کمروں کا استعمال حور توں اورمردوں ووٹوں کے لیے جا کر سے بہر طبیم فخر ا ورکھمند کے بے زم وطیر تعمت حواو ندی سے اظہار کے بیے مور مسلد انسان کے بالوں کو عُورت ہوئی بناکرا ہے بالوں میں کو مرصے ماکراس کے

بال زیاده اورنوبصورت معلی مهون به حوام سدا در اگراون با کا سے دھاگون کی جگ

بناكر بالول بس كوند سع تويير جا أر سيد- (عالمكيري جلده ص١٣١٧) مشکہ ۔ دانوں کورننی سے دبہت کرنولھورت بنانے والی اہموسے سے بجوؤں کے بالول كوفرح كر عبوارك كومارك اورخواعبورت منانے والى ان مب عورتوں مرمث س معت الله الم سے - (مخاری حلواص ۱۸۸۰ لرظکیوں کے ناک کان تھیدنا جا درسے ربعن جایل مروا ورعود نیں کراکوں کے بھی کان چھروانے ہیں اور دریا بیٹانے ہیں بہذا جائز ہے لین الرکوں مے کان میں جروا نا نا جائزا وران سے كان بن دلورسنا نائجى تملى سے - دروالمنان عورنیں اپنی ہو ممیوں میں مونے میاندی ، صونے جا ندی کے وائے ، میول ، مسئلے رعورتوں کو کا جل اور کالا مرمر زیزنت کے لیے لگانا جا ترہے مردوں کو كالاسرم محف زميت كے بليدال ناجا تزسع رياں الحرم المحمول كے علاق کے یے نگائے تواسی کوئی کوامت نہیں۔ (ما ملیری ملدہ ص ١١) ارجوام يرعونس مست بي قمتى اوردوق مرق لباس اودشا ندار ترليوات ميني اداب إس ران عدياس بست كما عويم وكران ك مقاعمًا مع كود محكمة كو ائتی مقلسی اور نویمی برانسوس بوگا - اور م خدا و تدکریم کی ناشکری کرنے مگوگ ما مدر نواہ مخواہ دنیای ہوس برھے گی۔ ٧- برمهن بنا وصوكرنات سے شي اور نفل وغيره كے بال دور كر كے بدن كوصاف منفراكر فاستحب بيد برسفة منهو لريندر بوي ون سيى ، زياده سعنيان حاليس دن ، اس سے زما وہ کی اجازت بسی - اگر مالیس دن گزر گئے اور بال معاف ند کئے نوكناه موكا - عورتول كوما صطوريراس كاخيال دكمناجا بيشيكي كرعورول ك كندك ا مدمیور شرب سے شوم ول کو این مولوں سے نفرت موجا یا کرنی سے میرمال موی كة تعلقات معشر كم يله خواب موجا باكرتيمي - و درمنا دم الم

٣ - موٹے کیڑے میغنا اور تھٹے ہوائے کیڑوں پی موندلنگا کر بہتنا اسلامی طرنق ہے (عالمگیری مباره ص ۲۹۳) حدیث شرلیف می رسول الشَّدْهل الشَّد علیرولم نے فرایا کرتیب الك كرسي يوندلكا كمرة بي لواس وقت مك كرا عكومانا نه محبواس بي تبردار فبردار تعبى بركز متى ميو تدلكا كمركير والكو بينف مي در مر مرو - اور راس كو حقر مجمولة اس بركى كوطعتر مارور (ممارتشرلعيت مولد واص م٥) م - ناک مزما ف کرنے کے بلے یا وقو کے لید یا تقمنہ ہو تھنے مالیسینہ لو کھنے کے ليعدومال د كمناعود تول او مردول كريع جائز سيعداس فيد دومال د كمناج استر دا من بالكستين مسع متذممنه يو تحييه ايا ناك صاف كرنا خلاف ا دب اور كمنه او في بات ہے۔ (عالمگری ملدہ ص ۲۹۳) ولا المسلم مردون كوعمامها ندهنا منتت سيع فيحصوصا مماز ر صمساك من كوكر و تماز عمامه با نده كريره ما ق سد راس كا تواب بہت زبادہ موتا ہے۔ مستسلير عامر ما ندسھ نواس کاشملر دونوں شانوں سے درمیان لٹکائے اورشملرزیا و مع زبادہ اتنا بڑا مونا چا سنے کر بیطنے ہی مز دیے ر عالکیری حددہ س ٢٩١) بعض لوگ متمله الكانبي للكات بيستنت مح خلاف سے الد معن لوگ شمله كواويولا كواامي كمرس فيني بي يرهي نسين يا بيئي تعصوصاً منازى صالمت بي أوا بيماكرنا كروه - بهي ، (بهارشرليت علده اص ٥٥) مسكله على مركوب عيرس بالدصمام وآواس كواماد كرزين يرصينك نرف بلكرجس طرى لينيك يد اسى طرح ا دُهيرنا چاريئ - (ما لمكرى على ١٩١٥) مسئلم . تولى مينتا يحي صنور عليالصلوة والسلام كاستنت سيد د عالمكرى علده من ١٩١ معنور التدعليه وسلم أولى مح أويرعامراندهاكرف ففادر فرات مق كرمم بیں ادرممترکین میں برفرن سے کم ہم عاموں کے نیچے کوی د کھتے ہی ا دروہ صرف

بگرای با ندھتے ہی ا دراس کے نیجے تو بی نہیں رکھتے۔ بینانچر مبندوستان سے کفاروشرکس بمى الرهم لمى با ندصت بى تواس كے نيے تونى نبس بينية - (بيار شركيب جلد ا ص ٥٠) مشطهر وسول الشرصي الشرعليه والم كالحيوف عامرسات باغفركا ورجرا عامرمان والت كا ففا المذائب الى سنّت كمطابق عامر دكمتاجا ين إره إقد س زياده برا عامره نارهنامنت كخطات مع - (بهارِ شرليين علدا ص٥١) مستطهر اولياء وصالحين كم مزارون يرعلات وجا در دالنا جا تزييع رجب كمرير مقصود بوكرصاحب مزارك عظمت ورقعت عوام كانظرون مي بيدام و-اورعوامان التدوالون كا دب كرير - ادران سي فيوض ويركات ماصل كري . اوروبال يااوب مامر بوكر قائخ موانى كريس (در المخناد علد ٥ص ٢٣٧) و إلى اور يرعفيده لوك بن ك دلول بي اولياءا مديزركان دين كي حميت وعفيدت بهبيسيد اس كونا جأكز وحوام نفات بي- ان لدگوں کی بات ہرگز مراکز نہیں اننی جاہئے ورد گراہی کا تعطرہ ہے۔ مستسلمر كطيس نعوير ميناما مازو مرتعوملها ندهنا اسي طرح معص دواول ما أينولكو الاعديريا دكابى يركه كرشفادى نتيت سے دصوكر بلا تامى جائز سے يا در كھوكر بعن مدتوں می ہو تھے میں تعوید ڈالتے کی مما تعت اُ ٹاکسے اس سے مرا دزمانہ مجاباتت کے <mark>وہ تعویدا</mark> ين مومشركاد منترول سع بنائے جاتے ہي مدايسے جنزوں كا يمننا أج كل مي وام سع لبکن فران کی اکیتوں اور مویٹوں کے تعویدات مجمیتہ اور مرتب کے میں جا کریں اور اب بھی جائزیں۔ دور مخار ور والمخار حلرہ میں ۲۳۲)

ممسئلہ۔ بچھوسنے بامعنیٰ یا دمترنوان یا کھوں بامسندوں یا معالوں پراگر کچھ کھا ہوا بونوان كواستعال كرما حاكز تهس رير اكمعا ده خواه كمير ون مي بى بوئى بو بانمازي بو يى بوكى بو بارد سنائی سے کھی موئی ہو۔ الفاظ موں با مروف ہوں ۔ ہرصورت بس ممانعت ہے كيونكه تقيم بوشي الفاظا ورحروف كااوب واحترام لازم سهد

(دروالمخارجلده ص ۲۳۲)

مسئور بن کی کولی بن کرا لیدید کرگار دینا تاکه دیکھنے والی کی تظریب اس پرپڑے اور کھینوں بن کی کولی بن کرا لیدید کرگار دینا تاکه دیکھنے والی کی تظریب اس پرپڑے اور بخوں اور کھینی کوکسی کی نظرتہ گئے۔ ایسا کہا سے نہیں ہے کہ بند نظر کا لگنا مدمتوں سے تاہیں ہے اس کا انگار نہیں کہا جا اسکیا ۔ حدمیت فردی بن ہے کہ جدا ہی یا کسی سیان کی کوئ بچر و بچے اوروہ اچی کھے اور کے شدا جائے تو فوراً پروعا پڑھے تبکار کے امدہ آئے سک یہ اگزالیون ، اللّق تر بار لا کی شار دو بن کہ جے کہ اللہ برکٹ وسے اس طرح کہتے سے نظر نہیں گئے ۔ درد المخار جادہ ص ۲۳۳)

مسئلہ علادو تقہاد کوالیا اس بہتنا چاہئے۔ کروہ بہجائی تا کرلوگوں کوان کے سے مسئلہ یہ بہتا ہے۔ کہ وہ بہجائے تا کرلوگوں کوان کے سے مسئلہ کی ہوئے ہے۔ کہ وہ بہتا ہوں کے مسئلہ کی مسئلہ کہ کہ کہ کہ مسئلہ یہ کہ کہ کہ الماکیا وہ مسئلہ یہ مسئلہ یہ کار کو اس کا الٹاکیا وہ ایسے مسئلہ یہ مسئلہ کار کار کا الٹاکیا وہ ایسے مرض می مسئلہ کار کار کی دوانہیں ۔

(بہارشربعیت حدیاص ۲۵۸ بحواله صنبا دالفلوید فی لباس المحوی) مستشله سربا جامه کا تکیر نه نباشنے کہ بیراوب سے خلاف سیصے اور حامر کا بھی تکبیرنہ بنا ئے۔ (بہارشرلعیت جلد ۱۱ ص ۲۵۸)

پیلنے کے اداب

المدتعا لل في قرآن مجيد مي ارشا دفرمايا سيدكر:

وَلاَ تَمْشِ فِي الْرَدْضِ مَرْعًاه

إِنَّ اللهَ لَا يُعِيبُ كُلُّ فَنْتَالٍ

فَخُورٍ ٥ وَ اقْعِيدُ فِي مَشْيِكً

وَاغْفُنْ فِي مِنْ مَوْتِكَ إِنَّ

ٱنْكُرَ الْاَصُوَاتِ لَعَسُوتُ

التَصَيِيرِدِ بِارِلا الركوع ١١١)

دومرى أيت مي ارتفاد فراما:

وَلاَ تُمْشِ فِي الْأَرْضِ مُوْعًا مِلْكَ

لَنْ تَغْرِقِ الْارْضَ وَلَنْ تَبْكُمُ

الْجِيَالِيُ كُولِلا (دِادِه ١٥ ركوعم)

تبسري أيت بي فرايا كه:

وَعِبَادُ الرَّحْلَنِ الَّذِينَ يُعْثُرُنَ

عَلَى الْاَرْضِ هَوْنَارِ بِالرَّامِ ١٩ د كوعم)

اورزین پراتراکرمت مپلورگوئی اتراکر مینے والا نخر کرنے والا الله کولسندنبیں سپھا ور ورمیا فی میال جلوز مزمست ہی انمشر اور ن بلامزورت دوڈ کر) اور بات بیمیت بیل پنی

اوا ذلبت رکھوجشکسسیاً وادوں میں ب^ی اوا ڈگرسے کی ہے۔

معیٰ توزین پرا ترا کرمن پی، ہے شک توہرگز نہ تو زمین کو چرطواسے گا ورنہ تو مان عاص ساطرہ کی تہنم گا

بلندى مي پهار ون كو پينچ كار

بعنی رحمٰن کے سرے وہ یل ہوزمن ہے۔

آبِمتہ چلتے ہیں ۔ وائش باش بیٹتے اور چوستے موسلے عین

مسئلر بطنع بن اترا کرمین یا اکرط کرمین یا دایش باش بین بین اور جوست بوشے طینا یا زین پر یا وُل ٹیک ٹیک کرمین ، یا بلا صرورت دوڑ نے موستے میں ، یا بلا مروت ا د حراُد حرد یجے بورثے مین ، یا لوگوں کو دعم کا دینتے ہوئے جلنا 'یرسب افٹاد تعالیٰ کونا لیسند ہے ، ا وردمول الشرصی الشرطیر وسلم کی سنست کے نملاف ہے اس

ر المجارة المحادث المراد المحادث المرادة المحادث المحادث المحادث المحارث المح

صدیث شریف بی بسے کرایک شخص دویا دری اورسے موتے اتدا اترا

کرچل دہا تھا اور بہت گھنڈ ہی تھا تو انٹرقعا لی نے اس کو زہن ہی وصنسا دیا ساور وہ فیا مت مک زہن ہم وصنستا ہی جائے گا۔ دبخاری مسلم ومشکوۃ جدد میں ہم) ایک حدیث ہم یہ محی اکیا ہے کہ چلنے ہم سجب تمہا ہے مسلمنے عورتیں انجائیں تو تم ان کے درمیان بی سے مت گذرور واصف یا با بش کا داستے ہے لور

رفتعب الا بمان بهرقی) مسئلہ - راسنہ چوو کرکسی کی زین بی جلنے کا عن نہیں ہاں اگر وہاں راستہ نہیں ہے تو چل سکنا ہے گر جب کر زین کا ما لک منع کرے نواب نہیں جل سکنا ریح کم ایک خص کے متعلق ہے اور جب بہت سے لوگ مول نو جب زین کا مالک واصی نہ ہونہ بی جانا جائے ہے۔ لیکن اگر داستہ یں بانی ہے اوراس کے کما اے کمی کی ذہن ہے ایسی صورت ہی اس ذہن پرجی سکتا ہے - رہماد فراست جلدا می اے بحوالہ عالم کری)

بعن در تبر کمین او یا بونا ہے طاہر ہے کاس بن جبانا کا شت کا دے نفضان کا مسبب ہے۔ ابسی صورت بی ہرگر اس بی در جلنا چاہئے بلکہ بعث در تبری شدی ارکبر اس بی میں نہ جلنا چاہئے بلکہ بعث در تبری شدی ارکبر سے جلنے کے کنا ہے برکانے رکھ لیتے ہی رصاف اس کی دبیل ہے کہ اس کی جانب معید جلنے کی ما نعمت ہے اس پر بھی لیف لوگ تو تی نہیں کرتے ان لوگوں کوجان لیزا چاہیے کی ما نعمت ہے اس پر بھی لیف لوگ تو تی نہیں کرتے ان لوگوں کوجان لیزا چاہیے کہ اس صورت بی حین امن ہے۔ (بہا دشر لیدت جلد ۱۲ میں ۱۷)

أداب محلس كابيان

المتدتعالي في قرآن مجيدي الشاوفراياكر:

اے ایمان والو؛ بحب تم سعے کہا جائے مجلو بمی جگر دبرہ توتم لوگ حگر دسے دورا دشہ تم کو مگر ہے گا را در مب تم سعے کہا جائے کہ اکٹ کھڑے ہموتوا تھ کھڑے يَاتُهَا الَّذِيْنَ امْنُوا إِذَ ايِّيْلُ لَكُمُ تَفَسَّنَكُمُوا فِي الْمَعْلِسِ فَافْسَمُوا يَفْسَعُ اللهُ لَكُمُ وَ اذَا قِيْلُ الْمُنْزُور فَانْشُورُوْ الْمَيْرُفَعِ اللهُ اللّذِيْنَ الْمُورُا بمواكروء المدتم برسص بيان والول اورعم مِنْكُمْ وَالَّذِيْنَ أَوْتُسُوالْعِلْمَ والوں کے درجات کو بلندفرا سے گا۔ وَرَجْتِ (بِالرَّهُ ١٧ ركوع ٢)

رسول الشدصى الشرعليه وسلم نے ارتشا وفرايا كركوئى شخص اليسا نركرے كرعبس سے کسی کواکٹا کر خوداس کی مبکر پر بلیط جائے ملکرا نبوالوں کے لیے مبعط ملے اور مگر کتا دہ کرفے ریخاری وغیرہ) مجلسول می ہمردوعورت کوان چندکراب کالی ظردھنا ماستے۔ اركسي كواس كى جگرسے الحاكر توروط برست معطور الوداؤد ملور ص ١١١١)

م - كوئى عيس سي الط كركسي كم كوكيا اوريه معلوم سع كه وه العي البيكا تواليي مورت

یں اس عگرکری اورکو بھٹا نہس میا ہنے وہ مگراس کا بی ہے دا او دا وُد حدام م ١٣١٨ س ۔ اگردو محص علس میں ماس ماس معظیمر ماتمی کرد سے موں نوان دولوں کے سے من عاكرتسب معطيها نا جاميئي وإن الدند اكروه وونون الني توسى سعتميس ايند ورمنان

مي سطائل تو ينطف بن كوئي حرج نيس _ (الووادُ وجلدم ص ١١٤)

م - بوزم سے طافات کے بلے آئے آونم توسی کا اظہار کرتے ہوئے اس کے لیے درا این عگر سے کوسک جاؤجی سے وہ جانے کرمیری فار وعرت کی۔

٥ - مجلس سي مروارين كرمن البيطو ملكه جهال معى مكر مله بيره جا و كم علا اورع والتلا تعالی کو بے صد نالب تدریعے را ورتواضع ا ورانکساری استرتعالی کو بہت زیادہ

۷ - مملس جينبک آئے نواپنے منر پر ہاتھ يا کوئی کپڑا رکھ لواور نسب اُواز سے بنيکو ر ا وربلندا وازس المحدث الله كموا وربلندا وازسه صاحري معلس جواب ين يَرْحمك الله كس

ے۔ جما لی کوجہاں تک ہموسکے روکو ، اگر تھے بھی ندار کے تو ہا تھ یا کیارے سے معنہ و معانک لو۔

٨- يهن زور سي قبقبرلسكا كرمت بنسوكراس طرح سنسف سع دِل روه موجانك -

۹۔ مجلسوں بن لوگوں کے ساسنے تیوری پڑھا کراور ماتھے پریل ڈال کر، ناک مز پڑھا کر مست و بھوکہ بر گھنڈی لوگوں ا وزمنگروں کا طرلقہ سے بلکہ ہنا بہت جا بڑا ندا زسے غربیوں کی طرح بیطو کوئی بات مو فع کی موتو لوگوں سے بول چال بھی لو، نیکن ہرگز ہرگز کر کے بیات کو مت کا لو، نیکن کی دُل آزاری کرو۔ مزکوئی گناہ کی بات بولو ۔

ار مجلس میں خبر دارخر دارکسی کی طرف پا ٹوں مزمیسیا ڈیر بالکل ہی خلا ف ا دب ہے۔

ار مجلس میں خبر دارخر دارکسی کی طرف پا ٹوں مزمیسیا ڈیر بالکل ہی خلا ف ا دب ہے۔

مجلس سے اسلامی مزیر بر دعا پڑھ کے منا میں کے میاب میں کو مٹنا دیں گا اور جشمی مجلس خرا ورمجلس وکر میں اس ڈی الشرن کی اس کے گناموں کو مٹنا دیے گا ، اور جشمی مجلس خرا ورمجلس وکر بین اس ڈی ال اس کے گناموں کو مٹنا دیے گا ، اسٹر تو الی اس کے بیاد اس خیر درجی کر دیے گا۔

بی اس ڈوما کو پڑھے گا ۔ اسٹر تعالیٰ اس کے بیاد اس خیر درجی کر دیے گا۔

(الودا وُدُ جلد اس جرام میں والا محقیاتی)

سے اللہ ہم تری نعرلیب کے ساتھ تری یا کی بیان کرتے ہیں۔ نیر سے مواکو ٹی معبود نہیں میں تجھ سے بخشش مانگر آبوں اور سُبْحَانَكَ اللَّهُمَّرَ وَبِحَمْدِكَ لَا الْهُ اِلْاَانْتَ اَسْتَغْفِرُكَ وَا تُوْبُ اِلْيُكَ دربارِس نُربِكُمْ تَامِون »

تبان ك مفاظت كابئيان

بان بجیت بم به بیشاس کا دهبان رکھوکر تمهامی نباسے کوئی گناه کی بات نز کل جائے حدیث ترلیف بیں ہے کہ بہت سے لوگوں کو ان کی زبا نوں سے بی ہوئی با تیں جنم بیر بے بائی گی۔ اس بیے خاص طور پر بات جیت کر نے بی ان با توں کا خیال رکھو۔ ۱۔ بے سویے بچھے م کر کوئی بات ممت کہو، جب سوپ کر تمہیں یغین ہوجائے کر بہا ا کی طرح بری تہیں تب بولو ورمز ہو کئے سے چپ دمہنا بہتر سے۔ ۲رکی کو بلے ایمان کہنا یا یہ کہنا کہ فعال پر خواکی ار، تعداکی بھٹے گار، تعداکی لعنت، ضوا عصنب بڑے بفلاں کودا زی تعبیب مواسطری سے پولٹا گناہ کی بات بیے سکوابسا کہا ہے اگردانعی وه السا مرم انوبرمسادی لغنت اورمیشکادکودی کرکھے والے برزے کی۔ ٣ . اُرْتُمْ كُوكسى في د كل في في والى بات كمير دى سيد توتم مبركروا ودمعا ف كردوتهي بهت مراا جرولواب عيما اوراگرة اس ما جواب دينا جا يوتوة من آناس كرسكة موحنااس نے تم كوكوا بداكراس سے زبادہ كرك توكنا بار بوجا وك_ م ۔ دوعلی بات برگر مراد مت کبوکراس کے منہ برای کسی ات کرور اورو و مرے کے منريراس كى مى يات كروكرير دونوں جہان مي بموائى كاسلان سے -٥٠ مذكى كى حفى كروركى كوفيل متوكر برار مع الرسان من ادون كى جرادر كناه ہیرہ ہے۔ ۲۔ جومط مجی مرکز نزلولو کرمہ بہت ہی سخت گناہ کبیرہ ہے۔ ٥- نوشا مد كے طور يوكى كيمنر يواس كى تعرفف مذكرو، تر مي الله كے في مح على صد سع زیاده کی کی تعراف کرور ٨ ـ تركى كى ميت كرو ركى كى غيبت صنو، عيبت كناه كبيره إدا ورعيب يرب كم كى كى يعظ كے يہ يھے اس كى اليى كوئى بات كہناكم اگروہ سے تواس كور بخ بواكر حروہ مات سيتى بى موء ا وراگروه بات مى علط مو تواس كوكها بربهمان معاس مي الله سے بھی زیا وہ گٹاہ ہے۔ ۹ ۔ حس تعمل کی خیرت کی ہے اگراس سے معاف مزکر سکو تواس کے لیے تفرت کی دعائي كباكروراميد مے كرفيامت بى وہ معاف كرف -١٠ رئيمي مركز كمي سي تصومًا وعده مركز الرعن أني الما كوادي ركيسك يكى سع كبث مذكرور ١١- كمي البي سنى مت كروص سے دومرا ولي موجائے . ١٧ - سنى شا ئى با توں كو بلانحقيق كئے ہو ئے مت كہاكر و كيونكراكر اليى با بتى جموتى

موتى يى -

۱۲ تی کی فری حثودت یا ثری باست کی تعنی مدن کرور

٥١ - الميشاجى باننى لوكون كوتباف رموا ورم عالة نوس سع لوكون كومن كرت رمو-

مكان يس ماف كي يل اجارت لينا!

فران مجددی الترنعالی نے ارتباء قریا کا لیے ایمان والو یا اپنے گھروں سے سوا
دو کم کھروں میں واحل نرجو۔ جب تک اجازت نے اوادد گھروالوں پرسلام نرگر لویہ
تہا سے یعیم ہر سے تاکر نم نصیحت بکر طورا وراگران گھروں ہیں کسی کو نہ پاؤٹر اندر میں جا
جب تہب اجازت نہ سے اوراگر نم سے کہا جائے کہلوٹ جائے نووائیں چلے آؤٹر تہا ہا
جب زیا وہ پاکیزہ سے اور جر کچوتم کرتے مہو۔ التراس کوجا تما ہے اوران میں تم پر کوئی کتا انہ بیس کرا یسے گھروں کے اندر چلے جاؤ جن میں کوئی رہا نہیں سے اوران میں تمہا دارہ با ا

مسئلہ ۔ جب کوئی شخص دو ترکی سے مکان پرجائے توسیطے ا تدائے کی ا جازت ماصل کرے بھرجب ا نعدائے تو پہلے سلام کرسے بھراس کے بعد بات جبت مٹرفرع ماصل کرسے اوراگر بھی شخص کے باس گیا ہے وہ مکان سے باہر بھی گی ہموتوا ہے ا بازت طلب کرنے کی حرودت نہیں مسئل کرسے بھرکھام تٹرن کر دسے ۔ (خانیہ) مسئلہ ۔ کی سے دروازہ پرجا کرآ واڈ دی اور اس نے اندر سے کہا «کون» مسئلہ ۔ کی سے دروازہ پرجا کرآ واڈ دی اور اس نے اندر سے کہا «کون» تواس سے بواب بی رہ ہے کے کر «نبی» جبیرا کرا ج کل مرمن سے لوگ دئیں "
تواس سے بواب بی رہ ہے کے کر «نبی» جبیرا کرا ج کل مرمن سے لوگ دئیں "
کر بواب دینے ہیں راس جاب کو معتوراً قریس میل انٹر علیہ وسلم نے ناہستد فرایا بلکہ جواب دینے ہی راس جا کہ کوئی دئیں "کا نفط تو ہم شخصی اپنے کو کرسکا

سیعے بیسر میرسخ اب می کپ مہوا ۔

مسمکلر، اگرنم نے کی کے سکان پرجا کہ اندروائی مونے کی اجازت ما کی اور گوالے نے اجازت ما کی اور گوالے نے اجازت نری تو نا دا من مونے کی مزورت ہیں توخی توثی حات والی چلے او موسک اندم و سے کہ وہ اس وقت کی حزورت ہیں توخی مسے ملنے کی فرصت نہ ہو۔ مسئلہ داگرا بیسے مرکان بی جا نا ہو کہ اس بی کوئی نہ موثو یہ کہروالسلام علیدنا وعلی عباد الله النا السلام علیدنا وعلی عباد الله النا النا الله علیدی فرسٹے اس اسلام کا جواب ویں کے دورمخار حلیدہ میں ۱۲ وروائما کی دورم میں اسلام علیدی ایسے اللہ علیدی ایسے اللہ علیدی ایسے اللہ می دورم میں اسلام علیدی ایسے اللہ جی کی تکری مسئورا قدمی می اسٹر ملی ہوا میں میں اردی میں اردی میں ایک کھروں بی تشریعت فرا ہوا کرتی ہے۔ دیں ارتبر لعیت مبلدا میں میں ا

سلام کےمسائل

الله تعالى تے قرائ مجيد مي ارشاد فرايا ،

ا ورجب نم کوکو کی کسی لفظ مصر سام کرے توتم اس سے بہتر لفظ بی جواب دویا مہی

الفظام على كمددة أبيتك الله برجركا

مساب لیتے والا ہے۔

وَ اوَّا حُيِّدِيْتُمْ بِتَحِيَّاةٍ فَحَيُّدُا بِأَخْسَنَ مِنْهَا أَوْرُدُّ وُهَـَالِنَّ الله كَانَ عَلَى كُلِّ شَــِيْئُ حَيْيًا.

(باره ۵ رکوعم)

مسئلہ سلم کرنے واسے کے بلے چاہئے کرسلام کرتے وفت دل بی یرتبت کرے کر استی کی مسئلہ مسئلہ مسئلہ مسئلہ مال اس کا مال اس کی عزت و ابروسب کچے میری مفاظت بی سے اعدیں اس کو اس کے میں اس کی عزت و ابروسب کچے میری مفاظت بی سے اعدیں ان بی سے کسی چیز بیں دھی اندازی کرنا ہوام جا تما ہوں ۔ (بہار شرکیت جلد اص ۱۸۰ مسئلہ رعورت ہویا مردسب کے یلے صلام کرنے اعداد ہواب جینے کا اسلامی طرکیت مسئلہ رعورت ہویا مردسب کے یلے صلام کرنے اعداد ہواب جینے کا اسلامی طرکیتہ ہیں ہے کہ السلام ملیکم کہے اور جواب بی وعلیکم السلام کہے سامی سے سوا دو مرسے میں اسلام ملیکم کہے اور جواب بی وعلیکم السلام کی سامی سے سوا دو مرسے میں اسلام ملیکم کے اور جواب بی وعلیکم السلام کی سامی سے سوا دو مرسے کی میں اسلام ملیکم کی اور جواب بی وعلیکم السلام کی میں اس کے سوا دو مرسے کی اور جواب بی وعلیکم السلام کی دارہ میں کی میں اس کے سوا دو مرسے کی دور اس کی میں اس کے سوا دو مرسے کی دور اسلام ملیکم کی دور اسلام میں کی میں اسلام میں کی میں کی دور اس کی میں کی دور اس کی میں کی دور اس کی میں کی دور اسلام میں کی دور اس کی میں کی دور اسلام کی دور کی دور اسلام کی دور کی دو

سب طریقے نیراسلای ہیں۔ مسئلہ۔اگر دوسری سلام لائے نوبواب ہیں پرکہنا جا ہیئے علیصے وعلیہ د

التسلامر دعا لمكيرى جلده ص ٢٨٤)

مستلمر- السلام عليكم اورجوابين وعليكم السلام كبناكانى بدر بكن بهتريد بهد كرسلام كرتے والا السلام عليكم ورحمة التدومركاته كي اور سواب وينے والا في ميى كے سلام مي اس سے زيادہ الفاظ كينے كى كوئى عزورت نہيں سے دعالمكرى علدہ ص ٢٨١) مستكري مسلام عليكم "كا لفظ منى مدل سعة مكر يؤكر برلفظ تشيعول بي غربي نشان مے طور پر دا تھے مہو گیا ہے کراس لفظ سے سفتے ہی قوراً ذہن اس طرف با تأسیعہ کر پرشخص سیعہ ندم ہے ۔ لہذا سنیوں کوسلم عی اس لفظ سے بینا حزوری سے۔ پرشخص سیعہ ندم ہے۔ لہذا سنیوں کوسلم عی اس لفظ سے بینا حزوری سے۔

(بهاديترلعيت حلولااص ٨٩)

مسئلہ رسام کا بواب فورًا ہی دبنا وا بیب ہے۔ بلا عذر نا خیرکی نوگنهگا دموا اور م گنا ہ سلم کا بواب مے بہنے سے نہیں دنع موکا . بلکرتو ہرکر ٹی موگ ۔ ‹ در مخمآر ورد المخمأر حبله ۵ مس ۲۷۲)

مسئلہ۔ ابک جاعت دوسری جاعت ہے پاس اکئی اوران بی سے کسی ایک نے بھی ملام ذکیا توسب سنّن جیوارنے کے الدام میں گرفتار موٹے اور اگران میں سے ایک شخف فے يمى معلىم كرليا توسب برى بو كئے ، لكين افعنل برسيد كرسب بى سلام كرس ، يونبى اگر جاعت بی سے کسی نے بھی سل کا جواب مزدیا تو وا جب بھوڈنے کی وجر سے سب

گنبرگارموئے اوراگرایک شخص نے میں سلام کا جواب دیدیا توبودی جاعت ازام سے بری موکئی گرافعنل میں سے کرسمب سلام کا ہوا ب دیں ۔ (عالمگیری علدہ ص ۲۸۹) مستلدرا يك مخف شهرس أرباب - اور دوسرا فخفس ويبات س أربا سے -

دونوں بی سے کون کس کوسلام کرسے ، لیعن نے کہا کہ سٹیری دیمانی کوسلام كرے اور بعض كا قول سے كر وہواتى شہرى كوسلام كرے اور اس مشله بى سب كا اتفان سے كر چلنے والا بنيضة واك كوسلام كر سے ، مجولا بر سےكو

سلم کرے ، سوار بیدل کوسلم کرے ، تقواسے لوگ زیادہ لوگوں کو سلام

کریں ۔ ایک شخص میں ہے سے آبا یہ آ سے والے کوسلام کرے ۔ د عالمگیری مبلدہ ص ۲۸۱)

میمشلم کا فرکومول منرکسے اوروہ سولم کمرس توجاب وے سکھا ہے گر ہوا ہیں حرف ملیکم کچے اور اگرائی مگر گرزما ہوجس میگرمسوں اورکفا دونوں جمع ہوں نو السّوام علیکم کچے ، اورمسلمانوں درسولم کرنے کی نیست کرسے ، اور بربھی ہوسکھا ہے کرالیسے سطے جمع کود اکستکام علی حَنِ اتّبَ تَعَ الْسَسْصِلُی ، کہرکرمول کرسے ۔ دعا ملگری مبلدہ میں کہرکرمول کو سے ۔

مسئلررا وان وا فامنت اور جمد وعبدین کے خطیہ کے وفٹ سلام نہیں کرناچا ہیئے۔ د عالمگری مبلدہ ص ۲۸۱

مسئوله علا نیرفس ونجود کرنے والوں کوسلام نہیں کرنا جاہیے ۔ لیکن اگرکسی سے پڑوی جی فسّا نی دہشتے ہوں ا وریہ اگران سے سخی برنما سے تو وہ اس کو پرلٹیان کرنے ہوں ا درا بڑا دینتے ہوں ا درا گریہ ان سے مسلام دکام جا ری دکھتا ہے تو وہ اس کو ایڈا پنچائے سے بازر ہنتے ہوں توالیسی صورت میں طاہری طود پران فشان سے سانے مسلام و کلام سے ساتھ میل ہول ر کھنے ہیں بشخص معذور سجھا جائے گا ۔

(عالمگری جلوه ص ۲۸۲)

مسئلہ کی سے کہ دبا کہ فلاں کومیرا سام کہ دبنا اوراس نے سلم بہنچا نے کا دعاد کرا آڈراس پرسلام بہنچا نا وا جب ہے اور اگرسلام بہنچا نے کا وعدہ نہیں کیا تھا تو سلام بینچانا اس پروا جینے ہیں۔

حمشکہ ۔ تعطیر سلم کھا ہوتا ہے ۔ اس کوپڑھتے ہی زبان سے وملیکم لسلم کمپر لے نخر بری سلام کا جواب ہوگیا اعلی معزین مولانا شاہ احدرصناخان صاحب بربلوی علیہ ارحۃ کا بہی طرابیۃ ہے ۔ دمہار شرکعیت جلما اص ۹۲)

المسلم النكل يا يتحيل سے سام كردامنع سے حديث شراعي بيرب كمانكليول سے

سلام كرنا بهوديون كاطرليقه باور مخسلي سيطانتا وه كريك ملام كرنا ينفرانيون كاطريقه ب مستطرر بعن لوك سلم كرجواب بي إخر إمر سعانتاده كرد بنيم بكربعن تو ففط المنكفوں كے اشارہ سے مسال كا بواب ديا كرتے ہيں يوں مسلم كا بواب نہيں ہوا۔ زبات سلام کا بوای دسا وا بحب سے ۔ وعالمگری ملده ص ١٨٤) مستلدر بعوسف جب برول كوسل كرنے مي تو يوا بواب بي كينا ہے كر جيتے رموا اس طرح برصبا عورين بجيوں كے سلام كا جواب اس طرح دياكرتي بن خوش رمود مهاكى بى رم و" ووده بوت والى رم و" ان سب الفاط سيسل كا بواب بين موما ملكم لنترا ورم مردوعورت كوسلام كربواب مي وعليكم السلام كمنا جا يعيد مسلمد اس زمانے میں کئی طرح مے سالم لوگوں نے ایجاد کر لیے ہیں جن میں سب سے برے الفاظ در نمسنے "اور" بندگی عرص" بیں مسلانوں کو کھی برگز ہوگئ بہ نہیں کہنا مِعا مِنْ لِعِنْ لُوكَ" أَدَابِ عُرَضَ " كَيْفَةِ يُلِيداس مِنِ الرُّحِيرِ انْنَي مُرابِّي صَي مُورِعِي مُنْت کے خلات ہے مسلملم ـ كوئى تعفن نلاوت بي شغول ب يا درس وتدرنس ياعلى فتكوس بي نواس کوسل<mark>ام نہیں کرنا جاہئے راسی طرح ا ذان وا فامنت و تحطبہ جمعہ وعبد بن کے وقت بھی</mark> سلام مزکرے بسب توگ علی باست جیت کررسے مجول ماایک شخص لول رہام جواور باتی من در مع محول ، دونو ل صور تول مي معلى نركر سيمثلٌ عالم وعظ كبرراسي با دنى ممسك يرتفر بيكر ربا سع اورما فرين من ميمين تواكف والاسخف عيك سد المربيط مائر سلام نزکرے۔ (عالمگیری جلدہ ص ۲۸۰) ممشلهر بخشفص بيثياب ياياخا مذيجروا بهو بأكبونزا الدام ويأكانا كاربا بهويا تشكانهاديا ہویا بیشا یہ کے بعد و صبل مے کراسننا سکھا دیا ہواس کوسلام مذکر جائے۔

د ما انگری حلدہ میں ۱۲۸۰). مشکر رجب اپنے گھر میں جائے نو گھروالوں کوسل مرکرے میتوں کے مسامنے گزر

توان بچوں کوسلام کرے ۔ د عالمگری علده ص ١٨٠) مستعلم الردا ورعوديت كى ملافات موتوم دعورت كوسل كرسے اوراكركري احتبر عور فيمرد كوسل كي اوره ه بوري مونواس طرح بواب شد كروه مي سف اوروه جوان مونو اس طرح جواب دے کہ وہ مدسنے ۔ دخانیہ مستلم بعن لوگ سلام كرتے وفت جيك جاتے بين اگريد حبكناركوع كے برابر موجائے تورام سيدا دراكرركوع كى مدسد كم موتوكرده سيد ربهارشرنعيت عليه اص ١٩١ مستلريكي كي عين عرب الدوم المسلم "كنا بحقرات النماء اورما مكيك ما غفام معمنلاً مصرب عوالم على السلام وحصرت جربي على السلام ، نبى ا ورفر شية مح علاوه كمى دومر ك الم كساعة طلالسلامين كينا عليه بمارشرليت علدواص ١٩٠ مستلدرسلام مجن بدام ولے كا ورفير ہے حديث ترفي من ب كرحفور العلوة والسلام نے فروایا کراس وات کی تھم ہے کر حق کے دست قدرت ہی میری مان ہے کر تماول اس وفت مك جنت بن و أهل ننس موسك بهان كدر مومن بن ما واورتم لوك مومن نهس منو کے بہان مک کرتم ایک ووس مع محبت کرنے لگو، لبذاتم لوگوں کوایک ایسے کام ک رسما فی کرتاہوں کہ سبتم لوگ وہ کام کرنے لکو کے نوم ایک دوسرے سے محبت کرنے لکو کے ده كايد ب كرم لوگ آليسيس سلام كاير ماكرو (الود؛ ووملروس و دم) معتبال) مسئلم سام بجرو برکت کامب ہے معنود اکم ملی الدعیروسلم نے اپنے فام فا حصرت اِنس رمنی الله عندسے فرایا کہ اسے بیارسے بعطے ! جب تو گھر می واحل موا كرے نو كھروا لول كوسل كر اكبو كر تراسل ترے اور ترے كروا لول كے بياركت كاسبب بوكار دمشكوة جلدوص ١٩٩٩) مستلد موار بدل ميلن والول كوسل كرسه اور يبلن والابتيط موث كوسلام كرم اورمقولم المرك زاده لوكون كوسلام كرس - (مشكوة جلدا م ١٩٩١) مسئلہ برمسلان کے برمسلان کے اوپر چھے مقوق ہیں۔

(۱) بعیدوہ بھارہ وقوعیا وست کرے (۲) بعیب وہ مرجائے تواس کے جنازہ پر حامز ہو (۳) بعیب دوہ رجائے تواس کے جنازہ پر حامز ہو (۳) بعیب دوہ سے منازہ پر اس کی دعوت قبول کرسے (۳) بعیب دوہ بھیلنگے توریح کے اللہ کہرکراس کی ملاقات کرے تواس کوسلام کرسے (۵) بعید وہ بھیلنگے توریح کے اللہ کہرکراس کی جھیننگ کا بواب دیے (۲) اس کی غیرحا حزی اورموج دگی دو توں صورتوں ہیں اس کی خیرتواہی کرے ۔ (مشکوہ جلام می ۲۹۷)

مصافحه ومعانقه ولوسه وقبام

مدمث مشرلفينس بي كرجي و دسلهان لمين اورمصا فحركري اورا تشرك حدكري ا وراستغفا ركرين تو دونون كى مغفرت م و جائے گى دالودا وُد ميله ثانى ص ١١ ٣ مجنبائى) مسئله ممعها فحرستت بيدا وراس كانبوت منوا ترحد مثول سي بيدا ودا حادميث می اس کی برت بڑی فعنیلین آئی ہے ایک حدیث میں سیے کرحس نے اپنے معلیان عملی سے معما فحر کمیا اور مانف کو بلایا تواس کے تمام کیاہ کرجائی گے۔متنی مارملافات مو برمادمصا فحركن أمتحب سيد يطلقا مصافحه كاجائر مونايه تباآا سع كرنماز فجردنان عصر کے لعد سے اکثر بھکر مصافحہ کرنے کامسلا توں س رواج سے بیعی جا گز ہے۔ اور ففركي وليعن كما لون مي اس كويدعت كها كيا بصاس سيم اوبدعت حسنه بها ور مردعت حمنه جائز بی مواکرتی ہے۔ (بهار شراعیت مبلده اص ۸ و بحواله درمخماً ورد المخما علاق ص ۲۲۲) اور می طرح نماز فخ وعصر کے لعدمعما فحرماً ترہے - دومری نما زول کے بعد بھی مصافحہ کرنا جا گڑھے کونکہ جیب اصل مصافحہ کرنا جا ٹرز ہے توجی وقت بھی معا فرکبا جائے جا اُز ہی رہے گا جب تک کر شرلیت مطرو سے اس کی ما اُست اُلات مومائے اورظا برہے کریا نجوں نازوں کے بعدمصا فر کرنے کی کوئی کما نعست التراعيت كى طرف سے تا مت نہيں ہے۔ كہذا يا كيول نما زوں كے بعد معما في ما تر مع - (بهادِ شرابيت علد ١٩ م م الموالر والمنا رحيده ص ١٢٢٠)

مستعلمه ميصا فحركا ايك طرلفيه وه سيع سومخارى تنمريف بس مصرت عبدالله بن مستوري الته عنر سے مروی ہے کہ صفور می اسٹر علیہ وسلم کا مبادک باتھ ان کے دولوں با مغوں کے درمیان بس نفا۔ بعنی ہرایک کا ایک یا تھ دوسے کے دونوں یا عقول کے درمیان میں مو دومراط لفرجس كوبعض ففهاء نے بان كياہے اوراس كوهى مديث سے أب نبائے مى وه برسيد كر مرابك اينا دابنا والهذا ومركم واسف ما فقسه اور ما بال ما ته ماش بالقرسى ملائے اور انگو مے كو د مائے كم أنگو تط مى ايك رك سے كر اس كے يكونے سے محبّت بیدا موتی ہے۔ (بہارشرلبت جلدواص ۹۸) المستكرروا في عيرمغلده ونوں باختوں سے مصافح كرنے كونا جائز اور ملائ سنّدن نبانے ہی اور حرف ایک ما تھ سے مصافح کرنے ہی یہ ان لوگوں کی جمالت سے جعمرت شیخ علالن محدث وملوى رحمة الشعطير في انتحرير فرايا سع كر ، ر الافات كے وفت مصافح كرنا سنت سے اور دونوں يا تق سے مصافح كرنا جابييك واشعنة اللمعات ترجم مشكواة مبلدم ص٧٠) مستكمر معالفة كرنا مجي ستنت بع كيونكر حديث سعة نابت بير كررمول الطرحلي الثّر علىروسلم فيمعالفة فرماياسه - (الودا وُد جلد اص ١٣١) مستكدر بعدنما زعيدين مسلما نول بي معانق كارواج بيدا وريمي اظهار وفي كاليك طرلقه سے بیرمعانقہ بھی جائز ہے۔ لیشرطیکہ فیتنہ کا خوف اور شہوٹ کا اندلسٹریز ہوشناً خول<mark>عبورت مرد ، ار</mark>ط کوں سے معافعہ کرنا پرفیتنہ کا محل سے ابدّا اس سے بچنا چاہئے۔ دہار شرابیت علدہ اس ۹۸) مسسلمه كى مردك رخسار ما بيشاني بالخوطرى كو بوسر دينا اكرشهوت كيساخة بونو ا جا رُنب اوراگر اکرام و تعظیم کے بلے موتوجا رُنب صفرت الو بحرصدين رضي الشرعية معنوصى المرطيروسلم كى دولون المحمون محددميان لوسرديا ورصرات صحاير العين رمى النَّار منهم المجعين فيص يحيى بوسر دينا أمابت سعد (الووا وو ملدم ص ٢٦١٣)

مستسلمہ عالم دین اور ما و تشاہ عادل سے اتفا کو لوسرو بنا جا ترب سے بلکدان لوگوں کے قدم كويومنا عى جائزي بلكراككى عالم وبن سے لوگ يرنوائن فا بركري كراك ا بنا إنقرا قدم بچے وسیحے کریں بومردوں نولوگوں کی نوائش کےمطابن وہ عالم اینا ہاتھ یا وُں بوس کے لیے لوگوں کی طرف بڑھاسکہ آہے مسئلر ۔ بعق لوگ مصافو کرنے کے بعد تو داینا ہا تفریح لیا کرنے ہی یہ مکروہ سے ایسا نهیس کرنا چاہیئے۔ (بہارتشرلعیت حلد ۱۶ ص ۹۹ بحوالرز طعی و درمختار حلدہ ص ۲<mark>۴۵</mark>) يا در کھوکہ لوسہ کی چھمیں ہی (۱) بوسر جمت ۔ جیسے ں باپ منك كالبي اولاد كولوسروما دي بوسشفقت - جيسا ولاد كالبن والدبن كولوسدد بنا (٣) بوسر حبّت - جيسے ايك شخص اينے عمال كى يشا نى كولوسر فيے (م) بومسرتجست رجیسے مقت طانات ابک مسلان دومرسے مسلان کو نوسہ وے (۵) بوسه شهوت . عليم دعورت كوبوس (١) بوسرديا نت - يملي جحراسود ر (بها دِنْرلیت حلااص ۹۹ کوالردهی) المستلم يقرآن نثربيف كولوسردينا بعى صماية كرام كي تعل سي ابت سيد يحصرت عمرهن الشعن روزاد مبح كوقران مجبر كويوشن اور كحق مف كم يرميررب كاعبداور ام كى كمّا ب اور معفرت عمّان دمنى الشّرعة عمى قرآن مجد كولوسر في يقت عقد اور الميني بهرسدس لكانے عقر - (در مخار ملده ص ٢٧١) مسلم سعبو تحيت يعنى طافات مے وقت تعظيم مے طور بركسي كوسجده كرنا حوام ہے اور اگر عبا دس کی ست سے موتوسیدہ کرنے والا کا فرہے کہ خر خدا کی عبا دت كفريه - (روالحاً وعلده ص ٢٨١) ممسئلہ۔ آئے وا لے کی تعظیم کے بلے کھڑا ہوتا جائز بلکمستخب سے حصوص اجبکم ایسے شخص کی تعظیم کے بیلے کھٹرا مہو جو تعظیم کامنتخیٰ سے مثلاً عالم دین کی تعظیم کے بلے کھرا ہوا ۔ دروالخارجلدہ ص مم)

مسلم سرختم برلیسندگرا موکد لوگرمری تعظیم کے یا کھڑ مے بہوں اس کی بیٹر امہن مذموم اورنالیسندبدہ سے (دوالمخار) بعن حدیثوں بی جو تیام کی فرتمت اکی سے اس مرادالیسے بی متحق کے بادشا ہو میں اُن کی منع کیا گیا ہے جو جم کے بادشا ہو میں اُن کی منع کیا گیا ہے جو جم کے بادشا ہو میں اُن کی منع کی اُن اُن کے مور پر لوگ سید کہ سلاطین این تخت پر میلی ہونے ہیں ساوراس کے اردگر تعظیم کے طور پر لوگ کے مطرب دہتے ہیں۔ اُن اس قیام میں داخل نہیں۔ اُن والے اُن کی میں داخل نہیں۔

برجيتك أدرجما أيكا بيان

رمول التدصی التر علیہ وسلم کا فران ہے کہ جینیک التدنعائی کوئین ہے اورجائی تالین درہے جب کوئی چینیکے اور الحرائت کے توج مسلان اس کوسنے اس برحق ہے کہ برسک استر کہے اورجائی شیطان کی طرف سے ہے ۔ جب کسی کوجائی اُئے توجوان مک بوسکے اس کو دفع کرے کوئی اوری جائی گویا ہے توشیطان بنسر کے بینی تو فق مہونے ہے کہ وکٹر جائی کسی اور عفلات کی دلیں ہے الیسی جز کوشیطان لیسند کرتا ہے دائود اور جلائن اس کی جوئی کی جواب دینا وا جب ہے اور مسئل ہے جب چینی تے والا الحد دلت رہے تواس کی چینک کا جواب دینا وا جب ہے اور جس طرح سمام کا جواب فرز ایسی ورنا اوراس طرح جواب دینا کروہ سن ہے واجب ہے اور بالک اس طرح جواب دینا کروہ سن ہے واجب ہے در در مندار و

مسئلہ یجن کوچین<mark>ک آئے وہ بندا واڑسے الحدلتار کچے اور ہم</mark>تریہ سے کہ المحدلثر رب العالمین کیے اس کے جواب ہی دومرا شخص لیل کھے یُزِحَدُكَ اللّٰه عِرقینیكُظُ والا یَغْفِدُ اللّٰهُ لَنَا وَ لَكُ مُركِحِهِ۔ (عالمگری مبلدہ ص ۲۸۷)

مسئلہ رجائی کئے توجاں تک بوسے اس کورو کے کی نگر بخادی کو مرتیوں بی ہے کہ بور بھاری کا دی کا میں ہے کہ بور کے کا برائی دو کنے کا بحب کو ڈ جائی دو کنے کا برائید ہے ہے کہ اپنے موضل کو دانتوں سے دبلے اور جائی دو کے کا ایک مجرب عن

يرب كرجب جائى أت لك تودل بي برخيال كرد كرصرات البياء عليهم السل كومانى نسيس أن عنى برجال ولى لات بى بركز جائى نسيس أعد كى دروالمخار ملاص ١٣١٧) مستلهر المرايم عبس مركى كوكمي مرتبه جيننك أئ نوحرت نتن بادتك جواب وبناسيصاس بعداسے انتیارسے کہ جواب سے با نرو سے (مالمگری جلدہ ص ۲۸۷) مسلم دربوارے بیچے کی کو چینگ ا فی اوراس نے الحد تشکماتو سفے والے براس كابواب درما واجب سعد (دد المحمار حلده ص ٢٦٦) مستله - چينگذوا كوچاست كرمر جيكاكرسيت أواز سيمنركو چياكر هينكديست مى بهت منداوا رسے صينكنا حافت ہے - (روالمخارملده ص ٢٩٦) مستدر بعن جامل لوگ مجلنک کو مرشکونی سجھنے ہی اگرکس کا کے لیے جانے وقت ا خودكو ياكسى دوسر بيدكو چيدنك الكي تولوگ برمد قال ليت بس كريركا نهيس موكا - يه بہت بڑی جہالت ہے اور بے عقلی کی دلیل ہے صدیث میں آیا ہے کہ جیلنک اس اس ير" فتما بدمدل" بعداب فودكروكر جب جينيك كورسول الله صلى الله عليه وسلم في مشامر مدل مالقب ديا تومير معلاهيتك توس المدين كالعامان كييد بن عتى بند اس ي وكون كواس عقيد سے تو مركن كر هي تاكم كائن مرقال كي جزيد خلاو زركر عمال لوں كو اتباع متت اوريا بنرى شريعيت كى توقيق بخض المنين (بهارشرلعيت جلدا اص١٠).

مسلم ما فركوني يك أن اوراس نع الحدد للدكم الوجواب مي يقد يك الله كمن الله

مسئلم عیدیک کا جواب ایک مزنروا جب سے . ددیا رہ چینیک کی اور اس نے المحق کی اور اس نے المحق کی اور اس نے المحق کی لیا کہ کا برا و جواب دینا وا جب تھیں بلکمسنب ہے ۔

(ما الكيرى جلده ص ٢٨٠ وبهار مترليب جلد واص ١٠١)

تميد وفروخست كييترمماكل

خوید نے اور نیسجنے ہے مسائل بہت زیا دہ ہی اس مختصر کتاب میں مجلااس کا گنجا کش کمال ابھی کومفعل طور برجو پروفروشت ہے مسائل کوچا تما ہو وہ بھاد تر لیست صحبہ یا زدیم کا بغورمطالعہ کرسے یا اس بالے ہی بہت ہی جا مع اور معتبر کنا ب ہے۔ ہم بھال ہم ن چند صروری مسائل کا ذکر تھے ہیں جق سے اکثر وجیشتر واسطر بٹر تا رہتا ہے۔ ان کو عور سے پڑھ کر ما دکرلی۔

مسئلہ بر جب کک حرید ورخت کے صروری مسائل نہ معلیم ہوں کر کوئی بین جا توہید اور کوئسی نا جا کڑاس و قت کا مسلمان کوچا ہیئے کو وہ کیار نہ کرسے ملکر تیار کرنے سے پہلے ان مسئوں کوچان لین چاہئے تا کر تمارت بم برام کا کی سے بچا ہے وہ ما کگری جدد ہ میں اس ا مسئلہ رنا جرکو اپنی نجارت بی اس فدر مشغول نہ ہونا چاہئے کر دائعی فوت ہوجا تی ملکہ جمید نماز کا وقت ہوجا ہے تولادم ہے کہ تجارت کو چوار کر نماز پڑھے جولا جائے۔ حمید نماز کا وقت ہوجا ہے تولادم ہے کہ تجارت کو چوار کر نماز پڑھے جولا جائے۔

مسئلہ رنیجنا و دخرید نے بی می مرودی ہے کہ سوفے اور قیمت دونوں کو اچی الم ح مات صاف طے کوبیں کوئی بات البی کول مول نر رکھیں جی سعد بعد بی حکولے می الم اللہ علی ہے۔ بڑی اگران دونوں بی سے ایک جیز بھی اچی الم معلوم اور طے نرموگی تو بی حجم مزموگی ۔ مسئلہ مادی کے بال آور ہڑی و نوبرہ کری جیز کا بی ناجا کر ہے اورا بنے کری کا بی لا تا بھی درست نہیں - (ہوایہ مبدم میں ۲۹)

هستنلم رعورت کے دودھ کو بیناا ورخویدتا تاجا کر ہے اگرچاس کوکی برتن میں دگھ لیا جواگرچ جس کا دودھ مودہ با ندی جو۔ (ہدایہ جلدس س ۴) مستنظم نضر مبک بال اس کی کھال دعیرہ اس کے کی جزد کا پیناا وزمر بدنا حرام اعداس

ک بیع باطل میامی طرح مردار کے چراسے کی بین معی باطل اونا جا زہد جبکر مجا یا ہوار ہو

ادراگرد با غت کرلی بوتواسی سے درست اورامکوکا ہیں لا ناجا گزید (بدابر جلام من ۲۹) میں استکہ ۔ تبل ناباک بوگرا اس کی بین جا گزید اور کھا نے سکے علاوہ اس کو دو تر کما ہیں المائی جا گزید اور کھا نے سکے علاوہ اس کو دو تر کما رص کا ایک بوف کر بیجنے والا خوردار کوئن کے ناباک بوف نے بیجنے والا خوردار کوئن کے ناباک بوف نے بیج اور بیجنے والے برلازم بی کر تو بدار کو مطبع کر تا مزوری ہے کہ تبل کا ناباک مونا جیب ہے اور بیجنے والے برلازم بین کر تو بدار کو مطبع کر تو بدا تا جا تو نہیں گھر بین کا کہ تو بدار کو موجو کر بدان یا گئی مونا جیب ہے اور بیجنے والے برلازم بین کا میں جا ایک تبل کو برائر کو برائر کوئنا ہوئے کو بدار کو استعمال کرنا اگر جرجا گزید ہے کر بدان یا گیڑے ہوئی ایک تبل مونا پاکھا ور مونا ہی گئی ہوئی کا میں دونا ہی کہ برجہاں تھی لگ کرنا چا خوا کی است کا میں تو این کا کرنا چا خوا کا کہ کا تو برائد کوئنا ہوئی کو برائی کوئنا ہوئی کوئنا کو برائر کوئنا ہوئی کوئنا ہ

پ کرد کرد کر ہے۔ اسکلہ مرداری جربی کو بیمنیا یا اس سے کمی تھم کا تقع اٹھا نا جا اُئر تہدیں ہر اس سے چراخ جلا سکتے ہیں نہ چرکوا پیکانے کے کام میں لاسکتے ہیں نہ اس کوکسی رسم یا صابو میں ملا سکتے ہیں ۔ در در انحاد حلام ص ۱۱۴)

ی و سے بی مرداد کے بال ، پڑی ، سینگ ، کھر ، پر، پڑیے ، ناخی ان سب کو بیخیا اور تریدنا جا گڑ ہے شکاری جا توسکھا ہے ہوئے میوں ، ان کوکام میں لا ابھی جا گڑہے اسی طرح ہانتی کے واست اور ہڑی اوراس کی بی بیوٹی جیڑوں کوھی خریدا اور بی تا اور استعمال کرنا جا گڑہے ۔ (ہدایہ جلد ۳ میں ۳۹)

مسكله اكنا، بن، باخی، جنبا، یا زشگرا، ان سب كوخر بدناا و در بینا جائز سبد . شكاری چانور محاسئه موئه مهوس یا بغیر سکه اشته موسله ان کوخرید تاا و رسینا چاکز سبد گردیم و دری سبه که ده محما شه جاند کے قابل موں کلکھنا کنا با دشمق کا نوت موقوم کان کے اندر بھی رکھ مسکنا سبعہ اس کو خرید تا بیتا چائز نہیں ۔ درد الخنار حیارہ ص ۱۱۱)

تستكم ربانوديا كهيني مكان كى حفاظت كے ليے باتشكاد كے يعيمنا يالن جاكز ہے ا وران منفا مند کے لیے مذہوں توکتًا یا لنا جائز نہیں اور من معود تو میں کمّا یا لنا جائز ہے ان صورتوں مل می مکان کے اندرکوں کون رکھے لیکن اگر ہور بادشمن کا خوف موت مكان كا تدري د كوسكنا - ‹ في القدير وسكوة مبدامي و ٢٥) مسئله محيلي كيسواياتي كيمام جانور، مبيطك، كيوا،كيكرا وغيره اورحشات الارص مثلاً بحويل مسانب ، گرگٹ ، گوه ، تجھو، جيوننٹي ونعره كو توبدناا وربيخيا جا يُز نہیں (در مخارطد اس اا) بندر کو کھیں اور مذاق کے یہ و مارا منع سے اوراس کو منانا اوداس كيسا تحكيل كرناحم سع- (درمنار) مسلم ركبهون وعيره انا جوري وصول اوركفرى وعيره ملاكريمينا ناما أربي مالكرى) اسى طرح دوده يس يانى ملاكر بيجينا على تا جائز سيدو بها رشراويت جلدا اص ١٠١) مسكر ألاب كا مدرى تيلبول كوييخ كاجودستورس يربيع ما مأنز ب الا كاندرجتني فيليا ن بوق برجب نك وه تشكاركر كي مرط ما لين نب تك ان كاكوني مالک نہیں شکار کرے جان محیلیوں کو کرائے وہی ان کا مالک بن ما ماہے۔ جب مرا سيهم أكئ تواس محبوكر حس تحق كأمالاب سے جب وہ ان محيليون كا مالك مين من تواس كان تجيلوں كو بيجيا كيسے درست موكا ؟ ما ن اگر مالاب كا مالك تودان فيلون کوکو کر بہا کرنے تو یہ درست سبے ۔ اگر کی دوسے تنخص سے بیڑوائے گا تو بیٹے نے والاان تيميلون كا مالك بوما يُركا مالاب كه مالك كاان تيميلون لمن كو في حق نعي بوكا مالا کے الک کور بھی حق منے کے کھیلو کے موالے معے لوگوں کومنع کرے دور محما رجاد اص ۱۱۱) مسئله کی ک دین می خود بخود گھاس اگ تر لگایا نراس نے یا فی صر کرمینچا تو یہ کاس جی کی کی ملک تمیں ہے جو جا ہے کا ط لے زمین کے مالک کے لیے ناس كھام كوسينا جائز ہے تكى كومنع كرا ورست ہے باں الينة اگرزين كے الكے نے پانى مەنىنچا بواددىخنىت كى مواورحقاظىت وركىموالى كى موتواس مىزىمى دە كھاس

زمین کے مالک کی مو جائیگی اب اس کو بیجنا بھی جائز ہے اورلوگوں کو اس گھاس سے كاطنے سے منع كرنا بھى ورست سے - (در مخار وروا لمخنار علد مهون ١١٠) حمسكيله ركا فرنے اگرفران مجيد خريد لميا نوقا حنى كوجا ہشيے كراس كواس باست برمجبود كرے کہ وہ کسی مسلان کے یا تھ فروخت کرھے ۔ (تنویر) مسلم تا دی ،سیندهی مشراب کی تجارت حوام سے دمول الله صلی الله علیه وسلم نے متراب یر ۱ در ا<mark>س</mark> کے بینے والے یرا در اس کے بلانے والے <mark>برادراس کے خ</mark>رید نے ملے براوراس کے بیجنے والے براوراس کونجوٹرنے والے پراوراس کو چھانے والے بر ا مراسكوا على الميد الدربرس كي أوير لا وي كمي بولعنت قرا في سب والودا ووصلوم ص ١٩١١ مستلد ر نوسے بنیں وغیرہ کی انگر مطیعی کا بہنتا مردا ورعورت وولوں کے بیے تا جائمہ ہے اس کا بیخا کروہ ہے (عالمگیری) اسی طرح افیون وغرو حسکا کھا نا جائر نہیل سیوں کے باعق بینا جوان کونسند کے طور بر کھاتے ہی ناجا رزے کیونکر مرکنا و براعانت ہے۔ مستلم تصرموف عيمتعلق بمعلوم سعدك بريورى باعصب كامال باس كو خردرنا حامر سیس ر عالمگری حلده ص ۱۹۱۸) مستلر رنڈلوں کو وام کاری یا کانے تابیخے کی اُجرت بی بوسا مان ملاسیے وہ بھی مال تعبيث اوروام ب اس كويى فريدنا جأير بهيى -ممسُلہ یمی نے کو کُ چیز ہے دیکھے خرید لی توریب ہم جا کز ہے دیکین جب اس ما ہان کو ديج تواس كوا فنباد سے ليند مونو ركھ اور اگر ماليند موتو عرف اگر جاس ميں كونى عيب مزمواس كوتترلعيت من خياررومت "كيت بي (بدايرعلد ٣ ص ٣٥) مسلمر جب کوئی سوداینے توواجب ہے کہ اس میں اگر کھے عیب وخرابی ہوتو خرمار كونباف، عبب كو چياكرا ورحر بداركود صوكر في كربيخيا حرام سع-مسلم کوئی چرخوری ور تورد نے کے بعد دمجھا کراس بی عیب ہے مثلاً نفان كوا ندرسے يوموں نے كتر دالا سے يا اندرسے كما محاسے تو خريداركوانتيارسے

یا ہے سے ہوے بیا ہے والیں کروے اس کوٹرلیت میں نوادعہیں، کہنے ہیں۔

مسكله رجا نور كحقن بي جودوده بحراب ووبيت سے پہلے اس كا بي اور ترباما تہیں پہلے دودھ نے تب یہے، امی طرح جیڑ دنبروغیرہ کے بال جب تک کاط بنے

اس کو بیمیا ا ورخوردنا جائز نهیی - (در مخما ر حلد م ص ۱۰۸)

مستلم رکو برکو بینا ا درخربدنا جائز ہے لیکن اُدی کے یا فارز کو سیما اور خریدا جائز مہیں ماں البعة اگر آوی كے يا خاند مي راكھ اور منى اس قدر من جائے كرمنى اور راكھ غالب موجائے اوربانمانه کھادبن جلئے تواس کو بیناا ور ترییا جا ترہے (در مخذده ص ۲۲۱ و بهار شراعیت) مستلمرا فنكار (و تيره ا ندوزى) منوع سع احتكار كي منى يري كركه اف كي جرول كواس يعي يعياكرد كالبناكر جب اس كاجعا و زياده كران بويائ توسيع كاالياكر في سع كرانى بره جانى بها ورفعل كالدر لنفراره جانا معا ورخلوق مواكومزرا ورنعقمان بينجاب اسلی ترلیت نے اس سے منع کیا ہے اور اس کے باری میت می وعید کی مدینی اگئیں امک صورت بی ہے کر رحمالین ون مک حکارد ذخرواندوزی کربا الله تعالی اس کومنا) د کورهه ا و مفلی می منظ کر بیگا و دایک دوسری موایت می کیا سے کراس برانتداور فرشنول اورتما كخيمول كالعنث بيعه الشرتعالي الكي تفلي عبا ونوب كوتبول كريكان فرص عبا وتول كو رد رخمار ملدہ ص ۱۳۷۶) اخریکا رونیمرہ اندوزی انسان کے کھانے کی چبرو می می میون<mark>ا ہے ش</mark>ٹلاا تا سنكروعيرا درمانورو كي ماره ي على موتل مسيد كهاس عبوما (درمتار ملره م ١٥١)

مستلدرا خمكارويس كبلائے كا جيد كرعلم كاروكنا وبال والوں كے يلے معزم وليي اس کی وجسے گرانی ہوجا ئے یا بھورت ہوکم سال علم اسی کے تبصر میں ہے اس کے روکے سے فحط کا اندلیٹرسے ووسری مگرعروستیاب مذہوگا۔ (بدایہ مبدی) ا در اگر کمی نے مفس برعلم اس میت مصے خرید کر رکھ لیا کہ جب علم کا بھا و کچھ گراں ہوگا

توسي كر كيونفع الحا و ن كانوبه د اخسكا مسيع د ممنوع سه -

مستنلم و احتکادکر نے والوں کو پر قامن مکم و سے کا کراپنے گھروالوں کے فرزع کے لائق غلّر دکی نے اور ہاتی دائد خلر اندیجیں لائق غلّر دکی نے اور ہاتی فروخت کر فروخت کر ڈائے اگروہ لوگ کا حسست زیاوہ جتنا غلم ہوگا ، قامنی خوداس کو فروخت کر دسے کا بیونکہ لوگوں کو پر دیٹنانی اور صرزعام سے بچانے کی بہی صورست ہے ۔

(مارع م ص ۱۳۵۵)

همسسُلہ:۔باوشاہ کورمایا کی ہلاکت کالدینشہ پوتوذخیرہ اندوزی کرتے والوں سے غلّہ سے کردمایا میں تعشیم کردے بھیرجیب ان لوگوں کے پاس خلّرموجائے تومیّنا جنتالیا ہے وا<mark>بس دیدی</mark> . (درمخارج ۲۵۹۰)

همسٹسلہ: تاجردں نے اگرچیزوں کی قیمت بہت زیادہ بڑھاری ہے اور بنیرکنٹرول کے کام جِلّا نظرنہ آیا ہو تو ماکم چیزوں کی تیمین مقرر کرکے جاؤ پر کنٹرول کوسکتا ہے اور کنٹرول کی ہوئی قیمت پرجو بیل ہوگ وہ جائز ودرست ہوگ رہ ایرج سم س ۲۵۹)

نتزوالي جيزون كابيان

مسٹیلہ، بہرسم کی شرایے دام اونجس ہے ناڑی کا بھی پہن کم ہے دوا کے لیے بھی اس کا پیتاورسے نہیں بلکی ن دواؤں میں ناڑی یا شراب بڑی ہواس کا کھانا اور پرن میں نگانا جائز نہیں ، (دوالمختاری عص ۲۱۷ وغیرہ)

مسئله تاثری شراب کے علاوہ بتی نشر لا نے والی چیزی ہیں جیسے افیون بعنگ جائفل دغیرہ ان کا حکم یہ ہے کہ دول کے لیے آئی مقدادی ان کا کھالینا درست ہے کہ بانکل نشہ ترآ ئے اوراس دواکا بدن ہیں گاناجا ترہے جس میں پرچیزی بڑی ہوں کی ناکہ نشہ ہوجائے تاکہ وردائمت ادراس کھانا کہ نشہ ہوجائے تاکہ وردائمت ادری سامس ۱۹۲)

مستملم البعن جابل عودتين بول كوانيون بإكر سلارتي بي كدوه نشمين يرسيسوت راي

روئی دھوئی نہیں بروام ہے اوراس کا گن وعورتوں کے سرچدہے۔

بلااجازت كسى كى كوئى چنرسے لينا

تصويرول كابيان

صفوت سول الندمل الندعليدولم في فروايا كنيس داخل بوت فرخة ورهت كي بس گريس كريات و يرودشكوه م ١٠٨٥ امع المطابع اود و و مرى مديت بس يه بمى فروايا كرسب زياده عناب الندك زديك تصوير نباف والون كوم و كادمشكوه ع ٢٥٥ ١٣٨٥ يك مديت بس يرمي ب كرتسوير نبانيون في يرفع كا كعنت ب (مخارى ع ٢٥ م ١٨٨)

مستملہ، رجا ندار چیزوں کی تصویر بنانا، بنوانا اس کا دکھتا اس کا بیجنا، خرید ناحرام سے باں البت غیرمانداد چیزوں جیسے دفتوں، مکانوں وغیرہ کی تصویر بنانے اوران سے دکھنے ان ک خرید دفر خت میں کو اُحرج نہیں ہے او برکی مدینوں میں جن تصویروں کی ماتعت ہے

ان مراد بانداد كتصويري بي.

مستعلمہ مرکبی نوک مکانوں میں زینت کے بیے انسا نوں اودجا نوروں کی تھو ہے ہیں یا مورتیاں دکھتے ہیں یہ حام ہے اس طرح کچھ نوگ مٹی یا بلاشک یا دصاتوں کی مورتیاں نبحوں کے کیسلنے کے لیے خریدتے ہیں یہ سب حوام ومنوع ہیں اپنے نبحوں کو اس سے روکنا چا ہیے ، اور لیسے کھونوں اورگڑیوں کو توڑ بھوڑ دینا یا جلادینا جا ہیئے۔

مستملہ الدوں اور کھنی اور درکان کی حفا المت اور شکار کے یہے کہ پا لناجا کر ہے ان مقصدوں کے ملاوہ کہ پالناجا کزنہیں استکوٰۃ نع ۲ ص ۹ ص ۹ سام سعن نیے کتوں کے بچوں کوشوقیہ پالتے اور گھروں میں لاتے ہیں ماں باپ کولاز مہیے کہ بچوں کو اس سے دو کیس ، اور اگروہ نہ ما ایس توسختی کر میں مدیث میں جن کتوں کے گھریں دہنے سے دھمت کے فرشتوں کے ندآ نے کا ذکر ہے ان کتوں سے مرادہ ہی کتے ہیں جن کو یا لنا جا کو نہیں ہے۔

بيوه عورلول كا زكال

كرفدل كودلى جا ناكفرى كون نيى جاناكهاد بيدول مل السُّعليدة كى جَنى بيريات عير حضرت عائستُدمنى السُّمن الحصواكوئى كنوادى دخيس ايك ايك دود و نكاح انتح بيدم ويك تعم، توكيا نعوذ بالسُّكوئى ان احت كى ما وُس كوذيل يا يُراكد كسّله يه تورنعوذ بالسُّد

بهرهال یا در کھوکر بیوه عود تول سے تکاح بر رسول ضاصلی الندیلیرة تم کی سنت ہے اور مدیث شرایت بر سے کوئی کے جوڑی ہوئی اود مرده سنت کوزنده اور اس کوسو شریعت شرایت بر سے کا ، لذا مسلمان مردوں اور عود تول پر واجب ہے کہ اس بیہ وده دسم کو دنیا سے مرادی الشری اور الشروی کی نوشنودی کے لیے بیوه عود تول کا نکاح مرد کر کویں اود ان بیچا دی سے مراد کی اس شری اور آب ما مسل کریں دکھیا دی الشری بنداوں کو بیکسی اور آب ہی دہ بر یا دی سے بہاکر ایک سوشہیدوں کا آب ما مسل کریں اور بیوه عود تول کو بی لا دی ہے کہ الشروی مول کے مسم کو اپنے مراد دات کھوں پر دکھتے ہوئے بینے مرکسی شری اور علی کوشی دو مرا نکاع کریں اور سوشہیدوں کے تواب کی حق داد بن جاشی ، المشرق الی فیصل کر بیا دی سے بیٹر کسی فیر آن مجدی ارد بن جاشی ، المشرق الی کی میں اور ساز در مایا کر ہے الی دوسور سی میں ارشاد فرمایا کر ہے ۔

وَانْكِحُوْاالْاَيَا فَى مِنْكُوْ الدَّلُاح كردوابُوں مِن ان كا جون كائ وَالصَّلِحِيْنَ مِنْ عِبَادِكُمْ مِن اورادوا بِنِ لائق نلاموں اوركنزوں وَإِمَا يُكُوُّ وَسُورِ وَ وَ) كل.

اود عنوراكر مل الترعليه وستم في ارشا وفروا ياكم:

مَنْ تَمَسَّكَ بِسُنَّتِیْ عِنْدَ یعنی مری است میں فساد بھیل مانے فضکا حِنْدَ کے دفت ہوشمن معبوطی کے سساتھ میری سنت برعل کرسے اس کوایک سو میل عاص میری سنت برعل کرسے اس کوایک سو جلد عاص میری سنت برعل کرسے اس کوایک سو جلد عاص میری المطابع شیدوں کا تواب ملے گا۔

اس مدیث کوامام بیمتی علیدالرحمتر نے میں اسکان بدائد بدائیں صرت ابن عباس فی النہ عنہا سے دماشیر شکواہ میں ۱۳۰۰

بيماري اورعلاج كاييان

دسول الندملی الندعلیسطم نے فرما **یا کہ الن**دتعا لی نے کوئی بیا دی نہیں ا تا دی تھراس سے بیے شفا بھی آنا دی ۔ دبینا دی دشکوٰۃ ج ۲ ص ۲ ص ۲ ص

ادرْصُوداکم ممل النُّدُ علیرتِم کایم<mark>ی ادشادہے کہ ہر یادی کے لیے دوا م</mark>رج دہے جب بیاری کوددا پینے جلنے کی الم<mark>نڈ تعالی کے م</mark>کم سے اچھا ہوجائے گا۔ (مسلم ومشکوٰۃ ج۲م یہ ۲م)

أُبودا وُدو ترمذی وابن ما مرف معفرت الوبرر رود و من الرست دوایت کی کردسول الش<mark>دملی ا</mark>لیشد علیرو تم فی خبیریت دواژن سے مما نعت فرمانی اور دسول السّرصل السّر علیده تم نے نظر پر سے جھا ال<mark>م</mark>

بعونك كرف كاجازت دى ب رمشكوة ع ٢ص ١٣٨٨

بیمار مرسی ایماد کا مال بوج تا بلسے تواب کا کا م ہے اور ل الندسی التر علیہ و تم نے فرمایا ہے کہ بیمار مرسی ایمن کے میاد مرسی کے لیے میں کوجائے توشام تک سر بزاد فرشتے اس کے بیاد دمائے مغضرت کے بیاد دمائے معضرت کے بیاد دمائے کے

ك دعاما بكت بين رالجداد دع ٢ص ١٨١

اددایک دومری مدیت میم بے کوتی تھی کمی سلمان کی بیار پرسی کے یا جا تلہے ، توآسان سے ایک اعلان کرنے والافرشتر پر ندا کرتا ہے کہ تواجعا ہے اور تیرا میل اچھا ہے اور جنت کی ایک منزل کوتو نے اپنا ٹھکا ڈاپنالی دمشکو ہے وہ میں ، ۱۱۰)

مشلہ، *مریعن* کی بیاد پرس کے ہے جا ناسنت اودٹواپ سے ہیکن اگر<mark>معلوم ہوکہ بیا</mark>د پرس کو جائے گا تومریعن پرگراں گزدے گا توالیی حال<mark>ت میں بیاد پرس کونہ جائے</mark>

مسئلم، حرام چیزدل کو دولکے لود برجھی استعمال کرناجا نزنہیں کر سول الندمل الندمليدوسلم فرايله در کوچيزي حرام بي ان بي الندتعالی في شفانيس دکھی ہے۔ انگريزی دوائي بكترست اليس بي جن بي ابسرٹ، اكومل اور شراب كي ميزش جوتی ہے اليسی دوائيس برگز استعمال زى جائي دشكوٰة ع ٢٥٨ ١٥٨)

مسلم بنظر بسام اوی ملاع می ناجا نرج جیسے ذم میں شرب لگائی یا کی جا اور کے دخم بیں شراب لگائی یا کی جا اور کے دخم بر شراب کا بر شراب کا بر شراب کا بر شراب کا استعال کیا یا کرایا ۔ استعال کیا، ان سب سورتوں میں وہ گنہ کا دم وارجس نے شراب کو استعال کیا یا کرایا ۔

دعالمگری عص ۱۳۱۱

مستلماد حفنه کمن بین عمل دینے میں کوئی ترج نہیں بیر کم حقدالیں چیز کان ہوجو توام ہے مثلًا شراب (بدایہ ج م م ۴۵۹)

مستند، رسی امران می مربین کوید ہوش کرنا پڑتا ہے تاکر گوشت کا اماسے یا ہمی کوکاٹایا جوڑا جا سکے بازخم میں ٹانے لگئے جا بی اس مزودت سے دوالاں کے ذریعمرین کویہ ہوش کرنا جا نزسے رہا اسٹرلیت ج ۱۱ص ۱۲۷)

مسئلمه حقندگلف یا پیشاب آماد نے کیلے مطا نی جڑھانے میں اس جگری طرف دیکھنے پھیوے کی نوبت آتی ہے اوم مزودت ایسا کرنا جا ٹرہے

مستملم: -اسقاداش کے لیے دوااستعال کر ایا دوائی سے مل گروانا منعسب بچرکی مورت

مسلمند بیادی می منقان دینے والی چیزوں سے پر بیز کرناسنت ہے بد بی میزی نہیں کرنی چاہیں الدواؤد دع ۱۹ ص ۱۸)

مسئلہ: مرئین کھلانے پلانے می ذہر دستی نہیں کرنی چاہیئے مدیث ہیں دسول النّہ صلی السّر علی السّر علی السّر علی السّر علی و السّر علیہ و کا فروان ہے کم دیفوں کو کھانے پرجبود نہ کہ و کی مربینوں کو السّر تعالیٰ کھلا آیا ہا آیا ہے دمشکوہ ترج موسم کی السّر کے اللہ اللہ میں اللہ اللہ اللہ و در این مام، پر مکم اسسس وقت ہے کہ کھانا مربین کو صور نہوا ورکھا سنے کی استرا دصادق ہو۔

مستعلم دین بیادلوں سے دوسروں کونغرت ہوتی ہے جیسے خادش ، کوڈھ وغیرہ لیسے مربعنوں کو جا ہیئے کروہ ٹو ذرسب سے الگ الگ دہیں تاکرکسی کوٹکلیٹ مزہو

قران كى تلاوت كا تواب

قرآن جید پڑھنے اور پڑھانے کے فضائل اوراجرو ٹواب بہت زیادہ ہیں اسکے متعلق چند مدیٹوں کو پڑھ اوا وں ان پرعل کر کے اجرو ٹواب کی، ولتوں سے مالامال ہوجا وا۔ صدیب : رول الندصل الندعليدولم في ادشاد فروايا كرتم ين وه بهترين عفى ب جوزان مجيد يرف ادر بيرها في دين من ٢٥٠)

مدمیت بیصفوداقد س مل التذعلیه وسلم نے ادشاد فرایا کرجوقرآن بڑھنے میں ام برہے دہ کرا ماکا تبین کے ساتھ ہے اور جوشف دک دک کرقرآن بڑھتاہے اور دہ اس برشاق ہے، لعنی اس کی زبان آسانی سے نہیں ملی تکلیف کے ساتھ الفاظ ادا ہوتے ہیں ، اس کے سیاح ددگن اواب ہے دا اودا و دعلوا ص ۲۱۲)

مدیرے احدید اور الم الناملیرولم نے فرمایا کرس کے سینے میں کچو بھی قرآن نہیں ہے وہ ویمانز اور اجا ڈرکان کے شل ہے۔ (ترمذی ع۲ص ۱۱۵)

صدیرے ، جس نے آن جید پڑھاا وہاس کویاد کرلیا اوداس نے قرآن کے ملال کیے ہوئے کو ملال کھیا اور ڈام کے ہوئے کو ٹرام جا ٹانو وہ اپنے گھروالوں بی سے لیسے دس آدمیوں کی شفاعت کرے گاجن کے ہے جہنم واجب ہوچ کا تھا ا ترمذی ۲ می ۱۱۳

صربیٹ، دِعنوداکرم ملی الٹرولیہ وسلم نے معنرت ابی بن کعب دِمن السّدعنہ سے ددیا فت فرما یا کہ نما ذمیں تم سفے کون سی سورہ پڑھی انسوں نے سورہ فاتحہ

پڑھ کرنائی توآپ نے ارشاد فرمایا کر چھے اس ذا<mark>ت کی قسم ہے جس کے قب</mark>ضہ قدرت ہیں میری جان ہے کہ ذاس کے شل توریت جی کوئی سورہ انادی گئی ذانجیل میں نز دلودیش یہ سورہ سبے اود قرآن عظیم ہے جو یصے فعالی کھرف سے عطاکی گیاسہے .

(ترمذى ع ٢ص ١١١)

حديث ، يوتخص سورة كہمت جمعہ كے دن ير سے گااس كے ليے دونوں جمعول كے درميان توردوش بوگا دشكواة عاص ١٨٩)

صدیم بدو تخص الترتعالی کی د صاکے لیے سورہ لیس پڑھے گااس کے انگے گناہوں کی معنفرت ہوجائے گائی اور عفور کی معنفرت ہوجائے گائی اور عفور کی معنفرت ہوجائے گائی اور عفور التحریم سے التحریم سے التحریم سے جس نے احدیم سے دوس مرتبر قرآن پڑھنا التر تعالی اس کے لیے سکھے گا

(مشكواة ع اص ١٨٧)

صدمیث درسول السّرصی السّرملیه وسلم نے فرما یا کر قرآن بین تیس آیتوں کی ایک سُودہ ہے وہ اَدمی کے بیے شفاعت کرے گی یہاں تک اس کی مغفرت ہوجائے گی روہ سواہ مگک ہے۔ (ترخدی ج ۲ م س۱۱۱)

صدیمت اصورطیالسلاة والسلام نے مزم یاکہ قُلْ هُوالله اَحکُ تها نُ مُورِالله اَحکُ تها نُ مُورِالله اَحکُ تها نُ قرآن کے برابراور قُلْ یاکی کے الکفورون جوتمان قرآن کے برابہ در ترفزی وس ۱۱۱۸ اوریہ بمی ادشاد فرما یاکر بی تخصصوت وقت بچھو نے بردا منی کروٹ لیٹ کوسوم تیرسورہ قُلْ هُوَاللّٰهُ اِحد بِرُسِط قِامت کے دن التا تعالیٰ اس سے فرمائے کا کہ لے میرے بندے! ابنی دا بن ما نب جنت میں میلا جا د ترمذی نع ۲ص ۱۱۱۳)

خران مجبدا وركتا بول كے آداب

مستعلمہ: تَحَرَّآق مِید پرسونے چا ندی کاپا نی پڑھا نا اورتیتی غلامت پڑھا ناجا ترسید. کراس سے عما کی نظروں میں قرآن کی عظست بیا ہوتی ہے (عالمگیری ے ۵ص ۲۸۵)

مستلمہ: قرآن مجید بہت جبوٹ سائز کا جبیدانا جیسے کہ لوگ تعوی<mark>ندی قرآن جبیوا تے ہ</mark> ہیں ۔ کمردہ ہے کہ اس سے قرآن مجید کی عظمیت عوام کی نظروں میں کم ہوتی ہے ۔ دعالگیری سے مص۲۸۸)

مستعلمہ وقرآن جید بہت ہما کا اور لوسیدہ ہوگیا اور اس قابل نیں رہاکہ اسس میں الادت کی جائے اور جا کہ اس کے اوراق ادصرے ادھ بھر جائے ہوگیا۔ اس کے اوراق ادصرے ادھ بھر جائے ہوئی گردن کردیں اور دفن کرنے میں اس پر تختر لگا کردن کردیں تاکہ قرآن جید پرمٹی نر بھر ہے گران ہوجائے تواس کو جایا نہ جائے دعالمگری ہی ہوجائے تواس کو جایا نہ جائے دعالمگری ہی ہوجائے گا۔
مستعلمہ وقرآن جید پراگرتو ہی کے اداوہ سے کس نے پاؤں دکھ دیا تو کا فرجو جائے گا۔

دمالمگری ع ۵ من ۲۸ او ماگریے افتیار خللی سے یا وُں جُرگیا توقرآن نجیکوادب سے الخما کر اوس دے اور تو رہ کرے ۔ اور تو سکرے ۔

مسئلہ ،کسے نمض خروبرکت کے لیے اپنے مکان میں قرآن جمید دکھا ہے اود اکس میں تلادت نہیں کرتا تو کچھ گنا ہ نہیں ، بکہ اس کی یہ نیرتت باعث تواب ہے۔ (مالگری چے ۵ص۲۸)

مستملم ، رننت اور نحود صرف کی آبوں کو نیچے دکھے اور ان کے اوپر ملم کلام کی کتابیں دکھی جائیں انکے اوپر فقرک کا بیں اور مدیت کی گابیں دکھی جائیں اور ان کے اوپر نفیر کی کابوں کو دکھیں اور سب کابوں سے اوپر قرآن جیدکو کمیں اور قرآن جید کے اوپر کوئی چیز مذکھیں بلکر قرآن جیدجس کیس یا المادی میں ہواس کمس اور المادی کے اور پر بھی کوئی چیزند کھیں۔ (عالمگیری 6 ص ٢٨٥) همستملہ ، حسم گھرش قرآن مجد ہواس میں ہوی سے صحبت کرنے کی اجازت ہے۔ قرآن مجید بر بردہ پڑا ہو قرآن مجید کی طرت بیٹھ کرنایا باؤں بھیلانا قرآن سے اونجی حکم بیٹھنا سخت خلاف ادب اور منوع ہے (عالمگیری چوس ۲۸)

مسیداور قبلہ کے اداب

مسلم بمسجد کوچ نے اور کے سے تقش کرنا جائز ہے اور سونے پاندی کے پان سے نفش و نگاد بنا نا درست ہے جبکر کوئی شخص لہنے مال سے ایساکے سبحد کے وقت کے مال سے ایساکے سبحد کے وقت کے مال سے متولی کولیے نقش و سے متولی کولیے نقش و سے متولی کولیے نقش و نگاد بنوانے کو کم وہ بتاتے ہیں، کرنماذی کا دل او مرمتوم ہوگا اور و صیان بٹے گا۔

(در متاروما لمگری عص ۱۸۱۱)

هسطر برسیدس کی نا ،سونا معتکف کے لیے جا زہد عیر معتکف کے لیے کسانا سونا محروہ ہے۔ اگری شخص سیدس کی ایا سونا جا بتا ہوتواس کوچا ہیں کہ اعتکاف کی نبت سے مسیدس واضل ہوا ورکی ذکر اللی کرے یا تا ارفیاس کے عیر سیدس کی اندر دوزہ انگری مسیدس واضل ہوا ورکی ذکر اللی کرے یا تا دیگری میں دور ۱۲۸۲ ہندوستان بی مام طور پر بیدواج ہے کرادگی مسید کے اندردوزہ افطاد کرتے ہیں اور کھاتے ہیئے بی اگرفاد مسید کوئی ایسی مگرم ہوجے توسیدی نافطاد کریں ورزم بیدسی دافسل میں مگرم کی افا فرودی ہے کہ ہوتے وقت اعتکاف کی نیت کریں اب افطاد کرنے یسی کوئی میں مگرم کی افا فرودی ہے کہ مسید کے فرش اور چائیوں کو کھانے یا نی سے آ نورہ مرکریں .

حمستُکُر: مِسبحدکوداسته بنانامسبحد می کوئ سامان یا تعوید و بیچنا یا خرید ناجا تُزنیس (ما لمگیری ے ۵ص ۲۸۲)

هستگره: مسجد کے سائل کو دینایا مسجد میں دنیا کی باتیں کرنا منع بیں مسجد میں دنیہا وی



بات چیت نیکیوں کواس طرح کھالیت ہے جس طرح آگ کڑی کو کھاڈ التی ہے یہ ما کر کا م کے تعلق ہے ناما ٹرکام کا گناہ تو لوچینا ہی کیا ہے (در مختاد ودد المحتاد)

همستلد: مسبحد کی جست پر حیر صنا کمرده ب کری کی دج سے سید کی جست پر جا عت کرنا بھی کمرده ہے ، دیا الگیری ع۵ص ۱۲۸۳ بان اگر نمازیوں کی کنزت اور سیدیں تنگی ہوتو جست برنماز پڑھ سکتے ہیں جیسا کر بمی اور کھکتہ میں سیجد کی تنگی کی دجہ سے جست بر بھی جاعت موتی ہے ۔

مستثلرہ: عظمت اودامتزا کے لحاظ سے سب مرا درمیس پر حوام یعن کو مقدسہ کی مسجد کلہے ہے مرسجد نبوی کا ہومس پر مبیت المقدس کا ہم حیا مع مسجد کا، ہو محل کی مسجد کا، ہم مرکزی کی مسید کا مطرکوں کی مسسی مدوں کا دعالمگیری ج ص ۲ ۸ ۲

مسئلہ: مبردوں کی صفائی کے بیا بابیوں اور چرگاد ٹروں وغیرہ کے گونسوں کوؤی کر بھینک دینا جائز ہے رما لمگیری کا ۲۸۲)

مستشلہ، مسبحدوں میں جو تا پہن کداخل ہونا مکردہ ہے دعا نمیگری ع ۵ص ۲۸۲ اپیاس د قت ہے جبکہ جو توں میں نبے است نرنگی ہوا دواگر جو توں میں نباست منگی ہوتوان نا پاک جو توں کو پسن کرمسبحد میں داخل ہونا سخت حوام ہے۔

مستعملم: مسجدیں ان آداب کا فاص طور پرخیال دکھیں (۱) جب سبحدیں واصل ہوتو سلام کرے بشرطیک دیمال لوگ ذکرائٹی اور درس یا ٹماذین مشغول نرجوں اورا گرمبی دیں کوئی موجود نرجو یا جولوگ موجود موں وہ عباد تون میں شغول ہوں آدائسلام علیکم کنے کی سجائے لوں کے :۔ زمی وقت محمود و نرجو تو دو دکھنت تحیالمسبعد

ادا کے۔۳۱ خرمید فروخت نزکرے ۲۰ ہنگی تلولائے کوسبر میں نبجائے ۵۱ گی ہوئی چیز عِبّا کوسبحد میں نڈھونڈے ۲۰ فرکرالٹی کے سواآ واڈ مبند نزکرے۔ (۲ ادنیاک باتیں مسبحد میں نزکرے۔ ۸۱ بوگوں کی گوذیں نرمجوللنے (۹) مگر کے یہنے لوگوںسے قبسگرانزکرے۔ (۱۰۱۰)س طرح نر جیشے کر لوگوں کے بیے عبگر تنگ ہوجائے (۱۱) تمازی کے آگے سے نرگزدے (۱۲) مسجد پی تصوک اود کھڑکا دنرڈ لے (۱۲) انگلیاں نرچٹخائے (۱۲) نجاست اود بیجن پاکھوں سے سبحد کو بچائے ۵۱) ذکرِ الہٰی کی کنرت کرے دعا لمگیری ے ۵ص۲۲)

مسٹنلہ: قبلہ کی طرف منہ یا بیٹھ کر کے بیشاب یا خانرکزاجا ٹزنہیں ہے اس طرح قبلہ کی طرف نشاز بناکراس پرتیرم لِاِتا یا گوئی مارٹالینی چان<mark>د ما</mark>دی کرنا کمردہ ہے قبلہ کی طرف تعویٰ کہ می خلاف ادب ہے رما لیگیری می ۵ ص ۸۱ اوغیرہ)

لبوولغب كابيان

معظم البر المحلف المحدث الله المحدث المحدث

مستنگر، ناچنا آلی بجانا، ستاد، بادی بی بینگ ، لمنبوده بجانا اس طرح دوسرے قسم کے تام باجے سب ناجائز ہیں اس طرح با دیونیم دصول بجاکہ گانا سنا نا اودسننا ہی ناجائز ہے دعالمگری چے ص ۸۰۰۰)

مستعملہ : رعید کے دن اور شاولوں میں دف بجلنے کی اجازت ہے جیکان دنوں میں

جانے نرکھے ہوں اور دوسیقی کے قواعد پر دبجلئے جائیں میکر محق ڈھسپڈھسپ کی بے مری آواز سے فقط نکاح کا اعلان مقعدود ہو (روالح تاروعا لیگری جے ہے میں ۸-۳)

مستعلمہ ،دکیوتر بان اگراڈ اسنے کے بیے نہ ہوتو ما تُزہے اور اگر کیوتروں کو اڑلنے کے
بالاجا آیا ہے تو ناما ترہے کیؤ کم کیوتر بازی یہ بی ایک تسم کا نہو ہے اور اگر کیوتروں کو اڈل نے
کے بلے جیست پر چڑھ تا ہو جس سے لوگوں کی ہے بددگی ہوتی ہوتو اس کو سختی کے ساتھ منے کیا جا ٹیگا
اور دہ اس پر بھی نمانے تو اسلامی حکومت کی طرف سے اس کے کیوترون کے کے اس کو وے دیے
جائیں گے تاکر اڑا نے کا سلسلہ ہی تم ہوجائے (در مشاروس مے 1)

مستنگر ، رجانیدوں کو الوانا جیسے لوگ مرع، ٹیر تی ترمینڈموں کو اڑاتے ہیں میرام ہے اوران کا تماشا دیکھنا بھی ناجا گزہے رہاد ضربیت ع۲اص ۱۹۱۱

مستعلم در اکھاڈوں میں کشی او نا اگر کہو و لعب کے طور پر نے ہو ملکہ اس سے مقعود ابنی جمانی طاقت کو بڑھا اس سے مقعود ابنی جمانی طاقت کو بڑھا نا ہو تو یہ جمانی طاقت کو بڑھا نا ہو تو یہ جمانی کا منظوٹ اور مائیکہ بین کر ہوکتنی الرین میں ران وغیرہ کھی رہتی ہیں بینا جا ترہے اور لیسی کشتیوں کا تماننا دکھینا ہمی نا جا ترہے کیونکر کسی کے مترکو دکھینا حرام ہے۔ ہما درجے منورا قدس ملی المتر ملیہ وسلم سے معاولات سے کتی لڑی اور تین مرتبراس کو بچھا ڈاکیونکر کیا نہ بدلوان نے کہ تھا کہ اگر آپ مجھر بھیا ہما

دی توی سالمان ہوجاؤں گا۔ چنا نیم دلکان مسلمان ہو گئے (ددختا رود دا کمنتاری ۵ص ۲۵۹) مستعملہ چراگرلوگ اس طرح آئیس میں بنسی خالق کریں کہ ندگائی گلونی ہوزکسی کی ایذا رسان ہو بلیم صف بربطف اود دل خوش کرنے والی باتیں ہوں جن سے اہل محفل کو مبنسی آجائے اور تفریح ہوجائے اس میں کوئی حرج نہیں بلکرایسی تفریح اود مزامی دسول السیم میل السیم السیم اور صحابہ سے تابت ہے (دیکھو ہادی کتاب دوحانی محکایات آؤل ودوم)

علم دبن طرصف اورطرها في فقيلت

علم دین بڑھنے اور بڑھانے کی نفیلت اور اس کے اجرو نواب کی ففیلت کا کیا کہتا ہ اس علم سے آدمی کی دنیا و آخرت وولوں سنورتی ہیں اور یسی علم ورایع نجات سے الٹرتعالی نے قان جیدش علم دین ملسنے والوں کی بزرگی اور ففیلت کو بیان کرتے ہوئے ادخا وفرما یا کہ :-

يَرْ فَعِ اللهُ الَّذِينَ الْمُنُوّا التَّمْعَالَى تَمَادَ المَانَ وَالُولَ كَاوَدَ مِنْكُوْرَ وَالْكِوْيْنَ أُوْرَبُولَ الْعِلْمُرَدُ وَالْكِوْيْنَ أُوْرَبُولَ الْعِلْمُرَدُ وَسِلْمِ الْإِيرَةِ وَمِاتَ لِمِنْدَفَرُوا مِنْ كُلِّ

ہمادے صنود اکرم صلّی اکٹرملیہ وسلّم نے بست سی مدینُوں میں علم دین کی فعنید سیریان فرما تی ہے اوٹلم دین پڑنصنے اور پڑھ لمنے والوں کی بزدگیوں اور انجے مراتب وودجات کی طلتوں کا بیان فرمایلہے چنانچرا کیے مدیرے میں ادشاد فرمایا د

حرمیت ، مالمی نفیلت ما بربرولیی بی بے بیسی میری ففیلت تمارے ادنا بر بھرفر مایا کوالٹر تعالی اوراس کفر شتے اور تام آسان وزمین والے بیال تک کرچیونٹی لہنے سوداخ میں اور بیال تک کرمجیلی سب اسکی جعلائی جا ہنے والے ہیں جومالم کرلوگوں کو امجی با توں کی تعسلیم دیتا ہے امشکواۃ ع اص ۱۳۸

صديرف بصرت ابن عباس من السُّدعنها فرط ياكراكك كمرى واست مي برصنا برصانا

ساری دات عبادت کرنے سے افعال ہے دمشکوا قدی اس سے

مدیت برعالموں ک دوالوں کی موٹنائ قیامت کے دن تنبیدوں کے ون سے تو بی جائے گا دوال برخانب ہوجائے گا دخلیب،

مدمیث در ملاد که شال یہ ہے کہ جیسے آسان میں شادے جن نے شکی اور سندریں راستہ کا بشمیستا ہے استہ کا بشمیستا ہے ا بتر میلتا ہے اگر شادے مث جائیں تو ماستہ چلنے والے بھٹک جائیں گے دامد،

مدین در ایک الوالدے نیادہ شیطان برس کے اس ۲۰ اس کے برار مالدے نیادہ شیطان برس ہے اس کو اس ۲۰ اس کے برار وی سیکے سکھانے اور دی وی برار وی وی سیکے سکھانے اور دی وی برار وی وی وی وی کی اس ال می مرد اس کے برار وی ہوئی ہی الوں کے جانے کا بمذیبا ور دوی ویٹوی تقریبا میں ہوئی ہے۔ اس لیے برار وی ہوئی ہی اور الا مذہبیت کا سیال برخ سیال اور اور النام الدا مذہبیت کے اور الا کی برست سے قوالت الدادہ اور الشرور وی سیال میں اور مانتے ہی نہیں کر قدام وجود ہے اس بے دی کے طوفان کا ایک ہی سب برک کا انکاد کر بیٹے ہیں اور مانتے ہی نہیں کر قدام وجود ہے اس بے دی کی طوفان کا ایک ہی سب برک کا انکاد کر بیٹے ہیں اور مانتے ہی نہیں کر قدام وجود ہے اس بے دی کی طوفان کا ایک ہی سب برک کے مدار ودی ہے کر مسل اور بی وی کا علم برگرمنا جو دی فرصت نکال کر دین کی مزودی باقوں کا مسلم بے مدار ودی ہے کر مسلمان مردد موردی باقیں کا مسلم ماصل کر یہ اور ایک اور بیوں کو مزودی باقیں کو میں بات ہوئی ہی ہے تاتے اور سکماتے دیں ، اگر این کو دین کا اتناج ہم تو سکما دین کر وہ مالین ای دورہ بائیں .

حلال دوزى كماتے كابيان

ا تناکی نا ہرسل ن درفرض ہے ہواپنے اور اپنے اہل وعیال کے گزارہ کے یے اورجن لوگوں کا فرم اس کے ذمہ واجب ہے ان کا فرق مجا نے کے لود اپنے قرضوں کو اوا کرنے کے لیے کا فی ہو۔ اسکے بعداسے افتیاد ہے کہ اتن ہی کہ ن پربس کرے یا اہنے اور ا ہے اہل وعیال

کے یے کچے ہیں ماندہ مال دکھنے کی بھی کوشش کرے کس کے ماں باب اگرمشاۓ و تنگ وت موں کو الاکوں پرفرض ہے کہ کک کوانیس اتنادیس کوان کے لیے کا فی ہوجائے۔ دعا لمگری ے ۵ ص ۵ ن ۳ ا

مستثلہ ؛ رسبے انعن کما نُ جادے بینی جا دیں جو مال غنیمت حاصل ہوا۔ جا دکے بعدانعنل کما نی تجارت ہے ہیم زُداعت ہے ہوسنعت وحرفت کا مرتبہ ہے ۔ (عالمگری جے ص ۲۰۷)

مستلہ : جولوگ سرد وں اور بزرگوں کی خانقا ہوں اور درگا ہوں میں بیٹے جاتے ہیں اور سہراد قات کے بیے کوئ کام نہیں کرتے اور اپنے کومتوکل بتا تے ہیں حالا نکہ ان کی نظریں ہر وقت لوگوں کے جبوں پر نگی رہتی ہیں کوئ ہیں کے دے جائے ان لوگوں بنے اس کوا پنی کمائی کا بہتہ بنالیا ہے اور یہ لوگوں سے دہیں کھسوٹتے ہیں ان لوگوں کا در اور ان اور کی محرو فریب سے کام نے کولوگوں سے دہیں اس سے ان لوگوں کا در اور ان ان اور ان اور ان ان اور ان ان اور ان ان اور ان ان ان اور ان ان ان کوئوں کے در ان ان اور ان ان کوئوں کے در ان ان ان کوئوں کا ان کوئوں کا کوئوں کے در ان کوئوں کوئوں کا کوئوں کوئ

مستعلم المرانبی مزورتوں سے بست زیا دہ ال ودولت کرا آاگاس نیت سے ہو، کہ فقراً ومساکین اورا بینے دنشتردادوں کی مدد کریں گے تو یہ ستحب بلک نفل عبادتوں سے افغل ہے اوراگر اس نیت سے ہوکر میرے دقاد وعزّت میں اصافہ ہوگاتو یہ می مباح ہے لیکن آگریال کی کٹرت اور فخر د کل کرئی نیتند سے زیادہ مال کائے تو یہ ممنوع ہے دعالیگری نے ۵ص ۲۰۲)

عاد کی میں اور کھوکر مال کا نے کی بعض مورتیں جا تربی اوربعض صورتیں ناجا کر ہیں صفر ور کی میں میں اور اور اور ا مشرور کی میں ہیں اسلان پرفرض ہے کہ جا کر طریقوں بڑس کرے اور ناجا کر طریقوں سے دور جا گے۔ النّد تعالیٰ نے قرآنِ مجیدیں ارشاد فرمایا کہ ،

لینی آنس میں ایک ودسرے کے مال کو

ولأستأخ لواأموالك تر

بَيْنَكُوْ بِالْبَاطِلِ مِن الْمَاكِمُ مِن كَالَ مِن كَادُ. ومرى مِرَّرَان مِيدِين رب تعالى في زماياكه .

كُلُّوْ إَمِمَّا رَزَقَكُمُ اللَّهُ طَلَّا يَعْنَاللَّهُ تَعَالَىٰ فَجُورُورَى وى باس طَيِّبًا وَاتَّقُوا اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ عَلَى مِن عَمَل وطيب مال كاكفا واللَّمْت اَنْ لُمُوْ يِهِ مُوْ مِنْ وَمُونَى وط ورس مِن المان الله عنو

ان آیتوں کے علاوہ اس بارے میں چند مدیثیں می س لو۔

حدمیث بصحمه می صفرت ابوبریره دخی الندعنه سے مروی سے جفودا قدس ملی الندعلیر دستم نے ارشا دفرہ یاکدالندیاک ہے اوروہ پاک ہی کوئے ندفرہا تا ہے اورائٹدتعا لی نے مومنوں کو بھی اسی بات کا حکم دیا جس کارسولوں کو حکم دیا چنا نجداس نے اپنے دسولوں سے فرمایا کر ہ

يَّا يَتُهَا الْتُرْسُلُ كُلُواهِنَ لَين الدرسولوا ملال چيزوں كوكما واور الطَّيِّباتِ دَلَعُلُو اصالِحًا لا المِصمَّل كرو.

ادر موسين سے فرما ياكرد.

يَاتَيْهَا اللَّذِيْنَ أَمْنُو المُلْوَامِنَ يَنْ الله الواجر كِويم فَيْم كُودياً، طَيِّبُتِ مَا رُزُ قُنْكُمْ ولا الله من الله عنوال جيزون كوكما ود

اس كربيد مورط العدادة والسلام فرزا الكي شخص لمه لي سفر كرتا ب عن كمال براكنده اوربرن كرد آفد براين اس كه مالت الي ب كرودما و نظر و برواس و آسان كل طرف با تحا المحاكر بارب يارب كتا ب وردعا و نكاب كالمحانا كل طرف با تحا المحاكر بارب يارب كتا ب وردعا و نكت بها كماس كى مالت بها بهاك كالمحانا حام، اس كاب سحوام اورغة احرام بهاس كاد ما كيونكر مقبول مورايتي المردع امتبول موسف كن وابش مولومال دوزى اختياد كمد كربغراس كدما قبول موسف كام اسباب بيكادين ومشكواة عاص ١٢٨)

صربیت ، بعنورعلیالعلوة والسلام نفرما یا کرملال ک ف ک الاش می فرائن کے بعد

ايك فريعنه ب المشكوة عاص ١٢٢١

مدیت و صور ملی التدملیر کسلم کا ادشاد ہے کو گوں پر ایک ایسا ذما نرآئے گا کہ آدی پرداہ نہیں کرے گاکہ اس مال کو مال کو کماں سے ماصل کیا ہے مال سے یا حوام سے ؟ (بخاری دستنگوہ جاص ۲۲۱)

حدیمت جیمنوداقدس علیدالسلؤة والسلام نے فرمایا کہ جوبندہ حام مال ماص کرتا ہے اگراس کوصد قد کرے تومجول نہیں اور خراع کرے تواس کے بیاداس میں برکت نہیں اور البنے بعد جبود کرم ہے توجہ میں جانے کا سامان ہے دلین مال کی تین حالتیں ہیں اور حرام مال کی تینوں مالتیں خراب ہی ہیں ، درام احمد)

مستعلمه جودی، داکه بخنب بنیانت، دشوت، شراب سینما بودا، سنره بایع گانا، جھوٹ فریب، دسوکا باذی کم ناپ آول، بغیر کام کیے خوددی اور تنخاه لینا، سود دغیرہ یہ سادی کمائیاں حوام وناجائز ہیں دقرآن ومدسیت وکتب فقہ

مسئلہ ، جس شفس نے مرام طریقوں سے مال جمع کیاا در رکیا تواس کے وارتوں ہریہ لازم ہے کہ اگرانہیں معلوم ہو کہ بی فلال کا موال ہیں توانکو واپس کر دیں اور در معلوم ہو تو کئ مالوں کو صدقہ کردیں کہ جان ہو بچہ کرمرام مال کو لینا جائز نہیں دعا لیگری تا ۵ص ۲۰۰۱ وغیرہ ا

ملامدلام یہ ہے کوسلان کواذم ہے کہ بیشہ وام ال بجتا دہے مدیث شریف ہیں ہے کہ مال بجتا دہے مدیث شریف ہیں ہے کہ مال حوام ال بحث مرا دکر دیتا ہے اس زمان نے میں کو کہ مال دوام کی بدائ ہے کہ نشا نیوں میں سے ایک نشائن ہے لیکن بہرمال ایک سلمان کے بے مال دوام میں فرق کرنا فرض ہے لو برتم یہ مدیث بڑھ چکے ہوکہ فعا کے فرانع کے بعد رزق مال تلاش کرنا میں سلمان کے بے ایک فریف ہے۔



ی بیری مریدی کے بیانے برایات

اد مرددکوچا بینے کراپنے پیرکا فاہر وباطن میں ،سامنے اور پیٹھے انتہا ان ادب واحزام دکھے، بیرجو وظیفہ بتائے اس کو بابندی کے ساتھ پڑھتا دہے اور لینے بیر کے با در میں پائتا دکھے کرجس قدد ظاہری اور باطن نیعن میٹھے اپنے بیرسے مل سکتا ہے اتعااس زمانے کے کسی بزدگ سے نہیں مل سکتا .

۳. بغرایف بیرسے بویھے ہوئے کونی وظیفہ یا نقری کا کوئی عمل مذکرے اور جو کچھ دل میں برے یا ایسے خیالات بیدا ہوں یا سنے کام کاارادہ کرے تو بیرسے پوچھ لیا کرے ۔

الاستان کے ایسے کہ اپنے ہیر کے سلسنے ہے ہردہ نہوا در مرید ہوتے وقت ہیر کے ہاتھ میں ہاتھ ہیں ہاتھ ہیں ہاتھ ہیں ہاتھ ہیں ہاتھ ہیں ہاتھ ہیں ہے۔

۵. اگر خلطی سے کس خلاف سترع بیر کا مرید بن گیا یا پیلے دہ بیر سترایست کا پا بند تھا اب بگر گیا تومر بد کولاذم ہے کراس کی بعیت تو ڈد سے اور کسی دومر سے پا بند شریعت بیر سے مرید ہوجائے لیکن اگر بیریس کوئی بلی سی خلاف شریعت بات بھی دیکھ نے تو فوڈ ااعتقاد نما ب کرے اور یہ بچہ لے کہ بیر بھی آدی بی ہے کوئی فرشتر تو ہے نہیں اس بے اگراس سے اتفاقیہ کوئی معمولی سی خلاف تشرع بات ہوگئی ہے جو تو بر کر لینے سے معامت ہوسکتی ہے تو ایسی بات پر بذخن ہو کر بیر کوئر چو ڈسے باں البت اگر بیر بدعقیدہ ہوجائے یا کمی گناہ کمیرہ پراڈ ادہے تو بھر مردیدی تو ڈ دسے کیونکہ بدعقیدہ اور فاستی معلیٰ کو اینا بیریا نام ام ہے۔

الد أع كل مح مكار فقرك كرت من كمشريوت كاداستدادد بادر فقرى كاداستدادر ب

ایسا کے والے نیقرخواد کتنا ہی شعبدہ دکھا میں مگران کے بارے میں میں عقیدہ دکھنا قرص ہے کریے گراہ اور جو سے ہیں اور یا در کھوکہ لیے تقیروں سے مرید ہونا بست بڑاگھاہ ہے الدوہ جو کچھ تعجب فیز چنریں وکھاں ہے ہیں وہ ہرگز ہرگز کرامت سیس، میکرچا دویا نظر بندی کاعمل یا شیطان کا دھو کا ہے۔ وکھاں ہے بی وہ ہرگز ہرگز کرامت سیس، میکرچا دویا نظر بندی کاعمل یا شیطان کا دھو کا ہے۔ دیکھو ہمادی کی معمولات الاہماد)

اگریسرے بتلے ہوئے دخیفوں سے دل بیں کچھ دوشنی یاا بھی حالت بیدا ہو یاا ہے اچھے اچھے خواب نظرآئیں یاخواب و بیدادی میں بزرگوں کا دیداداہاں کی نریادت ہونے دیگے یا تما ذاود و خلیفوں میں کوئی چک بیدا ہویا کوئی خاص کیفیت یا لذّت محسوس ہو تو خبردادا بغردادان با توں کا اپنے بیر کے مواکسی دو مرسے سے ذکر نرکرے ، نراپنے و ظیفوں اور عبادتوں کا پیر کے علاوہ کس سے سامنے الممالہ کہ رہے ، کیونکہ بی ہم کر دینے سے یہ میں ہوئی دوحانی دولت بیلی جاتی ہے اور پھر ارید عمر جمر باتھ طمّادہ جلے گا .

اس کے الطاف تو ہیں عام شہیدگی سب پر تجے سے کیا صندتھی جاگر توکمی شب ابل ہوتا

9. برمربیکولادم بے کددسرے بندگوں یا دد مرسے سلسلمی تنان میں برگز برگز کبی کوئی
گتا نی اور بے لاب ذکرے ، ذکری دو مرسے بیر کے مربیدوں کے سامنے کبی یہ کے کہ میرا بیر
تہادے بیرے اچھاہے یا جھادا سلسلم تمادے سلسلے بہترہے نہ یہ کے کہ جادے بیر
کے مربی تمادے بیرے ایادہ بیں یا بھاسے بیر کا فائدان تمادے بیر کے فائدان سے بڑھ بڑھ کہ کہ مربی تمادے بیرے فائدان سے بڑھ بڑھ کہ کہ ہے کو نکراس تقول باتوں سے دل میں اندھیل پیدا ہو جاتا ہے اور نخو کردکا شیطان سر پر
سواد ہوکر مربیک جسنم کے کرسے میں گا دیتا ہے اور بیروں و مربیدوں کے درمیان نفاق و شقاق، پادٹی بندی اور تم میران مقاتی و شقات، بادئی بندی اور تم میران مقاتی و شقات ، بادئی بادئی میں اندھیل بیروں و مربیدوں کے درمیان نفاق و شقات، بادئی بندی اور تم میران مقات و شقات ، بادئی بندی اور تم میران میں اور تم میران کی اور قتر و دنیا کی بادئی کا بادادگر میران میں اور تم میران کی اور قتر و دنیا کی بادئی کا بادادگر میران کی میران کی اور قتر و دنیا کی بادئی کی بادئی کی بادئی کی درمیان میں کا دور تم درمیان کا کو بادئی کا دیا کہ بادئی کی درمیان کی کردیا کو کردیا کردیا کی کردیا کی درمیان کا کی کا دیں کردیا کی کردیا کی کردیا کی کا دربیا کی کردیا کی کردیا کردیا کی کردیا کی کردیا کی کردیا کی کردیا کردیا کردیا کی کردیا کی کردیا کی کردیا کردیا کی کردیا ک

مُريدُوكس طرح ربنا چاہيئے ؟

ا۔ صرورت مے مطابق دین کا علم حاصل کرتا دہے بنوادی بیں بڑھ بڑھ کریا ما لموں سے پوچھ لوچھ کر۔

۲. سے گناہوں سے بیتارہے

- الركيم كون كناه بومائة وفداول عضرنده بوكرندات توبركس
 - ۴. محمی کواینے باتھ یاذبان سے تکلیف زدے مرکمی کاکوئی حق مادے۔
- ۵. مال کی عبت اور عزت دخرے کی تمنادل میں زد کھے نہ اچھے کھانے اور اچھے کبڑے کی فکر کے دقت یرجو کچھ مل جاتے اس یرمبروشکو کرے ۔
- ۲. اگرکی خطاپرکون ٹو کے توانی بات کو بڑے کرکے اس پراڈا ندرسے طیکہ فوڈ ای فوٹی د ل
 ۲. این خلطی کو سیم کرنے اور توبر کرنے۔
- ٤. بغر مخت منوست كم مفرد كر يكونكر سفري مبت ى دامنيا في موتى بد، اوربت

سے دین کاموں اور وظیفوں یہاں تک کرتمانوں میں ملل بیدا ہو ما یا کرتا ہے۔

٨ كى عصروالكرادندكى.

9. بست زياده اورقبقه ركاكر نسن.

.۱. بريات اورم کام مي شرييت اورسنت کي بندی کا خيال د کھے۔

۱۱۔ نیادہ وقت تنمان میں سے اگر لوگوں مطاعل بڑے، تو لوگوں سے عاجزی اور

انک ادی کے ساتھ ملے سب کی فدمت کرے اور ہر گز اینے کسی قول وفعل سے اپنی ٹرائی د جلئے۔

اد امیروں کی صحبت میں بہت کم نیٹھے۔

ار بدد یون اور برفعلوں سے بہت وور بھاگے۔

سماد دوسروں کا عیب نر دُموند سے بکر اپنے عیبوں پر نظرر کھے اوراین اصلاح کی کوسٹسٹ یں سگا سے ب

١٥. نانون كوافي طرح المصوقت ميها بندى كساتحدل لكاكريس.

۱۹. جوکچے نقصان یا دفخ دخم پیش آئے اس کوالٹ کی طرف سے جائے اوداس پرمبر کرے اور سے کھا دون کی خوسشی اور سے کھا دون کی نوسشی مامل ہو تواس پر خدا کی شکر لوا کہ سے اور دون کی الٹر تعالی اس نفنج اور نوش کو میرے حق میں بہتر بنائے .

۱۷۔ ولیانیان سے بہوقت فعا کا ذکر کرتا دہے کی وقت غافل مزرسے کم سے کم ہروم یہ خیال کرے کرالتّٰہ ٹیمے دیکھ دہاہے۔

۱۸ جهان تک م و سنکے دومروں کود بی یا دنیا کافائدہ مینچا آادہے اودمرگزکسی مسلمان کو وہ نعتمان نرمپنچاہئے۔

١٩. خوداك مي زاتى كى كرم كركزور يابياً د بومائ ذاتى ذيا دتى كرم كرعبادت مي

مستنى بونے گھے۔

٧٠ الشدتعالى كسواكمى آدى سے كوئ اميدادرآس ندرگائے اور مرگزيد خيال ندر كھى فلاں مگاسے الشدتعالى سے آس لگا سے مگرسے يا فلاں آدى سے بھے كوئ فائدہ مل جائے گابس الشدتعالى سے آس لگا سے دكھ اولاس عقيده پر جادب كا گرائش تعالى چلى تا تعالى نيس برے كام آئيں كے اور اگرائش تعالى نيس آسكتا .

١١. جان مک بو محمسلانوں كے عيوب كوچيائے.

۲۲. مهانوں،مسافزوں اودعالموں ودرولیشوں کی فدمت کرے اودغری<mark>ہوں مختاجوں ک</mark>ی اپنی طاقت بھرمددکرے۔

١٧٠. اين موت كويا در كھے.

۲۳- دوناندہات کوسوتے دقت دن مجرکے کاحوں کوسوچے کہ آج دن محرشی مجھ سے کستی نیکیا<mark>ں ہو</mark>ئی اود کتے گناہ ہوئے نیکیوں پرفعا کاشکراوا کرے اودگنا ہوں سے تو ہر کرے .

۲۵ جوث، نبیت، گالی کلوح ، نعنول کواس سے میشر بچاد ہے۔

۲۹۔ چوٹھل خلاف مشربیت ہووہاں مرگزندم نہ رکھے اوراس معاطر میں عزیزوا قربا دکی نادامشکی ک بجی کوئی پروانرکرسے۔

۲۶ ۔ اپنی صورت دمیرت ، اپنے علم وفن ، اپنی عرّت وشہرت ، اپنے مال ودو<mark>لت ا</mark> ولماد محل خوبیوں پرمبرگز کبھی مغرورنہ ہو۔

۲۸۔ نیکوں کی معبست میں بیٹھے۔

۲۹. غعرز کرے میشر درا دی او برداشت کرنے کی عادت بنائے ۔

.۲. برشخص سے ذی کے ساتھ بات جیت کرے۔

اس. اینے بیرکے بتائے ہوئے ذکرا ور دولیفوں کی بابندی کرے، اوراس کی نسیمتوں کوہر دم بیش نظرد کھے۔

خيرو بركت والى فجلسين

سلمانوں کی وہ جلسیں جن کے باد سے میں دسول الشرسل الشرعلیروسکم نے فرما یلہے کہ الت مجلسوں میں دھمت کے فرستے اترتے ہیں او درحمتوں اور برکتوں کا نزول ہوتا ہے ان مبادک مجلسوں میں دھمت ہے خرد برکت اورا مروثواسی کی میں میں مسل نوں کا حاضر موثا سعادت اور باعمت خیرو برکت اورا مروثواسی کی دولت سے وال مال ہونے کا ذریعہ ہے۔

اس مجلس میں مضودا قدس میں مفودا قدس میں الترمید پر اصعادت با معادت کا احداث با معادت کا احداث کا درآب کی سرت مبادکہ اور آپ کی مقدس ذندگی کے مالات کا ذکر حمیل ہوتا ہے۔ ان چیزوں کا ذکر میں میں ہوت ہے۔ ان چیزوں کا ذکر ہے اگر سلان اپنی مختل ہیں ان مقدس مقارض میں مجرت ان باقوں کا ذکر ہے اگر سلان اپنی مختل ہیں ان مقدس مفاع ن کو بیان کریں بلکہ خاص ان باقوں کے بیان کرنے کے بیے مختل منعقد کریں تواس کے ناجب کن محمد کی مجالا کون سی وجہ ہو سکتی ہے ۔ بابا شب یقیدنا ہے مجلس جا زیار مستحب اور باعث اجر و تواب ہے جس اس مجلس کے بیے دوگوں کو بابا نا ور متر کس کرنا یقین ایک خیر کی طرف بانا ہے جو تواب کا کام ہے جس امری و معظا و ترسی کے والے مالان کے جاتے ہیں ، اور املان کرے دی کو اس کے مالان کے جاتے ہیں ، اور املان کرے دی کو کو کو کو تا تا ہے اور ان باقوں کی وجہ سے وہ و معظا ورج ہے ناجب کر نمیں ہوجا ہے اس محلس کو ناجا نزا ہد بدعست نہیں ہوجا ہے اس محلس کو ناجا نزا ہد بدعست نہیں کہا جاسکتا !

ای طرح میلاد شریعت میں شیرینی بانٹنا می جا نہے مشانی بانٹنامسلانوں سے بر آہ ایک نیست میں اور اسان کونا ہے جب میلاد شریعت کی محف جا نز ہے تو مشائی بانٹنا جو ایک بائز اود نیک کام ہے اس محفل کونا جا ئز نہیں کردے گامیلاد شریعت کی مجلس میں ذکر والادت کے وقت کو شرے موکم لاہ دسلام پڑھتے ہیں عرب وعجم کے بڑے برے بڑے علی دکرام اور مفتیان عظا کا

نے اس قیام اور ملاہ دسلام کوستحب فرمایا ہے اس یے کھڑے ہو کرسلام پڑھنا بھٹنا جائز اورتواب كاكام بصيعن اكايماولياء كوميلا وشراييف كالمحلس باك مين معنودا فدس صلى الشدعليد وستم كى زيادت كاشرف معى مامل بواسد الرحيديني كما ماسكنا كرصنودا قدس مى الشدعليه وسلم حزودسی اس مجلس میلا دشرلیت می تشرلیت لاتے ہیں میکن اگروہ اپنے کسی امتی پراینا خاص كم فرائي اورتشريف لائي آوركوئ مال بات مي نهي ، بست سفامون كوآ مان نا ماد ف نوانا ہے اور این اور اور اور می اور میں میں اور قیامت مک مشرف فرمات راي م كيونكرالله تعالى في ليف جوب كوجيات ماددان علافهائ ما والكوبرى برى ماقون كاباد شاه ملر شنشاه بنايا ہے اللَّهُ عُرْصَلِّ وَسَلِّوْ وَ بَارِ لَفْ عَلَى حَبِيتِ بِكَ سُلُطَانِ الْعَامِلِيْنَ وَأَصْحَامِهِ الْمُسَكَّدَ مِيْنَ إِلَى يَعْمُ الدِّيْنَ وَ سَلُطَانِ الْعَامِلِينَ اللهِ مِنْ وَأَصْحَامِ اللهِ مَعْمِلِ اللهِ مَعْمِلِ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ اللهُ مِنْ اللهِ اللهُ مَنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ مَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ اللهُ مِنْ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ مِنْ اللهُ ال بست ہی مبادک میسہ ہے اس میلسر کو کرنے والے اور حاضرین وسامعین سب تواب کے مستحق یں ظاہرے کے حضور اکرم من الشرطير وسم کے فضائل و کمالات اوران کے معزات میں سے ایک بست بى عظيم الشان معجزه لين معراج مانى كا ذكر عيل كس قد زمدا وزميل كي ومتول او دركتول سے رول کاباعث ہوگا واس کے سلانوں کو جائے کا زیادہ تعدادی اور بڑے سے اہمام کے ساته اس مبلس فرو بكت كومنعقد كري الدذكر معراج سنف كي يف كيتر تعدادي ما عنر موكر الوادو بركات كى سعادة ى سى مرفراز بول اوداس مقدّى ذات يى نوافل بره كراد دمد قات فيرات كرك أواب وري كى دولتونسيد ما لامال مول.

ا ۱۲-۱۱ ریع الآخر کو حضرت خون اعظم سید تا تیخ عبدالقادر میلانی مسرکی امی مید تا تیخ عبدالقادر میلانی مسرکی امی است کوبیان دمت استرایت می سادر آب کی کرامات کوبیان کرنے کے یہ میں مین کے ذکر کے وخت دعمتوں کرنے کے یہ میں میں خدک کے وخت دعمتوں

اور برکتوں کا نزول ہواکر تلہے لنذایہ علے مجی جائزا وربست ہی یا برکت ہیں اور الاسٹ، اواب کے کام ہیں۔

مع رمیرت باک کے اجلاس اور آب کی مقدی معنود کرم مل النّد ملیدو کم فغنائل اور میرت اورا آباع سنت و شریدت اور دیرت اورا آباع سنت و شریدت اور دیرکت اور میرت دیرک اور خرد کرکت و ایران مواکر تاہے میلا و شریف کی طرح یہ جلے می بست مبادک اور خرد دیرکت والے ہیں ۔ والے ہیں اور اہل علی درما صرین سب تواب یائے ہیں ۔

عدی در اور استون کو کام ابل طریقت عی به وکواد ده افرین از کار داید برست اود الندکا ذکرکرت ملقتیم فرکم بی بیم شجره شریفه برای کریران کیارکوایسال تواب کرت ہیں۔ان صلعوں

کی فعنیلت اور عظمت کاکیا کهنا ؟ ان و کرے علقوں کو عدمیت میں ''جنت کا باغ" کیا گیا ہے .

اس طرع دوسرے کوا کم ادرادلیا دسخام کے تذکروں کی مجلسیں منعقد کرنا ہمی جانز ہے مگر یمنروری ہے کران سب مبلسوں میں دوایا ت مصحربیا ن کی جائیں غیر ذمہ داد توگوں سے نہ وعظ کہ لما یا مبائے نہ خلط دوایتوں کو بیان کیا جائے ورنہ ٹواپ کی میگر مذا<mark>ب</mark> کے سوا اود کچھ نہ سے گا۔

ا بزرگان دین دعلامالین کے وصال کی تاریخ دیں ان کے معلامالی تاریخ دیں ان کے میان کے اس برگان وین دعلامالین کے وصال کی تاریخ دیں ان کے میلاد شریف، نعت بوان اورو کا جا اور ان برگ کے مالات ذخر کی بیان کے جاتے ہیں بھر فاتحد دابعہ الب نواب کی جا آ ہے ہیں بھر فاتحد دابعہ الب نواب کی جا آ ہے ہیں ان بھر کا است میں اندواب کی جا آ ہے ہیں اندواب کے آول باآخریں منہ منہ منہ داوامد کے فراد دس کی زیادت کے بے تشریف ہے جا یا کرتے تھے ہاں یہ صرور ہے کے عرسوں کو زمان مال کے فرافات د ننویات جیزوں سے پاک دکھا جائے جا بلوں کونا جا نز کا موں سے منع کی جا جا ہے ہے گان ان کے سر پر سردگا ان لغویات کی اجا جا ہے تاکہ دخرافات کی دھر ہے ہیں گروہ باز دا ئیں توان ناجا نز کا موں کا گناہ ان کے سر پر سردگا ان لغویات و خوافات کی دھر ہے جس کو دا ڈادینا جا ہے ناک

كاٹ كەنىيى پىينىك دىجائے گى.

ابصال ثواب

يىخى قرآن مجيدك لاوسة ياكلم شرييت يانغلى نما ذوں ياكسى مجى بدنى يا مالى عبادتوں كاثواب کسی دوسرے کو مینچانا بر جا نزہے اوراسی کومام طور پرلوگ فاتحد بنا اور فاتحہ دلانا کتے ہیں زید ے ایمال اواب معردوں کوفائدہ بنتیاہے فقراور عقائد کی کن اوں مثلاً ہوایہ ومترع عقائد نسفیہ یں اس کا بیان موجود سے اس کو بدعت اور اجا ترکنا جالت اورسٹ وحری سے مدیث سے بى اس كا جائز بوزا تابت معينا نير صفرت معدين عياده صحابي دمني الترعش كى والمده كا جسيب انتقال بوگيا توانهوں نے عرض كياكہ يارسول السُّداميرى مال كانتقال بوگيان كے يے كون سامد قد افسل ہے ؛ حضوداتدس نے فرمایا بانی د مسترین صد کم ہے آو حضور کے فرمان کے مطابق احسرت سعدونی التدعندنے کنواں کھدواویا داورا سے اپنی ماں کی طرف منسوب کرتے ہوئے اکمایہ كنوان سعدك مان كے يے ہے دلين اس كا تواب اس كى دوع كوسلے مشكوة ى اس ١١٩٩ اس طرن ایک اود حدیث میں سے کوایک تعف نے عمن کیا یا رسول المندا میری ما ا کا بانک انتقال ہوگیا اوروہ کی بات کی وصیت مزکر سکی ، میراگمان ہے کروہ انتقال کے وقت بكي لول سكى تومدة مزدردى تواكريس اسكى طرف سے مدة كردول توكياس كدوع كو تواب بینے گا جو آب نے ادشاد فرایا کہ ہاں پینچے گا دسلم جے اص ۲۲۳) علام فودی دحته الشرعليد نه اس مديث كى خرع ميں ادشاد فرما ياكر :-"اس مدیت سے ابت ہوا کہ اگرمیت کی طرف سے مدقر کیا جلنے، توحیت كواس كافائده اور أواب ببنيتا ہے اسى يرملاء كا اتفاق ہے ! ا نودی مترح مسلم ج اص ۲۲ ۲۳

اس كے الدوان دونوں مدينوں سے مندرم ذيل سائل مين سايت بى دا ضح اور

برانابت بوتے ہیں۔

ا۔ میں کے ایسال تواب کے لیے پانی بہترین صدقہ ہے کہ کنواں کھدواکر یا ٹل مگواکر ، یا سبیل مگاکراس کا میت کو بخشا جلئے ۔

۷۔ میّت کوکسی کارخیر کا تُواب بخشنا بستراوراچھا کام ہے چنا نِح تعنیس عزیزی پا رہ عم ص ۱۱۳ پرسے کہ:۔

"مردہ ایک ڈو بنے والے کی طرح کسی فریادرس کے انتظاری رہتا ہے ایسے دقت میں صدقات اور دعا ہیں اور فاتحراس کے بہت کام آتے ہیں ہیم وجم میں میں میں اور فاتحراس کے بہت کام آتے ہیں ہیم وجم میں کواس قسم کی امعاد بہنچانے کی لودی لودی کوسٹنش کرتے ہیں ہیں ا

س الواب الخضے کے الفاظ ذبال سے اواکرنا صحابی کی سنست ہے۔

سم کھانائیرینی وعیروسا منے دکھ کرفاتحدینا جائز ہے اس کے کرحفرت سعدر رضی التارعند فران اللہ عند کے استعمال کرتے ہوئے فرمایا

ماں کے بیے ہے لین اسالنڈ اِس کنوٹی کے پانی کا ٹواب میری ماں کوعطا فردا۔ اس سے معلوم ہوا کر کنواں ان کے سامنے تھا۔

۵. عزیب سکین کوکھانا وغیرہ دینے پہلے ہی فاقح کر اجا گزیے جسباکر حفزت سعدنے کیاککنواں تیاد ہونے کے ساتھ ہی انہوں نے ٹواب بخش دیا حالا اکدلوگوں کے پائی استعمال کرے کے بعد ٹواب مٹے گااس طرح اگرم غزیب سکین کوکھا نا دینے کے بعد ٹواپ ملے گا، لیکن اسس ٹواب کو پہلے ہی بخش دیتا جا ٹیزہے۔

۷ کسی چزیدمیت کانام اسنسے وہ چیز حوام نہوگی مثلًا خوٹ پاک کا بھوا یا فادی میاں کا مرایا خادی میاں کا مرفا کسنے سے بکرایام خاموام نمیں ہوسک کیونکہ مغربت سعدما بی سے اس کویش کواپنی مرفوم ماں کے نام سے مشہور ہے اور دور محاب سے ماں کے نام سے مشہور ہے اور دور محاب سے

آن محمد سلان اس كايانييت دب بي اوركون بى اس كاقائل نيس كرم سد كانام بول دي سے كنوئي كايان وام بوكيا ببرمال اسبات برجا دوں الماموں كا اتفاق بے كرايدال فواب يعنى نندوں كى المرت معمركوں كونواب بينيا فاجا زسے اب ديس تحصيصات كريسرے دن تواب بينيانا جاليسوي دن تُواب بينيا نا، تويتخفيه مات اوردنون كي خصوصيات وتوشرى تخصيصات بي زكوني بي ان كوشرى بمنا ہے كيونك كوئى بى يہنيں كہتا كہامى دن تواب يسنيے گا، ملكر يخصيصات محق عرفى اوردواجی بات ہے جو لوگوں نے اپنی سولت کے لیے مقرد کردگی ہیں حد ناتقال کے بعد ہی سے ملاوت قرآن جمیداورصد قات و خرات کاسلسار شروع ہوجا ملسے اور اکٹرنوگوں کے بسال دنوں کک پر سسلم جاری دہتا ہے ان سب با توں کے ہوتے ہوئے پر کیے کہ ج مسكتله كرسنى لوگ تيسرے دن اور چاليسوي دن كے سواد دسرے دنوں میں ایسال تواب کوناجا کر مانتے ہیں یہ بہت جراا فتراً اعترمناک تهمت ہے جو تا لغین کی المرمن سے ممسی مسلمانوں پرنگانے کی کوسٹنٹ کی جارہی ہے اور خواہ تیجہ اور جا لیسویں کو وام كمركردد كو أواب مے فروم كيا جا مها ہے . بهرمال جب ہم يہ قاعدہ كلية بريان كريك بیں کر ایعدالِ نُواب اور فاتحرجا مُنہے تو الیسالِ نُواب کے تمام جزئیات کے احکام اسسی قاعده كليم سے معلوم ہو گئے يشلاً مع ونكريرايسال أواب كالك طريقة بداس يصعبا تزادد بهترب للداس كوكرناما بي چالیسوی اور برسی کی فاتحم کو کھلایا جاتا ہے ادر قرآن خوانی بی کی جاتی اور میں اور برسی کی فاتحم کی کھلایا جاتا ہے ادر قرآن خوانی بی کی جاتی ہے۔ ادر اس كانواب ميت كدوح كومينيايا ما ما البداس طرع ايك برس يودا بو ما المدى كانون اورتلاوت دغیره کاایصال نواب کیاما تاہے۔ یہ سب جائزا ورٹواپ کے کام ہیں۔ لنذا ان

كوكرت رښايا سينه.

کوندول کی فاتحم الله الدن بخاری دهته الده علی کوندون می دکھتے ہی ماور عزت کوندول کی فاتحم الله الدن بخاری دهته الده علی فاتحرولاتے ہیں اسی طرع ماہ دوب میں حضرت المام مبعن ماران دھته الده علیہ کوایعال آواب کرنے کے یعے بعد ایوں کا یہ تحقل خدم میں عمرے جلتے ہیں یہ سب جائزا در آواب کے کام میں گرکونٹدوں کی فاتح میں جا الموں کا یہ تحقل خدم اود زی جمال کونڈوں کی فاتح میں کوائٹ میں کا خدم وقت ہے دہتی کھلاتے میں جہاں سے بیٹنے نہیں دیتے یہ یا بندی علا اور ب جا ہے۔ گریہ ما ہوں کا طریقہ ہے برا سے معلی کو گوں میں یہ یا بندی اسی طرع کونڈوں کی فاتحہ کے وقت ایک کتاب و داستان عمیب "کوگ بڑھتے ہیں اس میں جو کچھ کھیا ہے اس کا کوئٹ ہوت نہیں ۔ لہذا اس کونیوں پڑھنا چا ہیئے۔ گرفا تحسہ دلانا چا ہیئے کہ عمر فاتحہ کے دوت نہیں ۔ لہذا اس کونیوں پڑھنا چا ہیئے۔ گرفا تحسہ دلانا چا ہیئے کہ عمر فاتوں کوئی ہوئے کہ جائزا ور ٹواب کا کام ہے۔

اسی طرح مفرت خوت اعظم دیمة الترطیه وصفرت خواج معین الدین چنی دیمة الترطیه و مفرو مفرود دی دیمة الترطیم و مفرو مفرود مفرود دی دیمة الترطیم و مفرو مفرود مفرود دی دیمة الترطیم و مفرو تخاج مبا والدین مهرود دی دیمة الترطیم و مفرو تخاج تم میزدگان دین کی فاتح ولا نام انزاود تواب کاکام سے جونوگ ان بندگوں کی فاتح دلا نام کام سے جونوگ ان بندگوں کی فاتح سے بنران اوگوں مدور حقیقت ان بزدگوں کے دخمن ہیں۔ لہذا ان کی باتوں پرکان نیس در مرزا چاہیئے۔ زان اوگوں سے میں جول دکھنا چاہیئے بکر نسایت معنول کے ساتھ اپنا مذہب الجی سنت وجاعت برقائم دبنا چاہیئے کریمی مذہب مقرب سے اوراس کے سواجت فرقے ہیں وہ سب مراط مستقیم سے میک اور سب کو الم سنت وجاعت کے مذہب پرقائم در کھے اوراسی میں در بین از مدین برمز البنا الاین میں دائم در کھے اوراسی مذہب پرفائم در المحدین در بالعالمین مجرمة البنی الاین دائم واصما براجمیین در باب برفائم در بالعالمین میرمة البنی الاین دائلہ واصما براجمیین در مذہب پرفائم در بالعالمین میرمة البنی الاین دائلہ واصما براجمیین در مذہب پرفائم در بالعالمین میرمة البنی الاین دائلہ واصما براجمیین در مذہب پرفائم در الدین الدین دائلہ واصما براجمیین در مذہب پرفائم در المدین المدین کے در المدین کار کھوں دور مدین در المدین کے در المدین کے در المدین کی در المدین کار کھوں در المدین کار کھوں دور الدین کار کی در المدین کے دوران کی در المدین کی در المدین کے در المدین کے در المدین کی دوران کے دوران کے در المدین کی در المدین کے دوران کی در المدین کی در

فانخه كاطرلقنه

بِعَلِيْنَ بِالدوود فريف بُرْ مع بِم مَ عِالد ن تُل سوره فاتح اوراك مرح مُ عَالده وَ اللهُ وَ الحِدُ ما لَا إِللهُ إِللهُ وَ اللهُ كُورُ اللهُ وَ الحِدُ ما لَا إِللهُ إِللهُ وَ اللهُ كُورُ اللهُ وَ اللهُ عُرِيدُ بَيْنِ مِن الْمُحْسِنِينَ ، وَمَا اللّهُ خَلْنُ الرّحِيدِيْمُ ها ور إِنَّ رَحْمَتُ اللّهِ فَرَيْبُ مِن الْمُحْسِنِينَ ، وَمَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ وَمَا لَكُونِ اللّهُ وَمَا لَكُونُ اللّهُ وَمَا لِكُونُ اللّهُ وَمَا لِكُونُ اللّهُ وَمَا لَكُونُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَمَا لَكُونُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَمَا لَكُونُ اللّهُ وَمَا لَا لَكُونُ اللّهُ وَمَا لَكُونُ اللّهُ وَمَا لَكُونُ اللّهُ وَمَا لَا لَهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَلَا لَكُونُ اللّهُ وَلَا لَا لَهُ اللّهُ وَلَا لَكُونُ اللّهُ وَلَا لَكُولُونُ اللّهُ وَلَا لَكُولُ اللّهُ وَلِلْكُولُ اللّهُ وَلَا لَكُولُ اللّهُ وَلَا لَكُولُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَلِللْهُ لَا لَا لَهُ اللّهُ اللّهُ وَلَا لَكُولُولُ اللّهُ وَلَا لَكُولُولُ اللّهُ وَلَا لَكُولُ اللّهُ وَلَا لَكُولُولُ اللّهُ وَلَا لَكُولُولُ اللّهُ وَلَا لَلْهُ وَلَا لَكُولُولُولُولُولُولُولُولُ اللّهُ وَلِلْكُولُ اللّهُ وَلِلْكُولُ اللّهُ اللّهُ وَلِلْكُولُ اللّهُ وَلِلْكُولُولُولُكُولُولُولُولُولُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّه

اب ين بادود ومشريف برسع

اود سُبَه فن کرتِ الْحِدِّ وَسَعَمَا يَعِفُونَ هَ وَسَلَوْ عَلَى الْمُورَ الْحِدِهِ وَسَلَوْ عَلَى الْمُورَ الْحَدِهِ وَالْحَدَّدُ لِللّهِ وَسَلَمُ الْمُؤَلِي وَمَا كُولِ وَمَا لَمُ عَلَى اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللهُ اللهُ

متركرة صالحات إ

برزنيك عورنوك حال

ہمی مابٹی ہیں جن کی گو دیس اسلام ملینا تح<mark>ت ا</mark> اسی غرت سے انسان نور کے سانے میں ڈھلنا تھا

جہاں تک سائل اوراسلامی عادات وضائل کا تعلق ہے۔ اس کے بارے بین ہاکیک مدتک کافی تھے۔ اب ہم مناسب سی تھے ہیں کہ چند خواتین اسلام لینی ان مقدس بیلیوں کا منقر ندکرہ ہمی تحریر کردیں جو تاریخ اسلام میں صالحات دنیک بیلیوں) کے لقب سے مشہور ہیں جا کہ آئ کلی کا اور بہنوں کو ان کے واقعات اوران کی مقدس زندگی کے مبادک مالات سے عمرت ونصوت عاصل ہوا و دیر ان کے واقعات اوران کی مقدس زندگی سنوار لیں مالات سے عمرت ونصوت عاصل ہوا و دیر ان کے واقعات اوران کی مقدس زندگی سنوار لیں اور نیا واقع ت اوران کی مقدس زندگی سنوار لیں مالیوں سے سمرخرو و مسر بلند ہوجائیں ان قابل احترام خواتین کی لذید حکایتوں کو ہم رسول السر صلی السر علیہ و مربلند ہوجائیں ان قابل احترام خواتین کی لذید بیں بیر ہوتا مالیہ علیہ میں اور عن کو تمام دنیا کی عود توں میں نیموصی شرف طاہے کہ انہیں بسر نیوت برسونا نصیب ہوا اور وہ ون دات مجوب عمل کی مقدس کا ضطیر پڑے صفتے ہوئے قرآن نو عظیم نے برکات سے سرفران ہوتی رہیں اور عن کی فعیلت وعظمت کا ضطیر پڑے صفتے ہوئے قرآن نو عظیم نے تیامت میں کے لیے یہ اعلان فرمادیا۔

یی اسے نبی کی بیبیو! تام جان کی تورتوں میں کوئی میں تمہادی مثل نہیں سہے۔ بِنِيناً ءَالنَّبِيّ لَسُنُّنَ كَاحَدِمِنَ الشِّيَاءَ-

المعتربت تعديج رضي التدعنها

يربول الشمى الشعليدوسم كسبسع بلى بوى اوردنيقرمات بير يناندان قرلیش کی بست می باوقاد ومستازخا تون میں ان کے والد کانام خویلد بن اسداوران کی ماں کا نام فاخربنت ذائده تعادان ك شرافت أوم إكدامنى كى بنادية كام كدوا فيان كود طابرة ك لقب سے یکا د*ا کرستے تھ<mark>ے۔انہوں نے صخر علی* انصلوٰۃ والسّلام کے اخل_اق دیماد<mark>ات اورحمال</mark>ی مورت و</mark> کالِ سرت کود کھے کرخود می آب سے نکاع کی دفیت ظاہر کی چنا نچر اخراب ڈیٹ کے جمع یں باقا مده ننگاع مبوا، يدوس المندُ ملى المنزغليدو للم كى مبهت مى جان نتادا در دَفا شعار بيوى <mark>بى</mark> اور حضودا قدى ملى المسَّد عليروسِّم كوان سع بهت بى يع بناه مميت تى چنانچ دجب كك يرننده ك مانتارى و فدمت كزارى ك شرت مصر فراد بي حصور مله العلوة والسلام كوجى الن ے اس قدر مبت تھی کران ک دفات کے احد آپ اپن عموب ترین میوی حضرت عالمشراف الله منها من والكست مع كفعال تسم إخد يجر المع كون يوى نيس مل جب سب لوكون نے میرے ماتھ کارکیاس دفت وہ بھ پرایان لایں اورجب سب ہوگ جھے جھٹلا سبے تھے اس دف<mark>ت انہوں سے</mark> میری تعدیق کی اورجس دقت کوئی شخص بھے کوئی چیزد ہے <mark>کے لیے ت</mark>یار ن تھااس وقت فد بجے نے بیارارامان دے دیا .اودانہیں کے مشکم الترتعاك في على اولادعطا فزماني.

(زرقاني عص ٢٢٣ واستيعاب عصم ١٨١٤)

اس بات برسادی اکست کا اتفاق سے کرسب سے پتلے صفوم کی الندعلہ وسلم کی نیوست بھی ایمان الشاہوا تھا، اسینے برم ایمان الن الن التحاب المسام میں جکہ مرطرون آپ کی منا لفت کا لموفان التحاب المسام عمور ایک معذر میں دونت میں جرب ایک عمرت خدیجہ کی ہی ذات تھی جو ہروالوں کی طرح معذر میں

قربان بودبی تھیں، اورات خطرناک افغات می جس استقلال واستقامت محسا تھا نہوں نے خطرات دمصا نب کا یک متاز خطرات دمصا نب کا یک متاز خطرات دمصا نب کا یک متاز نفیلت حاصل ہے۔

ان کے فعائل میں بست میں مدینیں بھی آئی ہیں ۔ جنا نیز حضوداکر مصلی السّد علیہ وسکم نے فرمایا کہ تام دنیا کی مورتوں میں سب سے زیادہ اعجی اود با کمال جار بیدیاں ہیں ایک حضرت مرتبہ مربہ دو سری معفرت آسیفر مون تعدید ہوں جو تھی محضرت فاطریخ ، ایک مرتبہ معزت جبر تُسل ملیہ السّالی دربا یہ ہوت میں ما عفر ہوئے اور عرض کیا کرائے محدرصلی السّد علیہ وسلّم ، یہ مدیم بی جب بی آ یکے یاس آجائیں آواں یہ مدیم بی جب بی آ یکے یاس آجائیں آواں مدیم بی جب بی آ یکے یاس آجائیں آواں کے دب کا اود میراسل میں دوران کو یہ خوشخری سناد ہے کہ کرجنت میں ان کے کے موت کا ایک گھری ہے جس میں مرکوئی شور ہوگا ذکوئی تعلیف ہوگی ۔

سرکاددومها صمی الند علیہ وستم نے ان کی وفات کے بعد بہت می عود توں ہے لگائی فرایا یکن حفرت فدیجہ کی خبت آخری عمر تک صفود کے قلب مہادک میں دی ہی دہی ہی میں اس کک کران کی وفات کے بعد جب می صفود کے گھری کوئی بحری ذریح ہوتی توآ ب حفرت فدیجہ کی سیلیوں سے بہاں بھی مزود گوشت بھی اکرتے تھے اور بہیشرآپ یا دیا دھنرت بی بی فدیجہ کا ذکر فرات دہتے تھے بھرت سے بین برس قبل بینے بھی برس کی عمریا کہ ماہ و دمشان میں محد کم مرسکے اندلا انہوں نے دفات بائی اور کو مگر مرسکے اندلا انہوں نے دفات بائی اور کو مگر مرسکے اندلا انہوں نے دفات بائی اور کو مگر مرسکے مشہور قررت ان جمون رضا کی میں خود حضورا قدس کی اللہ علیہ دستم نے ان کی قررافور میں اترکرا بنے مقدس ہا تھوں سے ان کو میر درخاک فرایا اس وقت سے سی ماز دبنیں بوا تھا۔ اس سے حضور نے دبنا ذو برنما ذفیوں نے دبنا ذو برنما ذفیوں تھا ابی حضور نے دبالہ کا دفات سے تین یا بانچ دن بسلے صفود کے جیا الو کا انہ کا انتقال جوگیا تھا ابی جیا کی دفات سے معدمہ سے صفود طریا انسلام کا ذلب نا ذک د نے دغم سے نہ دھا ل

تعابی کرحفرت فدیجرکا انتقال مبوگیا اس سانحرکا قلب میادک پراتنا ذیر دست صدمرگوداکر آپ سفاس سال کانام' عام الخرن ، دغم کاسال ، دکھ دیا۔

معرور المرائع المرائع

ماؤں بہنوا تہیں فعا کا واسط دے کو کھتا ہوں کرا پنے شوہروں کا دل نہ دکھاؤ اوران کوپر بیٹا نیوں میں نہ ڈا لاکرو، بلکرآ ڈے وقتوں میں اسپنے مٹوہروں کوشتی وے کران کی د لچون کیا کرو۔

برسحترت سوده رضى الشرعتها

یہ بھی ہما دسے صنورصل المستر علیروسلم کی مقدس بیوی اورتمام است کی ماں بیں ان کے باپ کا نام نزمد " اور ماں کا نام" خمالوس بنت عمرو " ہے یہ بھر فریش فا ندان کی بست ہی نامولا اور معزز عودت ہیں۔ یہ جسے اہنے بچا ڈا د ہمائی " سکمان بن عمروسے رہا ہی گئی تھیں۔ اور اسلام کی شروعات ہیں یہ دونوں میاں بیوی مسلمان ہوگئے سے اور کفار کے ظلم وہمسے تنگ

اسلام کی شرومات ہی میں یہ ددنوں میاں ہوی مسلمان ہو گئے شکھے اودکھاد کے للم وسم ہے تنگ اكرمبشكو بجرت بى كريك تع لين حب مبشر سدايس موكر دونون ميان بيوى مكر مريس آكردسے نگے، توان کے شوہرکا انتقال ہوگیا اورحصنوداکرم میں النڈعلیہ دستم مجی حصرت مدیم یے كے انتقال كے بعددات دن مفواد ہاكرتے شھے يہ ويكھ كرحفرت خول بنت حكيم دمنى التُرعنها سنے بادگاهِ رسالت میں یه درخواست میں یه درخواست پیش کی کریادسول النّد احضرت سوده بنت زمعرس نکاع فرالیں تاکہ آپ کا فازمعیشت آبا دمومائے حفزت سورہ بست ہی دیا نشداد اوروفا شعارفا آپ بي ادرب مد فدمت گزار بھى بي آ ب خ صرت تولر كاس خلصان مشوره كو فيول فرماليا جاني حفرت خولہ دھی النّرعنہ لنے حفرت سودہ رضی النّد عنہا کے باپ سے با ت بیت کر کے نسبت طع كادى اورنكاح بوكيا اوريم بعرصو وعيرالصلوة والسلام كى زوجيت كي شرت معمر فرازي اورس والهاز محبت وعقیدت کے ساتھ وفاداری وفدمت گزاری کاحق اداکیا وہ ان کا بہت ہمے شانداد کادنامہے جعزت بی بی مائشہ دمنی الله عنباکے ساتھ حعنود کی میت کو دیکھ کوانموں نے ا بنى بادى كا دن حفرت مائسته كو ديريا تعاج عرت مائسترينى المدّعنها فرماياكر تى تعين كركمي عودت کودیکے کو ہے کو برحرص نہیں ہوتی تھی کہ میں میں ولی ہی ہوتی مگریں محفرت سودہ دفنی المدعنها کے جالِ مور<mark>ت د^حن سِر</mark>ت کود پیچ کریه تمنا کیا کرتی تعی*ن که کاش میں می حفز*ت سودہ جیسی ہوتی۔ پہ ابنی دومری تم کی خوبیوں کے ساتھ بست فیا عن او ماعلی درھے کی سی تعیس ایک مرتبدا مرالموثین حفرت عمرونی السّرعندے اپنی فلافت کے زمانے میں در سموں سے بھرا بہوا ایک تعیال حفرت بی ل سودہ دمن السّدعنا کے باس بھی وہا انہوں نے اس تصلے کودیکھ کرکہاکہ واہ بھلا کھی دوں کے تھسلے میں کیں درہم بھیے جاتے ہیں ؟ یکااوراٹ کواس وقت ان تمام درہوں کو میزمودہ كع مفترارد مساكين كو كعرين بلاكر بانث ديا او تعيلامال كرديا _ امام بمنسارى اورامام ذبيى كا قول مع كرست مي مديد منوره كالدران ك وفات مولى مكن واقدى اورما حب اكال كے نزديك ان ك وفات كاسال سكا ي سي مكم علامه ابن حجرع سقلان نے تقريب

التذیب میں ان کی دفات کا سال مصفی شوال کا میدند مکھا ہے ان کی قبر مدینہ منورہ کے قبر سات مورد منورہ کے قبر سان جن البقیع میں سے دارتا ن ع ساس ۹۹۹)

ماں بہنو! خدا کے لیے ان است کی ماؤں کے طرزعل سے سین سیکھ وا ودنیک بیبیوں کی فہرست میں ابنا نام مکھا ؤ صدا و درمجوس نز کروا و درکام چود نہنو ۔

الم يحضرت عاكشته رمني لشرعتها

یدا میرالموشین حفرت الوکرصد لی دفتی التدعن کما جزادی بی ان کی ان کانام اُمُمُ دومان ' ہے۔ ان کانکاع حقود اِقدس طی الشرطیہ و کم سے قبل ہجرت کر کرمر میں ہوا تھا، لیکن کا شائدہ نبوت میں یہ مدید منورہ کے اندوشوال سے جو میں ایش پی پیھود کی جو دراد دہست ہی جیدی ہوی بی حضود اقدس طی الشرطیہ و کم کااٹ کے بادے میں اوشاد ہے کسی بیوی کے لحاف میں مرے او یددی جنہ کے اور می اگر عفرت عائش جب میرے ساتھ نبوت کے استر پرسوتی دہتی ہی تواس مالت یں بی جم پروی اگر تی دہتی ہے د بنمادی عاص ۵۳۲)

نقد دمدیت کے علی میں حمن کی بیبیوں کے درمیان ان کا درم بست اونجاہے بڑسے۔ بُرے محابران سے مسائل ہوجپا کرتے تھے میادت جی بھی ان کا یہ عالم تھا کہ نماز تہجد کی ہے مد بِابند تھیں اور نفلی لازے سے بہت زیادہ دکھی تھیں سخادت اورم دقات و خیرات کے معاطری ہی

(زرقانی عسم ۲۳۲ وغیره)

میمسره ایمرس معنود کی تمام بیویوں میں سب سے جیوٹی تھیں، مگرعلم دفعن، ذہد و میمسره انتقادی میں معنود کی تمام بیویوں میں سب سے جیوٹی تھیں اس کو نفل است میں سب سے براہ کو بیوئیں اس کو نفل خدادی کے سوا اور کیا کہ جاسکتا ہے ؟ بسرعال بیادی بہنو احضرت مائٹر دمنی المشد منها کی ذری ہے۔ بین ماصل کروا و دامیے ایچے عمل کرتی دہو، اور اسیاف متو ہروں کو خوست دکھو۔

م يحقرت حقور حتى التارعنها

یہ علی دسول النزملی النز علیدوسم کی مقدس بیوی اوراست کی اور اس سے ہیں۔ یہ حضرت ایرالموشن عردی النزعزی بندت مخرت ایرالموشن عردی النزعزی بندت مظعون ہے جوایک شہود صحابر ہیں یہ بیلے مفرت خنیس بن عذا فرسمی دمی النزعزی لا ویت مستحد میں اور میاں ہوی دونوں ہجرت کر کے مدین منودہ بط گفت ہے۔ مگران کے شوہر مبگر میں داور میں دونوں ہجرت کر کے مدین منودہ بط گفت ہے۔ مگران کے شوہر مبگر المندمی دائد میں داور دائت یا گئے توسیق میں دسول الندمی الندمید دستم نے ان سے نکاع فرا

ا محمر عود کام وصنداسنها لتے بوئے دوزار اتن عبادت بھی کرنی بھرمدین وفقہ کے علوم میں میں مہارت حاصل کرنی یہ اس بات کی دلیل ہے کے حصوراً قدس ملی المشد عليه وسلم كى بيويان آدام ليندا ودكول كودين زندكى لبركرف والى نبس تعين ملكردن دات كاليك منٹ می ده ضائع نہیں کرتی تھیں اورون دات گھرکے کام کاج یاعبادت یا مشو ہرکی خدمت یاعلم حاکل كرف يرم معروف دباكرتي تميس سان الندا ان خوش نعيب بيولول كى ذند كى بني رحمت كے شكاح يس بون كى بركت مي مقدى كم قدر ياكيزه اوركس درج لورانى ذندكى تعى . ما ن بهنو! كاش تملى زندگى يى بى ان است كى دۇن كى زندگى كى چىك دىك يا بىكى سى جىلك بىوتى توتمسارى زندگى حىنت بن ما تی اورتمادی گووی ایسے بیے اور بجیاں پرودش پاتے جن کی اسلامی زندگی شان اور زا بدار خطمت كوديك كراً ما أول كرفت وماكرة الدجنة ك خوري تمليت يليدا أين "كتيس كرباك انوں کرتم کواہے کیا نے ، ایھے لیامسس ، نیاد عنگار کرکے بٹاک پردن دات لیٹے دیڈ ہو کا گانا سنے سے اتن فرصت نیں کتم ان امت کی ماؤں کے نقش قدم پرجلو خدا وند کر ہم تیس پالیت دسے اس دما کے سواسم تمبار سے ہے اور کیا کرسکتے ہیں کاش تم ہماری ان حلعا منہ نعیمتوں پرعل کر کے اپنی زندگی کواسل می سانچے میں ڈھال نو، اوداست کی نیک بولوں کی تعر یں اپنانام مکھا کر دونوں جہان میں سرخرو ہوجا وار



ه يحضرت أمّ سلمتر منى التدعها

ان كانام" بند" ادركنيت" أكم سلم" بعدين يرابني كنيت بى كے ساتھ زياده مشور بير إن ك والدكانام " مدلية " يا السيل" اوران كي والدة ما تكربنت عام " بي يرييط الوسلم عبدالرين اسدسے بيا بى گئ تھ<mark>ں اور بي</mark>دولو<mark>ں ميا</mark>ل بيوى سلمان بهوكريپين مبيش بجرمت كركئ بعرص بشسي كمركوم يط آئ اور مدين متوده كي طرون بجرت كرن كالداده كيا بينا نجر الوسكم نے اونٹ پرکیا<mark>دہ با ند</mark>ھا اور لِ لِ اُنْمَ سلم کو اونٹ پرسواد کرایا ۱ وراینے دودھ یہتے نیے کو <mark>گور</mark>یں ئے کراونٹ پر بیٹھ گین توایک دم حفرت ائم سلم کے میکروا سے بنومغیرہ دوڑ پڑے اور ان لوگوں نے يركدكر بارے فاندان كى لاكى دينه نيس جاسكتى عفرت أم سلم كوادنش سے آماد والا، يه ويكه كر حعزت الوسلم کے فائدان والوں کو لمیش آگیا اور ان لوگوں نے حصرت اُم مسلم کی گودسے نیے کو جین لیا۔ اور یہ کماکر ہے ہادے فاندان کا ہے ۔ اس یے ہم اس بیک و برگز ہمادے یاس نیں رہے دیں گے اس طرح ہوی اور بچر دونوں صفرت الوسلم سے عبدا ہو گئے ، مگر صفرت الوسلم نے ہجرت کا ادادہ نیس چھوٹا ، ملکہ بود ی اور یے دونوں المدکے سپرد کر کے تنا مدینہ منورہ حلے گئے حعزت اُم سلم منتو ہراود نیے کی جدائی ہرون دات دویا کرتی تھیں ان کا پرمال دیکھ کران کے ایک جِیا زاد بھان کورم آگیا اور اس نے بنو مغیرہ کوسیھا یا کہ آخراس غریب عورت کونم لوگوں نے اس کے شو ہراور نیکے سے کیوں جداکرد کھاہیے ؟ کیا تم لوگ یہ نیس دیکھ دہے ہوکہ وہ ایک تجمر کی جان براکی سفترسے اکیلی سیمی موئ بے اور شومری مدائی میں دویا کرتی ہے . آخر بنومغیرہ کے لوگ اس پردمنا مند ہوگئے کرائم سلم اپنے نیے کوئے کراپنے شوم رکے پاس مدیز جلی جائے، بھرصفرت الوسلم کے فاندان والوں نے بھی بجہ کو صفرت ائم سلم کے سپر د کر دیااور معنرت اُمّ سلمدى التدعنها نيك كوكوديس بي كرميمرت كاداده سے اونث برسواديو كنيس مگرجب مقام "تنعيم" ميں پنجيس توعثمان بن طلحه دا مسسته ميس ملاجو مكم كاما نا سوا

ایک نہایت ہی مشرلیت انسان تھا۔امسسس نے پوچھا کہ اُم مسسلم کہاں کا اراد ہ ہے انہوں نے کہاکہ میں البینے شوم رکے یاس مدینہ جادہی ہوں اسس نے کہاکہ کیا تمادى ساتھ كوكى دومرانىيى سے وحفرت أم سلمەنے دردىجرى أوازىين جواب ديا۔ میرے ساتھ میرے النزاد دمیرے اس بچہ کے سوا دو ساکوئی نیس سے بیسن کو عثمان بن الملم کوشریفان جدبرا گیا اوراس نے کا کرفدا کی هم میرے یے یرزیب نیس دیتا کر تمارے میس ایک شرلیف زادی اورایک شرلیف انسان کی بوی کوتنها چعور دون، یه که کراس نے اوٹ کی مهاداین باته می سے ل اور پیدل جلنے لگا جھزت ائم سلم کا بیان ہے کر فعدا کی قسم میں نے مثمان بن طلحہ سے زیادہ شرایف کی عرب کونس یا یا جب م کس منزل برا ترتے تووہ الگ دور ما کر کسی درخت کے بنیے سور سااور میں اپنے او نٹ پر سور اسی بھر میلنے کے دفت وہ اونٹ کی ممار ہاتی میں نے کر بیدل یطنے مگنا اس طرح ، اس طرح اس نے مجے احجا " تکسینجادیا اور یہ کسر کر دایس مکرمیا گیاکراب تم علی جا و، تمادا طو براس گاؤں میں ہے جنا نجد حضرت أم سلم محرب مدیز بینے کیس دروقانی ۲ ص ۲۲۹) بھردونوں میاں بیوی مدینه منوره بیں دہنے لگے، چند نیے بی ہو گئے توصفرت اُم سلم دمی الدّعنها بڑی ہے کس میں پڑگیل چند ہیوٹے جھوٹے بچونتے ساتھ بیوگی میں زندگی بئرکرنا دشوادم گیا ۔ان کابیرهال زادد سیھ کردسول السرّ ص<mark>ی الس</mark>ّرعلیم دم نيان سين كاح فرياليا اود بجول كواني يرود عن مي سي لياس طرح يرح فوعليه المعلوة والسسلام مے گھرآ گئیں اور تمام است کی ماں میں کمیش حفزت بی لیا اُم سلم عقل وضم علم وعمل ، <mark>دیانست</mark> و شجاعت کے کال کاایک بے شال مونتمیں اورفقہ ومدیث کیمعلومات کا پرعالم تھاکہ تین سواٹم ہتر حدیثیں انس نیا فیاد تعیں مدینمورہ میں جواس برس کی عمریا کروفات بان ان کے ومال کے ادد بین کا قول ہے کان کا انتقال سالہ کے بعد ہوا ہے ۔ ان کی قرمیاد کے جن البقیع یں ہے (درقانی ۲ س ۲۲۸ تا ۲۲ ۲۱

میں میں النے اکر معترت بی بی اُم سلم دھتی النہ عنها کی ذیر کی مبرواستقامت، جذبرای ان النے اکر میں اسلامی، ذاہدان دندگی، علم وعل ، محنت وجعا کئی، عقل وقعم کا ایک ایسا شاہ کا ہے جس کی شال مشکل ہی سے مل سکے گی۔ ان سکے کا دنا موں اور بساوری کی واستانوں کو قاریخ اسلام کے اوراق میں پڑھ کر یہ کمنا پڑتا ہے کہ اے آسمان بول ااسے ذمین بتا ایک تم نے معزست اُم می کے اوراق میں پڑھ کر یہ کمنا پڑتا ہے کہ اے آسمان بول ااسے ذمین بتا ایک تم نے معزست اُم میں کھی مسلم دمنی النہ عندا جس میں کرم کے اتحاد دیکھا تھا۔

ماں بہنوا تم پیادسے بی کی پیادی بیولی لی ذندگی سے بن ماصل کرو،اود السٹ کے بیلے سوچوکر وہ کیا تھیں ؟ اودتم بی مسلما ن عودت ہو۔ الرشر کے بیلے کچھوان کی زندگی کی جھک دکھاؤ۔

٢ يحصرت الم يعيد ومنى الشرعتها ١

یہ سموداد کر صفرت الوسفیان دمنی المدّعنہ کی بیٹی اود صفرت امیر معاویہ دمنی المدّعنہ کی بہن بھی بھی ۔ بی ۔ ان کی ماں اصفیہ بنت عاص ، بی جوامیر المومنین صفرت عثمان عنی دمنی المدّعنہ کی بھو بھی بیں ۔ صفرت الم جیب دمنی المدّعنہ کا نکاع پہلے عبیدالسّرین جش سے بہوا تھا اود میاں بھی دولوں اسلام قبول کر کے جشری طرف بجرت کر کے جلے گئے گر حبیثہ جا کر مبیدالمیڈ بن جش نصلی بورگیا اود عیبا یکوں کی صعبت میں شراب بیتے جینے مرکیا ۔ لیکن ائم مبیدرمنی المدّعنها اسپنے ایکان بر تا گیا اود عیبا یکوں کی صعبت میں شراب بیتے جینے مرکیا ۔ لیکن ائم مبیدرمنی المدّعنہا اسپنے ایکان بر تا کہ دبی وور بڑی بداد ی کے ساتھ مصابک و شکلات کا مقا بر کرق دہیں جب صفودا کم میں اللہ علیہ حسلم کوان کے مال کی خربون توقلی نازک پر بے صد صدم مرکز دا اول کہ ب نے حفرت عمرون اکرون اُدیر منمری دفتاہ میں اور بیا میں بادشاہ نے مواج کے لیے وبیش بھی یا اور نجا شی بادشاہ نے عمرون کرون اُدیر منمری کردو، نجا شی بادشاہ نے نام خط نکھا کہ میرے کے دو یہ دسول الشرصلی الشرعلیہ کے میا تھ میران کا می کردو، نجا شی بادشاہ نے اپنی نونٹری 'دا بر مہ' کے ذو دیے دسول الشرصلی الشرعلیہ کے میرینام معنمرت اُن جبیبہ دخی الدّیہ با

عے پاس بھیما، جب حمزت بی بی اُم جبیہ رض السّرعنانے یہ خوشخری کا بیفام سُنا توخوش ہو كرابرب اوزدى كوانعام كعطور يراينا زلود آنادكروسه ديا بيمرايينه مامون زاد بعان حصرت فالد بن سعیدری الندعن کواییے نکاح کاوکبل بناکر شجاشی بادشاہ کے پاس بھیج دیا اورانہوں نے بست سے مهاجرین کوجمع کر کے حضرت اُم مبید کانکاع حمنود علیرانصلاق دانسلام کے ساتھ کردیا اوداینے یاس سے مسربھی اوا کر دیا اود بھر اور سے اعزان کے ساتھ مفرت شرعبیل بن صند د فاللہ عنركي ساته مدينه منورة صفور طيرالعلوة والسلام كي ياس بصح ويا اوريح صور عليه العلوة والسلام کی مقدس بیوی اورتمام مسلمانوں کی ماں بن کوصنور کے خان دینوت میں دہنے لگیں یہ مخاوت دشنیاعت، دیندادی ادراهانت دریانت کے ساتھ بہت ہی توی ایمان والی تھیں ایک مرتبان كے باب الوسفيان جوا بھى كا فرتىعے مديز يں ان كے گھرآئے اور دسول السُّر على السُّرعليہ وسلم کے بستر پر بیٹھ گئے حصرت ام صبیرونی المدعنما نے ذرا بھی باب کی پرواہ نہیں کی اور باپ کو بسترسے اٹھادیا اور کماکریں مرکزیہ گوادانیس کرستی کرایک نایاک مشرک دسول کے اس پاک بستر پر بیٹے اس طرح ان کے جوش ایا ف اور مذبر اسلامی کے وافغات عجیب وغریب ہیں جوتاريخ بين منطع موت بين بهت مى ديندادا درياكيزو عورت تيس مبست مى عديثين مجي يادتمين ، اورانتا أى عيادت كراد اور منوعى المدعليه وسم كى يدانتها خدمت كزاد اوروفاداد موى تميس مهم یں مدینر منورہ کے اندرانکی وفات ہوئی اور جنتر البقیع کے قبر سنتان میں دو سسری اذواع مطمرات كخطيره من مدفون موش.

الدقاني حسم بهم ومادع النيوة ع م ص ١٨١١

التداکر اِحفرت بی نام جیبر می التاعنهای دندگی کتی عبرت فیزاد د تعب انگیز سه . مرداد کم تی شزادی بوکردین کے بیے اپنا وطن حبور کر حد خمدک دور دراز مگری بجرت کر کے جی ماتی بیں اور پناہ گرینوں کی ایک حبویٹری میں رہنے مگتی بیں بھر مالکل ناگهاں کیسیت کما پہاڑ توٹ بڑتا ہے کہ شو سرجو پر دیس کی زعت میں تنما ایک سما دا تھا۔ عیسائی بھوکر الگ تعلگ بوگیا اودکوئی دوسراسها دانده گیا۔ گرایسے نا ذک اود طرزاک وقت میں میں ذرامی ان کا قدم ان کا موسلہ بست نہیں ہوا۔ قدم نہیں ڈ کھٹایا اور بہا آئی طرع دین اسلام ہرقا گم دہیں۔ اک ذرا بھی ان کا حوسلہ بست نہیں ہوا۔ مذا نہوں نے اپنے کا فرجا کی وربعت ہوں سے کوئی مدوطلب کی النہ ہر قو کل کر کے ایک نامانوس پر دلیس کی ذمین میں پڑی النہ کی عبادت میں انگی دہیں یمال تک کرائلہ تو کل کر کے ایک نامانوس پر دلیس کی ذمین میں پڑی النہ کی عبادت میں انگی دہیں یمال تک کرائلہ تو کے نفتل وکرم اور دمیت انعالمین کی دمیت نے ان کی دستگری کی اور بالنگل اجانک خدا ہے اسس انمی نمالی خدا کے اسس فضل وکرم کا تماشا دیکھے گی۔ فضل وکرم کا تماشا دیکھے گی۔

اے سلمان عودتو اور کی موادمان پرمضوطی کے ساتھ قائم دہنے اود خدا پر توکل کرنے کا بھل کتنامیٹھا اود کس قدر لذیذ ہوتا ہے ؟ اود پر تو وزیامیں اجرطا ہے ابوری تو دیامیں اجرطا ہے اود کیسے کا اود کیسے کہ دوجات کی بادشاہی ملے گی ؟ اس کو السشد کے سواکوئی نہیں جانت است مہم لوگ توان ودجوں اور مرتبوں کی بلندی وعظمت کو سونع بھی نہسسیس سکتے ۔ الدّف اکبو ، الدّف اکس بور ۔

مريه منت ديني بنت يحتق رمني الشرعنها

یر معنور علیدانساؤہ والسلام کی بھو بھی اُ میم بنست عبدالمطلب کی بیٹی ہیں معنور علیالعماؤہ والسلام ہے بعد بھو بھی اُسم میں میں معنور علیالعماؤہ والسلام نے ابیٹے اُزاد کردہ نما اُ اور متبئی معنرت زید بن حادثہ استان کو طلاق دے دی جب کی خان کرمیاں ہو می بی نباہ نر ہوسکا ، اور معنرت زید دمنی المتٰد منہ نے ان کو طلاق دے دی جب ان کی عدرت گزرگئ تو اِما نکس ایک دن یہ آبیت اثر پڑی کہ :۔

جب زید نے حاجت بودی کو دی دطلاق دیدی اودعدت گزدگئ توہمنے (زینب کا اتمادے ساتھ نکاح کر دیا. فَكَتَّاقَعْلَى زَبْدٌ مِّنْهَا وَطُرَّا ذَوَّجْنُكُهَا ـ (احزاب)

واحزاب

كانتهاد عساته فكاح كرديا

اس آیت کے ناذل ہونے پردسول الشریلی المندعلیہ وسلم نے سکراتے ہوئے ادافاد فرمایا کہ کون ہے جو ذینب کے پاس جاکراس کو یہ خوشخری سنادے کہ المنڈ تعالی نے معران کل کاس کے ساتھ کہ دیا ۔ یسن کرایک فادمہ دوڑی ہوئی گئی اور صفرت زینب دمنی المندع نہا کو یہ خوشخری سن کراتی خوشی ہوئی کر اپنے ذیودات آناد کہ فادم کو انعام میں منادی صفرت زینب کو یہ خوشخری سن کراتی خوشی ہوئی کر اپنے ذیودات آناد کہ فادم کو انعام میں دے دیے۔ اور خود مجدہ میں گر بڑی اور بھردوماہ دگانا دشکری کا دوزہ دکھا جمعور علیہ العلوة والعلا کے حصرت ذینب کے ساتھ تکاع کرنے پر اتنی بڑی وعوت و لیمسہ فرمائی کر کسی بیوی کے نے صفرت ذینب کے ساتھ تکاع کرنے پر اتنی بڑی وعوت و لیمسہ فرمائی کر کسی بیوی کے مسالی ایر اتنی بڑی دعوت و لیمسہ فرمائی کو نفست کے صفرت نینب کے ساتھ تکاع کرنے پر اتنی بڑی وعوت و لیم نہیں کی تھی تمام صمایہ کرام کو آپ نے نان گونفست کھلایا ۔ در بخادی و مشکل ق ت کامل ۲۵ میں ۱۲۵ ک

حفود عید العدادة والسلام کی مقدس بیو یوں پس صفرت زینب بنت بخش دمنی المد منها اس خصوصیت پس سب سے متاذ ہیں کہ النہ تعالیٰ نے ان کا نکاع خوا بنے جبیب سے کر دیا۔

ان کی ایک خصوصیت یہ بھی ہے کہ یہ اپنے ہاتھ سے کچھ وستکادی کر کے اس کی آمدنی فقرادوساکین کودیا کہ تی تحییں ۔ بنا نجر ایک مرتبہ حصور نے فرایا تھا کہ میری وفات کے بعد سب سے بیطے میری اس بیوی کی وفات ہوگی میں کے ہا تھ سب سے بیا لکل بیکن اس بیوی کی وفات ہوگی میں کے ہا تھ سب سے لمبالکل بیکن ایک مکڑی سے اپنا اپناہتھ نا پاتو حضرت سودہ دمنی المد عنما کا ہاتھ سب سے بیلے مصرت ویں نے بیٹ حضورت میں معامل کی وفات اقد سس سے بیلے مصرت نے دینسب بنت بھی رصنی المد عنہا کی وفات اقد سس سے بیلے مصرت نے دینسب بنت بھی رصنی المد عنہا کی وفات اقد سس سے بیلے مصرت ان کہ ہاتھ اس بنت بھی رصنی المد عنہا کی وفات اور گوگوں کی بچھ میں یہ بات آئی کہ ہاتھ مفارت میں ضوصی امتیا نہ کے ساتھ مساز تھیں ۔ ایس می بدولت یہ تمام ازواج مطہرات میں ضوصی امتیا نہ کے ساتھ مساز تھیں ۔ منا سے عیدہ کی بدولت یہ تمام ازواج مطہرات میں ضوصی امتیا نہ کے ساتھ مساز تھیں ۔ منا ہے عدد میں مدینہ مؤدہ کے اندران کی وفات ہوئی اور امرا لمومنین صفرت عمر منی المد عنہ منے دیا تھا کر سب نوگ آئم المؤمنین کے جنا ذہ ہیں مدینہ مؤدہ کے اندران کی وفات ہوئی اور امرا لمومنین معزت عمر می المد عنہ مند مؤدہ کے اندران کی وفات ہوئی اور امرا لمومنین کے جنا ذہ ہیں شرکیب الشرین مورد وارزاد میں املان کرادیا تھا کر سب نوگ آئم المومنین کے جنا ذہ ہیں شرکیب

ہوں ۔ جنانی بست بڑا جمع ہوا۔ امرالمومین نے خود ہی ان کی نماذ جنازہ بڑھائی اوران کو جنا البیقع میں صفور کی دومری ہیولوں سے ہولوں کے ہولویں وفن کیا امدادی النیوۃ جام ۲۰ ہوغیرہ منہ جنا البیقع میں صفور کی دومری ہیولوں سے ہولویں وفن کیا امدادی النیوۃ جام ۲۰ موغیرہ منہ منہ مردوالہ میں معرود النیوں نے اپنے نکاے کی خبرس کرا بنا ساراز لودخوشنی منانے والی لونڈی کو دے دیا اور سجدہ شکراداکیا اورخوشی میں دوماہ دگا تاریوزہ وار دہیں بھر فردا ان کی سفاوت پر بھی ایک نظروالوکر شمنتاہ دارین کی ملکم ہوکرا بنے ہاتھ کی دستنادی سے جو کھے کہا یا سفاوت پر بھی ایک نظروں اور قالوکر شمنتاہ دارین کی ملکم ہوکرا بنے ہاتھ کی دستنادی سے جو کھے کہا یا کہ تعیس دہ نظراد مساکین کو دے دیا کرتی تھیں کہ فقیروں اور قابوں کی الداکریں ۔ النزاکس بھیت رسول اور سکین نوازی وعزیب پر ودری کے فقیروں اور قابوں کی الداد کریں ۔ النزاکس بھیت آموزد قابل تقلید شاہم کا دہیں ۔ فعراون دیر کر بھی سے عورتوں کو توفیق عطا فرائے دائین)

٨ يحضرت زينب بنت شر كيم رصى الشرعتها!

یہ بجبن ہی ہے بست سی تھیں عز بہوں اورسکینوں کوڈھونڈڈھونڈکوکھانا کھالیا کو تھیں۔ اس یے لوگ ان کو "اُٹُ المساکین "دسکینوں کی ماں اکساکرتے تھے پہلے مشہود معالی تعزی عبداللہ من وشی المسّرعند سے ان کا نکاح ہوا تھا دیکن جب دہ جنگ اُٹھ میں شہید ہو گئے تو حصور صلی السّرعلیہ و تم السّری سے نکاح کرلیا اور یہ اُٹ الساکین " کی جگر" ام المونین "کملانے تکیں گریخ صور سے نکاح کے بعد صروت دویا تین میسنے ذندہ ہی کی جگر" ام المونین "کملانے تکیں گریخ صور دفات یا گئیں اور جنہ البقیع ہیں ازواج مطہرات اور دیمے الاول سے بحد نوش دسب کے مبہلویں مدفون ہوئیں معنود ملی السّرعلیہ وسلم ان کی دفات تک ان سے بحد نوش دسب اور ان کی دفات تک ان سے بحد نوش دسب اور ان کی دفات تک ان سے بحد نوش دسب اور ان کی دفات کے بہلویں مدفون ہوئیں مین وسی السّر علیہ وسلم ان کی دفات کے بعد صور میں السّرعلیہ وسلم نے اور ان میں میں دن وسلم نے بی بی میں دن دمنی السّرعندا کی بہن ہیں ان کی دفات کے بعد صور میں السّرعلیہ وسلم نے

ان کی بہن میمورز دمنی الندعنهاہے نکاع خرمایا ۔ دن قانی جرم سرم ۲

ويحضرت بمبرية رصى الشرعنها

ان کورسول السّد صلی السّد علیہ وسلم سے انتمائی عبت بلامشق تھا۔ انہوں نے خود عور مسی السّد علیہ وسلم سے انتمائی عبد ملک ہے کہ انتہائی عبد مسی السّد علیہ وسلم کو بدر کر ق ہوں اور مجھے مسریانے کی بھی کوئی خواہش نہیں ہے چانی قرآن مجید میں ایک آبیت بھی اس کے بارے میں نازل ہوئی ہے ماں بہنوا دیکھ لوصنور کی مقدّس بیولوں موسنور سے کہیں والہانہ مجسّت تھی سیجان السّر اسیان المسّراکیا کہنا ؟ ان است کی ماؤں کے ایمان کی نورانیت کا .

١٠ يحصرت بحور بيرضي الندعنها

يرقبيله بنى مُسْطُلُق كے سردار اعظم حارث بن صرادك بيلى بي عزوه مُركيسكِع مي النكا سادا قبیلر گرفتاد مہو کرسل انوں کے ہاتھوں میں قیدی بن چکا تھا اورسب مسلما نوں کے لونڈی علام بن ملك تع يمرسول التُعلى التُعليه وتلم في جب حضرت جوير م كو آزاد كرك ان سانكاح فروالیا توصفر*ت جُو<mark>یر</mark> پر دمنی ا*لندعنها کی شادما نی کی کوئی انترسیا ندری رج<mark>ب اسلا</mark>می نشکری بر خرمجیلی کرحمنورصلی الند علیدوستم نے معنرت جو پر بیسے نیکاح فرہ لیا ۔ اسسس برتمام جاہدین اسلام ایک زیان ہوکر کیے مھے کھیں خاندان میں ہا دے دسول نے نکاح فرما لیا اس خاندان کا کوئی فرد نوٹری غلام نہیں دہ سکتا ۔ چنا نجراس فاندان کے جتنے لونٹری غلام مسلما نوں کے قیضے میں تھے سے کے سب آزادکر دیئے گئے میں وجہے کرحفرت عائشہ دمنی النزعنما فرمایا کرتی تعیس کردنیا میں کسی عودت کا نکاع صفرت جو پرید کے نکاع سے زیادہ مبادک نیس تابت سرواکیونکر اس نکاع ج وم سے تام خاندان بن مصطلق كوظامى سے نجات مل كئ حفرت جو يربير من التّدعز كا بيا ن بے كر حضور عليه الصلوة واسلام كے مير عقبيلے ميں آنے سے پيلے ميں نے يہ خواب ديكھا تھا، كم مدینہ کی جانب سے ایک جاند علیا ہوا آیا اور میری گودیں گریما میں نے کس سے اس خواب کا ذكرنيس كياليكن جب حفودة مجر الكاع فراليا تويس في سجه لياكريس مير الاستخواب كى تعير بعدان كااملى نام دريره ، تعام كرصنون ان كانام ويرير كهاران كردياني عمروين مارف وعبدالله بن حادث اوران كي ايك جيوني ببن عمره بنت حادث يعيى اسلام قبول كركه محابيت كاشرون بيايا جعزت جويرير دعن الله عنا برسي عيادت كزادا ورديندار تمين ناز فرسے نماز جا شت كى بيشرائے وظيفوں ير مععول ساكرتى تھال بھيھ مين سم برس كعربا كروفات يا ل، عاكم مديد مروان ف ان كى نازجنان ، پرمعا فى اوريمنة البيع يسسيروفاك كيكن ومادن النبوة ع عس ١٨٨ عدر قانى عص ٢٥٥)

میم و ان کا ذندگی معمر کا بیمل کرنماذ فجر سے نما زجا شنت تک بهیند دگا تا روکرا اہل اور دکھنو میں مشغول رہنا ، بدان عود توں کے بے تا زیاد عمرت ہے جونا ازجاشت کے سوتی رہتی میں رائٹ اکمرانبی ملی الشر ملید و کم کی بیب بیاں تواتی عبادت گزارا ورویندا د۔ اور امتیوں کا بی مال زاد کرنوافل کا تو بوجہنا ہی کیا ؟ فرائف سے بھی بیزاد، بلکر لسطے دن داست طرح طرح کے گنا ہوں کے آزاد میں گرفتاد ، الہی توب، الہی تیری بنا ہے۔

الرحصرت صنفية رصتى الشرعنها

ية خبر ك سرداداعظم حيى بن أخطب، ك بيش اورقبيل بنونفير ك رئيس اعظم وكنان بن الحيتن "كى بيوى تيس جو" جنگ فيرز مين مسلانوں كے اتھوں سے كى بدوا يے غير كے قيد لوں مي المراسم المرائي والمناصل الشدمليدوسم في ان ك فاندا ف عزت ووجا بت كا خيال خرماكم اینی اروان مطرات اورامت کی ماؤن من شامل فرمالیا گیا جنگ خبرسے والیس می تین وفون تک منزل صبياس آب خان كوليغ عيركه انداني فربت مرفراز فرمايا اودان كوليم مي مجود كفى بينيركاه اليده آب خصمابركرام كوكعلايا جعنوداكرم على المتنطيروسم ان كابست زياده فيال وكحق تنع ایک مزیرمعفرت بیوی مانشرمتی الترعها نے ان کو"بیشتدد کا لعندہ یا توصنود ملی النڈ علیہ وسلم نے حفرت مائنٹہ دمنی النڈ عزا کواس قد عفقہ میں *جر کرڈ*انٹا کرہمی مجی ان کوا تنا نہیں <mark>ڈا ٹ</mark>ا تھا۔ اس طرح ایک مرتب معنرت دمینب دخی النزعهٔ اف ان کو سیحدید کردیا تویسن کردمول التنامل السّد عليه وسلم معزت زينب يراس قدر خفا جو محف كدوة ين ماه تك ان كربسريرقدم نيس دكها يرست بى عبادت گزاداود ديندار بوسف كرساته مديت وفقر سيكف كا بى جذ بردكم ق تمیں جِنا نجدس مدیثیں مجھان سے مروی ہیں ان ک دفات کے سال ہیں اختلات ہے واقد تنے منص اهاب معدے راج مکھاہے یہ می مدینے عصلی دقرستان جنة البقی میں مدنون ہیں۔ درادت النوة ع عص ١٨٨ وزرقاني عص ١٢٥٩

میں میں ایک میں الڈ ملیروسلم نے ان سے بعض اس بناد پرخود نکاح فرایا تاکہ ان کے میں میں کوئی کی دسونے پائے۔ تم عود سے دیجو کے توصنو اقدس میں کوئی کی دسونے پائے۔ تم عود سے دیجو کے توصنو اقدس میں النڈ علیرہ سلم نے ذیادہ ترجن جن عود توں سے نکاح حروایا وہ کس ذکسی دین معلمت ہی ک بنا پر ہوا کچھ مودوں کے مودوں کے مودوں کے مودوں سے نڈھال تھیں ، المذائن کے ہے مودوں سے نڈھال تھیں ، المذائن کے سے اس بنا دیون کام حروایا کہ وہ دنے وقع کے صدوں سے نڈھال تھیں ، المذائن کے سے ان کواعزاز بمن ویا کہ اپنی اذواع معلم است میں ان کواعزاز بمن ویا کہ اپنی اذواع معلم است میں ان کواعزاز بمن ویا کہ اپنی اذواع معلم است میں ان کواعزاز بمن ویا کہ اپنی اذواع معلم است میں ان

معنورطیا اسلاہ واتسلام کا تن عودتوں سے نکاع فرمانا ہرگز ہرگز اپنی خواہش نفسانی
کی بنا پرنیس تھا اس کا سب سے بڑا بنوت یہ ہے کے حفود کی بیویوں میں حضرت عاتشہ دمی اللہ
عنا کے سواکوئی بی کنوادی نہیں تھیں بلکر سب عمر دراز اور بیوہ تھیں حالا نکر اگر صفو دعواہش فرطت
توکون سی الیں کنوادی الرکی تمی جو حض سے نکاع کرنے کی تمتنا نہ کرتی مگر دربا دِنبوت کا تو یہ
معاطمہے کہ شنشناہ و دومالم کا کوئی قول کوئی نغل کوئی اشارہ بھی ایسا نہیں ہوا جو دین اور دیں ک
معاطمہے کہ شنشناہ سے جو کہ اور جو کہا اور کہا
دہی دین ہے جگہ آپ کی ڈات اگر ہی تھیم دین ہی کے یہ کی ایکر آپ نے جو کہا اور کہا
دہی دین ہے جگہ آپ کی ڈات اگر ہی تھیم دین ہے۔

اَللَّهُمْرَصَلِ وَسَلِّوْ وَ بَارِكْ عَلَى سَيِّدِنَا عُمُرَةٍ وَالِهِ وَصَيْرِ اَحْبَعِيْنَ يعنوداكم شنشاه كونى ملى الشعليوسل كوه گياده اذه اع مطرات بير بن برتمام مونين كاتفاق هي ان كافقرندكره تم نيه باه ليا اگرمنعل حال بمعنا بوق بها دى كتاب «سيرة المصطفى» برخود

اب بېمعنوسلغان دومالېملى الترعليردسلم كى ان چارىشزاد يو ں كامخىتىرتىد كرە سكھتے ہيں جوما لماست اورنيك بيبيوں كى افرى ميں آبداد موتيوں كى طرح چك دس ہيں .

١٢ مصرت زيب رمني الشرعتها

یدسول السّد صلی السّد علی دسلم کی سب سے بڑی سّنرادی ہیں جواعلان نبوت سے دس سال قبل کار کر مرسی پیدا ہوئی یہ ابتدا ہے اسلام ہی ہیں سلمان ہوگئی تعیں اور جنگ بدر کے بور عنور صلی السّد علیہ وسلم سے ان کو کھرسے مدینہ کالیا تھا۔ کر بیں کا فرد سے ان بی جوجوظ ہو سم کے بہاڈ توٹسے ان کا تولوچ نا ہی کیا حدم وگئی کر جب یہ ہجرت کے ادادہ سے اونٹ پر مواد ہو کہ کہ سے با ہر کھیں تو کا فرد و ب ن کیا حدم وگئی کر جب یہ ہجرت کے ادادہ سے اونٹ پر مواد ہو بھا ہی تمان کی اور ایک بدتھیں کا فرج بڑا ہی تمالم کی مدم کے مدم کے اور میں اللہ سود اس نے نیزہ ماد کر ان کو اونٹ سے ذمین پر گرا دیا۔ حس کے مدم ان کا عمل ساقط ہوگیا ۔ یہ دیچھ کر ان ان کا عمل ساقط ہوگیا ۔ یہ دیچھ کر ان ان کا عمل ساقط ہوگیا ۔ یہ دیچھ کر ان ان کا عمل ساقط ہوگیا ۔ یہ دیچھ کر ان ان کا عمل ساقط ہوگیا ۔ یہ دیچھ کر ان اور یہ در میان میں پڑ کر داستہ صاف کرادیا اور یہ مدینہ منورہ پینے گئیں .

معنوداکم صلی النّد طبیدوسلم کے قلب کواس واقعہ سے بڑی چوٹ کئی چانچہ آپ نے ان کے فعنائل جی براد شاوفرمایا کہ:

یری بیٹیوں میں اس اعتباد سے بست ففیلت وال ہے کرمیری المرف ہجرست کرنے میں اتنی بڑی معیست اٹھائی۔

هِيَ اَفْضَالُ بَنَا يَّتُ اُصِيْبَتْ فِيَّ -

پھران کے بعدان کے نفو ہر حفرت ابوالعاص دمنی المتذهبی مکر سے ہجرت کو کے مدینم آگئے اور دونوں ایک ساتھ مسبح کے اور درینم آگئے اور دونوں ایک ساتھ مسبح کے ان کی اولادیں ایک اٹر کا جن کا نام "علی تھا اور ایک اٹر کی جن کا نام "امام " تھا زندہ دسسے ۔ ابن مساکر کا قول ہے کہ" علی " جنگ پردوک میں شہید ہو گئے معزت امام دی الشرع نا سے سنور ملی المترم لیہ دسلم کو ہے حد محتیت تھی۔ بادشاہ عبشہ نے تعدیمی ایک جو الاورائے تیمنی آگوشی دریا دنبوت میں تھی تو آپ نے یہ انگرتی حصرت امام کو عطا

١١ رحصرت رفتير رمني التدعها

اعلان نبوت سے سات ہوت ہے جہ خود صلی المتز علیہ دستم کی عمر شریف کا بیننیسواں سال تھا یہ کم کمر کر دین ہیں ہیں اپنے ان کا لگاع ابو اسب کے بیٹے " عشبہ" سے ہوا تھا گراہی رضتی بھی نہیں ہوئی تھی کا دسورہ تیت بھا " نازل ہو تی ۔ اس خشر میں الواسب کے بیٹے عشبہ نے حصرت دوئی کہ میں الشر علیا کو طلاق دسے دی اس کے بعد صور میں الشر علیہ وسلم تے حصر ست عثمان عنی دمنی الشر عنه کو طلاق دسے دی اس کے بعد صور میں الشر علیہ وسلم تے حصر ست عثمان عنی دمنی الشر علیہ وسلم کے معزز لقب بھر مدینہ کی طرف میں البیم تین ددد ہجر توں والے) کے معزز لقب بھر مدینہ کی طرف ہے سے سرفران ہوئے ۔

بر مدركدون مين مضرت رقية زياده بهارتمين جناني معنور عليه العلوة والسلام

١١/ يحضرت أم كلتوم رضى التدعمها

یہ بھی پہلے الواسب کے بیٹے "عتیب، سے بیابی گئی تھیں گراد سورہ "تبت یدا" میں الواسب کی بہلے الواسب کی بہلے الواسب کی بہلے اس قدر طیش میں اگیا کہ اس نے گستا فی کہت ہوئے حصور ملی النہ علیہ وسلم النہ علیہ وسلم کے المان شریف کو بھاڈ ڈالا اور حضرت آخ کلنوم ومی النہ علیہ وسلم کے قلب ناذک پراس گستا فی اور عنها کو طلاق دے دی جمنور د حسب عالم ملی النہ علیہ وسلم کے قلب ناذک پراس گستا فی اور بھا کو طلاق دے دی جمنور د حسب عالم ملی النہ علیہ وسلم کے قلب ناذک پراس گستا فی اور بھا دیا دیا دیا ہے اختیا در الفائل کے دیا ہے اختیا در الفائل کے دیا ہے اختیا در الفائل کے کہا گئے کہ

"یاالت! اینے کُتّوں میں سے کی کئتے کواس پر سلّط فرما دے ! اس دعاء نبوی کایہ انٹر ہواکہ ملک شام کے داستہ میں یہ قافلہ کے نبیح میں سویا تھا اودالواسی تما فلردالوں کے ساتھ بہرہ دے دہا تھا نگرا جا نک ایک شیر آیا اور مشبب کے سرکو جہا گیا اور وہ مرکیا جھزت بی بی دقیہ کی وفات کے بعد صور میں الشطیہ وسلّم نے مشاج میں حضرت اُنہا کوٹوک دى الدِّعنه اكا نكاح معزت مثمان عنى دى الدِّعنه اكرساقه كوديا گران كِشْكم مبادك سے كوئى اولادنيں ہوئى معنوصلى السُّد كوئى اولادنيں ہوئى رالسنڌ يس مغرت امِّ كلوْم دى الشِّعناكى دفاست ہوگئى معنود صلى السُّد عليده لم فيان كى نماذ جنازہ پڑھائى اور مدينہ منورہ كے قبر مسسستان چنۃ البيقىع ش ان كو دفن فرمايا د زدقانى چ ۳ ص ۲۰۰۰)

٥ ارمح مرسة ما طمه رصني التدعنها

یمنور شنت او کوین می الت علیه وسلم کی سب سے جوٹی گرسب سے ذیادہ جیتی اور الله کی شرادی بیران کانام فاظرا ور لقب ذہراو بتول ہے۔ التذاکر ان کے نفائل اولا مناقب اولا ان کے در عات در مات در مات کا یک کنا ۔ حدیثوں میں گیڑت ان کے فضائل اور زرگیوں کا ذکر ہے جن کو مفضل مہنے ابنی کتاب، عقائی تقریری، میں مکھاہے سے جمع میں صفرت علی شنیر فعال دفی الدین عندسے ان کانکاع ہوا اور ان کے شکم مبارک سے بین حما جزادگان صفرت المام حمن و مفرت عمران المام حمن و مفرت المام حمن و مفرت عمران المام حمن و مفرت المام حمن و مفرت عمران المام حمن و مفرت المام حمن و مفرت المام حمن و مفرت عمران المام حمن و مفرت المام حمن و مفرت المام حمن و مفرت عمران المام حمن و مفرت عمران المام حمن و مفرت المام حمن و مفرت المام حمن و معنو و معنو

ا بر معترت صفیر منت علی المطلب رصی الله عنها! به ارسد دسول اکرم مل الترطیه وسلم کی مجومی اورمینی مما ی معنرت زبیرین التوام وی

السُّدعند كى دالده بير بيد بست سيرول اوربها در فاتون بير . جنگ مندق كے موقع برتمام جابدن اسلام كفادك مقايدس معت بزرى كرك كعرب تصاورايك محفوظ مقام برسب عودون بچوں کوایک پرائے قلعم میں جمع کر دیا گیا تھا۔ اچا نک ایک میودی تلوار سے کر قلعہ کی دلوارمیانت موسة عودتون ك طرف برها، اس موقع برحفرت صفية رضى المتدعنها اكيلى اس يهودى يرجعيث کرینیس اورضیر کی ایک چرب اکھاڑ کراس زورے اس میروی کے سریر ماری کراس کا سرمھط کیا اوروہ تلواریے ہوئے میکرا کرگرا اورمرکیا بھراس کی تلواسے اس کا سرکاٹ كربابر بينك ديايه: يكو كرمن يهودى عودتون يرحمله كرف كے يا الله على بابر كمرس ستع بعاگ نبطے ،اس طرح جنگ ا مُدس جب سلمانوں کا نشکر پھرگیا یہ اکیل کفاد مریخ دہ میلا تی رہیں یہاں تک کرحفور مل السُّدعليه وسلم كوان كى بے بنا ہ بمادرى يرسخت تعجب بوااور آب نے ان کے فرزند حضرت زیررونی المتدعنم سے فرہ یا کہ اسے ذبیر اپنی ما ب اود میری میومی کی سادر آود محموك برك يرك بها در معاكسك مرحيان ك طرع كفارك نعف مين و في بوف اكيل ار اس اس اس طرح جب دنگ ا مُدس معنور عليه العلوة والسلام كے جيا معزت ميدالتراد حمزه رض المدعمة تنهيد بو كئے اود كا فروں نے ان كے كان ناك كا ط كراور آنكميس نكال كرشكم عاك كرديا توحصور ف حضرت زبير دمن الندعنه كومنع كردياكه ميرى يعويعي حضرمت صفید کومیرے جیا ک لائن برمت آنے دینا ورنروہ اینے بھا اُن کی لامنٹس کا برمال د می کرد نے وغم میں ڈوب جائے گی ، گرحفرت صفید دمنی المترعنا می السنس کے باس بنع كيس اورحضورساماورت كرلاش كود كما آوامًا للله والله الميه واجعون برُ صااود که اکه میں خداکی داہ میں اس کوکو لُ بڑی قربان نیں سمجعتی بھرمغفرت ک دما ما شکھتے بوے وہاں سے مل آئی سنتیدہ میں تہتر برس کی عمر پاکر مدینہ میں وفات با ن اور منت البقع یں مدفون ہوئیں (ذرقانی ج س من ۲۸۷)



١٤- ايك الصاربيرعورت رصى الشرعتها

مدیندگا ابک عودت ہوا نصاد کے تبییلہ کی تمیں ان کو یہ غلط خبر پنجی کردسول السّد ملی السّد ملی السّد ملی السّد علی و تعلید و تم جنگ اُور میں شہید ہوگئے تو بر بدے قراد م کو گھر سے نکل پڑی اور میر ان جنگ میں بہنچ گئی و بال دوگوں نے ان کو تبایا کرا ہے ورت اِ تیر سے باپ اور بھائی اور منوں ترمیزوں اس جنگ میں مشہید ہو گئے ہیں کراس نے کہا کہ مجھے یہ بتا و کر میر سے بیاد سے اللّٰ معلی السّد علیہ وسلم کا کیا حال ہدے ؟ جب لوگوں نے بنا یا کر صنور اگر جیز خمی ہوگئے ڈیں مگر الحمد لسّد کر ذمدہ سلامت ہیں حال ہدے ؟ جب لوگوں نے بنا یا کر صنور اگر جیز خمی ہوگئے ڈیں مگر الحمد لسّد کہ ذمدہ سلامت ہیں حال ہے اس شعر کا مضمون نمی بڑا کہ ہے

تسلی ہے بناہ ریکساں ذندہ سلامت ہے کوئی پردانہیں ساداجهاں دندہ سلامت ہے

النّداكبرااس نثیردل اور بهادرعودت كاكي كهنا ؟ باي اود شوم راور مها كي تينول كے تمثل موجلت سے صدمات كے تين تين پها ژول پرگر پڑسے ہيں . گر جميت رسول كے نشنه ميں اس كی مستى كا يہ عالم ہے كہ ذبانِ حال سے يرنغرواس كى ذبان بر جادى ہے كہ ہے بیں ہی اور باب بھی شوم ربھی برا در بھی خسدا

یں بھی اور ہا ب بی سومر بی برادد بی دے را اے شروین تیرے ہوتے ہوئے کیاچیز ہیں ہم رطری ا

٨ اليحضرت أمم عماره رضي الشرعتها إ

ی جگب امدی این شوم مرحزت زیدین ماصم اورا پنے دو بیٹوں مفرت عارہ اور مفرت عارہ اور مفرت عارہ اور مفرت عدالت میں کودیٹریں اور حب کفار نے صفور ملی الت معلیہ دستم برحد کردیا تو یہ ایک خفرے کر کفاد کے مقابلہ میں کھڑی ہوگئیں اور کفاد کے تیم و تلواد کے مراکب وارکودوکی رہیں میں استرعیہ دستم پر مراکب وارکودوکی رہیں میں ان تک کرجب این قمیتہ طعون نے دھت عالم میل السترعیہ دستم پر

تلوامبلادى توحفرت أمعاره في استلواد كوابنى ينهم بردوك ليا جنانيران كمكند مع براتنا محمراز فم نكاكر فادير كيا. يحرفود برهكرابن قمية ككنده براس ذورت تلوار مادى كروه ووكرف ہوما آنا مگروہ ملعون دوم ری زرہ منے سوئے تھا۔ اس لیے بے گیااس جنگ میں بی بی اُم مارہ كے مروكردن پرتيره زخم ملك تع جعنرت بى بى أم عاده ك فردند حفرت عبدالتدرمنى التذعنه كا بيان سے كر تھے ايك كا فرف جنگ اكسرى ذعى كرديا اور ميرے دغم سے خون بندنيس موتاتھا۔ میری دالده اُمّ ^{عاده} نےفزٌالیٹاکپڑاپھ<mark>اڈ</mark>گرذخ کوباندہ د<mark>یا</mark>اودکساکہبٹیااٹھو،کسڑے ہوجا وُ'اور بمعرج ادی<mark>ں مُ</mark>شنول ہوجاؤ اتفاق سے وہی کا فرسا شنے آگیا توصنور <mark>سلی ال</mark>ٹر علیہ و سستم نے فرمایا کہ اے اُم عمارہ اِدیکھ تیرے بیٹے کوزخی کرنے والا یس ہے یہ سنتے ہی معزرت ائم عاره في جييك كراس كا فرك ثا نگ مين الوار كا ايسا بعر بوروار ما داكروه كا فركريرا اورمير عِل منسكا بلكس ين كي بل كوسنتا موا بها كا يرمنظرو يكه كردسول التذصلي الشدعليدوسم بنسس يرث اور فراياكرات أم عماره! توضا كاشكرادا كركراس في تحدكواتن طاقت اورسمت عطيا فرا ن كرتونيفداك راه مين جمادكيا حصرت أمّ عاره نه كها يا دسول التد إكب دما فرما في كالتُّدتماليم ولون كوجنت مِن آب كى فدمت گذارى كا شرف عطافرملئے اس وقت آب فان کے لیے اوران کے شوہراوران کے بیٹوں کے لیے اس طرد ما فرما ن کر

اَلَكُ مُ الْمُعَلِّمُهُمُ وَفُقًا فِحُ اللهُ! ان سب كوجنت مِن مِرادفِيق فِي الْمُجَنَّدةِ مِن اللهُ اللهُ

حفرت بی بی ام عادہ دصی النزع نہا زندگی بھر علانیہ یہ کہتی رہیں کردسول النڈ مسل المتشد علیہ دسلم کی اس دعا کے بعد دنیا میں بڑی سے بڑی معیدیت بھی مجھ پر اَ جائے تو مجھ کواس ک کو نُ بروانیں ہے دمدادے النیوۃ ہے ۲ص ۱۲۷)

میمره احفرت بی بی معیدا درا نفادیعودت اورمعزت بی بی ام عاده کے تینوں واقعات کو پڑھ کر غود کروکر مادراسلام کی آغومسنٹس میں کیسی کیسی کسٹ پر دل

اوربها درورنول في من ليلب. ان بها درخواين اللم ككادنا مول كوالدسش ليل نهارتيامت ممجى نبي مالكى ان كىسىنولى بى تىمرى بيئانول سے زاد معنوط دل مغاصى بى املام كى واست كا يوش او روبت رمول كى اليي شخى بعرى موكى تى كركفار كے استكروں كا دل باول ان كى نظرول مِس تحصول اور فجرون کا جھنڈ نظراً ما تھا۔ اوران کے دلول میں صبر وہ تقامت کا ابساسمندر امریس ار رہا تھا کہ اس کے طوفان یں بڑی بڑی جیستوں کے پہاڑیافی پائٹ ہو جایا کرتے تھے سے افوسس مجلک ک مسلان موزؤں کے دو<mark>ں میں فریند د</mark>مول کاچراغ اس طرح بھرکیا ہے کہ اسلام کا مجتنس ایمان کا مدرب فیت رمول کاستی جاد کا نشرسب کیم خارت بردگیا اور دنیال محبت اور زندگی کی ہوس نے بدن کے رو نگے رو سکے میں خوف دم کس اور بزول کی ایس آندھی جلادی ہے کر کفار کے مقابدیں مرسلان مورن دونے اور کڑا کڑلئے سے موانچے کرہی نہیں سکتی راجے الان مورنو إتم ان جاں بار اور مرزوش مبا د كرنے والى مورنوں كے مبذيرا يبانى اور بوش اسلامى سے سبق سبکھو^ت نم بھی سامان عورسنٹ ہوا گرکھار کا م<mark>خا</mark>لہ ہوٹوا بنی مان پر کھیل کراور مرتھیل پر دکھ کرکھار سے رونے ہوئے جام نہادت یں او اور منت الفروس من بہنے جاؤ ، خردار ، خردار ، کفار کے كاكرون لاكوان بور رح كالمجيك الخفية بوسة يزول كالوت بركزة مروادرياد ركموكم وقنت سے يہلے ہر كرموت بنين اسكى لبذا فر خوف اور ہراى وبزول سے وت لائيں منعتی ۔ اس بیلے بہا در بنو ، نثیر دل بنوا ور لی یہ صفیہ اور لی ایام عمارہ اور لی بی انساریہ کی مجا مرانہ سرم وننيوں كاكردان بيش كرد-

ور <u>حضرت بی بی شمیّبر منی الطرعنها</u>

یہ معزت عمارین یا سرمحابی رضی اسٹرعنہاکی والدہ بیس کے سلام لانے کی دمیرسے کمہ کے کا فروں نے ان کو بہت زیادہ سنایا ایک مرنبر اوجہل نے میرہ نان کران سے دحمرکا کر کہا کمہ توکلم نہ بڑھدورندیں نجھے بینیزہ ماردوں کا حضرت بی بیٹمیٹر دعی احترمنہانے سینہ ان کر زور ذورسے کلمہ پڑھنا نٹر فئ کیا ابوبہل نے فقہ میں بحرکران کا ان سے بنے اس زورسے نیزہ ارائہ وہ والی ماہ وہ والی ماہ ہوگئی میں است بہت ہوگر پڑس اور شہید ہوگئیں ۔ (ہستیعاب نہ ہم ۱۸۹۳) میں است بیت جال بازم ال نورت کا پہلا ٹون نفاجی سے مغدا کی زمین رنگین ہوگئ میں اس کے اس برائر وائد اور تین کا میں ملان کفار کا قرست میں بن گیا اور کم وفیر میں کفرو تشرک کے تبکیا استہاں بن گیا اور کم وفیر میں کفرو تشرک کے تبکیا

معفرت بى ل كُنينه رمنى الله عنها

لاؤسے و خلام زور مسامقام ہے گا۔ (ارقال ن اس ایمانی توری جہا نیچری فردیجو کرا بھی حفرت بینہ میں مسیمیں میں مسیمی میں میں میں میں اس ایمانی تقریری جہا نیچری فردیجو کرا بھی حفرت بینہ میں مسیمیروں اسٹرون اسٹرون اسٹرون اسٹرون کے اور زندگی بعر لیے نہیں کر بھی اس میں آئے ہے اور زندگی بعر لیے نہیں کے بین اس میں آئے اور زندگی بعر لیے نہیں اس کے اوران اور معفرت بعین میں میں میں میں اس میں میں اس میں

تعور سے دن بنیں گذئے کا مرالمونین ہوتے ہوئے بلے تخت تاہی پر بیٹھ کریہ ا کر نے شکھے کہ سَیّہ یُ ناوموللنا ملال یمی ولال فرہمارے سردار ہیں۔ جمل فرہارے آتا ہیں اور دلال کی صورت کو کمال اوب اورقبت کے ساتھ دیجھ کرزابان عال سے معمرے مجمول ہیں یہ کہا کرتے تھے کہ سے

براجائے نکک پر نہلال الجماعے میک بر نہ ہلال الجماعے میں ہوتو مدنوں سے بلال جماعے اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں ہا ۔

٢٢ مصرت بي في أم عُبُيْس رمني الله يونها

معزت بی به مهر رضی انترمنهای طرح بر بھی نونری تیس اوران کو بھی کا فردل نے بہت ستایا۔ بی دائل کو بھی کا فردل نے بہت ستایا۔ بی دائل کے سازی حبوں پر دائ لگایا کرتے شخصے کم بی ان میں ای ندرو کھیاں دیا کرتے شخصے کم ان کا دم کھٹے گئا تغال اربیدٹ تو او جہنا ہی کہا وہ تو کا فرول کا دوزانہ ہی کا مجورسٹ تلہ تغالہ کو بایسے دسول مصطفے ملی انڈیولد کو سے بایر نارص درات جا نشار دمی اور شرعد سے اینا فوائد خالی کرکے ان مظلوموں کو فر بد فرد کر کراڈ دکر

آرا وکردیا توان معیست کے اردل کو کچھ آدام لا۔ درزنانی دسیرت! بن بشام ماہ ام ۲۱۹)

۲ مستضرت زنيره رمني التدعته

ربی صفرت عمر من اصلامند کے گھڑے کی ایک اور کی تعین انہوں نے بی جب کور پڑھا تو سارا گھران کی جان کا دختی ہوگیا اوران کا منسروں نے اتنا کا کہ ان کی انجمول کی بیٹ کی جاتی ہوگیا اوران کا منسروں نے اتنا کا کہ ان کی انجمول کی بیٹ کی جاتی ہوئی ہوئی ہوئی کے کہ تو نے ہائے دیوتا وی کو چوڑ دیا تربری آنجمول کو بیٹوٹ کی من کر سے بیرا ایک خلا تو کور نہیں ہے من کران تی کہ دہ تیم کی آنجمول کو دوشن کروے رفیعند من کروہ نہا برت جائے کے ساتھ کہا کرتیں تقین کہ یں جس دمول پرامیان دوشن کروے رفیعند من کروہ نہا ہوئی اور میرا ایک خلاا کرچا ہے گا تو مزد ربری آنجمیس دوشن ہوجائیں گی۔ اور نہا رسے بین کورل اسٹر میں ایک اور نہا رسے بین کورل اسٹر میں ایک ایک ایے ترزیرہ : نوصیر کرد مجر صفور نے دیا اسٹر میں ایک دور نہا رسے بیا تو فرای کے ایک ایک ایے ترزیرہ : نوصیر کرد مجر صفور نے دیا اسٹر میں ایک دم مول نہیں ہیں جگھ وہ توج ہے کھی کریہ تر نوار مسلی اصلا میں ہیں جگھ وہ توج ہے کے کہ یہ ترفیر وسلی اسٹر میلاد کران کر دیا کہ اور کے مادہ کریں کر میرک نوار کردیا۔

ازرتاني اص ٢٠٠ واستيماب ١٢٠ م ١٥٠١)

المسلان المابنو؛ تہیں نطاکا داسط مے کہناہوں کو حزت ابدو معزت بہدو معزت بہدیہ میں معرف بہدیہ میں معرف بہدیہ کی میان موزوں لدو وکا تول معرف کی میان موزوں لدو وکا تول کو بغزر اور بار پر مو اور موم کہ اور الرول نے اسلام کے بیائی کی میں بھی کی کمیں کی میں میں اسلام کے بیائی میں اسلام سے ان کے قدم نہیں وجم گائے۔ ایک مہرکہ ذرا کو ان تعلیم بیائی اور خوالور در مول کی شان میں نامشکری کے الغاظ اور لیے اور خوالور در مول کی شان میں نامشکری کے الغاظ اور لیے اللہ میں نامشکری کے الغاظ اور لیے

مگی جواور ذرا کا فرد نے دھونمی دی توقع کا فروں کی یولیاں ہو لئے مگی ہوخدا کے بلے اے ملان مرد واور اسے سلمان تورتو ! تم ان احد کی مقدس بشریوں کا کروار پیش کروکد ایمان وہ سلام پر آئنی معبوطی کے ساتھ قائم رہوکہ تہیں دکھے کر کا فرد س کی دنیا بیکار اٹھے کہ سہ بنا ہے ہمان بھی ہے س متم پر ڈھم گائے گئ گروئن کے قدموں میں کمی منزش نہائے گئ

٢٢ مصرت على رسعديد رحني الله عنها

به وه مقدی اور توش نفیرب مورت بین که انهول نے مها دسے دمول انٹرصل انٹرصل انٹرکسر کم کو دودھ پلایا ہے جب رمول دنٹرصلی انٹرملیہ دملم نے کمٹر نوخ ہو جانے کے بعد طائفت کے تشہر پر جہا دفرایا اس وقت محفرت بی بی ملیمرسور پر رمنی انٹر عنہا اپنے نئو ہرا در بھیے کو لے کر ارکا و رسالت یمی حاض پویش نورمول انٹرصلی انٹر طبہ رسم نے ان کے لئے اپنی جا در مبارک کو زیمن بر کھیا کران کو اس پر بھیا یا اوراضام واکام سے بھی نوازا اور برسب کلم پڑھ کومسلان ہو گئے ۔ دہست بیماب جامع میں ۱۸۱۷

حضرت بی بی بیلمدرمتی احتد منها کافیرا فر مرینه منوّه میں حبنة البقیع کے اندرسے۔
مصلی میں حیب میں مرین طیبہ ما مزہوا اعد حنبة ابیقع کے مزادات مندّسر کی زار توں کے
میں حیب میں مرین طیبہ ما مزہوا اعد حنبة ابیقع کے مزادات مندّسر کی زار توں کے
دیا بیوں نے تمام مزادات کو فرم مجور کراور تیوں کو گرا کر بھینی دیا ہے مرحت ٹوٹی مجور کی تروں پر
پہند میتروں کے محصر میں میرستے ہیں اور صفائی ستوائی کا بھی کوئی اتمام نہیں ہے بہوال
مسب مندی قروں کے محصر میں اور منا کی سخرت بی بعدرت الدیم کی کوئی المام نیر اور میں اور منا اندر اور
کے مساستے کھڑا ہوا تو یہ دکھے کر بھران ما گیا کہ جنرت ابیقی کی کمی تبر پر میں نے کوئی تھاکس اور سنر و نہیں دکھیا کہ بہرست ہی ہمی

اورشادلب گھاموں سے بوری قریعی ہول کے میں بعرت سے دیر بک اس منظ کور کمتا رہا ہم خیص نے لینے گراتی سا تغیوں سے کما کہ وجو ابنا وئٹر راکوں نے حینہ بیغی کاکی نمریر بى كاس عى بوئى دكلي ؛ لوكر ئى ئىمائر جى نبير " بىرىنے كها كرمعزت لى وملير كى قركو د کھو کر کیسی ہری ہری کھاس سے بہتر سر مبزوت واب ہور سے لوگوں نے کہاکو ہی ان شک یعریں نے کہاکری اس کر کوئ دھم تم لوگوں کی تجھ جس ارسی ہے ، وگوں نے کہا کہ تی نہیں ک بی نزاستے تو می نے کر دیا کواس وقت مرے دل میں ہران آل سے کہ ہموں نے محصنوردھ ٹر بلعالمین مسلی احشر ملبر دسلم کوا بنا دودھ بلا پلا کریراب کیا تفا ت<mark>ررب</mark> العالمین نے اپنی دحمت کرانیوںسے ان کی قربر مبری مہری گھاس اٹھا کران کی فرکوم مبزوشاداب کردیا ہے میری برتقربرین فرتمام حاخرین برائبی دفسند طاری بوق کیمسی دگ بیخی ند ادکردوند کھ اوريس تؤدمي دو تا دور فرصال موركبا بمرميرت وب فلص ميده الحان عمّان عني جيسيه رنگ واسف احداگیادی نے عطری ایک بڑی می تیسینی جی میں سے دو دو تین بین قطرہ برقم پر عظر المستر تحصر الميب دم يوري شيتى انهول تے معرت لي لي ملمركي قر برانا لي دى اور دمتے رئے کہاکم اے دادی میمہ ا خلاک تم اگراک کر تراحمداً ادیں ہوٹی تویں آپ کی قرمیارک ر معرب دعود نیا بھر ٹری دیر کے لید مارے دلوں کومکون ہوا۔ اور یس نے بیکھے مر کر میانز مک بھال بچاس اوی میرے بیجے کارے سمے اورب کی کیس انسووں سے زیش ريالتُدا يعرد وباره برن نفيسب فرا. أين فيرب العالمين)

٢٥. معترت أم اين رفي الله عنها

حیب مهارے پیایسے دمول میل نڈملیر قیم حفزت بی بی میلم رمی انڈمہنا کے تھے۔رے کہ کر مذہبے سمے اوراپی والدہ مخرمر کے بیسس سینے سکے نوصونت اُم این رمی اطرمنہ ام آہپ، کے والدہ جدی؛ ندی خنب آپ کی خاطر داری وفدمت گذاری میں من راست بی جان سے معرد ن رمنے گی بہی آپ کو کھا نا صلا گی تیں ، کیڑے پہنا آلی تھیں ۔ کیڑے وحو کی تنبل ۔
حیب آپ بڑے ہوئے آزائی نے بات آزاد کردہ خلام ادرمتہ بر لے بعضے تفریت زوین با ماراتہ موری اندھ منبم ،
دمی اخدرت بر بالم اس کا نکائی کر ، بار جن سے حفرت اصاحب بن زید بیدا ہوئے درمی اخد منبم ،
حفرت باب بالم اس می احدرمیا صفر معداللہ و لسلام سے بعد کا آل و تون تک مدین بن آبو
میں و جفرت او جھرت تاروق رحی مقد منبا اپنی اپنی خلافتوں کے اورال حفرت ایک
ائم انحمد رواز جھرت تاروق رحی مقد منبا اپنی اپنی خلافتوں کے اورال حفرت ایک
ائم انحمد رواز جھرت تاروق رحی مقد منبا اپنی اپنی حلاقت تھے اوران کی اور وال کھرت اورائی اورائی میں میں ہوتے ہوئے اپنی مبلات شمان کے باوج وصورت الرائم
مدین و دورائی کے بار کورائی میں احد تاریک میں میں اورائی کی زورت کے بیلے ان کے منبلے ان کے بات کے باتے ان کے ایک میں اورائی کی زورت کے باتے ان کے منبلے ان کے بات کے باتے ان کے ان کے بات کا دورائی کی دورائی کے بات کے بات کے ان کے ان کے بات کا دورائی کی دو

مروق المدين ومون مرفارز رمى احدمها ايب برصاعورت ك زارت كي الي ال كم ما يا كرف احداث كالمرت كي الله المرسالية المرسا

ر مضرت أم مسلم مني الله عنها

یہ ما ہے ہے ہے بہصل مذہبہ سے میادے خادم معزت انسس بن انکس دی متدمیزی مال ہیں ان کے پہلے متوبر کا ایم انکس تغایبوہ ہوجائے کے بعبر ان کانکلن حغزت ایوالم محالی دی اعتراب سے برگیا۔ یہ دیسٹ تدیں ایک حرب ہے پہل انٹر

مىلى الله عيبر ملى خاله ہوتى نبيس ، اور ان كے بھائى مصور ببرا تعلوٰۃ والسوم كے ماتھا كيك بھاديم ننيبر ہو محرکت تھے ۔ ان مرب باتوں كى ومرسے رمول احدُّصى احدُول رائد مان يومبت بسران تعے اور کمی کمی ان کے گھر بھی تشریعیت لے جایا کر تے سے ریخاری شریعیت و میرہ میں ان کا ایک بهنت، بی نفیوت آنور اور عبرت خیزوانغ تکھا بواسے اور دہ یہ ہے *احزا*ت ام میلم کا ایسے بچریمار تما موس صرت اوطور می اند عنہ می کو پنے کام رصدے سے یا ہے اہر وائے مگے نواس بچر کا سائن بہت زور زور سے عیل رہا تھا۔ ابھی حفرت طلح مکان برنہیں آئے تھے كربيركا انتقال بوكيا بمعزت ببالم مبلم فيصوما كردن بمرك تخطے اندے ميرے متر بهركان برایش کے درنیے کے انتقال کی فرمنیں گے۔ تون کھا ناکھا بٹ کے داکم کرسکیں گے۔اس يبع انهون نے شيكے كى لاش كر ايم الك مكان يس اللا ديا اور كيرا اور ما ديا اور خودروزان ك طرق کھا ٹا پکایا پھر نوب ابھی طرق بنا ڈسسٹکا رکرے پھٹے کوٹو ہر کے آئے کا انتظار کھنے ليس معرس الوطلى دات كو تم يس كئة توفي عياكه بي كاكا مال سيد ؟ قد إ إن أم سيم نے کہ دیا کہ اب اس کا سانس فیر گیا ہے۔ حضرت ابوطلی ملتن ہو سکتے اورا نہوں نے یہ کھا کر سانس کا کمیخا و تھم کیا ہے۔ بھر فولاً ہی کھانا صلہ نے آگیا ادرا نہوں نے مگم میر ہو کرکھا اکھایا۔ بھربجری کے بنا و سنگار کودکھوکر انوں نے بیوی سے صحبت عی کی بہب مہ كار سے فارع ہوكر با نكل بى طمئن ہوسے توبى بى أم ميلم نے كہا كركے مرسے پيا يے خربرا مے بمسلر تایے کراگ مارے پاس کی کی کوئی اما نت، مواور دہ این امانت م سے لالے توكيا بم كو بُرا لمستنے يا نارا من ہونے كاكونى مق سبے اصفرت البطلح نے فها يا كم م كز بني المانت دائے کواس کی امانت ہوتی فرخی سے دبی چا ہیئے۔ بٹوہر کا پر مجاب سسنکر حفرت اُم مبلم نے کہا کہ لے میرے سڑان : آئ ہمارے گھریں ہی مما لمہ پیش آیا کہ ہمالا بچہ ہم ہمارے ہاں خلاک ایم انت تفائن ملانے دہ امانت نے لی دورمال بچرمرگیا۔ یہ س رحزت ابطلی بی بمب کرا مدجم محمد ادر جران مو کرد الے کر کیا برا بچہ مرکبا ، و بی نے کہا کہ جی ہاں ، مفرست

ر مخاری ج اص مها اوماست بدو منیرم

سلان اور اور بهنو احفرت بی انه سیم می احد عنها سے حبر کرنا سیمی ای واقعہ سے دین تین کروں میں اختر میں اور تو سے دین تین کروں میں کہ بی ان سیم می ای واقعہ سے دین تین کروں میں کہ بی بی ان سیم میں ایسی مقال ہے کا طریقہ اور سیسے دی ۔ اگر ہم آدی ای بات کواچی طرق میں کھو کے فرخری ہے نہ کہ بی مقال ہے کر تربیم کو تشکیل مندا و ند کریم نے کمتنی عبدی صفر سے بھے اور میم بی بی ابو محت اور میم بی بی ابو محت اور میم ان کا تھو ما المول سے عبر گیا ہے۔

١٧١ عضرت أمّ تُوام رمني التدونها

یہ محفرت بی پی اُمِ سِسُبُم رِتی احدُّرعہٰا کی بہن ہیں ۔ جن کا ذکر تم نے اوپر بڑھا ہے۔ ان کے مکان پر ہمی کہمی صفوص کی احدُطلیرہ کم و دبھر کو تینولہ فوا پاکر ستے شنصے ماکیپ دن صفوص اللہ

عيسروهم مكات بوك نيند سي بيلا بوسة فوحزت بي أمّ طم في عمن كيايا رمول الله آب کے مسکرانے کا کیا سب ہے ؟ قارف رفر ایا کویں نے بھی انجی ایک است کے کو با دن کو خواب میں دکھیا ہے کم وہ ممندر می گفتیوں برای طرن بیٹے ہوئے ہوئے جارے یا ہے ما سے بي حبطرت بادنتاه وفي ليضيف تخن بريع في راكست بي بحرت أم وام ن كماكري مول النداد ما فراكسيت كرام مندتعال مي الرين عن شا ال فراكب ميم آب مولم اورود ياروه بارى طر*ن سنتے ہوئے اسٹھے*ا در بہی فواب بیان فرایا توائم حام نے کماکہ ایپ دما فرایئے کہ یم ان مهامرین یم نتا بل رمون . نواتی نے فرطا کر تم پہلے مجامرین کی صف جمی رم کی بنا پخرجب معزت امیرمعا دیر رخی اعترصند کے دو طومت میں بحری بٹرہ تیار ہوا۔ اور مجامری کشینوں میں موارم نے ملے توصون با اُم حکم رمی انٹرمنہا می اینے تو برصوت میان رمی انٹرمنہ كرائة ال محامرين ك جامست بن تأمل بوكر بهاد كريد دوار ، وكيش مندسے يار ہوسمانے کے بعد یہ اونٹ برسوار ہونے میں تواونٹ برسے گریں اوراونٹ کے باوال ہے کیل کران کی رورج پرواز کرفئ کے سمطرح یہ نہا دت کے نموت سے سم فراز ہو کئی۔ (بحارى ي اص ٢٠٢ باب خودة الحر)

مسلمان بیبیر احفرت بی بی اُم توام دی اندخها کے اس وافغر سے جہاد کا شون اُلا تبریسرہ اسلام پر نوران ہونے کا جذبہ میکھو۔ ان دوٹوں بوڑھے بیباں بیری کوٹرھاہے کے باوجرد جہاد کا کسس قدر شوق نقارہ اور شہا دست کی کمتی زیادہ نشنب تھی ۔ انڈہ دی جوادثہ کمیر ۔

٢٨ - محضرت فاطمه رئيت خطأب رمني المارعنها

ی صفرت عمر دمی انشرهندگی بین بی بر اوران کے شویم معفرت سیدین زیددمی احترامند اسلام کے شمرت میں سسلمان ہی محق شعے و گوریر دونوں معفرت عمر کے دار سے اپنا اسلام

بـ ویژیره در کھنے شیمے بھزت عمرکوان دونوں کے مسئلل ہونے کی خبر کی ۔ ٹونفکسہ بھ آگ بجو لام ہو كربين كے تحر تبہتے كاڑ بند شخصے سؤاندرسے قرآن بڑھنے كى كماز آرى تھى - دروازہ فشكھٹايا توصرت عرى آوادس كرسب كمواسل اومراك ميب كئے . بين ف دروازه كول او حرت عرمیلا کرار الے کر اے ابنی جان ک دست ایک سے بھی اسلام فول کرایا ہے؟ پھر لینے ببنولى مفرنت سيدين زيد دمن الترعنة بير يحيط ودان ل دارهي يي كرزين يزيحا أو ديا اوراك کے ان کی مین حفرت فاطم منت خطاب این تفومر کو بھانے کے یا معزت عمر کو کرانے مگی تو ن كو حزت عرف ابساهما بخدارا كم كان كم حوم توث كركريش راور بيره خون سے ديكن بوكيا بہن نے نب<mark>این جائ</mark> کے ما تھ صامت مہد دیا ک^ی ہے۔ سن ترتم سے ج*ن تو ملے کو*لا مكاب بم السلام سے مجی مركز براكز بنيں بھرسكتے معمرت عرفے بين كابو ابر امان بھرہ د كيما اولان كابيش ومذابت يس محرابه واحلي ساتوايب دم ان كادل زم يراكيا ، تحورى درجيب كفريد عمركماكم اليان وكرج رام سي تفيده في جي دكاور بين في قرآن شريب کے ورقوں کوسانے رکھ وہا تھرنت عمر نے مورہ عدید کی چند آئٹوں کو بھور پڑھا تو کا بینے سے اور وَان ك مقانيت ك انير صدل ب فاو بور مر مراكر الكار حب اس آيت بني ك يبى اشراوراى كرمول يإيان لاو تويير صزت عرصيط فرينك بالمحول ؟ مسّو<mark>حاری ہوگئے ب</mark>ن کی ہوٹی ہوٹی کا میے انگی اصنورنورسے ٹر صنے تکے اَشْہَدُ اَن کُل الله إلَّاللَّهُ وَاشْهُ وَأَنَّ مُحَمَّدًا عَبُدُهُ وَوَسُولُهُ ... يعر ايب وم المع اور فرت ايم ین ارفع کے مکان برما کردم ل اختر ملی انٹر علیہ کوسٹ کے دامن رحست مے جیٹ گئے اور مع جھنور صلی انٹرملیر کو اور سیسلان کو لینے ما تھا کرفانہ کھیے یں گئے اور لینے کسسلام کا اعمال ممديا بهس دن مصملان كرخوت دمراس مي كيويمون ملااوروم كعبه يس مطاينه فالواضي كامر فع لا. ورزلوگ بهنے محرول میں جھیے جنٹیے کرنما زوران پڑھا کرتے تھے۔

درمغانی ملی الموابهب می اص ۲۰۲)

یہ ہمارے دیول اکرم میں انڈیلے کوئم کی جی اور معفرت معبدانٹرین مجاسس رمی انٹرمنہا کی والدہ اور معنور کے بچا صفرت عباس رمی انٹرمنہا کی والدہ اور معنور کے بچا صفرت عباس رمی انٹرمنہا کی والدہ اور معنور کے بچا صفرت عباس سے بہلے مسالمان ہوگئ تھیں ۔ اور صفور سے مسالمان ہوگئ تھیں ۔ اور صفور سے ان کو دین ودنیا کی بڑی بٹری بٹنارنی دی نفیس ریہ بجرت کے بیے پنزار فیس می بڑی ہوئے کا سامان تر ہوئے کی وہر ہوئے سے لاچا تھیں بینا بجران کے ایر عمی برآیت نازل ہم کی کم بجرت کا سامان تر ہوئے کی وہر سے ابجرت نہیں کرسکتی ہیں۔ توان پر کوئی گئے ہیں۔ در بخاری بی اص ۱۹ ابب اذا اسلم العمی)

٢٠ م معرت ُدُيعٌ مِنت مُعُوْدُ رضى الدُّعنها

یا انساریم ایرین ادر میک بردی ای بهل دفتل کرندوالے معابی مفرات موزی مفرا کی بین بیس را انهول سے بین اور میک بردی ای بهل دفتل کرندوالے معابی کر بین سے کہ میں معارف ان کے مکان پر تیست کی متی معفوصل احد ملید و کی برخی ان کر مکان پر شرایت کی متی معفوصل احد ملید و کا میں دوابرت میں ہے کہ انہوں نے صفور ملید العملاق والسل کی خدمت میں مجور کا ایک موشونی پر کیا ہے اور ایک دوابرت میں ہے کہ انہوں نے صفور ملید العملاق والسل کی خدمت میں مجور کا ایک موشونی پر کرا گاری ان کو مطاح زایا اور ارش در ایا کرتا در ایا کرتا ہے اور ایک موشونی کر ایا ہے اور اور ایک موشونی کر ایا ہے اور اور ایک موشونی کر ایک موشونی کر ایک میں دو موشونی کر ایک موشونی کر ایا ہے اور ایک موشونی کر ایک موشونی کر ایک موشونی کر ایک موشونی کر ایک موشونی کو ایک موشونی کر ایک کر ایک موشونی کر ایک کر

ملام یسی ابرجل کوتش کردیا . برجابس کرمطریزیخے دالی مورست جنوا گی ۔ اورکہا کہ نجد پرترام سے کہیں نہارے اتحاب المعطر بچول نوصفرت دیں نے بھی بچسش میں آگریہ کہر دبا کہ نجو برترام ہے کہ بمن تیرا معام خربوں تیرے معطرسے فرم نورادیں نے کسی کا معام ہی ہمیں بایا ۔ حمزت دیں کمی بیں کائ کامعام مربودار نہیں تھا۔ نگر بمی نے اس کوملانے کے بلے اس کے معام کو مربودار کر دیا تھا۔ کیو کے و دا او جہل کی مدان تھی۔ وہسنیعا ہیں ۲ می ۱۸۵۰

معزت دئینے بنت مو ذرمی النے عنهای واکت ایمانی دیمیو کم الایمهل کوسر وارکہنے وال میموس کی مردن کواس کے مدر کرکہنے وال مورت کواس کے مدر کرکسیا د نوان کی مواب دیا کواس کا مذبند ہو گیا اوروہ لا والی مورث کا اور وہ لا اور جہل مرکز ہر گزمسے مان کا مردار بنیں ہوسکنا ۔ بھہ وہ وہ ہرسمان کا خلام بلکہ خلام سے بھی بڑا دول درسے دیراود کمرسے ۔
وہ ہرسمان کا خلام بلکہ خلام سے بھی بڑا دول درسے دیراود کمرسے ۔
مسلمان کا خلام بلکہ خلام سے بھی بڑا دول درسے دیراود کمرسے ۔

مان بر مل کرکے تواب دارین کی دولت سے الا مال ہوم اور ر

الاست معفرت أمِّ سُلِيْطُر مني اللَّه عنها

یہ میڈمنرہ کی ایکسانعار پر تورت ہیں طری بہا داود کسلام پر میان بینے والی صحابیہ
ہیں معزت عمر منی احدّ عدائی فلانت کے زلنے ہیں حدیثہ کا توزوں کے در بیان جا دری تقیم کر
سے تھے کہ ایک بہت، می عمدہ جا دری گئی۔ نوائیٹے لاگول سے مغورہ کیا کم یہ جا دری کمس کو
دوں ؟ تو داگوں نے کہ کہ بہ جا درائی جعزت ماہ کی صحابحزادی بی بی اُم کمٹوم کو مسے ہے ہے۔
جواب کی بردی ہیں ۔ نوائیس نے فرایا کہ جس جر گز جر کر جس میں یہ جا درائم کا تھوم کو نہیں دوں کھا
بعد میری نظر جس اس جا درکی حقدار ہی بائم سیلی ہی مارائے سے میں نے اپنی آگھوں سے دیجھا ہے
بعد میری نظر جس اس جا درگی حقدار ہی بائم سیلیل ہیں خدا کا تسمیل ان می میں اور میا کہ میک بھر کر
کہ میک اُس کا درمی اور نوائم الورنین بی بی مارشد و دونوں لینے کند حوں پر مشاہ عبر بھر کر
لاتی تھیں ۔ اور مجا ہدین اور زمین و بی مارشد و دونوں لینے کند حوں پر مشاہ مور نول

یں سے ہیں جورمول انٹر طیر کوستم سے بیعنت کم میکی ہیں ۔ معفرت امیرالمونین عریض انٹر سے بیعنت کم میکی ہیں ۔ معفرت امیرالمونین عریض انٹر سے بیا درجھ میں ۔ نے بہ قربا کر وہ جا درجھ میں ایم سیلیط رحق انٹر معلانے میں میں ہیں جا ہے میں انترام القرب)
دینی دی جی میں ہی جا ہے میں انترام القرب)

۲۷ ر مصرت تولاه بزت توریش رمنی الڈیمنہا

یہ فا تدان قرایش کی ایک یا دقار عورت ہیں خسوت صحابیت یا یا گور بجرت کی تقییدت ہی ان کو ملی۔ بہبہت ہی عبادت گذار صحابیہ ہیں جنا کی ایک مدیریت ہیں سبے کم ہر مات بحرماک کر عبادت کرتی تھیں۔ ان کا یہ مال من کر صفورافق کی مسلی انٹر ملیہ و تیم نے فرایا کم من کورا دسٹر تعالی نہیں ان کے گا بھر تہیں لوگ ان با و کے اس بے نے کہ لاگ اسنے ہی اعمال کرویت تنفی اعمال کی تم طاف ند سرکھتے ہمرا بنی طاف تن سے زیادہ کو کی کھل مست کیا کہ د

صفرت عائشہ رمی اوئر عنہا کا بیان ہے کہ ایک م تیہ حزت ہولا د بنت توریت نے حفور کے گریں وافل ہونے ہونے کا جارت طلب کی ، تو صفور نے ان کودکان کے اخرا کہ نے کہ ام ارت طلب کی ، تو صفور نے ان کودکان کے اخرا کہ نے کہ ام ازت مطاب ہوئی ہوئے ہوئے کہ ام ازت معلی ہوئے ہوئے کہ اور ان کی مزان ہری قرائی رصورت عائشہ فرائی بی کہ یہ د مجد کریں نے عرص کیا کہ یارون کٹر ایس فررزا وہ توج فرائے ہیں کسس کی کیا ، جرسے ، تواب نے ارشاد فرا با مرحزت فدیج کریا نے ہیں کسس کی کیا ، جرسے ، تواب نے ارشاد فرا با مرحزت فدیج کے دائے میں میں کا میں اور برائے طاقا تیوں کے ساتھ کے دائے میں میں کا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ اجھا میں کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ اجھا میں کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ اجھا میں کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ اجھا میں کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایک کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایک کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایک کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایک کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایمان کر کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایمان کر کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایمان کر کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایمان کر کرنا یہ ایمان کر کرنا یہ ایمان کی خواب کے ساتھ دو ایمان کر کرنا یہ ایمان کی خواب کرنا کے ساتھ کرنا کے س

اے اسلای بہز اصورت ولار بنت دید کامبادت اورائی مرحمہ بیری کی متحدہ میری کی متحدہ میرا پنائنل میرا پرائنل میرا پنائنل میرا پنائنل

۳۳ ۔ مفرن اُسماء بزت مُميس مِنى التَّادِمِنها

یہ بی سمایہ اور در السّر صل السّر علیہ وسلم پر مان چوکے والی عورت بی کم یمی ہیں۔
کا فرد لہ نے سہ دان کو بے حدمتا نا غرص کیا تو دم لیا السّر مسلم السّر میر دسلم نے حبیتری کا مکم دیا بیا پی وجہ اوگر ں نے مبینر کی طرف بچرت کی تواسمار برنت نمیس می السّر منہ لے بھی البی خرب اور دب دسول السّر ملب وسلم نے ابنے منز مرح بعرف بن ابی طالب کے سافہ حیث کا مغر کیا اور دب دسول السّر ملب وسلم نے مدینہ منوّرہ کی طرف بچرت زمان کو مبینہ کے مباحرین مبینہ سسے مدینہ منوّرہ بیطے آئے حبیب ب اللہ مدینہ منوّرہ کی طرف بچرت والی کی توصیف بی السم بیرین توصیف ہوئی توصیف ہوئی توصیف ہوئی توصیف ہوئی من وحدور ہوئی توصیف ہوئی توصیف ہوئی توصیف ہوئی توصیف ہوئی توصیف ہوئی من ماروں والی کے لفت سے سے مرزاز فرایا اور ایرم عظیم کی بنتا دہ دی۔
البیم نین دو دو ہجو توں والی کے لفت سے سے مرزاز فرایا اور ایرم عظیم کی بنتا دہ دی۔
در منیعا ہوئی من م ۲۰ م اداکھال تی اسام الرجال می ۲۰ م ۲۰ م کاری

بهار مصرت أم رومان رصی السّاعنها

٢٥ م حضرت بالرمنيت تو يلدر مني التارمني

بہ ہما دسے صفر دنی صلی انٹر علیہ ہوئے کی سالی اور صفر ست خدیجر می انٹر عنہا کی ہم نہیں ہے معفر ست میں انٹر عنہا کی مہت توائے معفر ست معفود علیہ العسلوٰۃ والسلام ان سے قبی مجست توائے سے ایک ایک میں انٹری مہا کی وجہ سے معفود سے ہوکر ممکان عمی آ نے کی ا جا انسان طلب کی ان کی آواز سے کھڑسے ہوکر ممکان عمی آ نے کی ا جا انسان کی ان کی آواز سے کمی جا ہم سے معفود ہے ان کی گواز کی آواز سے کی جا ہم سے انتخاب میں میں میں ہوکر خمایا میں توجعز ست خدیجہ کی با دائے گئے ۔ اور آپ نے جلدی سے انتخاب میں دروازہ کھولاا ور توکسنس ہو کر خمایا میں توجع ہا دائے گئی ۔ اور آپ نے جلدی سے انتخاب میں انتخاب کے اور آپ کے جلدی سے انتخاب میں انتخاب کے انتخاب کی توجه کی اور آپ کے حالت کی دروازہ کھولاا ور توکسنس ہو کر خمایا میں انتخاب کی انتخاب کی دروازہ کھولا اور توکسنس ہو کر خمایا دروازہ کھولا اور توکسنس ہو کر خمایا دروازہ کی دروازہ کو انتخاب کی دروازہ کو انتخاب کی دروازہ کو انتخاب کی دروازہ کو کہ انتخاب کی دروازہ کو کہ کا دروازہ کی دروازہ کو کر انتخاب کی دروازہ کی دروازہ کو کھولا در توکسنس ہو کہ کہ کہ انتخاب کی دروازہ کو کی دروازہ کو کہ کہ دروازہ کو کہ کہ کہ کہ کہ کہ کہ کا دروازہ کی دروازہ کو کہ کی دروازہ کو کہ کہ کہ کہ کہ کر دروازہ کو کہ کے دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کو کہ کر دروازہ کو کہ کے دروازہ کو کہ کہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کو کہ کر دروازہ کو کہ کر دروازہ کو کی دروازہ کر دروازہ کر دروازہ کی دروازہ کر دروازہ کو کر دروازہ کو کر دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کر دروازہ کر دروازہ کر دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کر دروازہ کر دروازہ کی دروازہ کو دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کر دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کر دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کر دروازہ کی دروازہ

۲۷ مه معفرت أم مُعلیت رمنی النّدمنها

یہ بہنت ہی بہاں نتاد مما ہیہ ہیں اور رسمل انٹرصل انڈ ملیری کم سے مانڈ می الڑا ٹولٹی گئیں بری ہم پرین کر پان پلایا کرتی تعیش را در زخبول کا علاج اوران کی نبما روازی کیا کرتی تعیش اوران کورسول انڈمسلی انٹرملیرو کم سے آنی مانتھا نہ محبت تنی کی صب بھی یرمعنورکا نام کئی نخبش ۔ تو ہرم نبر پرم درکہا کرتی تمیش کرد میرے باب آپ رِتراِن " (بخاری دکہنزماب ن ۲۰،۱۹۲) مسلان بیبیو : تم ان انٹرورمول والی مورتوں کا ان محکا نبوں سے بین کیمو اور تبعی فی اندوں کے اندوں سے بین کیمو اور تبعی میں اندوں کے اندوں کا اندوں کا اندوں کا اندوں کا اندوں کا اندوں کا اندان کا نشان کی ایمان کی دیرکامت نیسب فوائے ماکین) مان سے مغرف اکروم کی الدیم دمنی الدیم کا میں ہے۔ معرف اکسماع بزیت الویکر دمنی الدیم نہا

يرا مرالمونين معز<mark>ست الوكرم</mark> د اي رخى التوعد كم **صابعزادى معزست** أمّ الم<mark>ومين ما تشش</mark>د رخی الله عنهای بن اورمنتی صحابی صفرت زبیرین العوام رمنی اطرعتری بیوی بیری بیری است عبداللہ بن زیران ہی مے مشلم سے پیا ہوئے۔ ہجرات کے بعدمہا برین کے میال کھ دنوں يم ادلاد بني بون قو موديول كويرى وقى بو فى بلكر بعن بهردلول في ير يمي كماكم الم الرائل نے ابیا جا دور دیاہے کر کی مہاہر کے فحریں بچر پیا ہی نہ ہوگا۔ای ففا ریس سے بیلے یو بچر ماہرین کے بیاں بیدا ہوا وہ بی مداللہ بن وہر من الله منها تھے۔بیدا ہونے ہی معرت له ب اماء نے اس لینے زند کر ارکا ورسالیت میں بھیجا بھورا قدم صل الاعلیم الم نے اپنی مقدی گورش ہے کر مجمور موگال اورخور میا کر مجور کو اس نیے کے منہ میں ڈال دیا اور معدان والمرقاراه وفروركت كى دما فراك رياس فيه ك نوش فيسى بدرسب سيهل نلاموان كمشكم مي كي وه صغوطي العلوة والسلام كالعلب دين تخا. بينا بخر معزس اسماء رخی انڈمہنا کو<u>لیٹے نب</u>ے کے ای تنہت پر دلوا ناز نغاران کے نٹو ہر معزمت زبیر دشنہ می^{صفو}د کے بھویھی ڈاد ہیں۔ مہا جس میں میں ہیت ہی ہزیرے شھے۔ معزت بی اہما رجب ان کے کھریں أيِّن وَكُويِن مَ كُولُ لُونْدَى تَفَى مَرُولُ فَلام مِ كُرُكُ مِلام يَكُرُكُ مِلاكُم وصَدَايِم كِيا كُونَى تُعْتِس. يبال كمك كالمحورك كالمحاكس دارا ودس كالنش كي فدمت مي بني الجام ديا كرني تنيس بكراونث کی مؤراک سے سنے مجوروں کی تفلیاں میں یا عن سے ین کراورسر پر کھٹری لاد کر لا باکرتی متنب . ان کی پیمشفتت د کمچه کرمعفزت او بمرصد بی رخی انٹرمنر نے ان کواکیس غلام عطا فسسے ا دیا تو

ن نے کاوں کا برجد بھا ہوگیا۔ آپ فرایا کرتی عیس کرایک ملام سے فرگر یا مرسے والدتے کھے آر دروہ

وبخارى والحل ١٩٨١)

یر متی ہونے کے ما تقربا تقربی بہادراوردل گردہ دال مورت نیس. بجرت کے دنت معنوت ابوبر مدیق رمن اللہ عند کے دنت معنوت ابوبر مدیق رمنی اللہ عنہ کے دکان میں حب معنوت الانوطین دی آب کا فرٹر سفرا بحب میں رکھا گیا۔ اوراس مجھلے کا منہ باندھنے کے سیاے کچھدہ طلا تو حضرت بابل مما رنے فرا اپنی مرک میں کے جھاڑ کر اس سے تونتہ دان کا مشہ با ندھ دیا ہی دن سے ان کو ذائیں انسان آئی کہ در میں کہ کے دالل کا معزز لعتب الدر معزت ابر برصدیتی دھی انٹر عنہ نے تو صفر علمیالعملوق دالل مے ما تھ بجرت کے میا تھ بجرت کی کیکن حضرت اسمار نے اس کے بعد اپنے گھردالوں سے ما تھ بجرت کی در بخاری ن من ۵۵۵ دغیرہ

سناندہ میں واقع کر بلاکے بب بعد بزید بلیدی فرجوں نے کم عور پر حکمیا اور معرب معرب معرب معربی اور بدی ان کا مقالی کا مقا

م اے بجان ! و نے میرے بیٹے ک دنیا خاب کی اوراس نے تیرے دین کوبر: باوکر دبا الم واقتر کے بعد بھی جیند دنوں معزن اسمارزندہ رہیں ر کم محرمہ کے بُرِشان میں ال مطے دونوں ک تقری ترس ایک دوس سے رار بن ہوئی ہیں ۔ جن کو تحدول نے توری و والاسے ۔ گرامی تضان با تی ہے اور 190 کر بس ان دونول مزاروں کی زیارت بیں نے کی سے رضی انٹر عنما۔

واستبعاب ع م ص ۱ ۱۵۸ وغیره)

اسلام بهنم ! حرت بي إسماء رمن المدعنها ك غريبي البينے شرم كى خديمن اور تول المصل المصلى المرميدوسم سان كافيت ميمان كابها درى ادر والت واستعمال ك ەن وانتاس<mark>ت ك</mark>ىاربارىر ھواوران كے تقش قدم پر چلينے كى كوششش كروا وربيە بھى سن لوك <mark>سِلم نۇ</mark> توصرت اسماء كے متو مربب نے مربب تھے گر ابرت ہی بڑے مجاہد تھے بہت زارہ مال غیتمت عی مقسرایا رہاں بھے کہ بہ نت مالدار ہو مجتے ۔ اور محیران کے مالوں بس اس تسدر بغروبكت مولًا كرفتايدى كمي محالي كه ال من انتي خيروبكت حاصل مولى بوكى.

(بخاری چ اص ۲۲۹)

یہ ان کی نیکب نین ا مراسلام کی خدمتوں اور عیاد نوں کی برکتوں کے بیٹھے پیٹے علی تھے یوان کودنیا کی زنرگ میں مے اور اکز من می اطر نمالات الناروای<mark>ں سے یع ب</mark>ے بو تعمتوں کے خ لنے تیار والمئے ہیں ان کو تو زممی آ کھ تے دیکھا ہے۔ زمی کان نے سنا ہے ذکمی كے خیال پی آ مکناہے

الندى بنداد اسمت كرواور كاستش كرواود نك بنداول كطريقول يربطخ کا پخت الاده کر لو انستاء انٹرتنالی انٹر جَل شارہ کی اماد ونھرت تہارا بازو نقام ہے گی اور انشاءالله تقال دینا و کوست می تنباط بار مو بار مو بعائے گا کیس سفر طیر ہے انداص کے سائقه يرع م كواكر بم ان العَدوالي مقدس يبيول ك تعشّ فدم يراني زند في ي آخرى سائس يم. چلتی رہیں گی اور سلام کے مثنا تدواعمال پر بوری طسسرت کا رہندرہ کر دوسری عور توں کی اصسال مال

ك يديم انى طائت بمركشش كم أدي لكر

راء مصرت الماءبنت بزيدر في الدعنها

يرتفزن مماذين جل رمى الشرحز كى مجريمي زاويهن مي راوران كى كينت ام سلمهب تبييلانصار *سيغلق بكھنے وا*ل صحابير بي <mark>بر بهت عقلنداور پُرنس</mark> گرش وال مورت نقيل - ايک مرتبرهنورهل<mark>یالعسلو</mark>ّة وانسلام کی خدمت میں حاحز ہوئتی اور کھنے گئی کر <mark>پار</mark>مول انٹر! میں مبہت ی عور وں کی نا نکو بن کر آئ ہول موال یہ ہے کا خراقال نے اکب کوم دول اور مور تول دونوں کی طرف رسول بناکر بھیجا ہے۔ بعنا پنر ہم مورثیں آپ پرا بیان لائی بی ا<mark>ورآپ کی</mark>روی كاحبدكيا ب-اب صورت مال يربي كريم موريس برده تستين بناكر كمرول يس بها دى كى ہیں۔ اور ہم لینے شوہروں کی خوا ہشاست بوری کرتی ہیں - اوران کے بیکول کو گردیں کے میمرتی بین . اوران کے محرول کی دموالی کرتی ہیں۔ اوران کے الول اورسیا مانول کی مفاظلت كرتى بي راورم د لوگ منازوں اور بها دول ميں شركت كركے ، بر عظم ماسل كرنے بيں . توسوال برسے کران مردوں کے توالوں میں سے کچے ہم مورتوں کو جی حقد سے گایا بیس یاسس محصور نے معابر کام سے فر مایا کہ دیمواکس مورت نے لیے دین کے بارے بی کتا الجیاموال کی ہے۔ پیرائی نے فرایا کم لے اسار ؛ تم سن لو اور جا کر حورفوں سے ہمدد و کم مورثی الرينے تو مروں كى مذرست كذارى كر كے ان كونوش ركيس اور بيستر يانے ستو بروں كى نوشورى طلب کرتی رہیں اوران کی فر انبرداری کرتی رہی۔ توم دول کے اعمال کے برابر ہی مور نول کو بھی تواب سے کا رہر من کر صخرت اسما د بنت پزید ارسے خرش کے نوہ عمیر نگائی ہو گی اہر نكين. (كسيْتعاب ج ممى درد)

اسمار بنیت پر درگو آب اس ماصل کرنے کا کشاخوی اور عذبہ نفاریہ نمام مسلان میسے کے مورتوں سکے پیسے ایسے تا ال نغید انور سے ۔ کاکش اس زمانے کی عورتوں ہیں ہی یہ شوق اورمذر ہوتا ہے تھنیٹا بہ عورثیں ہی ٹیکس بیبیوں کی فہرست ہیں شا ل ہو ماتیں اور ڈاپ سے مالا مال ہومیاتیں ،

٢٩ م عضرت أم خالدرضي الندعنها

میسی المشیحان المدّه ؛ بی عربوا و دعیر ماری عربیمول کے کمانے یں گذر جلسے کسس میمسود اسے بنیں کر مفرست اُرتاللہ میں احد منہا بڑی نیک بخت اور فوش تفیسب بخیس کر معنوص کی انڈ عیروسم سنے اسیف دریت مبارک سے ان کوچا واوڑھا کی اور اپنی مبارک دماوس سے ان کوم مشرسراز فرا دیا جس کا براز مواکر عربی جرتی اور زنرگی کا کیسے ایمی الحرینکیوں اور عبا دوّں کی بچا وَں میں گذرار

د میں بہنو! تم بھی کوسٹش کروکر جتنی بھی عمرگذیسے دونیکیوں میں گذیسے یہ نیفیٹا تجارتِ اُسٹوت ہے کر ہس میں نعنع کے سواکھی کو اُن گھا ٹا نہیں ہوسکیا۔

٧٠ مصرت أم ما في نيت الوطالب رضي الشرعنها

حفزت اُمِ بِانْ دَمْنَ اللّٰرَمْنَهَا کی ہِ دُوخُصُوصِیات ہِمِہِت زیادہ با حمیث تُرون ہِی ایک یہ دُوخُصُوصِیات ہِمِہِت زیادہ با حمیث تُرون ہِی ایک یہ نوخ کم کے دِن مِفرت اُمِ بِانی رِمْنَ اللّٰرُعْنَهَا نے ایک کا فرکومی انڈر میں کے بعد مِن مِن کا در مِن مِن کا فرکومی کرنا جا ہا۔ حب اُمِ بان رخصور سے مُحَن کیا ، تُو اَسِی مُن کُرِن کی میں المان ہے دی۔ دومری یہ کم فتح آئیں سے فرایا کرحس کوئم نے امان دے دی اس کوئم نے بھی المان ہے دی۔ دومری یہ کم فتح کمی ہے میں المان ہے دی۔ دومری یہ کم فتح کمی ہے میں المان ہے دی ہور کمی ہے کہ دان میں میں اللہ میں میں انڈر میا ہور کے میں اور فرایا، بھر آتھ کر کھنت نماز جا شریا ہے اور فرای ہے۔ نماز جا شریا ہے اور فرای ہے۔ نماز جا شریا شریا شریا ہے۔ نماز جا شریا ہے۔ نماز کر نماز

(ترفری ن ای ۱۱ د مخاری ن ۱ می ۱۲۹)

ام محفرت أُمِّ كلوثم بنت عقيدر في الطرعنها

یہ کم کرمہ فن مسلمان ہویش اور پوکم مفلی کی وجرسے مواری کا تظام نہ ہور کا اکس لئے

بیدل چل کابنول نے بجرت کی اور مدینہ منورہ بہتے کہ صغوص کا انٹر میلروٹ کم سے بعیت ہونگ مربنہ یں ان سے معترت دیدین مارڈ رخی انٹر عذنے ان سے نکان فر البار مجر حبب وہ بنگ "مونہ" میں شہید ہوس کے توان سے جنتی صحابی معترت ذبیر رخی انٹر عذنے نکان فرابا ۔ ہجر طلاق نے دی ۔ نود و مرب مینتی محابی صفرت معبلام کی بن موحث دمی انٹر عذنے ان سے نکان فرای اوران کے مشکم سے ا برائیم و میریو و و فرز فرپ ایوستے ۔ ہجر حبب صفرت محبلام کی بن موحث رضی انٹر عذی وفات ہوگئ توفا کے معرصفرت عمودین العاص دخی انٹر عذنے ان سے منکان کیا اور حبید جمیفے ذباہ در کو وفالت پائیش ۔ یہ صفرت نظمان منی رخی انڈرعذی ال کی طون سے بہن ہیں ۔ (اکال می ۱۵ وہ سیتھا ب میں میں میں ۱۵)

مقرہ این بہو؛ تورکروکر انہوں نے اسلام کی عبت بیں اپنے گھر ادروان کو مجواڑ کر بدل مقصرہ ابجرت کی اور عربنہ ما کر صفراند کسس کی انٹر عیبرت کے سے بیعت ہوئی ۔ پھر یہ بھی عورکرو انہرں نے کیے بعدد میکھے حیار خوہروں سے نکان کیا ۔اکس بی ان عور توں کے سیے بہت بڑا سبق ہے جود دمرا نکان کرنے کو عمیب مجتی ہی اور دیدی عمر الموخوم کے گذار دیتی ہیں ۔

٧٢ و محضرت بشفاء بزن معداللدر من الدعن ا

یہ بجرت سے پہلے ہی مان ہوگئ مقیق رہرت ہی مقل مندا ورنفنل وکال وال ہوات تھیں۔ بہت ہی مقل مندا ورنفنل وکال وال ہوت تھیں۔ بہت ہی مقل مندا ورنفنل وکال وال ہوت تھیں۔ بہت بحضور ولیہ السلوہ ولسلام کے ہے ایمی بھی محضور ولیہ السلوہ ولسلام کے ہے ایمی بھن میں بنار کھا تھا ہم محب آپ دو بہر اس بھی بھی ان کے مکان بھیلولہ فر لمت تستھے تعدہ اس بستہ کو معمور کے ہے دی منین ۔ دو ہم اکوئ منتف بھی نہاس بہتر پرمور مکت مختار بھی محت مقار داکھال ٹی اسمار ار حال میں ۔ دو ہم تستی بھی میں معمد میں ا

سمان انٹر الن کے قلب بی کسن قدر حمنوا سال انٹر ملیہ ولم کی عظمت اور کتا ہوت میمے موقعی اس پر جمیعے نہیں دیا۔ پر بشر صفرت شفا درخی انٹر عنہا کے لعدان کے صاحبزادہ می خف کو بھی اس پر جمیعے نہیں دیا۔ پر بشر صفرت شفا درخی انٹر عنہا کے لعدان کے صاحبزادہ حفرت کیان بن اب حثمہ کے پاس کیے یا دگاری تبرک ہونے کی چیزیت سے معفوظ رہا مراہ مائم مینہ موان بن مکم اموی نے اس تقدی بھونے کوان سے جین لیا استقرن پر نبرک لاہتہ ہو مرضا کے برگیا۔

صفورا کوم کی انظرملیرو لم نے صفرت شفا در می انظرمنها کو جا گیری کیمی کیمی معل خرایا بخاصی چی یہ گئیری کیمی معل خرایا بخاصی چی یہ لیے بیٹے سیان کے ساتھ رہا کرتی تیش رصفرت ایمی الومین عمر می انظر عندان کی بہت قدر کرستے شعے می بہرہت سے معا طائٹ جی ان سے شورہ طلاب کیا کرتے سنے ان کو بچوک ڈیک کا زمرا آثار نے والا ایک عمل عی یاد نظار اور صفور میلی انظر ماری جیوک ڈیک کا زمرا آثار نے والا ایک عمل عی یاد نظار اور صفور میلی انداز من یہ بھی اور العزم نے اور صفور میں ان سے دالعزم نے میں مقرب بھی ۔ اور صفور میں العمل اور السلام کے مشتق و عمرت کی دولت سے مالا ال انتہاں بن می مقرب بھی ۔ اور صفور میں العمل اور السلام کے مشتق و عمرت کی دولت سے مالا ال انتہاں بہتما ہوں کے مشتق و عمرت کی دولت سے مالا ال انتہاں۔

۲۲ مطرت ام درداء رمی الدیمنها

یمشنه درصحالی صفرت ابودر دارمی اخترعندگی بیوی دیمی بهت مجعدار نهایمت هی عفلند صحابی بین علی نفیدت محملاده معبادت بی بجی بے شال میتیں رہے شوہر معفرت ابودر دار می انظر معن سے دومال بیہلے مکس شام بی صفرت مثمان رمی ادیڑھنہ کی خلافت کے دوران ان کی وفات ہوئی۔

داكمال في اسمار العلاص وه واستيعاب ع م م ٢٠ ١٩)

۲۲ م مصرت و كيت بنت تصروني التاويها

یمشنبود می بهادرادر بلند موصله صحا بیریس ان کے فرزند مارثر بن مرافہ دمنی احترابی بہت باکال ہوستے۔ان بهادرادر خاندان میں فابل نوعورت متیس یوب ان کے بیٹے حارثہ منمید ہوگئے توا نہوں نے کہا کم یادسول احد اگر میرا بیٹیا میزیت میں ہے تو پی مبر کروں گی در ذا تناغ کھا وس گی کراہیں جی درکھیں گے۔ نوا ہیسے نوایا میرا بیٹا میزیت الفردس میں ہے۔ داستیعاب جامی میں مہمرا)

٢٥ مر محضرت أم تمريب رحني الله عنيا

٢٧ - محرن أمّ سائب من الشرمنها

یہ ایک برصیاا درنا بنیا محابہ بیں ، سی مقالی راہ بی اینا وطن چرو کرادر ہجرت کرکے مدیر کا در ہجرت کرکے مدینہ مؤرب سبے کہ ان کا مدینہ مؤرب سبے اور دہ میر سبے کہ ان کا ایک بھی ایک انتقال کر گیا۔ لوگوں نے کسس کی لاش کو کھڑا اور معادیا اور ایک بھی بہت کو خردی کہ آب کا بجرانقال کر گیا یہ من کو انہوں نے آبر بیرہ ہو کر دونوں باقد انتقال کر گیا یہ من کو انہوں نے آبر بیرہ ہو کر دونوں باقد انتقال کر گیا یہ من کو انہوں نے آبر بیرہ ہو کر دونوں باقد انتقال کر گیا یہ من کو انہوں نے آبر بیرہ ہو کر دونوں باقد انتقال کر گیا میں کو انہوں نے آبر بیرہ ہو کر دونوں باقد انتقال کر گیا ہے۔

"یادشد؛ پس تھ پرا بیان لان اورش نے اپنا وطن مجود کر برسے دمول کی طرف بحرت کی ہوں کہ تو میر کے اسادہ اور ایک است طرف بحرت کی سبے کس لیے لے میرے اوٹر؛ میں تجرسے دماکر آن ہوں کہ تو میر نیکے کی موت کی میسبت تھے پر دال ہ

صغرت اس بن کمک صحابی رخی اندونه کابیان *بے دحوزت* ام سائب رخی اندونها کی دعاختم جموت بی ایک دم ان کا بیچر بیشند چرے سے کیٹرا عظا کراٹھ بیٹھا اور زندہ جو گیا۔ رالدیوار وانہا ہے ہی ہم ۱۰ ۲۰۹)

میم میرو المحالی میز؛ فزرکد کم صفوراندی می انظرطبرونم سے فیمت کرنے والیوں ادرجادت میم میرو پاک سے بی مسبت می ادر قیم فتم کی لیکوں ادرجاد تول جی اپنی زندگی گذارد و مقداد نر تقدمی باک سے بی مسبت می وادر قیم فتم کی لیکوں ادرجاد تول جی اپنی زندگی گذارد و مقداد نر تقدمی برا مرجم دریم سے برسستا ہے کہ وہ اپنا نعنل دکرم فرا مسے اور تم کو بی مه مادیب کا مت بنا ہے ۔

٢٧ ـ محفرت كبشانفاريه رفني الأرمنها

به تبیدانصاری بهنت بی مال نژادمی ابری، ۱ کیس مرتبه دمول اندُصل اندُ ولیر کسّلم

نے ان ک شک سے مزسے اپنا مذلگاکر وائی نوکشس فرایا تومعزت کبیتر دمی احتر منهائے اس شق کا مذکاٹ کرتبر کا لینے یاس رکھ لیا ۔

٨٨- مضرت فنهاء رمني الله عنها

یرنادها بھیت میں بہت بڑی مرتبرگر شامی کینی یہاں ہم ہو کا وہ کے میلیم ان کے فیٹے پر ہو کا آن بروٹر گٹا تھا اس پر ادفی اعدید ، دعیب کی سب سے بڑی مرتبر گوشام وہ کھا ہوتا تھا میں بھی ہوتی اور حضرت امرانومین عمارون ری احدید کے دریار مظامت میں بھی موجود ہے ۔ اور علما رادی کا اتفاق میں موجود ہے ۔ اور علما رادی کا اتفاق سے کہ مرتبید کے فن میں اس کی شام کی کا دیوان آئ تھی موجود ہے ۔ اور علما رادی کا اتفاق سے کہ مرتبید کے فن میں اس کی شام کی میں اور اس کے بھی میں بھی میں میں میں اور ہو ان میرکوں کے مائے تھی میں موجود کر اس کے تعالی سے میں اور ہا دروں سے ہمیں ارس نیمال سے توانوں میرکوں کے مائے تھی ارسی میں اور ہا دروں سے ہمیں ارسی میں کے توانوں میرکوں کے ساتھ تیساں سے توانوں میرکوں کے ساتھ میں میں میں کے اپنے بھی کو کردے کے ایک میں میں کے بھی کے توانوں کے ساتھ میں کے بھی کے توانوں کے لیے بھی کردوں کے بھی کا رسی کے دونوں کی کھی کے دونوں کے کہا کہ کی کردوں کے بھی کا کہ کو کردوں کے بھی کہ کردوں کے بھی کردوں کردوں کردوں کے بھی کردوں کردوں کے بھی کردوں کردوں کے بھی کردوں کرد

در میرے بیارے بیٹو اِنم لینے مک کودد مجر منتصفہ تم پر کوئی قطا پڑا تھا با وجوداس کے تم اپنی بوڑھی مال کویماں لاستے اور فاری ہے آگے ڈال دیا ۔ خلاک تسم جی طرح تم ایک اس کی اولاد ہو، اس طرح ایک باب کے بھی ہو۔ یہ نے کمی تنہارے باب سے بردیا نتی نہیں کی ۔ نہ تمہارے مامول کورسواکیا لوجا وُ آ بخریک لڑو۔ "

بیٹوں نے اس کی نفز پرسنگر ہوش جی بھرے ہوئے ایک ما عقر تمنول پر حارکردیا حبب نگا مسے او تھیل ہو مھے تو صفرت خشار رمنی احترعنہ لے آمان کی المریث ہاتھ اٹھا کر کہا کہ اہلی ! نومیرے بہوں کا حافظ و ناحرسہے نوان کی مدد فرا

چاروں بھا بتوں نے انہمائی و لیری اورجاں بازی کے ساتھ بنگ کی بہاں کمک کر چاروں اس دوائی پر شہبد دموسکتے ۔ ایم المومینن مھزت عرفا روق رمی انڈھ داسس واقع سسے پیچدمٹنا ٹر ہوسئے اوران چاروں بیٹوں کی تخوا ہیں ان کی ماں مھزست خعن ارمنی امٹار عنہا کوعطا فہانے سکتے۔ کرسنیعاب ن ۲ می ۱۸۷۱)

م موسا المسلم المسلم المناكر المسلم المسلم

٢٥ - محرت أم ورقه بزيت عبدالله رضي الله ونها

یر منبیدانفاری ایک محابیہ ہی حمنوراکوم مسلی امترعلیر کے ان بر ہمت ہی ہم بان تھے اور کیمی کمی ان کے گر مجی تنزلویت نے جلنے شمعے اوران کی زندگی ہی ہی آکیب نے ان کوشمادت کی بشاریت دی اوران کوشم پیدم کے لقب سے سم فراز تسسر مایا بینگ بدر کے

٥- معفرت سيده عاكث رمني الأرمنها

یر معزن عفرت عفر مظم می الدین معبالمقا و حبید نی رحمز احدّ مبلرکی مجوبی ہیں۔ بڑی عابدہ زاجہ اصصا حب کوانت ولیہ تینس رائیس برتبرگریان پی باکل برش نہیں ہوئی اور لوگ تعاسے برینتان مال ہوکران کی مغرمت بی مامز ہوستے تو آئیپ نے پلنے صحن بیں مجاڑو سے کواکمان کی طرمت سرا تھا یا اور برکہا کہ د

یعی اے برورد کار! یس نے محاردوریریا سے تو محرم کاد کرے۔ مَیْت آنّا کشکشی دین در فرش امنت اس دعلے بعد فرداً ہی موسلا معار ایرش ہونے گی۔ اوراس فدربارش ہوتی کرلوگ نہال اور غرشخال ہو گئے ۔ ربیجۃ الاسلامہ ڈفلا تڑا ہواہی

انشائمر! خدار دیس اور نیک بندوں اور نیک بندوں کی ولایت اور کامت کا کیا کہنا؟

میمرہ

میمرہ

میر اس لئے ہرسان مردوموں پر لازم ہے کمان بزرگوں سے تقیدت وقیت رکھے اور ان کو ہید بناکر مذا سے ان ان بیارہ لازم ہے کمان بزرگوں سے تقیدت وقی بند سے اور ان کو ہید بناکر مذا سے مائن مردوموں کو آولیت ہنجا تا کہ ہے اوران کو کی بید بناکر مذا سے دمائی منگا کہ ہے۔ اولیا رحالے فیوب اور پیا رہے بندے ہیں کہیں سلنے ہوممان اولیا سے اور ان کو اینا پیاوا بندہ بنا اینا ہی اور ان کو اینا پیاوا بندہ بنا اینا ہی اور طرق ماری کی منقوں اور دولتوں سے اس بندے کو الا ال اور توکستن مال بنا دینا ہے کہیں اور طرق ماری کی منقوں اور دولتوں سے اس بندے کو الا ال اور قوست موٹا ہو جائے گئی ۔

اور طرق ماری کی منقوں اور دولتوں سے اس بندے کو الا ال اور قوستن مال بنا دینا ہے کہیں اور خوستن مال بنا دینا ہے کہیں افراد میں دولتا ہے کہیں کہی جارہ دل واقعات ہیں کر اگران کو کھا جائے تو کتا ہے ہیں ہوتا ہے گئی ۔

٥١ معرت معانه عدويه رمني الشرعنها

ہرسان کویہ دولت نفیسب فاسے۔ وآئین، داکال ص ۱۴ وغیرہ،

انٹری بندیو: آئیس کولوالدوکھوکر کیسی کیسی ٹیمپ بیبیاں ہس د نبائیں ہوگئیں

منصوف کیمان نوتوں
کوزندگ اوران کی خفتوں الدیوا عالیوں کو رکھ د کھے کر فردگماہے کہ کہی ان گئا جوں کی نوتوں
کوزندگ اوران کی خفتوں الدیوا عالیوں کو رکھ د کھے کر فردگماہے کہ کہی ان گئا جوں کی نوتوں
سے خلاکا عذاب نا از بڑسے، ایرسینا د کھود کھے کر جاگئے والیو، کیا خداکے خوت سے بھی تو بنی ہم کھی تو بنی ہم کہی عالی میں ہوراور ایران کا جو لوا در ہر نوجولوں کر نواور اپنی حالی اور دیے د بھولو

٥٢ مخرت لابعب بيرير رضي الطرعنها

یہ وہ بیک بی اور کامت والی ولیہ ہیں کہ تمام دنیا ہیں ان کی دھوم نی ہو لگ ہے۔ یہ دن دات حالے مؤدت سے مدیا کر آئی ہیں ۔ اگران کے ملے کو لگی ہم کا ذکر کردیتانو یہا سے مغرف خوت سے مدیا کرتی ہیں ۔ اگران کے ملے کو لگی ہم کا ذکر کردیتانو یہا سے مغرف سے بہر ہونیا کرتی تخییں ۔ خوان کا مغرف کے بہر ہونیا کرتی تخییں ۔ خوان کو ہم وایا کرتی تخی ۔ جھرانی ہا کھول دل اس فدر دونت کردیا تخاکہ خرامد اس میں کے وانفا مندی خران کو ہم وایا کرتی تخی ۔ جھرانی ہا کھول سے دیھ لیا کرتی تخی ۔ بڑے بڑے در گان دین ان کی دعا یہ بینے کے لیے ان کی فردست میں حامری رہے دیا کر سے تھے ان کی کو منبی اوران کے اقوال بہت زیادہ ہیں جوعام الدر ترمیش ہوریں ۔

٥٠ مفرست فاطمه نيشا يوريه رمني الديونها

بربری انشروالی بولی بی معرکے ایک بہت فرے بزرگ معزت ڈوالون معری علیا ادم: فرایا کرتے سنے کہ کسس امٹروالی نیک بی سے معے مہنت زیادہ نیفق ملاسے بحفرنت خواجہ با پزید بسطای رحمترا منرملیر کا بیان سے یہ کرنا طرکے برابر بزرگی بی مودرت کوئی بمری نظر سے ہیں گذری ۔ وہ یہ فرمایا کرتی تھیں کہ جوخل کی یادسے فا فل ہوجا تاہے۔ وہ فام کم نام ہوجا تاہے۔ وہ فام کمنا ہوں میں پڑجا تاہے کو بڑھتا کمنا ہوں میں پڑجا تاہے کو بڑھتا ہے کہ درخان کا موں اور گناہ کی باتوں کے کرنے اور ہوئے سے اور خال یا دی معرومت رہنا ہے وہ فعنول کا موں اور گناہ کی باتوں کے کرنے اور ہوئے سے محفوظ درنہا ہے۔ کم کمرمہ میں عمرہ کے داست نہیں کرائے ہے میں ان کی دفات ہوگ۔

م ۵ ر مخرت آمنه دملیه رمی الشرعنها

ه ۵ ۔ محرت میمون سوداء دمی الشرمها

برپاک باعن مورمن بھی لینے ذانے کی ایمیس بہنت ہی شہمو کرامسنت والی ولیہ ہجل ۔ان سے زمانے سے ایمیس بہنت بلندم تبد باکامست ولی حغرت محبوالواحد بی زیدر تمی امٹرعذ فرانے ہیں م ایمیس مرتبریں نے خلاسے یہ عا مانگی کم یا احتر ؛ حبنسندیں دنیا کی حوصورت میری ہوی

سبنے گی مجھے وہ عودیت دنیا ہی میں ایک سرنبر وکھائے۔ قلانے میرے دل میں ہر باست ڈال دى كه وه عورست اليمو خاسودا ، سبع اوروه كوفيزيس رئ سهد چنا يخريس كوفه كيا اورموب وگون مص الله معلانا يرجها توملوم مواكم وه اكيب ديوان ورت معدم على ش بريان مواق سبے میں اس کی تلاش بیں حنبکل کی طرحت کیا نوید دیما کروہ کھڑی ہوئی مار رام رہی سے اور بھیم کے اور بکر ال ا<mark>بہب س تفہ بیل بھر س</mark>ہے ہیں۔ حبب وہ نماز سے فا<mark>رخ ہو</mark>یئ کو بھی سے فرابائد اے عبد الواحد! جا و مہاری بنماری ولافات بہشت میں ہوگا۔ مجھے بیجار تقیب ہواکران بو ب مامبر کومیرا نام ورمیرے آنے کا مقصد کیسے معلوم ہوگیا۔ یصے برخیال آیا ہی تھا كرا بنول نے كماكر كے عبدالواحد الياتم كو معلوم بني كردوزازل بي جن موحول كوايك دوس کی بیجان ہوئی سے ان میں دنیلکے اندر العنت ومستن پیدا ہر موایا کرتی ہے۔ پیریس نے برجياكم بيم ون ادر بريون كوي ليك ساتفريز في الصلة ويمور بابون يركيا مواطر عيد ير من کرا ہوں نے مواسب دیا کر جائے ابنا کام بیکھے سے نماز بڑھنے دیکے میں نے اپنا معاملہ اخترتفا لی سے درسنت کر لیاہے کس بلے احترنعالی نے میری بحروں کا معاملہ بھیریوں کے ما ت<mark>ەدىرىن ك</mark>ردا سے ر

بيك يبيون كاانعام

جنت مداسے یا ئی گیمپ نیک میبیاں لحشربس بخنى ما يئي ككسب بيك يبيال جنت برجكهما بش گاسب بیک بیوبال سمُران حكراً تكمين كيما مُن كى راه س مربرفدم يرنعرة تبكيرو مرحب اعزاز السامايش كاسب نيك بيعبا ١٠ حِنْت كَ مِينَة كُماني كُاسِ مِن كُن سِيا ل كوتر بھىسلسلىلى تھى بىتى رہى كى بىر ا نوارس نباش گ سب میک بعبا ں دراري نعالى كالبوكا النين تفييب اسطر م المحلك بش كى سب تبك بعيدال تارون م علسے ماند كى موتى سے روشتى ميج وهي كيمسكواش كي مسينبك بيبيال جنت كے زلورات بہتى لاكس بي نغات تتوق كاش كيسب نيك بيبيال جنت کی فیمتوں مگن مو کے وجد می انعل خُلد ما مِن گىسب نبك بىبيال اے بیپروانما زیرصوء نیکیال کرو

تم اعظیٰ کے بند و تضاح کو مان کو جلوہ تنہیں دکھائیں کی سبنیک بیلیا



A

متفرق بدابات

یراسمان برایت کے چند نارسے ہیں خداکرے تہیں ن جائے روشی ان سے

دستعكاري اور بليثول كابيان

اس زمانے میں سینکر اور تعلیم بافتر الطر کے اور الر کیاں ملازمت مذھنے کی وجم إدحراد صراك ما المع يعرف على اورايا خرج علاف سعا جزي اسى طرح لعق لاوارت عرب عورتس خصوصًا بوه عورس بن مح كها في كرس كاكون مهادا نسل مي يرسينا نيول ا ورمعيدتدون يمنيلاي كرنداكي بناه اس كابهترين علاج بريع كرم الطركا اوربرادای کوئی ندکوئی وسندکاری اورایتے ما قد کامبر صرورسی سے مگرافسوس کرمندون مے تعمن جا با مسلان خصوصًا شرفاء کہلانے واسے دستماری ا مدم عقد کے سُمرکو عبیب تحفظ می ملکر مافقے میر مصر میں کرنے والوں کو حقیر و دلین شمارکر سے ان پرطعندمانی كرتے رہنے ہيں اور مين ورلوكوں كا مذاق الحالياكرتے بي معدموكي كركروقر بكرك كوكوادا بد كركو أو دستدكارى اور ميشر كرنا ان كوقبول وتطور تهدي عزيز عبائيوا وربيادى بسية إس لوكه وستكارى اوراسيت ما تقول كى كما فى اسلام میں بہترین کا ٹی شمار کی گئی ہے۔ ملکہ فران وصریب می اس کو تعدا کے عمیوں اور رسولوں کا طريقة تباباكي سع عناني ايك مدرية بي مركول كما تاكيى اس كما في ساجيا

اورمہنر نہیں ہوگا جس کو اُدی اپنے ہاتھ کے منری کمائی سے کما کھائے اورائد کے
نبی صفرت داؤد علیالسلام اپنے ہاتھ کے منری کمائی کھاتے تھے۔ ببنی لو ہے کی زر ہی
بنا یا کرتے تھے ۔ رامشکوۃ باب الکسی جلواص ۱۹۲۱)
اس بلے باں بہنو اِ نجر داری جبر داری ہم ہرگز ہرگز کمی دمت کاری اوراپنے ہاتھ کے
ہمز کو حفیر و ولیل مست کرو اور حزور کوئی نا دان اس کو حفیر تھے اوراس کا غزان الالے
توہر فرزاس کی پرواہ مست کرو اور حزور کوئی نہ کوئی منرسکے لو کر میں خدا کے بیا دسے
توہر فرزاس کی پرواہ مست کرو اور حزور کوئی نہ کوئی منرسکے لو کہ میں خدا کے بیا دسے
ترول می اسٹر علیہ وسلم کافر مان ہے اس بلے اس پرجی جان سے عمل کرو۔
درول می اسٹر علیہ وسلم کافر مان ہے اس بلے اس پرجی جان سے عمل کرو۔

بعض ببیول کی دستکاری

حصرت ادم عليالسلام في اين ما تف صحفيتي كى بحضرت ادر سعليالسلام ف تكفف اورور دى كاكام كيا معفرت نوح على السلام في لكولى تزاش كركتى بنا لكب جوكر فرصى كاليشيب يحفرت ذوا لفرين توبست رسه ا دساه مق اورليف مفسرت نے ان کونی می کما ہے۔ وہ زنیل بعبی ڈلیا اور ٹوکری بنا یا کرتے سفے۔ معترت ابراہم طیالسل کھینی کرتے سفے اوراکی نے اپنے ہ<mark>ا نفوں سے خار کوب</mark> ک نغیر کی جومعادی کا کام ہے محفرت اسلیل علیالسلام اسنے با محقول سے تیر بنایا کہتے عق ومفرت لعقوي عليالسلام اوران كى اولاد بريال جرايا كرت تف عد رحمزت داؤدعلبالسلام لوسعى زداي بناياكرشة عقربولوباركاكام سيعصفرت سليمات على السلام يرصمي كاكم كرت عقى مصرت على على السلم ابك دكا ندار ك با كير ارتنكة عقدا والود ملايد رمول على المدّر مليدوسم اورتمام بليون في بكر ماي يوالى بي - (مشكوة جدام ٥٥٨ باب الاجاره وغيره مختلف كتب) اكريران مفدس ميغرون كاكرر لسران مجيرون يرنهبى عقا مكربه توقراك جميد

ا درصد تیوں سے تابت ہے کہ ان میفروں نے ان کا موں کو وکر کیا ہے اوران وصنرو کا مار اور وی تی ہے اوران وصنرو کا حاد اور وی تی بیسے کا حاد اور وی تی تین میں کیا ماد اور وی تی تی تی تی تی تی بیت کی تے ہوتا بنانے کا پیش کیا ہے کہی نے می تا بنانے کا پیش کیا ہے کہی نے می ان میں کیا ہے کہی ہے دوری کا کام کیا ہے ۔

يعض أسال دستنكاريال

لڑکیوں کے لیے آسات وسترکا رہاں یہ چی سوٹھ بننا ، اونی اورسوتی مونے ہے بنا ، اونی اورسوتی مونے ہے بنا ، امکن کا دُسون ، ٹو بیا ی اورکیڑ سے سی سی کو پیچٹا ، موت کا تنا ، چوٹھیاں بنا نا ، اسی کم بیٹن ، مرکبے وعیرہ بنا کم بیچٹا ۔ بھنا ، جامیائی بنتا ، کمآبوں کی جلد بنا نا ، ایچا ، ، جیٹن ، مرکبے وعیرہ بنا کم بیچٹا ۔

مر كليف دوا ترمكليف أعفاؤ

معتود القرصل الله عليه وسلم في قرايا كر:

اَنْسُدْلِوُمَنُ سَدِلِمَ فَ بِعِنْ مِلان كااملامى نشان يربع كم اَنْسُدُومَنُ سَدِلِمَ فَا اللهِ مِنْ اللهِ الم اَلْمُسُدُلِمُونَ مِنْ لِسَانِهِ تَمَامِمُ مِلْ اللهِ كَانِ اوراس كَا إِنَّا اوراس كَا إِنَّ اللهِ اللهِ عَنْ واللهِ عَنْ اللهِ عَنْ واللهِ واللهِ عَنْ واللهِ عَنْ واللهِ واللهِ عَنْ واللهِ واللهِ

مطلی یہ سیے کہ وہ کسی مسلمان کو کوئی تکلیف متر صدا ور معنودی الشرطلير ولم نے

برمجى فرابا كمسلان كويها مينة كروه سوكي ابنے يلى لين دكرتا سے وہى ابنة اسلامى عائیوں کے بلے بی لیستدکرے۔ ظاہر ہے کدکوئی شخص میں ایتے لیے یہ لیے ندہیں کرمے گاکہ وہ تکیفول معبلا برواورد کھ انتھائے تو معرفران رمول کے مطابق برتنعی بریم لازم ہے کہوہ اینے كى فول وفعل مسكى كوايذا ورتكيف، تبييل عداس يعيم مدرم وي بالون كا خاص طور برمر ال کوخیال دکھنا بهت مزودی ہے۔ ا کی کے گور مہان جا دیا ہمار رسی کے لیے جا تاہوتواس فدر زمادہ دلوں تک یا ا تنی دبیر مک مذعظم و کر مگروالا تنگ موجائے اور تعلیق بی مرجائے۔ ٢ - الركى كى ولا فات كے يصر جاؤ فووياں اتنى دير كك من بي طوياس سے انى زیاوہ بانیں نذکرو کہ وہ اکتاجائے یا اس کے عام میں حرج ہونے تھے کیونکراس سے يفيراس كونكليف موكى -٣ راسنون مي جاريائي باكرس باكوئي ووسراسامان زن يا است فيفروغيره مت فالوكونكراكر الساموناي كرلوك روزام كاوت كمطابن بي كمطاع تزى كم ساغف بطے استے ہیں اوران میمزوں سے عطو کر کھا کرا کھی کھر بڑتے ہیں ملکہ تو دان بیروں کو داستوں میں داسف والا کبی رات بھر کے اندھرے میں مطو کر کھا کر کرتا ہے ا وربوط كها جأ ماسع ـ م کی کے گھرجا و توجیاں کک بروسکے ہرگز ہرگز اس سے کسی چیز کی فرمائش مزکرو ليمن رنيربت بى معمولى بير معى كري موجود تهين بوتى اوروه تمها دى قرمانش لورى نهين كرسكة البي صووت بي اس كوتترمندگي ا ورت كليف موكي ا ورتم كوهي اس سيكونت ہوگ كرنواه مخواه بى نے اس سے ایک كھٹيا درجے كے جيزى فرائش كا ورزيا خال كئى۔ ۵ - برى بالوسى تيبيت وغيره كالكراول با عاردارشا تون كورز خودراستون والورد کسی کو ڈوا سلنے دو، اورا گر کہیں راستوں ہیں ان چیزوں کو دیکھونو حزوں امتول سے شاہد

درنه داسته بیلنے والوں کوان جیزوں سے جھیرجانے سے تکبیف مہوگی ا ورمکن سے کہ عفدت بن تمين كوتكليف يهني . اسى طرح كيدا ورخراو و دغيره كے جلكوں كوراسنوں پر مز دالو، ور ترلوگ عیسل کر کرس گے۔ ٧ - كھا نا كھاتے وقت اببى چېزوں كا نام مىت ليا كموحمى سىے سننے والوں كو گھن بيوا موكيونك لعن ما ذك مزاج لوگوں كواس سے بهت تعليمت موجا ياكرتى ہے۔ ے۔ جیب آدی می<u>نے ہوئے ہو</u>ں تو جمار ومت دلواؤ ، کیونکراس سے لوگوں کو مکیف ۸۔ تمباری کوئی وعوت کرے توجینے اومیوں کوتمہا یے ساتھ اس نے بلا<mark>یا ہ</mark>ے تحرداراس سے زبادہ اکرمیوں کو نے کواس کے گھرمذما فراتشا بدکھا تا کم رہمائے، آلو میر بان کوشرمندگی اور کلیف موگی اورمها ن می میوک سے مکیف امٹا عُی سے ٩- الركمي عبس بي دوا دمي ياس ماس بلطي واتي كررب مرون تو جروارتم ان دولول مے درمیان میں جا کرنہ میر جا و کر ایسا کرنے سے ان دونوں سا تھیوں کو تعلیف ہوگی۔ ١٠ عورت كولازم سے كرا ين شوير كے سائے كى دو كرمروكى خونصورتى باس ككى خونى كا ذكر مذكر مد ، كيونكر ليعنى شوم وال كواس مست تكليف م واكر تى بعد اسى طرح مرد کے یعیمزوری سے کہ وہ اپنی بیوی کے سامنے کی دوسری عورت کے حن و جال یا اس کی جال ڈھال کا تذکرہ اور تعرابیت مزکرے اکیو کر بھی کواس سے

منکلیف پہنچے گی ۔ ادر کسی دوسے کے خط کو کھبی ہرگزنہ پڑھا کرویمکن ہے خط میں کوئی الیسی دازی بات ہوجس کو وہ ہر شخف سے چہانا چا ہتا ہو توظا ہر ہے کرتم خط پڑھ لو گے تو اس کو تعلیف ہوگی ۔

۱۱ کسی سے اس طرح سنسی خواق م کرویس سے اس کو سکیف پینچے اسی طرح کمی کوا پسے نام باالقاب سے نہ بچا دو س سے اس کو پھیف پینچی ہموا قرآن مجیر

یں اس کی مخت ممانعت اکی ہے۔ ۱۳ رسی علی علی اوی کے عبب کا ذکر کرتا ہوتو بہتے ویکھ لوکہ وہاں اس ضم کا کون اومی نونسیں سے عدمہ اس عبب کا ذکر کرنے مسے اس اوی کو محليف اورا تراريسني كي ـ ۱۰ د دوادوں بریان کھا کرن متوکوکہ اس سے مکان والے کوہی تکیف ہوگی اور ہردیجے والے کو بھی کھن پیدا ہوگی۔ ۱۵ ر د د ادی کسی معامله میں بات کرنے ہوں ۔ اورتم سے کچے بی<u>ے چھتے کھتے</u> نہ ہوں تو خواه مخواه نم ان کوکوئی را ئے مشورہ نہ دو ۔ ابسا برگز نہیں کرنا جائیے ، پر محلیف دینے والی ات ہے۔ دینے والی بات ہے۔ بہر مال تعلاصر ہے ہے کہ تم اس کومشنش ہی سنگے دمہو کہ تمہا رسے کسی تول یا فعل یا طریقے سے کسی کوکوئی تکلیف متر پہنچے ، ا درتم نو د بلا حزودت ٹواہ مخوا آ داب سقر ا ۔ سفر بب روارز بروٹے سے پہلے میٹیا یہ ویا خارز وزیرہ صروریات سے فراغت ما میل کړلو په ۲- اکیلے سفر کرنا نصوصًا خطروں کے دوری ای اس ایک دورفقا دسفری ما ہوں اکم وقت مزدرت ایک دومرسے کی مرد کریں بیمسنون طریقہ ہے۔

ہوں اکم وقت مزدرت ایک ودمرے کی مرد کریں پیمسنوں طریقہ ہے۔ ۲۔ سفر میں کم سے کم سامان ہویہ کرام وہ اورا جیاسے تعین عودتوں میں یوجیب ہے۔ ہے کہ وہ سفر میں بہت زبادہ سامان لا دنیا کرنی ہیں رص سے بہت زیادہ "کلیف اطانی پڑتی ہے۔ خاص کرسب سے زیادہ مصیبت مردوں کواشانی برٹرتی ہے۔ تمام سامانوں کوسنیمالٹ ، لا دناء اتا دنا ، مز و وری کے پیسے دنیا ہے برمهاری بلا بمب مردد ل سکے مرول میر نا زل مرو نی چیں عورتیں تواجی تما صی سے حکم عمقی رسى بى، يان چياتى رسى بى اور ياتبى بناتى رسى بى ـ ٧ - الله كا ورجيكه الوا وتميول كي ما تق مركز معفرة كيا كرو، مرقدم بركونت اود مكليف أعفا وُ كُم ۵ . سفرین جب تمکی محمهان بنونوسب سے پہلے میشاب یا خانہ کی مگہ بن مطالعہ کے بلے کوئی کہا ب، سیند کا رقو، لفافے، بنیس، مادہ کا غذ لوٹا اکوس مصلی، جاتو، سوق دصاکر، کنکھا ال میشر صرورساتھ رکھ لو، اگرمز بان کے ك كم استرطة كالميدمولونيرورز مخضرليتر مي مواجا سيء ٤ - جما ن عاما بعد وبال دن مي اور حلد مينيا عامية . بعض مردول اورعورلول میں بیرعیب ہے کہ نواہ شہر میں استر میں کہیں بھی جا نا ہے تو الے ما لیے تبدن در كردينين بعض كالربان مجوط جاتى بي - ادر ملاوجرتا نجرس منزل مقصورير بهنجة بي اورسارا بدورًام الرط جأماب -الشرورسول كالححب بالمحيوب كون؟ رمول الشرصى الشرطيروسلم نے فرا ما كر جستمف كويريات الحى لكنى بوكروه التعدا وراس كرسول كا محيب بن جاشے يا الله اوراس كرسول كا محبوب

بن جائے تواس کو چا ہیئے کر ہمیشر سی یا ت بولے اور جب اس کوکسی سیز کا

ابن بنادیا جائے توجہ اس اما نت کوا داکرسے اعدا ہے تمام ٹردسیوں تے ساتھ ا جیاسلوک کرے۔ (مشکل ف علدا ص ۲۲)



مسلمالول كمع يوب يجبياو

دیمول اکرم صلی الله علیه دستم نے ارتشاد فرمایا کہ بوشخص کمی سلمان کے عبب کو دیکھ سلمان کے عبب کو دیکھ کے اور کھراس کی بیردہ لوٹنی کرے تواس کوا کلا نقائی انتابرا تواب عطافر اُئیکا جیسے کرزندہ درگور کی موٹی بیجی کو کوئی فرسے سکال کراس کی برورش اوراس کی زندگی کاسا مان کر شے ۔ (مشکل ہ جلد دوس ۱۲۴ میں ۱۲ مشکل ہ فرار محتہ)

دِل کی سختی کا علاج

ابک شخص نے دربار درسالت میں پر شدکا بیت کی کر میرا ول سخت ہے تو معنور صلی انسر علیہ وسلم سف فرمایا کرتم تیج سکے سر میر ما تھ مجیروا ورسکین کو کھا تا کھلاڈ درمشکلوۃ حبارہ ص ۱۲۵م)

بورصول كي تعظيم كرو

رسول الشرمل الشرطير وسم فرايا بي كر يو بوان أو في كمى في رفط كا تعظيم اس كر برطان أو في كمى في رفط كا تعظيم اس كر برطاب كو وقت محمد المنظيم اس كر برطاب كا يوبر هاب في اس كا اعزاز واكرام كري سكة - محمد المنطاب المن

بهترين كراور برترين كمر

حصنوراکر ملی اند علیہ وسلم نے فرما با کرمسلانوں کے گھروں بی سید سے ہم مرزی گھروں بی سید سے ہم مرزی گھروں کی کیا جا ہم مرزی گھروں میں سے بدترین گھروہ ہے سے کراس ہی کوئی تیم مواور موادر مسلانوں کے گھروں میں سے بدترین گھروہ ہے سے کراس میں کوئی تیم مواور

راس كيساغة براسلوك كياياً ما بود ومشكوة جلدوص ٢٢٥م الص المطابع)

غرودا ورهمتندي برائ

غرور ما گھمنڈیہ ہے کہ آومی اینے آپ کوعلم میں یاعباوت میں دیا تعداری با حسب نسب بی یا ال وسا مان می ماعزت و آبومی با کسی ا ور مات می دوسرو^ل سے بڑا مجھے، اور دوسروں کو اینے سے کم اور خفر جانے یہ بہت بڑا گنا وا وزہانت ہی فابل ففرت مصلت سید مدریث سرلیت میں سید کھیں کے ول می دائی سے برابرایان بو گا وہ جہتم میں اسمنشر کے لیے نہیں جائیگا اور حی کے ول مرائی مے براز بچر ہو کا دہ جنن بر منزا بھگتے کے بعدد احل مو کار اسی طرح ایک دوسر حديث من سيدكم برمركش ا ورسخت ول اورشكتر جهتمي سيداسي طرح ايك الميسري مي رحمت عالم صلى الشرعليه وسلم كالرشاديه كرتمين أومي وه بس كرالشونعا ال فامت كون زان سے مات كر مكا ، خان كى طرف ديمت كى نظرفر أنسكامذاليس كن بور سے ماك كريكا بكران لوگوں كووروناك عذاب ديكا رايك فيرصا زماكار دوركم جولما با دنشاه تميسر مي المرفقير دشكوة ميدوم ١٧ م ١ مع المطابع) دنیا کے لوگ مجی مغرور اور کھمٹری مردول دیجور توں کو بڑی حقارت کی نظرو^ل سے دیکھتے ہی اور نفرت کرنے ہی یہ اور بات سے کراس کے ڈرسے ا وراس کے رمتنوں سے بینے کے بلے طاہر موگ اس کی او عمالت کر لینے ہی ۔ مردل می اس کو انتمال براسمحدکراس سے ہے انتہا نقرت کرتے ہی اوراس کے دشمن موتے یں۔ چائیج جب منکیر ادمی پرکوئی مصیبت اس مطرق سے توکسی کے دل بن مرد إدد مرقت كا مدر نسي يدا موتا بكد لوكون كواك طرح كى توشى بوتى يعيمون ممتله وعرودا ورشني ارنامبسا كراكم اللادردون الدعورتون كاطرلف بصيرير بهیت بڑاگناه اوربهیت می حواب عا دمت سهے۔

اگراوی اتنی بات سوچ لے کریں ایک ناپاک قطرہ سے پیدا بھوا ہوں ا درمیرے پاس جو بھی مال باکمال سے وہ سب الشر کا ویا ہمواسے اور وہ جب جا سے ایک سکینے میں سکے لے بھریں گھمنڈ کیس بات برکروں ا ورا بنی کونسی تھربی پرینجی ما روں ، نوان شما ، انتہ بر بری حصلت ا ورخواب ما و ت بہت مبلد جھوں طے جائے گی ۔

برصيا عورتول كي خدمت

مدین تشریب میں ہے کر ٹرمبیا عورتوں اور سکینوں کی مدیمت کرنے کا ٹواب را ننامی بڑا ہے مبتنا کر مواکی واہ بی جہاد کرنے والے کوا درصا ری وات عباوت ہی مستعدی کے ساخد کھڑ سے مجوتے والے کوا درسکا نا روزے رکھنے والے کو تراب طماعیے۔ (مشکلی ہ جلد ہ ص ۲۲م) اصح المطابع)

لاكيول كى مرورشس

دسول الشرصى الشرطيه وسلم في ارشا وفرايا كم موشخص بمين الركبول كاس طرح بيرورش كرسه كران كوا دب سكعاسته اوران برمهر بانى كا برنا و كرسه توالماس كوم ورشنت بي واحل فراسته كاريرارشاد نبوى من كرصحا بركرام في عرض كيا كم اكركون شخص ولا المركبول كى برورش كرسه ؟ توارشاد فرايا كراس كه في بي بي اجرد تواب سه بهان مك كركيه لوكول في موال كيا كراگركو في ايك بى المركى كو باسه ؟ تو جواب بي أب في دايا كراس كيله بي بي تواب سهد ومشكوة جلوا ص ۲۲

ماں بایب کی ضرمت

معدد اکرم صلی السرعلیہ وسلم نے ارتشاد فرطایا کربی جنت بیں داخل محواتو ہیں تے مناکہ دیاں کو ٹی شخص فراک مجید کی تراء سے کردیا سیے سیب بیسنے دریا قت کیا کر قرار

کرف والاکون ہے ، توفر شق نے بنایا کہ آپ کے محال حادثہ بن تعان ہیں ۔ حصنور میل الشرطیہ وسلم نے فرایا کہ الے میر سے صحابیو! دیکے لویہ سے نیکو کا دی اور المبیا ہوتا ہے ایکے سلوک کا بدلہ صفرت حادثہ بن تعان رضی اللہ عندسب لوگوں سے زیادہ بہری سے ایک المراب کے المطابع) مسلوک ابنی اس کے ساتھ کرتے ہے ۔ (مشکل ہ مبدا کی خوشی اللہ من اور مداکی فا دافتی باب دوسری مدرست میں ہے کہ نعدا کی خوشی اللہ من اور مداکی فا دافتی باب کی خوشی میں اور مداکی فا دافتی باب کی نوشی میں اور مداکی فا دافتی باب کی نا دافتی میں سے ۔ دوسری مدرست میں ہے ۔ دوسری مداکی ہ مدرست میں ہے ۔ دوسری مدرست میں ہے ۔ دوسری مداک و جلد ہوں ہا میں اللہ اللہ کی فاد اللہ میں ہا میں اللہ میں ہے ۔ دوسری میں ہے ۔ دوسری مدرست میں ہے ۔ دوسری ہے دوسری میں ہے ۔ دوسری میں ہے ۔ دوسری ہے دوسری ہے دوسری ہے ہے دوسری ہے دو

سِيْيال بَهِمْ سِيرِيرُده بنيل گي

معنون عائشتر دسی انتومنها نے فرایا کہ میرے پاس ایک عوت اپنی ڈوبٹوں کو لے کو بھی کو بھی کو بھی کو لے کہ بھی در کے سوااس نے میرے پاس کچے اس کچے نہیں بابا، وہی ایک کھی در کے سوااس نے دس ایک کھی در کو اپنی نہیں بابا، وہی ایک کھی در میں نہیں کے در میان تقییم کر دیا اور نور نہیں کھا یا اور مپی گئی راس کے دومیان تقییم کر دیا اور نور نہیں کھا یا اور مپی گئی راس کے دومیان تقیم کھر جی تشتر لیٹ لائے اور میں نے اس واقع کا ذکرہ معنور سے کیا تو آپ آئے ارشا وفرایا کہ جوشمنی ان بھیوں کے ساتھ مبتل کی ذکرہ معنور سے کیا تو آپ آئے ارشا وفرایا کہ جوشمنی ان بھیوں کے ساتھ مبتل کیا اس نے ان بیٹروں کے ساتھ ایجا سلوک کیا تو یہ بھیاں اس کے بیے جہم کم کے بارگیا اس نے ان بیٹروں کے ساتھ ایجا سلوک کیا تو یہ بھیاں اس کے بیے جہم کم کئی تو یہ بھی گا اور انہوں کا المطابی)

رانسان كيتين علطيال

(۱) اس میال میں ہملیٹ گئن دم ناکر ہوائی اود تندرسی ہمیش درہے گی (۲) معیل تولیں جے مبرب کریج نیکادکرنا (۳) اپنی عقل کو سب سے بڑھ کی مجھنا دم) وظمن کو حقیر مجتا (۵) بمیادی کو معمولی مجد کرشروع میں حلات شکرنا (۲) اپنی دائے پرعل کرنا اور دو مبروں کے مشودوں کو تھکرا دینا (۷) کسی برکا دکو با رہار اکرناکر

بعي اس كى جا طوسى من أنها فا (A) بيكارى من خوش رسنا ا ورروزى تلاش زكرنا (9) إينا داذكى دوسرے كواسے دشيرہ ركھنے كى تاكىدكرنا (١٠) أمدنى سے زيادہ حرح كرنا (۱۱) لوگول كى تكليف مي مشرك مزمونا احدات سے الداد كى أميدر كهناد ۱۲) يك ووسى ملافات بس كسي تشخص كي تسبب كو في اليمي يا برى راسية قائم كركيبا (١٣) والدن كى نومست دركرناا ورا ولا دسے حدمت كى أميدر كمانا (١٢٠) كمبى كام كواس حيال سے ا دهودا چيور ديناكم ميركسي وقيت كمل كرليا جائي كا (١٥) برشخف سعيدي كرنا اورلوگوں سے اپنے یلے نبی کی نوقع رکھٹا (۱۷) گراموں کی محبت میں احمتا بیٹھنا ددا) كوئ عمل صالح كى مقين كرسے تواس پردميان ير دينا (١٨) خودموم وملال كا خيال مركا ا وردومرول كوعمى اس راه يراكانا (١٩) حجوثي تم كماكر، حوط لول كر، د صوكا صع كرا مي تجارت كوفروع دينا (٢٠) علم دين ا وردينداري كاعرب ن سجینا (۱۱) نودکو دوسروں سے بہتر سجینا (۲۲) نغروں ا درسا کوں کو اینے دروازه سے وصکافے کرمجگا دیا (۲۳) مزودت سے زیادہ بات جیت کرنا۔ (۱۲۸) اینے پروسوں سے بھاڑ رکھنا (۲۵) بادشا ہوں اورامیروں کی دوستی ب ا عتب رکرنا (۲۲) خواہ مخواہ کسی کے گھر یلومعا ملات میں دخل دینا (۲۷) بغرسونے سمجے بات کرنا (۲۸) نین دن سے زیادہ کسی کامہان بننا (۲۹) اینے گر کا تعبید دوسروں بیظا مرکرنا (۳۰) برشخص کے سامنے ایسے دکھ ورو بان کرنا۔

سيقاورادام كى ييندباتين

ا - رات کو دروازه بند کرنے وقت گھر کے اندرا بھی طرح دیھ عیال لو کر کوئی امنی یاکنا ، بلی اندر تونهیں روگیا . یہ عادت ڈال لیتے سے ان شاء انٹد گھر میں کوئی نقصان نہیں ہوگا -

ار گھرا درگھر کے تنام ساما نوں کوصاف مقرار کھوا در بر چیز کواس کی جگر برر کھور

٣ - سب گروالے آئيس مي طے كرلين كر فلاں جيز فلاں بگر يرد سے كى بيرسب كھر والاس محيا بندموم بين كرجب اس جركوديان سعامطا بين تواسنعال كرك ميراسى جكردكه دي ناكر براكدي كولغري يصاور بلاد عولا صوه ب جا باكرسداور مزورت کے دفت الاش کرنے کی حاجت مزیرے۔ م ر گھر کے تنام برننوں کو وصوما نجھ کرکسی الماری باطاق برالٹا کر کے رکھ دوا ور تھے دوباره اس بن كواسنعال كرنام و تو تعيراس برن كو بعزوصوف استعال مذكرور ۵ - کوئی جھوٹما برتن یا غذایا دوا سکا موابرتن مرکز مرکزرز رکھ وباکرور جھو لمے با غذا ول اوردواول سے برتن الوده برتوں بی جراثیم بیدا ہو کر طرح طرح کی مارلوں کے بداہونے کا خطرہ ہوتاہے۔ ١ - ا عصر الله ويقع مركز مركز ما في من يتونه كها ناكها و -٤ - كمريا أنكن ك واسته عب ميا ريائي باكرمي باكوئي برتن ياكوئي سا مان مست الحوال ويا كرورابساكرت مصعن دفعرروزكى عادت كيمطابق يمط يط أف والح مطور حرور لکتی ہے اور لعن مرتبر توسمت سوس بھی لگ جاتی ہی ۔ ٨ - صراى كيمن والوشك توشى سيمن لكاكر بركر بمي مانى مرموكودك اولا نوم تعلاف تهزيب ہے اور دوكر ببرحطرہ ہے كرصراحي يا لوٹني ميں كوني كيرا كموڑا چھيا ہوا مواور وه یا نی کے ساتھ برط می جلا جائے۔ 9 - سفتر بادس دنوں میں ایک دن میں گھری کمن صفائی کے بیلے مقرد کرلو کراس ن سب کا دصدا بدکرکے لوسے مکان کی صفائی کراور ١٠ دن دات بيه في رسنا يا بينگ يرسو ته ما لييخ رسنا تندرستي كيديد بي نقعاره ب يدمردون كوصاف اوركمني مواس فيرين عيرلبنا اورعورتون كو كيم عندت كالمام بالترسي كرلسنا تدركستى كے يالي بهت فرورى سے -١١- يس جگر چندا و مي بين مول اس جگر بيخ كريز مقوكونه كهنكها د نكا لورية

ناک صاف کرد کر تعلاف تہید ہے ہے ۔اوردومروں کے لیے گئ میلاکرنے الار دامن يا أنجل المستن معناك صاف مركوء مز بانق منران جيزول سعدو تيو کونکر بیگندگی ہے اور تھزیب کے خلاف عی-۱۱- بوق اور کیرایا بیتر استعمال سے پینے جاڑ لیا کرومکن سے کوئی موذی جائد بیٹیا ہو ہو بے خبری می تمہمیں کوئی ہے۔ ۱۱- چیوٹے بچوں کھلانے کھلاتے کھی مرکز مرکز اجال اجیال کرم کھلاؤ خدا تحیا إلى سع علوط مائة توني كي مان خطره ي يُعلِك كا. ١٥- يج دروازه مي مد عطفا كروسيد في جائد والول كوتكيف موكى اورخودتم على تعلیف أعفاؤ کے ١١- اگريوشيد جگهون يكى كے عيور العينى يا دردو ورم موثواس سعيد مزاوي كركيان ہے ؟ اس سے فواه مخواه اس كو ترمند كل مو كا -ار یا خانه یا خسل خانه سے کم بندیا تہبندیا ساڈھی یا ندھتے ہوئے با ہرمت الموطكرا تدري سعيا غره كريا برنكلو-۸- بب تم سے کوئی شمص کوئی کات ہو چے تو پینے اس کا بواب دو میردومر 9۔ بوبات کی سے کہو ماکی کا بواب <mark>دو توصا ف صا ف بولوا ودا شے توا</mark> بولوكرسا منے والاا چی طرح من سے اور تمیاری باتوں كو مجر لے۔ ٢٠ - زيان بندكر ك يا تفويا سرك اشا معن مسكيدكمنا ياكى بان كاجواب دينايد تعلاف نهذيب اورحا قست كى بات ہے۔ الارادكى كے الدي بركوئي إرشير بات كى سے كہنى مہلاددوہ تخفي اس على مي موجو مو تداً نحد ما ما محتسصه اريا راس كى طرف اشا دمت كروكه ماحق المضمِّف كناط عظمت

نبہات ہوں گے۔

۲۱۔ کی کوکو ٹی میزدین ہوتواہے ہاتھ سے اسکے ہاتھ میں ددیا برتن میں دکھ کراس کے ساتھ بیٹن کرد، ددرسے جمینتک کرکی کو ٹی جیزمت دیا کرد، شایدا سکے ہاتھ میں مذہبنج سکے ادر ذین برگر کر ٹوٹ موٹ جائے ماخواب ہوجائے.

۲۲ را گرکسی کو پنجما جملوتواس کا خیال دکھوکراس کے سروا چیرہ یا بدت سے کسی معتر میں پنکھا مگفت نیا ہے۔ پنکھا مگفت نیائے،اور پنکھے کوا سطفاور سے بھی نیملاکروکرتم خود یا دو سرنے ہریشان جومایش

برب میں ہے کیٹرے جودموبی کے بہاں جانے والے ہوں گھریں ادھرادھریٹرایا بھراہوازمین بررز دہتے دو، بکر کان کے کسی کونے میں مکڑی کا ایک معمولی یکس دکھ لوا ورسب پیلے کیڑوں کواسی میں جمع کرتے دہو۔

۲۵۔ اپنے اون کیٹرول کوکمی کمیی وصوب میں سکھا بیا کرواورکٹا یوں کو، تا کرکٹرے کوڈے کیٹروں اورکٹا بوں کوکاٹ کرنواب ناکرسکیس ۔

٢٩ ما كون أدى بيتما بووبال كردوغباروال جيزول كون مالد

۲۷۔ کسی دکھیا پریشانی یا غم اور بھاری وغیرہ کی خروں کو برگزامس وقت تک نہریں کہنا جاہیئے جب تک کراس کی خوب ایمی طرح تحقیق مزہو مائے۔

۷۸۔ کھانے پینے کی کئی ج_{یز}کھل مت دکھو۔ ہمیشہ ڈھا ک*کر دکھ*ا کروا ود کھیوں سکے جیٹھنے سے بچا ڈ۔

٢٩ دودُكرمذاو يراش كنهي جلنا جلسية اس مي ست سع طرات بي.

٣٠ يظفي باؤن بولاا مماكراور إدا باؤن دين بردك كرملاكرو، ينجو ليا ايرى كي بل

مِلنَايا بِأُوْل مُحْمِينَة بوسة مِلناية تهذيب كم ملات مي سبعد

ا٣- كيڙا پينے نين سينا چاہيے۔

۱۹۷ مرکمی پراطینان مت کرلیا کرو، جب تک کسی کو برطری سے بار باد آزمانہ لو،اس کا استباد مت کرلیا کرو، خاص کو اکثر شروں میں بست سی عود تیں کوئی جن صاحب ہی ہوئی کعبہ کا خلاف یہ بھوئے کوئی تعوید گذرے جماڑ بھونک کرتی ہوئی گھروں میں گھستی بھرتی ہیں اور عود توں کے جمع میں بیٹھ کرالٹ ووسول کی باتیں کرتی ہیں، خردار خرداران عود توں کو ہرگز ہرگز کھروں میں ہے والیس کردو۔ الیسی عود توں نے بست سے کھروں میں ہے ان عود توں میں لیمن جودوں اور ڈاکوؤں کی مخریس ہوا کرتی ہیں۔ محمول کا مال بتاوی ہیں۔ کھروں کا حال بتاوی ہیں۔ محمول کا دیکھ لیتی ہیں مجموع دوں اور ڈاکوؤں کو فرائل کوئی کوئیات کے محمول کا حال بتاوی ہیں۔

۳۵ ہے۔ جہاں تک ہوسے کوئی سودا سامان ادصادمت منگایا کرو، اوراگر مجبودی سے منگایا کروا دراگر مجبودی سے منگانا ہی پڑھائے تودا م لچوچو کرتا در تک کے ساتھ مکھ لوا ورجب دو بریقمار یاس آجائے توفورًا اداکروو، زبانی یاد پر ہم وسرمت کرو۔

سس جاں تک ہوسکے وقع جلانے میں بہت ٹیلدہ کفایت سے کام لوادر دوہیے ہیں ہست ہی انتظام سے اٹھاؤ بکرمِتنا خرج کرو لیے تم کو ملے اس میں سے کچھ بچالیا کرو۔

۳۵۔ جوہورتیں بہت سے گھروں میں آیاجا یا کرتی ہی جیسے دصوبی، نائن ونیرہ انکے سامنے ہرگز ہرگز اینے گھرکے اختلاف اور مبکڑوں کومت بیان کرو۔ کیوں کرائیں عمدیتیں گھرونکی باتیں گھروں کی ایسی عمدیتیں گھرونکی باتیں گھروں میں کتی مبرتی ہیں ۔

۱۳۹ کوئی مردتم ادر دروازه برا کرتمهاری متو برکادوست یادشته وار بونا کا مرکرسے تو مرگزاس کے اپنے مکان کے اندومت بلانزاس کاکوئی سامان اپنے گھریں دکھوندا پناکوئی قیتی سامان اس کے میروکروایک میزادی کی طرح کھانا و جنرو اس کے میلے با برنج می دو جب تک تماد محمولات کوئی مرداس کو بیجان نہ ہے ہرگزاس پر بھروسہ مست کرو. نہ گھریں آسنے دو ایسے لوگوں نے بہت سے گھروں کوؤٹ یا ہے اس طرح اگریے بیچانا ہوا آ دمی گھریم آکریا سفری کوئی

کھانے کی چیزدے تو ہرگزمت کھا وُوہ لاکھ بُرا مانے پروامت کروہبت سے سفید لوِسش ٹھگ نشروالی یا زہریل جیز کھل کر گھروالوں یامسا فروں کولوٹ یلتے ہیں.

۳۰ مبت میں اپنے بچوں کو الما مبوک کے کھا آمت کھلاؤ، نرامراد کرکے ذیادہ کھلاڈ کہ ان دونوں صودتوں میں بیسے بھاد مہوجائے ہیں جس کی تکلیفت تم کواور بچوں دونوں کو ہمسگتنی بڑتہ ہے۔

۳۸۔ بچوں کومردی گری کے کپڑوں کا خاص لمود پر دھیان لازمی ہے نیے مردی گری سگنے سے بھاد ہو<mark>جایا کر</mark>ستے ہیں۔

۳۹۔ بیحوں کوماں باپ بلکرداداکانام مجی یا دکراؤادد کھی کھی بوچیا کروتا کریاد دہسے اس یں یہ فائدہ ہے کہ اگر فدانخاستہ بچر کھوجائے اود کوئی اس سے پوسے کے تیرے باپ کا کیا نام ہے ؟ تیرے ماں باپ کون بیں ؟ تواگر بچر کوئام یا دہوں گے تو بتا دے گا چھر کو لُہٰ رکوئی اس کو تممادے یا س بسنجا دے گا۔ یا تمیس بلاکر بچر تممادے میرد کر دسے گا اور اگر نے کے کوماں باپ کانام یا در دبا تو بچر یہ کہے گا کہ ابا یا اماں کا بچر میوں ۔ کچھ طرنہ سبب کہ کون ایا ؟ کون اماں ؟

۳۰ ۔ چھوٹے پچوں کو اکیلا جبوڈ کر گھرسے باہر نہیں جا یا کرد۔ ایک عودت نیچے کے آگے کہ اسان دکھ کیا ہے کہ اسے کھانا دکھ کی ایس کھانا ہھین کر کھا گیا ، اور جو پنے مادہ دکر نیچے کی آنکھ ہمی مجھوڈ ڈالی ۔ اسی طرح ایک نیچے کو بل نے اکیلا پاکرامسس قد ذرخ واللکہ بچرمرگیا ۔ قد ذرخ واللکہ بچرمرگیا ۔

ا اس کی شخصرانے یا کھانا کھ لمائے پر مست ذیا وہ اصراد مست کروبعن مرتبہ امسس میں مسان کو البحث یا تعلیف ہوم ساتی مسان کو البحث یا تعلیف ہوم ساتی ہے۔ مہان کو البحث یا تعلیف ہوم سب آتی ہے ہم سوچ کر بھلا ایس حبّت سے کیا فائڈہ حس کا انجام نفرت اود بدنا می ہو۔

۲۲- دنن یا خطرہ والی کو اُ چیز کس آدمی کے اوپرسے اٹھا کرمت دیا کروفدا نخوا ستہ وہ

چیز ہاتھ سے جیوٹ کرآ دمی کے اوپر گربڑی تواس کا انجام کتنا خطرناک ہوگا ،

۳۳ ۔ کس بچہ یا شاگر دکو سزاوینی ہوگی توموٹی کمڑی یالات گلونسہ سے مت مارو خدا نخواستہ
اگر کسسے نازک جگر بچٹ مگ جائے توکنی بڑی مصیبت سربران بڑے گی ۔

۳۲ ۔ اگر مکس کے گھر مہان جا دُ اور کھانا کھا چکے ہوتوجات ہی گھروالوں ہے کہ دوکر مم
کھانا کھا کرآئے ہی کیونکہ گھروالے لحاظ کی وجہ سے پوجیس کے سیں اور چیکے چیکے کھا ایمیار

کھانا کھا کرآئے ہیں ہونکہ هروالے لحاظ کی وم سے اوجھیں محے نسیں اور چیکے چیکے کھا کا تیار کرلس کے اور جب نیانا ماہنے آگیا توتم نے کد دیا کرسم تو کھانا کھا کرآئے ہیں سوچ کا اسوت گھردالوں کو کٹا انسوس ہوگا ؟

٥٦ ر مكان ين اگرتم يازلور دغيره دفن كرركها ب توابين كهرون بين سوجس بر مجروسه بهو اس كوتنا دو ورنه تنايد تمها دا اين بي مين ده اس كوتنا دو ورنه تنايد تمها دا اين بي مين ده جائے گي.

۲۷ء مکان میں جلتا چراغ یا آگ جیوڈ کر باہرمت بیطے جا ذرجراغ اورا گرکو مکان ہے نکلتے وقت بچا دیا کرو۔

٢٠ ا تنانياده ست كما وكرچودن كى مگر بمى بيث مي باق دره جائد

۲۸ ۔ جہاں تک مکن ہودات کومکان میں تہامت دہو فعداجانے دات میں کیا ا<mark>تفاق</mark> بڑ جائے ؟ لاچاری اور مجودی کی تو اور بات سبے مگرجب تک بہوسے مکان میں دات کو اکیے نہیں سفاجلہ ہے .

۲۹. این بنریماندندد.

. ٥ . رُب وقت كاكون سائعي نيس موتااس يله مرف فداير بعروسد كمو

كارا مرتدبيري

ا - بعد ک يائنتي اجوائن ک بونليان باند صف سے اس بينگ کے کمٹل بھاگ ۔

جائیں گے۔

۱- اگر بجردانی میسترین ہوا ور کریموں کے موسم بی مجمر زیادہ تنگ کریں تو بستر پر جا بجا تنسی کے بیتے بھیلادیں مجمر بجاگ جائیں گے .

۳ کو ی میں کیل ٹھو کتے ہوئے کڑی کے بیٹنے کا خطرہ ہوتواس کیں کو بیلے صابن میں ٹھکنے کے بددکڑی میں ٹھوکنا چا ہے اس طرع مکڑی نہیں پیٹنے گی.

٣ ـ كاخذى ليول كارس اگردن ميں چند باد بي ليس توطيريا كا علمنيس موكا.

۵۔ کوسے بینے کے لیے تیز دھوپ میں سفرکرتے وقت جیب میں ایک پیا زر دکھ لینا ما سٹے ۔

۷ میفنرے ملرسے بینے کے یا سرکہ، لیموں اور پیاز کا مجترت استعمال کرنا چاہیے۔ کرنا چاہیے۔

ے۔ سبزلوں کومبداگانے اور آئے میں خمیر جلد آنے کے بیے خم ہوزہ کے حیکوں کوخوب کھا لیں ادراس کو باریک بیس کرسفوف ٹیارکس مجراس سفوت کومبر لوں میں جلاگانے کیلئے ڈالیں ادرائے میں خرالد آنے کیے لئے دالیں ادرائے میں خرالد آنے کے لئے تھوڑا سفوف آئے میں ڈال دیا کریں ۔

۸۔ روغن زیتون دانتوں پر طنے سے مسوڑھے اور جلتے ہوئے دانت معنبوط ہو جا۔ تریں

9 مر بیمک آدمی موتولز بگ کھالینے سے بند ہوما تی ہے۔

ا۔ سری جوئی بڑوائی توست بود نیرماین کے پائی میں مل کے سریس ڈالیں اور سرکوخوب دموئیں دو تین مرتب ایسا کہ ایست کے بیش مرحاثیں گا۔

اار لیموں کی بیما نک چہرہ پر کچرونوں کھنے اور چھر صابن سے دمولینے سے چہرہ کے کیل مدے دور ہو جاتے ہیں۔

۱۲- بیدل علنے کی دجرے اگر باؤں میں تمکن زیادہ معلوم ہو تونک معہوئے گرم یا لمے

یں کھ دربیادں رکھ دیے سے تعکاوٹ دور سرماتی ہے

١١٠ ليون كواكر بوجل ين كرم كرك يحدّ في قوعرق آسان كيساته دوك نظر كا.

۱۲۰ آگ سے بل بائی تو جلے ہوئے مقام پر فور اُدوشنا ٹی نگائیں یا جو تا کایا فی دالیں یا بروزہ کا تیل سائل سے اسکرسفیدیا نی میں محول کرنگائیں .

10۔ سانب یا کوئی ذہر برالاجا نور کاٹ ہے تو کا شنے سے ذرا او پر فررٌ اکسی معبوط دھا گے سے درا او پر فررٌ اکسی معبوط دھا گے سے کسی کر باندہ دو ہر کاٹے نے کی عجرافیون نگا دو، تاکہ وہ جگر سے نظرہ خون نکل جائے، ہے رہیا ذکو جو لیے میں مبون کراود نک نگا کہ دبادہ، تاکہ چند فطرہ خون نکل جائے، ہے رہیا ذکو جو لیے میں مبون کراود نک نگا کہ اس جگر ہاندہ دیں اور میفن کوسوئے نزدیں۔ یہ فوری ترکیب کر کے جراف اکر سے علاج کرائیں۔ اور انجکس نگوائیں

۱۷۔ اگرکون سنکھیایا افیون یا دھتورہ کھائے توفر ڈاسویر کا بیج دو تولر آدھ سریانی ہیں پیکا کا سے کواس میں باؤ بھرگھی ایک تولزنک طاکرنیم گرم بلا شماد دھے کوائیں جب خوب نے ہوجائے تو دودھ بلائیں اور اگر دودھ سے بھی تے ہوجائے تو بست اچھا ہے اور مربق کو سونے نزدید انشاء اللہ تعالی مربیق صحت یاب ہوجائے گا۔

كيرول مكورول كومجمكاتا

سمانی ایک پاؤنوشادرکو با نی میر بانی میر گعول کر گمری تمام بلوں سوداخوں اور مسانب ہوگا تو جاگ جائے گا اور کھی کھی یہ پان چھڑکے دہیں تواس مکان میں کہی سانب نہیں آئے گا۔

دومری ترکیب یہ ہے کد گھر کے بوں میں اور دومرے سب سوداخوں میں دائی ڈالے دیں۔ سانب فوڈ اسی مرجائے گا اور اگراپنے آس یاس دائی ڈال کرسوئیں۔ توسانب قریب نہیں آسکتا۔

و کے اس کا عرف اگر بھو کے او پر ڈال دیا جائے تو بھو مزود مرجلے گا اودا گر بھو کے میں مول کے جند کر شام دال دیے جائیں تو بھوسوداخ سے باہر نہیں نکل سے گا بلکہ سوداخ کے اندر ہی الک ہوجائے گا۔

دومری ترکیب یہ ہے کہ چرچٹر گھاس کی جڑا گر بچھونے پر دکھ دی جائے تو بچھو بستر پر ہنیں چڑھ سکے گا.

اگریجیوڈنگ ماردے تو ہمروندہ کا تیل مگائیں یا جرچہ کی جڑگسس کردگا ئیں زمرا تر جائے گا

کنکھ ورا اگوجمیا کنکھ ورا اگوجمیا کا دراگر بیاز کاعرق کنکھ ورہ کے او برڈال دیں قدوہ جگر بسی جمور درے کا اور بھر فررًا مائیں گے اور اگر بیاز کاعرق کنکھ ورہ کے او برڈال دیں قدوہ جگر بسی جمور درے کا اور بھر فررًا ہی مرہائے گا اور اگر اس کے با دں جبسے سے زخم ہوگیا ہے تو بیاز بھلے ملاکراس زخم پر بازیشا اکس سے د

وم اندان کے بس یا جڑیا نیں مبگوکرتا) گھریں یا ن چیڑک دیں ، تواس مکان سے رہیں ہو ہوگ دیں ، تواس مکان سے رہیں ہو رہیس میں گئو بھاگ جائیں گے .

بعونیاں ایگ سے بھاگ ما تی بی

کروں اورکن بوں کا کرا اور کی ایروں کے جیلئے یا نیم کے بتے یا کا ورکبروں اورک بوں مرکم دیں تو کرے اور ک بیروں اورک بوں میں رکم دیں تو کرے اور ک بیرکروں کے کیا نے معنوظ دہیں گا۔

زما بزرهمل كى احتياط وتدابير

- عل ك دا في عورت كواس كاخيال ركهنابت عزدري بدكرالي نقيل غذائي

ن کھائے سسے قبن بیدا ہو جائے اور اگر فدا ہی بیٹ میں گرانی معلوم ہو تو ایک دو وقت دول چاول نکھائیں ، میکم مرف نٹور بھی ڈال کر پی لیں ، یا دو تین تولم منتی یا ایک بڑکامر تبر کھالیں ۔

ای مام عودت کوچا ہیئے کرچلنے ہیں پاؤں دورسے ذین پرند پڑے اور ن دوڑ کرچلے اسی طرح ادبی عرصی بر دوڑ کر ہے اسی طرح ادبی عگرے بر دوڑ کر نز بھر اسی طرح ادبی عگرے بر دوڑ کر نز بھی کہ بھرتے بدنیادہ بھے اور نز بیٹ کو جھٹ کا بھیے بدنیادہ بھے اور نز بیٹ کو جھٹ کا کام کرے ، نزنم اور نز عفیۃ کرے ، نز بھادی ہوجوا تھائے نرکو لُ سخت عمنت کا کام کرے ، نزنم اور نز عفیۃ کرے ، نز مدت کا کام کرے ، نزنم اور نز عفیۃ کرے ، نز مدت کا کام کرے ، نزنم اور نز عفیۃ کرے ، نز مدت کا کام کرے ، نزنم اور نز عفیۃ کرے ، نز مدت کا کام کرے ، نز میاں کھائے ، نزیا وہ نوست بھے .

۳۔ ماملم عورت کو بیٹے بھرنے کی عارت رکھنی چاہیے کیونکر ہروقت بیٹے اور لیے رہنے سے یا وی اور ستی بڑھتی ہے مدر زیاب ہو باتا ہے اور بھن کی شکایت بیدا ہوماتی ہے .

م. ما ملرعورت کو شوہر کے باس نیس سوناچا ہیے جھوٹا ہوتھے میسے سے اور ساتویں میسے کے اور ساتویں میسے کے اور ساتویں میسے کے بعد ہست ذیادہ استیاط کی مزورت ہے۔

۵ اگرما ملرعودت کوتے آنے کے تو پودیز کی چٹنی یا کا غذی لیموں استمال کریں۔

اگری کی مالت میں نون آنے گئے تو " قرص کر یا "کمائیں اور فوڈ امکیم یا ڈاکٹرسے علی ج
 کوائیں ۔

ار اگریمل گرجا نے کی عادت ہو تواس عودت کو چار میسنے کک ہجرسا تو ہی میسنے کے بعد بست زیادہ امتیا طور کھے اور اچھا یہ سبے کہ ست زیادہ امتیا طور کھے اور اچھا یہ سبے کہ تعکوٹ با ندھے دہے اور با سکل کو ل برجر نزا تھا ہے ، اور نزنند کا کو ل کام کرے احدا اگریمل محکوٹ با ندھے دہے اور با سکل کو ل برجر نزا تھا ہے ، اور نزنن کے کچھ آنا دھا ہر بہوں مثلاً بانی جادی ہوجا نے یا خون کرنے لگے . توفوڈ ا ہی میکیم یا وہ کر بانا چاہیئے ۔

اگرغذنخ استما الم کومٹی کھا نے کی عادت ہوتواس عادت کو جیٹرا ناصروری بیداور

اگرمٹی کی ست ہی درص بروتونشاسترک کھیاں یا لمباش کھایا کرے اس سے مٹی کی مادت مجھوٹ جا تی ہے ۔

9. اگرماطری عبوک بند مرو مائے توسمانی اود مرتن فذایش جرادی اور سادہ فذایش کھلایش اور اگر بیٹ میں درداور دیاح معلوم ہوتون نکسیلمانی "یا "جوادش کونی" کھلایش برمال ترزدواوس کے استمال اور انجکش وغیرہ سے بین بہتر ہے۔ الیسی حالت میں علاج سے بہتر بر بیز اود استیاط ہے۔

ا۔ بعض عامل عودتوں کے بیروں بدورم آجا آبسے یہ کوفی خطرناک چیز نہیں ہے ولاد<mark>ت</mark> کے بیدخود بخود یہ درم جا آبار سبتا ہے ۔

زبيته كي تربيرون كابسيان

ا. مام کوجب نواں مسینہ مشروع ہوجائے تو میست ذیادہ احتیاط کرنے کا مزورت ہے۔ اس وقت میں حاملہ کو کا ت کی حزورت ہے النزا مندرجر ذیل تدبیروں کا فاص طور برخیال دکھناچلہ ہے۔ دوزان گیارہ عدد بادام معری میں بیس کرجائیں اور دہ عدد نادیل اور شکر دونوں کو بائیں اور دونوں کو بائیں اور دونوں کو بائیں اور دونوں کو بائیں ۔ گائے کا وودوں شکر دونوں کو بائیں ، گائے کا وودوں حبسس قدر بعنم ہوسکے بلائیں ، مکمن وغیرہ میں کھلائیں ان سب دوافی کی وجہ سے بجراسانی سے بیدا ہوتا ہے۔

۲۔ جب ولادت کا وقت، آجائے اور دروزہ طروع ہوجائے ، آق بائیں ہاتھ میں متناطیس لینے سے اسانی ہوتی ہے ۔ لینے سے الدیا ٹیں ان اس ہوتی ہے ۔ ولادت کی آسانی کے بیاح ہر کہا تھ میں اسانی ہوتی ہے ۔ ولادت کی آسانی کے بیان میں ہم مکمیں گے۔ ۔

سر بیدائش کے وقت کی موشیادوائی یالیڈی ڈاکٹر کومزود بالینا چاہیے انا ڈی دائیوں کی

غلط تدبيرو س اكثر زخرو بجتر كونقصان بيني جاتا ہے .

۲۔ پیدائش کے بعدزم کے بدن میں تیل کی مالش بست مفیدہے مبیسا کہ پرانا طریق ہے کہ ولادت کے بعد چند ولوں تک مالش کرائی جاتی ہے یہ بست میں معیندسے ،

۵. حس عودت کے دودھ بست کم ہوتا ہو اگر دہ دودھ آسانی کے ساتھ مہنم کرسکتی ہوتواس کو دوزاند دودھ بینا چا جیسے اودم رغ دعیرہ کام عن متحور یہ اودگا جرکا علوہ و عیرہ عمدہ فذایس ہیں اور پانچ مانٹ کلو بی اور یا نے مانٹ تو دری سرخ بیس کر بالی ش

بيحول كالتبياط اورتدابير

ار پیدائش کے بعد بچے کو پہلے نمک سے ہوئے گرم یا نی سے نما ہُں ہمراس کے بعد سادہ یا نی سے خفوظ دستا ہے . نک سلے سادہ یا نی سے خسل دیں تو بچہ میموڈ سے ہوئے دہیں، تو یہ بچوں کی تندرسی کیلئے بست مفیم ہوئے یا نی سے بچوں کو کچہ داؤں تک نسل سے دہیں، تو یہ بچوں کی تندرستی کے لیے بست مفید ہے اور نسلانے رہیں تو یہ بچوں کی تندرستی کے لیے بست مفید ہے اور نسلانے کے بعد بچوں کے تیل کی ما لٹن بچوں کے یہے اکمسیور ہے ۔

۷. بیکوں کودو دھ پلا نے سے بہلے دوزانہ دو تین مرتبہ لیک انگی شہد چیاد یا کریں تو یہ بہت مفید ہے۔

۳۔ بیحوں کوخواہ نموٰاہ جو نے میں تھلائیں یا بیکونے پرسلائیں یا گودیں کھلائیں ہرمال ہیں بیحوں کا سراد نجاد کھیں سرنیجا اور پاؤں اد نیجے مذہبونے دیں۔

ہیدائش کے بعد بچو ں کوائی جگرند کھیں جمال دوشتی ست تیز ہو کیونکر بہت تیز دوشتی میں دہشت میں دہشتی میں دہشت میں دہشتی میں دہشت میں دہش

 ۵۔ جب نیے کے موڈ سے سحنت ہوجا ئیں اور دانت فیلتے معلوم ہوں تومسوڈ حول پر مرع کی جربی طاکریں اور دو ذانہ ایک دومرتبہ مسوڈ حوں پر مشمد بھی ملاکریں اور نیے کے مر

مراور گرون برتن کی مالش کرتے رہی -٧. بعيدوو ده حير ان كا وقت من يتم كي كل الو تعروار إخروار التي كو كوئى سخت بحرية صاف دى بلكه نهايت بى تطيف اور نرم اور حلامهم موسف والی غدائي شيخ کو کھلائي اور کائے با مكري كا دود صديقي بلائے رہي - اور كيل وغيره بجى شيك كو كهلا في رئي ا دريس قدر مال ياب كومقدور ميو بيو (كواس عمر مِي الحَيى حوداك دي اس عمر من سوكيد طافت مدن مين أجاشے كى وہ ندا، عمر كا) أَتْ گی ، با ں اس کا خیال <mark>دکھنا بہت صروری سے کہ ب</mark>یتو ں کو یا رہا رہ<mark>یں غذا و بنی حا</mark>ئیے جب مک اید فذا مصنم ندموص فے دوسری فذا برگز ندوس ے ۔ بچوں کومعفائی اور کھٹائی کی عاورت سے بچانا بہت ہے دوری مے کربر دو نوں چنری بچوں کی صحت کے بیے بہت معنرا ریقصان جینے وال ہی ہو کھے اودنا زهمیوول کا بحول کو کھلانا بہت ہی اچھا ہے۔ ٨ - متنه حتني حيوثي عربي موجا في مهتر يت عليف على كم يوني سے اور زخم على ملدی عبرجاتا ہے



9

عمليات

یرا بہاں ہے مواشا ہدکہ ہیں آیات فسرا نی ملاج جمع علہ علہ اسے رجیحانی و رومانی

مبارك المنول ورونل كف ا ورو ما ول عن اس فدرفهوم وركات اورعمي عجمب نا ترات می کرجن کو دیکه کرملاشه فدرت خدا وندی کا جلوه نظراً ماسے - بهن سے مرتق جن كوتمام عكيمول اور واكر ول في لا علاج كمركر الإس كرديا تفالكين جب التدنعالى كاسابحشى او فرأن محيدى مفدس أيون مص مح طريق بطاره جوتى كى كئى ـ تودم زدن مى راسے راسے مون اك اور عميا تك امراض اس اراح ختم مو كئ كدان كانام ونشان معي ما في مرريا -جادداورآسيب وغيره كي بلائمي انني تعطرناک من كر حكيمون كى طب اور داكر ون كى داكرى اس مر ل مي والكل لا ماس لكن دعافر، وطبيفون ورقراني أينون كى تاتيرات قبرا للى كى وه تلواري كرجن ى نىز د صار سے جادو ، تونا ، أسيب سب كے سرفكم موجا نے ميں -جا دو مجعی لوٹ ساتا سے اور آسیب معنی محال جاتا ہے اور تمعی کر فنار مور صل حا ہے۔ اس بلے ہم مناسب مجھتے میں کہ جند عملیات اور قرا کی آبات کے تعویدا تح مركروي ناكرا بلهما جت ان كيفيوص ويركات سعة فائده الطالميك

اعمال اوردُعاوُں كى ست إيط

یا در کھو کہ جس طرح سرط ی بوٹیوں اور تمام دعاؤں کی تا تیراسی وقت ظاہر ہونی ہوتی ہوتا ہوں ہوتا ہوں ہوتا ہوتا ہو ہونی ہے جب کہ اسی ترکیب سے وہ دوائیں استعمال کی جائیں جوان کے استعمال کا طرابقہ ہے یا می طرح عملیات اور نعو پیزات کی بھی کچی تمرائط، کچھ نرکیبس ، کچھ لوازمات ہیں کہ جیب تک ان سب چیزوں کی رعابیت مذکل جائے گئے عملیات کی تاثیرات طاہر مذہوں گی ران متراکط میں سے تاثیرات طاہر مذہوں گی ران متراکط میں سے سات شرطین مہا بیت ہی اہم اور انتہا ئی هروری ہی کہ جن کے بغیر قرائی اعمال میں نا تبرات کی امیدر کھنا تا دانی ہے اور وہ مسب شرطین حسیب ذیل ہیں ۔

ا- اكل صلال بعنى ملال تفركها ناا ورحرام غذا ول سع بجنا-

٢ مسرق متقال الين بميشر يح بولذا ورجوط سع بميشر بيخ رسنا .

ما - اتعلامی این نیت کو درست اور باکیزه دکھنا برنی التدی سے ید کرنا -

م رقوی اینی نظریعت کے احکام کی پوری پوری با بندی کرانا.

و محصنور ولي ابنى جو والميفر مى برميس دل كى صنورى كرسانة برسنا.

ع مصنيوط عقيده إيعى بوعل اوروظيم فيصي اس كانا تير براورا لوما اور

يخنز عفيدر كعنا ، اكر تديذب ما ترود رما تو وظيفه باعمل من اترم رسط كا.

وظائف کے صروری آدا سے

ا وبرذکر کی ہموئی مسانت تشرطوں سے علاوہ اعمال وظا کُف کے کچھ عزوری آواب بھی ہس ہرعس کرنے واسلے کو کا زم سے کمان آواب کا بھی کما ظروخیال در کھے ، ورم دعا وُں اور وظیفوں کی تا نیرات ہیں کمی مہوجانا لازمی سے۔ آواب دعا اوروظا کُف کی تعداد لوں تو ہمنت زیا دہ ہے۔ مگر ہم ان ہیں سے چند تہا بہت اہم اور عروری آواب کی تذکرہ کرنے ہی بحر بیریں ر

ا مارگاہ میں میں عجر و تبار البنی ہر عمل کرنے یا تعویذات تکھنے کے وقت ا مارگاہ میں ما جری وتبار النہ ہی خصنوع و خرفوع سے ساتھ عدا وند تدوس کی بارگا ہیں ما جزی وتبازمندی کا اظہار کرسے ۔

٧ ـ صدقه وتحيرات الين برهن اوروطيفه تروع كرنے سے بيد كج صدقه و

٧- ما رما رودعا ما ملکے استی وظیفوں کے بعد جب اینے مقصد کے لیے دما اسلام اردعا ما میکر ہی مذکر دے ملکہ مادمار گردگڑ اکر نیر اسے دما مانگے۔ گردگڑ اکر نیدا سے دما مانگے۔

مر منها فی این جهان نک بوست مردعا اور وظیفروغیره عملیات کونتها فی میں پڑھے میں منہا فی میں پڑھے میں منہا فی می مرتم منہا فی ایجاں زکسی کی اکھ ورفت مورزگسی کی کوئی اواز آئے ۔ مرتب میں میں میں میں میں میں میں ایس کے مصلیان کو نفضیا ن بہنما نے کے لیے

بعنی کی مسل کو تقصر ان مریخ اسم بعنی کی سان کو نفشان بہنا نے کے لیے اسم اسم میں کو تفقیل میں میں میں اسم اسم ا اسم کی مسمی کو تقصر ان مریخ اسم اسم کا مرکز مرکز مذکوئی عمل کرسے مذکوئی وظیفہ مریضے۔ مرباک روشنائی سے انکے جو برائے ہو تعوید محصے وہ ترعفران سے تکھے یا البی روشنائی سے اور باری کی بولی ان سے تکھے یا البی روشنائی سے در رفتنائی مولی مرد باری بولی با تقسسے بنائی مولی در وائن بی در در باؤں کے جاری بائی میں محمول انجی ساعت بین کرسے اور مر نعویذ مرا انجی ساعت بی فبد موکر کھے۔ اور تعویذ ایکی ساعت بی فبد موکر کھے۔ اور تعویذ محل و تت ہرگر کوئی محمل اور لا بی ول بی مناظ نے ۔ بلکرا فلام کے ساتھ تعوید کی مان اگر لوگ اپنی طرف سے تعویدوں کا تذراح تو تنی کے مساتھ تعوید وال اگر لوگ اپنی طرف سے تعویدوں کا تذراح تو تنی کے مساتھ بیش کریں تواس کور در نم کرسے۔

سفلي ورحاني عليات

علیات کی دو خمیس بن ایک سفلی - دومری رحانی بسفی عملیات ناجا زاور حرا کم بن ملکدان میں سے بعقن صریح کفراور شرک ہیں ۔ لہدا تما کی سفی عملیات جادو ٹونا وغیرہ کوئی مسلمان کبی مہرکز ہرگز نہ کرے - ورنہ ایمان پر با دم وجائے گا ۔ ہاں رحانی عملیات جا کر ہیں ۔ بو فران شرلیب کی استوں اور منفدّ میں جُما وُں کے ذرایعہ کئے جانے ہیں ۔ مگر رحاتی عمل بھی امی و فنت جا کڑ ہیں جیب کہ شرایعت اجا زت دے ، مثلاً دشمنی والے کے بیے کوئی رحانی عمل کبا جائے نو براسی صورت جائز ہو کاکہ تمرلعبت اس کو جائز قرار دے ۔ جنانجہ کمی مرد وعورت بی تا جائز نعلّیٰ موگیا ہے تو ان دونوں بی عداوت والے کے بیے کوئی رحمانی عمل کرنا جائز ہے ملکر تواب کا کا) ہے کہ دو نوں کوگناہ سے بیجانا مقصورے لیکن میاں بیوی ، با عبا ٹی عبائی عبائی حالیٰ عبائی عبائی حداث کے درمیان دشمنی والے لئے کے بیٹے کوئی رحماتی عمل کرنا حرام اور گناہ ہے ۔

مؤكلاتي عليات سيجتن ربو

رجانی علیات کی و دسیس بی - ایک مؤکل نی جوئوکلوں کے داسطے سے ہوتا اگر جرفو کلاتی علیا ہے ، دور سرے غیر مؤکل تی عبی بی مؤکلوں کا واسطر نہیں بہت بی مؤتر ہوا کرنے بی ۔ ان بی بڑے سے بڑے بولے بین بی مؤتر ہوا کرنے بی ۔ ان بی بڑے سے براے بڑے خطرات بھی بیں بلکہ جان کا بھی در رسان ہے ۔ اس لیے مؤکل تی علیات سے بمیشہ دور بہی بھا گئے در شاجا ہیے ۔ بولوگ بھی مؤکل تی علیات سے بھی بی بی سے موالت سے بھیتور میں میلنس گئے کوئی کوڈھی ہوا کوئی یا کل مہو گھیا ۔ کوئی بھان سے بھیتور میں میلنس گئے مؤکل تی علیات بی مؤکل تا تی میلیات ہے ۔ اور اس زمانے بی سینے کا مل " کا مؤکل تا تی میلیات میں ان میلیات میں ان میں ان میں بیاں جند غیر مؤکل تی علیات میں ان میں ان میں ان میں کوئی واسطہ نہیں ہے ۔ اور دیر سی مسلان مردو عودت ہو با بند شریعت ہوں ان سب کوان ا عال وقعو ندات کے کرنے کی ا جا ذت ہو وہ اگر شرائط آداب کی با بیندی کریں گے تو فائدہ ا مطا تی گئے ۔ ورنہ فائدہ سے مردم رہی گئے ۔ ایک بہرصال ان کونہ کوئی خطرہ ہوگانہ کوئی نقصان ۔ سے مردم رہی گئے ۔ ایک بہرصال ان کونہ کوئی خطرہ ہوگانہ کوئی نقصان ۔ سے مردم رہیں گے ۔ ایک بہرصال ان کونہ کوئی خطرہ ہوگانہ کوئی نقصان ۔

تواص بشيمالله الترهم التوشيم

مربسم الله نترنیف، مے تواص اور اس ابیت مباوکه کی ماعینیں بہت

پیں۔ ان بی سے چند قوا کہ بہاں تھے جاتے ہی جو بزدگوں سے بجرب اوراک زمودہ ہیں۔

ہرطرے کی صاحبت روائی اسے تو بھر مسلسل تین دن روزہ رکے اور جمعہ کادن عسل کرے تماز جمعہ کادن عسل کرے تماز جمعہ کے لبدیہ عسل کرے تماز جمعہ کے لبدیہ دعا بڑھ کرا اور کھی تھوات بھی کرسے بھر تماز جمعہ کے لبدیہ دعا بڑھ کرا در کھی تھوا کہ خدا سے جھے تماز جمعہ کے لبدیہ دعا بڑھ کرکھ کھوا کہ خدا سے جھے المانگے ان نشاء ان شائل عزودان کی دعا نبول بوگی

اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الل

ا فيومن فرآنى بحوالم المر عبيب والرح بيب ومفاح الحسن وعيره) لفظ ما جنى كم بعدا بني عزورت كانا) ذكركرو.

جی صحابی سے بردعا منفول بے ان کا ارتباد سے کریے دعا ناوا آول کوم گر معت سکھاؤی کونکر دہ نا جائز کا موں سے بلے پڑھیں سے اور کتا ہوں ہی مبتلا موں سے بردگوں کے فرمان کے مطابق میں بھی سخت ناکید کرنا ہوں کرنا جائز کا موں کے بلے کھی ہرگذاس دُعاکور نیڑھنا ور مرسخت نفصان اُ مٹھاؤ گے۔

منی دُور بہوچا ئے اور محبّ ست رہی ایموجائے الرحن الرجم طرح کرندلبم اللہ

بلادونوان شاءالتدتعالي ووتخالفت عيولوهي كالعدمجبت كرني مك كاراود تمبت كرخ سنك كارا وراكر موافق كويلا دوتوميتن بطرها سف كل دفيون قرانى مروردومرص دور موس كالرحل الرحل الرحم معتوردل سع يرهدر كاما أ ان شاءالله لقالی اس سے ارام بروجائے گا۔ (فیومن فرائی) مروراوراما الكرائي معرف معرف المن الريات كوسون وفت اليلل مي المرار من الرحم المرار من المرا لو توان شاء الدنعالي ال واسباب وري سع محفوظ ريس مي اورمرك ناكم في سع عمى حقا ظن بموكى ر (فيوض فراكن) نازیر صکردرود شرلیب بر صو، اور این مراد کے بیے دعاماتکو، میرامک سزارمزنر بسم الله رطیع کرد ورکعت نماز پر هو ، اور درود نسر بین ، پره کراین مواد کے بلیم د ما ما تكو، غوص اسى طرح ماره مزارم تغير ميم التندير صوا ورم رمزار مير ذور كعت م نماز بڑھوا در نماز کے لبعد درود تشرافیت بڑھ کر اپنی مراد کے بلے د ما ما مگونشادا تعالىم ادحارس مولى . رمر قع كليمي ومجريات ديري) الم حي ورت كا بح زندة رستا بوده أيك كا غذ يرا يك موسا و المرا الله الرحم الرحم المع المواكاس كا تعوير بناكر مروقت يين رسيعة والنشاء الشرتعالي اس كي اولا وزنده رسيع كي دفيوم فرآني) رُسِرِ كَالْمُرْمُ بِهِ إِيسْرِ اللهِ اللَّذِي لَا يَصُرُّ مَعَ اسْمِهِ خَدْيَى فِي الْاَرْمِنِ اللَّهِ اللَّهُ وَالسَّمِيعُ الْعَسِدِ اللَّهِ فَي فِي السَّمَاءُ عَوَ السَّمِيعُ الْعَسِدِ الْمُعْمَدُ فَي مِرْمَا يُرْهِمُ بميشة كهانا كهابين اورماني يبئن توان شاء نعالى زهركااتر دور بموجائه كالداورزم

کوئی تفصان نہیں دے گا۔ لیکن پختر عقیدہ اور شرائط کا پایا جا نا عروری سے۔ دفیوشِ قرآنی)

بخارسے شفاع ایک نبوائع کے بخارہ وسات باریرہ ما پڑھے : بِسْمِ اللّٰهِ انْکِبَیْواَعُو کَ بِحُارِسِے شفاد کَ بِسْمِ اللّٰهِ انْکِبَیْواَعُو کَ بِحُارِسِے شفاع ایک شفی ترک شَرِ کُلِ حِدْقِ نَعْادِ قَصِنُ شَدِحَدِ الْکُرُسِی نود نه بڑھ کردم کردے یا بالی اللّٰم نام کردے یا بالی بردم کرکے بلا و سے - ان نشاء اسٹر تعالی بخارا ترجا ہے گا۔ ایک منبری بخارہ بردم کرکے بلا و سے - ان نشاء اسٹر تعالی بخارا ترجا ہے گا۔ ایک منبری بخارہ اللّٰم تعددک) انتہاں کرس ۔ (قیرمن قرآئ بحوالہ مستدرک)

سی کو جاڑا بخارات ماہ میں کو جاڑا بخارات ماہواس نقش کو کھ کررتیں کے سی کروں کے مار اس مقتل کو کھ کر مرت کے سی ک

ديسم الله الرحين الرحيم الله الرحلن الرحيم بسعر الرحلن الرحيم بسعر الله الرحيم بسعر الله

مازار من لقصال من مرو ملكر قامره مرو الكفتراتي السكك خسير الكفتراتي الشكك خسير فلا الكفتراتي الشكك خسير فلا الأسواق و عند من من المن الكفتر من الكفتر الكفتر الكفتر من الكفتر الكفتر الكفتر من الكفتر الكفتر الكفتر الكفتر من الكفتر ا

ب در مروعا سف اسيب نرده مرسين يربه طريعا جائدينم الله

اَلَةُ عَلَيْ السَّرَحِيْمِ المَعَى اللهُ اللهُ

تعطره بن مرح في محمد وقت المحفرة بن الدينة المنظرة بن المرافقاد به المرافقاد به المرافقاد به المرافقاد به المرافقة والمرافقة المرافقة الم

بِسْمِ اللهِ اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْعَلِيْمِ الْعَطِيْمِ ، وَلاحول وَلا تُوَ كَا اللهِ اللّهِ الْعَلِيْ الْعَطِيْمِ ، وَلاحول وَلا تُوَ كَا اللهُ كَانَ وَمَا لَوْ يَشْلُ المَّرِيكُنُ اللهُ مَا اللّهُ عَلى حَلَيْ اللّهُ عَلى اللّهُ عَلى حَلَيْ اللّهُ عَلى اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللللّهُ ا

اس دعاء محابرًا حصد شرح مفرانسعاد فوص ۷۷۸ میں تدکورسے اور دوری دعا و منتقرد نررگوں نے تکھی ہے مرالقول الجمیل" ص ۷۷ میں تکھا ہے کہ بی نے اس دعا وکو تہایت مفید یا یا ہے۔

إن بيده عا ون كوروشش ففن" ل مجفود عامل إليه الا) عي كينة بي جو تفق دان کو بمیشنر مشتق قفل ٹرھنا رہے یا کھ کرا نے یاس رکھے وہ سرخوت وحطرہ سے اورجا دوسع اورمرتهم كى بلاؤل سع محفوظ رسع كاراورا كم مشتش ففل كواكبيب زدہ باسح دجادو کے مرابق کے کا ن میں پڑھ کر بھیونگ اردی جائے نوائسبیب بھاگ جائے گا۔ اور جا دو افر جائے گا۔ (فیومن قرائی) فَقِل اللهِ إِنْ مِنْ مِا لِللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِينِي وَسِمِوا مِنْ وَالسَّمِيْعِ الْبَعِيْرِ إِلَٰذِىٰ لَيْنَ كَمِنْلِهِ شَلْى مُؤْوَهُوَ صَلَى كُلِّ شَكْمِ وَلَا يُورُ مل دوم ارجشيرا لله الترحم الترحيد أمره يشعرا لله الخلاق العكيم إِلَّذِي لَيْسٌ كَمِثْلِهِ شَنِّيعٌ وَهُوَ الْفَتَّاحُ الْعَلِيمُ ٥ فَقُلِ مُومٌ : ربِسْعِ اللهِ الرَّحْلِي الرَّحِيدِي بيشير اللهِ السِّيشِعِ الْعَلِيْعِ البَعِيْدِ الَّذِي لَيْسَ كَمِنْلِهِ شَيْءٌ وَهُوَ الْعَلِيْدُ الْبَصِيْلُ الْ الم المام وبشيرالله الرَّحمن الرَّحِيمُوم بيشير الله الَّذِي لَيْسَ بِنَيْلِهِ شَيْءٌ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْعُفُورُ الْعَكِيمُ * فَاللَّهُ عُلِيْ يَمْ مِدِيثِ مِنْ الرَّحْلِي الرَّحِيثِيرَةُ بِسْمِ اللهِ الدَّوْعِ لَيْنَ يَ لِهِ شَيْرُهُ مُعَوَالْعَزِيْرُ الْفُقُورُ ا مُلْ مُعَمِّ مِدِيشِيراللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيثِيةُ يِسْمِياللهِ الكَّذِي لَيْسَ كَيِثْلِهِ شَيْئٌ قَهُ وَالْعَزِنْيِزُ الْحُقُوْرُ الْحَكِيْمَ مَ فَاللَّهَ خَيْرٌ حَافِظًاه وَهُوَ أَرْحَهُ الرَّاحِمِينَه

مكنوب مي اس كى پورى تفعيىل كے مساتھ بيان فراباب راس كمنوب كانا) مدا فلباس الانواد الفلس فى شرح دعا وائس "سے ريد كمتوب" اخبارالا خياد "ص ١٩١ كے ماتنب پر چيپاسے اس بن آپ تكھتے ہيں :

رام علال الدين سبوطي رحمتر الشدعليه رميم الجوامع "بي محدّث الواشخ كى كذاب البراب اور فارس كان عساكرسے نفل كرتے بس كرايك دوز حجاج بن بوسِعت كفقى طالم گودتر في مصرت التس رضى الشرعة كومختلف اقسام ك چار مو گھوڑے و کھا کر کہا کر اے انس اکیا تم نے اپنے معاص<mark>ب دلی</mark>تی دموات صلی الشرطبرولم) کے یاس بھی استے کھوٹے ا مدر شان وشوکت وبھی ہے، حضرت انس رضی انٹر عنہ نے قربایا کہ خدا کی قسم نے درسول انٹر صلی اللہ علیہ وسلم کے یاس اس سے بہتر جیزی و بھی بنی ا مربی نے حفود صلى الشرطب ولم سعستا ب كر كھوڑ تين طرح كي بندايك وه كھوڑا بوجهاد کے بلے دکھا جائے بھراس کے رکھنے کا تواب بان فرمایا۔ (بیعا) طور برصرمن کی کمآبوں میں موجود ہے) دوسراوہ محورا جوالی ك يدركها جانا ب تعيم وه كمورا بونام وتمود كيدركها مانا ہے، تیسا وہ کھوڑا ہونا) ونمود کے یاف رکھاجا ناہے اس کر کھنے سے اُدمی جہتم میں جائے گا۔ اے حجآج ! تیرے کھوڑے ایلسے 12300

سجاج اس مدریت کوش کراگ بگوله بوگیا ورکها که است انس یا اگر نجه کواس کا لحاظ مز موتاکرتم نے رمول الشرصی الشد علیہ وسلم کی تمدمت کی سبعہ ، اورامیرالمومنین (عیدا کملک بن مروان) نے تمہا سے مانھ رعات کرنے کی ہدا بہت کی سبعہ تو بمی تمہار سے مسابخہ کوئی برامعا طرکہ والی -معترت انس رحنی الشرعنہ نے فواہا کہ اسے سجیا ہے آسم بخدا تومیر سے

سانھ کوئی برحنوانی ہیں کرسکنا، میں نے رسول الله صلی الله علیه وسلم سے بیند كلهات مسندين ، جن كى بركت سعدين بمسندا مشرنعا لى كى بينا ه بن رسّنا موں اوران کلات کی بدولت کی ظالم کی سخی اورکسی تنبیطات کے تشریسے در تا ہی ہیں، جاج اس کام کی ہدبت سے دم بخو درہ گیا اورسر جملا لیا، مقوری دیر کے بعد سراعظا کر اولا اے الوحر و (بر صرت انس رم کی كنيت ہے) بركان محے تبا دیجئے، محرّت الس رحتی المعرمتر تے قرابا كري بركز تجفير نناوں كا، اس يے كراس كا بن بسى سے داوى كا بیان ہے کہ جب محتریت انس رحتی اللہ عنہ کا ان خری وقت اگیا توان کے خادم معزت ایان دحنی الشرعنه ان کے معرابے آگردو نے لکے معزت انس فتف فرما ما كي جا سناس و محرت امان في عرص كي وه كلات مين تعلیم فرمائے جن کے تمانے کی جماج نے درخواست کی تفی اور آب نے انکار قربا با تھا۔ حصرت انس رضی انٹد عنہ نے قربا یا لوسیکھ لو۔ ان كوجع وشام ليرهنا وه كلمات يهي

عَلَى اَ هُلِي وَمَا لِي وَ وَلِدِ مَى يِسْمِ اللهِ عَلَى مَا اَعْطَافِ اللهُ اللهُ

اس دعا دکونین مرنبر صح کو اور بمی مرتبه شام کویژهن نابزدگون کامعمول ہے۔ د بیومِن قرآنی)

برمى سع معاع الترخيل الترجيع والمكان كانعو مزيم الملك بنوا الله الترجيع والمنع والمحتول و لاقتوة والا الترجيع والمنع والمتعود والتحول و لاقتوة والا بالله المتعدد والمتعول و لاقتوة والتهاء بالله المتعدد التهاء التهاء التحافظ التهاء التحتوي التحديد التركيم التركيم التركيم التركيم التحديد التحدي

(قيومِن قرأني)

مرا الود و المار المراد الماري و الميطان و عيره كم تشرا و د تشراد نول سع بجان والا مراد الم المروى المراد و الم الميري المراد و الماري المراد و المرد و الم

فے مکم فرایا کرفلم دوات اور کا تعد لاؤسی نے بیٹی کیا تو ا پ تے مقرت علی کرم اللہ و جہر سے قرابا کر مکھو:

بينم الله والترخم المراد ترجيم وهذا كتاب مِن دَسُو لِرَبِ العلمِينَ العلمِينَ الله مِن عَرَى الدَّا الله مِن عَرَى الدَّا المَن عَمَادِ وَالمَنْ وَالمَنْ وَالسَّا يُحِينَ الدَّا اللهُ وَالمَن عَمَادُ وَالمَنْ وَالمَنْ وَالسَّا الحَيْنَ الدَّا اللهُ وَالمَنْ اللهُ وَالمَنْ اللهُ وَالمَنْ اللهُ وَالمَن اللهُ وَالمَن اللهُ وَالمَن اللهُ وَالمَن اللهُ وَاللهُ وَاللهُ

بہمرزا سیب ذروی گردن می نعویڈ بناکر مہنا دیا جائے ران شاء اللہ اسمب ما نارسید کا رائی شاء اللہ اسمب ما نارسید کا راکہ کھر لی آ سیب کا اتر ہے تو دیوار میرسیاں کر دیا جائے ۔ . . ان شاء اللہ کا رائے کا رائے کا رہا تھا کہ اللہ عنہ اس سرنہ کو اللہ کا میں میں اللہ عنہ اس سرنہ کو اللہ کہ کہ اس کو اللہ کہ کہ دیا تھا کہ اللہ اللہ کہ کہ دیا تھا کہ اللہ اللہ کہ کہ کہ کہ کہ اس میں اس تھر دوا ہے کے حق کا دسیار میں کی قیم ہے کہ کہ اللہ تا ہوں میں اس تھر دوا ہے کے حق کا دسیار کے کہ تنا ہوں کہ اللہ تا ہوں کہ اللہ کہ کہ دارتی کی اللہ کے کہ دیا تا ہوں اللہ کہ اللہ کہ اللہ کہ اللہ کہ اللہ کہ اللہ کہ کہ دارتی کا دسیار کے کھر اور تم اللہ ہے کہ دارتی اللہ کہ کہ دارتی کہ اللہ کہ کہ دارتی کہ دارتی اللہ کے کھر اور تم اللہ کہ دارتی کا دستا یا تو صفور حلیال صلوح و السیام نے فروایا !

الع الدوكماند إن وات كي تسم سع مجه حس في حق كرسان بعجابه

اب به آسبب قیامت کک عداب بی رہے گا۔ (فیوص قرآن) محققان کا تعویم محققان کا تعویم دل کے اس لاکارے ، تعوید بیر کھرکر گلیمی طوال دیا جائے اور دورا تنابر امروکر تعوید دل کے اس لاکارے ، تعوید بیر سے ،

بسم الله الرحمن الرحيم ياالله يارحمن يارحيردل ماراكن مستقيم بحق إياك نعبد واياك نستعين وعق الابذكوالله تطمئن القلوب وعق طلط وليس وبحق ن وصل وبحق يابدوح

نواص سُورهُ فأتحب

الی دارمی المامی بیهمتی و عیره کی روایت ہے کہ دمول الند صلی المتدعلیہ وکم نے فرمایا کر دارمی المتدعلیہ وکم نے فرمایا کہ دائر میں مرص کی ووا ہے ۔ اس سورہ کا ایک نام در شا قعبہ اور ایک نام سورہ و استفادی اس میلے کریہ میرص کے بیلے شفا دیسے (بیفناوی)

روری کی قراداتی و عیره امندداری بی ہے کر سومر تبر سودو فاتحر برداری اس کے اس کو اللہ تعالیٰ قبول فراما ہے۔

مكان سے بین محال ملے الركى كھر بن رہتا ہوا در پرلیتان كرتا ہو توسورہ فائترا در ایتر الكرى اور سورہ بن الكرى اور ایتر الكرى اور سورہ بن بھرك كى ایترا كى بائي آیتیں بڑھ كرا در باق پردم كر كے مكان كے اطراف و ہوان بن جيرا كى ایند تعالیٰ بھرز آئے گا۔ دینے كے بعد جن مكان میں سے بھلا جائے گا۔ اوران شاد الشر تعالیٰ بھرز آئے گا۔ دنیوض قرائی)

بنرگار اهراصی امراصی امراری تر زایا سے کر فجر کی سنتوں اور فرمن کے درمیان میں است اور اور فرمن کے درمیان میں است اور اکا است اور اکا است اور اکا است اور اکر اتنا پڑھ کرا بنا مندک آنکھوں میں اور اکر اتنا پڑھ کرا بنا مندک آنکھوں میں اور اکر اتنا پڑھ کرا بنا مندک آنکھوں میں ا

لكادياجائية توبهت مفيدسے - ﴿ فيونِ قُراكِيْ ﴾

تعصرت تواجر نظام الدين اوليا عردمة التدعلية وانعين كراكركوئي شكل بيش المحاسط المتعارض الرحل الرحمة التدعلية والتحد كم المحرك الرحم كونين بارثر هوا ورم مرتبه التحريم المرتبي بارد أمين المحم كونين بارثر هوا ورم مرتبه التحريم بي من والرحم كونين بارثر هوا ورم مرتبه التحريم بي بين بارد أمين المحم ان شاءالتر تعالى مقصد موكار وقوا مرافقوا وص مها)

مات دنون تک دوزان گیاره بیماری اورا قبول کود فع کرتے کے لیے ابزادر تبرمزت انا پڑھے:

اِیّا کَ نَعْبُدُ وَ اِیّا کَ مَسْتَعِیْنَ اوّل وا حَرَیْنَ مَن ار دردد تر نعی برمو، بیمارد ن اور بدول کو دُور کرنے کے بیلے بہت ہی محرّب عمل ہے ۔ (فیوض قرآنی)

نواص سُورُ وَكَفِّ رِهِ

مدیث تربیب ہے کہ جس گری سورہ بقرہ بڑی ہے کہ جس گری سورہ بقرہ بڑی سیا سے سلطان محاک جا آ ہے۔ ا

د احدد ترمذی وسلم) مر المحرار المرک می المرک می المرک المر

نواص البيته الكرسي

حدبث ترلف می بے کرید آیت قرآن مجبد کی آیتوں بی بہت ہے ظمت الی ایست می عظمت الی ایست ہے عظمت الی ایست ہے عظمت ال

اس کے فوائد بہت زمادہ ہیں۔ بوشخص ہرنما زسے بعد ا بنة الكرسي يرصے گا

اس كوسىب دىل بركتىن تعييب مول گى ـ ا۔ وہ مرنے کے بعد جنت مائے گا۔ ٧- وه شيطان اورجن كى تمام متراد نون مص محفوظ رسيم كا -٣- الدِّحْنَاج بِوكَانُوحِيْد دنوں بِي أَس كَى ثُمَّا جِي اوزع بِي دور موجائے گا۔ م - بوتعص صبح وشام ا وربستر برسينة وتت ايتراكسي اوراس ك بعدى دو آبتى خالدون تك يرصاكرك كا وه يورى ، عرق ألى اورجلية سے محفوظ رہے گا۔ ٥- اكرمكان بيركمي أد ي جكر يركف كراس كاكننه أويزان كروبا بالمنظوان شاء الله تعالیٰ اس گرس کھی فاقر مزمو گا۔ ملکر روزی میں رکت اوراصنا قرم و گا۔ اور اس مكان بي كيمي يورنه أسط كار دفيوض قرائي) الرُّمِّ كُرى تحطر ماك جگروشمنوں كے ارتبے بي معلیس يس كونى مر ومر السلم ما دُياد متن تهين رُفار رُنا جا بي تو ايف التيون سے کہوکہ دوایک دوسرے سے بلید لگاکہ میمٹیں بھرتم ان کے ادو گردائی الکرمی ٹرصتے موے ایک دائرہ مینیم، عمرتم می دائرہ کے اندرلوگوں سے سی لاک می واور سات مرتبه البيترالكرسي يُرصو ميروان كى ان اليتون كوهي يرصين . دَلا يَـوُّ و دُهُ حِنْظُ مُمَا وَهُوَ الْعَلِي الْعَظِيْرُ، وَحِفْظُ امِّنْ حُيلِ شَيْطْنِ مَّادِدٍه وَحِفْظًا ﴿ لِكَ تَقُدِيْنِ الْعَزِيْنِ الْعَلِيْمُ . وَحَفِظُنْهَا مِنْ حُلِّ عَيْلَنِ الرَّحِيلَمِ ١ إِنَّا نَحْنُ مَرِّ كَنَا الدِّحْرَة إِنَّالَهُ كَافِظُونَ مَلَامَعَقَيكُمِنْ بَيْنِ يَدَ شِيدِ وَمِنْ خَلْدِم يَحْفَظُونَك مِنْ اللَّهِ مِاللَّهُ مَلِيْقُهُ وَمَا استُ عَلَيْهِمْ يِوَكِيلٍ وإنْ حُلَّ نَفْسٍ لَّمَا عَلَيْهَا عَافِظُه مِلْ مُوقَوْلُ عَبِيلًا فِ مَوْجِ مَعْمُوْ ظِلْه فَإِنْ تَكُو تَوْ فَقُلْ حَسْبِي اللَّهُ لاَ إِللَّهَ إِلَاهُوهُ وَعَلَيْمِ تَعَكَّلْت وَ هُوَدَتِ الْعَوْشِ الْعَظِيرِهِ اس كه بعدْ بن مرتب يَا حَيفِيرُظُ. كَبِو بِيرْمِي مِارِبِيْرِي يَا حَنِيْظُ احْفَظْنَا ٱللَّهُ مُرَّاخِرِسَا بِعِيْنِكَ الَّقِي كِتَنَامُ وَاكْنِيْنَا بِكُنْفِكَ الَّذِي لَا مُتَرَامُ پیرتین باریا آدنده برطهوا و دین باریارت افغلیان ، اب دائره کے تمام لوگ اور نم نود می بالکل خاموش موجاؤی املی می بھی بات چیت در کی جائے، ان شاء ادار تم لوگوں کو کوئی بھی مذوبی سکے گارا ورکوئی بھی حزر مذہبی بسکے گار بہت مجرّب مل ہے۔ (فیومن قرآن)

نواص موره الهرات بارسوره الراسط مختفی قرصندار موکیا اگرده دوزانه ساست بارسوره اکل محواص مورد انهاست بارسوره اک مائیکا اورا در تشریعالی نعیب سے اس کی روزی کا سامان اورانتظام فرما شے گا۔

مواهم موره قساع اس موره كوسات مرتبه بطره كمر بان بردم كركيميان بوي مواهم ميان بوي مواهم كركيميان بوي مواهم مي الموجائي كالموجائي كالموج

مرص حفقان ذأى بوجائے كا -

متواص سوره و ما مکره المخفون اس سورهٔ کو روزانه بیرسے گا وه تعطا ورفاقه سے متواص سورهٔ و ما مکره استفاع بومیا با کریگا، اس سوره کو تکھ کراور دھو کراستسفا دیے مربین کو میلادی تو اکرام مومائے گا۔

رہا ہوا ہے۔ خواص سورہ انعام اس بے پڑھنے سے برطرے کا مشکل آسان ہوجاتی ہے۔ خواص سورہ انعام اس کے بیار سنکل دُور ہونے کے بیے ایک بیٹیک ہی

اس كواكم ليس بارير صور

تواص موره اعراف آئی بار پرهد کرماکم کے پاس میاؤ حاکم مہربان موجائے موجائے موجائے موجائے موجائے موجائے موجائے م مع تعد فوز ار موجے ۔

مريد المريد المورة المريد موكبا بوسات باراس سورة كوير موكبا بوسات باراس سورة كوير سط مي المريد المر

، الكياره مرتني في حكم ك سائت جاؤوه ترى س ا ـ بياره رمبه بي تواص موره كويم ايش آئ كار ۷۔ اس کا نفتش مال واسباب بس رکھو برکٹ ہو گی۔ تواص سوره فرقس المائية باريط من وشمن برفع مولى-تواص سوره فوس المرتيره بارير صف سيميست دوربهوتى سي-تواص مورہ مور انتمان برقتی یا نے کے بیداس کو ہرن کی حتی برنکھ کر ار حفظ قرآن کی سہولت کے بلے پیطائر رو اور اس کی برکت سے بیدا قرآن مجید حفظ کرنا أسمان بوجائے گا۔ ٧- يوشحض عهره سيمعزول بوكبام وهاس مودة كوتيره بارير صع عبده بحال بومائے گا۔ س رمفلس أدمى اسم يره كردعا ما تك ان شاء الشرحدروز مي عني موما ميكا . و میں اور اور کھیت کی میں اور کا دویار کا فروخ اور جس یاخ اور کھیت کی میں اور کھیت کی میں میں میں میں ہے جا دوں کو نوں پر

اس سوره كى ابندائ أيس لنوم يتفكرون كك المحكرون كردولكن وفن اس ط ح که و کر تعویز کو ما نگری می رکه کراور ما نگری کے منہ کو مندکر کے دفن کروتاکہ با دبی من موا اگرو نے والے یچوں پراندل ارپڑھ کراس مورہ کودم کردی تونیخے ہنے کھیلے لگیں گے۔

ہر ہوستحف جا دو کے زور سے نامر دینا دیا گیا ہو وہ روزا شواص سورة ايمانيم إني باراس مورة كوراهم، ان شاءا مشرجا دود فع ہوجائے گا اور نا مردی ڈورمجوجائے گی۔

ا اس سورة مير المسورة كو كورك كالتوبنر يبني والالوگون كانظرون بي المراس ميوب ميوكا . ٧ - اس كے كاروباري ترقى اور مدتى يى يوكت بوگى تواص سورة على الراس كونكور وشمن كدمكان بي دن كردي لوكم تواص سورة محل وبران بروجائ كاركميت اور باغ بي دن كردي تو سنیا ناس موجائے گا لیکن براسی دستمن کے یلے کرنا جائز سے میں کوتباہ كرنے كے يا تركيت ا مازت فيے۔ تواص سورة بنى السرائم المثل الركوني الإي كندوبن ما توتلا بموتواس سوره كو منك وزعفران سي الكركمولوا ورملاؤ، ان شاء الشَّدة مِن كل مِلتَ كا ودالِ كا فقيح ذبان والام وجائے كار اس مورة كو مميت برصف والابرص وجدام اور المنصور اس سورہ کر میں اس سورہ نو ہمیشہ برسے والاس و با اس سور میں واب کا۔ اس سورہ کا دیا اس کے میتنوں سے معنوظ رہے گا۔ ر الشان حال المريط المينان حال المريد المان المريد المين الم المن المورد المينان حال المورد المين المريد المين المريد المين المريد المين المريد المين المين المريد المين المي باع اور كمبت مي اسكايانى خال دوكو بيدا وار برص ما في كا شواص مورة الله المرائي كانكاح ندموة البوده الكيلي باريرسي ان شاء الله المواص معودة كالمان المرابطة المرابطة الم وانے کی روزی کتا دہ موجاتی ہے را وراس پرکوئی جا دونہیں بل سکتا ۔ تواص سوره البلياع البرشخص مدوزاند اس كونين مرتبه برطسه، اس كا دل تواص سوره البلياع الدرايان سه ردشن بوجا ما سيد راوراس كا رفي د **نواص سُورهٔ جج اکثی اورجهاز پرسوار مپوکرنین بارپِرُهولو، ان شاء استرسلامتی**

كرسا فف كشى تساحل يريني كى داوراس كى تلاوت سے جان ومال محقوظ رہے كا اس کی نلاوت کی برکت سے نماز کی کا پی دور بروجاً شواص سوره مومون کی فست و نجور سے نفرت اور شراب کی عادت جریث جائے گی۔ اس کاتعویتر سینمامقلسی کو دورکرتا ہے۔ مواص موری اور اس موری کورا می مان کا است ده بن با راس موری کورا می موان کا در اس موری کورا می موان کا در اس موری فنا کا رکونتین مرتب بیره کواوریا نی پردم کرکے بلادو، ان تشاما مشراس کی بربری فادی تواص مورة قرق ال اس كا تلادت سے ظالم كے ظلم سے بناہ بہے گااى اگراولاد آدم یا طافهان مود، ورخرارت کرتے ہوں تو شحواص سورة مستعمر ان كا صلاح كى نيت سے سات مرتبراس سورة كو يا ضوء يرص كردعا ما مكوان شاء الشداصلات بموجلت كي و در اس کوبرن کی مجتی میں کھ کرمندون میں رکھ دینے سطن محواص سورہ ممل ابچو دغیرہ سے دغیرہ سے مفاظت رہے گی۔ سيار کو تين روز تک اس موره کو با في پردم کرسے پلائي شحواص موره قصص ان شاء انتر شفاء موگی ما منعوض مذام دور کرنے کے لیے بہت مفید ہے۔ تواص سورة عليون الم دورك في يداس، سورة كو مات الرواص سورة كو مات الرواص سورة تواص سورہ وم انٹمنوں پر نتے یانے کے بیاے اسس کو اکیل بار تواص سورہ روم ایر سیں ۔

مواص مورة لهاف اس كوير مصنه والا كمين يا في بم غرق نهيس بوگا اود مربيرار المحاص مورد المان المربيرار المان الم

تواص مور کواس کواس سُورہ کے معاص کا پیغام نر اتنا ہواس کواس سُورہ توامس مورہ اس کا سنادی ہوجائے گا۔

تواص مورور کے اللہ مے اللہ سے عات یا نے کے یا اس کو سات بار اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ می اللہ میں اللہ م

لكه كرنغو بذبنا ؤاور بهن لور

شحاص مورد قاطر اگراسے روزانہ بلانا غربا وصوبرُ حاجائے تورو گائی شحاص مورد قاطر الری طاقت اور بلند پروازی آجائے گی را در نیبی تھیں کے مطفے کا انتظام ہوجائے گا۔

مواص موره ملی کی مُرده پراس کوبر صاجائے تواس کوراحت بلی ہے جو می اس کوراحت بلی ہے جو می اس کوراحت بلی ہے جو می نوارت کے لیے ان کی قریر جائے اور مُورہ لیلنین بڑھے توان کے اتنے گنا ہ مجنی فران کے اتنے گنا ہ مجنی

ميط جايش اس موره يي غنف مروفيي . (الدرالمنورطده ص١٥٥)

علام خواج اصحد ویربی نے الملک کی، میں لکھا ہے کر صفور میں اسٹر علیہ وسلم نے صفرت علی رفتی اسٹر علیہ وسلم نے صفرت علی رفتی السٹر عنہ سے فرمایا کر مشورہ کیلئی پڑھو، اس میں بمین الرکتیں ہیں (۱) بھو کا آدمی اس کو پڑھے تو آسو دہ کیا جائے (۲) بیاس براسے تو سیوب کیا جائے (۲) بیاس براسے تو الا بڑھے تو کہ اس سلے (مم) مرد بے عورت والا بڑھے تو مبداس کی نشا دی موجائے (۵) عورت بے شو ہموالی بڑھے تو مبدر شادی ہو جائے (۵) عورت بے شو ہم والی بڑھے تو مبدر شادی ہو جائے (۸) مساقر جائے (۲) بیمار بڑھے تو مبدر اس کی نشا موجائے (۸) مساقر

يرسط توسفري السُّدى طرف سيد مددمود ٩) عملين يرسط تواس كارنج وغم دورمو جائے (١١) جس کی کوئی چرکم مولکی ہو وہ پڑھے تو جو کھویا ہے وہ یا جائے۔ باتی برکتن كا ذكرنهبى كياب يمررة لليين كى ابك أيت سَلاَ طرقَوْ لاَ صَن رَبِ الرَّحديدِ كواك بزار حارموا نهتر بارير صوءان نثنا والشرحس مقصد سعير محصه مراد يوري بو كُ بنواج وبرني لكفة بي كريد مرب سبع اورسلامٌ قَوْلاً مِنْ رَبِ الرَّسِينيو كوبا نح جگرا يك كا غذير لكه كرنعوند باند صو توسواد كات اور سيرو عبره مع حفا فات رب كى- بوستحفى من كومور وليس يرسع كا-اس كالودادن اليما كريد كادر بوسمض رات بن اس کویر سے گااس کی بوری رات اچی گذرے گی - مدیث تراین میں سے کولئی قرآن کا دل ہے۔ (لسائی والوداؤد وابن ماجم)

منواص مورة الصاقات المولكة كان بن بن رستة بول وإلى الى مورة من من من من من المنظمة المالي مورة المنظمة المنظم

مِن كوئى ضرر مذ يسخا سكير كي-شواص سوره می انظربدکود فع کرنے کے بلے مات باراس سورہ کو

و اس کوروزان مات بارپڑھنے سے عرّت اور دولت محواص سورہ آمر عیب سے متی ہے۔

مصے محودے الحلق مول وہ روزار اس مورہ کواک ا برروه الارساد اوراگراس موره كوكه كردكان مي ا وزال كرى توخو مدار بحر مت اكيل -

م كا تكون كورة م السير الم كا تكول من كا تكون كا في عادمنه بوده اس موله كو من المولة كو من مولة كور الما كالمول من وحوث اوراً تكول یں لگائے یا اسی یا تی سی مرمر گھس کرا کھوں میں لگائے۔ ان شا والٹ و شفا م موگ

ا بوتشفص اس منوره كوروزامة ابك باريرهما رسيم كا . وه تواص موره موري البوستف اس سورة كوروزامة الم شواص مورة مسوري المنزون يرقا لب رسطاكا . اس كوسات بارروزار برصف سے تمام حاجتنی دوری بونی شواص سوره رخرف این دراس کا تعوید تنام امراض کے بایر شفار سے كو أن مشكل در بيش بونواس كوسات باريط صبى اقل وأخر تواص سوره در تعال البه كياره بار درود مترلف عي يره لين -چائے گارا ورخاتمہ بالخیرجوگار اس کادم کیا ہوا یا نی آسیب والے کے لیے ہمت شواص سور و استفاف فائرہ مندہے۔ شواص سوره عمل اس کواب زوز مین مشک وزعفران حل کرے لکھوااور شواص سوره محمد ایمد عرب وعظمت سے گی اورطرح طرح کی بیاد بوت شفاها ما سرگ معامی رہ ہوں۔ محاص سورہ فی استان کا چا ند دیچہ کراس سے سامنے بڑھا جا سے نوانستا اللہ تواص مورہ جرامت المحبت مرول المترصى الله عليه والم اورايان كى سلامتى اور المان كى سلامتى اور المواق المرائي اور المواق المرائي المرائ

اورکھیتوں بر حیول دیں۔ بے شمار خیرور کمت ان شا والشد ہوگی۔ اس کوستر بار بات المحرسة بار برصف سے آدی عنی بوجانا ہے ۔ اور نواس سورہ دار مارت المحمد من بوجاتا ہے۔ الكرميذاي اس كوبرسط شفاياب مواكرمما فربر هص مفري باؤ شواص معوره طور الرحدان الويرك سياية اوراً فون سع مقوظ دري -اسے البین باریر صفی ہے۔ مواص معورہ مجم المرصنے والا دشمنوں برقتے بانا ہے۔ المرصنے والا دشمنوں برقتے بانا ہے۔ ا سے اکبین باریر صفے سے حاجت براتی ہے۔ اوراس کا شب جعد بي اس كوفر صف سي دشمنو ل يرقتح التي بعداور تواص سورة فم مراوي لوري موتي يس -السيكياره بارير صف سے تمام مفاصد توريموت بن سكوكا تواص سورة ال الدرد مورطال كرامن كوبلانا مقيدب المتكوة علداص ١٨٩ مي عدبت بعدكم وتحف روزار مورة شواص سوره واقتم واقعم واقعديرُ سط كاس كوكهي فا فرنه موكا بصرت نواجهم لله صاحب رحمر الشرعليه فرماتے ہي كرا وائے قرض اور قا قر دُور كرنے كے بياش كو لعدمغرب يرصور (مرقع كليميص ١٤١) بع<mark>ق بزرگوں کاارشاد سے کرمغرب کے بعد بلاکھیر ہات کیے مورہ واقعہ</mark> يره كريرد عايرهو: ٱللَّهُ قَرِيا مُسَيِّبَ الْرُسْبَابِ وَيَامُفَيْحُ الْرَبْوَابِ وَيَاسِرِيْعَ الْحِسَابِ

بهادا دى بادنتن سع برلينان ادمى اس كولكه كراسيف ياس تواص مورة صريد ركع توان شاء الشريباري اوريد ليتاني دور موجائه ي ا در لعن يزرگون كا قول بد كريوتخف اس سوره كولكه كرايت ياس د كه كا . الوار وغيره كيهملول سي محفو طرب كا. دُوت خصوں یا دو جا عنوں کی با ہمی سِنگ و حیدال حم <u>کمنے</u> تواص سورہ مجادلم کے بیداس کا بڑھنا مقیدہے۔ مر عرب الرعاجت براری نے بلے جار رکعت نما زیر می جائے تواهی موره اور بررکعت بب سوده مشرابک با ریم هی عالمے توانشا الله حاجت پورې د گاري . جيني کې تختي مراس کو مکھ کريٽيا نسيان کا علاج سيد - اسس موره كي أخرى بن أيني بهت اللم بي حريث بي عدان أيتون عمام عظم "معد رو عرفیمی جس اوی کی شادی منرموتی بهواس کے لیے سورہ متحنہ تعما یا نیج بار طرحی جائے۔ان شاء النداس کا نکا ح کی تمک بولر كامان با پ كا نافران بيواس يرتين مار مورة صف الره كردم كردد . ان تناوا نند فرما تبرداد بهوجائ كاممار اس کویر سے توامن وامان سے رہ ہے روزی می تعرورکت ہو۔ عرص میاں بیوی بی اگر مخالفت ہوجائے توجمعہ کے ون اس شواص سورة معم المرة كوتين باريره كرا وريان بردم كرك دولون كوبلا دوى دونون مي ان شادال مواقفت موحائے گا۔ تواص سُوره مما قِقون المبنان الدائر الله مي درد بونواس كويره كردم كرد-تواص سورة طلاق ارتح وعم دوركف كے بيدامد ہر بيارى سے شفاء

کے بیراس کی ملاوت بہت مفید ہے تحواص مورة محريم إدائة زمن اور حصول عناك يداكبن باريهمو تواص سوره ملک الاوه عذاب فرسے محفوظ رسے کا درجی نسانی) منازين اس موري عم<mark>ر المول المن المورة كوبرُ عصف سے نقرونا فردُ وربو جا ناہم اور شربار معنی میں موجا آن ہے۔ شخواص معمور کا کول ایر صفر سے شیالمخوروں سے حفاظت ہوجا آن ہے۔</mark> تواص مورة ما قر البافى بردم كرك أسيب زده كوبلاً ويستواص مورة ما قر المربية زياده مفنا بواس كوهي ميلاً و س بجب بجريدا بونونهلانے كيداس كاير صابوا يا في تح كومن يرالاد توبحيران شاءالله بمبت فرمن موكار احتام کورو کنے کے یا اس اور اور کا معیاری استان کورو کنے کے یا اس معیاری ایران مغیارے استان کورو کئے کے ایمان معیاری ایران مغیاری ایران ایران مغیاری ایران ایران مغیاری ایران ایرا اس کی ثلاوت و تمنوں پرغالب اسے یے بہت محاص سورہ کو ح اس کی تلاوت سے اکبیب اور جموں کا اثر دور بہوجانا شحواص سورہ جس اسے شواص سُورُه مرّ مل این کو گیارہ بار پڑھنے سے ہرمشکل آسان ہو تواص مرور فيامم اس كويره كرياتى بردم كرك ينية سے فلي بي نرى الد

رنت پیدا ہوجانی ہے۔ اور روزانہ ٹرصفے سے مقبولین ما مس مہونی ہے۔ اس کو بکرت برجاری می می دارد بر من سے علم و مکمت کی با بنی زبان برماری می اور بی برکت میں برکت سے دوری بی برکت ای کوبڑھ کردم کرنے سے ہرمن ناص کر ہوڑا تواص سورہ مرسلات ایتا ہو جانا ہے۔ اس کو بھی سے منعف میں منا کا ایک مفید ہے۔ معزت محصول منا ایم مفید ہے۔ معزت خواج نظام الدین اولیاء علیه الرحمة نے فروایا سے کر بوتحض عصر کے بعداس مور و کو يا يح منترير ص كا وه البير عشق اللي موجائ كا- (والدالفواد ص ١٩) تواص سورة والتارعات المعنف روزار اس كوير صاس كوجان كى كى اس کی تلاوت نظر کی کروری اور د تو تد سے پڑھ کر آ تھوں بردم کرنے سے استوب بہتم اور جالا دخر ا دور بوجانا ہے اور اگراس مورہ کو زعفران سے تھو کر سا روز تک نامز د کویلایا جائے توامید ہے کہ انقلاب حال مشروع ہوجائے گا۔ اسس كى تلاوت كى بركت سے تيرى جلاچوك تواص سُورة القد ا جا ماسیے۔

مواص موره معلیت است جرم طرحه دو کے ان شاءاللہ وہ دیک سے مواص مورہ مطلب کی اور اگر مکھ کر بانچھ عورت کے محلے می تو بزین دو توان شاء اللہ وہ صاحب اولاد ہوجائے گی۔ شواص مورة المتمان إلى نيخ كا ددوه جيرًا مَا مَنظور مهواس سُورة كانعوبذيها على المنظور مهواس سُورة كانعوبذيها مع بہت جلد بیرائش موجا قاسے۔ تواص سورة بروق معرك بعد الادت كرف سه كبيوار عيسى سع كبا تواص سورة بروق من ماتى س. تواص سوره طارق اگری شرکونج یا درد پیدا موجائے تواس کوپڑھ کردم تواص سورہ طارق اگرنے سے ان شاء اللہ کرام ہوجائے گا اور بوامیر کا مربعن پڑھناسے نوان شاواللہ جدشفاءیائے گا. بھواص سورہ اعلی اگرمسافر پڑھتار ہے سفر کی تنام آفتوں سے محفوظ مہے اگا۔ تواص مورہ عامیر اس کو بڑھ کر دم کرنے سے مربین کو شفاء بنی اعس مورہ عامیر التی ہے۔ تواص موره في ادهى دات كو پڑھ كراكر بيوى سے محبت كريں تونيك بخت اولاد بيدا ہوگی -مواص مورة بلد اس كوير هف سے اس وعا فيت اور لوگوں كى مجت سے ی ۔ اس کو اص سورہ واسمس اس کوپڑھ کرمرگی وائے کے کان میں ہیونک مانا بہت مغبرہے اگر کری کے دودھ پردم کرکے بعذبات أدى كوبلاقد ان مثناء المثر بدزياتي جاتى رسيصكى -جارا انخاروا الے کواس کا تعویز براتھ بخش ہے۔

تواص موره و اس کو ۳۵ مرتبر پڑھ کردُعا مانگین نوان شا الشریعا کا موا تواص موره واسی اسی دائیں آئی والی آئی استے گا۔ تواص مورہ الم تشری اس مال پر توید نے بعد تین مرتبراسے پڑھ دیا جا تھواص مورہ الم تستری اس بیان شاء اللہ حوب برکت ہوگ ۔ تواص موره والمتن اس كوروزار بين مرتبر وبطه كاس كا فلاق وكرمار تواص مورة والمتن الما المادة وكرمار سے روزار برصورہ یاک دصورصو کر بلا تے رہی توان شاوالندار کا حسین وجیل بیدا بوجائے كا مقيد جينى كى لمشرى برزعفران سيكه كريلائي . تواص مورہ افراء فرکے پہلے مات مزنبراس مورہ کو ٹیصر کا داد سے کرنماز فرام افراء فرکے پہلے مات مزنبراس مورہ کو ٹیصر کہ تلاوت کا یک كبره كرن اور كبره مي حَسْبِي اللهُ وَنِعْمَا لُوَكِيْلُ، نِعْمَ الْمُوْلِل وَ بَعْمَ النَّهِ لِيُوْمِات مِنْهِ يُرُّعِيلٍ ـ يا تواص موره قرر اس كاعزت برها مي كان بن تين بار برسط كار النداما میرا می مورده بیت ایران اوریزفان کا علاج سے ترکیب یہ سے کراس مورہ کا مورہ کا میں مورہ کا مورہ کا مورہ کا مورہ کا میں مورہ کا مورہ ان شاءالله صحت مجوجائے می تواص مورة زلرال يرسورة جرتفائي فران محرابهداس كوسترمرتبه مواص مورة زلرال يرصف سي شكل دور موجاتي ها دراس كرير صف سے اسیب دور ہوجاتا ہے۔ سے آمییب دور ہوجا ما ہے۔ میں آمییب دور ہوجا ما ہے۔ مواص مور و والعاد مات کو پڑھ کرد نظرد فع ہوجا کی ، ورد جرد الے کو کورٹھ کرد نظرد فع ہوجا کی ، ورد جرد الے کو

يرا كمدكر وحوكر فين ون تكريل في -اس سُورهٔ القارعم اس سُورهٔ كوابك موابك بارتره و ينه سع نظر دفع مو موات معان من الكرك أف سع بلاُول سعامان من الكرك أف سع بلاُول سعامان تواص موری می ایم ایم ایم ایر برار آینوں کے برابر سے اس کو تین موباد بڑھنے سے تواص موری می ایم ایک کا اگر کری مردہ ىلا فائت كرنى بوتواس شورة كوتشب بمعرى ابك بونيره مرتبه بطيط كرموجا ؤ_ اس کو پڑھنے سے عم دور موجا ما ہے مصیب ذدہ پر کے سات مرنبراس سورے کو پڑھ کردم کردو۔ وتمن کے شرسے حفاظت کے میسے روزانہ گیارہ تواص موره الهمزه مرتدر رهو ا و مراق المرام من كالمرسع حفاظت كه ياس سوره كوايك مو الكرم المرام المر مر میں میں میں جان کی مفاظلت اور فاقر سے امن کے لیے دوزاندا مواص سورہ فریس المورہ کوت نیس مزنبہ پڑھنا مجرب ہے۔ بڑی مشکل میش کیا ئے توامی شورہ کو ہزار بارٹرصنا ایہن مفید ہے۔ <u> حواص شورهٔ الما</u> م میں الم المور میں الم ولد ما حب اولاد بوجائے اس کے لیے اس سور اولاد موجائے اس کے لیے اس سور اولاد موجائے اس کے اللہ المور میں المور میں اللہ میں ماہ مک پڑھنے کے بعد ان تناء الله حل قرار با جائے گا را در آوی صاحب اولاد موجائے گا-برچ نفائی قرار سے جو مزورت اتوار کے برابر سے جو مزورت اتوار کے تواص سورہ کا قرون اس سورہ کو پڑھے اس کا کام بن جائے گا۔ معراص معرف کے لیے اس کو مجرزت بڑھنا معراص معرف کے لیے اس کو مجرزت بڑھنا

مواص موره المواص المرادة المارة المارة المارة المارة المارة المرابية المرادة المارة المارة المارة المارة المارة المارة المرادة المرادة المارة المرادة المرادة

مرگیا نوصربت کا بیان ہے کہوہ قریمے دبویضا ورفر کی منگ مے مذاب سے محفوظ ایہے گا ورفع مت مے دن زستے اس کوچاروں طرف سے بھرسے میں سے کرا وراینے با نووں

پر مٹھا کر ملھرا طبارکرا دیں گے اور جنّت میں پہنچا دیں گئے۔ موسیحفی اس سورۂ کو جسے وسٹام تین آئیں مر نبر پنھے لکھی ہموٹی دعاکی صورت ہی ٹیسے

كادان شادا نشداس كى مردعا بورى موكى ، يرصف كى تركيب يه سهد

بِسْمِ اللهِ الرَّحْمُنِ الْتُحِيْمِ وَ الْحَنْدُ اللهِ وَمَالْمَ الْمَا لَكِيْنَ وَ وَ الْقَلاةُ وَاللهُ وَمَعْمِهِ وَسَلَّمْ وَ قُلْ هُوَ اللهُ أَحَدُه وَ القَلاةُ وَاللهُ وَمَعْمِهِ وَسَلَّمْ وَقُلْ هُوَ اللهُ أَحَدُه وَ اللهُ وَمَعْمِهِ وَسَلَّمْ وَقُلْ هُوَ اللهُ أَحَدِ وَاللهُ وَمَعْمِهِ وَسَلَّمْ وَقُلْ هُوَ اللهُ وَكُنْ مَنْ مُولِلهُ وَكُنْ مَنْ مُولِكُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُ وَ اللهُ وَاحْدُو وَاحْدُوا وَاحْدُو وَاحْدُوا وَاحْدُوا

تَعَالِى سَيِّدِ نَامُ يَحَمَّدٍ قَا الِهِ وَصَحْيِهِ وَسَلَّمَ ه

شواص موره القلق والتاس المسمح مسلم مي مديث سي دائن وبناه ك المسمورة من ومورة السيسي كونى مورة من ومورة السيسي كونى مورة مة ويكو سك مان دونو سورتول مي جن وشيطان اورما مدول ك شرسه محفوظ رسنت ك بيند مورتي درج محفوظ رسنت ك بيند مورتي درج دي بيند مورتي دي بيند مورتي درج دي بيند مورتي دي بيند مورتي دي بيند مورتي درج دي بيند مورتي درج دي بيند مورتي دي بيند مورتي دي بيند مورتي دي بيند دي بيند مورتي دي بيند دي بيند مورتي دي بيند مورتي دي بيند مورتي دي بيند دي بيند مورتي دي بيند دي بيند دي بيند دي بيند مورتي دي بيند د

ا مسحور پر توفور نه دونون مورتون کو پڑھ کر دم کرنے سے ان شاء اللہ سے کا انر ذاکن مجوجائے گا اور اگر بانی پراتنی ہی باد پڑھ کر دم کر دیا جائے اور با یا جائے جسید بھی جا دو ٹوٹ جائے گا ۔ ۲ ۔ اگر گبارہ گھیا یہ مرتبر بھی پڑھیں جی بھی فائدہ ہوگا گرکئ روز تک البیا کرنا ہوگا ۔ ۳ ۔ جن پچول کو ان دو توں مور توں کا تعوید بینا دباجائے وہ جن و شیطان اور تمام نرم سیے جانوروں سے محقوظ رہیں گے۔ (فیوض قرابی)

دوسر فرنگف عملیات

دماع کی مروری او تحوں نازوں کے بعد مربر دا ہنا ہات رکھ کر گیارہ مرتبر کا جماع کی مروری

منظر کا کمر ور مهوتا اینچوں نما زوں کے بعد گیارہ مرتبہ یا نور برطرہ کر دونوں ہا مقوں مرتبہ کا نور برطرہ کر دونوں ہا مقوں مرتبہ کا تعموں مرتبہ کی اس مرتبہ کی مرتبہ کی اس مرتبہ کی مرتبہ کی اس مرتبہ ک

رَبِان مِن الْمَنْ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ المُعْلِمِينَ المُعْلِمِينَ المُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ الْمُعْلِمِينَ اللَّهِ الْمُعْلِمِينَ اللَّهِ الْمُعْلِمِينَ اللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ م

وَاحْدُلُ عُنْدُةً مِنْ لِيمَافِيْ يَفْقَهُوْ اقَوْلَى .

ا تحملان قلب إيراً بت بيتم الله ميت الكوكر تطفي بن با تدصيب و دوا تنالمها التحملان قلب إرب كرنعويدول بويطرار به :

مِسْرِ اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْمِ وَاللَّهِ فِي المُنْدُاوَ مَطْمَيِنَ قُلُونِهُ مُرْبِيْهِ لِيَهِ وَ مِنْ رِوْمِ اللَّهِ مِنْ مِنْ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ المُنْدُ الْوَصِّلُونَ قُلُونِهُ مُرْبِيْهِ وَ

اللهِ الدَبِذِ كُو اللهِ تَعُلَمَ يَنُ الْعُلَوْبُ

رَكُل عُمْرِه بِهِ نَا إِس آبِت كوظه كرتك كى جُكْرة نعيق فيتراشو الدَّحْني الدَّحِيدية

ذٰ لِكَ تَغْفِينُهُ ثِنْ رَبِكُمُ وَرَحْمَتُهُ ه

مِحَامِ الْرَبْغِرِجا رَّے کے ہونو یہ آیت کھ کر گلے میں با ندجیں را وراسی کو بڑھ کر مِحَامِ الْرَبْغِرِجا رَّے کے ہونو یہ آیت کھ کر گلے میں با ندجیں ۔ اوراسی کو بڑھ کے بڑھ ا ق سلمنا علی اِبْرَاهِ یُنَعُمُ اوراکُر بخارجا رُّے کے ساتھ موقویم آیت کھ کر محکے میں باندھیں : بینمیرا شوال تر عملوا الرّحیدی و یسمیرا اللّو مَجْدِها وَمُوْلِسُهَا إِنْ رَبِيْ لَعَفُو وَرَجِيدُمَوْ الْ

ایک صاف خصیالیسی کواس پر یده عالمین مرانبه بره کوه کوه وی اور می در اور می دون بی دوج که می اور می دوج که اور اس می پر تقور اسا با نی جیم کرده می تکلیف کی حکم پردن بی دوج که با در صد می بارس لیا کرده می در می بیر بیرم کی لگاکه بی با نده می در سری بیر

گھرو<mark>یں سے معانے سے مصلانا</mark> کیا ہے۔ کی جارگیلیں نے دایک ایک کیں پیچیس گھر<mark>ین سے معانے سے مصلانا</mark> کیا ہے۔ میں مزنبر ہے آیت دم کو کے مکان محے چارتو کو نوں پرزمین میں کا ڈویں ران شاءانڈ رسانے اس گھر میں نہیں مصلے گا اور آسیب

مجى بيلاجائے گار آيت يہ ہے : دِشيرا شوالتَّ خَلْنَ التَّحِيْدِهِ اِتَّهُمُ تُكِيْلِكُونَ حَيْدَ اوَ النِيْدُ كَيْدًا ه

ما و فر المحت كا كا سط لينا المورد كرى بول أيت كودونى يا بسكت كر و المراب كا بسكت كر و و في يا بسكت كر و و في السكت كم المحت المحت

بالجيمون المجيمون المبين لونكي سے كرمرا بك برسات سات باراس أبت كو برطے اور ما تجيمون اللہ من ون عورت مين سے باك مورة عسل كر بداس ون سے ايك لونك روز مروس نے وقت كھا نامتر وع كر ب اوراس پر بانى نبر بو ب اوراس درمان بي من ورشوم كے سافة موس نے . آبت يہ ب : بشيرا شيوا لدّ خيلت الدّر حيثير ، أوْلَفُلْكَةِ مَعْرَورَ مُومِ مَعْ مَعْدُ مَعْ مِنْ فَوْ يَهِ مَدْ الْمُ مِنْ فَوْقِهِ مِسَعَا بُ فُلْلَمْكُ بَعْفَ اللّه مَا وَاللّه مَدْ اللّه وَمَنْ فَوْقِهِ مِسَعَا بُ فُلْلَمْكُ بَعْفَ اللّه مَا وَاللّه مِن وَاللّه مَا وَاللّه مَا وَاللّه مِن وَاللّه مَا اللّه مَا والله مِن كُورَ اللّه مَا والله مِن كُورَ اللّه مِن كُورُ اللّه مَا والله مِن كُورَ اللّه مِن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه مَا واللّه مِن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه مَا واللّه مِن كُورُ اللّه اللّه مَن مُن اللّه مِن كُورُ اللّه اللّه مِن كُورُ اللّه مِن كَاللّه مَن اللّه مِن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه مَن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه اللّه مِن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه اللّه مِن كُورُ اللّه مِن كُورُ اللّه مِن اللّه اللّه مَن اللّه مَن اللّه مَن اللّه مَن اللّه مِن اللّه مَن اللّه مِن اللّه اللّه مِن اللّه مُن مُن اللّه مَن اللّه مَن اللّه مَن اللّه مِن اللّه مُن اللّه مِن الللّه مِن اللّه مِن ا

حمل گرجاتا اس آیت کا تعوید بنا کر کرس با ندھ اور تعوید ناف کے نیچے براو ممل گرجاتا مررہے ۔ بیٹی الله التر شال الرّعینی و اصْدِوَمَا صَبْحِك اِلّا بِاللّهِ وَلَا تَنْعُونَ عَلِيْهُ مِدْ وَلَا مُكُ فِي ضَيْقٍ مِمَا يَدُكُونَ وَإِنَّ اللّهِ مَعَ الَّذِينَ النَّهُ الْ

سر الموائن اور کالی مربی اده او می اوه اوه با فی اور کر بیر کے دن مودج بیری مردج بیر کے دن مودج بیری مرد می بی کی مرد در مرد می مردی بیری بیری بیری بیری بیری با بی این اور کالی مربی بردم کر کے اور شروع میں سے دودہ می بیری کی اور شروع میں سے دودہ می طالب کرے۔ میں سے دودہ می طانے می دور ان تفویلی مقولی اجوائن اور کالی مربی کھا لب کرے۔ ان شاء اللہ اولاد زندہ رسے گی ۔

بربان س يم الله مين بن بن بار بره كر نيخ بردم كرسه اورب تعويد الكه كرنيخ كه كليم به بنائم : يِسْمِ الله الرّحَعْنِ الرّحِينِ اعْوَدْ بِكَلِمَاتِ اللهِ التَّامَّاتِ اللهِ التَّامَّاتِ مَنْ شَرِيعًا مَنْ شَرِيعًا مَنْ شَرِيعًا مَنْ شَرِيعًا مَنْ شَرِيعًا مَنْ شَرِيعًا مَنْ اللهِ التَّامَّة عِنْ شَرِيعًا مَنْ فَقَيله وَعِقَامِهِ وَمِنْ شَرِيعًا وَمِنْ شَرَيعًا وَمِنْ شَرِيعًا وَمِنْ اللهُ التَّامَّة وَنَ وَصَلَى اللهُ تَعَالَى وَمِنْ شَرِيعَا وَمِنْ هَمَن اللهُ تَعَالَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ مَعْ مُن وَصَلَى اللهُ تَعَالَى عَلَى خَيْرِ خَلْقِهِ مُحَمِّدًا وَصَحْمِهُ وَصَحْمِهُ وَمَن وَصَلَى اللهُ تَعَالَى عَلَى خَيْرِ خَلْقِهِ مُحَمِّدًا وَصَحْمِهِ وَصَحْمِهُ وَمَن مُعَالَى اللهُ مَعْ مُن اللهُ اللهُ وصَحْمِهُ وَمَن مُن اللهُ المُعَلَى اللهُ الل

مرس ان داور ما می احراص می ان داور می بر کھانے بینے کی جیز بریرورہ آتا استدر میں میں ان شارا سند میں میں ان شارا سند مفا کلت رہے گی۔ اور جی کومرض موجائے اس کوجی کسی جیز بدد کرکے کھلائیں

بلائي ران شاءان شفاموگي . معرف الرحن برها در المات زنگ كا كُنده ما كراس پرسوره الرحن برهاس ادر معن برها در معن ادر معن المرائي ادر معن المرائي المرائ

لگادیں ۔ بھر میگنڈہ بیچے کے گلی ڈوال دیں ۔ جیک سے حفاظت رہے گیاور اگر جی کی نکلنے کے بعد دالی نوان شاء اللہ جی کی زیادہ تکلیف نہ

مرود صم مرون المسير ملا يتن ممك برسات باربط حرار وى وال مي كملا يم دود صم مرون الدرم الترمميت دونون البنون كوبط صبي في ايت عالو اللهات مرفي عن الالاد هن تعول في عمل في لين اراد ان يُوت السرّض احدة وومرى المين وان تعد في الانكام ليوبرة ما مسقية كُمْ في مكافى بطوين من اسب ين فرد ود عراب كالما المكاسان كاليشادي قدة

مراب کو کو نا کے کیے این بوائی اور اسی طرح پڑھے ہیں بہنائی اور بانی پر بڑھ کر ماد کا میں میں میں میں کو میں کو میں میں میں میں کو میں کو میں میں کو میں کو

ركى برى لكن بالمب بم مع المرتبلا بن اوربان كى عجروال وب ينوالله التوندن التحديد و فكتا المقولة الكورة المرتب التحديد و فكتا المقولة المرقدة المرتب التحديد و فكتا المنظرة المكفرة المكفرة المكفرة و في المنظرة و المناس بورى بورى بورى بورى المناس المرتبي المرتبرة و المناس المنظرة و في المنظرة و في المنظرة و المناس المنظرة و المنظرة و المناس المناس المناس المناس المنطرة و المناس المنطرة و المناس المناس المناس المناس المنس المناس المنس المناس المناس المناس المنس الم

المركم على الموارى كى رَباد فى الركم عورت كواتام الموارى زياده كت بهوا اوراس المراس المراس المراس المراس المركم عورت كواتام المركم وكور تعويد كليم المراس المرود واننا برام وكرنعو بذنا ف سك ينج يوط الرسيد : في في الله الدّ المركمة عن ما أن المركمة عن ما أن المركمة والمراس المركمة والمركمة و

عامب کووا میں بلاقی الرکن کا لوائ با کوئی بھی کہیں چلاگیا ور لا بتہ ہوگیا تو اس نور کی ایک کو کا میں مولکی اور کا بتہ ہوگیا تو اس ندو ایک میں دو تجفروں اس ندو ایک کو علمی بی دو تجفروں کے درمیان اس طرح رکھ دیا جائے کر اس برکسی کایا دُس نزیڈ ہے ، پی تقریز ہول تو جل کے درمیان اس طرح رکھ دیا جائے کر اس برکسی کایا دُس نزیڈ ہوں تو جلی اس کا بیٹ سے دوبیان اس کو دہا دینا بیا ہیئے۔ اور لفظ فلال کی جگر اس لابیتر کا نا کھیں۔

يشمِ الله الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْمِ و اللهُ كُفُلُماتٍ في بَحْرِ لِسِّحِيْمِ يَعْنُ مُونِعٌ مِنْ

بودنما دعناك و در مراده كلي ده كلي ده كلي ده كلي ده كلياده كرند و كلي ده كلياده مرتبه مرت

بي ولكارياده روما يرتعويد الحكر برون كميد كلي بيها يش.

﴾ نَمِنْ هٰذَالْعَكُونِيَّ تَغْجَبُونَ وَتَصْعَكُونَ وَكُولَا تَكُونَ وَكُولَا تَسْبَكُونَ وَكُولَا تَعْبُونَ وَلَبِنُّوا فِي كَمُهْ فِعِفْرِ ثُلْكَ مِا صَّةٍ سِنِيْنَ وَازْدُا الْحُولِيَتُكُا ا

| 444 | | |
|-----|---|---|
| 5 | d | ب |
| 7. | 4 | ÿ |
| 7 |) |) |

در دم مرسك المعلى المع

ر مراد میں ایر میں ایر میں با ندھیں اور می طرف در دموا دصر تعویز رہے۔ دردِ مراد صاحب کی اسر میں با ندھیں اور می طرف در دموا دصر تعویز رہے۔

| 4/19 | | |
|------|-------|--|
| محتد | احمد | |
| مرتف | مصطفا | |

صَلَّى الله تعالى عليه وعلى راسه الشريف والم وصحبه وبارك وسلم

يبخد مفير باتيس

ر صَلَى اللهُ عَلَى اللَّهِي الْاُمَّتِيِّ الْاُمَّتِيِّ الْهُمَالِيهِ صَلَى اللهُ عَلَيْرُوَسَلَمُ اللهُ وَسَلَمَا عَلَيْكَ يَارُسُول اللهِ مِد

اس درود شرای کو بعد نماز جمعه مدینه ممنوزه کی طرف گرخ کرک اورادب کے گئے مانند مانده کر ایک سومز تبر پڑھیں تو دین و دنیا کی بیشیار نبعتو ل سیسر فراز ہوں سکے۔ ۲ - مسجد بی پیملے د امنیا فذم رکھ کروا خل مہوں اور بیر ڈعاپڑھیں :

ٱللَّهُ مَّرًا فُتَعَمِّ لِيُ الْجَوَابَ رَحْمَتِكُ-

٣ - مسجد سے نكلت وقت بهل بابان قدم با بركالوا وربي و عابر هو: اللَّهُ رَّافِيْ السَّنَكُكُ مِنْ فَضَّلِكَ -

٧ - چاتدد ﷺ بردعا پڑھو: اَلَهُ مَدَا حِلْهُ عَلَيْنَا بِالْاَمْنِ وَالْوِيْمَانِ وَالتَلاَمَةِ
 وَ الْوَسْلَا وَ مِلْ وَ قُرْتُكُ اللّٰهُ يَا هِلاً لُ-

۵ - کِشَی اورجهازبرسوارمهونے وقت میر دما برصی امن والان سے مفرتم م موگا۔ بِسْمِاللّٰهِ مَجْدِهَا وَمُرْسَلْهَا إِنَّ رَبِيْ لَغَفُورٌ زَّحِدِيْدٌ وَ

4 _ موٹر، ٹرین ، رکشا، ہوائی جہازوغیرہ پرموار ہوتے وقت یہ دعا پڑھومسلامتی سے بہر کے شبعطی الّذی سَخَرَلَنَا هٰذَاوَ مَا کُنّاً لَهُ صُفْرِبِیْنَ ہ

ے۔ جب مونے لگے توبر دعا پر احد ہے۔

ٱللَّهُمِّدَ بِإِ<mark>سْمِكُ ٱمُرُثُ وَٱخْمِلُ.</mark>

٨- جب موكر أعظ نوير دُعاير ع:

ٱلْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي ٱخْيَا مَا يَعْدَدُ مَا أَمَا تَنَاوَ إِلَيْهِ السَّنَّوُرُهُ

ور جب كوئى دُراوُنا يا بُرانوب ديجها درا تكه كلمن جائة توتين مرتبه يه يرسع:
اَعُوْدُ بِاللّهِ مِنَ الشَّيْطُي الرَّحِيدُهِ كِيرِ تَمِنْ مِرْتِهِ با بَنِي طرف خفو كه بعرا كُر سوَا عِلْهِ اللّهِ عَلَى الرَّعِيدُ كَارَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلِي اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَ

٠١- بحب آممان سے كوئى مادالوثما بوا نظرائے تونكان تى كرسے اور بردعا برسے: مَا شَاءَ اللّٰهُ لَاحَدْلَ وَلا تُحَوَّةً إِلَا بِاللّٰهِ ط

الد كوره الدرع المدرع المكرم وفي المصيب المصيب الدوكود بكف تورد والمره له المراد الدراء المره المره المره المراد المرد المراد المرد المرد المراد المرد المرد

اس دیماکو ہو جسے ٹرھ ہے وہ دن میمز ہر سیلے جا توروں سیے محقوظ سے سے گاا ور جوشل کو پڑھ سے وہ داست میمران جا نوروں سے امن وا مان میں دسے گا۔

١١٠ فرص ا وابو ف كادعا:

ٱللَّهُمَّ اكْفِينَى بِحَلَا لِكَ عَنْ حَرَامِكَ وَٱغْنِينِي بِفَضْلِكَ عَمَّنْ سِوَاكَ.

ہرنما ذکے بعد گیارہ مرازہ اور جسے وشام سوسوبار روزانہ برصے اوراول وا تر بن بین بار در ورشر لیف بھی بڑھ سے۔

مهار بازار می داخل بولوبه کلات برها ب

لاّ اِللهَ اِلَا اللهُ وَحْدَةَ لاَ شَرِيْكَ لَهُ لَهُ الْمُلُكُ وَلَهُ الْحَمْدُ يَحْيِيُ وَيُعِيثُ وَهُوَ حَتَى لاَ يَمُوْتُ بِيَدِي الْحَنْيُووَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْئِ عِلَيْهِ وَهُو يُورُو

٥١ر جب نبالباس بيف توير يرسع:

ٱلْحَمْدُ يَنْهِ اللَّذِي كَسَارِيْ مَا أَوَارِقَ بِهِ عَوْرَيْ وَٱتَّجَمَّلُ بِهِ فِي عَيَاتِيْ ه

١١ - جب آئية ويكفنو بردعا برسع:

ٱلْحَمْدُ يِنْدِ ٱللَّهُمَّرُكُمُا حَسَّنْتَ خَلْقِيْ فَحَسِّن خُلْقِيُّ -

ارجب كسى كور تصن كري توبيروعا برهد.

آ سُتَوْ وِحُواللَّهُ وِيُذِكَ وَإِمَا لَمَكَ وَحَوَّا يِتَهُومَ مَمَالِكَ م

۱۸ مرفر کے بیٹے روار بہونے و قت یہ دُعا پڑھ نے نوامن وسلامتی کے ساتھ سفر

مُم بُوكًا - اللَّهُ مُدَّا تُنشَعُلُكُ فِي سَغِينَا هٰذَا الْبِرُوَ التَّقُوٰى وَمِنَ الْعَمَلِ

مَا شَرْ صَلَّى ۚ ٱلَّهُ لَمَ حَرِّدَنْ عَكَيْنَا هَذَا السَّغَرَ وَ اعْدِعَنَّا بَعُلَى كَاللَّهُ مُ ٓ ٱلْشَاحِبُ

فِي السَّغَرِوَ الْحَلِيُفَةَ فِي الْاَهُ لِيَ اللَّهُ مِنْ الْفِي الْحَوْدُ بِكَ مِنْ قَعَنَا عِالسَّغَرِوَ كَابَةِ

الْمُنَظَرِوَ سُوْءِ الْمُنْقَلَبَ فِي الْاَهْلِ وَالْمَالِ وَالْوَلْدِهِ

١٩- جب سفر سے وائيں مونورير وعاير صع:

أُمِيمُوْنَ تَابُمُونَ عَابِدُوْنَ لِرَبِينَا عَامِدُوْنَ -

٢٠ جب كى منزل با الطيتن برائر سے توب وعايط سے دان شادا للد برقهم كے ان نفادا للد برقهم كے ان نفادا للد برقهم ك

رَبِ ٱنُورِلُنِيْ مُبَادِكًا وَ ٱللَّهَ خَيْرُ الْمُنْوِلِيْنَ ر

١١ نيالياس بين توبر دُعا يرُهد :

ٱلْحُمْدُ لِلْهِ الَّذِي كُسَانِي مَا أَوَادِي بِهِ عَوْرَتِهِ وَاتَّعَمَّلُ بِهِ فِي حِيَاتِيْ

٢٧ - المنكهون من مرمرلكات وقت بردعا برهم على المنتج:

ٱللَّهُمَّرَمَتَّعُنِيُ طِيِالسَّهُعِ وَ_الْبَصَرِ<mark>.</mark>

٣٧- كاناكما في كيداى دُعاكور ه.

ٱلْحَمْدُ يَتِّكِ الَّذِي كُوا لِمُعْتَمَنَا وَسَمَّا كَا وَهٰذَ نَا وَجَعَلْنَا مِنَ الْمُسْلِمِينَ ط

م ٢٠ جب كوئى نعمت مط نوبر برسط:

ٱلْحَمْدُ يَثُوالَذِي بِنِحْمَتِهِ تَيْمَةُ الصَّالِحَاتُ الْ

٢٥ - سربلا برنفقمان سے امان علنے کے لیے صبح کوا ورشام کو بن بن مرتبراس دعا

كويره كان شاء الله بريا اور برنقصان صي محقوظ رسي كا ـ

بِنْعِ اللهِ الَّذِي ثَى لَا يَصْتُرُمَعُ الشَّمِيَّ شَيْحٌ عَنِي الْوَرُمِنِ وَلَا فِي السَّمَاءَ

وَهُوَ السَّمِيْعُ الْعَالِيْدُ-

٣- جب أندى يط توبرد عاير ه:

ٵڷۜڷۿ۪ػٙڔٳڣۣٞٲۺؙڡؙؙڷڬڡ۪ؿڂؽڔۣۿٵۉڂؽڔۣڡٵ؋ۣؽۣۿٵۉڂۜ؊ؚ ٵٲۯڛڵٮڎڽ؋ۅؘٳڠٷڎۑڬڡۣڎۺٙڗۣۿٵٷۺڗۣڡٵۏۺؘ ٷۺؘڗۣڡؙٵٲٷڛڵڎۑ؋ۦ

٧٤ بادار م كري اور بحلى كى كراك كے وقت يرد عايات في جا بينے

ٱل**ۗٱلْهُمَّرَ**لَاتَّقْتُلْنَابِغَضَيِكَوَلَاتُهُلِكُنَابِعَذَابِكَ وَ عَاذِيَا قَبُلَ ذٰلِكَ.

٢٨- الركي قوم ياكمى كروه سع جان ومال كانون ميونوبي وما بير صع :
 اللَّهُ مَداتًا تَعْبَعَلُكَ فِي نُحُوْدِهِ مَدَى تَعْوَدُ مِن شَدَوْدُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ وَمَدْدُودُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ مَدُودُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ مَدُودُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ مَدُودُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَا مَدْدُودُ وهِمَ مَدْدُودُ وهِمَ مَدَوْدُ وهِمَ مَدُودُ وهِمُ مَدُودُ وهِمُ مَدَوْدُ وهِمُ مَدُودُ وهِمَ مَدُودُ وهِمَ مَدُودُ وهِمُ مَدُودُ مِنْ مَدْمُ مَدُودُ وهِمُ مَدُودُ وهُمُ مَدْمُ مَا مُعَامِدُ مَا مُعَامِعُ مِنْ مِنْ مَدُودُ وهِمُ مَدْمُ مَا مُعَلَّمُ مُومُ مَا مِنْ مُعَامِهُ مَدْمُ مَا مُعَلَّمُ مَا مُعَلَّمُ مُعُمُ مَا مُعُمُ مَا مُعَلَّمُ مُومُ مَا مُعُمُ مَدُودُ مُعُمُ مَا مُعَلَّمُ مَا مُعَلَّمُ مَا مُعَلَّمُ مَا مُعَامِعُ مَا مُعَلَّمُ مُعُمُ مَا مُعَلَّمُ مَا مُعَلَّمُ مُعُمُ مُعُمُ مُعُمُ مَا مُعَلِي مُعَلِي مُعَامِ مُعَامِعُ مُومُ مُعَامِعُ مُعَامِعُ مُعَامِعُ مُعَامِعُ مُعَامُ

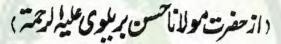
٢٩ - مُرْنَاكُ اللهُ وارْنُسُ كُرِيرُوعا بِرُسط : اَسْنَلُ اللهُ مِنْ خَصْلِهِ الْعَظِيْمِهِ ٣٠ - كُرصا بول فَ نُويرِ دُما بِرُصِين ر ٧٤ - كُرُلُ وَلاَ فَذَهُ مَا إِلاَّ مِا لِلْهِ



10

ميلادونعت





וממממו

مرادِ ببب سے نا سب لائی مہارکبا دیاں ہیں مبلکوں میں مہارکبا دیاں ہیں مبلکوں میں انہیں کس کی مدحت کر رہی ہے انہیں کس کیوں مبللوں نے مہایا شورت کو ایا مردواز ہے کیون مبللوں کو ایا مردواز ہے جہتم کے موں میں بند کر درواز ہے جہتم کے موں میں بند کی درواز ہے جہتم کے موں میں بند کی درواز ہے جہتم کے موں میں بند کی دیو کے جس کی دید کے ممائل ہیں تارہے دیں کر دیون جا انت سے گرے ہیں دیں رکبون جا انت سے گرے ہیں

صبائے کس کی آمدی سنائی
جی بی شادیاں کیسی گلوں بی
پرزگس کس کا رستر دیجیتی ہے
کھاپڑتے ہیں سب غیجے یہ کیا ہے
تئی معلوم ہے یہ ماحب یا کیا
بنا دے تو چمن مراک چن کو
بنا دے تو چمن مراک چن کو
ترمین جانور کیوں بو سلتے ہیں
زمیں کاسمت کیوں اُئی بین تاریح
ترمین کس واسطاً وندھے پڑے ہیں

يهكول تحفي يرتحف لارسے بي زیں مرکبوں ملاکک ارسے ہیں یر آمدکون سے ولنٹان کی سے يرآمدكون سي سُلطان كى بے رامی حیرت پی تحقے اہل تمانتہ كرناكر بإتف غيبي بب لولا وه أنحى دبيج لو گرد سواري عباں مونے لگے اُتوار باری نفیبیوں کی صدائیں آرہی ہیں کی کی جان کو ترط یا رہی ہی مؤدّب ما تق با تدع أسك أسك المكنة بط آنے ہی کہتے آگے آئے فدا جن کے شرن پرسب بنی ہیں يهي يل وه بهي يل وه يهي بل یمی وال عل سادے بیکیوں کے یمی فرماد رس میں بے بسول کے انہیں کی وات سے سب کاسمال انہیں کے درسے سےسب کا گذارا انہیں سے کرنی ہیں فرماد چڑیاں المبنى سے جاہتی ہى دار برال بهی می سوعط فرمایش دولت كربي تود بوكى روفي برفناعت المبنى يردونون عالم مردسي إس انہى يرمان صرفے كرد سے يى فرول رننهس صبح وشام أن كا فحد مصطف سيع نام أن كا كوفى دامن معدليا دو رياسي كوئى برگام محو التباہد إدحر بھی اک نظر ہمو "ماج والے كوئى كب تك ول مصطر منعالے بهت نز دیک، آمینی وه سارا رفدا سے جان ورول جس مير سارا ألمنس تعظيم كو يارات محقل

موا جلوه نما وه جان محفل

ميلاد شريف

ٱلْعُنَمُدُ يِنْكِ رَبِّ الْعُلَمِيْنَ هُ وَالصَّلَامُّ وَالسَّلَامُ عَلَى رَسُولِ مِهُ لَهُ مَا لَكُمُ عَلَى رَسُولِ مِهُ مَعَمَّدٍ وَمُعَمِّدُ مُعَمَّدٍ فَاللَّهُ مُعَلِّدُ وَمُحْبِهِ أَجْمَعِيْنَ هُ

سَلِمُوْ آيَا قَوْمِ مَلْ صَلَّوْ اعَلَى الصَّهْ مِالْاَمِينَ

مُصْطَعًٰ مَا جَاءً إِلَارَحْمَةً كِلْعَالَمِيْن

ا واز بو ببند درود و سلام کی محفل بے وکر مولد نیرالانام کی استان ہے وکر مولد نیرالانام کی استان ہے در مولد نیرالانام کی استان سے در مول عبیار استالام کی

رَبِّ سَلِمْ عَلَى رَسُوْلِ اللَّهُ طَ مَرْ عَبَا ، مَرْحَبَا رَسُوْلِ اللَّهُ ط

بزم بسنی کے نا جداد آئے گلشن دہر کی بہار آئے جو کے دامن میں جیسے ونیا مور مول کرم سفوار آئے

رواین ہے کہ انٹارتعالیٰ نے زمن واکسان ملکرتمام عالم اورمها یسے جہان مرکزار سے کہ انٹارتعالیٰ نے زمن واکسان ملکرتمام عالم اورمها یسے جہان

ر تِ سَلِّمُ عَلَىٰ رَسُولِ اللهِ مَرْحَيَامَرْحَيَارَسُولِ اللهِ بھیج لے دب میرے درودوسلام اینے میارے نی پر بھی مدام برسها برس بلكم مزارول برس تك مير نور فحرى خداو ند قدّوس كي تبييح و تعقد لس مين شغول ومصروف ريايها ن نك كم التدتعالي في صفرت أوم علياتهم كوييدا فرما إلواس منقدس توركوان كي بيتاني مي اما نت ركها اور بعي أبك حدا و زرعاكم كومنظور مقا حفرت أدم عليالسلام كے باغوں برای بیوی حفرت حوا كمافة مكونت فرمان مق يهان مك كرجين مك خدا وندعالم كعم سع صرت أدم تراعليها لسّلم بهشت برس سے روئے زمن پرنشرلیف لا نے - اور بال بیوں کی پیدائش کاسلسله شروع بوانونور محری جوائی کی بیشانی بی جلوه گرففار وه اب کے فرز محصرت شبیت علیالسلام کی بیشیان می منتقل ہوا۔ اورسیسلہ بسلسله درج بدرم نورمخرى مقدس بليهول سيم مارك مكول كي طرد ، تقولعن م ونا ربا - اور من جن مقدس ميشا نيون من به تورهيكيّا ربا مرحكه عمي عجمي معجزات و تحارت عا دان کا ظرورموناریا ۔اوراس توریاک کی برکنوں کے نیوس طرح طرح سے ظاہر مہوتے رہے۔ جنائج محصرت اوم علیالسلام کامقدس بیشان میںاس نور ختری نے جلوہ دکھایا کر حصرت آدم علیالسلام مسجود ملا ککر مہو کئے را درنمام فرشنوں نے ان کے سامنے سیرہ کیا۔ یہی نور بجب حفرن نوح علیالسلام کو ملا نوطوفان بى الى نورى بدولت ان كى كىتى مىلامنى كى سائق جودى بيار بريينى کرمٹرگئ ۔ امی نور مخذی کا فیعنا ن نفا کرمھز<u>ت ا براہی</u> علیرائسٹلام کو جیب مرود کا فرنے آگ کے شعلوں میں دال دیا تو وہ آگ جی کے بند شعلوں سے اویر سے کوئی پرند بھی نہیں گذرسکتا مقارایک دم مشنری ا درسلامتی ورا حن کا ياغ من كئي ۔ بهی و جرسیے کمتم انبیاد علیم السّلام آب کی تسترلیٹ اودی سے مشاً ق و

منتظررہے ۔ اور مردور کے مقدس ورولوں کی جا عنت آی کی آمد اکد سے إنتظار می آپ کی مدح د مناء کا خطبر پڑھنے میں مشغول دہی ۔ چانچر سرندانے کے منفرس ببيول اودرمولول كايرحال رماكرسد میں اسر نے جس کے بیلے حق سے دُعائیکس میں اسر نے جس کے بیلے حق سے دُعائیکس ذیح الندنے وفت و بر محی کی التحیائی کی جوبن کے روشنی مجر دیرہ لعقوب میں آیا جسے بوسف نے اپنے حمن کے برنگ میں مایا دل کی میں ارمان رہ گئے حب کی زبارت کے لب عیسے پراکئے وعظرجی کی نثان رحمت کے الغرص نورمخرى صى التند مبروسلم برابراك بيشاتى سعد دومرى بيشانيون ي منتقل مخوار ما اورا بنے فیوس ویر کامت کے طووں سے مردور کے لوگوں کو اورا بخشاريا بهان نك كريه نورياك حصورا فدس على التدعير ولم كع واوا محصرت عبدا كمطلب كوملا راسى نورا ورس كاطفيل مفاكرا برمير ما دشاه حبش كا وه نشكر بوكركعير وصافے كے بيلے يورهائى كر كے أبا تقار معزت عبدالمطلب كى دوت محو لے تھو تے برندے ابابلوں کی کنکرلوں سے پودالشکرمع ہائتیوں کے بلاک وہرباد مبوگیا۔ اور خدا کا مفترس گھر خان کعیرایک کافر کے جلوں سے مىلامىت دىإ۔

> تَكِمُوُا يَاقَوْمِ سِلْصَلُوّا عَلَى الصَّدْرِالْوَمِيْنِ مُصْطَفَى مَا جَاءَ اِلْكَرَحْمَةُ كِلْعَالَمِيثِ

صَلَىٰ اللهُ عَلَيْرِ النَّبِيِ الْأُمِيِّ وَالِهِ صَلَى اللهُ عَلِيْهِ وَسَلَّمَ صَلَاةً وَسَلاَ مَّا حَكَيْكَ يَا دُسُولَ اللهِ -

حمرت عبدالمطلب سع يدنور باك منتقل موكر حضور مليالصلوة والمسلام

کے والد ما جدہ بی بی ہمنہ رصی اسٹر منہا کو تفویمی ہوا ۔ آبا مل میں طرح طرح کے والدہ ما جدہ بی بی ہمنہ رصی اسٹر منہا کو تفویمی ہوا ۔ آبا مل میں طرح طرح کے فیون وہرکا ت کا ظہور ہونا رہا ۔ بی نجے حصنور صلی اسٹر علیہ وہم کی والدہ ما جدہ کا بیا نہیں وہرکا ت کا ظہور ہونا رہا ۔ بین نجے حصنور صلی اسٹر علیہ وہم کی سے کہ ہردا ست نواب ہیں ایک فرسٹہ اکر مجھے نبی آخوا لزمان صلی اسٹر علیہ وہم کی تشریب سے کہ ہردا سن و نوشن فریب سے زیادہ انمول دولت روئے رمین کی طرف منو بھر ہوا ور نورا وزر فراوند فراس کی نعمنو ل میں سے سے برای رمین کی طرف منو بھر جن انجے رہا ہو۔ انہوں دولت رہی کی مند کی طرف منو بھر جن انجے رہا ہو۔ انہوں کی نعمنو ل میں سے سے برای

ربیع الاول اُمیروں کی دنیا سائفہ ہے آبا دعا وُں کی فبولیٹن کو مانفوں مافقے سے آبا

تُدائے نا خدا ف کی خود انسانی سفینے کی کر رحمت بن کے چھائی بار بڑوں شیاس میدنے کی

ربیع الاقول کے مبارک مہینے کی بارٹھوی تاریخ آگئی اس دان بی عجیب عجمیب منا خرفدرت کے مبلو سے نظرا سے جن کے بیان سے زبان فا صروحا جرتہے۔ مصرت بھرمن ملیالسلام سرّ منرادمنفد س فرشتوں کی فوج نے کراممان سے حرم کعبہ میں آثر طرسے ، مشحان المیّد؛

بگایک ہوگئ ساری فعنا تمثال آئینر نظرای معلّن عرش بک اک نور کا نہینہ

تعدا کی شان رحمت کے فرشنہ صف بھی اترے پرکے باندسے می کمسب دین و دنیا سکے مٹرٹ ا ترہے زعدالسام اکمہ دنر خار کھدی حاکم نعدا دند قدوس سے

حضرت بجرئس ابن علیالسلام ایک مرتبه خاند کعید میں جا کر حدا وند قدوس محصفور سربسجو دیمو کر دُعا مانگکته کر با انتشرا جلد اینے محبوب کو دنیا بس بیمج وسے ساور

ابك مزنبه كالشامز منوت برها مزم وكربصد وق وشوق التجامي كمت كرت كرافا والاي سَيِّدِالْمُرُسِّلِينَ إِظْمِيرُ مَا خَاتَعَا لنَّبِينَ وإظْمِرْ مَا شَفِيعُ الْمُدُّ يَبِيْنَ ه بعی اسے تما رسولوں کے سردار ظاہر مہوجا یٹے اورا سے نمام نیبوں کے خاج تشرلین لایئے۔ اودایے تمام گنا میکادان است کوامنی شفاعت کی کملی می جیساتے وا كے اتنا جلد ظهم ور تر نور فرا بینے - میں عالم عقا كر جسى صادف نمودارم و كا ورسالاك جهان کی مونی بونی قیمت بیدار بونی کر سے ابھی جبرُسل اترہے بھی نہ منے کعیر کے منرسے كران ي مدا أنى يه عبدالله كح كفرس مبارك موكر دور راحت وأرام كم بهنجيا نجاتِ والمي كي شكل مي إسلام أبينيا مبارك بروكه نختم المرسلين تشرليب في أئ جناب رحمة العالمين تشرليف لے آہے بعن بني الزالزمان خاتم بيغيرال حفنور صلى الشرطيبروسلم كى ولا دت ماسعاد مولی و اور مرطرت مبارک ما دکی صداً می طائد مورسی عفیس اور مرزمی موم کا ذراه ذره زبا<mark>ن حال سے بول منزم دی</mark>ز تھا کہ سے مبادك موكروه خرير في سع بابرآنے والاسے گرائی کوزمانہ جس کے درید اسفے والاس فيقرول مع كبوحا مر مول جرائيس كي أعظ كرسلطان جہاں ممتاج پر در آنے والاہے چكورون سے كہوما ودل أكرا سے يطلف كو خرزدول كودو، مرمتور أسف واللب

حتن کہددے اُتھٹیں مسب اُتی تعظیم کی خاطر کراپنا بیشوا اپنا بیمبر آ نے والا ہے

صلوة وسلام

يادسول سلام عليك صدلوات الله عليك دوجهال کے راج والے اےمرے معراج والے پادسول سلام عل<mark>یك</mark> صلوات الله عليك دور موجائے یہ دوری دل کی یه حسرت مولوری بإرسول سلاح عليك صلوات الله عليك فاز کے یالوں محا صدفر بیسک دو الالون کا صدقر يارسول الله عليك صلوات الله عليك مرور قونبا و دی محو يِمِيُّ لِنُعِالِمِين بِو يا نبى سلام عليك ياحبيب سلام عليك السلام اسے تا ج والے عاصبوں کی لاج والے يا نبى سلام عليك ياحبيب سلام عليك كاش حاصل مو حصنورى د بچه لول وه تشکل نوري سا نبى سلام عليك ياحبيب سلامعليك وکھ مخرے نالوں کا صدقہ کریل والوں کا صدقہ بانبى سلام عليك باحبيب سلام عليك تم تشفيع المذنبي بهو صاوق الوعد و الي مو

یادسول سلام علیك صلوات الله عسلیك مامعین کے دل كی مشن لو عاشی رہمل كی مشن لو یادسول سلام علیك صلوات الله علیك

یا نبی سید م علیک یا حبیب سلام علیک انی محفل کی سمس لو رخم کے قابل کی مشن لو با نبی سیدھ علیک یا حبیب سیدم علیک

-*D>4C+-

حدياري تعالى

نجریں کی کہاں سے تزاکت کی نٹو ہنس کے بولا کر اے طالب رنگ و ہو

र्या - न्यां - वर्षे - वर्षे ।

مِع کوکرکے شبنم سے تا زہ ومنو شن کے کرنے لگا دمبدم ذِکر مُو عرم<mark>ن کی بی نے سنبل سے ایم شکر</mark> چوم کرکون سا ذِکر کر نا ہے تو

پوھیا گل سے برس نے کراہے توزو

یا دہی کس کی سنستام مکنا ہے او

کیوں جی میں چیکنا ہے تو جارسُو وجد بی بول اُعظا وُحُدُا وَ حُدُاهُ جب کہای نے بمبل سے اینوش کاٹو دیچھ کر کل کسے یا دکرتا ہے نو

يا دىيكس كىكېنائىي نۇرى يى كېاس . بول اتھالىي دىي سى ئىمىشىداسى نۇ

بعب بیہے سے پرھیائے نیم جاں کون ہے اپنزا "کیاہے نام ونشال؟

一一一一一一一一一

ب نے قری سے کی جا کے پرگفتگو كاتىرىنى بى كۇكۇ، تۇكىوں كو بۇ فصوتدنی سے کسے کس کی سے آرزہ ؟ بولسنميرا تعمر يه وحق بيرة، الله ا --- الله ا ألله والله -عرمق كي بيسف است نشايد شعُله رُو المصحبوع جمكا مرس مورد کس کی طلعت ہے ترکس کا جو سے توا يهكها حراكا ملوه سعير عاد سو ألله -- ألله غَمْرًا --- اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَّى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَّا عَلَى اللهُ عَلَى الله یں نے لوھیا بروائے سے دُو برو کس پیر می کی لؤی<mark>ہ جلتا سی</mark>سے نو متعلم نارس کس کی سے جنج ا جِلتَ جِلتَ كُمِا الْمُسس فِي ' كِيا لُورُهُ ·· ا مُن الله على الله क्यां ___ क्यां । اعظی کرچہ ہے صد گنہ گارہے مجم وي عل مع خلا كادب حن نعاليٰ گرايسا عقاريد اس کی دحمت کا نعرہ ہے لا تُقْتَطْفُا الله - الله क्षीं - क्षीं

3

سادے عالم کا تو سے پروردگار اےمبرے معبود حق اے کرد کار منت من کی ہے سادی بہاد ففنل مین برے ہی اے دیت، کرم كرديا مجركو علام مصطفا موگيا بي دو جهال كا ما صواد بخت دے یارب خطا بی سب مری تؤمي عقداورس عصيان شعار فقل کا تبر۔ سے می مہوں المبدوار ترى دهمت ير معروسا ہے مجھے مكري محدود نجمت بے شار . كس طرح بوشك بغيث كا رندى میں ہوں مجڑم اور تو امرز گار نازسے إننى مى نسبت برمجھ رفعتِ ا فلاک سے تجھ یر شار تر سے سحدول نے وہ رفعت دی مجھے

بندہ فسیرہا کمہ بڑھا یا کس فدر 💎 ندسیوں بیں میرا نشا یا نہ وقار خاک بوس طیتہ ہے یہ اعظی حسترين يارب ره مومير شرمسار ***

نعت تثريف

اولى وأخرب كيستوامير وسول سرود عالم ، نبى الا تعماء مرسے دمول محرم مرادحي تثان خداميرے رسكول صدر ب<mark>رم ا نبیا</mark> ومولائے کل مخرص نائب حن، حاكم براصوا مير يدرسول مظهرتمان اللي ، تا جداد كائنات صاحب عراج ومعدان وفي المررسول مبيط لولاك بمتبار فلك ، عرش سنا مطع والتمسو تثرح والمخامر يرسول مورة والفخ عكس روف روشن كابيان مطلع ا نوارزنسک ا قما ب وابتنا ب تربرج مشرف تور تعداميرے رسول! بان كعيرى تاريخي دعامير- درسول این مرم کی لبننا رس رو ب بیغیام کلیم منزل مجبو تبت على صطف مبرے رسول منفرب نثان دسالت لفتيحتم الرسل وه امیرکاروال وه حق نمامیرے رسول سے قد<mark>موں سے بعد</mark> والستہ رو عالم کی تحا

> اعظى مومن بول ارت العالمين ميرا حمدا رحمت للعالمين صلّ على ميرسه رسول

女女女女女

مير بي وجود كامقصد سع حسني نيرى نسبم فلدى حبنت يد كفتكو نرى كهلي مرمنه مس جيب زلف مشكب نزى ونت مرگ موصورت مو روبرو نری

نتكا رطبيته! از ل سے ہے نیری آرزو تراسكوت بصطف وكرم كى إلى وتا نسبم علد نے ا بگی ہے صرک نوشیوکی مری وفات کا دن مری عید کا دن مو

اسی سے دونو<mark>ں جہاں ہی س</mark>ے اُمرو نبری

یرحالت ہے اب سانس لین گراں ہے مرعم شرحی کے قدم کا نساں ہے کوئی جانے کیا اس کا برجم کہاں ہے دہ قانوس فیطرت ہیں دونوں جہاں یہ مہیں کی نبتی ہیاں ہے دہ قانوس فیطرت ہیں دونوں جہاں یہ کہا مال ان کا مکان لا مکان سہے برسارا جہاں ان کے زبر قدم ہے کہا مال ان کا مکان لا مکان ہے کہا مال ان کا مکان لا مکان ہے کہا مال ہے دمت وحمت میں ہے مدارا عالم من اس کو خدا کی نیا ہے مستم ہے ان کو خدا کی نیا ہے میں ہے ہے ان کو خدا کی نیا ہے میں ہے ہے ہے ہی نیا ہے میں ہے ہے ہی نیا ہے میں ہے ہی نیا ہے ہے ہی نیا ہے ہے ہی نیا ہی نیا ہے ہی نیا ہے ہی نیا ہی نیا ہے ہی نیا ہی نیا ہے ہی نیا ہے ہی نیا ہے ہی نیا ہی نیا ہی نیا ہے ہی نیا ہی نیا ہی نیا ہے ہی ہی ہے ہے ہی ہی ہی ہے ہی ہی ہے ہی ہ

نہ پُوچے اعظمی منزل مربلندی مرا مرہے مجوُب کا استاں ہے

عاجموا اب گذید سر کار نفولری دور ب عاصیوا ده مسطفا با زار نفولری دور ب عاصیوا ده مسطفا با زار نفولری دور ب عاصیوا ده میناد مقول دور ب عشق در من بی قدی آگر ماکرد کیلو دور ب عاصی در بار نفولای دور ب ده محمد کاسی در بار نفولای دور ب ده محمد کاسی در بار نفولای دور ب ده محمد کاشی کو بسار نفولای دور ب ده کیسار ک

دہ شہبدان محبت کی مبارک نواب سکاہ دہ بقیع ماک نعلد آنار تقوری دور سیسے بھول سے بہتر ہی جیکے خاد مختور کی ڈورہے ا سے مبیما اب نیرا بیار مقور کی ڈورہے الله: الله! وه گلتان مربته مرحیا چل پڑاہوں گرنا پڑناموئے طیرا لمدف

دشت طیبہ سے بہاں جل سرے بل اسے اعظمی مصطفے کا منتی وربار مفوری وروسے

طابجيول كااستقيال

ندا کا گخر رسول تی کا روضه و بخضر والے مزامسطنی پرسی کا مبوہ دیجھنے والے جال گنبہ بمصراء کا آدا دیکھنے والے بنی کے در پرزجمت کا برسنا دیکھنے والے بھرے بمالوں بن مزم کامجالکنا دیکھنے والے محقیقت بی بی برمند کا نقتہ دیکھنے والے محقیقت بی بی برمند کا نقتہ دیکھنے والے مرسے مالیے بی برکتہ دریتہ و بکھنے والے برکم دیکھنے والے دریتہ دیکھنے والے

را سے اعظی کہ مدیرہ سے مشرف ان کو نگاہ دل سے دیجھیں ان کا رتبرد بچھنے والے

3,

مبارک مرحبا، مکر مدینر و یکھنے وائے زمین پر عرش کی منزل کا زمیزد بیکنے والے

حطیم کعبرس سحدے وہ لوسے منگ امود کے وركعبريه رونا كو كوانا ويحفظ والي مقام متزم ، ميزاب اور ركن يماني يد بمليثة ابر دخمت كا برمستا ويحفف وال وه بالسول كا أبجوم عاضفاً مركيف كا عالم وہ بیما نوں میں زمزم کا چلکنا دیکھنے والے طوا ف كعبر كى مُستى ، صفا مروه كمنظري متراب معرفت کا جام ومبنا دیکھنے والے مِنیٰ میں عیدقرہ نی کامنظر دیکھنے والے مرعرفات پروانوں کا میلہ ویکھنے والے فرتستے ہر کھاتے ہی جمال نبرے قدم پینے فدا کا گھر رسول حق کا رومند دیجھنے والے سارہ نیری قیمت کا ترتا سے بھی ادیا ہے جال كنير تحفراء كا جلوه ديجين والے مارک بن مبارک اعظی بنیشک مبارک پیل ندا کا گھر، نی کے در کا ملوہ دیکھنے والے phata حركن لوسف اورسه ظلم كاحلوه اورسيه ما وكنعال اورب ، مهر مديم اورب

ے، مہرِ مدیتہ اور ہے اسمانوں پر گئے ادر میں وعیسلے شک نہیں دم میں میر لامکان معراج اسریٰ اور ہے ج علیل الله ، جبیب الله بی قرق عظیم شان محتلیم الله عظیم شان محتلیت اور سے تابع فتر منی اور سے

انفلان بحر بربان عظیم الشان سبے انشقاق بدر کا ملین ننیجم اور سب

مفت بھی لینے نہیں ماشن حیات صرکو خالی جینااور ہے، مرمرکے جینا افدیسے

وہ مرارے بینا اور ہے جنتی کھولوں کی نوشبو تومستم ہے گر مکہت گل اور سے ان کالسینہ اور ہے

> اعظمی متی أوج کی کشتی میں عالم کی نجات اہل بیت یاک محالیکن سفینہ اورسے

> > **

اداعليم عنرت قبله برملوى عليه الرجمة

سی سے بالا و والا ہمارا نبی

اور رسولوں سے اعلیٰ ہمارا نبی

ده ملیح دِل ارا ہمارا نبی

ده ملیح دِل ارا ہمارا نبی

سے وہ رحمت کا دریا ہمارا نبی

برمز طوبے نز ڈوبا ہمارا نبی

بمی کونشا بان سیے عرش خدار طوی خلق سے انبیاء ابنیاء سے رس حمن کھا نا ہے جب کے تمک کی فیم جس کی دو لو ندیں کونز دسلسبیل کیا خبر کنف تار سے کھلے چگی گئے جس نے مردہ دلوں کو دی عمر ابد

سب مصاعل وأولل ممارا شي

غمز دوں کو زُمَنا مُرْدہ دشیمے کہ سہے بے کسوں کا سہارا ہمسارا نبی 1/2

کرسے عراش می زیر پائے محمد ملک خادمال سمرائے محمد نعدا جاہتا سبے رمنائے محمد گردل کا سہمارا عصائے محمد بوس تعمیں ہیں عمو تقائے محمد دلین بن کے نبکل دعائے محمد کر سے رہب رہم معمد معدائے محمد کر سے رہب رہم معدائے محمد کر سے رہب رہم معدائے محمد

زهب عرّت و اعتلائے محرّ مكان عرش ان كا فلك فرش ان كا حداكى رصا چاہنے ہيں دو عالم عصائے كليم الرّدا ہے تحصٰب تفا عدا ان كوكس بيا رسے ديجة آہے اجابت كامہرا، عنا بت كا بوڑا رضايل سے اب وجدكرتے گذرہ شے

存存存存

سرتا به قدم سے بن سلطانِ ذمن مجول! س مجول، دہن مجول، دقن محبول، بدن مجول

والله بو ال جائے مرے کل کا بسینہ مانگے رمجی عطر نہ مجرحاہے، و این مجول

تنكامى ہمادے توبلائے نہيں بلتا!

تم جا ہو تو ہوجائے ابھی کوہ محق بیول

دِل اپنا بھی مشیدائی ہے اس ناخی پاکا راتنا بھی مہرِ توپرنہ اے پرنِ کہن میعول!

دِل بسته ونول گشته من نوشبونه مطافت کیول عنیه کهول سے مرے اکا کا وائ میمول

کیا باست دَمَنا اس چمنسنانِ کرم کی زمراسے بی جس پر حمین امر حمن پیول



ہے ب بعلے سے بال بخشی نرائی مانفر ہیں سگریزے پانے ہیں شیرس مقالی مانفریس

ابرِ نیساں مومنوں ہد، نینے عرمای کفریر جمع ہی شائِ جلالی وجالی کے عقد میں

مالک کو بین بی گو پاس کچر ر کھنے نہیں دو جہاں کی نعمتیں ہی ان کے خالی اتھ ہی

ساير افكن سرپر بهويرجم اللي مجنوم كر جيه لواد الحد" في امت كاوالي بانخديس

دستگیر ہر دوعالم کر دیا سبطین کو اے بی قراں جانِ جاں انگشت کیا فی ایھ میں

اه دوعالم كر آنكيب بنداور لب بردرود وقي سنگ درجبين رومنه كي جالي الفين

ستر میں کیا کیا مزے وارفتگی کے لوں رمنا لوٹ جاؤں باکے وہ دامانِ عالی ہاتھ میں



ده كما لحن حصنور به كركمان تقيى جان نهي ! يمي عيول خارس دورب يي شمع م كرد صوافين

ین شار تر می کلام پر می بور نو کس کو زباں نہیں وہ سخن ہے جس میں سخن نرمووہ بیا ہے سے کا بیان ہیں

بخدا صدا کا بہی ہے در نہیں اورکو فی مفر ا جو وہاں سے ہو ہیں اسے ہوج بھانیں فود انس

ووجهال كى بهتر ما نسيس كراما في ول وجال تهيس إ كروك بهوه بوبها بنس كراك نبيى كروه بارس وہی فودحی وہی ظیّ رب انسیں معدمہ سیے انسی کا مرب نہیں ان کی ملک عی آسما ں کرزمی تہیں کر زما ں نہیں مرطرت برسے تری گذرا دل فرق برسے تری نظر ملک وملکوت می کوئی تنے نہیں مدہ نجر پر حومیا ہیں كرون مدح ابل دول تعنا يرسياس ملا مي مرى بلا ين گدامون است كرم كا، ميرا دين ياره نانسي عرش حق سي ممند رفعت رمول الشركي وتعين بي حشرين عِرّت رمول التّركي قرمی الرائی کے تاحشر بحثے اور کے جلوه فرما بهو گی جب طلعت دمول الشرکی! لا وركب العراق بوجس كو ملاران سے ملا يتى سے كوئن يى بعمت دمول المدكى دہ جمع میں گیا ہوان سے مستغنی ہوا بي حلى المدكو حاجت دمول المدكى ٹوط مائی گے گز گاروں کے فوراً قیدومند حشريس كمن جائے كى طاقت ديول الله كى يارب إلى ماعت من وصل جاميظ كمه كالد كرم بوش پراکباشے اب رحمت دمول الٹرکی

العرصاً تودما حب واك بعد ما مراك المول المول المول المرك المول المرك ال

أرمولا تاحس بمطوى عليه الرحمة

اے مدینے کے تا جدادسلام
انے مدینے کے تا جدادسلام
ازی اک اوا یہ اسے بیارے
ارت مرقوں فرا، ہزار سلام
ارت مرقوں کے کھنے والے پر جان کے ساتھ ہوں اتار سلام
میری گردی بنانے والے پر میج اے میرے کروگارسلام
بردہ میرا نہ فاش حشر میں ہو
بردہ میرا نہ فاش حشر میں ہو
عرف کرتا ہے یہ سے تیرا

عرص لرما ہے یہ سن میرا تجھیرا سے خلد کی بہار سلام معتبر

عب رنگ پر ہے بہار مربنہ ہمیں کل سے بہتر ہے قال مربنہ ہمیں کل سے بہتر ہے قال مربنہ مربی کا سے بہتر ہے قال مربنہ مربی کا کے بند از کا دیجہ آپو کے بیان کی بیان کے بیان

تهارانام معينت مي جب بيا بوگا بمارا برا موا كام بن كيا جوگا

د کھا ٹی جائے گی محشر میں شان محبوبی كرآب بى كى نوشى آپ كا كها بوگا حدا کے پاک کی جا پئی کے اسکاے مجھلے نوشی خلائے یاک نوشی ان کی جا بتنا ہوگا کی کے یاؤں کی برطی میرکا منت بونگے كونُ اسيرِ عم أنِ كو پكارتا جو كا ی کے یعے یہ ہوں کے پر دقت وزن عمل كونى أميد ب من أن كائك ما يوكا كونُ كِيكُ وَبِانُ سِيم يا رسول الشد توكون عقام كے وامن عيل كيا ہو كا كى كولے كے قرشتے على كے موتے جم وہ ان کاراکتہ کیم کیم کے دیکھنا ہوگا كوئى قربب ترازد ، كوئى لب كوتر کوئی مراط بیر ان کو یکارتا ہو گا وه یاک دل کرنهیں سمی کو اینا اندلینه أيو) نكر و تردّد بي گر كي موگا ارمولا تاجيل الرحمن يرملوي عليالرحمة مسلطان جها محبوب تُعُدا! ترى شان وشوكت كياكهنا برضے براکھا سے نام ترا ، تربے ذکر کی رفعت کیا کہنا معراج ہو فی ماعرش کئے حق تم سے طا بنم حق سے طبے سب دا در قا وفي ول يركي أبرعزت وتمت كاكبنا

مردرہ تیرادلوانہ سے ، مردل میں نیرا کا شامہ سے يرسمع ترى يروا نه سيد، الصسمع بدايت كي كهنا ا منحموں مسے کیا درما جاری اورلب پر دعا بیا ری بیاری رورو کے گذاری شب ساری اے حامی اتت کیا کہنا عالم كى يعرس بروم جونى، توكما يُس فقط بوكى دوكى ! وه شان عطا وسخاوت كى ميرتدر وقاعت كياكمنا وه ميول تولى كلش كاكسر موت اكبرح موت بغداد وعرب من مريك ان معولون كي مكرت كياكهنا چا کے صیا توکوئے محرصلی النگ علیہ وسم لا کے سنگھا عوش کوئے محد صلی اللہ علیہ وسلم جاک ہے ، بحرسے اینا سینہ دل می سامنے ہرورت میتم ملی ہے سوئے محدصلی اللہ طبیروس رنگ ہے اسکا باغ جمام الک مہک ہے خلاوجا میں مب مل بي توشو في محد صلى الله عليه وسم مورز كعبى منا حشر نمايان البيبابلال عبيرموقوال ديجے اگر ابروئے محد صلی اللہ عليہ وسلم كنن دمانو إعم ب تهدين كا الركرم اب جوم كريسا لووہ کھلے گیسوئے محد صلی الٹرعلیہ وسلم مس وقمرين ارص و فلك بي جن وليتر عن حروسي سايه گان سے دوئے محد صلی التعظیم وسلم

دین کے دشمن ان کومٹنائیں فینے دہیں برصوبی و عاش سب سے ترالی خوے محد صلی الله علیہ وسلم مورز ممل قاددى مصطرعات أعظار في صدوعاكم محدكو وكحا دمے كوئے محد صلى الله طير وسلم اے دین بی محدم فر پر سلام ہر دم ميرس فنيمنع محتر نم يد سلام بر دم اس بکس و حرس بر بو کھ گذر دہی ہے "طا برسے سب دہ تم یر ، تم یر سلام بردم بنده تمهاديك وركاأ قت م مبتلاس رم لي جنبب داورًا تم يرسل بر دم بے وارثوں کے وارث مےوالیوں کے وال تسكين جان مفنطر تم ير سلم بردم لللد! اب ممارى فرماد كو بمنفية بے صدیے حال اینز تم پرسلم مردم در لوزه گر يون يس عي ادني سااس كلي كا نطف وكرم بهو محد بهو تم يرسوم يردم کوئی نہیں ہے میرا می کس سے داد جاموں ملطان بنده پرودتم سلام بر دم مر تعدا بجاؤ ان فاربائے عمص راک دِل سے لاکھ نشتر تم ير سلام بردم

میرے مولی میرے سرور رحمتہ رتعالمیں میرے آفا میرے رمیر رحمة تلعالمیں مظهر وات حدا المحبوب رب ووسرا ياد مُرَّتُنا و معن كشور رحمَةُ للمعاليل عالم علم لڈنی آپ کو حق نے کیا حال سب دوستن ہیں تم پر رحمة كلعالميں ، کیوں نہ مانگوں تیرے در مردمۃ لِتعالمیں بن بيام زندگی مجمول اگريول موت آئے آب كا در مو مرا سررجة للعالمين ہم سبہ کاروں کی مختشش کاکوئی ساماں نہیں نازے تیرے کم پر رحمہ للعالیں بس خدا ان کو کبنا اور چوجا ہو کبو رب سے مالاسب سے بہروہ والعالميں دست اقدى مين ير مورد ح لمعنى مومرى اب یہ جاری مو برابر رحم لعالیں ماير وش الى مي كعرا كرنا في ی سیرعصیاں سے دفرر مرمز لعالیں

ہ ٹینہ منعنل نیرے جو ہے مے *سامنے* ما جد ہی مہر وہر تریت لوے کے سامنے جاری سے حکم یہ کر دویا رہ تھر ہوا انگشنت مصطف کے انثارے کے سامنے

كيول در بكر فقر تهادا كرے سوال جب تم ہو بھیک مانگنے والے کے معامنے

ستت تو کیلیمی سے کرمیری طرف جلو ایمان لے چلاہے دینے کے سامنے

اہل نظر نے خور سے دیکھا تو یہ کھلا کعیم جبکا ہوا ہے مدینے کے سامنے

يروه كرم بن كريو ما تكو ويي سلے

ا بے ساکو! جلو تو دُعا نے کے سامنے

رت کرم ! یہ ہے دعا میری روز محشر ترمنده بی مز ہوں ترہے سارے کےسامنے

ہے ہے مثال جمان محرّ عربی

خداسے پو چھنے حال محتر عربی عجب ہے ہودو نوال محترع لی

رط به كو في مثال محتر عربي ين بيون غلام بلالي محمد عرى

نہیں ہے جس کو نیابل محدّعربی كرون فدا بحال محمد عربي

جميل قا درى شكر تعدا كر نوهي موا

غلام عِترت وأل محمّر عربي

بان ہوکس سے کمال محد عربی محال كباب كانس الككرس تعرلف

زمارز يلناسيصاس استان عالى سے لگار ہے ہی مملشہ سے ہروم کر

ا تدهیری دات مر بهوگی مری لحدمی تعلی

كياه وفاروض وفاك سے ده برتب

يرمان كيا دوجهان بصح كمقيم رمو

از مصرت أنسى عليالرهمة

کہا ن سنبل ؟ کہاں مُوئے محدّ کھنچا جا تاہیے دِل سوئے محدّ ہے دل ہی ہی رو کوئے محد رچی ہے بُوئے گیسوئے محد نسیم مگلشن کوئے محد

کہاں مکشن! کہاں روئے محمد اسے علم اس و آہن رہاکا ہے جا کہ اس و آہن رہاکا نہ چھانی مشت خاک اپنی کس نے دل صد حاک میں مانند شانہ در حال بخشن اعجاز مسحا

حیاتِ جاوداں یا ما ہے آئی قبیلِ تیخِ ابروٹے محد

3

رمیرے دل رہ جگر پر نہ دیدہ تر پر کرم کرے وہ نشانِ قدم تو پھٹر پر تہارے حن کی تصویر کوئی کیا کھینچے

تہا رہے حس کی تصویر کوئی کیا سینے تظر عظمر تی نہیں عارمِن منور پر

کی نے کی روکعبر کوئی گیا موغے دیر

پڑے میں بیرے بندے گریترے دربیر گنا ہ گار بعوں بی واعظو! تہیں کیا فکر

مرا معاملي جيموارد تشفيع محتشر پر

بلادسے کہ آج تومرنے ہیں دِندلے ساتی مزور کیا کہ یہ جلسہ ہو حوص کو تر پم آ نیرونت ہے آئی چلو مدینے کو شار ہو کے مرو بھربت بیمبر پر

ارصرت تنقيق جونموري علىالرجمة

نظراً تی ہے گلشن میں مواناماز گاراین کل باغ خلیلی میج دے باد بہار اپنی

ق باع سیلی نیج دے باو بہار ایسی اعدادے اُست کے دالی کفر صمکا مائے ملم کو

على كو بيميع د د أجاش كردوا لفقاراي

طربی مصطفے کو تھیوٹرنا ہے وجر بربا دی اسی سے قوم دنیا میں ہوئی ہے اقتدار اپنی

ہمیں کرنی سے شاہنشاہ بطیا کی رصنا ہو ئی وہ اینے ہو گئے تور حمت پرورد محار اپنی

بنے گی گری خورکشید فعلی با جات کی

وہ جس دم کے کے آئی گئے نیم توخمگوار اپنی وہ بیٹے موں اُٹھا موبارگاہ یاک کا یکردہ

دوبید می موشفیق جان شارابی

3

اُجالی دانت مہوگی اودمیدانِ فَجُبا مہو گا زبانِ مشوق پر پامعیلیفا یا معیلیفا ہوگا

کرا زے ہونگے دحمت کے فرشنے آسمانوں سے تعدا كانورموكا، رومتيم تيرا لورى بو كا وه تخلستان کمتر وه مدینه ک گذر گایس کسی تورنی موگا ، کسی تورخدا ہوگا يلم مى سى شورش موگى دل كى بيقرارى مي بين كر جامة احرام زار حيومتا بو كا م يو چھو عاشقوں كا ولوله بُدّه كيماس ر كبول يرتغمران تِلْتُ كِيارِ بِحُ الصَّمِ الْمُوكَا جھی ہوگی مری گرون گناہوں کی نجالت سے نهال يريا رسول الشرا تظر كاكنا موكا کچدا ونطوں کی قطاروں میں انوکھی سادگی ہوگی محيرى خوالون مصطيته كابيا بالكونجا موكا کبی دکوہ مفرح " سے نظامے ہونگے گنبدک كبي ربيرعلى" ير عاشقول كالجملية إوكا تنفيق اس دن مزلد جيودرد الفنة، كى فراواتى كريم موں مر جازياك كا دارالشفاء موكا

3,

الی یا صبا بلغ سلای و الی می المای ده جاگیں تو شدا سے ہم کلای مثر تعوال ترم کا می علامی عراق موکر رومی ہو کہ شامی

نہیں برے مواکوئی پیائی وہ سو جا بین نومعراج منامی ہے شاہوں کو بھی وجرُ نیک نامی ہراک سشیدا ہے مطانِ عرب کا نگاه سيرگاه رني مُعُ الله تَعَالَىٰ الله بَرَى عالى مقامي

اسی سرو خوامان کا ہے صدفہ کیم میں اینری خوست خوامی شرامی شخیات انداز سمسرت کے علاقہ مرے اشغاری ہے دنگر جامی مرحد اشغاری ہے دنگر جامی ارتبالی مرحد الشعاری مرحد ا

وہ بارانِ فیفی دوام استراللہ نبرت کے ماہ تمام استراللہ تعیم استراللہ تعیم استراللہ بیاری میں میں استراللہ بیاری کے کوٹر کا جام استراللہ بی ہے کوٹر کا جام استراللہ بی ہے کوٹر کا جام استراللہ کی استام استراللہ کی استام استراللہ کی استام استراللہ کی استام استراللہ

دل مصنطرب بہر طبیتہ ہے نالاں کم بن آب کو نیتم اور ان کی مجتت کی سزر نہ سے عاشن تیز گام الٹداللہ

لبوں پر درود وسلام آرہا۔۔۔ محمّد کا دارالسّلام آریا ہے۔ دسولِ تعدا کا خلام آریا ہے

رحوب خدا کا ملام آرہا ہے زمیں پر وہ ماہ تمام آرہا ہے منیسم برلب شاد کام آرہا ہے منیسم برلب شاد کام

تباں پر محد کانام آرا ہے

برکیسا مبارک مقام آرم ہے! ادب سے چلوا در سروں کو جھکا لو بسائی گئ راہ بن مکہنت گُل تدم چوشنے آ رسیے بین قرشنے مربنے کے آنا کا ہر ہر سوال دہ دیکھوا ٹیس رحمتوں کی گھائیں

محدّ كا دارا لسلام الشرالشر

جہان رسالت کے خورشید ناباں

الكامون مي طيته كى عفرتى بهاكرة

مرحمتر تستند لبول كوده لين

جيس اس كے فديوں بي ملئي سيمني

غریبوں کا مونس، یتمیوں کا ہما کے نے دندگی کا بیام اربا ہے ثمانة يعند احتزام آدياسه رمول گرای کے رومتری جانب تبتيم تنا توان سرور إمبارك فرا ک طرف سے سلم آریا ہے طيته كميما فرس سلطان دوجهال سے میرا سلام کمنا مجوب دوجاں سے میر سلام کہنا اُمّت ہے یامیاں سے میراسلام کہنا وحدث کے دازواں سے میراسل کتا عظمت مح عمران معيمرا سلام كبنا رفعت کے اسماں سے میراسلم کیٹا روصف کے توری جلو سے تھوں می کو کے لاما يرنوداكستان تعميدا ملام كهنا عرش علاكي شوكت ثملد جنال كارتبت بیغیر ال سے میرا سلام کہنا

عرمن وسما کے سرورا مندرشک ماہ وافخر تنوبر كهكتال مصميسرا سلم كمتاا تحجَه يد مثار جا ول با دِ صبا خدارا

تسكين تلب و جال سع مبراسلاك كمينا

دوسفے کی جا لیوں سے مجی ہم کمارم و کر فُلدِ نظرساں سے میراسلام کہنا

شاہ وگدا کے خانی دامن کو پھرنے والے عالم کے حکمال سے میرا سلام کہنا اسے میرا سلام کہنا اسے حازم مدمنے ! عرض نسبتم سے جا محم نواد بیکسال سے میرا سلام کہنا

1,

زی پر مالک محکو برب تشریف لاتے ہیں جہاں میں رحمہ الله المین تشریف لاتے ہیں

مبارک وه شهر دنیا و دبی تشریف لاتے بی ۱ هم انبیاء و مرسلین تشریف لاتے بین گداشات تربید

سکوں بخش دل اندوہ کیں تشریق السقے ہیں بہار کلشن علم و لیقیں نستر ایٹ لاتے ہیں

سلاطینِ جہاں حس کے فدم پرسر جبکا ئیں گے وہی محبوب دیگ اللعالمیں تشریف لاتے ہی

بوّت کے رسالت کے تربیت کے طرافیہ ہے مفدّس ما جدار اولی تشریف لاتے ہی

فیرو کے نوا اب دِل سکستهٔ رہ نہیں سکتے دوعالم جس سے سے زیکس تشریف لانے ہی

مروع میں مصاب اُک روشنی ہی روستنی ہو گئ زمیں مصابسان لک روشنی ہی روستنی ہو گئ کر شمع پُرمنیا ، نورمبین تنشر لیب لانے جِی

ر بین سرجب را سے یاں ہزار د ں عید ہیسے قربان اس ٹیر نور ساعت پر

ر مين رحمة للعالمين تشريف لات بي

جہان محن کے ممن ڈنشیں کی آئداکہ سہے شرخواں ورشک مرجبی تشریب لاتے ہی نشیم آواز دوجن ولنٹر بہرِ سلام آئب مریب اوائے بزم مرسیس نشریف لاتے ہیں مریب اوائے بزم مرسیس نشریف لاتے ہیں

سلام

روح ايبان مارع المالقلوة والسّلام المسلوة والسّلام المسلوم المسترسي كرم الصّلوة والسّلام المادب يرحق ريب الصّلوة والسّلام المسلوة والسّلام المسلولة والمسلولة والمسلولة والمسلولة والسّلام المسلولة والمسلولة والمسلو

مخرعيسے مازادم الصلوة والسّلام تا حداد عرش اعظم القّلوة والسلام سر ودادمن وسما بسلطان بزم انبياً رنج وم كاشام مجالطف داحت كاسح حب تنب معارج دكھاع تن برتم نے قدم داحت فلب حزیں ہے آپ كا ذكر جمل بام اسران مم و افكار پر بہر محدا

مر كفر كا موش رحمت من وه رسما سيف تم بو مرصا كرتاب مردم القلوة والسلام

3

نبی کی نگا و کرم الله الله کہاں یادگاہ درالت کی رقعت وہ شہر مدینہ کی صبح دِل اُداء بیب آمد ہموئی مرور دوجہاں کی سوالی کوئی ان کا محروم کیوں ہم

ده چاچی تو ذر عے بنیں ماه و انجم الشارون مين رب كي تحسم الشر الشر لیم ان کے جتب کف اُمستاں پر فرشتوں کے سر بھی پین خم اللہ اللہ کمیں کیے ہیں مکاں آپ کا ہے حقیقت میں ساداجہاں آپ کاسہے ين شام بن عالم جهان مرخميده وہ جنت بھف اُستاں اُ یہ کا ہے حفيقت كى المحمول سے ديھے لوكوئى براک سے میں ملوہ عیاں آک کا ہے مروش ہے ان کی عفلت کا پرجم دوعالم بيسكم روال أي كلي يهال سعوبال مكسع رحمت بي رحمت اگرنام ورو زبال آب کاسے مفدّس ، مطير ، ميادك ، منور ازل ہی معدنام ونتناں آپ کا ہے جبيب فرا، تاجدار مربته ذیں اُ یب کی اُسمال ا<mark>کپ کاہ</mark>ے سیم مزیں پر نگاہ کم ہو!

يمان ايمان

كروه بمي شها! مرح موال أيكله

جانِ ایمان یا رسول الشر تیرے قربان یا رسول الشر عرش وفرش دنلک بیرسب تیرے تیرنسدان یا رسول الشر الدرکس کے معتور سے جاؤں خالی دانان یا رسول اللہ تیری بھتی بنائی سے رب نے کیسی ذایشان یا رسول اللہ منزلین قبرو محترکی بہوں گ

یا رسول الثر ہوگامحتریں سائیان مئر پر واما ل بع انمان یا رسول الله ا ایر فلب می رہے روست ترے انسا نین پر ہی ہے شک لا کھوں احسان یا دیمول اللہ تم بو مهمان يا رسول الله كُعبُر دل مركبوں بروں عرش مقام . کردو یوائے کے دل کے سامے ارمان کیا رسول اللہ عظم صكاحب قبله برملوى مرطله تو شمع نبوت ہے عالم ترا بروانہ تواورسالت سے لے ملوہ مانانہ بوراتی کو ترکے جرے سے نقاب اُ مقے مردل بفے عانه ، برأ نظ بو سمانه دِل اینے بھک اُسٹے ایمان کی طلعت سے كرا كليس هي توراني اسے جلوه الا ال میں فیا ہ نسی کو نے دل کو بہ کبوں کیسے ہے قوا ہوا دل ہی مرکار کا کاشانہ كيون دلف معترس كو يع مزمهك أعظمة ہے بنیر فررت جب زلفوں کا تری شاتہ برعيول مي بُوتيري، برسمع بي منو تري البلب ہے ترا بلبل ، بروا ما ہے بروانہ اس دودکی حقوری ہی عصیاں کی دوانقہری ہے زہر معامی کا طیتہ ہی دوا خانہ

أباد اسے فرا ویران سے دل قوری جلوسے ترسے لیں جائی آیا دیو وہرانہ عظم قبله كيو تيوى عليه المرحمة تشيب معراج عجب نورسي مشيحان الثلد يتتريته يتتر طور ب مشبحان الثد راک قدم فرش برسه ایک قدم عرش پرسهد! ان کوزویک ہے جو دورسے معمان النر غيب كما بمزسد و ديكائي من ده عب الغيب يعني وه ذات بومشهور يدميم محان الشر وبير أسف بي وه أيات فدائ برتر يهى قرآن بى مسطود سيع مشيحان الله مرحباكميات كوفى توكوفى صُل كل نغمرسني ميں لب حور سے مشیمان اللہ رُبِّ صُبِ لِي بِهُا رب فِي كُمُ المِيمِ عِبِب تم كومتظور، تومنظور بد مسيحان اللر لے تھا عت کے دھتی بری ٹمفاعت کُن کر شادمال برول ربخورسط مسجان الشر يا ليا ان كو تو كومين كويا يا سستيد بعنى جحولى مرى عبرلورسي سنجحان التكر

ازمولانا قدرت الشرصاحب عارف يستوى

تو دنیا بن ہوتی متعلقت کسی کی مزمفنول ہوتی عیاد ست کسی کی نمایاں سے ان بی صباحت کمی کی و کھائے گامحتر بی عِزّت کسی کی منا نے کو آئے بشارت کی کی ولائے گ دوزخ عداوت كى كى

نه موتی جو منظوربعتنت کسی کی نعدا ك قسم! انبياء مجى مراكنے يه جا ندا درسور ج كى نورى شعامي شفاعت کی کنجی عطاکر کے مولی لتميى انبياء تا برُو ملے و عليلے کمی کی محبت سے جنت طے گ

لبوں پرگنز گار مارف کے بارب دم نزع جاری بوروت کبی کی

مدن چار کار

جهان میں جو آئینہ دارتی ہی محقیقت میں وہ جار بار نبی بی فدائے نبی جاں نتار بنی ہی

رفیق نبی عمکسار بنی بین! بڑا ان کا رہے سے اللہ اگر

البرمكيه و قاروق وعثمان و حيدر

ير جارون خلافت مح مندستين بن مير جارون اداكبن وين بني بين يهي دان دار رسول ابي بين

يهي با غبان رياض ليفني جي يه محوب مرور ، بر مفول دا ور

الوكر ماروق وعمان وحيد

بندائے بنی اور مقرب خدا کے یر مینند و فاکے ا بر پیکر حیا کے

يربرواني بي سمع ماغ حراك منوفے ہیں یہ میرت انبیاد کے

یہ عدل مجتم ، یہ صدق مصوّر الونكرو فاروق وعثمان وحيدر يمعراج ايمال كے بي چارزينے ير چالدن بن تا ج شرت كے نكينے مَنَّى بِنُ الْوَارِ سِيعِ الْ تَحْصِينَةِ ... مِنْوَادَا مِنْ الْوَارِ سِيعَ الْ كُوجَالِ نَبَى نَے مركى مفيقا أمقدس المعكر الويكر وفاردق و عمان وحيدر اللي نرا بني ہے جب مک مگب جاں محبّت رہے ان کے مبینے مِن فعال دلاان کی ہے، جان دیں دوج ایماں فراسے دعا ہے ہی مری برآں ر سے تا دم مرگ میری زبال بیر الويكرو فاردق وعمان وحيد ازجناب مُمَارَ ياره يتكوى إ رسے واغ عشق رسول تشام کو تارا ، مبح کو بیمول ع ميسي انوار رسول ميا تدييكس في الحالي وصول يليُّ نظر ہے۔ شكل رُسُول وبدے نعدا با حشر کو طول 的是上上的人 رحمتیں ہی سے تاب نزول بات مرینے جلیی کہاں کون کرے فردوس فہول ان سے پر کہنا جا کے صا ول سخ ببت دوری سمے مول اب تو بلالو ياكس فجھے اب تو گذارستس كراو قبول بيش نظر رومنه جو خمار اور يرهون مي نعت رسول

انتصرت بيدم وارثى علىالرحمة

عدم سے لائی ہے مہتی ہیں ارزوئے رسول کہاں کہاں ہیں سیے چرتی ہے جستجوئے رسول نوشاوہ دلکہ ہوجی دل ہی ارزوئے دسول نوشا! وہ اس کھ کر ہو محوصی مدستے رسول تلاش نقش کف یائے مصطفے کی تقسم

کھران کے نشرُ ایاں کا پُوچٹا کیا ہے۔ یوپی چکے ہیں ازلِ میں شنے مبوٹے دمول

بلائي لوں زرى اسے جذب شون صُلِّ ملى كرا ج دامن كھنے دم سے موسق در اللہ

المنگفتہ گلٹن زہرا کا ہر گئی تر ہے کمی میں دنگ علی ہے کہی میں بوٹے دشول

عجب تماشه بهو ميدان حمتر عي تبيم كرسب بهول بين نفدا ودي مد بوش يسول

از جناب حيأت وارقى معاحب

می بیاں موامرا دل مدینے ہی سے میں سے میں ہے میں ہے میں ہے میں ہے کہ رہیں ہے کہ رہیں ہے میں ہے میں ہے میں ہے می گرخوا کا محد کے سیننے میں ہے لطف جمّت سے اُڑھ کردینے میں ہے ئٹٹ احدازل ہی سے سینے ہی ہے عطر جنت ہی ہی الیں نوشیونہیں اس بیلے ہےاسی سمت کعبہ تھی کا پھُول تومچُول کانٹوں پی بیٹن سے کیا مفدّد ہے بر بکرو فارون کا بن کا گھردمتوں کے تربیع بی ہے بے سہالا نہ سجھے نمانہ مجھے میرے آقا کامسکین مرینے بی ہے

موت لا کی حبات اب نمی زندگی پیمزه میرسے مُرمُ کے جلینے میں ہے

تراني تماز

دمدارحن و کھائے گا اے بیسو اتماز جنّت تمهل لائے کی لیے بیبیو نماذ دمیارمصطفی می تمیں بیکے جائے گ خال<u>ن س</u>ے ختوائے گی <u>اے بی</u>نیو نماذ عرَّت كِسائف أولى لباس الح ذاورا مب کیمبس مہائے گانے بیلیو نماز جنت مين زم نرم مجيونو ن مختخت پر آرام سے سلائے گی اے بیلیو نماز خدمت تمهاری ورس کردیکی ادیے ساتھ رّنبرہبت بڑھائے گا سے بیبو نماز كوتر كي سبيل كي تريت بلائے كى ميوع تهس كلائے كى اے بيبي تماز توشيوس جب لسائے گی اے میسو نماز مب عطروميول برونگے تجھا ور ليسينے ير مُعْتَدِى مِواصِلاتِ كَى استيليو مَاز رحمت كح نشاميا نون في وضوكر ما قدمة باغ مب<mark>شت ، رو</mark>صنه مرنوان بهمار حکد سي كي تميس دكها في كي اليبيو مناز نغے تہیں سنانے گی اسے پیپونما نہ تُورِين تراف كائي كي اور جوم جوم كم يرطن رمو تمانركم دونوں جبان ميں سب کھتہدد لائے گی اے بیسو نماز فا فرسے مفلی سے جہتم کی آگ سے مسيح تميين كائے كالے سيوماز یات اعظمی کی مانو، به محدور و کمی ماز الترسع ملائے گی اسے بیبیو نماز

影

شجرة نقشبندرير مجددي

سلا معزت الوكرا مدق ومغاك واسط باالی دخ قرا ممصطفے اسے واسطے بهرسلان ، فاستم وتحقف ، محق بآترید ابوامني أوربوعل بانعدا ك واسط نوا مرلوسف عمد مالت ، عارف ومروحي مشرع بران على معدالعلاد كے واسط ما باستماسی محد، مستید میر کلال ستبربها والدين الم الاولهأ كح واصط يشخ علا والمرن وليقوث وعبالالتدولي خواجردابذلتا ہ دردنیش خدا کے واسطے شاه أركمنگی محمد ، نبواتم باقی بحق تعضرتِ احد مجدّد حق مناکے واسطے خوا معصوم وسعف الدين ومحس والدى ستد فور فحرالا اسل کے واسط مظهري جان جان وشاه عبدالسنوراني مولوی علیدر جان مفتدی کے واسطے مولدي عيدالعقور وسيد احترمان ما فظ الرارِحن بيرِ برئ كے واسط

مصرَّتِ محبوثِ احد کے نوسل کرعطا رہمت دارین عبار کم<u>صطف</u>ا کے <u>اسطے</u> (رمنی الشرقعالیٰ عہم اجبین)

شجرة قادريه رمنوبي

یا اللی رہم فرا معطف کے واسط یا رسول اللہ کرم کیجئے نعدا کے واسطے

مشکلیں عل کر شیر مشکل کشا کے واسط کر کبل بیش کرد شہبیڈ کربلا کے واسط سیدستجاد کے صدیے میں ما مدر کھ مجھے علم من دے باقر علم ہُدی کے واسطے

صدني صاوّق كا تصدّق صادن الاسلام كم بے عضب دا متی ہو کا ظم اور منا کے واسطے ببرمترون ومری معروف دے بی د مری جندحت مي كن مجنبد ما صفايك والسطح بہر مشیل شیر حق دینا کے کتوں سے بحا ایک کا رکھ عبروالد بے دیا کے واسطے بوالفرح كاصدفة كرخ كوفرح ويحن وسعد ابوالمس اورلوستيدسعدزا كے واسط تا دری کر ، قا دری رکھ ، قا درلوں میں أمثا تدرعيد القادر قدرت نما كے واسطے احمنُ اللّٰدُ أُرْقًا سے دے رزق حمن عيد مذاق ابن غوث الاولياء محدوا سط نعراني ما لح كا مددة ما لح وتفوردكم ور میات دی جی مال فزا کے واسط طور عرفاں و علو و حمد و حسنیٰ وبہا دے علیٰ موسیٰ محت ، احد بہا کے واصط بهرايل ميم مجه يد نايه غم گزاركم بمیک مے دایا بھائی یا دشاہ کے واسط تعامر مرل كومنيا صدر دوش المال كوجال شهضيا ملولي جال الأوليا و كے واسط وے گذیے لیے، دوزی کوا حدے لے نوان مُعَثَلُ لِنُدُ سِي مِقَدُكُواْ كُي واسط

دبن ودنیا کے مجھے برکات سے برکات سے عَنْنَ حَي فِي عَنْفَيْ عَنْنِي انتما كے واسطے نَبِّو ابل ببیت دیسے اور کھی کے لیے كر تنهمد تعنن حره بليتوا كے واسطے دل كو الحيان كوستقرا جان كو ير فوركم ا بھے بیارے سمس دیں بدرالعلی مے واسطے ودیهال میں خادم آبل رسول انٹد کم مصرت آبل رمشول مفتدیٰ مے <u>داسطے</u> ندرمان ونورايال نور قرو حمشر دسے الوافحسين احد نوري لفا مے واسطے كرعط احدرمنائه احد مرسل فح مرس مولا معزت احدرمنا کے واصط مَايِهُ حِمْلُهُ مِشَاكُحُ يَا إِنْهِدَا يَمْ يُرْرِبِ میرے مرنند حصرت حامدرضا کے واسطے یاالی ان مشاکخ کے وسیے کرعطا تعمت کو بن عبدالم<u>صطف</u> کے واسط مد قرال اعبال كافع جد عين عر، علم ومل عفو، عرفان، عاقبت اس بینوا کے واسطے (رصى الشرتعالي عهم اجعين) والشحيسلسليه

شیره مبارکه مر روز لعد مناز فجرایک با ربیره لیا کربی اس سے بعد درود غوتیر

سات بار، المحدنشريف ايك بار، أيستدالكرسى ايك بارتقل موالله مشرني سات بار ميمردرود خوشير، مين بار بيره كراس كاتواب ان تمام مشائح كرام كى ارواج طيته كو زنده كرين جس سك بانفر بريسيت كى سبت اكروه زنده سيت تواس كه يفيه دعائ عافيت وسلامت كرين رورنه اس كانام بمي شايل فانخركري كرين ـ

درد د نوتب

ٱلَّهُ مُرَصِّلِ عَلَى سَيِّدِ نَا وَمَوْ لَيْنَا فَعَيْدٍ مِعَ لِهِ الْجُوْدِ وَالْجُوْدِ وَالْجُودِ الْجُودِ وَالْجُودِ وَاللَّهِ وَالْجُودِ وَالْجُودِ وَالْجُودِ وَالْجُودِ وَالْجُودِ وَالْجُودِ وَالْجُودُ وَالْمُوالِقُودُ وَالْمُودُ وَال

بتنج كنج قادري

بعدنماز فجرياحَ ذِيرُ سِيَا اَ مَنْهُ يعدِنما ذِظهِرِيَا كُوِدْيُوْيَا اللّهُ بعدِنماذ عصرياجَبّادُ سِيااَ مَنْهُ بعدنما ذِمغرب يَاسَتّادُ بِيَاامَنْهُ بعدنما ذِ مُعْبَاءٍ. يَا خَفّا وُيَا اَ مَنْهُ

سب موموبار اوّل واکتونین نبن بار درو دسترلیف ان کوروزار برمصن سعے دین ور نباکی بے ننمار رکستی ظاہر مہوں گی ۔

المائے تعنائے ماجات

٧- حَسُبُنا الله وَ يعْدَم الْوَكِيلِ أَنْ سَارُ عَيْ الْمُعالِمُ مِومِنْ روزان المحمول مراد

پڑھیں، آقل واکنر درو دہمرلیب گیارہ گیارہ بارسی وفنت گھرام ہے ہواسی کلہ کو بخرنت پڑھیں ران شاء اِشْرتعا لی کام بن جائے گا۔

س کر طفیل صفرت کستگروشن میوشی زوی یعدتما زعشارا یک سوگیاره بار ۱۰ ور اقرل گیاره گیاره بار درود تقریف <mark>پڑھیں ، پر عینول عمل نہا بہت مجر</mark>ب اوراکسان بیں ۔ ان سے عفل<mark>ت درکی مائے ۔</mark>

منامات

باالهی ا ہر جگہ تیری حطا کا ساتھ بہو جب پڑے مشکل نشر مشکل کتٹاکاساتھ ہو یا اہلی مجھول جاؤں نزع کی کلیف کو شادی وبدار محمین مصطفے کاساتھ ہو

یاالہٰی! گورِ تیرہ کی جب کشے شخت رات ان کے بیا دسے ثمنہ کی صبح جا نفرا کاساتھ ہج

یا النی ا بجب بڑے محتشر ہیں شور دارو گیر امن دینے والے بیارے صطفیٰ کا ساخر ہو

> یا الیٰ الجب زبانیں باہرا ٹیں بیاس سے ساقی کوٹر شہر بڑو<mark>دو عطا کا ساتھ ہو</mark>

یا الہٰی اگرمی محشر سے جب بھر کی بدن دامنِ محبوب کی مصنفہ ی ہوا کا ساتھ ہو

یا الٰی! دنگ لائیں جب مُریسے باکیاں ان کی نیچی نیے نظروں کی حیاکا ساخہ ہو

یا الی اجب میں انگھیں صاب برم سے
ان بیسم ریز مونوں کی قدما کا ساتھ ہو
یا الی اجب مرشم شیر برجینا پراسے ا
کرت سرشم شیر برجینا پراسے ا
کرت سرشم کھنے والے بیشوا کا ساتھ ہو
یا الی اجب رضا نواب گراں سے سراطائے دولت بدارحش مصطف كا ساكة بمو



